Email- projnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
का समाचार-पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. (डॉ.) प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी, कुलपति

विशेषांक : वर्ष - अगस्त, 2020 से अगस्त, 2021

आजादी का अमृत महोत्सव

आजादी का पर्व आत्मचिन्तन एवं अन्तर्दर्शन का अवसर

कुलपति ने किया ध्वजारोहण एवं पौधारोपण

केंद्रीय कार्यालय में स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में 15 अगस्त, 2021 को कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने झण्डा फहराया। कुलपति ने हमेशा कर्मशील रहते हुए सकारात्मक सोच के साथ अपने कर्तव्यपथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। आजादी का यह पर्व आत्मचिन्तन तथा विश्लेषण करने का अवसर है। उस परिसर से अगाध प्रेम और स्नेह करने का है जिसके साथ हमारा जीवन बंधा हुआ है।

1939 में प्रकाशित एक आलेख में गाँधी जी ने कहा था - ''मैं आजादी की जंग लड़ते हुए लगातार यह सोच रहा हूँ कि आजादी के बाद हम कहीं निष्क्रिय तो नहीं हो जाएंगे। इसलिए अपने भाषणों मैं इन दिनों में लगातार कहता हूँ कि आजादी का अर्थ मुक्ति नहीं, दायित्वों का एक सौभाग्यपूर्ण बंधन है। हम अपने दायित्व न निभायें तो उस आजादी से बेहतर ये गुलामी ही है।''

समारोह समापन के पश्चात् विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय एवं नया परिसर में स्व. प्रो जेताराम विश्नोई स्मृति पार्क में एन.एस.एस. के सहयोग से वृक्षारोपण किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर संकाय अधिष्ठातागण प्रो. के. एल. रैगर, प्रो. सुनील शर्मा, प्रो. अशोक पुरोहित, प्रो. चन्दन बाला, प्रो. संगीता लूंकड, प्रो. एस.के. मीना, सिंडीकेट सदस्य प्रो. के. आर. गेनवा, पीआरओ प्रो. सरोज कौशल, गेस्ट हाउस के अध्यक्ष डॉ. महीपाल सिंह, एन.एस.एस. समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल, गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण एवं शोध संस्थान के निदेशक डॉ ओमप्रकाश, कुलपति सचिव राजाराम सेंगवा, विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कुलपति की कलम से

पश्चिमी राजस्थान के महत्त्वपूर्ण शिक्षण संस्थान जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में 'कुलपति' पद का निर्वहन करते हुए मेरे मन में विश्वविद्यालय के उत्कर्ष हेतु अनेक उदात्त विचार थे, जिन्हें हमने हमारे सुयोग्य आचार्यों, कार्मिकों तथा छात्रों के सहयोग से क्रियान्वित करने में सफलता पायी:-

- विश्वविद्यालय ने अपने सभी कार्य कोविड-19 महामारीकाल में राज्य सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार संपादित किये हैं। जिससे परीक्षाओं का आयोजन, नये सत्र में प्रवेश एवं ऑनलाईन कक्षाओं का संचालन करवाना भी सम्मिलित है।
- विश्वविद्यालय कोरोनाकाल में भी शिक्षा की निरन्तरता और ज्ञान की वृद्धि हेतु लगभग 150 से अधिक राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों पर आयोजित कर चुका है।
- वेबसाईट को अपडेट किया गया।
- एलुमिनी एसोसिएशन का पंजीकरण करवाया गया।
- पेटेन्ट सेल का गठन किया गया।
- रिसर्च डायरेक्टर की पोस्ट सृजित कर रिसर्च सेल को प्रभावी बनाया गया।
- नई टेलीफोन डायरेक्ट्री का प्रकाशन हुआ।
- 25 स्मार्ट बोर्ड लगवाये गये।
- केन्द्रीय पुस्तकालय का पुनरुद्धार एवं इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध करवायी गई।
- रुसा की ग्रांट का पूरा उपयोग हुआ एवं कई नवनिर्माणों (25) का लोकार्पण हुआ।
- पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विषय का प्रारम्भ हुआ।
- पीएच.डी. रेगूलेशन-2016 लागू हुआ।
- हॉस्टल रुल बुकलेट बनवाई गई।
- वाईल्ड लाईफ रिसर्च व कन्जरवेशन अवेयरनेस केन्द्र की स्थापना की गई।
- विश्वविद्यालय में जितने भी अध्ययन केंद्र निष्क्रिय थे, उनके निदेशक नियुक्त कर कार्यविधि को पुनः संचलन योग्य बनाया।
- महिला अध्ययन केन्द्र ने उत्कृष्ट कार्य किया।

- विश्वविद्यालय की एनएसस, एनसीसी व स्काउट विंग ने कोविड महामारी संक्रमण बचाव हेतु जागरुकता अभियान एवं सहायता करना इत्यादि।
- वृहदस्तर पर पौधारोपण।
- गोद लिये गाँवों में कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
- छात्र सेवा मण्डल द्वारा ऑनलाईन माध्यम से गतिविधियाँ आयोजित करना।
- माननीय राज्यपाल महोदय से पीएच.डी. ऑर्डिनेन्स-2018 स्वीकृत करवाना।
- दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस पर विभूतियों का सम्मान किया गया।
- आनन्दम् कोर्स को प्रारम्भ किया गया।
- एचआरडीसी का प्रारंभ होना एवं 50 कोर्स का यूजीसी द्वारा स्वीकृति प्रदान करना।
- कैशलेस लेनदेन आदि नवाचार किये गये।
- विश्वविद्यालय के इतिहास एवं प्रगति पर तीन फिल्में (10-10 मिनट, 45 मिनट) बनाई गईं।
- **NAAC** हेतु **AQAR** भेजा जा चुका है। **SSR** की तैयारियाँ पूर्णता की ओर हैं।
- **MPET 2021** की परीक्षा संपन्न करवाई गई।

मेरा संकल्प है

समय शिला पर मधुर चित्र गढ़ना है,
गौरवगाथा का हर पन्ना मिलकर पढ़ना है,
सागर के सीने पर बढ़ती ज्यों मिल–जुलकर लहरें,
लक्ष्यों के उत्तुंग शिखर पर वैसे चढ़ना है।

प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी

कुलपति,
जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर

सम्पादक की कलम से

प्रिय साथियों,

परिसर विश्वविद्यालय की मात्र सूचनात्मक समाचार पत्रिका नहीं है अपितु 'परिसर' हमारे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को सम्प्रेषित करने वाला महत्त्वपूर्ण प्रकाशन है। विश्वविद्यालय केवल विशाल भवनों का समूह मात्र नहीं होते। विश्वविद्यालय के प्राणों को इसके शिक्षक, छात्र तथा कर्मचारी समृद्ध करते हैं। विश्वविद्यालय के महनीय आचार्य-गण अपने चिन्तन तथा शोध के माध्यम से जो वैचारिक मुक्तामणियाँ सम्प्रेषित करते हैं, वे भावी-पीढ़ी को सुसंस्कृत करने में उपचरित होती हैं, अतः उनकी उपलब्धियों को 'परिसर' के माध्यम से रेखांकित करना हमारा पुनीत कर्त्तव्य है। छात्रों के द्वारा अध्ययन, शोध, क्रीड़ा तथा अन्य सह-शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालय की ज्ञान-परम्परा को अग्रेसारित किया जा रहा है, उनको समाज के उत्तम नागरिक बनाने में विश्वविद्यालय की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण है।

प्रत्येक संकाय, भिन्न-भिन्न अध्ययन केन्द्रों आदि ने कोविड महामारी के उपरान्त भी प्रभूत कार्यक्रमों का आयोजन कर अपने कर्त्तव्यों का सुचारु निर्वाह किया। ऑनलाइन पटल के माध्यम से विभागों ने विद्यार्थियों के ज्ञान-सम्वर्धनार्थ अनेक वेबीनार आयोजित किये। शोध-प्रवृत्ति के उत्कर्ष में इन वेबीनारों की महती भूमिका है। राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी, छात्र सेवा मंडल, स्मार्ट विलेज परियोजना, स्काउट एवं गाइड आदि के माध्यम से सामाजिक सम्बद्धता हमारा उत्तरदायित्व है। कर्मयोग ही हमारा ध्येय है। कहा भी कहा गया है -

काममय एवायं पुरुष इति, स यथाकामो भवति तत्क्रतुर्भवति।

यत्क्रतुर्भवति तत्कर्म कुरुते, यत्कर्म कुरुते तदभिसम्पद्यते।।

बृहदारण्यकोपनिषद् 4/4/5

यह व्यक्ति कामनामय ही है। वह जैसी कामना करता है,तदनुरूप संकल्प होता है, जैसा संकल्प करता है,वैसा ही कर्म करता है, जैसा कर्म करता है, उसके अनुरूप ही फल प्राप्त करता है। इस ध्येय के साथ विश्वविद्यालय अनेक स्तरों पर नित नूतन प्रतिमान रचने के लिए कृतसंकल्प है।

प्रो. सरोज कौशल
जनसम्पर्क अधिकारी
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर।

दीक्षान्त समारोह

जेएनवीयू का 17वाँ दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

- नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, राज्यपाल एवं उच्च शिक्षा मंत्री का रहा मार्गदर्शन।
- जेएनवीयू की वेबसाइट पर उपलब्ध यू-ट्यूब लिंक से हजारों छात्रों ने वर्चुअल समारोह देखा।
- विद्यार्थियों के हाथों में डिग्री नहीं, प्रकाश पुंज - श्री कैलाश सत्यार्थी
- 77 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, 42174 स्नातक, 6882 स्नातकोत्तर डिग्रियाँ प्रदान की गईं।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के सत्रहवें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल माननीय कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के 42174 स्नातक, 6882 स्नातकोत्तर एवं 138 शोधार्थियों को पीएच. डी की उपाधियाँ प्रदान कीं। वहीं 77 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय में प्रथम बार तीन मानद उपाधियाँ प्रदान की गई। पहली बार यह समारोह वर्चुअल आधार पर हुआ, जिसमें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित श्री कैलाश सत्यार्थी ने दीक्षांत उद्‌बोधन दिया। एमबीएम कॉलेज सभागार में भव्य मंच पर कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी व कुलसचिव श्रीमती चंचल वर्मा मौजूद रहे। वहीं राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, उच्च शिक्षा मंत्री भंवरसिंह भाटी, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित श्री कैलाश सत्यार्थी आभासी रूप से समारोह में मौजूद रहे और उद्‌बोधन दिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत स्वास्थ्य कारणों से समारोह में आभासी रूप से नहीं जुड़ सके।

विद्यार्थियों के हाथ में एक प्रकाश पुंज, एक मशाल – कैलाश सत्यार्थी

एमबीएम सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि विभिन्न उपाधि धारक विद्यार्थी आज से नए जीवन की शुरुआत कर रह हैं, उसमें अवसरों के साथ-साथ चुनौतियाँ भी हैं, जिसे स्वीकार कर आगे बढ़ें। कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् आपके हाथ में एक प्रकाश पुंज, एक मशाल है। आप इस मशाल को थाम कर इस स्थान तक पहुँचाने वाले सभी जनों के प्रति कृतज्ञता बोध को प्रकट करें।

उन्होंने कहा आप भले ही किसी भी पृष्ठभूमि से आए हो लेकिन आप में हीनता का भाव नहीं होना चाहिए। इसे अपने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से सीख सकते हैं। वे बेहद सामान्य पृष्ठभूमि से निकलकर इसी विश्वविद्यालय से

डिग्री प्राप्त कर आज ऊँचे स्तर पर पहुँचे हैं। आप भी उनकी तरह ऊँचे स्थान पर पहुँच सकते हैं। श्री सत्यार्थी ने कहा कि हमारे जीवन का लक्ष्य केवल पैसा कमाना नहीं होना चाहिए बल्कि एक-दूसरे की जिम्मेदारी उठाते हुए कृतज्ञता से अपने कार्यो को अंजाम देना चाहिए तथा करुणा को अपने डीएनए का हिस्सा बनाएं, क्योंकि जब हम दूसरों के दुःख-दर्द को अपना समझ कर कार्य करते हैं वही जीवन में सच्ची डिग्री है।

चुनौतियों से मुकाबले के लिए दक्ष बनें, मरुभूमि में शोध एवं अनुसंधान करें– राज्यपाल

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए महामहिम कुलाधिपति एवं राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नहीं हैं बल्कि विद्यार्थी के नये जीवन की शुरुआत है। विद्यार्थी इसके बाद ही नए परिवेश में ढलने के लिए संस्कारित होता है। मैं आशा करता हूँ कि आप सभी विश्वविद्यालय से प्राप्त अपनी शिक्षा और संस्कारों का उपयोग राष्ट्र को सबल बनाने में करेंगे। उन्होंने कहा कि "विश्वविद्यालय ज्ञान के लिए सभी ओर से अपने आप को खुला रखें। याद रखें कि हम जो जानते है वो थोड़ा है, जो नहीं जानते उसकी कोई सीमा नहीं है।' आपने विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों को अद्यतन शिक्षा प्रणाली एवं तकनीक से जोडने पर बल दिया साथ ही कहा कि "वैश्वीकरण के दौर में विश्वविद्यालय के दायित्व बदल रहे हैं और जिम्मेदारियाँ भी बढ़ रही हैं। वर्तमान की चुनौतियों, विशेषकर विज्ञान, अभियान्त्रिकी, कला, साहित्य, संस्कृति, मीडिया एवं तकनीकी विषयों में विद्यार्थियों को दक्ष किया जाना आवश्यक है।" आपने मरुभूमि को आधुनिक भारत के अनुकूल ढालने के लिए शोध एवं अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया।

गुणात्मक शिक्षा की आवश्यकता - उच्च शिक्षा मंत्री

राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय पर मुख्यतः पश्चिमी राजस्थान के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने तथा देश के पश्चिमी भूभाग पर गुणात्मक शिक्षा का विस्तार और सामाजिक, आर्थिक एवं वैज्ञानिक प्रगति को स्थापित करने की भी जिम्मेदारी है। इसी के साथ शिक्षण और अनुसंधान के उच्च मानकों को स्थापित करने का भी दायित्व है।

कुलपति ने किया स्वागत तथा प्रस्तुत किया प्रतिवेदन -

कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय की

उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया तथा कहा कि विश्वविद्यालय न केवल नवीन पाठ्यक्रम तैयार करने की ओर प्रवृत्त है अपितु स्वयं के संसाधन जुटाने के लिए प्रयत्नरत है। हमारा लक्ष्य अधिकाधिक रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम संचालित करने का है ताकि युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर मात्र उपाधि ही प्राप्त न करें अपितु मनोवांछित रोजगार भी प्राप्त करें।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में लम्बे समय से रिक्त पड़े शैक्षणिक और अशैक्षणिक पदों पर शीघ्र नियुक्ति करना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने राज्य सरकार से स्वीकृति शीघ्र प्रदान करने का अनुरोध किया।

तीन महानुभावों को मानद उपाधि

1. समारोह में विधि क्षेत्र में डी. एलएल उपाधि डॉ. दलवीर भंडारी को दी गई।

2. विज्ञान विषय में डी. एससी उपाधि प्रो. गोवर्धन मेहता को प्रदान की गई।

3. सामाजिक कार्य में डी. लिट् की उपाधि श्री एस. एन. सुब्बाराव को प्रदान की गई।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ललित पंवार एवं डॉ. राजश्री राणावत द्वारा किया गया तथा गार्ड ऑफ ऑनर एनसीसी प्रभारी प्रो. कमल सिंह के नेतृत्व में प्रदान किया गया।इस अवसर पर ईएमएमआरसी द्वारा निर्मित वृत्तचित्र भी प्रस्तुत किया गया।

गोद लिए गाँव की प्रशंसा

राज्यपाल महोदय ने गोद लिए गाँव की प्रशंसा की और उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि इस विश्वविद्यालय ने मोगड़ा कला गाँव को आदर्श गाँव बनाने के लिए गोद लेकर सृजनात्मक महत्व के कई कार्य किए हैं। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की टीम ने जहाँ एक ओर कोरोना काल में ग्रामवासियों को निःशुल्क मास्क व सेनेटाईजर वितरित किए वहीं स्वास्थ्य जागरुकता के लिए सामान्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर लोगों में जागरुकता का संदेश दिया। इस क्रम में निशुल्क नेत्र चिकित्सा, स्वैच्छिक रक्तदान जैसे कार्यो की जितनी सराहना की जाये कम है। कम्प्यूटर लैब की स्थापना, साक्षरता शिविर, बालिका शिक्षा, बाल विवाह रोकथाम, स्वस्थ व स्वच्छ भारत अभियान, जन-जन शिक्षा, घर-घर शिक्षा का अलख जगाना, पौधारोपण करना आदि कार्य अत्यन्त प्रशंसनीय हैं। मुझे यह भी ज्ञात हुआ है कि विश्वविद्यालय ने सालावास गाँव को भी आदर्श गाँव बनाने का निश्चय किया है। इस हेतु यहाँ मुख्य मार्गो पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा दसवीं व बारहवीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों हेतु 51,000/- रुपये की एफ.डी. तथा लैपटॉप ग्राम पंचायत विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना प्रारम्भ की गई है। रक्तदान शिविर, महिलाओं के लिए रोजगार प्रशिक्षण शिविर, कौशल विकास कार्यक्रम, 'जन्मदिन मनाओ-पुण्य कमाओ' जैसी योजनाएं निश्चय ही हमें सकारात्मक दृष्टिकोण की ओर प्रेरित करती हैं।

संविधान के प्रति प्रतिबद्धता : आमजन को संविधान की जानकारी होना आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता, अखण्डता व सामाजिक समरसता के लिए कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। मैं चाहता हूँ कि विश्वविद्यालयों में युवाओं को मूल कर्त्तव्यों का ज्ञान कराने के लिए अभियान चलाया जाये। देश की युवा पीढी को मूल कर्तव्यों के बारे में बताया जाना आवश्यक है।

छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने ऑनलाइन देखा समारोह

दीक्षांत समारोह का लिंक जेएनवीयू की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाया गया। यू-ट्यूब लिंक से हजारों छात्रों ने वर्चुअल समारोह देखा। इसको लेकर विद्यार्थियों में काफी उत्साह नजर आया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी व कुलसचिव श्रीमती चंचल वर्मा मंच पर मौजूद रहे। समारोह के संयोजक प्रो. अशोक कुमार पुरोहित, वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता प्रो.रमन कुमार दवे, अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सुनील शर्मा, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. किशोरीलाल रैगर, सांयकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो.एस.के. मीणा, वित्तीय सलाहकार मंगलाराम विश्नोई विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे। तकनीकी टीम के सदस्य भी इस दौरान मौजूद रहे। संगीत विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने कुलगीत व सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। समारोह के सफल आयोजन के लिए कुलसचिव श्रीमती चचंल वर्मा ने कुलाधिपति, उच्च शिक्षा मंत्री, कुलपति, सिण्डीकेट व सीनेट सदस्यों व विभागाध्यक्षों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान से समारोह का भव्य समापन हुआ। अन्त में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कुलाधिपति की अनुमति से दीक्षांत समारोह के समापन की घोषणा की।

स्वर्ण पदक वितरण समारोह में गोल्ड मेडल मिलने से खिले चेहरे

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के बृहस्पति भवन सभागार में आयोजित स्वर्ण पदक वितरण समारोह में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक एवं दानदाता स्वर्ण पदक कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी के सानिध्य में वितरित किए गए। जन सम्पर्क अधिकारी प्रो. सरोज कौशल ने बताया कि कोरोना संक्रमण के कारण विश्वविद्यालय ने अपना 17वां दीक्षांत समारोह वर्चुअल आधार पर आयोजित किया था, जिसमें सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों को ऑनलाइन डिग्री वर्चुअल रूप से प्रदान की गई थी। कोरोना दिशा-निर्देशों की अनुपालना के साथ स्वर्ण पदक वितरण समारोह आयोजित कर विश्वविद्यालय के 77 विद्यार्थियों में से उपस्थित 66 विद्यार्थियों को सभागार में सामाजिक दूरी रखते हुए कुलपति प्रो. त्रिवेदी के करकमलों से स्वर्ण पदक एवं डिग्री प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में कुलसचिव चंचल वर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. के.आर. गेनवा के साथ सभी संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता विद्यार्थी विद्यमान रहे।

जेएनवीयू के शिक्षक टॉप साइंटिस्ट रैंकिंग में सम्मिलित

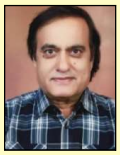

विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के चार शिक्षकों को वर्ल्ड टॉप साइंटिस्ट में सम्मिलित किया गया। विश्व विद्यालय के प्रो. आर.जे. सेंगवा, प्रो. अतरसिंह शेरोन, प्रो. जी.डी. शर्मा और प्रो. कल्याण के. बेनर्जी को वर्ल्ड रैंकिंग ऑफ साइंटिस्ट के एक प्रतिशत में सम्मिलित किया गया।

डॉ. राठौड़ की पुस्तक प्रकाशित करेगी हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सह आचार्य डॉ. महीपाल सिंह राठौड़ द्वारा लोक साहित्य के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम अनुसंधान के आधार पर लिखी गयी पुस्तक 'लोक साहित्य की रूपरेखा' का प्रकाशन राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी जयपुर द्वारा किया जायेगा। इस सम्बन्ध में अकादमी ने लेखक से अनुबंध किया है।

प्रो. सेंगवा के शोधकार्य को नोबेल लारेट प्रोफेसर गुडएनफ ने अपने नये शोधपत्र में मान्यता प्रदान की

भौतिक विभाग के प्रोफेसर आर.जे. सेंगवा द्वारा 'लिथियम आयन होम पोलिमर इलेक्ट्रोलाइट' पर 'आयनिक' जर्नल में प्रकाशित शोधकार्य को वर्ष 2019 के रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार विजेता अमेरिकी वैज्ञानिक प्रोफेसर जॉन बी. गुडएनफ ने अपने 28 जून 2021 के 'ए.सी.एस. एप्लाइड मटेरियलस तथा इंटरफेसेज' जर्नल में OI:10-1021/ acsami.1c07547 से ऑनलाइन प्रकाशित शोधपत्र में साइटेशन करके प्रोफेसर सेंगवा करके प्रोफेसर सेंगवा द्वारा दिये गये रिजल्टस् को मान्यता प्रदान की। इलेक्ट्रोलाइटस् पदार्थो में आयनिक चालकता को उपयोगी स्तर तक बढ़ाने तथा नये प्रकार के पोलिमर इलेक्ट्रोलाइट बनाकर उनका उच्च ऊर्जा घनत्व ठोस लिथियम ऑयन बैटरी निर्माण में प्रभावी उपयोग को समझाया। लिथियम ऑयन बैटरी क्षेत्र में उपयोग आने वाले पदार्थो के सततः विकास में अपूर्व योगदान के लिए वर्ष 2019 में 'द यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एंड ऑस्टिन' के प्रोफेसर गुडएनफ को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

भौतिक विज्ञान विभाग में 1986 से प्रोफेसर सेंगवा ने एडवांस मेटेरियल के क्षेत्र में उल्लेखनीय शोध कार्य किया तथा अपने शोध को विश्व के उच्च इम्पेक्ट जर्नलस् में प्रकाशित किया। अब तक 168 शोधपत्र विश्व के टॉप जर्नलस् में प्रकाशित करने तथा उनका कुल साइटेशन 4432 होने के कारण प्रो. सेंगवा के शोध आकलन 'एच. इन्डेक्स' का मान 40 प्राप्त हुआ है जो शोध क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक के लिए बड़ी उपलब्धि है।

प्रो. सरोज कौशल ने अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता के रूप में दिये व्याख्यान

1- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के द्वारा 'सतत विकास और श्रीमद्भगवद्गीता का दर्शन' विषय पर आयेजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 22 दिसम्बर, 2020 को विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रदान किया।

2- जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा 27 दिसम्बर, 2020 को विशिष्ट वक्ता के रूप में 'भारतीय प्रमाणमीमांसा' के अंतर्गत' तन्त्रयुक्ति की उपादेयता' विषयक व्याख्यान दिया।

3- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार में 21 मार्च, 2021 को 'गोरखनाथ की वाणी में लोकसंग्रह' विषय पर विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

4- गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ, जेएनवीयू, जोधपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में 4 जून, 2021 को 'जम्भेश्वर दर्शन में पर्यावरण सम्वेदना' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. सरोज कौशल ने संस्कृत कवि सम्मेलन में किया संस्कृत कविता-पाठ

1- राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह, के अंतर्गत 1 अगस्त, 2020 को संस्कृत कविताओं का पाठ किया। इस काव्य-पाठ में देश के सुप्रसिद्ध संस्कृत कवियों ने समकालीन संस्कृत कविताओं को प्रस्तुत किया था।

2- पितृ दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय कवि संगोष्ठी में 20 जून, 2021 को संस्कृत कविताओं की प्रस्तुति की। यह कार्यक्रम राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रो. सरोज कौशल के ब्लॉग प्रकाशित

प्रो. सरोज कौशल ने राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर की वेबसाइट पर दो ब्लॉग प्रकाशित हुए। **'उदात्त जीवन का अभिप्रेरकः माघकाव्य'** 17 मार्च, 2021 को तथा **'संस्कृत साहित्य में पिता की महनीयता'** विषय पर 20 जून, 2021 को दो ब्लॉग प्रकाशित किये गये। यह संस्कृत विभाग तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए गौरव आधायक अवसर है कि विश्वविद्यालय के शिक्षक शैक्षणिक स्तर पर उत्कर्ष की ओर अग्रसर हैं।

बॉटनी के प्रोफेसर ने ढूंढा नया एंजाइम

बॉटनी विभाग के प्रो. ज्ञानसिंह शेखावत ने ऐसे

एंजाइम की खोज की है, जो पौधे को अधिक तापमान और लवणीय परिस्थिति में बचाएगा। इस उपलब्धि को विश्व की प्रतिष्ठित जर्नल्स में 'नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में सम्मिलित किया गया है। हाल में इनको इंडियन बोटेनिकल सोसाइटी द्वारा वाईएस मूर्ति मेमोरियल गोल्ड मेडल पुरस्कार दिया गया।

डॉ. मीणा को डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा

देश में साहित्य, पत्रकारिता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में

उल्लेखनीय कार्यो के लिए डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार 2021 के लिए राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. जनक सिंह मीना को प्रदान करने की घोषणा बाबा साहेब की 130 वीं जयंती के अवसर पर अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एस. पी. सुमनाक्षर द्वारा की गई है।

प्रो. मीना बर्डिया ने अंतर्राष्ट्रीय वर्ल्ड कॉफ्रेंस में भाग लिया

लोक प्रशासन विभाग में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत प्रो. मीना बरड़िया ने इन्टरनेशनल पोलिटिकल साइन्स एसो-

सिएशन की 26वीं वर्ल्ड कॉफ्रेंस में भाग लिया। राज-नीति विज्ञान के विश्व महाकुंभ मे प्रो. बरड़िया ने प्रथम दिवस पर 10 जुलाई को अपना शोध पत्र कश्मीर्स स्पेशल स्टेटस एण्ड रिवोकेशन ऑफ अर्टिकल 370 ऑफ द कांस्टिट्यूशल ऑफ इंडिया विषय पर प्रस्तुत किया।

डॉ. श्वेता झा ने किया रिसर्च पेपर का ऑनलाइन वाचन

डॉ. श्वेता झा, सहायक आचार्य, वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा चतुर्थ इंटरनेशनल कान्फ्रेंस

ऑन एप्लायड बायो- केमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी बोहाई यूनिवर्सिटी, चाइना में उनके रिसर्च पेपर इंटेग्रेटेड फिजियोलॉजिकल एण्ड कंपेरेटिव नालिसिस ऑफ जीरो हैलोफाइट एट्रिप्लेक्स.रिवील अंडर लाइंगसाल्ट स्ट्रेस टॉलरेंस मैकेनिज्म का वाचन किया गया।

प्रो. गोयल को 'एक्सीलेंट रिसर्चर अवार्ड'

विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के बीएफई विभाग के प्रो. कृष्ण अवतार गोयल को इंटरनेशनल अकादमी फॉर

एक्सीलेंट इन रिसर्च के तहत एक्सीलेंट रिसर्चर अवार्ड के लिए चुना गया है। डॉ. गोयल की 12 पुस्तकें और 50 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. सरोज कौशल महामहोपदेशक विद्यावाचस्पति पं. मधुसूदन ओझा वेद-वेदांग सम्मान से सम्मानित

आस्था सांस्कृतिक संस्था,

जयपुर के द्वारा प्रोफेसर सरोज कौशल को वेद-वेदांग एवं संस्कृति सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान करने के उपलक्ष्य में महामहोपदेशक विद्यावाचस्पति पं. मधुसूदन ओझा वेद-वेदांग सम्मान से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। यह भी ध्यातव्य है कि प्रो. कौशल पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ, संस्कृत विभाग की निदेशक हैं, तथा वेद-विज्ञान के क्षेत्र में उन्होंने महत्त्वपूर्ण प्रकाशन किए हैं।

राजस्थानी काव्य कृति "कोरोना-काळ" का लोकार्पण

मानवीय संवदेनाओं से परिपूर्ण है कोरोना-काळ : प्रो. पी.सी. त्रिवेदी

काव्य-कृति कोरोना काळ मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है यह विचार जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने मुख्य आतिथ्य उद्‌बोधन में व्यक्त किए। कार्यक्रम अध्यक्ष राजस्थानी के ख्यातनाम कवि-आलोचक डॉ. आईदान सिंह भाटी ने कहा कि कोरोना-काळ काव्य-कृति डिंगल परम्परा के दूहा-छंद में रचित है, जो वर्तमान मानव की मनोदशा को सहज रूप से उजागर करती है। रचनाकार भंवरलाल सुथार ने ग्राम्य-परिवेश की बिंबात्मकता से अपनी रचनाओं को लबरेज करके समकालीनता का स्वर मुखर किया हैं।

मुख्य वक्ता रचनाकार श्री जहूर खां मेहर ने कहा कि कोरोना- काळ काव्य-कृति में गरीब, मजदूर और आम आदमी की पीड़ा को जिस रूप में उजागर किया गया है वो अपने-आप में अद्‌भुत है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थानी कवि-आलोचक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने कहा कि यह काव्य-कृति वर्तमान समय और समाज की दशा और दिशा को लेकर एक महत्त्वपूर्ण कृति है। इस अवसर पर राजस्थानी रचनाकार भंवरलाल सुथार ने कोरोना काळ के दौरान अपने सृजन पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजक सुनील सुथार ने स्वागत उद्‌बोधन एवं डॉ. भवानी सिंह पातावत ने आभार व्यक्त किया।

जेएनवीयू में टेलीफोन डायरेक्टरी का विमोचन

विश्वविद्यालय में नई टेलीफोन डायरेक्टरी बनाई गई जिसका विमोचन कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने किया। डायरेक्टरी में विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के शिक्षकों और संकायों के संपर्क सूत्र उपलब्ध है।

कुलपति ने किया डॉ. साँखला की पुस्तक का विमोचन

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने लक्की इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के प्राचार्य एवं लेखक डॉ. अर्जुन सिंह साँखला लिखित 'एक थी कठिनाई' पुस्तक का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में जोधपुर संभाग के निजी कॉलेजों की समिति के अध्यक्ष शैतानसिंह चौधरी, सचिव वीरेंद्र माथुर, कोषाध्यक्ष नवविक्रम सिंह तोमर, शिक्षाविद तथा जोधपुर के महिला महाविद्यालय की प्राचार्या मनोरमा उपाध्याय उपस्थित थीं।

'भारतीय संगीत का इतिहास' पुस्तक का विमोचन

संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव शुक्ल द्वारा रचित भारतीय संगीत का इतिहास पुस्तक का विमोचन प्रदेश के मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने जयपुर में किया। भारतीय संगीत के इतिहास विषय के विद्यार्थियों के लिए इस पुस्तक को अत्यंत ही उपयोगी बताया।

सिंडीकेट सदस्य सोढाणी की पुस्तक का विमोचन

विश्वविद्यालय के सिंडीकेट सदस्य व गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा के पूर्व कुलपति की 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन' विषयक पुस्तक का विमोचन कुलाधिपति व राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में किया।

शेखावाटी किसान आंदोलन पुस्तक का ऑनलाइन विमोचन

शेखावाटी किसान आंदोलन एवं स्वतंत्रता सेनानी चौधरी ताराचंद झारोड़ा विषयक पुस्तक का ऑनलाइन विमोचन इतिहास विभाग द्वारा आयोजित वेबीनार में किया गया । इस पुस्तक के लेखक डॉ भरत देवड़ा ने बताया कि पुस्तक की प्रस्तावना राजस्थान के किसान आंदोलनों पर गहन शोध कार्य कर चुके प्रख्यात इतिहासकार प्रोफेसर पेमाराम द्वारा लिखी गई।

वेबीनार में माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर प्रवीण चंद्र त्रिवेदी, डीन प्रो. के. एल. रैगर, विभागाध्यक्ष प्रो सुशीला शक्तावत, मुख्य वक्ताओं एवं स्वतंत्रता सेनानी ताराचंद शिक्षा विकास समिति के पदाधिकारियों द्वारा लेखकों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

डॉ. सुरेश कुमार की पुस्तक का कुलपति त्रिवेदी ने किया विमोचन

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने डॉ. सुरेश कुमार लिखित पुस्तक आधुनिक एशिया का इतिहास का विमोचन किया। इस मौके पर इतिहास विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर प्रो. भवानी सिंह राजपुरोहित मौजूद रहे। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने डॉ. सुरेश कुमार लिखित पुस्तक को छात्रोपयोगी एवं महत्त्वपूर्ण बताकर उनको शुभकामनाएं दीं।

डॉ. मीणा की पुस्तक का विधायक ने किया विमोचन

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर एवं नेपासी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. जनक सिंह मीणा द्वारा लिखित भारतीय संविधान, राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली नामक पुस्तक का विमोचन लोहावट विधायक किशनाराम विश्नोई ने जोधपुर सर्किट हाउस में किया।

रोवर्स एवं रेंजर्स स्काउटिंग की लघु पुस्तिका का विमोचन

रोवर ग्रुप लीडर डॉ. भरत देवड़ा द्वारा संपादित रोवर्स रेंजर्स स्काउटिंग नामक लघु पुस्तिका का माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने विमोचन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ग्रुप लीडर डॉ. भरत देवड़ा तथा कला संकाय के प्रथम क्रू के रोवर लीडर डॉ. ललित कुमार पवार उपस्थित रहे। यह पुस्तिका यूको बैंक के आर्थिक सहयोग से प्रकाशित की गई।

कुलपति ने किया राजस्थानी वेबिनार पोस्टर का विमोचन

विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग और बाबा रामदेव शोधपीठ के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित होने वाले ''आधुनिक राजस्थान गद्य विधावां: एक दीठ'' विषयक ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार के पोस्टर का विमोचन कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी ने केंद्रीय कार्यालय में किया।

'वैश्विक महामारी के पर्यावरण पर प्रभाव' दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार के पोस्टर विमोचन

पर्यावरण जागरुकता हेतु शोधपीठ द्वारा साईकिल रैली, फोटो प्रदर्शनी एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का होगा आयोजन- प्रो. पी. सी. त्रिवेदी

जेएनवीयू द्वारा संचालित गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण शोधपीठ द्वारा वैश्विक महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव विषय पर 4 जून को वेब संगोष्ठी तथा 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। पोस्टर एवं संगोष्ठी ब्रोशर के विमोचन के दौरान कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी ने कहा कि इस प्रकार की संगोष्ठी से हमें प्राचीन मनीषियों के ज्ञान एवं गुरु जम्भेश्वर की शिक्षा का भान हो सकता है।

शोधपीठ के निदेशक डॉ. ओम प्रकाश विश्नोई ने कहा कि शोधपीठ द्वारा पर्यावरण उद्यान, साईकिल रैली, फोटो प्रदर्शनी, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी अनेक कार्यक्रमों को आयोजन पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी के कार्य निरन्तर किए जाएंगे।

कुलपति ने किया राजस्थानी सांस्कृतिक सप्ताह पोस्टर का विमोचन

विश्वविद्यालय में छात्र सेवा मंडल के अन्तर्गत राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से एक मार्च से छह दिवसीय राजस्थानी सांस्कृतिक सप्ताह के पोस्टर का विमोचन विवि के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने किया। पोस्टर विमोचन में छात्र सेवा मंडल अध्यक्ष प्रो. नरेन्द्र मिश्र, प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीनाक्षी बोराणा आदि सम्मिलित हुए।

फंजाई पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की चार पुस्तकों का विमोचन

शिक्षकों का अभिनंदन, सम्मान समारोह

वनस्पति शास्त्र विभाग में कार्यरत प्रो. प्रवीण गहलोत व लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के प्रो. जोगिन्द्र सिंह द्वारा फंजाई पर लिखी चार पुस्तकों का विमोचन किया गया। पुस्तक विमोचन व शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी मुख्य अतिथि थे जबकि कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के भूतपूर्व कुलपति व काजरी के सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एल. एन. हर्ष एवं जोधपुर नगर निगम महापौर श्रीमती कुन्ती देवड़ा विशिष्ट अतिथि थे।

इन चारों पुस्तकों का प्रकाशन विश्व के सर्वश्रेष्ठ व विज्ञान जगत के अग्रणी प्रकाशक एल्सीवीयर, नीदरलैंड द्वारा किया गया है।

Details of MoU signed between JNVU & other agencies

S. No.	Organization	Collaborating Areas
1.	Rajasthan ILD Skills University, Jaipur	Exchange information related to teaching and research, collaborate in curriculum development, provide mutual access of facilities for academic purposes, etc.
2.	INFLIBNET Centre, Gandhi Nagar	For Shodhganga/Shodhgangotri
3.	Indian Institute of Technology, Jodhpur	Research and allied activities
4.	Mining Engineers' Association of India, Rajasthan Chapter, Jodhpur	Effective use of resources to promote mining education, Skill based training, education and research, etc.
5.	All India Institute of Medical Sciences, Jodhpur	Research and allied activities
6.	Indian Institute of Technology, Kanpur	For Centre for Ganga River Basin Management and Studies (cGanga)
7.	Heartfulness, Education Trust Vijayawada	Education, Heartfulness relaxation, meditation and connected wellness workshops, etc.
8.	Haridev Joshi University of Journalism and Mass Communication, Jodhpur	Exchange information related to teaching and research, collaborate in curriculum development, provide mutual access of facilities for academic purposes, etc.
9.	ICAR-National Bureau of Plant Genetic Resources, Regional Station, Jodhpur	Research and allied activities
10.	Govind Guru Tribal University, Banswara	Encourage Higher Education, Vedic studies and research

मंगला राम विश्नोई को जेएनवीयू वित्त नियंत्रक का चार्ज

श्री मंगलाराम विश्नोई ने जयनारायण व्यास विश्व-विद्यालय के वित्त नियंत्रक का

कार्यभार संभाला। कार्यभार संभाल कर अधिकारियों की बैठक ली। इस अवसर पर कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र चारण व अनिल पंवार सहित कई कर्मचारियों ने विश्नोई का स्वागत किया।

डॉ. सांखला बने बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी कोर्स के समन्वयक

जेएनवीयू से सम्बद्ध एमबीएम

इंजीनियरिंग कॉलेज के स्ट्रक्चरल विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरेश सांखला को बिल्डिंग एण्ड कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का समन्वयक नियुक्त किया गया।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं इनफ्लिबनेट, गांधीनगर के मध्य पीएच.डी. शोध ग्रन्थ जमा करवाने के लिए हुआ एमओयू

कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं गांधीनगर स्थित यूजीसी द्वारा अनुमोदित इनफ्लिबनेट केन्द्र के मध्य शोध ग्रन्थ **(Ph.D. Thesis)** जमा करवाने हेतु समझौता हुआ है। कुलपति ने बताया कि इसके लिए जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो.पवन कुमार कसेरा को विश्वविद्यालय समन्वयक नियुक्त किया है।

जेएनवीयू और आईआईटी जोधपुर में एमओयू

विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के मध्य बायोसाइंस अनुसंधान को लेकर एक एमओयू हुआ। आईआईटी जोधपुर के शिक्षकों और व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू के अंतर्गत आईआईटी और जेएनवीयू मिलकर बायोसाइंस पर संयुक्त रूप से शोध करेंगे।

विश्वविद्यालय व राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के मध्य एमओयू

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर व राष्ट्रीय

पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, क्षेत्रीय केन्द्र जोधपुर के मध्य एम.ओ.यू. का आदान-प्रदान हुआ। कुलपति प्रो.

प्रो. गेनवा परीक्षा नियंत्रक, प्रो. गर्ग बने इलेक्ट्रिकल विभागाध्यक्ष एवं डॉ. ओपी विश्नोई बने गुरु जम्भेश्वर शोध संस्थान के निदेशक

विश्वविद्यालय के केमेस्ट्री विभाग के प्रो. के.आर. गेनवा को परीक्षा नियंत्रक का कार्य

प्रो. के.आर. गेनवा

सौंपा गया। हाल ही में परीक्षा नियंत्रक प्रो. जैताराम विश्नोई का निधन होने से यह पद खाली हो गया था।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रो. अखिल रंजन गर्ग को

प्रो. अखिल रंजन गर्ग

विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

गुरु जम्भेश्वर शोध संस्थान का डायरेक्टर

प्रो. ओ.पी. विश्नोई

केमेस्ट्री विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ. ओपी. विश्नोई को नियुक्त किया है।

त्रिवेदी व राष्ट्रीय पादप आनुंवाशिक संसाधन ब्यूरो की तरफ से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी डॉ. विजय सिंह मीणा ने एम. ओ. यू. पर हस्ताक्षर कर एक दूसरे को एम.ओ.यू. की कॉपी भेंट की।

विश्वविद्यालय व हार्टफुलनेस एजूकेशन ट्रस्ट के मध्य एमओयू

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में आनन्दम् के अन्तर्गत हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट से एमओयू किया गया। एमओयू पर विश्वविद्यालय की तरफ से माननीय कुलपति प्रो. त्रिवेदी तथा हार्टफुलनेस एजूकेशन ट्रस्ट की तरफ से प्रो. विमला शेरॉन ने हस्ताक्षर कर एक-दूसरे को एमओयू की मूल प्रति भेंट की।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय तथा हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के मध्य हुआ 'एमओयू'

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के मध्य में एमओयू हुआ। इस एमओयू के माध्यम से शैक्षणिक तथा शोध गतिविधियों का दोनों विश्वविद्यालय आदान-प्रदान करेंगे। साथ ही कौशल-विकास पाठ्यक्रमों के संदर्भ में परस्पर वैचारिक विनिमय होगा। दोनों विश्वविद्यालय संसाधनों को परस्पर साझा करेंगे। कार्यशालाओं का आयोजन आदि अनेक बिंदुओं पर दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी तथा श्री ओम थानवी ने विचार-विमर्श पूर्वक पारस्परिक साझेदारी की प्रतिज्ञा की।

मुख्यमंत्री ने किया विवि में कौटिल्य कौशल नीति केन्द्र का वर्चुअल लोकार्पण

राजस्थान के मुख्यमंत्री माननीय अशोक गहलोत ने 03 जून को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के पुराना परिसर स्थित कौटिल्य कौशल नीति केन्द्र का वर्चुअल लोकार्पण किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी, नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल एवं युवा मामले एवं खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अशोक चानणा व राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत को धन्यवाद ज्ञापित कर बताया कि नव निर्मित कौटिल्य कौशल नीति केन्द्र भवन में 1 बड़ा हॉल, 4 छोटे हॉल एवं 12 स्टाफ रूम निर्मित किए है। प्रो. त्रिवेदी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार की नीतियों की प्रशंसा कर मुख्यमंत्री का आभार जताया। लोकार्पण एवं शिलान्यास का पूर्ण कार्यक्रम वर्चुअल रूप से संपादित हुआ। जिसमें कलेक्ट्रेट सभागार के सामने एनआईसी के वीसी कक्ष में उपस्थित मान्यगण इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े रहे।

विश्वविद्यालय में कम्प्यूटर प्रयोगशाला व बालिका छात्रावास वार्डन आवास का लोकार्पण

एम. बी. एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के कम्प्यूटर साइंस विभाग में नवनिर्मित दो कम्प्यूटर प्रयोगशाला कक्षों व अनुसूचित जनजाति बालिका छात्रावास हेतु वार्डन आवास का उद्घाटन कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी के कर कमलों द्वारा हुआ। कम्प्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बरवड़ ने बताया कि इन दोनों प्रयोगशाला कक्षों के निर्माण से विभाग में सुविधाओं का विस्तार हुआ है। अनुसूचित जनजाति बालिका छात्रावास के वार्डन आवास का उद्घाटन करते हुए कुलपति ने बताया कि वार्डन आवास बनने से आगामी सत्र में छात्रावास का उपयोग पूर्ण दक्षता के साथ किया जा सकेगा।

रूसा के नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि रूसा के तहत् लगभग 50 लाख रुपये के अनुदान से दो कम्प्यूटर प्रयोगशाला कक्षों का निर्माण तथा लगभग 20 लाख रुपये से छात्रावास वार्डन आवास का निर्माण करवाया गया।

एमबीएम कॉलेज में कौशल विकास केन्द्र व कम्प्यूटर सेंटर नवीनीकरण का शुभारम्भ

कोविड दौर में हाइस्पीड इंटरनेट फाइबर लाइन से जुड़ा विश्वविद्यालय

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में कंप्यूटर सेंटर के नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ एवं कौशल विकास केंद्र का शिलान्यास कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने किया। माइंनिंग इंजीनियर्स ऐसोसिएशन ऑफ इंडिया-राजस्थान चेप्टर के सहयोग से कौशल विकास केंद्र बनेगा। रूसा के आर्थिक सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में इंटरनेट एवं कंप्यूटर सुविधाओं की बढ़ती मांग के कारण कंप्यूटर सेंटर के नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ और न्यू कैंपस के सभी संकायों में हाइस्पीड इंटरनेट लाइन लगाई गई।

नेपासी न्यूज लैटर का कुलपति ने किया लोकार्पण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पी.सी. त्रिवेदी द्वारा न्यू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सोसायटी के 44 वें न्यूज लैटर का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर नेपासी के महासचिव सह कोषाध्यक्ष डॉ. जनक सिंह मीना ने उपस्थित विद्वज्जनों को न्यूजलैटर की प्रति भेंट की।

ललित कला विभाग के नवनिर्मित कक्ष का लोकार्पण

ललित कला विभाग के नवनिर्मित कक्ष का लोकार्पण कमला नेहरू महिला महाविद्यालय परिसर में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. त्रिवेदी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। जो आर्ट गैलरी, स्टूडियो, स्मार्ट क्लास, विजुअल रिसोर्स सेंटर के लिए उपयोग में लाया जाएगा एवं पश्चिमी राजस्थान के कला केंद्र के रुप में विकसित किया जायेगा। डॉ. ऋतु जौहरी व डॉ. रेनू शर्मा ने इस अवसर पर विभाग के विषय में कुलपति महोदय को अवगत कराया। इस अवसर पर निदेशिका प्रो. कैलाश कौशल, रुसा के नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत, संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. सरोज कौशल, चीफ इंजीनियर प्रो. रवि सक्सेना, इंजीनियर रवि पुरोहित एवं विभिन्न विभागों के शिक्षणगण उपस्थित थे।

केएन कॉलेज में ई-लाइब्रेरी एवं चित्रकला विभाग आर्ट गैलेरी का उद्घाटन

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में छात्राओं की सुविधा के लिए 4 फरवरी, 2021 को कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी एवं कॉलेज निदेशक प्रो. संगीता लूंकड़ ने फीता काटकर ई लाइब्रेरी और आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया। कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि सकारात्मक सोच से हम जीवन में नित नये आयाम स्थापित कर सकते हैं। निदेशक प्रो. संगीता लूंकड़ ने कहा कि ई-पुस्तकालय से छात्राएं लाभान्वित होंगी।

अभियान्त्रिकी संकाय के चार विभागों में नए कक्षा- कक्ष व प्रयोगशालाओं का उद्घाटन

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के एम. बी. एम. अभियांत्रिकी संकाय में 24 मार्च को चार विभागों में नवनिर्मित कक्षा-कक्ष व प्रयोगशाला का विधिवत उद्घाटन किया गया। रासायनिक विभाग में सुसज्जित संगोष्ठी कक्ष, नागरिकी विभाग में नए कक्षा-कक्ष, संरचनात्मक विभाग में प्रयोगशाला व इलेक्ट्रोनिक्स और संचार विभाग में कक्षा-कक्ष व प्रयोगशाला कक्ष का निर्माण रूसा अनुदान राशि से आर.एस.आर.डी.सी. जोधपुर द्वारा लगभग एक करोड़ रुपये की राशि से करवाया गया। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन रासायनिक विभाग के नवनिर्मित संगोष्ठी कक्ष में किया गया। कार्यक्रम के अन्त में विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील सारस्वत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

केएन कॉलेज में रसायन शास्त्र प्रयोगशाला का लोकार्पण

कमला नेहरू महिला कॉलेज में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा सांसद कोष से बनी रसायन शास्त्र प्रयोगशाला का 17 जुलाई, 2021 को लोकार्पण किया गया।

कॉलेज निदेशक प्रो. संगीता लूंकड़ ने कहा कि सभी छात्राओं के लिए समान अवसर हैं। अपनी क्षमता पहचाने और आगे बढ़ें। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा कोरोना वैश्विक महामारी के उपरान्त भी विश्वविद्यालय के शिक्षक कार्यों को पूर्ण निष्ठा के साथ कर रहे हैं। ढाई सौ शोध पत्रों का प्रकाशन शिक्षकों द्वारा किया गया है।

जेएनवीयू फार्मेसी का नींव मुहूर्त एवं रक्तदान शिविर

जेएनवीयू नया परिसर में कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी के कर कमलों द्वारा 2017 से चल रहे फार्मेसी (डिप्लोमा व डिग्री) कोर्स के नए भवन के लिए प्रस्तावित जगह पर नींव का मुहूर्त एवं भवन का शिलान्यास हुआ।

इस उपलक्ष मे छात्रों एवं फैकल्टी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 37 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के डीन प्रो. अशोक पुरोहित, अध्यक्ष रसायन शास्त्र विभाग प्रो. कैलाश डागा, प्रो. संगीता लूंकड़, भवन निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता विनीत गुप्ता, अभियंता रवि पुरोहित, गणमान्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे।

हिन्दी विभाग में स्मार्ट कक्ष का लोकार्पण

विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में इस विषय के पुरोधा कवि व आलोचकों ने अपनी सेवाएँ दी हैं और उनकी साधना से विभाग को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। इस गौरव को बनाने में यहाँ के शिक्षकों का महनीय योगदान है, ये विचार कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने 19 अगस्त, 2021 को हिन्दी विभाग में शिक्षकों के सहयोग से निर्मित स्मार्ट कक्ष के लोकार्पण के अवसर पर व्यक्त किए। प्रो.त्रिवेदी ने इस अवसर पर हिन्दी विभाग में अज्ञेय पांडुलिपि एवं शोध संग्रहालय का विधिवत उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नरेन्द्र मिश्र, अधिष्ठाता कला संकाय, प्रो. के.एल. रैगर, पूर्व अधिष्ठाता प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय, महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. सरोज कौशल आदि विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

कला संकाय नव भवन, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग में लैब तथा संगोष्ठी कक्ष का लोकार्पण

विश्वविद्यालय में कला संकाय नव भवन, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) लैब तथा संगोष्ठी कक्ष का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने पर माननीय कुलपति प्रो. त्रिवेदी द्वारा लोकार्पण किया गया। कला संकाय नव भवन के लोकार्पण के पश्चात् 1200 छात्रों को बैठने की अतिरिक्त सुविधा प्राप्त होगी।

वहीं एम.बी.एम कॉलेज लैब एवं संगोष्ठी कक्ष जीर्णोद्धार लोकार्पण में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि सरकार को हमने उच्च शिक्षा परिषद्, उच्च शिक्षा लोकसेवा आयोग, अम्ब्रेला यूनिवर्सिटी एक्ट, नयी शिक्षा नीति के तहत समान पाठ्यक्रम जैसे प्रावधान करने का सुझाव दिया है। ये कार्य सम्पन्न होने पर प्रदेश में संचालित 27 सरकारी तथा 64 निजी विश्वविद्यालयों में सकारात्मक परिणाम होंगे।

विज्ञान संकाय में कक्षाओं व प्रयोगशालाओं का उद्घाटन

विज्ञान संकाय में 15 अप्रैल को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) अनुदान राशि से निर्मित नई कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, विभागाध्यक्ष हेतु कार्यालय का विधिवत् उदघाटन किया गया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में बताया कि इस भवन से गणित व सांख्यिकी विभाग की सुविधाओं में विस्तार होगा। गणित व सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आर. के. गुप्ता ने कहा कि इस विभाग को लम्बे समय से प्रयोगशालाओं की आवश्यकता थी, जो अब रूसा अनुदान राशि से पूर्ण हुई है।

हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित सेमीनार

1. गुप्त जी भारतीयता के अग्रदूत हैं : मैथिलीशरण गुप्त की जयंती पर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के हिंदी विभाग द्वारा व्याख्यान आयोजित की गई। सुप्रसिद्ध साहित्यकार व लखनऊ विश्वविद्यालय के आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष **प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित** ने गुप्त जी के महाकाव्य 'साकेत के नवम् सर्ग' पर सारगर्भित व्याख्यान देते हुए कहा कि साकेत आधुनिक हिंदी साहित्य का सर्वश्रेष्ठ काव्य है। गुप्त जी का काव्य राष्ट्र की अमरवाणी है। उनका संपूर्ण काव्य भारतीयता से ओतप्रोत है। गुप्त जी ने कहा है- ''जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है। वह नर नहीं पशु निरा है और मृतक समान है।'' गुप्त जी भारतीयता के अग्रदूत हैं। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के हिंदी विभागाध्यक्ष व संयोजक प्रो. नरेंद्र मिश्र ने संगोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि लॉकडाउन में विद्यार्थियों/शोधार्थियों को ई कंटेंट उपलब्ध कराने के लिए व्याख्यानमाला प्रारंभ की गई है।

2. घनानन्द विषयक व्याख्यानः विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता, रीतिकाल के विद्वान् और घनानंद काव्य मर्मज्ञ तथा पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रो. रामदेव शुक्ल ने घनानंद काव्य और उनके जीवनवृत्त के कई अनछुए पहलुओं को बताया। उन्होंने कहा घनानंद प्रेम की पीर के कवि है। अध्यक्ष हिंदी विभाग डॉ. नरेंद्र मिश्र ने कहा कि घनानंद ने बंधी-बंधाई परिपाटी से अलग काव्य रचना की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रवीण चन्द ने किया। संचालन डॉ. अरविन्द जोशी व धन्यवाद फत्ताराम नायक ने किया।

3. साहित्यकार को मधुमक्खी की तरह होना चाहिएः विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में हिन्दी कथा साहित्य पर साहित्यकार मृदुला सिन्हा का व्याख्यान हुआ। मृदुला सिन्हा ने कहा, साहित्यकार को मकड़ा नहीं मधुमक्खी की तरह होना चाहिए। हिंदी विभाग जोधपुर से डॉ. महिपाल सिंह, डॉ. कुलदीप सिंह मीना, डॉ. कीर्ति माहेश्वरी, डॉ. प्रेमसिंह, डॉ. महेन्द्रसिंह, डॉ. कामिनी ओझा, डॉ. विनीता चौहान, डॉ. कमला चौधरी, डॉ. प्रवीणचंद, डॉ. फत्ताराम नायक एवं डॉ. अरविंद जोशी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

4. रामचरितमानस भारतीय वाङ्मय का अद्भुत रत्नाकरः विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में रामचरितमानस के उत्तरकांड पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के एमेरिटस प्रो. श्रीनिवास पांडेय का व्याख्यान हुआ। विषय प्रवर्तन एवं स्वागत हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र ने किया। प्रो. पांडेय ने कहा, राजराज्य की स्थापना के लिए भरत का चरित्र नींव का पत्थर है। सत्ता के प्रति भरत का निर्मोह और भातृत्व प्रेम अप्रतिम है जो वर्तमान राजनीति और सत्ता के लिए अनुपम

उदाहरण बन सकता है।

5. 'जायसी अपने युग के साथ आज भी प्रासंगिक' : हिंदी विभाग की ओर से व्याख्यानमाला की 13वीं श्रृंखला का आयोजन हुआ। व्याख्यान में राष्ट्रीय एकता के ध्वजवाहक मलिक मोहम्मद जायसी विषय का प्रवर्तन तथा स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र ने किया। मुख्य वक्ता उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कन्हैया सिंह ने जायसी व उनके रचना कर्म दृष्टिकोण के बारे में विचार प्रस्तुत किए।

6. स्वाधीनता आंदोलन की गीता है : हिंदी विभाग द्वारा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की अमर कृति 'भारत-भारती' पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यानमाला के निदेशक व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र ने कहा कि गुप्त जी राष्ट्र की धड़कन को समझते थे और यही कारण है कि गाँधी ने उन्हें राष्ट्रकवि नाम दिया। मुख्य वक्ता प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने बताया कि गुप्त की सभी रचनाओं में भारत-भारती राष्ट्रीय चेतना का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमुख रचना है जिसे स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांतिकारियों ने गीता की भाँति सराहा।

7. महिला कथा लेखन को आलोचकों ने किया उपेक्षित: हिंदी विभाग की ओर से 21 फरवरी को व्याख्यानमाला की 24वीं कड़ी में समकालीन कथा साहित्य विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। सुप्रसिद्ध कथाकार ने आलोचकों पर आरोप लगाया कि वे महिला कथाकारों को दोयम दर्जा का मानकर उन्हें स्तरीय नहीं माना, जिससे साहित्य का बड़ा अहित हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. सूर्यबाला ने समकालीन कथा साहित्य पर सार्थक चर्चा करते हुए हिंदी कहानी की प्रारंभिक यात्रा की ओर दृष्टि डाली। डॉ. कामिनी ओझा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

8. 'आदिकालीन साहित्य पर शोध समय की यक्ष मांग' : ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला में आदिकाल की पृष्ठभूमि और नाथ साहित्य विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र मिश्र ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. महेन्द्र सिंह ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। मुख्य वक्ता डॉ. उदय प्रताप सिंह ने आदिकाल की पृष्ठभूमि को समझाते हुए नाथ संप्रदाय पर विस्तार से चर्चा की।

9. 'अनायास रुप से रचा साहित्य सर्वोत्कृष्ट साहित्य': हिंदी विभाग और पत्रकारिता विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में व्याख्यानमाला की 27वीं श्रृंखला 'हिंदी के प्रमुख नाटक और नाटकार' विषय पर आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में ख्यातनाम साहित्यकार हरीश नवल सम्मिलित हुए। मुख्य वक्ता डॉ हरीश नवल ने कहा कि आधुनिक काल के हिंदी नाटककार भारतेंदु हरिश्चंद्र के राष्ट्रीय अनुराग, नाट्यकर्म और अभिनय कौशल से हिंदी नाटक की यात्रा आरंभ की।

10. कामायनी विषय पर व्याख्यानमाला : हिंदी व पत्रकारिता विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में जयशंकर प्रसाद की कालजयी कृति कामायनी विषय पर 28वीं व्याख्यानमाला आयोजित की

गई। मुख्य वक्ता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के कुलपति डॉ. सुरेंद्र दुबे ने जल प्लावन की कथा के माध्यम से वर्तमान में प्रकृति के रूप में हो रहे शोषण पर विशेष प्रकाश डाला। मुख्य संरक्षक जेएनवीयू कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने इस व्याख्यान में प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखने की बात की।

11. हिंदी भारतीयता की पर्याय है: विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नरेंद्र मिश्र ने आधार वक्तव्य दिया तथा कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत उद्‌बोधन के साथ किया। श्री विकास दवे, निदेशक, मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी ने विश्व हिंदी के पटल पर अपने बीज वक्तव्य में कहा कि हिंदी हमारा स्वाभिमान है। मुख्य वक्ता श्री कैलाश चंद्र पंत, मंत्री संचालक, मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति व प्रधान संपादक अक्षरा, ने कहा : आजादी के संघर्ष के समय राष्ट्र नेताओं ने हिंदी को अपनाने का प्रण लिया। प्रो. नंद किशोर पांडे, अधिष्ठाता कला संकाय व रिसर्च डायरेक्टर, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर व पूर्व निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि हिंदी भाषा में व्यक्ति की प्रतिष्ठा बसी है। यह स्वीकार्यता की भाषा भी है। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने विश्व हिंदी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि विज्ञान में भी हिंदी आएगी और विज्ञान के शिक्षकों को विज्ञान की राष्ट्रीय उच्च स्तर की पत्रिका के लिए भी सोचना चाहिए।

फोर्थ स्टेट और रियल स्टेट में अन्तर कम रह गया है: बारेठ

राज्य सूचना आयुक्त नारायण बारेठ ने कहा कि इस नई सदी के 21 वें साल में आते-आते बहुत सारे देशों में लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ और रियल स्टेट के मध्य अब अंतर कम रह गया है। जिनके पास फोर्थ स्टेट है वह अपनी एक भुजा रियल स्टेट में रखना चाहते हैं और जिनके पास रियल स्टेट हैं वे फोर्थ स्टेट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. पी.एस. भाटी ने मीडिया को एक शक्ति के रूप में बताया। उन्होंने कहा कि संविधान में आम आदमी को अभिव्यक्ति की जितनी स्वतंत्रता दी गई है, उतनी मीडिया को भी है। समारोह अध्यक्ष कुलपति प्रो. त्रिवेदी, विशिष्ट अतिथि राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी में निदेशक डॉ. बी.एल. सैनी, विवि हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र थे। विवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. महीपाल सिंह राठौड़ और संयोजक डॉ. हरीदास व्यास ने भी अपने विचार रखे।

संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सेमीनार

पं. मधुसूदन ओझा के ग्रन्थों पर विद्वानों ने प्रदान की नूतन दृष्टि

पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ, संस्कृत विभाग ने पं. मधुसूदन ओझा की 154वीं जयन्ती पर विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान, जयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में 'सप्तदिवसीय विचार संसद्' का अन्तर्राष्ट्रिय स्तर पर आयोजन किया।

1. 9 अगस्त, 2020 को उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अध्यक्षता करते हुए वेद-विज्ञान की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. अनुला मौर्य, कुलपति, ज.रा. संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, स्वामी ज्ञानेश्वरपुरी ने पं. ओझा के अवदान पर चर्चा की। प्रकोष्ठ निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने कहा कि पं. ओझा ने वेदाध्ययन की नूतन दृष्टि प्रदान की है। धन्यवाद डॉ. सुरेन्द्र शर्मा ने ज्ञापित किया।

2. 10 अगस्त को प्रो. लक्ष्मी शर्मा ने 'इन्द्रविजय' पर व्याख्यान करते हुए ग्रन्थ के वैशिष्ट्य को विस्तार से निरूपित किया।

3. श्री कैलाश चतुर्वेदी ने शारीरक विज्ञान पर तथा प्रो. गणेशीलाल सुथार ने पं. ओझा की पुरुषार्थचतुष्टय विषयक अवधारणा को व्याख्यायित किया।

4. प्रो. दयानन्द भार्गव ने 'नासदीय सूक्त के आलोक में सृष्टि विद्या' पर गहन चिन्तनपूर्ण व्याख्यान प्रदान किया।

5. प्रो. अनन्त शर्मा ने पं. ओझा की वैदिक दृष्टि के नूतन प्रतिमानों की व्याख्या की।

6. प्रो. सरोज कौशल ने 'गीताविज्ञानभाष्य के वैशिष्ट्य' को रेखांकित किया।

पं. मोतीलाल शास्त्री के सिद्धान्तों की शोधपूर्ण व्याख्यापरक व्याख्यान आयोजित

14 से 20 सितम्बर पर्यन्त पं. मोतीलाल शास्त्री की 60वीं पुण्यतिथि पर राष्ट्रिय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। डॉ. कैलाश चतुर्वेदी ने पं. मोतीलाल शास्त्री के श्राद्ध-विज्ञान विषय पर व्याख्यान प्रदान किये। डॉ. पुष्पलता गर्ग ने पं. मोतीलाल शास्त्री की अध्यात्म दृष्टि की व्याख्या की। प्रो. सरोज कौशल ने कठोपनिषद् विज्ञान भाष्य की पृष्ठभूमि पर शोधपूर्ण व्याख्यान प्रदान किया।

गीता का सन्देश सार्वभौमिक तथा सार्वकालिक है : प्रो. सरोज कौशल

संस्कृत विभाग तथा महिला पी.जी. महाविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में गीता जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सरोज कौशल ने गीता के योगः कर्मसु कौशलम्, स्थितप्रज्ञता तथा लोक संग्रह की शास्त्रीय अवधारणा का निरूपण किया। अध्यक्षता प्रो. नरेन्द्र अवस्थी ने की तथा डॉ. नीतेश व्यास ने संयोजन किया।

पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ के द्वारा प्रकाशित कैटेलॉग का विमोचन

पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ के द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों का परिचय प्रदान करने तथा पं. ओझा के ग्रन्थों की विस्तृत सूची को कैटेलॉग के माध्यम से सम्पादित किया गया है।

शोध प्रकोष्ठ निदेशक प्रो. सरोज कौशल

ने बताया कि इस कैटेलॉग की विशेषता यह है कि इसमें पं. ओझा के ग्रन्थों का पृथक्-पृथक् विषयों के आधार पर वर्गीकरण किया गया है। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने पं. ओझा शोध प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित कैटेलॉग का लोकार्पण किया।

अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक का मंचन

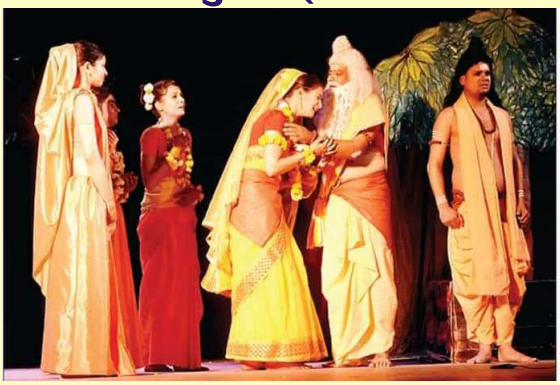

संस्कृत विभाग तथा राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर द्वारा संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित महाकवि माघ महोत्सव के अन्तर्गत जोधपुर के टाऊन हॉल में महाकवि कालिदास के द्वारा रचित अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक का मंचन किया गया। नाटक के निर्देशक डॉ. दीपक भारद्वाज थे। डॉ. भारद्वाज ने महर्षि कण्व की भूमिका भी निभाई। नाटक के चतुर्थ अंक का बहुत प्रभावी मंचन कर उन्होंने अभिज्ञान शाकुन्तलम् को जीवन्त कर दिया। अकादमी के निदेशक श्री संजय झाला के सहयोग से ही यह आयोजन सम्भव हुआ। कुलपति प्रो. त्रिवेदी इसमें मुख्य अतिथि के रूप में तथा राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष श्री रमेश बोराणा विशिष्ट अतिथि थे।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी शोध एवं सूचना प्रणाली का आधार स्तम्भः प्रो.त्रिवेदी

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का भूगोल विभाग अब देहरादून स्थित इसरो से जुड़ गया है। इसरो ने ऑनलाइन आउटरिच कार्यक्रमों के लिए जेएनवीयू के भूगोल विभाग को नेटवर्क संस्थान के रूप में नोडल सेंटर बनाया है। विभागाध्यक्ष प्रो. जयसिंह राठौड़ ने बताया कि इससे विश्वविद्यालय से जुड़े विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों को ऑनलाइन आउटरिच कार्यक्रमों के माध्यम से सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली तकनीक को जानने एवं समझने का अवसर मिलेगा। भूगोल विभाग आईआईआरएस इसरो के साथ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग एवं शोध तकनीकी को सुगम बनाने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इसरो ने भूगोल विभाग में कार्यरत डॉ. ओम प्रकाश को इस नोडल सेंटर का समन्वयक नियुक्त किया है, डॉ. ओम प्रकाश ने इससे पूर्व आईआईआरएस-इसरो से देहरादून में दो माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित

कुलपति कार्यालय में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में कुलपति प्रो. त्रिवेदी एवं कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. किशोरी लाल रैगर ने सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

लिटरेरी एसोसिएशन में 'सिनेमा और महिला' पर व्याख्यान

अंग्रेजी विभाग की साहित्य परिषद् द्वारा आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फिल्म समीक्षक एवं आलोचक अजीत राय ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। विभागाध्यक्ष प्रो. कल्पना पुरोहित ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. के.एल.रैगर ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में फ्रांस की अभिनेत्री मेरियन बोर्गो, फ्रांस में फिल्म निर्माता पियरै फिल्मोन, फ्रांस की फिल्मों के समीक्षक ललित राव और वरिष्ठ पत्रकार एवं रंगकर्मी सिराज सईद मौजूद रहे। अपने उद्‌बोधन में अजीत राय ने फिल्म इंडस्ट्री एवं फिल्मों में महिला के स्थान एवं महिला फिल्मकारों द्वारा चुनौतीपूर्ण विषयों पर कार्य करने पर महत्त्वपूर्ण बातों को रेखांकित किया। इस साहित्यिक संगोष्ठी में प्रो. अशोक पुरोहित, प्रो. चैनाराम चौधरी, प्रो. अरविंद परिहार, प्रो. सरोज कौशल, डॉ. रेनू शर्मा, प्रो. मीना बर्डिया, प्रो. कांता कटारिया, डॉ. महिपालसिंह राठौड़ आदि के साथ-साथ अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अंग्रेजी विभाग में व्याख्यानमाला का शुभारंभ

अंग्रेजी विभाग के साहित्य परिषद के द्वारा व्याख्यानमाला का शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन भारतीय प्रवासी केंद्र की निदेशक और वैज्ञानिक, मुंबई विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. निलोफर भरूच ने भारतीय साहित्य और सिनेमा में अंतरराष्ट्रीय प्रवासी भावना विषय पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. कल्पना पुरोहित ने व्याख्यानमाला के उद्देश्यों से अवगत कराया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने विभाग द्वारा शुरू किए गए नवाचारों की प्रशंसा की। साहित्य परिषद् के दूसरे व्याख्यान में इंग्लिश एंड कल्चरल स्टडीज की एमिरटस प्रोफेसर और कोलहन विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. लक्ष्मीश्री बनर्जी का व्याख्यान हुआ।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा वेबीनार का आयोजन

सत्य,प्रेम और करुणा जीवन के नैतिक मूल्य - प्रो. त्रिपाठी

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राजनीति में ''नैतिकता और नैतिक मूल्यों का सुदृढीकरण : अवधारणा और तत्कालीन मुद्दे'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार की संयोजक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. कांता कटारिया द्वारा अतिथियों का स्वागत, परिचय दिया। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलपति ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि राजनीति समस्याओं का समाधान करती है और यह एक महत्त्वपूर्ण विधा है। प्रो. रमेश के. अरोड़ा ने कहा कि गुड और बैड की परिभाषा नहीं बदली जा सकती है। कुलपति ने कहा कि हमारा संविधान बहुत अच्छा है परन्तु आवश्यकता इसकी सही क्रियान्विति की है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जनक सिंह मीना ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। डॉ. दिनेश गहलोत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

लोक प्रशासन विभाग ने मनाया ''आजादी का अमृत महोत्सव''

लोक प्रशासन विभाग में दिनांक 14 अगस्त 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के वक्ता राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. दिनेश गहलोत ने भारतीय लोकतंत्र के बारे में कहा कि यह एक अनूठा देश है और यहाँ का लोकतंत्र सफल लोकतंत्र का उदाहरण है।

विभागाध्यक्ष प्रो. मीना बरड़िया ने कहा कि हमने बडे संघर्षों के बाद आजादी प्राप्त की है। आज भी हमारा देश कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। यदि हमे भारत की खोई हुई प्रतिष्ठा को लौटाना है तो इसके लिये प्रत्येक नागरिक को अपना योगदान देना होगा। अतिथि शिक्षक डॉ. राजेश बोहरा ने विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

''लोक प्रशासन विभाग एवं नेहरू स्टडी सेंटर द्वारा वित्तीय साक्षरता पर वेबिनार''

लोक प्रशासन विभाग एवं नेहरू अध्ययन केन्द्र द्वारा संयुक्त तत्त्वावधान में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा वित्तीय साक्षरता पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

यह वेबिनार पगडंडी नामक संस्था के माध्यम से सम्पन्न हुआ। वेबिनार के प्रारम्भ में पगडंडी संस्था की अल्का पारीक ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। इसके बाद नेहरू स्टडी सेंटर के निदेशक डॉ. दिनेश गहलोत ने वेबिनार के आयोजन की प्रासंगिकता एवं वित्तीय साक्षरता के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

इतिहास विभाग में किसान आंदोलनः स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात् विषयक वेबीनार संपन्न

इतिहास विभाग जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा स्वतंत्रता सेनानी चौधरी ताराचंद शिक्षा विकास सहकारी समिति झुंझुनू के संयुक्त तत्त्वावधान में ''भारत में किसान आंदोलन : स्वतंत्रता से पूर्व एवं पश्चात्'' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. भरत देवड़ा तथा इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुशीला शक्तावत ने बताया कि वेबीनार के मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. ब्रजकिशोर शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने अपने उद्‌बोधन में स्वतंत्रता से पूर्व भारत में हुए किसान आंदोलनों पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा गांधीजी ने किसानों को आत्मबल युक्त समुदाय कहा है। अंत में डॉ. प्रतिभा सांखला ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजभवन पार्क में खेजडली बलिदान को मिलेगी जगह

खेजडली बलिदान का स्टेच्यू, टेलीफिल्म, शिलालेख, ताम्रपत्र स्थापित करने का प्रजेंटेशन राजभवन में कुलपति संवाद के दौरान कुलपति प्रो. त्रिवेदी द्वारा प्रदान किया गया। कुलपति द्वारा 5 सितंबर 2020 को सिंडिकेट बैठक में राजस्थानी भाषा का इतिहास, महत्ता, साहित्य की समृद्धि तथा पर्यावरण के संबंध में विश्नोई समाज का इतिहास एवं खेजडली बलिदान को दर्शाने का प्रस्ताव बैठक में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस अधिकारियों को दिए 'रिलेक्सेशन टेक्निक' के टिप्स

मनोविज्ञान विभाग व आईसीएमआर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला

मनोविज्ञान विभाग व आईसीएमआर 'एनआईआईआरएनसीडी' के संयुक्त तत्त्वावधान में 'प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ बर्नआउट इन पुलिसिंग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एंव जवानों में लगातार बढ़ते तनाव एवं अवसाद के मामलों में कमी लाने के साथ ही उन्हें रिलेक्सेशन टेक्निक के माध्यम से अपने कार्य के साथ-साथ तनाव मुक्त होकर कार्य करने की तकनीक से अवगत करवाया गया।

कार्यशाला में आईसीएमआर की वैज्ञानिक डॉ विकास धिकाव व डॉ पीके आनन्द ने अधिकारियों को तनाव मुक्त रहने के वैज्ञानिक तरीकों से अवगत करवाया। राममनोहर लोहिया अस्पताल नई दिल्ली के मेडिसिन विभाग से डॉ गार्गी बाला मेडिटेशम तकनीक से अवगत करवाया। मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं कार्यशाला के संयोजक प्रो. एल.एन बुनकर ने अधिकारियों को मनोवैज्ञानिक महत्त्व के साथ ही पुलिस जांच में काम आने वाले मनोवैज्ञानिक तकनीकों से रूबरू करवाया। सहायक आचार्य डॉ. हेमलता जोशी ने रिलैक्सेशन थेरेपी से पुलिस अधिकारी एवं जवान कैसे अपने कार्य क्षेत्र में कार्य करते हुए खुद को तनाव मुक्त रख सकते हैं, इसके उपाय बताये।

मनोविज्ञान विभाग में कार्यशाला

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में अपलिफ्टः लेट्स लर्न टू स्ट्रेंथन अवर इमोशनल इंटेलिजेंस विषयक एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई।

मुख्य वक्ता प्रबंधन अध्ययन विभाग की डॉ. नीलम कल्ला ने जीवन में भावनाओं को समझने की आवश्यकता एवं उन्हें रेगुलेट करने के तरीके बताएं। डॉ. हेमलता जोशी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस पर यह एक चाबी दी गई है जिससे आप अपनी सफलता की ओर अग्रसर होंगे।

इस कार्यशाला में विभागाध्यक्ष प्रो. विमला वर्मा, प्रो. एल.एन. बुनकर, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. अर्पिता कक्कड़ एवं मनोविज्ञान विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यमों से उपस्थित रहे।

संगीत विभाग ने आयोजित किए अनेक वेबीनार

1. 'समकालीन संगीत शिक्षा में घराना परंपरा की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ। संगीत विशेषज्ञों ने वर्तमान दौर में घरानेदार संगीत के शिक्षण की जरूरत बताते हुए प्रचार-प्रसार का आह्वान किया। आयोजन निदेशक डॉ. भूमिका द्विवेदी ने बताया कि वेबीनार का शुभारंभ कुलपति त्रिवेदी और कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. किशोरी लाल रैगर ने किया। मुख्य अतिथि विश्व प्रसिद्ध गायिका व भातखंडे संगीत संस्थान लखनऊ की कुलपति प्रो. श्रुति साडोलिकर ने संस्थागत शिक्षा प्रणाली व घरानेदार संगीत शिक्षण दोनों की वर्तमान में आवश्यकता व स्थिति पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता गणेश कुमार ने संस्थागत संगीत शिक्षण में सुधार व विद्यार्थियों के लिए कॅरियर अवसर पैदा करने के विषय पर चर्चा की। सुरबहार वादक डॉ. अश्विन दल्वी, राजस्थान ललित कला अकादमी जयपुर के पूर्व अध्यक्ष मीना, पं. कृष्ण राव शंकर पंडित की सुपौत्री व ग्वालियर घराने की कलाकार डॉ. मीता पंडित का व्याख्यान हुआ।

2. राग एवं रागांग पर व्याख्यान : संगीत विभाग की ओर से 8 फरवरी, 2021 को एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित मुकुंद क्षीरसागर ने राग और रागांग पर व्याख्यान दिया। उन्होंने भैरव राग पर विस्तृत चर्चा की। व्याख्यान के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव शुक्ल ने व्याख्यान की जानकारी दी।

3. संगीत विभाग में एक दिवसीय वेबिनार : संगीत विभाग की ओर से एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि वेबीनार के आयोजन से विद्यार्थियों को कोरोना महामारी में संगीत सीखने में सहायता प्राप्त होगी। मुख्य वक्ता डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के सहायक आचार्य डॉ. अवधेश सिंह तोमर थे।

4. भारतीय संगीत का मस्तिष्क पर प्रभाव : संगीत विभाग की ओर से 12 जून को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि वेबिनार का मुख्य विषय 'भारतीय संगीत का मस्तिष्क पर प्रभाव' रखा गया। वेबिनार में विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों-महाविद्यालयों से लगभग 100 से अधिक विद्वान्, आचार्य, शोधार्थियों ने भाग लिया।

5. यूजीसी नेट परीक्षा में संगीत विषय की तैयारी पर मार्गदर्शन : संगीत विभाग की ओर से 14 फरवरी को एक दिवसीय वेब व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसका मुख्य विषय यूजीसी नेट संगीत विषय में किस प्रकार तैयारी करे, रखा गया। मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ.

मृत्युंजय शर्मा ने विस्तार से यूजीसी नेट संगीत विषय की तैयारी को पावर पॉइंट के माध्यम से प्रस्तुत किया।

6. "हिंदी फिल्म में सितार का महत्त्व" विषयक एक दिवसीय वेबिनार पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के सितार के आचार्य वनिता एवं तबले पर संगत उनके भाई जयदेव ने विचार व्यक्त करते हुए मनमोहक प्रस्तुति दी। संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

7. संगीत विभाग की ओर से आयोजित वेबिनार में कार्यक्रम संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि वेबिनार का मुख्य विषय गजलों में शास्त्रीय राग का समावेश था। मुख्य वक्ता गजल गायक डॉ. रोशन भारती ने अपने रूहानी गजल गायन एवं अपनी संगीत यात्रा से सभी को रूबरू करवाया। डॉ. भारती ने गजल की उत्पत्ति एवं विकास गजल के स्वरूप इश्क हकीकी, इश्क मिजाजी एवं गजलों में शास्त्रीय रागों का किस तरह समावेश किया जाता है। इसकी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

8. संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष व संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि व्याख्यान का मुख्य विषय उत्तर भारतीय संगीत में ख्याल गायकी की परंपरा था। मुख्य वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय के गायन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ज्ञानेश चंद्र पांडे ने सभी को ख्याल गायकी की बारीकियों से अवगत कराया।

9. संगीत विभाग की ओर से सात दिवसीय साप्ताहिक वेब व्याख्यान के अंतिम दिन गायन, वादन और नृत्य पर संयुक्त रूप से व्याख्यान आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. स्वाति शर्मा ने बतायाकि संगीत की पूर्णता गायन, वादन और नृत्य के संयोग से होता है।

जम्मू कश्मीर से विजय सान्याल ने संगीत से अध्यात्म तक का सफर विषय पर बात रखी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के उपाचार्य डॉ. विधि नागर ने कत्थक नृत्य का दरबारों द्वारा संरक्षण एवं संवर्धन पर चर्चा की। काशी हिंदू विवि के पूर्व संकाय प्रमुख प्रो. राजेश शाह सितार वादन के घराने एवं वादन शैली में सौंदर्य का विधान विषय पर व्याख्यान दिया।

10. संगीत में कंठ संस्कार पर वेबिनार : संगीत विभाग की ओर से 29 मई को गूगल मीट एवं विभाग के अधिकारिक पेज पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजिका एवं विभागाध्यक्ष डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि भारतीय संगीत में कंठ संस्कार विषयक वेबिनार के मुख्य वक्ता संगीतकार एवं शिक्षाविद पंडित देवेंद्र वर्मा थे। संगीतज्ञ वर्मा ने कंठ संस्कार के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संगीत अभ्यास के लिए चार प्रहर का विधान बताया साथ ही किस प्रकार से अलंकारों का अभ्यास किया जाए इसकी भी

राजस्थानी विभाग ने आयोजित किए अनेक वेबीनार

1. राजस्थानी विभाग द्वारा अनेक राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित : राजस्थानी विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा के संयोजन में ''राजस्थानी साहित्य अर बदलतो जुग'' विषयक राजस्थानी भाषा के वेबीनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार के प्रारम्भ में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने राजस्थानी भाषा की प्राचीनता व समृद्धि का उल्लेख किया। मुख्य वक्ता के रूप में राजस्थानी के कवि डॉ. आईदान सिंह भाटी ने साहित्य के जमीनी जुड़ाव की आवश्यकता के बारे में बताया। देश के प्रसिद्ध कहानी एवं उपन्यासकार डॉ. भरत ओला ने रचनाधर्मिता में युग की महत्ता पर प्रकाश डाला।

लोकप्रिय कवि डॉ. गजादान चारण ने समृद्ध पुरातन साहित्य का संरक्षण करने की बात कही। वेबिनार के सहसंयोजक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने विषय विशेषज्ञों का परिचय दिया। राजस्थानी विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेब परिचर्चा ''राजस्थानी साहित्य एवं महिला लेखन'' विषय पर राजस्थान कला साहित्य संस्थान, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें जोधपुर से जेबा रशीद, बसन्ती पंवार, किरण राजपुरोहित, जयपुर से डॉ. शारदा कृष्ण, उदयपुर से रीना मैनारिया, बीकानेर से मोनिका गौड़ ने अपने वक्तव्य से इस परिचर्चा को एक नया आयाम प्रदान किया।

2. माँ, मातृभूमि तथा मातृभाषा से बढ़कर कुछ भी नहीं - प्रो. त्रिवेदी : माँ, मातृभूमि तथा मातृभाषा से बढ़कर कुछ भी नहीं है, ये विचार कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बाबा रामदेव शोधपीठ तथा राजस्थानी विभाग द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय वेबीनार' में अध्यक्षीय उद्‌बोधन में प्रकट किये। प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि हमें विश्व की सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए परन्तु अपनी मातृभाषा का गौरव तथा महत्त्व कभी भी नहीं भूलना चाहिए। आलोचक बुलाकी शर्मा (बीकानेर) ने कहा कि हिंदी तथा राजस्थानी साहित्य में कहानी का सृजन लगभग एक साथ ही प्रारंभ हुआ था। सहायक आचार्य डॉ. धनंजया अमरावत ने उपन्यास साहित्य पर विचार व्यक्त कर वक्ताओं का परिचय दिया।

3. प्राचीन प्रेमाख्यानों को समसामयिक संदर्भ व आधुनिक दृष्टि से प्रस्तुत करती हैं राजपुरोहित की कविताएँ : डॉ शेखावत : राजस्थानी विभाग एवं प्रयास संस्थान, चूरू की ओर से नए परिसर में स्थित भाषा प्रकोष्ठ में डॉ गजेसिंह राजपुरोहित की प्रबंध काव्य पुस्तक 'पळकती प्रीत' पर पोथी चर्चा का

आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व अधिष्ठाता प्रो कल्याण सिंह शेखावत ने कहा कि डॉ. राजपुरोहित ने 'पळकती प्रीत' की कविताओं में एक नया प्रयोग किया है। इन कविताओं में एक नई शैली देखने को मिलती है। राजस्थानी साहित्य में पहली बार यह प्रयोग किया गया है।

4. मायड़ भाषा रौ मैत्व कार्यक्रम में दस प्रतिभाओं का सम्मान : महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र, मेहरानगढ़, बाबा रामदेव शोधपीठ राजस्थानी विभाग, जेएनवीयू एवं इंटैक जोधपुर चैप्टर के संयुक्त तत्त्वावधान में प्राथमिक शिक्षा में मायड़ भाषा रौ मैतव विषयक कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायाधिपति पुष्पेंद्रसिंह भाटी ने कहा, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के गौरवशाली इतिहास को देखते हुए राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता मिलनी ही चाहिए।

समारोह अध्यक्ष कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा, बच्चों को मातृ भाषा सीखने की प्रेरणा देनी चाहिए। मातृ भाषा से जुड़ने का मतलब है अपनी जड़ों से जुड़ना। मुख्य वक्ता डॉ. आईदानसिंह भाटी ने कहा, बच्चों को मातृ भाषा में शिक्षा देकर हम परिवेश को बदल सकते हैं। डॉ. महेंद्रसिंह तंवर ने पूर्व नरेश गजसिंह की ओर से राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए किए जाने वाले प्रयासों से अवगत कराया। राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 10 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

5. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राजस्थानी विभाग द्वारा व्याख्यानमाला आयोजित : राजस्थानी विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि इस व्याख्यानमाला की मुख्य वक्ता संस्कृत विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य वंदना राठौड़ ने योग के महत्त्व को रेखांकित किया।

6. "संस्कृति के संरक्षण के लिए राजस्थानी रंगमंच की समृद्धि आवश्यक" : राजस्थानी भाषा के नाट्य विशेषज्ञों ने एक स्वर में कहा कि संस्कृति संरक्षण के लिये राजस्थानी भाषा का रंगमंच समृद्ध और विकसित होना आवश्यक है। विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि इस वेबिनार में विषय विशेषज्ञ राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अर्जुनदेव चारण ने 2500 वर्ष पूर्व लिखे गये भरत के नाट्यशास्त्र से लेकर विभिन्न ऐतिहासिक कालखण्डों का उल्लेख करते हुए राजस्थानी भाषा और उसकी गौरवमयी परम्परा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

नेहरू अध्ययन केन्द्र के द्वारा वेबीनार का आयोजन

वैक्सिनेशन में अग्रणी पंचायतों को वित्तीय प्रोत्साहन जरुरी: प्रो. त्रिवेदी

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के नेहरू अध्ययन केन्द्र द्वारा ''कोरोना से सीख: पंचायतों की मजबूती की आवश्यकता'' विषय पर वेबीनार का आयोजन हुआ। वेबिनार के मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, उज्जैन के निदेशक प्रो. यतींद्र सिंह सिसोदिया ने कोरोना की तीसरी लहर से बचने हेतु पंचायत राज संस्थाओं की मजबूती को रेखांकित किया।

मुख्य वक्ता समाजशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. के. एन. व्यास के अनुसार पिछले एक वर्ष से खंडन और मंडन की राजनीति की वजह से कोरोना संकट बढ़ा है। कोरोना संकट में सरकार की विरोधाभासी नीतियाँ भी उत्तरदायी है, एक ओर सरकार वैक्सीन का निर्यात का दावा कर सीना ठोकती है वहीं दूसरी ओर सहायता हेतु हाथ भी फैला रही है। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने पंचायत राज संस्थान को अंतिम व्यक्ति की समस्या का समाधान करने का यंत्र बतलाया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संयोजक डॉ. दिनेश गहलोत ने अतिथियों का स्वागत किया तथा वेबीनार पर प्रकाश डाला। वेबिनार समन्वयक डॉ. राजश्री राणावत ने कार्यकम का संचालन किया।

प्रथम संविधान संशोधन सामाजिक आर्थिक न्याय का प्रतीक - माथुर

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के नेहरू अध्ययन केंद्र द्वारा पंडित नेहरू तथा संविधान में प्रथम संशोधन विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार के मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति गोविंद माथुर ने प्रथम संविधान संशोधन की पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम के प्रारंभ में नेहरू अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. दिनेश गहलोत ने अतिथियों का स्वागत किया। वेबीनार में 760 पंजीकरण हुए। राज. उच्च न्यायालय में अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह, अधिवक्ता कुलदीप माथुर, अधिवक्ता बलजिंदर संधू, अधिवक्ता राजेश परिहार के साथ-साथ राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो कांता कटारिया, प्रो मीना बरडिया इत्यादि शिक्षक भी सम्मिलित हुए।

आत्मनिर्भर भारत रोजगार सृजन का उपकरण बनेगा : सिंह

लोक प्रशासन विभाग तथा नेहरू अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में ''सतत विकास एवं आत्मनिर्भर भारत : महत्वपूर्ण मुद्दे'' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। विवेकानंद विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो वी वी सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत से रोजगार सर्जन प्रारम्भ होगा। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कुलपति प्रो त्रिवेदी ने कहा कि आवश्यकता व तृष्णा के बीच अंतर को समझ कर आत्मनिर्भर भारत का सपना सच किया जा सकता है।

डॉ. अंबेडकर अध्ययन केन्द्र द्वारा बुद्ध पूर्णिमा पर 'लोक में बुद्ध और बौद्ध संस्कृति' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

"महात्मा बुद्ध ने वैज्ञानिक सोच और परीक्षण के आधार पर कार्य करने का संदेश दिया। महात्मा बुद्ध ने ''अप्प दीपो भवः'' के संदेश के माध्यम से स्वयं को जानने का मार्ग प्रदान किया है। यह मार्ग कोविड महामारी से लड़ने का एक सशक्त हथियार है। ये विचार कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने राष्ट्रीय वेबीनार में प्रदान किए।

अंबेडकर अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. भरत कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय वेबीनार में प्रसिद्ध बौद्ध चिन्तक तथा मुम्बई विश्वविद्यालय के प्रोफेसर दामोदर मोरे, डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सोसायटी के सह आचार्य डॉ. वरुण गुलाटी, महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय से डॉ. राजाराम आदि ने विचार व्यक्त किए।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयंती पर पुष्प अर्पण कार्यक्रम

अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ एवं अम्बेडकर अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्त्वावधान में अम्बेडकर की 130वीं जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि का आयोजन हुआ। अध्यक्षता कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति प्रो. बी. एस. राजपुरोहित ने अम्बेडकर के विचारों को समावेश करना ही सच्ची श्रद्धांजलि बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिंडीकेट सदस्य प्रो. सुनील शर्मा ने कहा कि समाज में वंचित वर्ग की प्रतिभाओं को संविधान में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग से ही मुख्यधारा में लाया जा सकता है। अतिथियों का स्वागत डॉ. भरत कुमार ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिह्न के रूप में ड. बी.आर. अम्बेडकर की तस्वीर भेंट की गई।

जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि : प्रो. सामतेन

बौद्ध अध्ययन केंद्र ने ''बौद्ध दर्शन एक परिचय'' विषयक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता थे सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बतन स्टडीज के कुलपति पद्मश्री प्रो. नवांग सामतेन। उन्होंने कहा कि हमें आंतरिक, मानसिक एवं एनवायरमेंटल संसार की व्याख्या करना जरूरी है। इससे हमें दुःख के कारणों को जानने में सहायता होगी। बुद्धं शरणं गच्छामि, धर्मं शरणं गच्छामि और संघं शरणं गच्छामि की व्याख्या की और बताया यहाँ ज्ञान की शरण लेने की बात है न कि किसी व्यक्ति अथवा धर्म की। अध्यक्षता करते हुए के कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने अपने उद्‌बोधन में कहा आज के समय की माँग है - बौद्ध दर्शन। आज विश्व जिस विकट परिस्थिति से गुजर रहा है बौद्ध दर्शन हमें एक नई राह दिखाता है। वेबीनार में अधिष्ठाता प्रो किशोरी लाल रैगर, प्रो संगीता लूंकड़, प्रो सरोज कौशल आदि उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के अनेक छात्र-छात्राएँ इस व्याख्यान से लाभान्वित हुए। बौद्ध अध्ययन केन्द्र की निदेशक डॉ. राजश्री राणावत ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया। केन्द्र के स्वर्णिम इतिहास का भी उल्लेख किया।

गाँधी जयंती पूर्व संध्या पर वेबिनार

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 151वीं जयंती की पूर्व संध्या पर उनके सिद्धांतों को जीवंत बनाए रखने एवं गाँधी विचारों के प्रचार प्रसार को लेकर जेएनवीयू गाँधी अध्ययन केंद्र की ओर से आचार और विचार के ज्योति पुंज महात्मा गाँधी विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन कुलपति प्रो. त्रिवेदी की अध्यक्षता में किया गया। प्रो. त्रिवेदी ने गाँधीजी के जीवन के सात सिद्धांतों पर चर्चा कर वर्तमान समय में उनकी उपयोगिता व आवश्यकता पर प्रकाश डाला। गाँधी अध्ययन केंद्र के निदेशक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने बताया कि राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री भंवरसिंह भाटी ने कोरोना महामारी से बचाव को लेकर प्रारम्भ किए जन आंदोलन मे मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार गाँधीगिरी के माध्यम से आजमन की भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता प्रो. बी. एम शर्मा पूर्व अध्यक्ष राजस्थान लोक सेवा आयोग, प्रो. सतीश कुमार राष्ट्रीय संयोजक राजीव गाँधी स्टडी सर्कल, डॉ. सुनील तिवारी सहायक प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय ने महात्मा गाँधी के जीवन, आदर्श, सत्य, अहिंसा, व परिश्रम के पहलुओं पर उद्‌बोधन दिए।

इसी कड़ी में संगीत विभाग में महात्मा गाँधी और संगीत विषयक राष्ट्रीय वेबीनार कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. किशोरीलाल रैगर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता पंडित देवेंद्र वर्मा, विदुषी एवं हिना चक्रवर्ती, डॉ. मोनिका शाह थे। विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव शुक्ल ने स्वागत किया, डॉ. स्वाति शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पर्यावरण विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोध पीठ, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "वैश्विक महामारियाँ, पर्यावरण से अन्तःसम्बन्ध, प्रभाव एवं जाम्भाणी, दर्शन में समाधान" के प्रथम दिवस पर उद्‌घाटन सत्र का शुभारम्भ निदेशक डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई के स्वागत भाषण से हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में टेक्सास विश्वविद्यायलय अमेरिका से जुड़े प्रो. पंकज जैन ने अपने व्यक्तव्य में अमृतादेवी बिश्नोई तथा अन्य 363 लोगो के बलिदान को पर्यावरण संरक्षण का आगाज बताते हुए पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला। लूणी विधायक श्री महेन्द्रजी बिश्नोई, मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री विजयजी बिश्नोई ने पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण हेतु मार्गदर्शन किया। प्रो. अभिमन्यु कुमार ने कार्यक्रम को सुशोभित किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्‌घाटन तथा समापन के अतिरिक्त पांच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें दुबई से श्री आर.के. बिश्नोई, प्रो. अनिल छंगाणी (बीकानेर), प्रो. सरोज कौशल (जोधपुर), प्रो. किशोरीलाल रैगर (अधिष्ठाता, कला संकाय), प्रो. एस.के. सिंह (अभियांत्रिकी संकाय), प्रो. गंगाराम जाखड़ (पूर्व कुलपति, बीकानेर) पद्मभूषण तथा पद्मश्री से सम्मानित डॉ. अनिल प्रकाश जोशी आदि ने व्याख्यानों से संगोष्ठी को अलंकृत किया।

इनका हुआ सम्मानः- पीठ द्वारा तीन पुरस्कारों को प्रदान किया गयाः-

1. श्री सुन्दरलाल बहुगुणा को 'गुरू जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार' दिया गया।
2. डॉ. वन्दना शिवा को 'अमृता देवी विश्नोई 2021' पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।
3. पद्मश्री से सम्मानित श्री यादव पायेंग को 'तपेश्वर जैताराम विश्नाई स्मृति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

शोध-पीठ के निदेशक डॉ. ओमप्रकाश विश्नोई ने बताया कि इस वेबीनार में 10 देशों के प्रतिभागियों ने 7 सत्रों में 50 शोधपत्र प्रस्तुत किये।

महिला अध्ययन केन्द्र के द्वारा वेबीनार का आयोजन

दो दिवसीय वेबीनार में श्री सुमेर महिला महाविद्यालय की छात्राओं का किया मार्गदर्शन

महिला अध्ययन केन्द्र तथा प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में दो दिवसीय वेबीनार आयोजित किया गया। इसमें आयुर्वेद विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. मोनिका ने 'सम्यक् आहार, स्वस्थ जीवन' विषय पर व्याख्यान देते हुए आहार की स्वस्थ जीवन में महत्ता को प्रतिपादित किया। ऋतु के अनुसार भोजन, उचित काल में भोजन करना, विरुद्ध आहार न करना, स्निग्ध आहार ग्रहण करना जैसे अनेक सिद्धांतों को आयुर्वेद के शास्त्रों के आधार पर व्याख्यायित किया। क्रोध, ईर्ष्या, लोभ आदि मानसिक रोग शरीर को भी रोगी बना देते है। लक्की प्रोफेशनल स्टडीज के प्राचार्य डॉ. अर्जुनसिंह साँखला ने 'सफल जीवन के सरल सूत्र' विषय पर छात्राओं से कहा कि संघर्ष एक सात्विक उपवास है। वेदना में संवेदना को जीवित रखिए। संवेदना व्यक्ति को सम्पूर्ण मानव बना देती है। उन्होंने कहा कि समानुभूति की भावना सबसे बड़ा मानवीय मूल्य है।

मोटिवेशनल गुरू श्रीकान्त गुप्ता ने नूतन शैली से 'सफलता चूमेगी तुम्हारे कदम' विषय पर अनेक सूत्रों को प्रदान करके जोश भर दिया। 'बी-क्रेजी, नॉट लेजी' कार्य के प्रति उत्साह रखो न कि आलस्य। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 1 प्रतिशत सुधार करें तो सौ दिन के पश्चात् 100 प्रतिशत व्यक्तित्व देदीप्यमान हो जायेगा।

मन की एकाग्रता, उद्यमिता, भाषा प्रयोग तथा तनाव प्रबंधन जीवन की पाठशाला के विषय

डॉ. हेमलता जोशी ने 'माइंडफुल अर्थात् मन की एकाग्रता का अभ्यास' विषय पर व्याख्यान करते हुए कहा कि हम जिस स्थान पर रहकर जिस कार्य का सम्पादन करते हैं, उसकी पूरी पवित्रता का अनुभव करना, हमारा कर्त्तव्य है। प्रकृति के उपादानों का भी हमें साक्षात्कार करना चाहिए। पंच महाभूतों के प्रति हमारी कृतज्ञता पदे पदे लक्षित होनी चाहिए।

डॉ. अर्जुन सिंह सांखला ने महिला उद्यमिता का विस्तार से निरूपण किया। किरण मजूमदार शॉ, इन्दिरा नूयी, मीनाक्षी सरावगी, आदि के उदाहरण प्रस्तुत कर के डॉ. सांखला ने छात्राओं को उद्यमिता के सन्दर्भ में अनेक सूत्र प्रदान किये। डॉ. जागृति उपाध्याय ने प्रतिदिन किये जाने वाले अंग्रेजी प्रयोगों में सामान्य अशुद्धियों के संशोधन को रेखांकित किया। उच्चारण के विषय में भी उन्होंने महत्त्वपूर्ण प्रयोग करवाये ।

प्रो. ए. के. मलिक ने कोरोना काल में तनाव प्रबंधन पर अनेक सुझाव दिए। तनाव से बचने के लिए रचनात्मक कार्यों में स्वयं को संलग्न करना ही उत्तम उपाय है। महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने कहा कि ये व्याख्यान छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में समग्रता के आधायक हैं। मन की एकाग्रता, उद्यमिता, भाषा प्रयोग तथा तनाव प्रबंधन, ये वस्तुतः जीवन की पाठशाला के विषय हैं, जिनको साधकर हमारा व्यक्तित्व उत्तर से उत्तम

हो सकता है। डॉ. ओम प्रकाश टाक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पाठ्यक्रम के अतिरिक्त इन विषयों से हमारी छात्राएँ विश्व जीवन दृष्टि का विकास करने में सक्षम होंगी। सुमेर महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. निधि ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस देश को महादेश बनाया इसकी तेजस्विनी स्त्रियों ने- प्रो. कौशल

विश्व कविता दिवस की पूर्व संध्या पर महिला अध्ययन केन्द्र, प्रौढ़, सतत एवं आजीवन शिक्षा विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में गाँधी शांति प्रतिष्ठान केन्द्र में काव्य-गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए गांधीवादी चिन्तक आशा बोथरा ने महिलाओं के सशक्तिकरण के सम्बन्ध में अप्रासंगिक रूढ़ियों को तोड़ने की जरूरत बताई। सरदार पटेल विश्वविद्यालय की सह-आचार्य डॉ. जागृति उपाध्याय ने अंग्रेजी कविता का हिन्दी अनुवाद सहित पाठ किया। श्री दशरथ सोलंकी ने गाँव में कविता से कविता के ककहरे को रेखांकित किया। संस्कृत विभाग की छात्रा कुसुम ने पतंग तथा जिन्दगी की गाड़ी कविताओं के माध्यम से स्त्रियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। युवा कवियित्री हिमानी ने 'मेरा जीवन इबादत है' यह गजल सुनाई।

महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने 'महादेश की स्त्रियाँ' कविता के माध्यम से समाज में स्त्रियों के प्रदेय को परिभाषित किया। वाचस्पति तथा भामती नामक कविता से उन्होंने बताया कि वाचस्पति ही भामती को अमर कर सकते हैं। प्रौढ़ सतत एवं आजीवन विभाग के निदेशक डॉ. ओ.पी. टाक ने कुँवर नारायण की कविता के माध्यम से कविता की महत्ता को स्पष्ट किया।

महात्मा गाँधी और महिला सशक्तिकरण पर हुआ चिन्तन

महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से महात्मा गाँधी और महिला सशक्तिकरण विषय पर 16 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने अध्यक्षता की। मुख्य वक्ता वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेश दाधीच थे और सारस्वत अतिथि महिला अध्ययन केन्द्र, पंजाबी विश्वविद्यालय की प्रो. ऋतु लेहल ने भी सम्बोधन प्रदान किया। महिलाओं के सन्दर्भ में महात्मा गाँधी के विचारों पर इस वेबीनार में विस्तार से चिन्तन किया गया।

वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन एवं विमोचन

महिला अध्ययन केन्द्र के द्वारा संचालित शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का दर्पण वार्षिक प्रतिवेदन निदेशक प्रो. सरोज कौशल के द्वारा प्रकाशित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने उसका विमोचन किया।

प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग

विश्वविद्यालय के प्रौढ़, सतत एवं आजीवन शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में अकादमिक सत्र 2020-21 के दौरान कोरोना अनुशासन एवं सरकारी मार्गदर्शन की अनुपालना करते हुए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों रूपों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग के निदेशक डॉ. ओ.पी. टाक ने बताया कि -

1. संगीत विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में मांड संस्थान के सहयोग से 22 जुलाई को 'मेरी साधना मेरा जीवन' विषयक गोविंद कल्ला के संगीत साधना विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

2. डॉ. जागृति उपाध्याय ने अंग्रेजी भाषा दक्षता एवं अंग्रेजी भाषा प्रवृत्ति पाठ का व्याख्यान, डॉ. अर्जुनसिंह सांखला ने जीवन जरूर मुस्कुराएगा विषयक पर व्याख्यान दिया।

3. 29 जुलाई को सरदार पटेल विश्वविद्यालय, जोधपुर में श्री अभिषेक शर्मा ने सफलता एवं व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान दिया।

4. 27 अगस्त को जी.डी. मेमोरियल कॉलेज के सहयोग से योगेश बिड़ला ने बदलते-उभरते भारत में केरियर के अवसर एवं दक्षता प्रबंधन पर व्याख्यान, डॉ. अर्जुनसिंह सांखला ने समय प्रबंधन एवं सफलता विषयक व्याख्यान।

5. 29 अगस्त को जी.डी. मेमोरियल कॉलेज के सहयोग से डॉ. अभिजीत कुलश्रेष्ठ ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण निर्माण एवं सफलता की राह विषयक व्याख्यान, डॉ. शिल्पी कुलश्रेष्ठ ने व्यक्तित्व विकास एवं कौशल विकास पर व्याख्यान एवं अमृता एस. दूधिया ने संतुलित एवं शक्तिशाली दिमाग एवं ऊर्जा प्रबंधन विषयक सारगर्भित व्याख्यान हुआ।

6. 5 नवम्बर को श्री पुष्टिकर श्री पुरोहित सूरजमल रूपादेवी प्रशिक्षण कॉलेज के सहयोग से प्रो. ए.के. मलिक ने कोरोना एवं तनाव प्रबंधन विषयक व्याख्यान पर दिया।

7. 12 व 13 दिसम्बर को श्री सुमेर महिला महाविद्यालय के सहयोग से डॉ. अुर्जनसिंह सांखला ने महिला सशक्तिकरण एवं महिला उद्यमशिला विषयक व्याख्यान एवं डॉ. हेमलता जोशी ने मनोविज्ञान भी जीवन एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान विषयक व्याख्यान हुआ।

8. 17 जनवरी को महिला पी.जी. महाविद्यालय के सहयोग से डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने महिला सशक्तिकरण ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य एवं इतिहास में सशक्त महिलाचरित विषयक व्याख्यान, श्री महेश शर्मा ने आत्मविकास के सूत्र विषयक व्याख्यान दिया। 19 जनवरी को महिला अध्ययन केन्द्र, जेएनवीयू के सहयोग से प्रो. पुष्पा गुप्ता ने जीवन विवेक के सूत्र व मेरा जीवन - मेरी स्मृतियाँ विषयक व्याख्यान दिया।

9. 28 फरवरी को गाँधी शांति प्रतिष्ठान केंद्र के सहयोग से वरिष्ठ सर्वोदयी आशा बोथरा ने आत्मकथात्मक व्याख्यान एवं मेरा जीवन - मेरा संदेश विषयक व्याख्यान।

10. 12 मार्च को विश्वविद्यालय के बी.एड. प्रकोष्ठ में क्षमता एवं दक्षता संवर्द्धन प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रो. ए.के. मलिक ने कोविड एवं तनाव नियंत्रण विषयक व्याख्यान दिया।

11. 13 मार्च को बी.एड. प्रकोष्ठ के सहयोग से ही दीपक बिस्सा ने सफलता के सूत्र एवं सकारात्मकता विषयक दिया।

12. 20 मार्च को गाँधी शांति प्रतिष्ठान केंद्र के सभागार में महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से प्रो. सरोज कौशल ने महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा व साहित्य में भूमिका विषयक सारगर्भित व्याख्यान हुआ।

विज्ञान संकाय ने आयोजित किए वेबीनार

टिड्डियों की वर्तमान स्थिति तथा प्रबंधन पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित'

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा **''देश के विभिन्न हिस्सों में टिड्डियों के प्रकोप तथा उनके प्रबंधन''** विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार की आयोजन सचिव तथा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. लेखू गहलोत ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर त्रिवेदी के मार्गदर्शन में कोरोना के प्रभाव को देखते हुए वेबिनार का आयोजन किया गया। जिससे इस महत्त्वपूर्ण विषय पर परिचर्चा की जा सके। वेबिनार में काजरी के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. विपिन चौधरी, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्र के अपर निदेशक डॉ. संजीव कुमार और टिड्डी चेतावनी संगठन के उप निदेशक डॉ. के. एल. गुर्जर ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अशोक पुरोहित ने स्वागत संबोधन में इस महत्त्वपूर्ण विषय पर जोर देते हुए इनके नियंत्रण तथा स्थिति की आवश्यकता बताई। काजरी के वैज्ञानिक डॉ. विपिन चौधरी ने टिड्डियों के जीवन चक्र के बारे में बताया तथा उन्होंने टिड्डियों के जैविक, रासायनिक एवं यांत्रिक नियंत्रण के बारे में बताया। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के अपर निदेशक डॉ. संजीव कुमार ने टिड्डियों की प्रजातियों एवं वर्गीकरण के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी दी।

विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर पद्मश्री कैलाश सांखला पर व्याख्यान आयोजित

विश्व वन्यजीव दिवस 3 मार्च को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा संचालित वाइल्डलाईफ रिसर्च एण्ड कन्जर्वेशन अवेयनेस सेन्टर द्वारा श्री सुमेर महिला महाविद्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम- पदमश्री कैलाश सांखला पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि परिहार ने कहा कि वर्तमान समय में युवा वर्ग को पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण के प्रति जागरूक करना आज की प्रमुख आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर वेबिनार

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर वाइल्डलाइफ रिसर्च एवं अवेयरनेस सेन्टर व झुंझुंनू के सेठ जीबी पोद्दार कॉलेज के संयुक्त तत्त्वावधान में 'हम जैव विविधता के सतत विकास के समाधान का हिस्सा है, विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। देश के विख्यात पर्यावरणविद सुन्दरलाल बहुगुणा के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर प्रकृति संरक्षण के लिए अरण्य संस्कृति की ओर चलने पर बल दिया गया। वेबिनार संयोजक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने बताया कि वेबिनार में अमरीका से कैमल मिल्क रिसर्चर क्रिस्टीना अडस ने ऊँट पालन की वैश्विक संभावनाओं के बारे में बताया। मुख्य वक्ता क्षेत्रीय उप निदेशक, वाइल्डलाइफ क्राइम कण्ट्रोल ब्यूरो अग्नि मित्रा ने वन्यजीवों के अवैध व्यापार एवं इनकी रोकथाम में कार्यरत एजेंसियों के बारे में विस्तार से बताया।

वन्यजीवों के आवास नष्ट होने से प्राकृतिक असंतुलन हुआः गहलोत

वाइल्ड लाइफ रिसर्च एंड कंजर्वेशन अवेयरनेस सेंटर द्वारा विश्व प्रकृति निधि भारत एवं सेठ जीबी पोद्दार पी. जी. कॉलेज, झुंझुनूं के साथ संयुक्त रूप से विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार संयोजक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने कहा कि लगातार हो रहे शिकार व आवास स्थलों के नष्ट होने से प्राकृतिक असंतुलन की स्थिति पैदा हो गई है। वेबिनार में अध्यक्षता कर रहे जेएनवीयू कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने बताया कि प्रतिघंटा विश्व में कई वन्यजीव प्रजातियाँ लुप्त हो रही हैं। इसलिए देश में कई वन्यजीव संरक्षण नीति की आवश्यकता है।

वनस्पति शास्त्र विभाग

बायोटेक्नोलॉजी में नवाचार पर वेबिनार

विश्वविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग की ओर से **रिमेंट एडवांसेज इन बायोटेक्नोलॉजी** विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल व्यास और वेबिनार समन्वयक डॉ. विनोद कटारिया ने बताया कि प्रथम सत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब के सह आचार्य डॉ. फेलिक्स बास्ट ने कोविड-19 के संदर्भ में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। वे केंद्र सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय कोविड-19 टास्क फोर्स के सदस्य हैं। दूसरे सत्र में प्रो. नरपत सिंह शेखावत ने पादप प्रौद्योगिकी के ऐतिहासिक पहलुओं से लेकर वर्तमान समय तक विकसित तकनीक प्रौद्योगिकी के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं राजकीय महाविद्यालय ओसियाँ, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर "कंजर्वेशन एंड सेफ्टी ऑफ एनवायरमेंटः करंट सिनेरियो एंड फ्यूचर स्ट्रेटजीज" विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन ऑनलाइन किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय वेबीनार के संयोजक प्रो. बी.आर. गाड़ी वनस्पति शास्त्र विभाग व सचिव डॉ. के. आर. पंवार राजकीय महाविद्यालय ओसियां, जोधपुर ने बताया कि इस वेबीनार में देश-विदेश के प्रख्यात विद्वानों ने भाग लिया।

डॉ. सरिता जायसवाल, यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचवान, कनाडा, प्रो. वफिक नोजियर इजिप्ट, डॉक्टर प्रणव पाल, वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया देहरादून, प्रो. बी.आर. बामनिया डीन फैकल्टी ऑफ साइंस, सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं प्रो. अनिल कुमार छंगाणी, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर ने अपने शोध पत्रों के माध्यम से ज्ञानवर्धन किया।

गणित एवं सांख्यिकी विभाग

1. 5 फरवरी, 21 को राजऋषि कॉलेज, अलवर तथा कमीश्नरेट कॉलेज एजुकेशन राजस्थान, जयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित ज्ञानगंगा कार्यक्रम में गणित विशेषज्ञ प्रो. राजेन्द्र कुमार यादव ने ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

2. गणित एवं सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आर.डी. पंकज की पुस्तक 'वेरियेशनल मेथड एंड इट्स एप्लीकेशन' का प्रकाशन हुआ।

जैव प्रौद्योगिकी का मानव कल्याण में हो उपयोग : प्रो. त्रिवेदी

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विश्वविद्यालय में व्याख्यान

विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. त्रिवेदी द्वारा ''जैव प्रौद्योगिकी : मानव कल्याण हेतु आयाम'' विषय पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान में उन्होंने बताया कि मानव कल्याण हेतु विभिन्न प्रकार की चुनौतियों के समाधान जैव प्रौद्योगिकी के नए शोध से संभव हैं। उन्होंने वैक्सीन का उदाहरण देते हुए बताया कि भारत बायोटेक्नोलॉजी में सिरमौर हो रहा है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संयोजिका प्रो.संगीता लूंकड़ ने रसायन शास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर व स्नातक छात्र छात्राओं को विभागीय स्तर पर दिए पुरस्कारों की घोषणा की। इन पुरस्कारों में श्रीमती सुशीला भंडारी उगम कंवर मेमोरियल अवॉर्ड अभय को तथा डॉक्टर कमला टंडन मेमोरियल अवॉर्ड अकार्बनिक रसायन-प्राची पवार को, डॉ. जे.पी सक्सेना मेमोरियल अवॉर्ड कार्बनिक रसायन-ज्योत्स्ना कुमारी को, बीएम गांग मेमोरियल अवॉर्ड विश्लेषणात्मक रसायन-सीमा एवं रितिका पवार को तथा डॉक्टर कमला टंडन मेमोरियल अवॉर्ड (स्नातक) -डिंपल कटारिया को प्रदान किया गया।

फार्मेसी के विद्यार्थियों का सफल प्रयास

फार्मेसी पाठ्यक्रम के बी.फार्मेसी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ज्योति परमार, नेहा सोनी और

कार्तिक परिहार द्वारा विक्स,क्रीम, लिप बाम बनाने का सफल प्रयास किया गया। विद्यार्थियों के साथ फार्मेसी के शिक्षक डॉ. अनिल भंडारी, श्री विवेक भाटी एवं सुश्री सुप्रिया ने तैयार किए गए सैंपल, विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी को भेंट किए। कुलपति ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना की एवं भविष्य में इस तरह के विभिन्न उपयोगी पदार्थ बनाने की प्रेरणा दी। फार्मेसी की संयोजक प्रो. संगीता लूंकड़ ने विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता के उत्पाद व अन्य दवाइयाँ बनाने की प्रेरणा दी ।

फार्मेसी में कॅरियर गाइडंस पर हुआ व्याख्यान :

विश्वविद्यालय के बी. फार्मेसी के विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें हैदराबाद की वोवार्सिस कंपनी के एनालिस्ट चंद्रदर्शन जैन ने फार्मेसी के विद्यार्थियों को उभरते नये क्षेत्र के बारे में अवगत कराया और उसके अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों में नये क्षेत्रों के अनुरूप तैयार रहने को प्रेरित किया। व्याख्यान में फार्मेसी के प्रो. अनिल भण्डारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अभियांत्रिकी संकाय ने आयोजित किए वेबीनार

एमबीएम में सस्टेनेबल मैन्यूफैक्चरिंग पर वेबीनार संपन्न

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के तत्त्वावधान में सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग पर वेबीनार आयोजित हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश श्रृंगी ने मुख्य वक्ता प्रो. जीएस दंगायाच एमएनआईटी जयपुर का स्वागत किया। मुख्य वक्ता ने सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग की जरूरत और उस पर इंडस्ट्री 4.0 का उपयोग करते हुए कैसे सस्टेनेबिलिटी को प्राप्त कर सकते हैं? के बारे में अपने विचार रखे। कार्यक्रम में संयोजक डॉ. मनीष भंडारी, अमित मीणा एवं प्रदीप कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सेमिनार में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एमबीएम के उत्पादन व औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग में राष्ट्रीय वेबीनार

विश्वविद्यालय के एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के उत्पादन व औद्योगिक इंजीनियरिंग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल में काइजनः एक जापानी प्रबंधन तकनीक विषयक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसमें 160 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वेबीनार संयोजक डॉ. मिलिंद कुमार शर्मा और सह संयोजक डॉ. लखन पाटीदार ने बताया कि बेवीनार में भूटान, यूके, कनाडा, बांग्लादेश, मिश्र, फिलिपींस वं नाइजीरिया जैसे अन्य देशों से भी प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया।

एमबीएम इंजी. के तीन विभागों को एनबीए का एक्रेडिएशन हासिल

विश्वविद्यालय के एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन विभागों को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिएशन (एनबीए) का एक्रेडिएशन मिल गया। जिससे अब वैश्विक स्तर पर विद्यार्थियों की डिग्री को मान्यता मिलने से प्लेसमेंट के अवसर बढ़ जाएँगे। इलेक्ट्रिकल इंजी. विभागाध्यक्ष प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने कहा कि एमबीएम के तीन विभाग इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, पीएंडआई व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के एनबीए एक्रीडिएशन मिलने से यह पुष्टि हो गई कि तीनों प्रोग्राम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही तकनीकी कोर्स के सभी मापदंड पूरे हो रहे हैं। अब प्रोग्राम अनेक देश जैसे अमेरिका, सभी यूरोपियन देशों, कुवैत व अन्य में मान्य होगा। जिससे प्लेसमेंट की कठिनाई दूर हो पाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति और संकाय के समस्त शिक्षकों व कर्मचारियों के प्रयास रंग लाए हैं।

सीमित तत्त्व विधि पर अटल फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सीमित तत्त्व विधि-एप्लीकेशन इन सॉलिड मैकेनिक्स, फ्लूड मैकेनिक एंड हीट ट्रांसफर विषयक पाँच

दिवसीय अटल फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ वर्चुअल माध्यम से हुआ।

विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश श्रृंगी ने फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम की महत्ता के बारे में बताया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी एवं अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। संयोजक डॉ. इमरती कुमारी ने बताया कि इस कार्यक्रम में पूरे देश से 23 राज्यों के 123 विभिन्न संस्थानों के 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में आई.आई. टी मुंबई के प्रो. तरुण कांत, आई.आई.टी. रुड़की के प्रो. एसपी हर्षा, एमएनआईटी जयपुर के प्रो. अमर पटना आदि ने व्याख्यान प्रस्तुत कर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

एमबीएम में ऑनलाइन फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के यांत्रिक विभाग में 3डी प्रिंटिंग विषय पर आधारित एआईसीटीई प्रायोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक यांत्रिक विभाग के डॉ. कैलाश चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में वैबेक्स के माध्यम से 150 प्रतियोगियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता आईआईटी दिल्ली के प्रो. डॉ. पी. एम. पांडे ने 3डी प्रिंटिंग की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी । एमएनआईटी जयपुर मैकेनिकल विभाग के प्रो. हरलाल सिंह माली ने चिकित्सा के क्षेत्र में 3डी प्रिंटिंग के बढ़ते उपयोग के बारे में जानकारी दी।

अभियांत्रिकी संकाय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर समारोह आयोजित

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सुनील शर्मा ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये। मैकेनिकल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने कॉलेज में खेलकूद की विभिन्न सुविधाओं के बारे में बताया और भविष्य में प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए उपस्थित विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

एमबीएम में इंडस्ट्री संवाद आयोजित

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एसएई इंडिया कॉलेजिएट क्लब और एलुमनी एसोसिएशन (1996 बैंच) के सहयोग से चल रहे मेकमेनिया 1.0 के तीसरे दिन इंडस्ट्री टॉक आयोजित हुई। डॉ. जीसी कोठारी ने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर्स ऑफ लार्ज इंटर कनेक्टेड पॉवर सिस्टम्स फॉर ऑपरेशन एंड प्रोटेक्शन पर व्याख्यान दिया।

मल्टी डिस्प्लीनरी इंस्टीटूशंस पर वेबिनार

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में 24 फरवरी को नई शिक्षा नीति 2020: मल्टी डिस्प्लीनरी इंस्टीटूशन्स पर वेबिनार का आयोजन हुआ। वेबिनार के मुख्य वक्ता कुलपति प्रो. त्रिवेदी और आईआईटी बीचयू के डायरेक्टर प्रो. प्रमोद कुमार जैन थे। प्रो. त्रिवेदी ने नई शिक्षा नीति 2020 के मुख्य आधार

एक्सेसिबिलिटी, इक्विटी, ट्रांसपेरेंसी, क्वालिटी और एकाउंटेबिलिटी पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. सक्सेना ने गुरुकुल प्रथा की कुछ महत्वपूर्ण बातें जो आज के समय में प्रासंगिक है उनको नई शिक्षा नीति 2020 में कैसे लिया गया है इसको विस्तार से बताया।

31 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के 31 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ। इनमें से माइनिंग इंजीनियरिंग के 6 विद्यार्थी मानसी आसदेव, मिट्टू सिंह हाडा, नानक राम पटेल, रामस्वरूप, नरेंद्र लांबा एवं शुभम गुप्ता का हिंदुस्तान जिंक में चयन हुआ। माइनिंग इंजीनियरिंग के 4 और छात्रों देवेंद्र सिंह सोलंकी, खीमा राम, अरविंद पालीवाल एवं रूख्मा राम का चयन एएसी माइनिंग, उदयपुर में चयन हुआ। यागना सॉफ्टवेयर पुणे ने मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन के छात्र दिनेश सोलंकी का चयन किया। नेशनल बॉल बेअरिंग कम्पनी, जयपुर ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के पूजा अग्रवाल और विशाल सांखला का चयन किया। निनी ऑरेंज, पुणे ने कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के दो और छात्रों सुरिंदर कुमार और मोहित सोनी का चयन किया। प्रथम सॉफ्टवेयर ने कंप्यूटर सांइस के चिराग गुप्ता, विक्रमादित्य सिंह कछवाहा, केशव बोहरा, आशुतोष मंगल, देवेंद्र सिंह भाटी, निकिता गोयल, गरिमा विजय एवं इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के सौरभ कुमार जैन तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग के दिग्विजय सिंह राठौड़ और आदिल खान भाटी का चयन किया। वहीं जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने सिविल इंजीनियरिंग के अभिषेक बीजणिआ और मनु मंगल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के अनमोल कुमार सिंह और प्राची गुप्ता और मैकेनिकल इंजी. के चंदन सिंह एवं धर्मराज सिंह का चयन किया।

एमबीएम के 13 छात्रों का लाखों के पैकेज पर कैंपस प्लेसमेंट

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के 13 विद्यार्थियों को विश्व की तीन प्रसिद्ध कम्पनियों केयर्न इंडिया, आगिलाइट ग्लोबल सोलूशन्स अमेरिका और अल्फा टीएनडी लिमिटेड कंपनी में चयनित किया है। प्रो. अरविंद वर्मा ने बताया कि कॉलेज के केमिकल विभाग से अर्पित जैन, निशा चौहान, तान्या सिंघल, आकांक्षा शर्मा, अनुज वशिष्ठ, शुभतमा शर्मा अैर सिविल विभाग से चार्वी का चयन केयर्न इंडिया में हुआ। मैकेनिकल विभाग के चंदन सिंह, सानिध्य जैन, सुनील राठौड़ व सिविल के मनु मंगल को वेटिंग लिस्ट में रखा है। अगिलाइट ग्लोबल सोलूशन्स ने आईटी के जतिन टेकचंदानी, एमसीए के कार्तिक सोनी, ईसीसी के कुणाल आचार्य व अभिषेक श्रीमाल का चयन किया। अल्फा टीएनडी लिमिटेड ने इलेक्ट्रिकल विभाग के पंकज शर्मा और राकेश चौरसिया का चयन किया।

एमबीम के 23 विद्यार्थियों का कैंपस से चयन

एमबीएम इंजीनियरिंग कालेज के आठ विद्यार्थियों दीक्षिता जैन, प्रियल साहू, आयुषी गौतम, कोमल मीणा, हर्षिता किरोड़ीवाल, नितेश पमनानी, निकिता शर्मा, एवं हर्षिता अरोरा का क्लैम्बर नॉलेज में बुसिनेस्स डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव के पद पर चयन हुआ। कैपजेमनी सॉफ्टवेयर कंपनी ने भी पंद्रह छात्रों आदिल खान भाटी, अदिति फोफलिया, अपूर्व उपाध्याय, भानुप्रताप सिंह भाखरोट, दिग्विजय सिंह राठौर, गौतम नानकनी, जतिन टेकचंदानी, जयेश सिंघवी, कृतिका अग्रवाल, लक्षित सांखला, मनीष सिंह, नितीश जोशी, प्रियांशु जैन, वैभव घई, एवं विनायक कुरदिआ का चयन एनालिस्ट के पद पर किया।

एमबीएम की दो छात्राओं का ऑप्टम में चयन

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की दो छात्राओं स्वाति कुमावत और भव्या नारंग का ऑप्टम यूनाइटेड हेल्थ ग्रुप की कंपनी में 7.15 लाख रूपये के पैकेज पर चयन हुआ।

एमबीएम के 6 विद्यार्थियों को 10 लाख पैकेज पर प्लेसमेंट

इंजीनियरिंग कॉलेज के इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग के दो विद्यार्थी हर्षिता शर्मा और रिया चौरड़िया का एयरटेल कंपनी में 10 लाख रूपये के पैकेज पर चयन हुआ।मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र अर्पित विजयवर्गीय का डीसीएम श्रीराम में पांच लाख के पैकेज

पर चयन हुआ। कॉलेज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि चयन प्रक्रिया ऑनलाइन थी।

एमबीएम के छात्रों का कैंपस से चयन

एमबीएम इंजीनियरिंग कालेज के चार छात्रों लक्षित सांखला एवं आयुषी गौतम, गौतम नानकनी एवं हर्षा कँवर का सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियर के पद पर चयन हुआ।

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अटल फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारम्भ

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -एप्लीकेशन इन मॉडर्न सिनेरियो विषयक पाँच दिवसीय अटल फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ हुआ। प्रो. त्रिवेदी एवं अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। संयोजक अभिषेक गौड़ ने बताया कि इस कार्यक्रम में पूरे राष्ट्र से 21 राज्यों के 140 विभिन्न संस्थानों के 200 प्रतिभागी भाग ले रहे है। प्रो. श्रीधर चिमालोकाण्डो ने सॉफ्टवेयर उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर एवं आई.आई.टी. जोधपुर के डॉ. सुमित कालरा ने मटेरियल साइन्स रिसर्च में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग विषयक व्याख्यान दिया।

कंप्यूटर सेंटर की वैज्ञानिक खोज और लेखन 'वेब ऑफ साइंस' में

कंप्यूटर सेंटर द्वारा प्रभावी वैज्ञानिक खोज और लेखन के लिए वेब ऑफ साइंस की पहुंच सक्षम कर दी गई है। अनुसंधान की गुणवत्ता में सहायता और वृद्धि करने के लिए ई-शोध सिंधु योजना के तहत एआईसीटीई द्वारा एमबीएम को यह पहुंच प्रदान की जा रही है। कुलपति ने कहा कि वेब ऑफ साइंस की पहुंच से विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं को अपने शोध को उन्नत बनाने में सहायता मिलेगी।

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में पौधारोपण

राष्ट्रीय सेवा योजना व भारत स्काउट गाइड इकाई के तत्त्वावधान में एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में पौधारोपण व साफ-सफाई कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने पुरानी मशीनरी का म्यूजियम लगाने, फलदार पौधे लगाने और उनकी देखभाल का आह्वान किया। संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुनील शर्मा ने संकाय के कायापलट के लिए तथा पौधारोपण के लिए संकल्प लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने योजना के कार्यक्रमों की जानकारी दी, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. आर.सी. मीणा ने संकाय की रूपरेखा को विस्तार से बताया। इस अवसर पर प्रो. आर.सी. मीणा, डॉ. ओ.पी. विश्नोई, उमेश कुमार, भारत स्काउट गाइड के रोवर लीडर प्रदीप कुमार व सहायक रोवर लीडर रोहित रावल के साथ संकाय के वरिष्ठ प्रोफेसर्स, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कमला नेहरु महिला महाविद्यालय

महिलाओं के खुद के दायरे से निकलने पर ही सशक्तिकरण संभव

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट कॉन्क्लेव के अंतिम दिन मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती मनीषा पंवार ने लैंगिक असमानता एवं महिलाओं के विभिन्न क्षेत्र में उपलब्धियों के बारे में बताते हुए कहा कि आज महिलाएँ कई ऊँचाईयाँ छू चुकी हैं फिर भी हमें आज भी सशक्तिकरण की बात करनी पड़ रही है, क्योंकि महिलाएँ स्वयं अपने दायरे से बाहर नहीं निकल पा रही हैं। महिलाओं को खुद दायरे से बाहर आकर खुद को साबित करने के प्रयास करने होंगे। विशिष्ट अतिथि साइबर एक्सपर्ट डॉक्टर सी.बी. शर्मा ने महिलाओं के साथ होने वाले साइबर क्राइम की चर्चा करते हुए कई लीगल आयामों को बताया। कॉलेज निदेशक प्रो. संगीता लूंकड ने सभी का स्वागत किया। डॉ. राजश्री राणावत ने आभार व्यक्त किया।

वेबीनार में बताए महिलाओं के अधिकार

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की ओर से लीगल प्रोविजन्स फॉर वीमन सेफ्टी विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। कॉलेज डायरेक्टर प्रो. संगीता लूंकड़ ने महिला सुरक्षा तथा महिलाओं के अधिकारों की रक्षा पर प्रकाश डाला। वेबीनार के मुख्य वक्ता उच्च न्यायालय अधिवक्ता मोहित सिंघवी ने महिलाओं को मिले अधिकारों के बारे में चर्चा की। संचालन डॉ. राजश्री राणावत ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामलाल सैनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

केएन कॉलेज में राष्ट्रीय वेबीनार

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के तत्त्वावधान में आयोजित **बदलते सामाजिक एवं आर्थिक वातावरण के कारण उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ** विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ। वेबीनार के प्रारंभ में प्रो. संगीता लूंकड़ निदेशक कमला नेहरू महिला महाविद्यालय ने स्वागत उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। पीडीएम विश्वविद्यालय हरियाणा के कुलपति प्रो. ए.के. बक्शी ने 21वीं सदी में उच्च शिक्षा की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक को पढ़ाने के लिए विषय की जानकारी और शोध करने के लिए नवीन संचार की आवश्यकता है। 21वीं सदी में उच्च शिक्षा की चुनौतियों में संचार युग, एआई युग, कड़ी प्रतियोगिता के माहौल में शिक्षक को अपने विद्यार्थियों को तैयार करने की आवश्यकता है।

प्रो. संदीप संचेती कुलपति मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट स्कीम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विद्यार्थी केन्द्रित तकनीक है। जिसमें विद्यार्थी अपनी क्षमता एवं रुचि के अनुरूप विषय का चयन, पढ़ने की प्रणाली जैसे ऑनलाइन शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में क्रेडिट जमा करके किसी भी शिक्षण संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त कर सकता है।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने वेबीनार की मुक्तकंठ सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजश्री राणावत ने किया। प्रो. श्रवण कुमार मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्व. विश्नोई की स्मृति में प्लांट बैंक शुरू

विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व समन्वयक एवं पूर्व परीक्षा नियंत्रक स्व. प्रो. जैताराम विश्नोई की स्मृति में प्लांट बैंक का उद्घाटन विवि कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने किया।

कार्यक्रम में एनएसएस समन्वयक प्रो. खरता राम पटेल, विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. चंदन बाला, विज्ञान संकाय के प्रो. प्रवीण गहलोत, जम्भेश्वर पीठ के निदेशक डॉ. ओ.पी. विश्नोई, आदि शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं स्व. प्रो. जैताराम विश्नोई के परिवारजन उपस्थित थे।

प्रो. जेताराम विश्नोई स्मृति पार्क का शुभारंभ

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के श्री गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ की ओर से पूर्णतया जन सहयोग से निर्मित प्रो. जेताराम विश्नोई स्मृति पार्क का शुभारंभ एवं पौधारोपण माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी एवं लूणी विधायक श्री महेन्द्र विश्नोई द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में शोधपीठ के निदेशक डॉ. ओमप्रकाश विश्नाई ने पार्क के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले भामाशाहों का आभार प्रकट किया।

कमला नेहरु महिला महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय परिवार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व निदेशिका प्रो. कीर्ति राजीमवाले, विशिष्ट अतिथि प्रो. के.आर. पटेल समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना, अध्यक्ष पूर्व निदेशिका प्रो. कमल मोहनोत आदि ने वृक्षारोपण की महत्ता रेखांकित की।

राष्ट्रीय सेवा योजना तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में वृक्षारोपण

राष्ट्रीय सेवा योजना तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. त्रिवेदी रहे तथा कार्यकम की अध्यक्षता विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अशोक पुरोहित ने की।

एन.एस.एस. समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने वृक्षारोपण की महत्ता पर अपना उद्बोधन दिया। प्रो. त्रिवेदी ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरूआत अशोक, गुलमोहर, आम इत्यादि के पौधे लगाकर की।

वृक्षारोपण का कार्यक्रम गाँधी अध्ययन केन्द्र में भी आयोजित किया गया तथा गॉधी अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने माननीय कुलपति महोदय के साथ औषधीय पौधे लगवाये।

गाँधी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी : कलेक्टर इंद्रजीत सिंह

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव में दांडी मार्च दिवस के उपलक्ष्य पर 'दांडी संदेश एवं बापू का समाज दर्शन' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कार्यवाहक निदेशक प्रो. सांत्वना गौड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ अजय त्रिवेदी ने महात्मा गाँधी के जीवन दर्शन, सविनय अवज्ञा, सत्य और अहिंसा को स्पष्ट किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो त्रिवेदी ने कहा कि महात्मा गाँधी युगपुरुष थे। ज़िला कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह ने अपने बीज वक्तव्य में कहा कि महात्मा गाँधी ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने सभी वर्गों को प्रभावित किया। राष्ट्रपिता गाँधी जी की कथनी और करनी में एकता थी।

महिला सृष्टि की जननी, खुद की क्षमता पहचाननी होगी: विश्नोई

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में नारी शक्ति राजस्थान पुलिस, जोधपुर की टीम के निर्देशन में 14 दिवसीय आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को महिला शक्ति टीम द्वारा आत्मरक्षा करने की विभिन्न प्रकार की तकनीक सिखाई गई। शिविर का समापन समारोह इनरव्हील इंटरनेशनल क्लब एवं फेथ वर्क्स सोसायटी के सौजन्य से किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी निर्मला विश्नोई ने कहा कि महिला सृष्टि की जननी है। विशिष्ट अतिथि डॉ. कुसुमलता भंडारी ने कहा कि हमारी संस्था बालिका शिक्षा और नारी सशक्तिकरण हेतु निरंतर कार्य करती है। राजस्थान पुलिस अधिकारी किरण विश्नोई ने छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम में डॉ. कामिनी ओझा, डॉ. विनीता चौहान, डॉ. आशा राठी, डॉ. पंकज नामा, डॉ. आर.एस. सैनी, डॉ. लेखू गहलोत के साथ कार्यवाहक निदेशक प्रो. सांत्वना गौड़ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

के.एन.कॉलेज में नवनिर्मित हॉल का उद्घाटन

5 जुलाई 2020 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर के.एन.कॉलेज में उद्घाटन एवं पुनरुद्धार पश्चात् कॉलेज हॉल का लोकार्पण हुआ। कॉलेज की निदेशिका प्रो. कैलाश कौशल ने कहा कि लगभग 60 वर्षों बाद इस कॉलेज हाल की छत व दीवारों की मरम्मत कर फर्श पर टाइलें लगाई गई। रुसा से मिली बीस लाख की राशि से प्रस्तुत सभागार को नवता प्रदान की गई। कुलपति ने कहा कि विभिन्न विकास कार्यो के अन्तर्गत अभी 20-25 कमरे और बनेंगे एवं रुसा के कोष में अधिक से अधिक फंड ला कर विश्वविद्यालय के विकास कार्यो को गति प्रदान करेंगे।

रुसा के विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत ने सम्बोधन दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संगीत विभाग की डॉ. स्वाति शर्मा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, कार्यक्रम का संचालन डॉ. कामिनी ओझा ने किया और महिला अध्ययन केन्द्र निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में नवाचार अध्ययन, पर्यावरण सुदृढ़ीकरण होगा

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज का 71 वाँ स्थापना दिवस 14 अगस्त 2021 को मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य अभियन्ता ई. गुलाब सिंह भण्डारी थे कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने अध्यक्षता की। इस दौरान एल्यूमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. एस.एस. टाक, सचिव डॉ. आर.के. विश्नोई व संकाय के डीन प्रो. सुनील शर्मा ने उद्बोधन प्रदान किया। कार्यक्रम में एल्यूमीनी एसोसिएशन के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री द्वारा संस्थान को विश्वविद्यालय बनाये जाने के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने एल्यूमिनी के कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

कुलपति ने न्यू कैंपस में लगाए पक्षियों के लिए परिण्डे

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जन्मदिवस के अवसर पर नया परिसर में पेड़ों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए, जिसमें दाना और पानी की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने आमजन से अपील की कि गर्मी के इस मौसम में घरों के आसपास पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर वन्य जीव संरक्षण में सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. हेमसिंह गहलोत ने वन्य जीव संरक्षण का महत्त्व बताया।

राष्ट्रीय सेवा योजना ने मोगड़ा कलां में वितरित किए औषधीय व फलदार पौधे

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा गोद लिए गाँव मोगड़ा कलां में 20 अगस्त, 2020 को मारवाड़ के लोकदेवता बाबा रामदेव जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से निःशुल्क 101 औषधीय व फलदार पौधे जिसमें नींबू, अमरूद, गूंदा, शीशम आदि थे, वितरित किए गए।

एन.एस.एस. द्वारा मोगडा कलाँ में स्वच्छता अभियान एवं सर्वेक्षण कार्यक्रम आयोजित

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों द्वारा महामहिम राज्यपाल की स्मार्ट विलेज स्कीम के अन्तर्गत गोद लिए गए गाँव मोगडा कलाँ मे स्वयं सेवकों द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में स्वयं सेवकों द्वारा स्वच्छ घर, स्वच्छ गाँव, खुले में शौच बंद करो, टीकाकरण करवाओ, पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबन्धन के नारे लगवाकर ग्रामीणों को संदेश दिया।

विभिन्न विभागों में सघन सफाई अभियान कर दिया स्वच्छता का संदेश

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत स्वच्छता संदेश के साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय और विभाग में सघन सफाई अभियान का शुभारम्भ हुआ। **विज्ञान संकाय** के छात्र-छात्राओं ने मिलकर विभाग परिसर में उगी कंटीली झाड़ियों को हटाया। पूरे परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। **कमला नेहरू महिला महाविद्यालय** की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्राओं और 94.3 माय एफएम की ओर से स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित कर परिसर में साफ-सफाई की। **वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन संकाय** तथा **विज्ञान संकाय** में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक दिवसीय स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन डॉ. आशीष माथुर, निशांत गहलोत एवं डॉ. आर.पी. मीणा के निर्देशन में किया गया।

विधि संकाय में एनएसएस की ओर से एक दिवसीय स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें छात्र-छात्राओं को सीडबॉल बनाना सिखाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि संदल ने स्वच्छता का महत्त्व बताया।

विवि ले लिया सालावास गाँव को गोद

राजभवन के निर्देशों के बाद अब गाँव गोद लेने के तीसरे चरण में विश्वविद्यालय सालावास गाँव को गोद ले रहा है। जिसके संबंध में नोडल अधिकारी की भी नियुक्ति की गई है। तत्कालीन राज्यपाल एवं कुलाधिपति कल्याण सिंह ने विवि को गाँवों को गोद लेकर विकास कार्य करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद विवि ने पहले नांदड़ीकलां गाँव को गोद लिया था। वहीं अब तीसरे चरण में विवि प्रशासन सालावास गाँव को गोद लिया है। सालावास गाँव के विकास कार्यो के लिए नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत को नियुक्त किया गया है। इसी कड़ी में गांव में ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसमें कई विकास प्रस्ताव पारित किए गए, ग्रामीणों द्वारा हाथ तंग होने व बजट नहीं होने के तर्क रखने पर गांव के विकास के नोडल अधिकारी एवं जेएनवीयू के राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. दिनेश गहलोत ने अपने 2 महीने का वेतन ग्राम सभा को देने की घोषणा की।

जन्मदिन मनाओ, पुण्य कमाओ योजना

1. 'जन्मदिन मनाओ पुण्य कमाओ योजना' के अन्तर्गत रमेश बेनीवाल ने अपने पुत्र युवराज बेनीवाल के जन्मदिन पर 1 लाख ग्यारह हजार की राशि गौशाला में चारे हेतु भेंट की।

2. सालावास पंचायत समिति के पूर्व सदस्य जय सिंह गहलोत ने जन्म दिवस पर गौशाला में 13100 की राशि गायों के चारे पानी हेतु भेंट की।

3. सालावास गांव के युवा उद्योगपति अमराराम पटेल के रिश्तेदार का निधन होने के उपरान्त भी उन्होंने अपने जन्मदिन पर गौशाला में गायों के चारे-पानी की सुचारू व्यवस्था हेतु 9,100/- रूपए का दान किया।

4. महंत मोती साहेब की 25वीं बरसी पर कबीर आश्रम के महंत श्री अमर साहेब ने गौशाला में 31000/-रू. की राशि गायों के हरे चारे हेतु भेंट की। साथ ही 100 किलो की लापसी बनाकर गौवंश को खिलाई गई।

5. एडीजे कोर्ट चार में कार्यरत नरपत भोबरिया ने स्वयं, अपनी 88 वर्षीय दादी हीरा देवी भोभरिया और अपनी पुत्री दिव्या का जन्मदिन गौशाला में मनाया। उन्होंने 15 हजार एक सौ रूपये गौसेवा करते हुए भेंट किए।

6. सालावास के युवा उद्यमी बाबूलाल भोबरिया ने अपने पुत्र प्रवीण भोबरिया के जन्मदिवस पर गौशाला में एक लाख की राशि भेंट की।

7. लेखाशास्त्र के व्याख्याता मदनलाल गहलोत ने अपनी 30वीं विवाह वर्षगांठ के अवसर पर गौशाला में 11 हजार रूपए भेंट किए।

8 सालावास गाँव के ठेकेदार जगदीश गहलोत ने अपने जन्मदिवस पर 21,100/- की राशि गौशाला में भेंट की।

प्रोफेसर मीना बर्डिया ने लोक प्रशासन में सम्भाला विभागाध्यक्ष का कार्यभार

कुलपति प्रो. त्रिवेदी के आदेश द्वारा प्रो. मीना बर्डिया ने लोक प्रशासन विभाग के

विभागाध्यक्ष का पदभार सम्भाला। प्रोफेसर जगमाल शेखावत के सेवा-निवृत्त होने पर उन्हें विभाग का अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया।

डॉ. व्यास पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. अनिल व्यास को विश्वविद्यालय में इस शैक्षणिक सत्र से शुरू हो रहे नए विभाग पेट्रोलियम इंजीनियरिंग का विभागाध्यक्ष बनाया गया है। राज्य सरकार ने फरवरी महीने में कॉलेज में पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग खोलने के लिए 20 करोड़ रूपए का बजट जारी किया गया था।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिया गया गाँव मोगड़ा कलां में कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम हेतु सामग्री का वितरण एवं जनचेतना अभियान

1. जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र के आदेशानुसार स्मार्ट विलेज स्कीम के तहत गोद लिए गए मोगड़ा कला गावं में दिनांक 08.06.2020 को कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम हेतु सामग्री का वितरण किया गया व जनचेतना के तहत् ग्रामीणो को संक्रमण के रोकथाम हेतु जानकारी दी गई।

स्मार्ट विलेज स्कीम के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर प्रवीण गहलोत ने बताया की गांव में एक हजार मास्क, थर्मोस्केनर मशीन, सार्वजनिक स्थलों को संक्रमण से मुक्त करने के लिए हाइपो के छिड़काव की स्वंचलित मशीन, हाथों को साफ करने हेतु हेन्ड सेनेटाइजर इत्यादि का वितरण किया गया। पंचायत कार्यालय, ई-मित्र व अन्य सार्वजनिक स्थानो पर छिड़काव हेतु हाइपों विलयन दिया गया। विश्वविद्यालय द्वारा मास्क, थर्मोस्केनर मशीन, छिड़काव मशीन व अन्य सामग्री ग्राम पंचयत को भेंट की।

2. दिनांक 06.12.2020 को गोद लिए गए गाँव मोगड़ा कलॉ में माननीय कुलपति महोदय प्रो. पी.के.त्रिवेदी के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम व वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने बताया कि कोविड-19 महामारी उन्मूलन हेतु राज्य सरकार द्वारा जारी गाईडलाईन की पालना करते हुए गॉव में सार्वजनिक स्थानों पर सफाई करवाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा गॉव को अनुदान राशि दी गई जिसके अन्तर्गत गॉव की मुख्य सड़क, पंचायत भवन, राजकीय सीनियर सैकेण्डरी

डॉ. चौधरी एमबीएम कॉलेज माइनिंग के विभागाध्यक्ष बने

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के माइनिंग विभाग में प्रो. एस. के. परिहार के सेवानिवृत्त होने पर डॉ. राम प्रसाद चौधरी ने माइनिंग विभाग के विभागाध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया। डॉ. चौधरी इसी कॉलेज से अपना इंजीनियरिंग कोर्स किया था तथा आईआईटी खड़गपुर से स्कॉलरशिप के साथ एमटेक किया था।

विवि शैक्षिक संघ : प्रो. डागा अध्यक्ष व प्रो. गर्ग सचिव नियुक्त

प्रो. कैलाश डागा

अखिल रंजन गर्ग

जय नारायण व्यास विश्व. विद्यालय शैक्षिक संघ कार्यकारिणी की ऑनलाइन बैठक संपन्न हुई। बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष प्रो. सुनील परिहार का सेवा-निवृत्ति पर अभि-नंदन किया गया। वहीं संघ में अध्यक्ष पद की बागडोर प्रो. कैलाश डागा को सौंपी गई। इसके अलावा प्रो. अखिल रंजन गर्ग को सचिव पद का दायित्व सौंपा गया।

विद्यालय, राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ऑगनवाडी इत्यादि स्थानों पर साफ-सफाई की जायेगी।

3. मोगड़ा कल्ला गाँव के मनरेगा कार्यस्थल पर स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित : मोगड़ा कल्ला गाँव में एक दिवसीय जाँच शिविर का आयोजन किया गया। मोगड़ा के सरपंच वागाराम पटेल के निवेदन पर शिविर का आयोजन जर्रा नाड़ी के मनरेगा कार्यस्थल पर किया गया ।

4. औषधीय पादपों का वितरण एवं वृक्षारोपण : मोगड़ा कलां गांव में औषधीय पादपों का वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि गांव मे एक दिवसीय शिविर का आयोजन कर ''हरित गांव'' की थीम पर औषधीय व फलदार पौधों का वितरण किया गया। औषधीय पौधों मे तुलसी, गिलोय, ग्वारभाटा, शतावरी तथा फलदार पौधे मे जामुन, सीताफल, अमरूद, गुंदा, अनार, बादाम व आम के पौधे थे।

5. विश्वविद्यालय द्वारा स्मार्ट विलेज मोगड़ा कलां में सामाजिक सरोकार : 11 फरवरी, 2021 को मोगड़ा कलां गांव के फतेहगिरी जी महाराज भाखरी पर रत्नगिरी जी महाराज की 26वीं बरसी पर रक्तदान शिविर, नेत्र जॉच शिविर, स्वास्थ्य शिविर तथा ई-बैंकिंग, साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 110 ग्रामीणों ने अपनी नेत्र जॉच करवाई।

जेएनवीयू स्मार्ट विलेज सालावास में छह नवाचारों का शुभारम्भ

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए स्मार्ट विलेज सालावास गाँव में 23 फरवरी को छह नवाचारों का शुभारम्भ किया गया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि लूणी के विधायक महेंद्र विश्नोई द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बच्चों को प्रेरक कहानियाँ सुनाई तथा गाँव के विकास में विद्यार्थियों की सक्रिय भूमिका का आह्वान किया। नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत के प्रयासों से गाँव में कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने हेतु गाँव के मुख्य मार्गों, कबीर चौराहा, बस स्टैंड तथा विद्यालय गेट पर 12 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिसका लोकार्पण मुख्य अतिथि महेंद्र विश्नोई तथा कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने किया। ग्राम पंचायत विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना, 10वीं एवं 12वीं कला एवं विज्ञान में 90 प्रतिशत से अधिक अंकों वाले विद्यार्थियों के लिए कई पुरस्कार योजनाओं का शुभारम्भ किया गया।

महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने बताया कि महिलाओं के रोजगार प्रशिक्षण हेतु ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से किया जा रहा है। 15 दिवसीय इस शिविर में महिलाओं को सौन्दर्य-सम्वर्धन तकनीक से अवगत करवाया जायेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में वृक्षारोपण

राष्ट्रीय सेवा योजना तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. त्रिवेदी रहे तथा कार्यकम की अध्यक्षता विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अशोक पुरोहित ने की। एन.एस.एस. समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वृक्षारोपण की महत्ता पर अपना उद्बोधन दिया। कुलपति ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरूआत अशोक, गुलमोहर, आम इत्यादि के पौधे लगाकर की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय से नवनियुक्त सिंडिकेट सदस्य प्रो. के.आर. गेनवा का स्वागत भी किया गया। गाँधी अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने माननीय कुलपति महोदय के साथ औषधीय पौधे लगवाये। वृक्षारोपण का कार्यक्रम गाँधी अध्ययन केन्द्र में भी आयोजित किया गया तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने माननीय कुलपति महोदय के साथ औषधिय पौधे लगवाये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका पुरोहित ने किया व प्रो. प्रवीण गहलोत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जेएनवीयू ने कच्ची बस्ती में मनाया एनएसएस स्थापना दिवस

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के निर्देश तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल व कमला नेहरू महाविद्यालय की निदेशिका प्रो. संगीता लूंकड के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस पाँच बत्ती के पास स्थित नेहरू कॉलोनी और सांसी कॉलोनी में बच्चों व उनके घरों में मास्क व सेनेटाइजर वितरित कर मनाया। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. उत्तम पालीवाल, डॉ. अल्केश टाक, डॉ. आरपी सारण, डॉ. समय सिंह मीणा, डॉ. शिवकुमार बरवड़ और स्वयंसेवक मनोहर ने लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन :

विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति के निर्देशानुसार विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं को कोविड-19 महामारी से बचाने हेतु उन्हें कोविशिल्ड की प्रथम व द्वितीय डोज लगायी गयी। कोविशिल्ड की 430 डोज लगाकर छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा डॉ. रवि नागल के नेतृत्व में नर्सिंग स्टाफ के सहयोग से शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।

टीकाकरण कैम्प में 737 लोगों को लगा कोरोना बचाव टीका

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में टीकाकरण कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में कुल 737 लोगों का टीकाकरण डॉ. रोहित माथुर की तीन टीमों द्वारा किया गया। प्रो. संगीता लूँकड ने CMHO डॉ. बलवंत मंडा एवं RCHO डॉ. कौशल दवे का आभार व्यक्त किया।

कला संकाय में 360 लोगों को लगाए कोवैक्सीन के टीके

कला संकाय भाषा प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में कुलपति की प्रेरणा से दिनांक 13 अगस्त, 2021 को कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारियों को कोवैक्सीन की प्रथम व द्वितीय डोज लगाई गई।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का द्वितीय चरण शुरू

3 राज गर्ल्स बटालियन के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का द्वितीय चरण कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में आरम्भ हुआ, जिसमे परेड, मानचित्र पठन, हथियार प्रशिक्षण, युद्ध कौशल, रण कौशल, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास की कक्षाएं ली जाएंगी। शिविर में डिप्टी कैंप कमांडेंट मेजर इंदु मिश्रा, लेफ्टीनेंट कीर्ति माहेश्वरी आदि ने संबंधित विषयों पर कक्षाएं लीं।

छात्र सेवा मंडल से जुड़ी समितियों का गठन, सदस्य मनोनीत

कुलपति ने छात्र सेवा मंडल की सलाहकार समिति के सदस्यों का मनोनयन किया। समिति में प्रो. पवन कसेरा, प्रो. सरोज कौशल, प्रो. सतीश कुमार हरित, प्रो. जयश्री वाजपेयी, प्रो. कृष्णावतार गोयल, प्रो. सुनीता शर्मा, प्रो. राजेश कुमार दुबे, प्रो. सुनील आसोपा, डॉ. महिपाल सिंह राठौड़ को शामिल किया गया। वहीं राजस्थानी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का गठन किया गया जिसमें छात्र सेवा मंडल के राजस्थानी प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इसमें महिपाल सिंह को प्रभारी, मीनाक्षी बोराणा को संयोजक, गजेसिंह राजपुरोहित सह-संयोजक, धनंजया अमरावत, जया भंडारी, लेखू भंडारी, कामिनी ओझा, आशा राठी, प्रतिभा सांखला, पूजा गहलोत, हितेन्द्र गोयल व गोविंद सिंह को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। वहीं छात्र सेवा मंडल के सांस्कृतिक व सह-सांस्कृतिक समन्वयक मनोनीत किये गये इसमें सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. संगीता लूंकड़, सह सांस्कृतिक समन्वयक राजश्री राणावत, भाषा प्रकोष्ठ के लिए मीना बर्डिया, गोविंदसिंह व भूमिका द्विवेदी, विधि संकाय के लिए निधि संदल व केआर मेघवाल, केएन कॉलेज के लिए एसएल मीणा, कामिनी ओझा व स्वाति शर्मा, एमबीएम कॉलेज के लिए विकास कपूर, सुशील सारस्वत, विज्ञान संकाय के लिए प्रवीण गहलोत, अशोक पटेल और वाणिज्य संकाय के लिए सपना पटावरी व क्षितिज महर्षि को शामिल कियागया है। छात्र सेवा मंडल अध्यक्ष की अनुशंसा पर सत्र 2020-21 ऑनलाइन प्रतियोगिता समिति भी गठित की गई।

कोविड-19 महामारी जागरूकता एवं बचाव पर एक दिवसीय वेबीनार आयोजित

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कोविड-19 महामारी पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का आयोजन दिनांक 23.05.21 को माइक्रोसॉफ्ट टीम्स प्लेटफार्म पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर त्रिवेदी ने की। मुख्य वक्ता डॉ संदीप अग्रवाल ने कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति, संक्रमण, बचाव, लक्षणों की पहचान तथा इसके उपरांत होने वाली जटिलताओं को अपनी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन द्वारा समझाया।

कोविड-19 चुनौतियों में शामिल ब्लैक फंगस तथा वाइटफंगस पर चर्चा की जिसमें स्वयंसेवकों को इन पर ज्ञानार्जन करने तथा समाज में लोगों से संवाद स्थापित कर इन बीमारियों से जुड़ी भ्राँतियों को दूर करने का आह्वान किया गया। कमला नेहरू कॉलेज निदेशक प्रोफेसर संगीता लूंकड़, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हेमसिंह गहलोत तथा डॉ. अशोक कुमार पटेल ने इस परिचर्चा में भाग लिया। वेबीनार का संचालन डॉ. प्रियंका पुरोहित ने किया तथा देशभर से ऑनलाइन जुडे सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वच्छता को आचरण में अपनाना जरूरी

केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) क्षेत्रीय निदेशालय के संयुक्त तत्त्वावधान में 27 फरवरी को विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने जीवन में स्वच्छता के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोरोना काल में विवि स्वयं सेवकों ने जन-जागरुकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई। कार्यशाला अध्यक्ष कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने वातावरण की स्वच्छता के साथ-साथ मानसिक स्वच्छता की भी आवश्यकता बताई।

मुख्य वक्ता जोधपुर नगर निगम आयुक्त डॉ. अमित यादव ने कहा कि देश की संस्कृति में स्वच्छता का बड़ा महत्व है। एनएसएस समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने एनएसएस द्वारा वर्ष पर्यन्त की गई गतिविधियों का परिचय दिया। विज्ञान संकाय के कार्यकारी अधिष्ठाता प्रो. सीमा कोठारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

समापन समारोह में प्रो. के. एल. रैगर अधिष्ठाता, कला संकाय ने स्वच्छता का जीवन में महत्त्व एवं जीवन निर्माण के सहायक के रूप में रेखांकित किया। प्रो. चैनाराम चौधरी ने एनएसएस द्वारा संचालित कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

प्रो. के.आर. गेनवा सिंडीकेट सदस्य मनोनीत

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रोफेसर प्रवीण चन्द त्रिवेदी ने एक आदेश जारी कर रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर के.आर. गेनवा को एक वर्ष के लिए सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया है। प्रो. गेनवा इससे पूर्व अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र के निदेशक भी रहे हैं एवं विश्वविद्यालय के अन्य वैधानिक समितियों के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

डॉ. मीनाक्षी बोराणा जोधपुर जिला कमिश्नर (रेंजर) नियुक्त

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय जोधपुर के जिला मुख्य

आयुक्त श्री गोपाल सिंह भाटी द्वारा भारत स्काउट्स व गाइडस् राष्ट्रीय मुख्यालय के नवीनतम नियम 107 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए राजस्थानी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा को जिला कमिश्नर (रेंजर), जोधपुर के पद पर नियुक्त किया गया है।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय ने किया नो मास्क-नो एंट्री अभियान का आगाज

माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से कोरोना महामारी बचाव के लिए 2 अक्टूबर से नो मास्क-नो एंट्री अभियान का आह्वान के तहत कुलपति प्रो. त्रिवेदी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना की **विज्ञान व कला संकाय इकाइयों** द्वारा भगत की कोठी रेल्वे स्टेशन व आसपास के क्षेत्रों में लोगों के घर-घर जाकर मास्क वितरित किए। आमजन को मास्क लगाए बिना घर से नहीं निकलने एवं कोरोना से बचाव के उपाय बता जागरूक करते हुए कोरोना बचाव के बैनर लगाए। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत के नेतृत्व में डॉ. आरपी सारण, डॉ. एसएस मीणा, डॉ. उत्तम पालीवाल, डॉ. सुरेश चौधरी, डॉ. प्रवीणचन्द, डॉ. प्रेमसिंह राजपुरोहित, डॉ. भवानी सिंह व स्वयंसेवकों ने भगत की कोठी रेल्वे स्टेशन पर यात्रियों को कोरोना बचाव के उपाय बताए मास्क व सेनेटाइजर वितरित कर बैनर लगाए। इसी तरह **कमला नेहरू महिला महाविद्यालय** के कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. पंकज नामा, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. पूनम पूनिया, डॉ. आरएल सैनी, डॉ. विनीता चौहान व डॉ. प्रतिभा सांखला की ओर से गांधी जयंती पखवाड़ा का आयोजन किया गया जिसके तहत क्विज, भाषण, आर्ट ऑफ लिविंग, पीपीटी बनाओ प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता व कोरोना बचाव बैनर वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गये। **वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय** में भी नो मास्क-नो एंट्री अभियान के तहत बिना मास्क के प्रवेश नहीं के फ्लेक्स का विमोचन संकाय अधिष्ठाता प्रो. रमन कुमार दवे के द्वारा किया गया। **विधि संकाय** के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं ने नो मास्क-नो एंट्री का संदेश देकर संकाय में जागरूकता बढ़ाई।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी बने नई शिक्षा नीति अध्ययन दल सदस्य

भारत सरकार शिक्षा (ग्रुप-4) विभाग की ओर से उच्च शिक्षा विभाग संबंधित नवीन शिक्षा नीति 2020 का अध्ययन कर राजस्थान उच्च एवं तकनीकी शिक्षा नीति प्रस्तुत करने के लिए अध्ययन दल का गठन किया जिसमें जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी को अध्ययन दल सदस्य बनाया गया।

डॉ. पी.आर. व्यास सिंडीकेट सदस्य एवं श्री पी.एस. वर्मा विश्वविद्यालय चयन समिति सदस्य मनोनीत

राज्य सरकार ने आदेश जारी कर डॉ. पी.आर. व्यास को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया है। सिंडीकेट सदस्य के रूप में इनकी नियुक्ति अगले तीन वर्षो के लिए की गई। वहीं राज्य सरकार ने एक अन्य आदेश जारी कर प्रख्यात शिक्षाविद् श्री पी.एस. वर्मा एवं सिंडीकेट सदस्य डॉ. पी.आर. व्यास को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में शिक्षक एवं अधिकारी चयन समितियों का सदस्य मनोनीत किया है।

वृक्षारोपण एवं गौशाला में सेवा कर एनएसएस स्वयंसेवकों ने मनाया पर्यावरण दिवस

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रोफेसर के आर पटेल के आह्वान पर स्वयंसेवकों ने गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी कोरोना महामारी में अपने घरों के आस-पास के स्थानों पर वृक्षारोपण व गौशाला में सेवा कर पर्यावरण दिवस मनाया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर प्रवीण गहलोत ने बताया कि भेराराम भाटी सहित अन्य स्वयंसेवकों ने प्रेम नगर माता के थान में बन रहे नए गार्डन में, स्वयंसेवक पुष्पेंद्र बेरवा व उर्वशी सोनी की टीम ने प्रताप नगर में, स्वयंसेविका चंचल शर्मा ने फलोदी में पोधारोपण किया। स्वयंसेवक पिंटू गहलोत ने अपने साथियों के साथ गौशाला में गायों की सेवा कर व पक्षियों के परिंडे लगाकर पर्यावरण दिवस पर अपना योगदान देकर आमजन को जागरूक करने का कार्य किया। गौरतलब है कि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों ने गत वर्ष भी जोधपुर के विभिन्न क्षेत्रों एवं बस्तियों में मास्क बांटना, जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को कोरोना संक्रमण बचाव के तरीकों की जानकारी देना, सेनेटाइजर वितरण कार्यक्रम, वृक्षारोपण, साफ-सफाई कार्यक्रम के साथ अन्य स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए थे। एनएसएस के स्वयंसेवक लगातार लोगों को जागरूक करने एवं हरसंभव सहायता कार्य कर रहे है।

डॉ. विमला शेरॉन बनीं प्राणीशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के आदेश अनुसार प्राणीशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डॉ. विमला शेरॉन को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने प्रो. सीमा त्रिवेदी से कार्यभार ग्रहण किया।

प्रो. हरिशरण सिंह बने भौतिक विज्ञान के विभागाध्यक्ष

जय नारायण व्यास

विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति ने भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर प्रो. हरिशरण सिंह को भौतिक विज्ञान विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 1 अगस्त, 2020 से तीन वर्षों या उनकी सेवानिवृत्त तिथि तक जो भी पहले हो, तब तक रहेगी।

हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता व हिन्दी समूह चर्चा

छात्र सेवा मंडल की ओर से विधि संकाय में भारतीय मीडिया अपनी स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रही विषय पर हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता व वर्तमान कृषि बिल किसानों का हित देख रहे विषय पर हिंदी समूह चर्चा का आयोजन हुआ। संयोजक डॉ. निधि संदल ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में दिया वर्मा प्रथम, विशाल विश्नोई द्वितीय व अनिकेत चारण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं समूह चर्चा में हिमपाल सिंह राठौड़ प्रथम, मिली खत्री द्वितीय एवं रौनक परिहार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में प्रो. सुनील आसोपा, आकाशवाणी से कालूराम परिहार, हिंदी विभाग के प्रो. डॉ. भरत कुमार एवं फत्ताराम ने भूमिका निभाई। संचालन वेद प्रकाश गौड़ ने किया।

हिंदी स्वरचित कविता प्रतियोगिता में पूजा स्वामी विजयी

छात्र सेवा मंडल, विज्ञान संकाय, जय नारायण व्यास विवि की ओर से बुधवार को हिंदी स्वरचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संयोजक प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि इसमें पूजा स्वामी ने कोरोना काल की परिस्थितियों पर स्वरचित कविता प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कमलेश ने द्वितीय एवं प्रियंका नागल एवं श्रवण सिंह ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में कई सम-सामायिक विषयों पर कविताएं पढ़ी गई जिसमें बेटियाँ व गंभीर प्रदर्शन को दर्शकों ने सराहा। हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. भरत कुमार एवं डॉ. प्रवीण चंद ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम का संचालन सह-संयोजक डॉ. अशोक कुमार पटेल ने किया।

प्रो. सुरजा राम जाखड़ भूगर्भशास्त्र विभाग एवं डॉ. अनिल वर्मा लेखांकन के विभागाध्यक्ष नियुक्त

प्रो. सूरजाराम जाखड़

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने भूगर्भशास्त्र विभाग के प्रोफेसर सुरजाराम जाखड़ को भूगर्भ शास्त्र विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

डॉ. अनिल वर्मा

लेखांकन विभाग के सहायक प्रो. अनिल वर्मा को लेखांकन विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इन दोनों की नियुक्ति 1 जुलाई, 2020 से तीन वर्षों तक रहेगी।

श्रीमती प्रियंका मेहता बनीं आर्किटेक्चर एण्ड टॉउन प्लानिंग की विभागाध्यक्ष

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति महोदय के निर्देशानुसार आर्किटेक्चर एंड टॉउन प्लानिंग की सहायक प्रोफेसर श्रीमती प्रियंका मेहता को आर्किटेक्चर एण्ड टॉउन प्लानिंग विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 16 अगस्त, 2020 से तीन वर्षों तक रहेगी।

सेजल सोनी शास्त्रीय वादन में विजेता बनी

छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में नया परिसर स्थित कला संकाय द्वारा शास्त्रीय एवम् उपशास्त्रीय वादन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतिभागियों ने अपनी संगीतमयी वाद्य प्रस्तुतियाँ दी। सह समन्वयक गोविंद सिंह राजपुरोहित ने बताया कि प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. हर्षित वैयर एवम् पियानो वादक धर्म सिंह थे।

प्रो. संगीता लूंकड़ एवं डॉ. राजश्री राणावत ने अपने उद्बोधन में टीम प्रयासों की सराहना की तथा विशिष्ट अतिथि प्रो कुसुमलता भंडारी एवम् संगीत विभागाध्यक्ष डॉ गौरव शुक्ला ने प्रतिभागियों को संगीत वादन की बारीकियों से अवगत कराया। समन्वयक प्रोफेसर मीना बरडिया ने बताया कि निर्णायक मंडल द्वारा शास्त्रीय वादन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सेजल सोनी तथा सांत्वना पुरस्कार के लिए राधिका राव को नामित किया गया। इसी प्रकार उप शास्त्रीय वादन प्रतियोगिता में सेजल सोनी को प्रथम पुरस्कार तथा अभिनव सिंह को सांत्वना पुरस्कार घोषित किया गया।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में 'लोकनृत्य प्रतियोगिता' में दिव्या चौहान प्रथम रहीं

छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ. एस. एल. मीणा ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से लोक नृत्य प्रतियोगिता में दिव्या चौहान प्रथम, ईशा द्वितीय तथा हेमलता तृतीय स्थान पर रही जिसमें प्रो. विनीता परिहार, डॉ. रमा अरोड़ा और श्रीमती मधुर परिहार निर्णायक मंडल सदस्य रहीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छात्राओं ने अपने आवासीय मंच से प्रस्तुति की।

छात्राओं का लोकगीत प्रतियोगिता में दिखा उत्साह : विश्वविद्यालय छात्र सेवा मंडल के तत्वावधान में कमला नेहरू महाविद्यालय में लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन के माध्यम से किया गया, जिसमें छात्राओं ने बाट थारी जोवती, म्हारी आँखड़िया, हरिया पतंग, रुणिचे रा धणिया सहित विभिन्न लोक गीतों की प्रस्तुतियाँ दीं। डॉ. कमलेश माथुर, डॉ. मीनाक्षी बोराणा, डॉ. भूमिका द्विवेदी निर्णायक मंडल के सदस्य थे। आयुषी बालोच प्रथम, कोमल जैन और गुंजन व्यास द्वितीय तथा ममता विश्नोई तृतीय स्थान पर रहीं।

प्रो. विमला वर्मा मनोविज्ञान की एवं डॉ. रेणु शर्मा ललित कला विभागाध्यक्ष नियुक्त

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

डॉ. विमला वर्मा

माननीय कुलपति के निर्देशानुसार मनोविज्ञान की प्रोफेसर डॉ. विमला वर्मा को मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 1 सितम्बर, 2020 से प्रभावी है।

ललित कला विभाग की

डॉ. रेणु शर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेणु शर्मा को ललित कला विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 30 अगस्त, 2020 से अगले तीन वर्षो या सेवा-निवृत्ति तिथि तक रहेगी।

विधि संकाय में हुई आशुभाषण प्रतियोगिता

छात्र सेवा मण्डल की ओर से विधि संकाय में आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। संयोजक डॉ. निधि संदल ने बताया, एक्सटेंपोर प्रतियोगिता में जय काबरा प्रथम, दिया वर्मा व हिमपाल सिंह द्वितीय एवं दिव्यांशु चारण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में प्रो. राजश्री राणावत व प्रो. वीनू जॉर्ज थे। सह-संयोजक डॉ. के.आर. मेघवाल ने टीम प्रयासों को सराहा।

लोक गायन, लोक नृत्य एवं राजस्थानी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

छात्र सेवा मंडल की ओर से विधि संकाय में लोक गायन व लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संयोजक प्रो. निधि संदल ने बताया कि लोक गायन में निराली गौड़ व कृष्ण पाल ने प्रथम, यशवंती गौड़ द्वितीय व राजु दुबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोक नृत्य में निराली गौड़ प्रथम, जाहन्वी सोनी द्वितीय और यशवंती गौड़ तृतीय स्थान पर रही।

वहीं सायंकालीन अध्ययन संस्थान में राजस्थानी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें भोम सिंह राठौड़ प्रथम, महेंद्र सिंह राठौड़ द्वितीय और स्वरूपाराम तृतीय रहे। सांयकालीन अध्ययन संस्थान में लोकगीत गायन प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ जिसमें सहसंयोजक डॉ. हितेंद्र गोयल ने बताया कि नकुल गहलोत प्रथम, स्वरूपाराम व भोम सिंह इंदा संयुक्त रूप से द्वितीय एवं नवदीप सिंह व शंकर सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

इसी कड़ी में संस्थान में देशभक्ति स्लोगन प्रतियोगिता में सोमसिंह चौहान प्रथम, शंकर सिंह द्वितीय और महेन्द्र सिंह हमीरा व भोमसिंह इंदा संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। निर्णायक डॉ. प्रवीण चन्द्र थे, संचालन डॉ. हितेन्द्र गोयल ने किया। सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में सोमसिंह व स्वरूपाराम की टीम प्रथम रही। महेंद्र सिंह व भोमसिंह की टीम द्वितीय व जितेंद्र चौधरी व कुंभ सिंह की टीम तीसरे स्थान पर रही।

डॉ. राणावत आईक्यूएसी की सदस्य एवं डॉ. ओमप्रकाश टास्क फोर्स सदस्य मनोनीत

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

डॉ. राजश्री राणावत

कुलपति के निर्देश अनुसार अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. राजश्री राणावत को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की सदस्य मनोनीत किया गया है।

भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ओम प्रकाश

डॉ. ओमप्रकाश राजपुरोहित

राजपुरोहित को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ टास्क फोर्स का सदस्य मनोनीत किया गया।

डॉ. मीणा को 'कोरोना योद्धा सम्मान'

वैश्विक महामारी कोरोना के लिए लोगों में अलख जगा रहे राजनीति विज्ञान के सहायक प्रो. डॉ. जनक सिंह मीना की अद्वितीय एवं सराहनीय सेवाओं के लिए अल्पसंख्यक रिलीफ एण्ड वैलफेयर सोसायटी, जयपुर द्वारा कोरोना योद्धा सम्मान प्रदान किया गया।

सभी संकायों में हुई कई प्रतियोगिताएँ

छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में कला संकाय द्वारा परिस्थितिजन्य प्रतिक्रिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने दिए गए तात्कालिक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कला संकाय की प्रो. मीना बरडिया ने बताया कि प्रतियोगिता की निर्णायक मनोविज्ञान विभाग की डॉ हेमलता जोशी एवं डॉ मृदुला रहे।

प्रो. संगीता लूंकड़ तथा विशिष्ट अतिथि ने टीम प्रयासों की सराहना की। छात्र सेवा मंडल के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र ने विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने बताया की कोविड-19 के विपरीत समय में इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को नवीन दिशा प्रदान करती हैं। इस प्रतियोगिता में राजनीति विज्ञान की शोधछात्रा मिस्बाह ने प्रथम स्थान भूगोल विभाग के शोधछात्र नरपत सोलंकी ने द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान संयुक्त रुप से शोध छात्र लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित तथा महेंद्र कुमार ने प्राप्त किया।

छात्र सेवा मंडल राष्ट्रीय युवा दिवस वेबिनार

विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मंडल के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं के प्रेरक स्वामी विवेकानंद विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता प्रो. कन्हैया लाल राजपुरोहित ने कहा कि स्वामी जी ने अपने जीवन के लिए किए गए सारे कार्यों का श्रेय राजा अजीतसिंह को प्रदान करते हैं। डॉ. अर्जुन सिंह सांखला ने कहा, यदि हम अपनी जड़ें खोद देंगे तो हमारा अस्तित्व ही हिल जाएगा। कार्यक्रम में प्रो. सरोज कौशल, प्रो. कामिनी ओझा, प्रो. नरेन्द्र मिश्र, डॉ. निधि सन्दल, डॉ. अन्नाराम शर्मा, डॉ. कोयल विश्वास के साथ ही विश्वविद्यालय के लगभग 90 से अधिक छात्र-छात्राएं व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. नरेन्द्र मिश्र ने छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष एवं हिन्दी विभागाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष पद का प्रो. नरेन्द्र मिश्र ने पदभार ग्रहण किया। प्रो. मिश्र ने कहा कि छात्र सेवा मण्डल की सुदीर्घ परम्परा रही है। मण्डल ने न केवल राजस्थान में अपितु अखिल भारतीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रो. मिश्र को कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी द्वारा हिन्दी विभाग के अध्यक्ष पद पर भी नियुक्त किया गया है।

प्रो. के.आर. पटेल बने राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने एक आदेश जारी कर अग्रिम आदेश तक भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर के.आर. पटेल को राष्ट्रीय सेवा योजना का समन्वयक नियुक्त किया है।

राजस्थानी सांस्कृतिक सप्ताह संपन्न

विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से 1 मार्च से सांस्कृतिक सप्ताह का शुभारंभ हुआ। पहले दिन राजस्थानी संस्कृति, लोकदेवता एवं वेशभुषा के साथ खान-पान आधारित कविता प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसके निर्णायक के रूप में वाणिज्य संकाय से डॉ. रमेश चौहान रहे। दूसरे दिन राजस्थानी निबंध/कहानी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई इस प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ. प्रतिभा सांखला एवं डॉ. आशा राठी थे। तीसरे दिन 'प्राथमिक शिक्षा मायड़ भाषा में व्हेणी चाहिजै- विषयक राजस्थानी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ इस कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. हितेन्द्र गोयल और डॉ. गोविन्द सिंह थे। वहीं चौथे दिन राजस्थानी मांडणा व राजस्थानी व्यंजन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. धनंजया अमरावत, डॉ. जया भंडारी, डॉ. कामिनी ओझा थी वहीं निर्णायक डॉ. मीना बारूपाल थी। सांस्कृतिक सप्ताह के समापन दिवस पर राजस्थानी वेशभुषा में लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने पधारो म्हारे देश, कालबेलिया, जय जय राजस्थानी, मूमल, गणगौर, पणिहारी, बिछियां, काछबा, चिरमी, भाव जरा वीरा जैसे लोकप्रिय राजस्थानी गीतों पर परम्परागत वेशभूषा में लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं।

प्रो. शेखावत रिसर्च डायरेक्टर नियुक्त

वनस्पति विज्ञान के प्रो. ज्ञान सिंह शेखावत को रिसर्च डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। प्रो. ज्ञान सिंह को शोध कार्य के लिए डिपार्टमेंट ऑफ साइन्स एंड टेक्नोलॉजी की ओर से बोयकास्ट फैलोशिप से नवाजा जा चुका है। ये इंटरनेशनल एक्सचेंज फैलोशिप मास्को, युनिवर्सिटी ऑफरोम में काम कर चुके हैं।

प्रो. भागवत ने एमबीएम कॉलेज के अधिष्ठाता एवं सिंडिकेट सदस्य नियुक्त

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. रजत भागवत को अधिष्ठाता नियुक्त किया गया। प्रो. भागवत ने

मैकेनिकल विभाग में कई शोध व नवाचार किए हैं। प्रो. रजत भागवत को विश्वविद्यालय ने सिंडिकेट सदस्य नियुक्त किया इनका कार्यकाल एक वर्ष होगा।

बीओबी ने जेएनवीयू एमए हिन्दी के विद्यार्थियों का किया सम्मान

बैंक ऑफ बडौदा के उप महाप्रबंधक सुरेशचंद्र बुंटोलिया की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 19वीं छमाही समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। जेएनवीयू कुलसचिव चंचल वर्मा मुख्य अतिथि व विशेष अतिथि के रूप में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र मिश्र उपस्थित थे। बैठक में राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहायक निदेशक नरेंद्र मेहरा, बैंक ऑफ बड़ौदा प्रधान कार्यालय से सहायक महाप्रबंधक राजभाषा पुनीत मिश्रा सहित सभी सदस्य बैंकों के कार्यालय प्रमुख, राजभाषा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी ऑनलाइन उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा ने जेएनवीयू जोधपुर के एमए हिंदी की मेरिट सूची के अनुसार श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले दो विद्यार्थियों को कुलसचिव चंचल वर्मा व कार्यपालक की ओर से चेक, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया।

जेएनवीयू का मोहन अमरीकन जर्नल में

विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के शोधार्थी डॉ. मोहन एल. को अमरीकन जर्नल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 2 वर्ष के लिए की गई। संपादक मंडल के सदस्य के रूप में ये विभिन्न प्रकार की पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होने वाले शोध पत्रों का मूल्यांकन करेंगे। वे जेएनवीयू में प्रो. के. एम. गंगोत्री के निर्देशन में फोटो गैल्वेनिक सेल और सोलर एनर्जी कन्वर्जन एंड स्टोरेज पर अनुसंधान कर रहे हैं।

वाद विवाद व समूह चर्चा संपन्न : वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन विभाग के छात्र सेवा बोर्ड ने सांस्कृतिक और गतिविधियों का आयोजन किया। अंग्रेजी वादविवाद प्रतियोगिता विषय 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- बून या कर्स' और इंग्लिश ग्रुप डिस्कशन विषय 'जेंडर असमानता-मिथक या वास्तविकता' विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. क्षितिज महर्षि ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायक प्रो. डॉ. सतीश हरित और अंग्रेजी विभाग की डॉ. विभा भूत का स्वागत किया।

प्रो. प्रवीण चंद त्रिवेदी को मिला महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी को माननीय राज्यपाल राजस्थान एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने आदेश जारी कर राज्य सरकार की सलाह से अग्रिम आदेश तक महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्व- विद्यालय, अजमेर के कुलपति पद का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया है। प्रो. त्रिवेदी अगले आदेशों तक जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति पद के साथ महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्व-विद्यालय, अजमेर के कुलपति पद के कार्यो का भी निवर्हन करेंगे।

प्रो. संगीता लूकड ने संभाली के.एन. कॉलेज निदेशक पद की जिम्मेदारी

जय नारायण व्यास

विश्वविद्यालय, जोधपुर के माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के आदेश अनुसार रसायन विभाग की प्रोफेसर संगीता लूकड को कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के निदेशक पद पर नियुक्त किया है। यह पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा महिला महाविद्यालय है।

अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में आयुषी शर्मा प्रथम

कमला नेहरू महिला कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. एसएल मीणा ने बताया कि अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में आयुषी शर्मा प्रथम, निकिता जांगिड़ द्वितीय, गुंजन व्यास तृतीय स्थान पर रही। डॉ. कुसुमलता भंडारी, डॉ. अर्जुनसिंह सांखला, रजाक एच हैदर निर्णायक थे। अंग्रेजी समूह चर्चा में गुंजन की छठी टीम पहले स्थान पर, पहली टीम दूसरे स्थान पर और चौथी टीम तीसरे स्थान पर रहीं।

डॉ. कुसुमलता भंडारी, प्रो. सतीश हरित निर्णायक थे। परिस्थिति जन्य प्रतिक्रिया प्रतियोगिता में दीक्षा कंवर की छठी टीम पहले स्थान पर, पहली टीम दूसरे स्थान पर, पाँचवी और आठवीं टीम तीसरे स्थान पर रही। निर्णायक डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. प्रगति भाटी रहे।

वाद-विवाद में मीनल व समूह चर्चा में सुरेंद्र की टीम विजेता

छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में आज कला संकाय, विज्ञान संकाय एवं कमला नेहरू महाविद्यालय की ओर से तीन प्रतियोगिताएँ हुई। कला संकाय और के एन कॉलेज में शास्त्रीय नृत्य, सुगम गायन तथा विज्ञान संकाय द्वारा वाद विवाद एवं समूह चर्चा संपन्न हुई। सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत अंग्रेजी वाद-विवाद एवं अंग्रेजी समूह चर्चा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की प्रारम्भ में छात्र सेवा मंडल की सांस्कृतिक संयोजक प्रो. संगीता लूंकड ने कहा कि प्रतियोगिता में आपके स्थान की अपेक्षा आपकी प्रतिभागिता महत्त्वपूर्ण है। विज्ञान संकाय में मंडल के संयोजक प्रोफेसर प्रवीण गहलोत ने बताया कि अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था 'ग्लोबल वार्मिंग- जिम्मेदार कौन?' निर्णायक मंडल में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर सतीश कुमार हरित एवं राजस्थान विवि के डॉ. मोहित जीनगर ने अपनी भूमिका निभाई।

परिवार व शिक्षक युवाओं में नशाखोरी को रोकने के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है - डॉ.माणकलाव

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के रोवर एव रेंजर स्काउटिंग ग्रुप द्वारा 'युवाओं में नशाखोरी : एक प्रमुख सामाजिक समस्या एवं समाधान' विषयक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के रोवर ग्रुप लीडर डॉ. भरत देवड़ा ने वेबीनार के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. साहनी, डी.सी. जैन तथा पद्म विभूषण डॉ. नारायण सिंह माणकलाव आदि ने नशे के दुष्प्रभावों को रेखांकित किया और इसके बचाव के उपाय बताये। आज का युवा तनाव, दबाव के कारण सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक परिस्थितियों से पलायन कर नशा करने की ओर प्रवृत्त होता जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने की। इस अवसर पर रोवर लीडर डॉ. प्रवीण चंद ने सभी को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई तथा कार्यक्रम का संचालन रेंजर लीडर डॉ. मीनाक्षी बोराणा और डॉ. लेखू गहलोत ने किया तथा रोवर लीडर डॉ. ललित पवार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कुलपति ने की राज्यपाल से मुलाकात, विश्वविद्यालय के मुद्दों पर की चर्चा

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद त्रिवेदी ने माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर विश्वविद्यालय के विभिन्न महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। कुलपति ने बताया कि राज्यपाल महोदय से हुई मुलाकात में उन्होंने राज्यपाल को 2013 शिक्षक भर्ती के शिक्षकों के 7वें वेतन आयोग के बारे में बातचीत की, साथ ही विश्वविद्यालय के पीएफ की समस्या से उनको अवगत कराया। कोरोना काल में विश्वविद्यालय की ओर से की गई विभिन्न गतिविधियों के बारे में राज्यपाल महोदय को जानकारी दी। विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए गाँव सालावास में विश्वविद्यालय की ओर से करवाए गए कार्यो से भी राज्यपाल को अवगत करवाया जिसकी प्रगति की माननीय राज्यपाल ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। वहीं विद्यार्थियों की ओर से विश्वविद्यालय में शुल्क वृद्धि के लिए किए जा रहे आंदोलन के बारे में विस्तार से चर्चा की और राज्यपाल महोदय को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय ने किसी भी तरह की शुल्क में वृद्धि नहीं की है विश्वविद्यालय सरकार के मापदंडों के आधार पर ही पहले की भाँति विद्यार्थियों से शुल्क ले रहा है। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने माननीय राज्यपाल महोदय से बातचीत में राजभवन में खेजड़ली बलिदान स्मारक के रूप में अमृता देवी पार्क बनाने के बारे में भी विस्तृत चर्चा की। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र से हुई मुलाकात में विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर हुई बातचीत में राज्यपाल महोदय ने जल्द निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

रोवर स्काउटिंग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

नया परिसर स्थित रोवर मैदान में माननीय कुलपति महोदय प्रो. प्रवीण चंद त्रिवेदी के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप लीडर डॉ भरत देवड़ा ने कुलपति का स्वागत किया। कुलपति ने वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ गुलमोहर का पौधा लगाकर किया।

एनसीसी की ओर से शहीद स्मारकों एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई

विश्वविद्यालय की एनसीसी 6 राज बटालियन के कैडेट्स ने कमांड अधिकारी कर्नल राजीव पूनिया, ट्रेनिंग सूबेदार राजेन्द्र प्रसाद व लेफ्टिनेंट ललित सिंह झाला के नेतृत्व में क्लीनिंग ऑफ स्टेच्यू स्वच्छता अभियान के तहत शहर में स्थित शहीद स्मारकों एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई की।

पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राएँ शिखर पर

सिमरन मालवीय

चारू जोधा

दिशा चौहान

राजस्थान राज्य हिन्दुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स मुख्यालय उदयपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रारंभिक परीक्षण में के. एन. कॉलेज की हिन्दुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स की टीम ने ग्रुप लीडर डॉ. जनक सिंह मीना के निर्देशन में सहभागिता की और लगभग 15 रेंजर्स के पोस्टर चयनित किए गए। राज्य भर से सहभागी प्रतियोगियों ने पर्यावरण के विविध पक्षों को दर्शाते हुए पोस्टर बनाए।

मुख्यालय द्वारा जारी परिणाम में राज्य में प्रथम स्थान के. एन. कॉलेज की रेंजर सिमरन मालवीय ने प्राप्त किया तथा द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से रेंजर चारू जोधा एवं दिशा चौहान रहीं।

केएन कॉलेज की रेंजर्स ने राज्य स्तर पर फहराया परचम

विश्वविद्यालय के संघटक कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स की रेंजर्स ने युवा महोत्सव 2021 में ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में राज्य स्तरीय एकल नृत्य में अलका सिंह डगला ने प्रथम स्थान, सलाद सजावट में गीतांजलि त्रिपाठी ने द्वितीय एवं दर्शना धांभाई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। युवा सोच-युवा भारत पर भाषण प्रतियोगिता में उर्मिला बांता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्पेशल डिश में तनिष्का अरोड़ा ने प्रथम एवं अलका सिंह डगला ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में अलका सिंह डगला ने द्वितीय एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

उत्कृष्ट सेवा के लिए रेंजर तनिष्का अरोड़ा सम्मानित

के एन कॉलेज की रेंजर्स ने अपने-अपने क्षेत्रों में मास्क वितरण, सोशल डिस्टेंसिंग, पोस्टर प्रदर्शन, सेनेटाइजर वितरण एवं जागरूकता, खाना वितरण, कविता, सेतु एप डाउनलोड जागरूकता, पक्षियों के लिए परिंडे एवं ड्यूटी देकर साहसिक कार्य किया है। प्रथम वर्ष की रेंजर तनिष्का अरोड़ा ने घर-घर एवं दुकानों पर जाकर आमजन को जागरूक करने, खाना वितरण, पोस्टर, मास्क वितरण कर कोरोना से बचने के लिए नियमों की पालना करने की सलाह एवं क्षेत्र में ड्यूटी देकर सेवाएं दीं। तनिष्का अरोड़ा को इसके लिए राजस्थान सरकार में राज्य मुख्य आयुक्त श्रीमती मंजू राजपाल तथा हिन्दुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य सचिव श्री नरेन्द्र औदिच्य द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। इसके लिए ग्रुप लीडर डॉ. जनक सिंह मीना ने बधाई देकर प्रोत्साहित किया।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की रेंजर्स ने की सेवा

राजस्थान राज्य भारत स्काउड व गाइड की कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की रेंजर्स ने स्काउट व गाइड की शपथ ''सेवा कार्य करने की'' को अंगीकार करते हुए कोविड-19 महामारी क दौरान कई सेवा कार्य करके अपने समय का सदुपयोग किया राज्य सरकार की गाइड लाइन को ध्यान में रखते हुए उन्होंने घर में मास्क बनाए और उनका वितरण किया। भोजन के पैकेट बनाकर बांटे। इसके साथ ही पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पौधारोपण किया बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था की। इस तरह के और भी कई तरीकों से अपने कर्त्तव्य का पालन किया और जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने कोरोना कर्मवीरों के रूप में हमारे महाविद्यालय की रेंजर तरूणा मेघवाल, पिंकी, जयश्री, तारा सुथार और आयुषी निकुंब को सम्मानित किया।

केएन कॉलेज में मानसिक अवसाद पर परिचर्चा

केएन कॉलेज व राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में गाँधी जयंती पखवाड़े के अवसर पर ''अवसाद एवं जीने की कला'' पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा की मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सिद्धि जोहरी थी। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. नम्रता मेहता ने भी वक्तव्य दिया। केएन कॉलेज निदेशक प्रो. संगीता लूंकड़ ने बताया कि अवसादग्रस्तता के काफी मामले सामने आने व समाज में बढ़ते अवसाद के मद्देनजर इस परिचर्चा का आयोजन किया गया।

प्रो. सरोज कौशल बनीं पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ की निदेशक

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति त्रिवेदी के आदेशनुसार संस्कृत विभाग की अध्यक्षा प्रो. सरोज कौशल को पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ का निदेशक नियुक्त किया है। प्रो. सरोज कौशल ने पं. मधुसूदन ओझा तथा पं. मोतीलाल शास्त्री के साहित्य पर अनेक शोध प्रकाशन किये हैं तथा वे भारतीय दर्शन की विदुषी के रूप में सुप्रथित हैं।

डॉ. भरत देवड़ा ने संभाला विश्वविद्यालय ग्रुप लीडर का पदभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर में ग्रुप लीडर, रोवर स्काउटिंग ग्रुप के पद पर डॉ भरत देवड़ा ने दिनांक 1 जुलाई 2020 को अपना पदभार ग्रहण किया। डॉ देवड़ा पिछले 5 वर्षों से विश्वविद्यालय के कला संकाय में प्रथम क्रू के रोवर लीडर के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

मानव संसाधन केंद्र को मिले 50 से अधिक कार्यक्रम

अकादमिक सत्र 2021-22 में शिक्षकों के कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं अकादमिक उत्कृष्टता वृद्धि हेतु इस वर्ष रेकार्ड 50 से अधिक विविध कार्यक्रमों का संचालन करने जा रहा है।

यूजीसी- एचआरडीसी के निदेशक प्रोफेसर राजेश दुबे द्वारा बनाई गई इस महत्त्वपूर्ण योजना को यूजीसी की संस्तुति भी मिल चुकी है। ज्ञात हो कि 1987 से संचालित एएससी को 2015 से यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि यूजीसी- एचआरडीसी को इतने प्रमुख एवं सर्वाधिक कार्यक्रमों का मिलना हमारे लिए अत्यंत खुशी की बात है। मैं उम्मीद करता हूँ कि ना सिर्फ हमारे विश्वविद्यालय के शिक्षकगण अपितु संपूर्ण राजस्थान तथा देश भर के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी इत्यादि इन कार्यक्रमों से लाभान्वित होंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार

विश्वविद्यालय में नीति आयोग एवं भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन विषय पर 22 फरवरी को वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भारतीय शिक्षा मंडल के मुकुल कानिटकर ने वीडियो के माध्यम से नई शिक्षा नीति के बारे में बताया। मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्व-विद्यालय पंजाब, भटिण्डा के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी ने शिक्षण विधियों में बदलाव की बात कहते हुए केस स्टडी आधारित शिक्षण की जरूरत को समझाया। भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने शिक्षकों को संस्कृति का माली बताया। आइआइटी जोधपुर के प्रो. एस.आर. वडेरा ने शिक्षा से ही राष्ट्र निर्माण की बात कही।

प्रो. किशोरीलाल रैगर को शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष का मिला कार्यभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के आदेश अनुसार कला, शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के अधिष्ठाता प्रो. किशोरीलाल रैगर, शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष के कार्यो का निर्वहन भी करेंगे। प्रो. रैगर अपनी नियमित सेवाओं के साथ अगले आदेश तक इस पद का कार्यभार निभायेंगे।

प्रो. रमन दवे ने संभाला अधिष्ठाता, वाणिज्य संकाय का पदभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के आदेश अनुसार व्यवसाय, वित्त एवं अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रमन दवे को वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता पद पर नियुक्त किया है।

'परिस्थितिजन्य प्रतिक्रिया परीक्षण प्रतियोगिता में धनपत रहे प्रथम'

छात्र सेवा मंडल, विज्ञान संकाय, जय नारायण व्यास विवि द्वारा सोमवार को परिस्थिजन्य प्रतिक्रिया परीक्षण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विज्ञान संकाय के संयोजक प्रोफेसर प्रवीण गहलोत ने प्रतिभागियों को बताया कि परिस्थितिजन्य प्रतिक्रिया परीक्षण का विद्यार्थियों के जीवन में, विशेषकर साक्षात्कार के समय महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, पारिवारिक, राजनैतिक समेत सामान्य जीवन में आने वाली विभिन्न परिस्थितियों से संबंधित प्रश्न पूछे एवं उनकी प्रतिकियाएँ जानीं। इस प्रतियोगिता में धनपत पटेल एवं कार्तिका शर्मा ने सयुंक्त रूप से प्रथम, मीनल अग्रवाल ने द्वितीय एवं ललित देवड़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. हेमलता जोशी एवं भूगोल विभाग से डॉ. अर्जुन लाल मीणा थे। कार्यक्रम का संचालन सह-संयोजक डॉ. अशोक कुमार ने किया।

क्विज में कला संकाय के लक्ष्मण सिंह विजेता रहे

छात्र सेवा मंडल के तत्वावधान में नया परिसर स्थित कला संकाय द्वारा सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम राउंड में प्रत्येक प्रतिभागी को पांच प्रश्न पूछे गए तथा निर्णायकों द्वारा प्रत्येक का अंकन कर द्वितीय राउंड के लिए प्रतिभागियों का चयन किया गया। दूसरे राउंड में ऋणात्मक अंकन के साथ प्रतिभागियों से प्रश्न पूछे गए और उसी आधार पर अंतिम परिणाम तैयार किया गया। कला संकाय की प्रो. मीना बरडिया ने बताया कि वाणिज्य संकाय के प्रो के ए गोयल एवं राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ. दिनेश कुमार गहलोत रहे। छात्र सेवा मंडल के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र ने कहा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं निर्णायकों आभार प्रकट किया। गोविन्दसिंह राजपुरोहित ने कहा कि शिक्षा विभाग के शोध लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित ने प्रथम स्थान, शोध छात्र महेंद्र कुमार ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र रमेश गूंद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्विज का संचालन इतिहास विभाग के डॉ भरत देवड़ा ने किया।

प्रो. के.एल. रैगर ने संभाला अधिष्ठाता, कला संकाय का पदभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता पद पर हिन्दी विभाग के प्रो. डॉ. किशोरी लाल रैगर ने निवर्तमान अधिष्ठाता प्रो. एस.पी. दुबे के सेवानिवृत्त हो जाने पर उनसे पदभार संभाल लिया है। प्रो. रैगर हिन्दी के आलोचक एवं दलित चिंतक के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

प्रो. एस.के. मीना ने संभाला सायंकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक का कार्यभार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी ने एक आदेश जारी कर हिन्दी विभाग के प्रोफेसर डॉ. एस.के. मीना को सायंकालीन अध्ययन संस्थान का निदेशक नियुक्त किया है। वे आदिवासी विमर्श व कथा साहित्य के विशेषज्ञ हैं। उनके निर्देशन में 25 से अधिक शोधार्थी पीएच. डी. उपाधि प्राप्त कर चुके हैं।

विवि के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की कार्यशाला आयोजित, मातृभाषा दिवस पर लिया संकल्प

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक माननीय कुलपति प्रो. त्रिवेदी की अध्यक्षता में बृहस्पति भवन में 21 फरवरी को आयोजित हुई। बैठक का प्रारंभ अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की पूर्व संध्या पर शपथ ग्रहण के साथ हुआ। यूनेस्को ने हर साल 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है ताकि मातृभाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा दिया जा सके।

आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ (IQAC Cell: Internal Quality Assurance Cell) द्वारा आयोजित बैठक में कुलपति प्रो पीसी त्रिवेदी ने कहा कि यूजीसी द्वारा सभी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों को आतंरिक गुणवत्ता मूल्यांकन अनिवार्य किया गया है। इसके तहत विश्वविद्यालय को 2022 से पूर्व आईक्यूएससी प्रक्रिया को पूर्ण करना आवश्यक है। यह प्रक्रिया पूर्ण होने पर ही विश्वविद्यालय को यूजीसी, रुसा तथा अन्य संस्थानों से अनुदान प्राप्त होगा। इस प्रक्रिया को सही समय पर पूर्ण करने के लिए इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर मिलिंद शर्मा के निर्देशन में कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक में कुलसचिव चंचल वर्मा द्वारा संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों को निपटाने के लिए कार्य किया गया। उक्त कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, सभी प्रकोष्ठों के सहायक कुलसचिवों, वित्तीय अधिकारियों, कुलसचिव के साथ मुख्य अभियंता आदि ने भाग लिया।

डॉ. राठौड़ पत्रकारिता विभागाध्यक्ष नियुक्त

विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. महिपाल राठौड़ को पत्रकारिता एवं जन-संचार विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. राठौड़ की अब तक करीब एक दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। इसके अलावा करीब डेढ़ दर्जन से अधिक पुस्तकों का सम्पादन किया है। उनके 30 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके है। उनको वीर दुर्गादास राठौड़ सम्मान, अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विशेष सम्मान सहित कई सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रो. सोढाणी जेएनवीयू में सिण्डीकेट सदस्य

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की सिंडीकेट में कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र ने बांसवाड़ा स्थित गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कैलाश सोढाणी को सदस्य नियुक्त किया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रो. सोढाणी की तीन वर्ष के लिए नियुक्ति की है।

न्यायाधीश दलवीर भंडारी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया

कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. दलवीर भंडारी से सर्किट हाऊस में औपचारिक भेंट वार्त्ता की एवं उन्हें मानद उपाधि से सम्मानित किया। माननीय न्यायाधीश

को विश्वविद्यालय के वर्चुअल दीक्षान्त समारोह में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था। जोधपुर स्थित सर्किट हाउस में कमला नेहरू महाविद्यालय की निदेशक एवम् सिंडिकेट सदस्य प्रो. संगीता लूँकड़, परीक्षा नियंत्रक प्रो. के. आर. गेनवा, हाईकोर्ट के प्रोटकॉल अधिकारी श्री एम.के. पंवार एवं कुलपति के निजी सचिव श्री राजाराम सेंगवा भी इस अवसर पर विद्यमान थे।

वाइल्ड लाइफ रिसर्च एंड कंजर्वेशन अवेयरनेस सेंटर स्थापित

प्रदेश में पाए जाने वाले दुर्लभ वन्यजीवों पर शोध कार्यो को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नया केंद्र वाइल्ड लाइफ रिसर्च एंड कंजर्वेशन अवेयरनेस सेंटर की स्थापना की गई है। विवि की ओर से प्राणीशास्त्र के असिस्टेंट प्रो.हेमसिंह गहलोत को केन्द्र का निदेशक बनाया गया। यह केंद्र वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण पर शोध एवं कम्युनिटी कंजर्वेशन को बढ़ावा, मरुस्थल में दुर्लभ वन्यजीव पर नए शोध कार्यो के साथ स्वयं वित्तपोषित आधारित वाइल्ड लाइफ में डिप्लोमा करवाने के कार्य करेगा।

प्रो. हरचंद राम डगला बॉटनी के विभागाध्यक्ष नियुक्त

प्रो. हरचंद डगला

जय नारायण व्यास विश्व-विद्यालय, जोधपुर के कुलपति के निर्देशानुसार बॉटनी के प्रोफेसर डॉ. हरचंद राम डगला को बॉटनी विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

प्रो. मंगलाराम संस्कृत के विभागाध्यक्ष नियुक्त

प्रो. मंगलाराम

संस्कृत विभाग के प्रोफेसर डॉ. मंगला राम बिश्नोई को संस्कृत विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इनकी नियुक्ति 1 अप्रैल, 2021 से तीन वर्ष के लिए की गई है।

डॉ. दायमा ने क्रीड़ा मंडल सचिव का कार्यभार ग्रहण किया

डॉ. बाबूलाल दायमा ने सचिव, क्रीडा मंडल, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का कार्यभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. दायमा कॉमनवेल्थ गेम्स 1997 में भारतीय कुश्ती टीम के मैनेजर रहे है, वर्ल्ड क्रेडिट फ्री स्टाईल कुश्ती प्रतियोगिता मे तकनीकी ऑफिशियल रहे। सन्

प्रो. शक्तावत इतिहास की विभागाध्यक्ष नियुक्त

इतिहास विभाग की डॉ. सुशीला शक्तावत को इतिहास विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 1 अप्रैल, 2021 से अगले तीन वर्षो तक रहेगी।

प्रो. सुशीला शक्तावत

डॉ. स्वाति शर्मा संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त

वहीं संगीत विभाग की सहायक प्रोफेसर स्वाति शर्मा को संगीत विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 5 अप्रैल, 2021 से अगले तीन वर्षों तक रहेगी।

डॉ. स्वाति शर्मा

2000 में अर्जेटिना (दक्षिण अमेरिका) में आयोजित विश्वकप योग प्रतियोगिता में भारतीय टीम के प्रशिक्षक रहे जिसमें भारतीय टीम विश्व विजेता रही थी।

डॉ. मीता निहलानी प्रबंधन विभागाध्यक्ष नियुक्त

विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के प्रबंधन अध्ययन विभाग में डॉ. मीता निहलानी को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इनकी नियुक्ति अगले तीन वर्ष तक प्रभावी रहेगी।

प्रो. सरोज कौशल ने संभाला विश्वविद्यालय पीआरओ का पद

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति के आदेशानुसार संस्कृत विभाग की प्रोफेसर सरोज कौशल को जन संपर्क अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया। जनसम्पर्क अधिकारी की टीम के सदस्यों डॉ. निधि संदल, डॉ. दिनेश गहलोत, डॉ. विभा भूत, डॉ. रचना दिनेश तथा डॉ. क्षितिज महर्षि के साथ उन्होंने पदभार सम्भाला। इस अवसर पर डॉ. छैलसिंह राठौड़ के साथ जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे। प्रो. कौशल ने अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों को मीडिया के माध्यम से समाज में प्रेषित करना, विश्वविद्यालय की सभी संवैधानिक समितियों के निर्णयों से अवगत करवाना तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सर्वत्र प्रसारित करना प्राथमिकता में रहेंगे।

मानव संसाधन विकास केंद्र में 'भाषा एवं वास्तु' विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संपन्न

मानव संसाधन विकास केंद्र की ओर से 'भाषा एवं वास्तु' विषयक 15 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 1 सितंबर से 15 सितंबर पर्यन्त सम्पन्न हुआ। पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. सरोज कौशल ने बताया कि संस्कृत, हिंदी, राजस्थानी, अंग्रेजी, अपभ्रंश, पालि, प्राकृत आदि भाषाओं के प्रतिष्ठित विद्वानों तथा कवियों ने साहित्य तथा आलोचना से नये-नये आयामों को उद्घाटित किया। पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो. वसंत भट्ट, डॉ. हर्षदेव माधव, प्रो. बालकृष्ण शर्मा, प्रो. उपेन्द्र राव, प्रो. रमाकान्त पाण्डे, प्रो. मुरली मनोहर पाठक आदि ने संस्कृत, प्रो. आशीष त्रिपाठी, प्रो. कुमुद शर्मा आदि ने हिंदी भाषा, प्रो. के.के. पाण्डेय, प्रो. श्यामदेव मिश्र, डॉ. मनोरमा उपाध्याय आदि ने वास्तु विज्ञान पर बहुत प्रभावी चिंतन प्रस्तुत कर शोध के नये आयामों को उद्घाटित किया। प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय ने अपभ्रंश भाषा की महत्ता को प्रकाशित किया। डॉ. जागृति उपाध्याय ने अंग्रेजी मुहावरों पर उद्भव एवं विकास को रेखांकित किया। निदेशक प्रो. राजेश दुबे ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में मणिपुर, केरल, त्रिवेन्द्रम, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली एवं अनेक प्रदेशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। सह-समन्वयक डॉ. कामिनी ओझा ने कहा कि इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में कवियों ने अपनी कविताओं के प्रयोजन तथा जीवन-दर्शन की व्याख्या की। भाषा तथा वास्तु, दोनों ही संस्कृति तथा अभ्युदय के लिए आवश्यक घटक हैं, ये विचार कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने समापन समारोह में अभिव्यक्त किये। पद्मश्री डॉ. रमाकांत शुक्ल ने कहा कि समकालीन संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना का ताना-बाना अद्भुत रीति से गूँथा हुआ है।

प्रो. रैगर ने संभाला हिन्दी विभागाध्यक्ष का कार्यभार

हिन्दी विभागाध्यक्ष का कार्यभार प्रो. किशोरी लाल रैगर ने ग्रहण किया। प्रो. रैगर वर्तमान में कला एवं समाज विज्ञान संकाय अधिष्ठाता का पद भी संभाल रहे हैं। प्रो. रैगर इससे पूर्व वर्ष 2010 से 2013 तक हिंदी विभागाध्यक्ष एवं जेएनवीयू के जनसम्पर्क अधिकारी का दायित्व निर्वाह कर चुके हैं।

विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर अधीनस्थ व मंत्रालयिक सेवा बोर्ड में सदस्य नियुक्त

प्रो. आर.एस. मीणा

प्रो. इरफान मेहर

राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा चयन बोर्ड में व्यास विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर्स को सदस्य नियुक्त किया गया है। बोर्ड में विश्व-विद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन संस्थान के बीएफई विभाग के प्रो. रामसिंह मीणा एवं भूगोल विभाग के प्रो. इरफान मेहर को सदस्य नियुक्त किया गया है।

प्रो. पवन कसेरा ने संभाला विज्ञान संकाय अधिष्ठाता का कार्यभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपर के वनस्पति विभाग के प्रो. पवन कुमार कसेरा द्वारा अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय का कार्यभार ग्रहण किया गया। इस अवसर पर संकाय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. अशोक कुमार पुरोहित, प्रो. आर.के. यादव, प्रो. सतीश कुमार शर्मा, प्रो. कैलाश डागा आदि अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोवर व रेंजर जिला विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. देवड़ा एवम् उपाध्यक्ष डॉ. बोराणा

रोवर - रेंजर स्काउटिंग के ग्रुप लीडर डॉ. भरत देवड़ा को जोधपुर जिले के रोवर रेंजर जिला विकास समिति के अध्यक्ष तथा डॉ. मीनाक्षी बोराणा को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

प्रो. राठौड़ वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता व प्रो. मेहता बीएफई के विभागाध्यक्ष

वाणिज्य संकाय के प्रो. महेंद्र सिंह राठौड़ संकाय के अधिष्ठाता नियुक्त किए गए। इनकी नियुक्ति 2 अगस्त, 2021 से अगले तीन वर्ष के लिए रहेगी। प्रो. राठौड़ के कई शोध प्रकाशित हो चुके हैं। प्रो. राठौड़ को शिक्षक रत्न अवार्ड, बेस्ट सिटीजन ऑफ इंडिया अवार्ड मिल चुका है।

प्रो. महेंद्र सिंह राठौड

प्रो. सुनील मेहता को वाणिज्य संकाय के बीएफई का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रो. मेहता इससे पूर्व परामर्शदाता, बीबीए कोर्स के निदेशक, एमएफसी और एमबीए के समन्वयक व एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी रह चुके हैं।

प्रो. सुनील मेहता

बेहतर नागरिक बनाने के लिए जेएनवीयू में 'आनंदम्' पाठ्यक्रम शुरु

पढ़ाई के साथ अब पहले साल के हर सेमेस्टर में छात्रों को करना होगा 64 घण्टे का सोशल वर्क

विश्वविद्यालय की ओर से सत्र 2020-21 में प्रवेशित प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त एक अच्छे नागरिक बनाने के उद्देश्य से आनन्द आधारित शिक्षा आनंदम् कोर्स शुरू किया गया है। विद्यार्थियों को प्रति सेमेस्टर 64 घंटे तक सामाजिक कार्य करने की फाइल, फोटोग्राफ सबमिट करनी अनिवार्य होगी। जिस के आधार पर विद्यार्थी को ग्रेड प्रदान किए जाएंगे। इस कोर्स के तहत मूल कर्त्तव्य को जानने एवं उनकी पालना करने की शिक्षा दी जायेगी। इसके अलावा समाज के लिए जीने, आमजन, गरीबों और बेसहारा की मदद करने की शिक्षा दी जाएगी। इसके लिए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को दो सेमेस्टर में प्रति सेमेस्टर 64 घंटे का सामाजिक कार्य कर उसकी फाईल तैयार करनी होगी।

विवि को विद्यार्थी से अपेक्षा है –

- प्रतिदिन कम से कम सेवा का एक कार्य करना होगा।
- इस सेवा के कार्य को अपने निर्धारित रजिस्टर या व्यक्तिगत डायरी में नोट करना होगा।
- प्रत्येक टर्म में 64 घंटे का एक सामूहिक सेवा प्रोजेक्ट करेंगे।
- आनंदम् प्लेटफार्म पर सामूहिक प्रोजेक्ट की रिपोर्ट अपलोड करना।
- प्रत्येक महीने में एक बार सामूहिक सेवा पर आयोजित होने वाली चर्चा में भाग लेना व प्रस्तुतिकरण करना।
- सत्र समाप्ति का अंत विद्यार्थी को कुछ ना कुछ दान देकर करना होगा।

विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक बन करेगा सेवा कार्य – प्रो. शेरॉन

(आनंदम् पाठ्यक्रम का आरिएंटेशन कार्यक्रम)

माननीय कुलपति प्रो पी सी त्रिवेदी के निर्देशानुसार 12 फरवरी को आनंदम् पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण एवं आमुखिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सभी विभागों और संकायों के शिक्षकों ने भाग लिया और आनंदम् के उद्देश्यों को समझा और इसे कार्यान्वित करने की पद्धति को सीखा। इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग की अध्यक्ष और आनंदम पाठ्यक्रम कोर कमेटी की समन्वयक प्रो. विमला शेरॉन ने कहा कि आनंद जीवन की ऊर्जा है । हम जीवन कमाते नहीं हैं, इसे परमात्मा के उपहार के रूप में प्राप्त करते हैं। इसलिए सभी में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। आज

समाज में चारों और अलगाव और बिखराव बढ़ रहा है। ऐसे में सब अपने अपने तक सीमित हो रहे हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण दौर में युवाओं में कुछ देने का भाव जागृत करने तथा उन्हें अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित और संस्कारित करने के लिए ही आनंदम् पाठ्यक्रम की रचना की गई है। कार्यक्रम में प्रबंधन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम कल्ला ने आनंदम् पाठ्यक्रम के व्यावहारिक कार्यान्वयन से जुड़े नियमों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय में रूसा के नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने पाठ्यक्रम के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रारंभ में मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. हेमलता जोशी ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हितेंद्र गोयल ने किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय आनंदम् पाठ्यक्रम कोर कमेटी के सदस्यों प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. ओ.पी . टाक, डॉ.. नीलम कल्ला, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. हितेंद्र गोयल, डॉ. ऋषभ गहलोत के अलावा अलग-अलग संकायों के आचार्य एवं शिक्षकों के साथ-साथ विश्वविद्यालय से जुड़े संस्थानों के निदेशक शामिल रहे।

आनंदम् आमुखीकरण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के सायंकालीन अध्ययन संस्थान सभागार में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आनंदम् आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने उद्‌बोधन में जीवन में सकारात्मकता का महत्त्व बताते हुए विद्यार्थियों को उदारता और दयालुतापूर्ण कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक रहना एवं खुशियाँ बांटना ही आनंदम् है। संस्थान निदेशक प्रो. मीना ने स्वागत किया। मुख्य वक्ता आनंदम् कोर कमेटी की समन्वयक प्रो. विमला शेरॉन व प्रो. प्रवीण गहलोत थे। प्रो. शेरॉन ने विषय की अवधारणा को स्पष्ट किया और प्रो. प्रवीण गहलोत ने आनंदम् विषय के व्यावहारिक पक्ष एवं कार्यविधि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हितेन्द्र गोयल ने किया। कार्यक्रम में आनंदम् कोर कमेटी के सदस्य डॉ. नीलम कल्ला, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. ऋषभ गहलोत व अन्य मौजूद रहे।

प्रो. शर्मा ने संभाला इंजीनियरिंग कॉलेज अधिष्ठाता का पदभार

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर सुनील शर्मा ने कॉलेज अधिष्ठाता का पदभार संभाला। प्रो. शर्मा केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न समितियों में नामित सदस्य भी हैं। डॉ. शर्मा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की स्टेट टेक्निकल एजेंसी के चेयरपर्सन होने के साथ ही सरदार सरोवर बांध और राज्य सरकार की डीएलबी की विभिन्न समितियों में सदस्य भी हैं। प्रो. शर्मा ईएमएमआरसी निदेशक का कार्यभार भी निभा रहे हैं।

प्रो. भदादा ईसीई विभागाध्यक्ष नियुक्त

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष पद पर प्रोफेसर राजेश भदादा को नियुक्त किया गया। प्रो. भदादा ईसीई विभागाध्यक्ष का कार्यभार संभाल चुके है। उनके कार्यकाल में विभाग में कई नवाचार किए गए। इसके अलावा कई अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शोध कार्य किए गए हैं।

क्रीडा मंडल ने अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस पर आयोजित की सद्भावना प्रतियोगिताएँ

क्रीड़ा मंडल की ओर से अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर पुराना परिसर में ओलंपिक सद्भावना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सद्भावना प्रतियोगिता में एक हजार मीटर दौड़ एवं टेनिस खेल का आयोजन किया गया। सद्भावना दौड़ का शुभारंभ अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी दाऊलाल भाटी एवं सचिव डॉ. दायमा ने हरी झंडी दिखाकर किया। दौड़ में प्रथम स्थान पर मोहित भाटी, द्वितीय स्थान पर ओम सिंह एवं तृतीय स्थान पर हेमेंद्र पाल सिंह रहे।

58 साल बाद एल्युमनी एसोसिएशन का आधिकारिक तौर पर गठन : विश्वविद्यालय की स्थापना के 58 साल बाद एल्युमनी एसोसिएशन का आधिकारिक तौर पर गठन किया गया। एसोसिएशन को कंपनी एक्ट में पंजीकृत करवाया गया है।

आध्यात्मिक उन्नति के लिए योग केंद्र द्वारा किया गया कर्मयोग यज्ञ

विश्व योग दिवस पर योग केंद्र द्वारा आध्यात्मिक उन्नति के लिए कर्मयोग यज्ञ का आयोजन किया गया। योग केंद्र के निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने बताया कि जिस प्रकार शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक उन्नति के लिए योग किया जाता है उसी प्रकार आध्यात्मिक उन्नति के लिए कर्मयोग 'यज्ञ' किया जाता रहा है।

योग केंद्र ने वर्चुअल मनाया योग दिवस, प्रतिभागियों में दिखा उत्साह

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग केंद्र की ओर से वर्चुअल माध्यम से योग दिवस मनाया गया। इस वर्चुअल कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा योगासन करते हुए वीडियो भी साझा किए गए। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के साथ बुद्धिजीवी एवं प्रतिष्ठित नागरिकों ने कार्यक्रम में जुड़कर योग दिवस को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

योग दिवस के प्रतिभागियों को कुलपति ने प्रदान किए प्रमाण-पत्र

योग केंद्र की ओर से 21 जून को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कुलपति ने प्रमाण पत्र प्रदान किये। योग केंद्र निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने बताया कि केंद्रीय कार्यालय स्थित बृहस्पति भवन में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

प्रो. चतुर्वेदी ने भेंट की इतिहास विभाग में लगभग 500 पुस्तकें

इतिहास विभाग से सेवानिवृत्त प्रो. चतुर्वेदी की ओर से विभाग में लगभग 500 पुस्तकें भेंट की गईं। इस अवसर पर इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. सुशीला शक्तावत, शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। विभागाध्यक्ष प्रो. शक्तावत ने प्रो. चतुर्वेदी का आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय में आदिवासी अध्ययन केन्द्र की स्थापना होगी: प्रो. त्रिवेदी

विश्वविद्यालय के आदिवासी शिक्षक एवं अधिकारियों ने विश्व आदिवासी दिवस मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने पौधारोपण के साथ आदिवासी क्रांतिकारी बिरसा मुंडा के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया। प्रो. त्रिवेदी ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के आदिवासी शिक्षकों एवं कर्मचारियों की माँग पर विश्वविद्यालय में आदिवासी अध्ययन केन्द्र खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा, आदिवासी प्रकृति एवं पर्यावरण के संरक्षक रहे हैं। कुलपति ने भविष्य में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस को विश्वविद्यालय स्तर पर मनाने की भी घोषणा की। अकादमिक परिषद् और सिण्डीकेट से पारित कर इसे संवैधानिक स्वरूप दिया गया। आदिवासी अध्ययन केन्द्र के उद्देश्य निम्नानुसार हैं-

- विश्वविद्यालय में आदिवासी विषयों पर शोधकार्यो को प्रेरित करना।
- आदिवासी समुदाय के परम्परा, रीति-रिवाज, लोक-कलाओं, संस्कृति, लोक-साहित्य का संरक्षण किया जा सकेगा।
- आदिवासी लोक कलाकारों को बढ़ावा मिल सकेगा।
- आदिवासी साहित्य और साहित्यकारों को साहित्य की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जाएगा।
- लुप्त होती आदिवासी धरोहरों का संरक्षण किया जा सकेगा।
- वर्तमान परिदृश्य में आदिवासी समुदाय और उनकी समस्याओं पर प्रकाश डालकर राज्य एवं केन्द्र सरकार को अवगत करवाकर समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

आदिवासी अध्ययन केन्द्र की स्थापना करने पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों ने कुलपति महोदय का आभार व्यक्त किया।

डॉ. एस.पी. मीना की पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

विधि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. शीतल प्रसाद मीना की संपादित पुस्तक मॉब लिंचिंग विधिक एवं सामाजिक आयाम का विमोचन कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने विश्व आदिवासी दिवस पर विश्वविद्यालय अतिथि गृह में किया। डॉ. शीतल प्रसाद मीना के अब तक 9 पुस्तकें एवं 50 से अधिक शोध आलेख प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. गोयल बने थिएटर सेल के समन्वयक

कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने विवि में थिएटर सेल की स्थापना कर अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य, रंगकर्मी डॉ. हितेंद्र गोयल को समन्वयक नियुक्त किया। डॉ. गोयल ने 50 से अधिक नाटकों में बतौर अभिनेता, दो लघु नाटकों का निर्देशन और अमेरिकन राइटर एडवर्ट ऑल्बी के नाटक जू स्टोरी को हिंदी में अनूदित किया है।

सायंकालीन अध्ययन संस्थान में कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन

कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी की प्रेरणा तथा संस्थान के निदेशक प्रो. एस.के.मीणा के मार्गदर्शन में सायंकालीन अध्ययन संस्थान, पुराना परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्त्वावधान में कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारियों को कोविशील्ड की प्रथम व द्वितीय डोज लगाई गई। निदेशक प्रो. (डॉ.) एस.के. मीणा ने बताया कि राजस्थान सरकार की कोविड-19 गाइडलाईन के अनुसार 01 सितम्बर से संचालित की जाने वाली नियमित कक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए संस्थान के छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों का टीकाकरण कैम्प के माध्यम से किया गया। प्रो. के.आर. पटेल ने बताया कि एन.एस.एस. द्वारा आयोजित किये जाने वाले कैम्पों की श्रृंखला में यह छठा कैम्प है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. ललित पंवार, डॉ. प्रवीणचन्द, डॉ. फत्ता राम नायक आदि ने सफल आयोजन में सहयोग किया।

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर पौधरोपण

गाँधी अध्ययन केन्द्र की ओर से राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने रोहिड़ा लगाकर इसका शुभारंभ किया। केंद्र के निदेशक डॉ. हेम सिंह गहलोत ने बताया कि गांधी अध्ययन केंद्र के पास स्थित उद्यान में गुलमोहर, चांदनी, टिकोमा, जेट्रोफा, अशोका, मोगरा, बेलपत्र सहित 15 प्रकार की प्रजातियों का पौधारोपण किया गया।

मोगड़ा कलाँ में जैव उर्वरक कार्यशाला आयोजित

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँव में स्मार्ट विलेज इनिशिएटिव के तहत 13 सितंबर 2021 को जैव उर्वरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संगीता सिंह विषय विशेषज्ञ के तौर पर ग्रामीणों एवं किसानों से रूबरू हुई। स्मार्ट विलेज इनिशिएटिव के नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों एवं किसानों को ट्राइकोडर्मा एवं पिरिफॉर्मोस्पोरा कवक से जैव उर्वरक बनानाए बीजों को उपचारित करने की विधियाँ बताना एवं इसके उपयोग से उत्पादन में बढ़ोतरी एवं पर्यावरणीय लाभ के बारे में विस्तार से बताना था।

संस्कार एवं नैतिक मूल्य आधारित शिक्षा से ही समाज का उद्धार संभव- प्रो. त्रिवेदी

के.एन. कॉलेज ऑडिटोरियम में शिक्षक दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में शिक्षक दिवस के अवसर पर विवि एवं बैंक और बड़ौदा के संयुक्त तत्त्वावधान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की निदेशिका प्रो. संगीता लूंकड़ ने बताया कि इस अवसर पर जनवरी 2020 से अगस्त 2021 तक सेवानिवृत्त हुये करीब 27 से अधिक शिक्षकों का साफा, माला, श्रीफल, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर प्रो. हुकम सिंह गहलोत, प्रो. अनिल व्यास, सह-आचार्य डॉ. मेघाराम गडवीर, प्रो. जसराज बोहरा, प्रो. एस.पी. दुबे, प्रो. अवधेश शर्मा, प्रो. राकेश मेहता, प्रो. सुरेश चंद्र माथुर, प्रो. मदन गोपाल सोनी, प्रो. कविता नरुका, प्रो. रमन दवे, प्रो. सीमा कोठारी, प्रो. विनीता शर्मा, प्रो. राजेन्द्र भंसाली, प्रो. रजत भागवत, प्रो. विनीता परिहार एवं डॉ. रेखा मेहता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि वर्तमान समय में संस्कार आधारित एवं नैतिक मूल्यों की शिक्षा की आवश्यकता हैं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षकों में से प्रो. एस. पी. दुबे, प्रोफेसर विनीता परिहार, प्रो. रमन दवे, प्रोफेसर अवधेश शर्मा, प्रो. सीमा कोठारी ने भी अपने कार्यकाल के विभिन्न संस्मरण साझा किए। इस दौरान विवि की कुलसचिव श्रीमती गोमती शर्मा, वित्त नियंत्रक मंगला राम विश्नोई एवं सिंडिकेट सदस्य एवं परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर के. आर. गेंवा सहित विवि के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बैंक के रीजनल मैनेजर श्री सुरेश चंद्र, मुख्य प्रबंधक श्री आलोक टंडन, एवं जयदीप कच्छवाह सहित बैंक के अन्य कर्मचारियों ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के सम्मान करने को बैंक का सौभाग्य बताया।

वन्यप्राणी सप्ताह 2021 के कार्यक्रमों का पोस्टर विमोचन

आमजन में वनों, वन्यजीवों एवं प्रकृति के संरक्षण के प्रति प्रेम एवं चेतना जाग्रत करने के उद्देश्य से साप्ताहिक वन्यप्राणी कार्यकम के पोस्टर का विमोचन कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विजय बोराणा, उपवन संरक्षक, वन्यजीव जोधपुर, डॉ. हेमसिंह गहलोत, निदेशक, वाईल्ड लाईफ रिसर्च एण्ड कन्जर्वेशन अवेयरनेस सेन्टर, श्री के.के. व्यास, सहायक उपवन संरक्षक माचिया पार्क जोधपुर द्वारा कुलपति कार्यालय में किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा नेत्र जाँच शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं ए.एस.जी. नेत्र चिकित्सालय समूह के संयुक्त तत्त्वावधान में निःशुल्क नेत्र जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी के निर्देशानुसार इस शिविर का आयोजन रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस शिविर के आयोजन का उद्देश्य कोविड-19 महामारी के पश्चात् आँखों पर पड़े नकारात्मक असर की जाँच करवाना एवं उचित परामर्श देना था। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने बताया कि शिविर में 150 से अधिक विश्वविद्यालय शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की नेत्र जाँच की गई। कार्यक्रम में परीक्षा नियंत्रक प्रो. के.आर. गेनवा, विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पवन कसेरा, कुलसचिव श्रीमती गोमती शर्मा एवं विश्वविद्यालय अभियंता विनीत गुप्ता ने भी नेत्र जाँच करवाई।

बच्चों को पढ़ाया साक्षरता का पाठ

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवक छात्राओं ने एनएसएस के 52वें स्थापना दिवस को साक्षरता अभियान के तौर पर मनाया। एनएसएस अधिकारी डॉ. पंकज नामा और डॉ. रामलाल सैनी के नेतृत्व में छात्राओं ने महिलाओं और बच्चों को कॉपी, पेंसिल, मास्क और बिस्किट्स का वितरण किया।

प्रो. गेनवा सिंडीकेट सदस्य नियुक्त

कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने रसायन शास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. के.आर. गेनवा को सिंडीकेट सदस्य नियुक्त किया है। इनका कार्यकाल एक वर्ष का रहेगा।

डॉ. जनक सिंह को मिलेगा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक रत्न पुरस्कार

राजनीति विज्ञान के सहायक प्रो. डॉ. जनक

सिंह मीना का चयन इनके द्वारा लेखन, शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट एवं अतुलनीय योगदान के लिए बेटी फाउंडेशन वणी, महाराष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक रत्न पुरस्कार-2021 के लिए किया गया है।

डॉ. खींची बीएफई के और डॉ. सुनीता बॉटनी के विभागाध्यक्ष नियुक्त

कुलपति ने आदेश जारी कर डॉ. डूंगर सिंह खीची को व्यवसाय, वित्त एवं अर्थशास्त्र (बीएफई) विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। डॉ. खींची की नियुक्ति अगले तीन वर्षों तक या उनकी सेवानिवृत्ति तिथि जो भी पहले हो, तक रहेगी। वहीं डॉ. सुनीता अरोरा को बॉटनी विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है इनकी नियुक्ति अगले तीन वर्षों तक रहेगी।

फ्रांस के शिष्टमण्डल के साथ विश्वविद्यालय की बैठक

कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी, संकाय अधिष्ठाता एवं निदेशक समूह ने फ्रांस के एक शिष्टमण्डल के साथ वार्ता की। फ्रांस की ओर से बैठक में शिक्षा, विज्ञान एवं कला के उप समन्वयक डॉ. निकोलस घर्राडी, प्रो. फेबियन चेरिक्स, राजस्थान एनेक्स ऑफ द फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया की निदेशक संजना सरकार एवं परिसर फ्रांस राजस्थान की प्रबंधक सौदामिनी देव शामिल थी। बैठक में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा जानकारी से युक्त फिल्म की प्रस्तुति से विश्वविद्यालय का प्रभावी परिचय प्रस्तुत किया। कुलपति महोदय ने शिष्टमंडल के सदस्यों को बताया कि पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा शिक्षा केन्द्र जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय समाज, विज्ञान, भाषा, अभियांत्रिकी आदि क्षेत्रों में फ्रांस के विश्वविद्यालयों तथा संस्थाओं से आदान-प्रदान और वैचारिक विनिमय कर विद्यार्थियों तथा प्रोफेसर के उच्चशिक्षा के अवसरों को विस्तारित कर सकता है। अनेक सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक आयोजनों से दोनों देशों की संस्कृतियों तथा शिक्षा का विकास होगा। अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष प्रो. कल्पना पुरोहित ने अपनी प्रस्तुति में अनुवाद, फिल्म-उद्योग, साहित्य, कला के विविध क्षेत्रों में आदान-प्रदान के बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। विधि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. चन्दनबाला ने विधि के क्षेत्र में जानकारी प्रदान की। संस्कृत विभाग की प्रो. सरोज कौशल ने कहा कि विश्व की सबसे पुरानी भाषा संस्कृत का फ्रेंच भाषा से विनिमय होने पर भाषा के नये आयाम उद्घाटित होंगे। प्रो. संगीता लूंकड़ ने विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्म कार्यशाला आयोजन का सुझाव दिया। प्रो. सुनील शर्मा ने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा हेतु अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रो. गेनवा ने विद्यार्थियों के लिए फ्रांस में उच्चाध्ययन की प्रक्रिया के विषय में जानकारी ली।

इन पर हुआ विचार-

- उच्च शिक्षा के स्तर पर सहयोग
- विद्यार्थियों का परस्पर गमनागमन,
- सांस्कृतिक आदान-प्रदान,
- नेतृत्व, शोध तथा शिक्षकों का वैचारिक विनिमय हेतु दोनों देशों में अवसर उपलब्ध करवाना,
- अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन,
- क्षमता सम्वर्धन ट्रेनिंग, प्रबंधन विकास आदि कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार हुआ।

विद्यालय का अध्ययन ऋण चुकाने हेतु 'बैक टू स्कूल' कार्यक्रम की शुरुआत

सालावास गाँव में भामाशाह को अधिक से अधिक प्रेरित करने तथा विद्यालय से प्राप्त शिक्षा के संदर्भ में अपने ऋण को चुकाने हेतु बैक टू स्कूल कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत श्री अचलदास बागरेचा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सालावास की स्थापना से लेकर अब तक पढ़े विद्यार्थियों से विद्यालय की आवश्यकताओं को पूरा करने का आह्वान किया गया है। गाँव के अणदाराम भोबरिया की ओर से विद्यालय को 15 छत पंखे, लकड़ी की 10 कुर्सी तथा 2 बड़ी टेबल भेंट की गई है। नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत ने बताया कि पैसठ हजार की राशि का सामान विद्यालय में भेंट करने पर अणदाराम भोभरिया का अभिनंदन किया गया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि अध्ययन ऋण चुकाए बिना जीवन अधूरा रह जाता।

साहित्य के माध्यम से ही मानवता की सेवा संभव

"व्यक्ति अपने कार्यों से अमर होता हैं, मृत्यु से पहले मरते हैं हजारों पर जिन्दगी उनकी है जो मरकर जिया करते हैं, विश्व में फैल रही अराजकता को तोड़ने के लिए साहित्य ही एक ऐसा माध्यम है जिसके कारण ही विश्व में मानवता की सेवा सम्भव है" यह उद्‌गार कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने स्वामी कृष्णानन्द महाराज की तपोभूमि पर सिटिजन्स सोसायटी फॉर एजुकेशन के तत्त्वावधान में आयोजित व्यास अभिनन्दन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहे।

जेएनवीयू-आफरी में एमओयू

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) एवं जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के मध्य शिक्षा एवं शोध व विस्तार के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को लेकर एक एमओयू किया गया। एमओयू पर आफरी निदेशक एम.आर. बालोच और जेएनवीयू कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने हस्ताक्षर किए। बालोच ने बताया कि एमओयू के अंतर्गत मरू प्रसार रोक, शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन सहित अन्य क्षेत्रों में परस्पर सहयोग एवं समन्वय किया जाएगा। दोनों सस्थानों संयुक्त रूप से सेमिनार, वेबीनार, कॉन्फ्रेंस, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। आफरी के समूह समन्वयक शोध डॉ. जी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तरुणकांत, प्रभागाध्यक्ष अनीता, जेएनवीयू रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. के.आर. गेनवा, वनस्पति विज्ञान के प्रो. डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. एन.के. बोहरा, एन.के. शारदा एवं शिवलाल चौहान उपस्थित रहे।

टेप्से एवं हेप्सन केंद्र में हॉल का शुभारंभ

विश्वविद्यालय के टेप्से एवं हेप्सन केंद्र में हॉल का शुभारंभ किया गया। उद्‌घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. के.एल. रैगर, विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. चन्दन बाला और केएन कॉलेज निदेकश प्रो. संगीता लूंकड़ सम्मिलित हुईं। केंद्र निदेशक डॉ. उम्मेद राज तातेड़ ने बताया कि केंद्र पर चल रहे पाठ्यक्रम स्पेशल बीएड और पीजीडीआईपी के प्रशिक्षुओं ने विशेष बालकों के प्रशिक्षण के लिए फोटोकॉपी मशीन और कॉफी मेकर मशीन भेंट की।

फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग में इंजिनियर्स डे पर आयोजित वर्चुअल समारोह

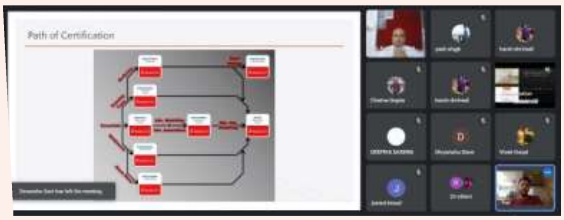

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में अभियंता दिवस के उपलक्ष्य में वर्चुअल समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कॉलेज के डीन प्रो. सुनील शर्मा ने विद्यार्थी जीवन में इंजीनियरिंग कौशल एवं तकनीक की महत्ता के बारे में बताया। कार्यक्रम के संयोजक, मैकेनिकल विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. कैलाश चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में कॉलेज के प्रतिभाशाली विद्यार्थी जिन्होंने विभिन्न तकनीकी प्रतियोगिताओं में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियाँ प्राप्त कीं उन्हें प्रशस्ति पत्र के प्रारूप में ई-सर्टिफिकेट प्रदान किये गए।

स्मार्ट विलेज में संतुलित आहार पर कार्यशाला

सालावास गाँव के श्री अचलदास बागरेचा राउमा विद्यालय में संतुलित आहार पर कार्यशाला आयोजित की। नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत ने एनएसएस के महत्त्व को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता डॉ. नमिता भंडारी ने संतुलित आहार से व्यक्ति की जीवन प्रत्याशा दर बढ़ाने की बात कही। लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष प्रो. मीना बरडिया, इनरव्हील क्लब ऑफ जोधपुर की उपाध्यक्ष रंजना जैन, एवं लोक प्रशासन विभाग के शोधार्थी महिपाल गहलोत व रेणुका चौधरी ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

जागरूकता से ही स्मार्ट विलेज चरितार्थ होगा : राठौड़

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए सालावास गाँव में ग्रामीणों को संविधान की जानकारी के लिए प्रमाण पत्र कोर्स का शुभारम्भ हुआ। राजस्थान हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष नाथूसिंह राठौड़ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जबकि पूर्व राजकीय अधिवक्ता देवकीनंदन व्यास मुख्य वक्ता थे। देवकीनंदन व्यास ने अपने उद्‌बोधन में अधिकारों के पूर्व मूल कर्तव्यों की जानकारी को महत्त्वपूर्ण बतलाया। मुख्य अतिथि नाथूसिंह राठौड़ के अनुसार ग्रामीणों में अपेक्षाकृत संवैधानिक जागरूकता कम होती है, इसलिए उन्हें अक्सर मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों हेतु शुरू किए गए इस प्रमाण कोर्स को स्मार्ट विलेज की अवधारणा को चरितार्थ किया है। उनके अनुसार विधिक रूप से जानकार नागरिक ही स्मार्ट नागरिक हो सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डॉ दिनेश गहलोत ने किया।

भूविज्ञान विभाग की ओर से भूकम्प पर वेबीनार आयोजित

भूविज्ञान विभाग की ओर से भूकंप पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार में गाँधीनगर स्थित भूकंपीय शोध संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. संतोष कुमार ने कहा कि विश्व में हर साल करीब 13 लाख भूकंप आते हैं। इसमें से

140 खतरनाक होते हैं। राजस्थान में बाड़मेर, जालोर और अलवर भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र हैं। देश में गुजरात का कच्छ सबसे अधिक संवेदनशील है। यहाँ 60 भूकंप केंद्र स्थापित किए गए हैं। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एबी राय ने कहा कि मोहनजोदाड़ो, गुजरात के लाथल, जैसलमेर के कुलधरा में मिले टूटे-फूटे मकान और मानव हड्डियाँ भी भूकंप का संकेत देती हैं। आइआइटी जोधपुर के डॉ. एके राठी, जेएनवीयू भूविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. एस.आर. जाखड़, विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. पी.के. कसेरा ने भी अपने विचार रखे।

जैन कवि कुशल लाभ के साहित्य में लोक समाज का चित्रण : प्रो माथुर

जेएनवीयू के राजस्थानी विभाग द्वारा

ऑनलाईन फेसबुक लाइव पेज पर गुमेज व्याख्यानमाला के अन्तर्गत महामहोपाध्याय कवि कुशल लाभ पर अपना महत्त्वपूर्ण वक्तव्य देते हुए राजस्थानी विभाग के पूर्व प्रो. मनमोहन स्वरूप माथुर ने कहा कि जैन कवि कुशल लाभ का राजस्थानी भाषा और साहित्य में बहुत ही महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यकाल के ऐसे जैन कवि है जिन्होंने राज्यश्रित होते हुए भी जैन और जैनेतर विषयों पर रचनाएँ लिखीं। राजस्थानी विभागाध्यक्ष एवं गुमेज व्याख्यानमाला की संयोजक डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि कुशल लाभ रचित रचनाओं में 'माधवानल कामकंदला चौपई' प्रथम रचना है जो कि वि.सं. 1616 में लिखी गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने रक्तदान देकर बचाया बच्चे का जीवन

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने एम्स

जोधपुर के इमरजेन्सी वार्ड में भर्ती आठ वर्षीय बालक धीराराम को दो यूनिट रक्त देकर उसकी जान बचाई। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के. आर. पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक एम. एस.सी. भौतिक विभाग, अन्तिम वर्ष के विद्यार्थी जयसूर्या के पास उसके एक परिजन का फोन आया कि एम्स के आपातकालीन इकाई में एक आठ वर्षीय बालक सर्पदंश के कारण भर्ती है उसको तुरन्त दो यूनिट ब्लड की आवश्यकता है इस पर दो स्वयं सेवक एम.एस.सी. भौतिक विभाग के छात्र सुरेन्द्र चौधरी व तरूण सिसोदिया ने रक्तदान कर बच्चे की जान बचाने का महत्त्वपूर्ण कार्य किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने एन. एस.एस. स्वयं सेवकों द्वारा जनसेवा के ऐसे कार्यो के लिए खुशी कर ऐसे स्वयं सेवकों को सम्मानित करने का आह्वान किया है।

एनएसएस स्थापना दिवस कार्यक्रम

विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस की 52वीं वर्षगांठ पर आमुखी-करण व राष्ट्रीय सेवा योजना सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार कसेरा और विशिष्ट अतिथि वनस्पति विभागाध्यक्ष प्रो. एच.आर. डागला ने अपने विचार रखे। अध्यक्षता एनएसएस समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने की। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि सभी स्वयंसेवकों को एनएसएस से सम्बंधित एक लघु फिल्म दिखाई गई।

विश्वविद्यालय के नए परिसर में 197 यूनिट रक्तदान

कला संकाय के सेमिनार हॉल में 28 सितंबर को विज्ञान संकाय के छात्र प्रतिनिधि स्व. हरेंद्र बेड़ा की चतुर्थ पुण्यतिथि पर उसके परिजनों की उपस्थिति में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के आर पटेल ने बताया कि विश्वविद्यालय कुलपति पी. सी. त्रिवेदी के मार्ग निर्देशन में एन एस एस द्वारा कोरोना काल में रक्त की आवश्यकता के मद्देनजर समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मथुरादास माथुर अस्पताल के लिए 102 यूनिट तथा उम्मेद अस्पताल के लिए 95 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रो.किशोरीलाल रैगर ने स्वयंसेवकों को रक्तदान महादान का संदेश देते हुए रक्त दाताओं को स्मृति चिह्न तथा प्रमाण पत्र भेंट किए। पूर्व समन्वयक प्रो. चेनाराम चौधरी ने जन सेवा में हमेशा तत्पर रहते हुए योगदान देने का आग्रह किया।

गणतंत्र दिवस पर परेड शिविर आयोजित

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से 29 सितम्बर को संभाग स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य समन्वयक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह चाहर, युवा अधिकारी डॉ. श्रवण कटारिया तथा युवा सहायक श्री कमल किशोर मक्कड उपस्थित थे। राज्य समन्वयक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह चाहर व युवा अधिकारी डॉ. श्रवण कटारिया ने उपस्थित स्वयंसेवको को राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्यों व उपलब्धियों के बारे में बताया तथा गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने के लिये प्रेरित किया। प्रो. के.आर. पटेल ने बताया कि इस शिविर में विश्वविद्यालय तथा जोधपुर सम्भाग के सभी जिलो में स्थित महाविद्यालयों के 55 स्वयं सेवकों ने भाग लिया जिनमें 30 छात्र व 25 छात्राएँ थीं। शिविर में विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. ललित सिंह झाला द्वारा स्वयं सेवकों को परेड करायी गई।

परीक्षण के पश्चात् मेरिट के आधार पर स्वयं सेवकों का पूर्व गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयन किया गया। चयनित स्वयं सेवक दिल्ली में आयोजित होने वाले पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर तथा गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लेंगे। कार्यक्रम के पश्चात सभी स्वयं सेवक व कार्यक्रम अधिकारियों ने शपथ ली कि वे कोरोना महामारी के उन्मूलन हेतु राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करेंगे व टीकाकरण के लिये लोगों को प्रेरित करेंगे।

कोरोना की पहली लहर की तुलना में दूसरी लहर में लोग अधिक लापरवाह : डॉ महेन्द्र

सालावास स्मार्ट विलेज योजना के अन्तर्गत श्री अचलदास बागरेचा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ''कोरोना से कैसे बचें'' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता एम्स ऋषिकेश के सहायक आचार्य डॉ.महेंद्र गहलोत थे। डॉ. महेंद्र गहलोत ने कोरोना महामारी के कारणों तथा उससे बचाव के संदर्भ में रखी जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में किसी भी बीमारी को महामारी घोषित करने के कारण तथा प्रक्रिया को समझाते हुए बचाव हेतु सरकारी स्तर पर किए जाने वाले प्रयासों से अवगत कराया। उनके अनुसार कोरोना से बचाव में जन सहभागिता महत्त्वपूर्ण कारक है। कोरोना की पहली लहर व दूसरी लहर में जनता की प्रतिक्रिया की तुलना भी की। कोरोना की दूसरी लहर में जनता में डर कम हुआ है लेकिन लापरवाही भी बढ़ी हुई है जो चिंताजनक है। जनता यदि सक्रिय सहयोग करे तो कोरोना जैसी महामारी का सामना करने में सरकार को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत ने स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य उम्मीद राज लक्षकार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। ज्ञातव्य है कि डॉ. महेंद्र गहलोत इसी गाँव के मूल निवासी हैं तथा इसी विद्यालय में उन्होंने दसवीं तक अध्ययन किया है।

सम्पादक मण्डल

प्रधान संरक्षक

प्रो. (डॉ.) प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी

कुलपति

प्रधान सम्पादक

प्रो. सरोज कौशल

संस्कृत विभाग

ले-आउट

महेश आचार्य

मनीष प्रजापत

जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय सदस्य

मुकेश सक्सेना

दीपक दवे

प्रकाशक

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,

जोधपुर

Coronavirus Safety and Precaution

Email- projnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
का समाचार-पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. (डॉ.) प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी, कुलपति

विशेषांक : वर्ष - अक्टूबर, 2021 से जनवरी, 2022

विश्वविद्यालय में मनाया गया 73वाँ गणतंत्र दिवस

कुलपति ने किया ध्वजारोहण

विश्वविद्यालय परिवार की ओर से 73वाँ गणतंत्र दिवस केन्द्रीय कार्यालय प्रांगण में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी, कुलसचिव श्रीमती गोमती शर्मा, वित्त नियंत्रक मंगलाराम जी विश्नोई, सिंडीकेट एवं सीनेट सदस्य, संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक, शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नया परिसर के मुख्य द्वार पर स्थित जय नारायण व्यास की मूर्ति तथा गौरवपथ पर स्थित महापुरुषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान से हुआ। कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने विश्वविद्यालय में निरन्तर सेवाभाव के कार्यो के लिए अशैक्षणिक कर्मचारियों का सम्मान किया। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि मैं गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व को व्यापक रूप में ग्रहण करता हूँ तो अनेकानेक विचार सामने आते हैं। पहला विचार तो यही है कि किसी भी देश का निर्माण एवं विकास केवल भौतिक संसाधनों से नहीं हो सकता है। देश की वास्तविक शक्ति उसके नागरिकों में निवास करती है। वस्तुतः नागरिक ही देश की सृजनात्मक और रचनात्मक ताकत हैं इसलिये प्रबुद्ध एवं सक्रिय नागरिकता ही देश की सबसे बड़ी आशा है, सबसे बड़ी अपेक्षा है। विचार एवं व्यवहार दोनों स्तरों पर श्रेष्ठ एवं प्रबुद्ध नागरिकता को प्रोत्साहित, प्रेरित एवं संगठित करना ही गणतांत्रिक देश के रूप में हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता है। यही देश के कल्याण का प्रमुख पाथेय है।

मैं इस विश्वविद्यालय को लेकर बहुत आशान्वित हूँ। यह सही है कि इस समय हमारे सामने अनेकानेक चुनौतियाँ हैं। इन समस्याओं को न तो हमने समग्रता से समझा है और न इनका समाधान करने के गंभीर प्रयास किए हैं।

एक विश्वविद्यालय समाज का आदर्श होना चाहिए उसकी शक्ति बनना चाहिए। समाज और सरकार को साथ मिलकर हमें विश्वविद्यालय के विकास एवं उसकी समृद्धि के लिये नये दृष्टिकोण से विचार करना चाहिए और व्यावहारिक स्तर पर ठोस कदम उठाकर विश्वविद्यालय की समस्याओं का समाधान खोजने की कोशिश करनी चाहिए। मैं आप सबसे यह अपील भी करता हूँ कि हम एक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य के रूप में अपने कर्त्तव्य को पहचानें और तन-मन से समर्पित होकर इसके चहुँमुखी विकास के लिए अपने प्रयास समर्पित करें। हम सभी के सच्चे और समर्पित प्रयासों से ही हमारा विश्वविद्यालय आगे बढ़ेगा और समृद्ध होगा।

संसार में ज्ञान से बढ़कर श्रेष्ठ कुछ भी नहीं हैं। व्यक्तित्व विकास का प्रमुख आधार ज्ञान है। इससे छात्रों के वास्तविक व्यक्तित्व का निर्माण होता है। ज्ञान से ही देश का विकास होता है, समाज का विकास होता है एवं पारिवारिक जीवन सुखमय बनता हैं। मेरे संकल्प के साथ आप भी संकल्पबद्ध होकर विश्वविद्यालय में शिक्षा एवं शोध के वातावरण को निर्मित करने तथा उसकी अभिवृद्धि में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँ, ताकि विश्वविद्यालय का बहुमुखी विकास एवं प्रगति संभव हो सके।

इतनी सी बात हवाओं को बताये रखना,
रोशनी होगी चिरागों को जलाये रखना,
लहू देकर की है जिसकी हिफाजत हमने,
ऐसे तिरंगे को हमेशा अपने दिल में बसाए रखना।

देश भक्ति एवं राष्ट्र निर्माण विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

सायंकालीन अध्ययन संस्थान के आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की स्वायत्तशासी संस्थान के नेहरु युवा केन्द्र, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत देश भक्ति एवं राष्ट्र निर्माण की थीम ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. जनक सिंह मीणा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं विधि संकाय के साथ कमला नेहरू कॉलेज एवं सायंकालीन अध्ययन संस्थान के विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

इस प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष के महेन्द्र सिंह राठौड़ ने प्रथम, राखी बोरावा ने द्वितीय एवं नवदीप सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सायंकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. के.ए. गोयल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि विद्यार्थी को पूरे मनोयोग से काम करना चाहिए तथा सुधार के प्रयास होने चाहिए तभी देश का विकास होगा और यही सफलता का मूल मंत्र है। डॉ. सुनीता पंवार, डॉ. बबली राम, डॉ. वाजिद ने निर्णायक की भूमिका निभायी तथा कानसिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

कुलपति की कलम से

वैश्विक महामारी के विकट काल में अनेक प्रकार के संघर्षों को पार कर हमारा विश्वविद्यालय निरन्तर उत्कर्ष के मार्ग पर अग्रसर है। चिरकाल से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभाग में पदोन्नतियाँ अवरुद्ध सी थीं। हमारे शिक्षकों को पदोन्नति प्रदान कर हमने उनके अभ्युदय से विश्वविद्यालय के अभ्युदय का मार्ग प्रशस्त किया है। सह-शैक्षणिक तथा अशैक्षणिक साथियों की भी पदोन्नति से सर्वत्र प्रसन्नता का प्रसार हुआ है। शिक्षक-मंत्रालयिक कर्मचारी तथा छात्र-समुदाय की त्रिपुटी का समुदाय ही विश्वविद्यालय है। तीनों स्तरों पर उत्कर्ष स्थापित करने का उपक्रम अनवरत प्रवर्तमान है। हमारे शिक्षक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी प्रस्तुति कर रहे हैं। हमें उन पर गर्व है। परीक्षाओं को यथोचित समय पर संचालित कर छात्रों के भविष्य को सुरक्षित किया गया। अनेक शैक्षणिक आयोजनों से विश्वविद्यालय समृद्ध हुआ है। आदिवासी अध्ययन केन्द्र की स्थापना से हमने सर्ववर्ग-सद्‌भाव के ध्येय को प्रसारित किया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना, एन.सी.सी., रोवर्स स्काउट्स आदि योजनाओं से छात्रों ने समाज के साथ साक्षात्, संवाद स्थापित किया है। शिक्षा हमें संकुचित आवरणों से निकालकर विस्तार की ओर प्रवृत्त करती है। विश्वविद्यालय अतिथिगृह को पुनः सुसज्जित कर लोकार्पित किया गया। अनेक महत्त्वपूर्ण एमओयू द्वारा संस्थानों के संसाधनों का आदान-प्रदान होगा तथा हमारे छात्रों के दृष्टिकोण में विस्तार होगा, यही सर्वाधिक अपेक्षित है। शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान-मात्र नहीं है अपितु ज्ञान के अनुरूप आचरण कर उत्तम चरित्र-निर्माण ही शिक्षा का उद्देश्य है। इसी लक्ष्य की ओर हमारा विश्वविद्यालय अग्रसर है। संस्थान सहयोग तथा सकारात्मक अभिरुचि से ही उच्चतर तथा उच्चतम स्तरों को प्राप्त कर सकते हैं। इसी अभिप्रेरणा की हम अपेक्षा करते हैं:-

ॐ सहनाववतु। सह नौ भुनक्तु।
सहवीर्यं करवावहै। तेजस्विनावधीतमस्तु।
मा विद्विषावहै। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

-(कठोपनिषद्, शान्तिपाठ)

वह परमात्मा हम दोनों (आचार्य और शिष्य) की एक साथ रक्षा करें। हम दोनों का साथ-साथ पोषण करें। हम दोनों साथ मिलकर महान् ऊर्जा के साथ कार्य करें। हमारा स्वाध्याय तेजस्वी हो। हम परस्पर विद्वेष अथवा ईर्ष्या न करें। त्रिविध ताप की शान्ति हो।

प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी
कुलपति
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर

सम्पादक की कलम से

प्रिय साथियों,

विश्वविद्यालय वाङ्.मय रूपी अमृत रस का प्रसार एवं प्रचार करने के साधन अथवा प्रतिष्ठित केन्द्र हैं। भारतीय संस्कृति में आश्रमचतुष्टय के अन्तर्गत ब्रह्मचर्य आश्रम में ज्ञान तथा आचरण की पवित्रता ही सर्वप्रमुख है। ज्ञान के मन्दिर में आचार्यों के सानिध्य में छात्र का जो संस्कार किया जाता है, उपाधि उसका भौतिक रूप है। सत्यं वद, धर्मं चर, स्वाध्यायान्मा प्रमदः..... इस प्रकार के उपनिषद्-वचन आज भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं। निरुक्तकार यास्क ने आचार्य का निर्वचन करते हुए कहाः-

आचारं ग्राहयति। आचिनोति अर्थान्। आचिनोति बुद्धिम्।

जो आचार का स्वयं पालन कर उसे सुयोग्य शिष्यों में संक्रान्त करे, वह आचार्य कहलाता है। जो अर्थ अर्थात् पुरुषार्थ चतुष्टय को धारण करवाता है तथा जो बुद्धि को कुशाग्र करता है, वही आचार्य कहलाने योग्य है। ऐसे आचार्य ही विश्वविद्यालय की ज्ञान-परम्परा को अग्रेसारित करते हैं। परिसर के प्रस्तुत अंक में आचार्यों की उपलब्धियाँ, शैक्षणिक सम्वाद, सामाजिक सम्बद्धता के कार्यक्रमों का विवरण, छात्रों का सर्वांगीण विकास तथा व्यक्तित्व निर्माण प्रक्रिया के सोपानों का क्रमबद्ध उल्लेख प्रस्तुत है।

परिसर विश्वविद्यालय की ज्ञानरूपी दीपशिखा है। यह निबिड तम को भेदता हुआ अनवरत अनुपम ज्योति-पुंज के रूप में समर्पित है। परिसर विश्वविद्यालय की जिजीविषा का जीवन्त प्रमाण है। समकालीन संस्कृत साहित्य के अग्रगण्य कविवर **प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी** की कविता का यह अंश हमारे आशावाद को रेखांकित करता हैः-

अथवा नैव विनंक्ष्येऽहं परित्यक्तो जनैरपि,
भूतले मूलमस्त्येव निखातं सुदृढं मम।
नवपल्लवसम्भारान् पुष्पराशीन् समन्ततः,
इन्द्रनीलमणेराभां रचयिष्यामि वा पुनः।।

जीवनवृक्ष, सन्धानम्, पृ 10-11

अथवा मरूँगा नहीं मैं, मेरी जड़ें अभी गड़ी हैं बहुत गहरी, धरती के भीतर, जहाँ पानी है, मैं फिर खींच लूँगा रस, फिर रच लूँगा नए पत्ते, फिर लहका दूँगा देह पर फूल, नीलम की आभाएँ, फिर रच लूँगा मैं।

प्रो. सरोज कौशल
सम्पादक, परिसर
निदेशक, पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।

दीक्षान्त समारोह

विश्वविद्यालय का अठारहवाँ दीक्षान्त समारोह भव्यता से सम्पन्न

- लता मंगेशकर को डी.लिट् तथा डॉ. स्वामीनाथन को डी.एससी. की मानद उपाधि।
- 78 स्वर्णपदक प्रदान किए गए। 73 को विश्वविद्यालय स्वर्णपदक, 1 को कुलाधिपति पदक, 4 को दानदाता स्वर्णपदक।
- 44,484 यूजी व पीजी छात्रों को प्रदान की गई उपाधियाँ।
- विश्वविद्यालय-पत्रिका परिस्पन्द का लोकार्पण।
- संविधान पार्क का शिलान्यास।

विश्वविद्यालय का 18वाँ दीक्षान्त समारोह इंजीनियरिंग कॉलेज के ऑडिटोरियम में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कहा कि इस पुनीत अवसर पर मैं सर्वप्रथम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् को नमन करता हूँ। महान् दार्शनिक, शिक्षाविद् एवं राजनीति के आलोक पुरुष डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के कर-कमलों द्वारा ही इस विश्वविद्यालय की 14 जुलाई 1962 को स्थापना हुई। शिक्षा और मौलिक चिंतन के क्षेत्र में उनका जो योगदान है, वह अविस्मरणीय है।

आज इस दीक्षांत समारोह में उपस्थित आचार्यों से मैं यह बात विशेष रूप से साझा करना चाहता हूँ कि 1921 में, जब वे मैसूर विश्वविद्यालय से मैसूर रेलवे स्टेशन जा रहे थे, तो उनके छात्रों ने उन्हें वहाँ तक ले जाने के लिए फूलों से सजी गाड़ी की व्यवस्था की और छात्रों ने स्वयं इसे खींचा था। यह उनका नहीं उनके ज्ञान और शिष्यों को बगैर किसी आग्रह-पूर्वाग्रह दिए गए ज्ञान का सम्मान था। दीक्षान्त के इस अवसर पर मैं विश्वविद्यालय के आचार्यों का आह्वान करता हूँ कि वे भी ऐसे ही आचार्य बनने का प्रयास करें कि विद्यार्थी सदा उनके प्रति वैसा ही सम्मान भाव बनाए रखें।

मुझे बताया गया है कि यह विश्वविद्यालय आगामी जुलाई माह में साठ वर्ष की अपनी शैक्षणिक यात्रा पूरी कर रहा है। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है। किसी भी संस्थान की पहचान वहाँ की इमारतों और उपलब्ध सुविधाओं से नहीं होती, उसकी पहचान वहाँ प्रदत्त की जाने वाली शिक्षा से होती है। इस विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए राष्ट्र और समाज को अपनी ओर से कुछ दे रहे हैं। यही शिक्षा की सबसे बड़ी सार्थकता है। मैं विश्वविद्यालय की 60 सालों की लम्बी यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय के विकास में भागीदारी निभाने वाले सभी आचार्यों, प्रशासकों और यहाँ के कार्मिकों को साधुवाद देते हुए इस दीक्षांत समारोह में उनका अभिनंदन करता हूँ।

दीक्षांत का अर्थ होता है, ज्ञान से विद्यार्थी को संस्कारित करने की पूर्णता। गौतम बुद्ध अपने शिष्यों को दीक्षा देते समय कहा करते थे, 'अप्पदीपो भव' अर्थात् अपने दीपक स्वयं बनें। अंधकार में दूर जलता हुआ छोटा सा दीपक भी यात्रियों को सही मार्ग बता देता है। आचार्य ज्ञान के दीपक से विद्यार्थी को आलोकित करते हैं। उस आलोक से ही विद्यार्थी जीवन भर अपने साथ-साथ दूसरों को भी सही राह दिखा सकता है। शिक्षा का असली उद्देश्य भी यही है।

दीक्षांत समारोह के इस अवसर पर मैं सभी उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का आह्वान करता हूँ कि आप अपने सीखे गए ज्ञान को समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए समर्पित करें। यह बात इसलिए कह रहा हूँ कि शिक्षा ही वह परम स्रोत है जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में पथ प्रदर्शन का कार्य करती है।

शिक्षा संज्ञान कराती है। संज्ञान अर्थात् सम्यक् ज्ञान। ऐसा ज्ञान जो बराबर जीवन के यथार्थ से हमें परिचय कराए। विज्ञान बहिर्मुखी है तो संज्ञान अन्तर्मुखी। विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रकाश पुंज हैं। मैं चाहता हूँ, हमारे विश्वविद्यालय उत्कृष्ट और सर्वोच्च ज्ञान के केन्द्र बनें। ऐसा कोई क्षेत्र शेष नहीं होना चाहिए, जिसका ज्ञान विश्वविद्यालयों में नहीं मिले।

कथा है, महाभारत का युद्ध समाप्त हो गया था। राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण की भेंट उत्तंक मुनि से होती है। कृष्ण उन्हें महायुद्ध और कौरवों के विनाश की बातें बताते हैं। उत्तंक क्रुद्ध होकर कृष्ण को कहते हैं, इतने समर्थ होने पर भी आपने युद्ध को नहीं रोका। वह उन्हें शाप देने को ही होते हैं कि श्री कृष्ण उन्हें अपना विराट् स्वरूप दिखाते हैं और कहते हैं, 'आपने गुरु की बहुत सेवा की है। इससे मैं आप पर प्रसन्न हूँ। मुनि आपका शाप तो मेरा कुछ बिगाड़ नही पाएगा पर आपका दीर्घकाल का तप बेकार हो जाएगा।' मुनि को कृष्ण की महिमा का बोध होता है और वे श्री कृष्ण से वरदान मांगते हैं कि रेगिस्तान में आवश्यकता पड़ने पर जल मिल जाए। भगवान् श्री कृष्ण तथास्तु कहते हुए विदा हो जाते हैं।

कथा आगे भी है पर उसमें जाने की जरूरत नहीं है। महत्त्वपूर्ण यह है कि कृष्ण इसलिए भगवान हैं कि वह शाप देने वाले से भी क्रोधित नहीं होते, बल्कि उन्हें इस बात की चिन्ता है कि मुनि का तप बेकार नहीं चला जाए। हमारे जो पुराण और प्राचीन शास्त्र हैं उनमें ऐसे बहुत से कथा रूपक हैं। जीवन की असली शिक्षा यही है हमें जो ज्ञान दिया जा रहा है, उससे हम ग्रहण क्या करते हैं। समाज की उन्नति अथवा अवनति शिक्षा पर ही निर्भर करती है। जिस समाज में जैसी शिक्षा व्यवस्था होगी वह समाज वैसा ही बन जाता है। इसलिए मैं चाहता हूँ, हमारे विश्वविद्यालय ऐसी शिक्षा के केन्द्र बनें जहाँ जीवन व्यवहार की शिक्षा मिले।

देश में जो नई शिक्षा नीति बनी है, वह प्राचीन भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों से जुड़ी हुई है। इसमें पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में व्यावसायिक, जीवन कौशल शिक्षा के व्यावहारिक पाठ्यक्रमों से दीक्षित किए जाने पर जोर है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्यों से

जुड़ी ऐसी शिक्षा की ही आज अधिक जरूरत है जिसमें व्यक्ति मनुष्य मनुष्य में भेद नहीं करें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने शिक्षा को व्यक्ति निर्मात्री एवं समाज संचालिका की संज्ञा दी है। सोचिए, कितनी महत्त्वपूर्ण बात उन्होंने शिक्षा को लेकर यह की है। मैं भी यह मानता हूँ कि शिक्षा समाज के रूपान्तरण का बहुत बड़ा माध्यम है।

स्वामी विवेकानंद ने कभी कहा था कि असली शिक्षा वह है जिससे मनुष्य की शक्तियों का विकास हो। शिक्षा शब्दों को रटना मात्र नहीं है। यह व्यक्ति की मानसिक शक्तियों का ऐसा विकास है, जिससे वह आजादी से कुछ तय सके। मेरा भी यही मानना है कि रटन्त विद्या व्यक्ति को जीवन में आगे नहीं बढ़ा सकती। शिक्षा वही उपयोगी है जिससे व्यक्ति स्थितियों-परिस्थितियों को पहचानते हुए भले-बुरे की पहचान कर सके। वही विद्या उपादेयी है जो अपने लिए ही नहीं संपूर्ण समाज के हित के लिए कार्य करने के लिए हमें प्रेरित कर सके।

सूचना एवं तकनीक ने जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया है। कोविड के इस दौर में संचार प्रौद्योगिकी बेहद कारगर भी रही है। मैं शिक्षकों का आह्वान करता हूँ कि वे नई शिक्षा नीति के आलोक में पाठ्यक्रमों को अद्यतन करें। पाठ्यक्रम ऐसे हों जो न केवल उपाधि प्रदान कर औपचारिकता पूर्ण करने वाले हों अपितु उनमें भारतीय ज्ञान व संस्कृति का समावेश भी हो ताकि शिक्षा प्राप्ति के बाद हम मानवता के कल्याण के लिए काम कर सकें।

युवा भारत का भविष्य है। इसलिए हमारा उत्तरदायित्व है कि उन्हें परम्परागत शिक्षा के साथ-साथ रोजगारपरक शिक्षा मिले। मैं चाहता हूँ, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास के लिए विश्वविद्यालयों में प्रभावी कार्य हों। ताकि शिक्षा प्राप्त करने के बाद युवा अधिकाधिक आत्मनिर्भर बन सकें। विद्यार्थियों में आरम्भ से ही स्वावलम्बन की भावना विकसित करना जरूरी है। नवाचार अपनाने के साथ राजस्थान कौशल विकास विश्वविद्यालय से जुड़कर भी इस सबंध में व्यावहारिक पाठ्यक्रम तैयार किए जा सकते हैं।

वैश्वीकरण का यह दौर विशेषज्ञता का है। ऐसे समय में यह भी जरूरी है कि विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर विज्ञान, अभियान्त्रिकी, कला, साहित्य, संस्कृति, मीडिया एवं तकनीकी विषयों में विशेष ज्ञान प्राप्त करे। मुझे बहुत बार यह अनुभव होता है कि आने वाले समय में हरेक क्षेत्र में वही अपना स्थान बनाकर रख पाएगा जो किसी विषय विशेष में निष्णात है। इसलिए विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सभी तरह के विषयों, विशेष ज्ञान में दक्ष करने के लिए भी अधिकाधिक प्रयास हों। 34 वर्षों के बाद लागू नई शिक्षा नीति में मूल्य आधारित शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, योग, दर्शन, स्थानीय भाषाओं व व्यक्तित्व निर्माण पर अत्यधिक बल दिया गया है। समय-समय पर राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से संवाद कर राजस्थान में व्यावहारिक रूप में इसे आगामी सत्र से लागू करने के चरणबद्ध प्रयासों की ओर हम कदम बढ़ा चुके हैं। मैं चाहता हूँ, इस नीति के

आलोक में ऐसे पाठ्यक्रम हमारे विश्वविद्यालय बनायें जिनसे दूसरे राज्यों के विश्वविद्यालय भी प्रेरित होकर अपनाएं।

मुझे यह जानकर सुखद लग रहा है कि आपके विश्वविद्यालय ने मोगड़ा कलां गाँव को आदर्श गाँव बनाने के लिए गोद लेकर सृजनात्मक महत्त्व के कई कार्य किए हैं। मुझे बताया गया है कि सालावास गाँव को भी विश्वविद्यालय द्वारा आदर्श गाँव बनाने का निश्चय करते हुए यहाँ के विद्यालय में इक्कीस लाख रुपये की लागत से एक क्लास रूम बनाया गया है। मैं इसकी सराहना करता हूँ। चाहता हूँ, 'बैक टू स्कूल' कार्यक्रम, भामाशाहों के सहयोग से निःशुल्क ऑनलाईन कक्षाएं आदि आपके कार्य भविष्य में भी जारी रहे।

इस अंचल में आई.आई.टी, एम्स व भारत सरकार के अनेक कृषि, विधि, तकनीक एवं औषधीय क्षेत्र के अनुसंधान केन्द्र संचालित हैं। इन संस्थानों एवं केन्द्रों का सहयोग लेकर इस मरुस्थलीय अंचल को उपजाऊ, उर्वरायुक्त एवं हरा-भरा बनाने की आवश्यकता है। मुझे यह जानकर अच्छा लग रहा है कि आज हमारे साथ आभासी मंच से पद्मभूषण से सम्मानित श्री डी. आर. मेहता का दीक्षान्त उद्बोधन हुआ है। इनके विचारों से युवा प्रेरणा ग्रहण करेंगे और अपने बेहतर कल का निर्माण करेंगे, ऐसा विश्वास है।

यह सुखद है कि आज भारत कोकिला लता मंगेशकर को विश्वविद्यालय द्वारा मानद सम्मान दिया गया है। लताजी हमारे देश की शान हैं, उन्हें सम्मानित कर हम स्वयं अपने आपको सम्मानित महसूस कर रहे हैं। मैं लता जी के स्वस्थ और दीर्घ जीवन के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। आपके सुर ईश्वर की प्रार्थना हैं।

संविधान हमारे देश का आदर्श है। संविधान ने हमें मौलिक अधिकार दिये हैं तो इसमें कर्तव्य भी निहित हैं। मुझे कई बार दुख होता है कि हमारे यहाँ मौलिक अधिकारों की तो बात होती है परन्तु कर्त्तव्यों से हम प्रायः विमुख होते हैं। मैं चाहता हूँ, अधिकारों के साथ कर्तव्य के लिए भी प्रत्येक भारतवासी तैयार रहे। आप लोग युवा हैं। राष्ट्र निर्माण में आपको महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इसलिए संविधान में प्रदत्त कर्त्तव्यों को आप अपने आचरण में लाकर आगे बढ़ें। नई पीढ़ी संविधान के बारे में जागरूक हो, इसी उद्देश्य से राज्य के हर विश्वविद्यालय में ''संविधान पार्क'' की स्थापना का मेरा सपना है। मुझे प्रसन्नता है कि बहुत से विश्वविद्यालयों में इस पर तेजी से कार्य हो रहा है। आज इस विश्वविद्यालय के संविधान पार्क का भी शिलान्यास किया गया है। इसके लिए सभी को बहुत बधाई और शुभकामनाएं। आपका यह संविधान पार्क देशभर में अपनी उत्कृष्टता का उदाहरण बने।

विश्वविद्यालय ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाले आलोक गृह हैं। विश्वविद्यालय के आचार्य इस आलोक के संवाहक होते हैं। आचार्य का अर्थ ही है, जो अपने आचरण से आदर्श की स्थापना करे। हमारे यहाँ कहा गया है-

'शास्त्रप्रयोजनम् तत्त्वदर्शनम्'

अर्थात् ज्ञान का उद्देश्य सत्य को जानना है। आचार्य विविध विषयों के ज्ञान के सत्य को अपने विद्यार्थियों में संप्रेषित करें, तभी उसकी सार्थकता है।

मैं इस दीक्षांत समारोह में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के आचार्यों से आग्रह करता

हूँ कि वे श्रेष्ठ शिक्षा प्राप्त छात्र ही तैयार नहीं करें बल्कि ऐसे भावी नागरिक भी समाज को दें जो अपने ज्ञान का उपयोग देश की समृद्धि और संपन्नता के लिए करने को तत्पर हों।

मैं पुनः मानद उपाधि से अलंकृत समाज की दोनों महान विभूतियों और उपाधि व स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों, शोधार्थियों और उनके अभिभावकों को इस अवसर पर बधाई देता हूँ।

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि समय के साथ-साथ शिक्षा का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। जोधपुर शिक्षा के एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र के रूप में उभर रहा है। महनीय कुलपतियों की श्रृंखला में मुख्यमंत्री ने प्रो. वी.वी. जॉन की शैक्षणिक दूरदर्शिता को रेखांकित किया। विश्वविद्यालय केवल नियुक्तियों के ही साधन नहीं हैं अपितु मानव संसाधन की उत्कृष्टता के साधक हैं। शिक्षा ने राजस्थान को पिछड़े राज्य से निकालकर अग्रगण्य बना दिया है।

दीक्षान्त उद्‌बोधन 'पद्‌म भूषण' प्रख्यात अर्थशास्त्री डी.आर. मेहता ने प्रदान किया। विद्यार्थियों का आह्‌वान करते हुए उन्होंने कहा उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् छात्र अपनी शिक्षा तथा उपाधि के सकारात्मक प्रभाव का विस्तार करें। आत्मसम्मान को अपनी पूँजी बनायें। भाषा में माधुर्य को अपनायें। जीवन के लक्ष्य का निर्धारण करें। समाज-सेवा ही जीवन का सबसे बड़ा ध्येय होना चाहिए। अनेक घटनाओं के माध्यम से मेहता ने उपाधि तथा व्यावहारिक जीवन में उत्कर्ष की ओर अग्रसर होने की अभिप्रेरणा प्रदान की।

विशिष्ट अतिथि श्री राजेन्द्र सिंह यादव राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि राज्य सरकार ने एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज को विश्वविद्यालय बनाया है। देश के नवनिर्माण में छात्रों की युवा शक्ति नई योजनाओं को बनाकर कार्य करे। समस्त छात्र अपनी उपाधि की सार्थकता को सिद्ध करें।

परिस्पन्द का हुआ लोकार्पण

विश्वविद्यालय की पत्रिका 'परिस्पन्द' का कुलाधिपति तथा मुख्यमंत्री के द्वारा लोकार्पण किया गया। परिस्पन्द का प्रकाशन विश्वविद्यालय की स्थापना के 60 वर्ष के उपलक्ष्य में किया गया। इस पत्रिका में विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अद्यावधिपर्यन्त विकास को रेखांकित किया गया है।

संविधान पार्क का हुआ शिलान्यास

संविधान की जानकारी सभी को प्रदान करना हमारा कर्त्तव्य है। यह संविधान पार्क देश भर में अपने महत्त्व को दर्शाता है। यह विचार व्यक्त करते हुए कुलाधिपति ने संविधान पार्क का वर्चुअल शिलान्यास किया।

संक्षिप्त वृत्तचित्र से विश्वविद्यालय का गौरवपूर्ण परिचय प्रस्तुत किया गया। कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने व्याख्यान देते हुए कहा- पश्चिम राजस्थान के अभूतपूर्व एवं गौरवशाली उच्च शिक्षण संस्थान जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के 60 वें वर्ष में प्रवेश करने की अनुपम अनुभूति के साथ मैं 18वें दीक्षान्त समारोह में कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित राजस्थान राज्य के माननीय राज्यपाल एवं इस विश्वविद्यालय के आदरणीय कुलाधिपति महोदय श्रीमान् कलराज मिश्र जी साहब का हार्दिक अभिनन्दन एवं भावपूर्ण स्वागत करता हूँ। वैश्विक महामारी के विकट समय एवं अनेकानेक आवश्यक कार्यों के होने के पर भी आपने वर्चुअल मोड पर इस कार्यक्रम से जुड़कर हमें गौरवान्वित किया है। आपके मार्गदर्शन एवं सकारात्मक प्रयास से ही विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह को उत्सव पूर्वक मनाने के लिए अग्रसर हुआ है। आप की उपस्थिति इस विश्वविद्यालय हेतु आशीर्वाद एवं ऊर्जा का भंडार बन शिक्षण संस्थान को चौगुनी गति से क्रियाशील होने के लिए अभिप्रेरित कर रही है। आदरणीय महोदय, संविधान के प्रति आपकी प्रगाढ़ आस्था के परिणामस्वरूप ही राजस्थान के प्रत्येक विश्वविद्यालय में संविधान के प्रति जागरूकता की अलख जगी है और इसी प्रेरणा के फलस्वरूप प्रत्येक विश्वविद्यालय अपने परिसर में संविधान पार्क बना रहा है जो कि अपने आप में एक अनूठा उदाहरण है। मैं पूरे आदर एवं हृदय की शुद्ध भावनाओं के साथ जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर परिवार की ओर से आपका स्वागत एवं वंदन करता हूँ।

राजस्थान के लोकप्रिय एवं जन-जन के हितैषी मुख्यमंत्री माननीय अशोक गहलोत साहब विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आभासी मंच को सुशोभित कर रहे हैं। आपकी चमत्कारिक वर्चुअल उपस्थिति और ऊर्जावान स्फूर्ति सभागार में अद्भुत जादू बिखेर रही है। आपके नजरिए में शिक्षा व्यक्ति में प्राण तत्व का कार्य करती है और इसी प्राण तत्त्व के सक्रिय बढ़ावे हेतु आप प्राथमिक शिक्षा से लगाकर उच्च शिक्षा तक सकारात्मक एवं त्वरित सुधारों को सर्व प्रमुख प्राथमिकता प्रदान करते हैं 'इसी सोच को अमलीजामा पहनाते हुए आपके ही सद्प्रयासों से जोधपुर एक विशाल एजुकेशन हब बन रहा है। आईआईटी हो या डिजिटल विश्वविद्यालय या फिर एमबीएम को विश्वविद्यालय का दर्जा देना, ये समस्त उदाहरण आप द्वारा जोधपुर को प्रदत्त उपहार हैं जिनके लिए आने वाली पीढ़ियाँ आपकी ऋणी रहेंगी।

मैं दीक्षांत समारोह के अवसर पर आपका हार्दिक आभार प्रकट करने के साथ विनम्रता पूर्वक निवेदन करता हूँ कि विश्वविद्यालय के संवर्धन उत्कर्ष एवं उन्नयन हेतु आपका

स्नेहिल आशीर्वाद सदैव बना रहेगा।

समारोह के प्रमुख केन्द्र एवं आकर्षण और इस भव्य समारोह में दीक्षांत व्याख्यान के उद्‌बोधनकर्ता पद्‌मभूषण से अलंकृत विद्वान् आदरणीय श्री डी.आर. मेहता हैं। इस विश्वविद्यालय के लिए बड़े गौरव की बात है कि अपनी प्रशासकीय नीतियों की वजह से राज्य एवं केंद्र में कई महत्त्वपूर्ण पदों पर सेवाएं देने वाले सेबी के पूर्व चेयरमेन पद्‌मभूषण से सम्मानित श्री डी.आर. मेहता साहब जैसी विलक्षण शख्सियत दीक्षांत उद्‌बोधन प्रदान कर रही है। आपने राज्य व राष्ट्र की सेवा के साथ-साथ मानव सेवा का भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। आप जैसी हस्ती हमसे जुड़कर हम सब का उत्साह वर्धन करते हुए हमारा मार्गदर्शन करेगी ऐसी शुभकामना हम सब करते हैं। दीक्षांत समारोह के पावन अवसर पर मेहता साहब का मैं पलक पाँवड़े बिछाकर स्वागत करता हूँ।

राजस्थान की धरा पर जिस गति से शिक्षा एवं शोध का प्रवाह हुआ है उसके पीछे राजस्थान के शिक्षा मंत्री की सशक्त प्रशासकीय एवं योजनाबद्ध नीति व कार्यप्रणाली है। दीक्षांत समारोह के विशिष्ट अतिथि राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री माननीय श्री राजेन्द्र सिंह यादव जी का भी मैं इस अवसर पर स्वागत करता हूँ।

विश्वविद्यालय की सीनेट ने दूरदृष्टि एवं रचनात्मकता के अविरल प्रवाह हेतु इस बार के दीक्षांत समारोह में स्वर साम्राज्ञी आदरणीया लता मंगेशकर जी एवं हरित क्रान्ति के जनक श्री एम.एस. स्वामीनाथन जी को मानद उपाधि प्रदान करने का सुखद निर्णय लिया है। यह इस विश्वविद्यालय के इतिहास में दूसरी बार है जब हम मानद उपाधि प्रदान करने का सुअवसर प्राप्त कर पाए हैं।

मैं आदरणीय स्वरसाम्राज्ञी लता जी और सम्माननीय स्वामीनाथन जी का हार्दिक स्वागत करते हुए अत्यंत गौरव का अनुभव कर रहा हूँ। हमारे अनुरोध को स्वीकार करने से हमारे विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ा है।

विभिन्न संकायों के अधिष्ठातागण, निदेशकगण, सिंडिकेट व सीनेट के माननीय सदस्यगण, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, विभागाध्यक्ष, सभी सम्मानित शिक्षकगण, कर्मचारीगण, मीडियाकर्मी, स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले प्रिय विद्यार्थियों, उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा इस दीक्षांत समारोह में प्रत्यक्ष व आभासी मंच से उपस्थित सभी महानुभावों का इस अवसर पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ।

विश्वविद्यालय का हृदय तो उसका विद्यार्थी वृंद है क्योंकि विद्यार्थियों की कक्षा से इतर गतिविधियों में सक्रिय हिस्सेदारी से ही विश्वविद्यालय स्पंदित होता है जिसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका अदा करता है हालांकि पिछला कुछ समय वैश्विक महामारी के काले बादलों के कारण पूरे विश्व के लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण रहा लेकिन कर्मठ निष्ठावान एवं ईमानदार कर्मचारियों के साथ-साथ ज्ञानवान व उत्साहित शिक्षकगणों के अपूर्व

कौशल एवं सहयोग के कारण हमने विश्वविद्यालय की समस्त गतिविधियों को निर्बाध रूप से जारी रखा है एवं जीवंतता को बरकरार रखा है। माननीय कुलाधिपति महोदय जी मैं इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विगत सत्र की कुछ महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण आपके समक्ष प्रस्तुत करना चाहूँगा।

विश्वविद्यालय ने अपने सभी कार्य कोविड-19 महामारी काल में राज्य सरकार की ओर से जारी दिशा निर्देशों के अनुसार सम्पादित किए हैं इसमें परीक्षाओं का आयोजन एवं नये सत्र में प्रवेश तक सम्मिलित है। हमारा विश्वविद्यालय कोरोना काल में भी शिक्षा की निरंतरता और ज्ञान की वृद्धि हेतु लगभग 250 से अधिक राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय वेबीनार आयोजित कर चुका है।

विश्वविद्यालय में लंबित सीएएस प्रक्रिया गत वर्ष फरवरी, मार्च में पूर्ण की एवं इस सत्र में भी इसे आगे बढ़ाते हुए समस्त शिक्षकों की सीएएस प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है।

विश्वविद्यालय में एक पेटेंट सेल का भी गठन हुआ है। शोध के नए आयाम हेतु रिसर्च डायरेक्टर की पोस्ट सृजित कर रिसर्च सेल को प्रभावी बनाया गया है।

महोदय, नाट्य एवं रंगमंच से जुड़ी विधाओं को मुखरित करने हेतु विश्वविद्यालय में थिएटर सेल का गठन किया गया है।

वाइल्डलाइफ रिसर्च और कंजर्वेशन सेंटर की स्थापना की गई तथा इसमें दो नये डिप्लोमा कोर्स भी प्रारम्भ किये हैं, जो अपनी गति एवं कार्यप्रणाली से अच्छा प्रभाव छोड़ रही है। इस सत्र में आदिवासी केंद्र की भी स्थापना की गई है और कई केंद्रों को पुनर्जीवित कर क्रियाशील बनाया गया है।

केंद्र द्वारा भेजी गई यूजीसी टीम ने हमारे EMMRC सेंन्टर को देश में उच्च श्रेणी का स्थान दिया है।शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया में विभिन्न विभागों में 25 स्मार्ट पैनल बोर्ड लगाए गए हैं। केंद्रीय पुस्तकालय का पुनरुद्धार किया गया है एवं इंटरनेट सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

अपना दायरा व्यापक करते हुए विभिन्न संस्थाओं से 15 एमओयू किये गये हैं।

इंजीनियरिंग विषयों की परीक्षाएं पहली बार ऑनलाइन माध्यम से संपादित हुई। रूसा से प्राप्त 20 करोड़ की ग्रांट का पूरा उपयोग भी किया गया। इंजीनियरिंग संकाय के तीन विभागों का NBA Accrediation हुआ। कई नवनिर्माणों का भी लोकार्पण हुआ।

इस सत्र में पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विषय का शुभारंभ किया गया है। पीएच.डी. रेगुलेशन 2016 को लागू किया एवं Pre Ph.D Exam करवाये।

विश्वविद्यालय की एनएसएस, एनसीसी. स्काउट विंग के स्वयं सेवकों ने कोविड-19 संक्रमण से बचाव हेतु रैलियों पोस्टरों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया। नागरिकों को मास्क व सैनिटाइजर भी बांटे।

विभिन्न संस्थाओं विभागों एवं महाविद्यालयों में वृहद स्तर पर पौधारोपण के कार्यक्रम संपादित किए गए। गोद लिए गए गाँवों मोगड़ा एवं सालावास में कई महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ करवाई गई हैं।

छात्र सेवा मंडल की ओर से कोविड-19

महामारी संक्रमण के चलते विभिन्न प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थाओं में ऑनलाइन माध्यम से संपन्न करवाई गई। नई शिक्षा नीति लागू करने की तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई है। विश्वविद्यालय का नाम विश्व स्तर पर रोशन करने वाले चार प्रोफेसरों के नाम विश्व की दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमरीका द्वारा शामिल होने पर इन चारों आचार्यो का समारोहपूर्वक सम्मान किया गया। अशैक्षणिक कर्मचारियों की कई वर्षों से लंबित प्रमोशन प्रक्रिया पूर्ण की गई।

एनएसएस कार्यकर्ताओं के सहयोग और बैंक ऑफ बड़ौदा की सहायता से विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 3000 पौधे लगाए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का ऑनलाईन आयोजन हुआ जिसमें 10 से ज्यादा देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और तीन पुरस्कारों की घोषणा की गई जिनके नाम निम्न प्रकार हैं:-

- गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार (श्री सुन्दरलाल बहुगुणा)।
- अमृता देवी वृक्ष मित्र पुरस्कार (डॉ. वन्दना शिवा)।
- डॉ. जैताराम विश्नोई मेमोरियल पुरस्कार (श्री जादव मोलाई पायेंग)।

हमारे विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवकों का 26 जनवरी, 2022 की राजपथ दिल्ली में होने वाली परेड में भी चयन हुआ। हमारे विश्वविद्यालय के परिचय, क्रियाकलापों, नवाचारों एवं उपलब्धियों को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए गौरव का अनुभव कर रहा हूँ। स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त विद्यार्थियों आप अपने जीवन में मानव होने के महत्त्व को समझते हुए एवं कार्य संस्कृति को लक्ष्य बनाकर उत्तरदायी एवं सर्जनशील मनुष्य बने यही मेरा आशीर्वाद है।

शिद्दत से कोशिश करो चिराग बनने की,
कौन जाने तुम्हीं से कल
रोशन सारा जहाँ हो।।

श्रीमान्! हम अपने छात्र-छात्राओं की कुशलता को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानक के समकक्ष विकसित कर सकें, अपनी प्रचुर मानव सम्पदा को रचनात्मक क्षेत्रों के लिए तैयार कर सकें, राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर सकें, देश के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए अपने छात्र-छात्राओं को वांछनीय कौशल से समृद्ध कर सकें, यही हमारा लक्ष्य है, यही हमारा अभीष्ट है। सभी दिशाओं से शुभ विचारों का आह्वान करते हुए हम प्रगति पथ पर अग्रसर हों।

परिन्दों ने एक उड़ान भरी है,
पंखों का इम्तिहान बाकी है,
अभी तो जीती हैं चन्द बाजियाँ,
अभी तो सारा जहाँ बाकी है।।

मैं सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना करते हुए आशा करता हूँ कि आप जीवन में अच्छे और सच्चे नागरिक बनेंगे एवं अपनी प्रगति के साथ-साथ देश और समाज की समृद्धि के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। विद्यार्थी मित्रों, अंत मे मैं आपको यही संदेश देना चाहता हूँ। आपकी जीवन यात्रा शुभ हो -

शुभास्ते पन्थानः सन्तु।

छात्रों को प्रदान की गईं उपाधियाँ तथा स्वर्णपदक

अभियान्त्रिकी, कला, वाणिज्य, विधि तथा विज्ञान संकाय के अधिष्ठाताओं ने अपने संकायों की डी.लिट्., डी.एससी., स्नातकोत्तर, स्नातक आदि उपाधियों के लिए कुलाधिपति के समक्ष निवेदन प्रस्तुत किया। कुलाधिपति महोदय ने सभी विद्यार्थियों की उपाधियों और स्वर्णपदक का अनुमोदन किया। 44484 यूजी व पीजी छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। 151 छात्रों को पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई तथा एक-एक छात्र को डी.एससी. एवं डी. लिट्. की उपाधि प्रदान की गई।

स्वामीनाथन व लता मंगेशकर को दी गई मानद उपाधि

विज्ञान के क्षेत्र में एम.एस. स्वामीनाथन को डी.एससी. की मानद उपाधि प्रदान की गई। हरित क्रान्ति के अग्रदूत प्रो. स्वामीनाथन को अनेक पुरस्कारों तथा उपलब्धियों की प्राप्ति हो चुकी है।

कला क्षेत्र में सुर कोकिला लता मंगेशकर को डी.लिट्. की उपाधि प्रदान की गई। इन दोनों श्रेष्ठ व्यक्तित्वों को मानद उपाधि प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय स्वयं को गौरवान्वित अनुभव करता है।

कार्यक्रम की आयोजन प्रमुख प्रो. संगीता लूंकड़ ने पूरे कार्यक्रम का सफल संयोजन किया। दीक्षान्त समारोह का संचालन डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. ललित पंवार तथा डॉ. हितेन्द्र गोयल ने किया। कुलसचिव श्रीमती गोमती शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रो. ज्ञानसिंह शेखावत बने बॉटनिकल सोसाइटी के उपाध्यक्ष

वनस्पति शास्त्र विभाग और दी इंडियन बॉटनिकल सोसाइटी के बैनर तले तीन दिनों तक चली कॉफ्रेंस में सर्वसम्मति से विवि के प्रो. ज्ञान सिंह शेखावत को सोसाइटी का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बॉटनीकल सोसाइटी में उच्च पद पर आसीन होने का जेएनवीयू में यह पहला अवसर है कि कोई सोसाइटी का उपाध्यक्ष नियुक्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने इस उपलब्धि पर प्रो. ज्ञान सिंह शेखावत को बधाई दी।

मशरूम कृषिकरण तकनीकी पर कुटीर व लघु उद्योग स्थापित करने हेतु कार्यशाला

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में कौशल विकास पाठ्यक्रम के तहत मशरूम कृषिकरण (प्रर्वधन) तकनीकी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) के प्रधान वैज्ञानिक डॉ सुनील कुमार सिंह ने मशरूम कृषिकरण तकनीकी पर अपना उद्‌बोधन देते हुए विभिन्न स्लाइडों के माध्यम से मशरूम का जीवन चक्र) कुटीर उद्योग व लघु उद्योग लगवाने हेतु आवश्यक उकरण, प्रयोगशाला, ट्रेनिंग, श्रमिकों की आवश्यकता, व्यापारिकरण, बाजार व उद्योग से होने वाले लाभ की जानकारी प्रदान की।

डॉ. निशा टाक ने किया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोधपत्र वाचन

विश्वविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निशा टाक ने 14 अंतरराष्ट्रीय नाइट्रोजन फिक्सेशन कॉफ्रेंस के ऑनलाइन इवेंट जिसे कि आरहस यूनिवर्सिटी डेनमार्क की ओर से आयोजित किया गया उसमें अपने शोधपत्र का वाचन किया। डॉ. निशा ने अपना शोधपत्र जिसका शीर्षक "जीनोमिक्स इनसाइट्स इनटु प्लांट ग्रोथ प्रमोटिंग पैराबरकहोलडरीया स्पीशीज MI&NL2 आईसौलैटेड फरोम माईमुसा इनवीसा नागालैंड भारत" पर पैरलल सेशन सिम्बायोसिस में नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाली एक प्रजाति जो कि माईमुसा इनवीसा पादप की जड में पाई जाने वाली ग्रंथी से निकाली गई है पर प्रस्तुति दी। उन्होंने यह शोध DBT ट्विनिंग प्रोजेक्ट के अंतर्गत नागालैंड में पाए जाने वाले जंगली लैगयूमनस पादपों पर किया। इस शोध कार्य में MI&NL2 बैक्टीरिया की खोज की गई है और उसका जीनोम सीक्वेंस करवाया गया है।

डॉ. निशा टाक वुमन बॉटनिस्ट पुरस्कार से सम्मानित

विश्वविद्यालय में आयोजित 44 ऑल इंडिया बॉटनिकल कॉन्फ्रेंस में वुमन बॉटनेस्ट प्रतियोगिता के अन्तर्गत प्रथम राउंड में चयनित तीन कैंडिडेट्स को अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने का मौका दिया गया। इस अधिवेशन में भारत वर्ष के विभिन्न भागों से आए हुए वनस्पति शास्त्र के शिक्षक, वैज्ञानिक, शोध छात्रों के सामने खुले मंच पर एमबीएम ऑडिटोरियम में शोध पत्र वाचन व प्रश्न के उत्तर के आधार पर जेएनवीयू की असिस्टेंट प्रो. डॉ. निशा को उनके द्वारा किया गया अंतरराष्ट्रीय स्तर का शोध कार्य विशेषकर शुष्क क्षेत्रों में पाए जाने वाले नवीन नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले जीवाणुओं की खोज एवं उसके जीनोम विश्लेषण के लिए IBC वुमन बॉटनिस्ट 2021 के पुरस्कार के लिए चयन किया गया।

प्रो. सरोज कौशल ने अखिल भारतीय कालिदास समारोह उज्जैन में दिया व्याख्यान

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के संस्कृत विभाग की वरिष्ठ प्रो. डॉ. सरोज कौशल को व्याख्यान के लिए अखिल भारतीय कालिदास समारोह, उज्जैन में आमंत्रित किया गया।

प्रो. कौशल ने सुप्रसिद्ध संस्कृत कवि एवं विद्वान् प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी की अध्यक्षता में 'महाकवि कालिदास के काव्यों में अलंकार-सौन्दर्य' विषय पर शोधपूर्ण व्याख्यान देकर यह प्रमाणित किया कि महाकवि कालिदास ने अनेक अलंकारों के प्रयोग से न केवल साहित्य में सौन्दर्य का संचार किया अपितु जीवन हेतु अनेक सूत्र प्रदान किए।

प्रो. कौशल ने महाकवि कालिदास के द्वारा प्रयुक्त उपमा, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, परिकर, स्वभावोक्ति आदि अनेक अलंकारों की उदाहरणसहित व्याख्या कर कालिदास के वैशिष्ट्य की विशद व्याख्या की। यह भी ध्यातव्य है कि प्रो. कौशल को वर्ष 2019 में कालिदास अकादमी की ओर से सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए भी पुरस्कृत किया गया था। उन्होंने अखिल भारतीय कालिदास समारोह में व्याख्यान प्रदान कर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का मान बढ़ाया है।

प्रो. सेंगवा विश्व के टॉप 2% वैज्ञानिकों की रेंकिंग के टॉप 1% में चुने गए

भौतिक विभाग में कार्यरत प्रोफेसर आर.जे. सेंगवा ने अपने उच्च गुणवत्ता शोध तथा उसको प्रख्यात जर्नलस् में प्रकाशन करके विश्व के टॉप 2% साइंटिस्ट्स रेंकिंग वर्ष 2021 वर्जन 3 के टॉप 1% में स्थान बनाकर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है। अमेरिका की स्टेनफार्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों प्रो. जे.पी.ए. ईयोनिडिस व प्रो. डब्लू बोयाक तथा एल्सेवियर के डॉ. जे. बास द्वारा विश्वभर के सभी क्षेत्रों के वैज्ञानिक कार्यों का सभी सम्भावित मांपाकों के साथ क्लाउड कम्पयूटिंग से तुलनात्मक विश्लेषण कर टॉप 2% रेंकिंग 19 अक्टूबर, 2021 को डेटाबेस स्कोपस पर जारी किया है। इससे पूर्व जारी टॉप 2% सांइटिस्टस् रेंकिंग वर्ष 2019 वर्जन 1 तथा वर्ष 2020 वर्जन 2 में भी प्रो. सेंगवा ने टॉप 1% में स्थान हासिल किया। वर्ष 2021 में प्रो. सेंगवा के शोध को वर्ष 2019 के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. जॉन बी. गुडएनफ ने अमेरिकी जर्नल में प्रकाशित अपने शोधपत्र में साइटेशन देकर मान्यता दी है।

राजस्थानी में आलोचनात्मक शोध की महती आवश्यकता : प्रो. पी.सी. त्रिवेदी

राजस्थानी शोध पत्रिका 'शोधेसर' का लोकार्पण

राजस्थानी भाषा विश्व की महत्त्वपूर्ण भाषाओं में अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। इसका प्राचीन एवं गौरवशाली साहित्यिक इतिहास है। राजस्थानी साहित्य में आलोचनात्मक शोधकार्य को प्रकाशित करना बहुत जरूरी है, ये विचार राजस्थानी विभाग की शोध पत्रिका ''शोधेसर'' के लोकार्पण अवसर पर कुलपति त्रिवेदी ने अपने उद्‌बोधन में कही। राजस्थानी विभागाध्यक्ष एवं शोध पत्रिका की संपादक डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रो. के.एल. रैगर ने प्रकाशित साहित्यिक शोध पत्रों की प्रशंसा की। सायंकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. के.ए. गोयल ने साहित्य में समसामयिक समालोचना का महत्त्व बताया। 120 पेज की इस शोध पत्रिका में राजस्थानी साहित्य के विभिन्न विषयों पर राजस्थानी रचनाकारों एवं शोधार्थियों के कुल 16 आलोचनात्मक शोध आलेख प्रकाशित किये गए हैं।

राजस्थानी संत साहित्य लोकमार्गी साहित्य है: मालचंद तिवाड़ी

राजस्थानी विभाग की ओर से ऑनलाईन फेसबुक लाइव पेज पर गुमेज व्याख्यानमाला के अंतर्गत राजस्थानी संत साहित्य और वाणियाँ विषय पर बोलते हुए राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध रचनाकार मालचंद तिवाड़ी ने कहा कि राजस्थानी भाषा का सम्पूर्ण संत साहित्य बुनियादी रूप से लोकमार्गी साहित्य है। वाणियाँ विशेष रूप से मनुष्य को इस प्रश्न से अवगत करवाती हैं कि सृष्टि में व्यवहार, आचरण कैसा होना चाहिए।

राजस्थानी साहित्य की प्रेमाख्यान परम्परा विश्व की समृद्ध और बेजोड़ परम्परा : डॉ. शारदा कृष्ण

राजस्थानी भाषा-साहित्य की प्रेमाख्यान परम्परा पर प्रकाश डालते हुए राजस्थानी भाषा की रचनाकार, डॉ. शारदाकृष्ण ने कहा कि राजस्थानी प्रेमाख्यान परम्परा विश्व साहित्य की सबसे समृद्ध और बेजोड़ परम्परा है। राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि डॉ. शारदा कृष्ण ने अपने व्याख्यान में कहा कि राजस्थानी साहित्य का इतिहास बहुत ही विशाल, समृद्ध और लोक प्रचलित है। इसकी परम्परा हमें गर्व की अनुभूति करवाती है।

वर्तमान समय में गाँधी दर्शन की प्रासंगिकता पर हुआ मंथन

गाँधी जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन

गाँधी अध्ययन केन्द्र में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय वर्तमान समय में गाँधी दर्शन की प्रासंगिकता था। गाँधी अध्ययन केन्द्र द्वारा आमजन में गाँधीवादी विचारों के प्रसार हेतु ब्रोशर का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने गाँधीजी के अहिंसावादी दर्शन पर अपना अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए आज के परिप्रेक्ष्य में हिंसावादी घटकों का दमन अहिंसावादी दर्शन से करने व गाँधी जी के जीवन प्रसंग को अपनाने का आह्‌वान किया। उन्होंने बताया कि महात्मा गाँधी द्वारा देश आजादी के संदर्भ में किये गये कार्य हमेशा स्मरणीय रहने चाहिए व नवयुवकों को उनके दर्शन को जीवन में अपनाना चाहिए। रमेश बोराणा ने गाँधीजी के द्वारा किये गये प्रमुख आंदोलन व देश आजादी में उनके योगदान को रेखांकित किया। उपवन संरक्षक (वन्यजीव) श्री विजय बोराणा ने गाँधीवादी प्रसंग व वन्यजीव संरक्षण पर अपना उद्‌बोधन दिया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में संकल्प बैनर पर पर सभी आगुन्तकों ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर वन्यप्राणी सप्ताह के पूर्व दिवस पर वन्यजीव फोटो प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। वन्य जीव संरक्षण केन्द्र के निदेशक डॉ. हिमसिंह गहलोत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

डिंगळ काव्य राजस्थानी का प्राण है : डॉ. आईदान सिंह भाटी

राजस्थानी विभाग द्वारा ऑनलाईन फेसबुक लाइव पेज पर गुमेज व्याख्यानमाला के अन्तर्गत राजस्थानी भाषा साहित्य री ओळखांण डिंगल काव्य पर राजस्थानी भाषा के सुप्रसिद्ध कवि आलोचक) साहित्यवेत्ता डॉ. आईदान सिंह जी भाटी ने कहा कि राजस्थानी भाषा के साहित्य का प्राण तत्त्व है डिंगल काव्य। उन्होंने व्याख्यानमाला में डिंगल काव्य परम्परा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि डॉ. आईदान सिंह भाटी ने कहा कि राजस्थानी डिंगल काव्य परम्परा से प्रभावित होकर ही उन्होंने राजस्थानी में लेखन प्रारम्भ किया था। उन्होंने अपनी एक प्रसिद्ध डिंगल कविता का पाठ किया जो कि बहुत ही सुंदर कर्णप्रिय था।

व्याख्यानमाला में साहित्यकार मधु आचार्य आशावादी, डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित, श्री श्याम सुन्दर भारती, श्री भंवरलाल सुथार, श्री श्रीकांत पारीक, विमला नागला, महेन्द्र सिंह छायण, तरूण दाधीच, नरेश कविया, सीमा राठौड़, राकेश सारण, पुरुषोत्तम, भवानी सिंह, रणजीत सिंह, इन्द्रदान चारण सहित अनेक शोध छात्र उपस्थित थे।

सालावास स्मार्ट विलेज में संवैधानिक जागरुकता प्रमाण-पत्र कोर्स का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए सालावास गाँव में ग्रामीणों में संवैधानिक एवं विधिक जागरुकता के लिए आयोजित प्रमाण पत्र कोर्स का आयोजन हुआ। इस प्रमाण पत्र कोर्स में 53 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रमाण पत्र कोर्स में प्रतिभागियों को संविधान तथा विधि के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई। इसके बाद उनके लिए एक परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। परीक्षा में युवराज गहलोत तथा रणवीर गहलोत ने प्रथम, रवि शंकर ने द्वितीय तथा संगीता मारू ने तृतीय स्थान अर्जित किया। नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत ने बताया कि समापन समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एन.आई. कोर्ट (एक) के विशेष मजिस्ट्रेट मोहन मीणा, मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. हरी राम परिहार तथा विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त राजकीय अधिवक्ता मनोज गहलोत तथा राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता विवेक माथुर थे। मुख्य वक्ता डॉ. हरिराम परिहार में प्रमाण पत्र कोर्स को जागरूकता के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण प्रयास बतलाते हुए मूल कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि विवेक माथुर के अनुसार कानून की जानकारी का अभाव बीमारी का प्रतीक है। विशिष्ट अतिथि मनोज गहलोत के अनुसार संविधान ने राजा और रंक का भेद समाप्त कर सभी को अपनी प्रतिभा का समुचित इस्तेमाल करने का मौका दिया है। मुख्य अतिथि विशेष मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मोहन मीणा ने कानून के व्यावहारिक पक्ष पर प्रकाश डाला। प्रारम्भ में डॉ. दिनेश गहलोत ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

सालावास स्मार्ट विलेज की 'जन्मदिन मनाओ पुण्य कमाओ' योजना का एक वर्ष पूर्ण

राज्यपाल के आदेश पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए सालावास गाँव में पिछले वर्ष 3 फरवरी, 2021 को 'जन्मदिन मनाओ पुण्य कमाओ' योजना शुरू की थी। योजना का उद्देश्य गौशाला में गायों के लिए चारे पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करना तथा ग्रामीणों में गौशाला में जन्मदिन मनाने की परंपरा विकसित करना था।

नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत ने बताया कि गाँव के सरपंच ओमाराम पटेल के जन्म दिवस से शुरु की गई इस योजना के तहत अब तक 65 ग्रामीणों ने गौशाला में जन्मदिन मना कर लगभग सात लाख की राशि गौशाला में भेंट की। गौशाला में एक ही परिवार कि तीन पीढियों द्वारा जन्मदिन मनाया गया, वही दूसरी ओर सौ वर्ष गांव छोड़कर गए परिवार ने भी वापस गाँव लौटकर गौशाला में जन्मदिन मनाया। जन्मदिन मनाने वाले का साफा, माला, स्मृति चिह्न से अभिनंदन किया जाता है जिसका संपूर्ण व्यय नोडल अधिकारी द्वारा ही किया जाता है। नोडल अधिकारी ने बताया कि योजना का एक वर्ष पूरा हो जाने पर गौशाला में एक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा।

जोधपुर ब्रीथ बैंक की ओर से सालावास में जरूरतमंद हेतु राशन के पैकेट का वितरण

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए सालावास स्मार्ट विलेज के नोडल अधिकारी की मांग पर जोधपुर ब्रीथ बैंक की ओर से सालावास गाँव में सूखे भोजन के पैकेट का वितरण किया। पहले चरण में पच्चीस परिवारों को यह पैकेट वितरित किए गए। उत्कर्ष के एम. डी. तरुण गहलोत ने इस हेतु गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राशन सामग्री का यह वितरण माली समाज के अध्यक्ष संपतराज गहलोत, अमराराम पटेल, भीम प्रजापत तथा कैलाश तंवर ने मिलकर किया। जोधपुर ब्रीथ बैंक की ओर से अशोक भाटी तथा अजय ने यह वितरण कार्य किया।

समेकित बाल विकास योजना के अंतर्गत स्मार्ट विलेज मोगड़ा कलां गाँव को खेल सामग्री भेंट

विश्वविद्यालय की ओर से राज्यपाल श्री कलराज मिश्र की महती योजना स्मार्ट विलेज के अंतर्गत मोगड़ा कलां गाँव को गोद ले रखा है। नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मोगड़ा कलां गाँव में प्रतिमाह एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। समेकित बाल विकास योजना एक अद्वितीय बाल विकास कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य कुपोषण, स्वास्थ्य और युवा बच्चों के विकास की आवश्यकता को पूरा करना है। इसी उद्देश्य की पूर्ति करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा मोगड़ा कलां गाँव के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में खेल सामग्री भेंट की गई। मोगड़ाकलां गाँव के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि खेल सामग्री से लगभग 500 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

महिला रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण शिविर के प्रमाण पत्र वितरित

सालावास स्मार्ट विलेज योजना के अंतर्गत गाँव की महिलाओं को रोजगार हेतु प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से 15 दिवसीय रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर के समापन पर गाँव में स्थित कबीर आश्रम में प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि महंत श्री अमर साहेब तथा महिला अध्ययन केंद्र के रिसर्च एसोसिएट डॉ. महेश परिहार ने प्रमाण पत्र वितरित किए। नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत ने बताया कि ब्यूटी पार्लर से सम्बन्धित इस प्रशिक्षण शिविर में गाँव की 21 महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रशिक्षण के पश्चात् वे स्वयं अपना रोजगार स्थापित कर सकेंगी। महंत श्री अमर साहेब ने प्रशिक्षण शिविर को पुनीत कार्य बतलाते हुए इसके दूरगामी परिणामों पर प्रकाश डाला। डॉ. महेश परिहार ने गाँव में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन को इंगित किया।

जल, जंगल और जमीन आदिवासियों की अमूल्य धरोहर- प्रो. त्रिवेदी

आदिवासी अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन

कला,शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय में आदिवासी अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। आदिवासी अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ.जनक सिंह मीना ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बिरसा मुण्डा, रानी गाइदिन्ल्यू, वीर नारायण सिंह, झलकारी बाई, टंट्या भील, रीतारमण राजू, रामजी गोंड, फूलो, तिलका मांझी आदि के बारे में बताते हुए केन्द्र के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। केन्द्र की भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए डॉ. मीना ने बताया कि यह केन्द्र अन्तर अनुशासनात्मक उपागम पर आधारित होगा तथा इसमें शीघ्र ही प्रमाण पत्र एवं पी जी डिप्लोमा के पाठ्यक्रम तैयार किए जायेंगे और यह केन्द्र पूरे देश में संसाधन एवं नीति केन्द्र के रूप में कार्य करेगा जिसके लिए एक पुस्तकालय की स्थापना, एम ओ यू, पुरस्कार एवं सम्मान योजनाएं बनाई जायेंगी। केन्द्र के माध्यम से शीघ्र ही एक शोध पत्रिका शुरु की जायेगी।

मुख्य अतिथि उद्बोधन में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि आज सरस्वती माँ एवं बिरसा मुण्डा के समक्ष जो दीप प्रज्वलित हुआ है वह दीपक निरन्तर जलता रहे।

डॉ. जनक सिंह मीणा बने स्टेट कमीशनर

गुजरात पुलिस डीआईजी एवं राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त अनिल प्रथम ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. जनक सिंह मीना की कर्मठता और कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में राजस्थान सरकार में शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं राज्य मुख्य आयुक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी पवन कुमार गोयल एवं हिन्दुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य सचिव नरेन्द्र औदिच्य द्वारा हस्ताक्षरित वारन्ट ऑफ ऑनर जारी कर डॉ. जनक सिंह मीना को स्टेट कमीशनर के पद पर नियुक्त किया गया है।

डॉ. मीना डॉ. अंबेडकर नेशनल अवार्ड से सम्मानित

भारतीय दलित साहित्य अकादमी के 37 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में दलित, दमित, आदिवासी एवं वंचित साहित्य के क्षेत्र में किए गए महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए विश्वविद्यालय में आदिवासी केंद्र के निदेशक डॉ. जनक सिंह मीना को दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय अवार्ड 2021 से सम्मानित किया गया।

डॉ. मीना बने आदिवासी अध्ययन केन्द्र के मानद निदेशक

कुलपति ने आदेश जारी कर राजनीति विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. जनक सिंह मीना को आदिवासी अध्ययन केन्द्र का मानद निदेशक नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति अगले आदेश तक जारी रहेगी। डॉ. जनक सिंह मीना अपने कार्यों के साथ आदिवासी अध्ययन केन्द्र के निदेशक पद का कार्यभार भी संभालेंगे।

आदिवासी केंद्र में धूमधाम से मना फुले एवं मुंडा जयंती

आदिवासी अध्ययन केंद्र के तत्त्वावधान में संविधान सभा के सदस्य रहे आदिवासी डॉ. जयपाल मुंडा तथा भारत की पहली शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई गई। निदेशक डॉ जनक सिंह मीणा ने कहा कि इन दोनों ही महान व्यक्तित्वों ने विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ इच्छाशक्ति एवं साहस का परिचय देते हुए दलित, दमित, आदिवासी, वंचित वर्ग एवं स्त्रियों के उत्थान के लिए अविस्मरणीय योगदान किया। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता प्रो. किशोरी लाल रैगर ने कहा कि डॉ. जयपाल मुंडा का संघर्ष नैसर्गिकता को बचाने के लिए था। मुख्य वक्ता प्रो. कांता कटारिया ने अपने उद्बोधन में सावित्रीबाई फुले को विपरीत परिस्थितियों में भी अदम्य साहसी बताते हुए कहा कि उनकी आंदोलनों में क्रांतिकारी भूमिका रही है और उन्होंने सामाजिक क्रांति पैदा की। इस अवसर पर प्रो. यादराम मीणा, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. दिनेश गहलोत, हनुमान मीणा, डॉ. शीतल प्रसाद मीणा, डॉ. विजयश्री, सी.एस. मीणा, राजेश कुमार, भीम सिंह, सुल्तान सिंह आदि दानदाताओं ने आदिवासी अध्ययन केंद्र के लिए आवश्यक वस्तुएं भेंट कर हर संभव मदद का आश्वासन दिलाया।

स्वतंत्रता सेनानी गणपतराम ने सेवा भावना की अलख जगाई - डॉ. मीणा

आदिवासी अध्ययन केंद्र द्वारा महान् स्वतंत्रता सेनानी गणपतराम बगराणिया की 48 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। डॉ. जनक सिंह मीणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि गणपतराम जी एक क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी के रूप में जाने जाते हैं तथा वे महान समाजसेवी हैं। हम ऐसे महापुरुषों का अनुसरण कर उनके बताए हुए रास्तों पर चलेंगे तभी उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कला संकाय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाज विज्ञान शोध में घटना के मूल कारण एवं प्रभाव खोजने से समस्या का समाधान संभव - डॉ. मीणा

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा संपोषित एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग द्वारा शोध प्रविधि विषय पर आयोजित दस दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में विश्वविद्यालय के आदिवासी अध्ययन केंद्र के निदेशक डॉ. जनक सिंह मीणा ने समाज विज्ञान में शोध प्रविधि का परिचयात्मक एवं शोध के चरण विषय पर अपने व्याख्यान दिए।

आयुर्वेदिक औषधियों पर शोध के लिए जेएनवीयू व आयुर्वेद विवि में एमओयू

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर व सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इसके अन्तर्गत जेएनवीयू के वनस्पति विशेषज्ञ जड़ी-बूटियों की पहचान व संवर्धन का कार्य करेंगे, जबकि आयुर्वेदाचार्य उनमें उपस्थित औषधीय पदार्थों पर शोध करेंगे। जेएनवीयू के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने बताया कि वर्तमान में कोविड, डेंगू, चिकनगुनिया व स्वाइन फ्लू आदि बीमारियों के निदान में उपयोग में आने वाले जैव-पदार्थों का प्राथमिकता के साथ औषधीय उपयोग किया जा रहा है।

विवि के एसटी गर्ल्स हॉस्टल का नाम अब डायमंड हॉस्टल

विश्वविद्यालय के नया परिसर में स्थित एसटी गर्ल्स हॉस्टल का नाम बदल दिया गया। अब इस हॉस्टल का डायमंड हॉस्टल नामकरण किया गया है। कुलसचिव में आधिकारिक तौर पर आदेश जारी कर हॉस्टल के नाम में बदलाव किया।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय व सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय के मध्य एम.ओ.यू.

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय व सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय के मध्य मेमोरेण्डम ऑफ अण्डर स्टैडिंग (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए। एम.ओ.यू. के आयोजन का मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत विद्यार्थियों को बहुउद्देश्य वाले विषयों के चयन की वैकल्पिक व्यवस्था करना है।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पास विधि संकाय में विधि से सम्बन्धित सभी प्रकार के कोर्स उपलब्ध हैं जबकि सरदार पटेल विश्वविद्यालय के पास सुरक्षा व दाण्डिक न्याय के कोर्स उपलब्ध हैं। अतः दोनों विश्वविद्यालय के मध्य एम.ओ.यू. होने से आगामी सत्र में नई शिक्षा प्रणाली लागू होने पर विद्यार्थियों को दोनों विश्वविद्यालय के मध्य स्थानान्तरण कर उन्हें विभिन्न प्रकार के विषय पढ़ने व कार्यशाला में भाग लेने की सुविधा प्रदान की जाएगी। एम.ओ.यू दोनों विश्वविद्यालय के मध्य विभिन्न प्रकार की शोध परियोजना, शोध पत्र का प्रकाशन व सेमीनार का आयोजन भी साझा रूप से किया जा सकेगा। एम.ओ.यू. पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने तथा सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति डॉ. श्री आलोक त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय का गुरुदक्षता कार्यक्रम विधिवत सम्पन्न

यूजीसी एचआरडीसी जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा समायोजित 29 दिवसीय गुरु दक्षता फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम सम्पन्न हुआ।

समापन समारोह में केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ के कुलपति आदरणीय प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी जी ने की। सह-अध्यक्षा प्रो. आशा शुक्ला जी (कुलपति भी.अ.सा.वि. विवि) ने प्रतिभागियों को आशीर्वचन प्रदान किए। विशिष्ट अतिथि डॉ. आनंद शुक्ला आइपीएस ने शिक्षकों के लिए इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता व महत्त्व के बारे में बताया।

एचआरडीसी जोधपुर के डायरेक्टर व कार्यक्रम संचालक प्रो. राजेश कुमार दुबे ने 29 दिनों तक संचालित कार्यक्रमों के विषय में अतिथियों को अवगत कराया। दस मॉड्यूल में विभक्त इस कार्यक्रम में 175 घंटे तक देश-विदेश के लगभग 115 वक्ताओं ने समस्त प्रतिभागियों को नई शिक्षा नीति, मूक डेवलपिंग प्रोग्राम, स्टडी वीडिओ मेकिंग, एसडीजी, एनवायरमेंटल एथिक्स, ई कंटेंट डेवलपिंग, रिसर्च प्रोजेक्ट इत्यादि अनेक शिक्षकोपयोगी महत्त्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा व विशिष्ट व्याख्यान दिए।

जुनून से ही मिलती है सफलता- डॉ.सुराणा

विश्वविद्यालय से संबद्ध कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में बी. कॉम प्रथम वर्ष की छात्राओं हेतु आमुखीकरण कार्यक्रम रखा गया जिसको ओरियन्टेशन कम करियर काउंसलिंग सेशन नाम दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता के रूप में भूतपूर्व आईएएस ऑफिसर और दूरदर्शन के प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के एंकर और रेडियो सिंगर, वक्ता डॉ. महेंद्र सुराणा थे। महेंद्र जी सुराणा ने अपने वक्तव्य में खासतौर से किसी कार्य की सिद्धि हेतु जुनून पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में विधि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. चंदनबाला ने विलियम शेक्सपियर के कथन फ्रायल्टी दाई नेम इज वुमन को चुनौती देते हुए उसे बदला और इंटीग्रिटी दाई नेम इज वूमन, ऑनेस्टी दाई नेम इज वूमन कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ.) प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने व्यक्ति को लगातार सीखते रहने, जबान से मीठा बोलने, हृदय में क्रांति रखने और मन में शांति रखने की बात कही। उन्होंने विद्यार्थियों में देश के प्रति देशभक्ति की भावना रखने के लिए आह्वान किया, साथ ही बिना किसी भेदभाव और हीन भावना के लक्ष्यों पर नजर टिकाए रखने पर बल दिया।

प्रो. लूंकड बनी सिंडीकेट सदस्य

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति ने आदेश जारी कर कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की निदेशक प्रो. संगीता लूंकड को सिंडीकेट सदस्य नियुक्त किया।

प्रो. सुशीला शक्तावत को अनुसंधान पीठ निदेशक का कार्यभार

कुलपति ने आदेश जारी कर इतिहास विभाग की प्रोफेसर डॉ. सुशीला शक्तावत को वीरवर राव चन्द्रसेन इतिहास अनुसंधान पीठ की निदेशक नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति अगले आदेश तक रहेगी। डॉ. शक्तावत अपने कार्यों के साथ वीरवर राव चन्द्रसेन इतिहास अनुसंधान पीठ निदेशक के कार्य भी संभालेंगीं।

डॉ. सिसोदिया बने क्रीड़ा मंडल के सचिव

विश्वविद्यालय के कुलपति ने आदेश जारी कर शारीरिक शिक्षा के उप निदेशक डॉ. अमन सिंह सिसोदिया को क्रीड़ा मंडल का सचिव नियुक्त किया। डॉ. सिसोदिया अपने कार्यों के साथ क्रीड़ा मंडल सचिव पद का कार्य भी संभालेंगे।

महाकवि कालिदास के सन्देश सार्वभौमिक हैं: प्रो. सरोज कौशल

संस्कृत विभाग में कालिदास जयंती का आयोजन

संस्कृत विभाग में देवोत्थानी एकादशी के अवसर पर कालिदास जयंती का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. मंगलाराम ने महाकवि कालिदास की रचनाओं के संदेश की विशेषताओं को रेखांकित किया। प्रो. सरोज कौशल ने महाकवि कालिदास के ग्रन्थों मेघदूत, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, रघुवंशम, कुमारसम्भवम् आदि ग्रन्थों की सूक्तियाँ बताकर उनकी व्याख्या की। पात्रों के चारित्रिक उत्कर्ष से कवि ने मानव-जीवन का मार्ग बताया है। कालिदास ने प्रकृति को भी मानव के समान निरूपित कर पर्यावरण-सम्वेदना का उच्च आदर्श प्रस्तुत किया है। उनके द्वारा प्रयुक्त अलंकार न केवल साहित्य में सौन्दर्य की वृद्धि करते हैं अपितु वे जीवन में भी सौन्दर्य का संवर्धन करते हैं। मधुर आकृति वालों के लिए कौनसा पदार्थ आभूषण नहीं बन जाता है। यह सौन्दर्य लक्षण कृत्रिमता का खण्डन करता हैं। डॉ. पुष्पा गुप्ता ने महाकवि कालिदास के द्वारा किये गये ऋतु-वर्णन शकुन्तला तथा पार्वती के उत्कृष्ट चरित्र का उदाहरण देते हुए स्त्री-सशक्तिकरण की कालिदासीय व्याख्या की। इस अवसर पर डॉ. गुप्ता ने कालिदास पर स्वरचित कविता भी सुनाई। कार्यक्रम में विभाग के यादराम मीना के साथ विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह में नव सुसज्जित कक्षों का लोकार्पण

विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में आधुनिक सुविधाओं से निर्मित नवसुसज्जित कक्षों का शुभारंभ कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि अतिथि गृह विश्वविद्यालय की शान होता है, जहाँ हम अतिथियों का स्वागत सत्कार कर सकें। अतिथि गृह प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. महीपाल सिंह राठौड़ ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अतिथि गृह के आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कक्ष का लाभ यहाँ पधारने वाले अतिथियों को मिलेगा। कार्यक्रम में सिंडिकेट सदस्य प्रो. संगीता लूंकड़, प्रो. चंदनबाला, प्रो. किशोरीलाल रैगर, प्रो. पवन कसेरा, प्रो. ज्ञान सिंह शेखावत, प्रो. के.आर. गोयल, प्रो. के.आर. पटेल, प्रो. सरोज कौशल, प्रो. मीना बरड़िया, परामर्श समिति सदस्य डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. रचना दिनेश, डॉ. कांता चौधरी, डॉ. ओम प्रकाश विश्नोई, डॉ. ललित पंवार, डॉ. रेणु शर्मा, डॉ. अंकित मीणा, अतिथि गृह इंचार्ज विनीत गुप्ता, डॉ. भगवान सिंह शेखावत, डॉ. प्रेम सिंह, डॉ. महेन्द्र सिंह, डॉ. ओम प्रकाश के साथ शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

विवि में शोध प्रकोष्ठ कार्यालय भवन का किया उद्घाटन

केन्द्रीय कार्यालय में शोध प्रकोष्ठ कार्यालय भवन का उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने किया। अब विश्वविद्यालय के सभी संकायों का शोध से संबंधित कार्य अब शोध प्रकोष्ठ कार्यालय में संचालित किया जाएगा। इससे पूर्व में कार्य अकादमिक कार्यालय द्वारा संचालित किया जाता था। नए कार्यालय में शोधार्थियों के लिए बैठने, सूचना के लिए डिसप्ले बोर्ड सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जायेंगी। कार्यालय उद्घाटन के दौरान शोध प्रकोष्ठ निदेशक प्रो. ज्ञानसिंह शेखावत, कुलसचिव गोमती शर्मा, अधिष्ठाता विज्ञान संकाय प्रो. पवन कसेरा, प्रो. खरता राम पटेल, प्रो. सुनील आसोपा, शोध छात्रसंघ अध्यक्ष सवाई सिंह सारुण्डा सहित शोधार्थी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवनिर्मित कक्षा, प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय का उद्घाटन

नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि

विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में रूसा अनुदान राशि से नवनिर्मित तथा नवीनीकरण कक्षाओं का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी द्वारा किया गया। कुलपति ने कहा कि कक्षा, प्रयोगशाला, परीक्षानियंत्रक कक्ष व पुस्तकालय के नवीनीकरण से विश्वविद्यालय में सुविधाओं में विस्तार हुआ है। विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. कसेरा ने बताया कि विज्ञान संकाय में परीक्षा नियंत्रक कक्ष व अधिष्ठाता कक्ष की अति आवश्यकता थी। रसायन शास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता लूंकड़ ने बताया कि इस विभाग को लम्बे समय से प्रयोगशाला की आवश्यकता थी, जो रूसा अनुदान राशि से पूर्ण हुई है। रसायन शास्त्र विभाग में वर्ष 1992 के रसायन शास्त्र एलयूमिनी के द्वारा शौचालय का आधुनिकीरण एवं जीर्णोद्धार किया गया।

विज्ञान संकाय में आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

सक्रिय स्वयं सेवकों को प्रशस्ति-पत्र देकर किया सम्मानित

विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले एक दिवसीय शिविर का आयोजन वनस्पति शास्त्र विभाग के बोटैनिकल गार्डन में किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्यवक प्रो. के.आर. पटेल के निर्देशानुसार इस शिविर का आयोजन स्नातकोत्तर स्तर के स्वयं सेवकों के लिए किया गया। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि इस शिविर में पूर्वार्द्ध कक्षा के नए स्वयं सेवकों का आमुखीकरण एवं पंजीयन किया गया तथा उत्तरार्द्ध कक्षा के स्वयं सेवकों का ससम्मान विदाई समारोह रखा गया। इसी के अन्तर्गत पिछले पाँच वर्षों से राष्ट्रीय सेवा योजना के पंद्रह सक्रिय स्वयंसेवकों को प्रशस्ति-पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

स्काउटिंग ज्ञानार्जन, कौशल विकास एवं संस्कारों से विभूषित करने का माध्यम : प्रो. त्रिवेदी

विश्वविद्यालय में रोवर-रेंजर ग्रुप लीडर कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर कुलपति त्रिवेदी ने बताया कि स्काउटिंग जीवन निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण के लिए एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन है। विद्यार्थियों को इनके नियमों को आत्मसात् करना चाहिए। विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् यह पहला अवसर था जब विश्वविद्यालय रोवर-रेंजर ग्रुप लीडर के लिए एक स्थायी कार्यालय की स्थापना की गई। ग्रुप लीडर डॉ भरत देवड़ा ने बताया कि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय राजस्थान का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय हैं जहाँ रोवर स्काउटिंग की गतिविधियाँ सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं।

प्रो. जेताराम विश्नोई की 57वी जयंती पर पौधे भेंट

प्रो. जेताराम विश्नोई की 57वी जयंती पर आज 15 दिसंबर को प्रो जेताराम विश्नोई प्लांट बैंक, कला विभाग, जेएनवीयू में उनके पुत्रों द्वारा फल एवं फूलों के पौधे भेंट कर प्रतिवर्ष पौधे भेट करने का संकल्प लिया। प्रो. विश्नोई विश्वविद्यालय में कई पदों पर कार्यरत रहे। इस अवसर पर डॉ निधि, अशोक बिश्नोई, राहुल बिश्नोई और कला विभाग के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों में डेंगू रोग उन्मूलन का जज्बा

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना, विज्ञान संकाय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने आपातकालीन स्थिति में एसडीपी डोनेट कर डेंगू रोग से ग्रसित मरीज की जान बचाई। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी ने स्वयं एसडीपी दान कर अपने स्वयंसेवकों के लिए उदाहरण पेश कर उन्हें प्रोत्साहित करने का कार्य किया। डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि उन्होंने अपनी कक्षा शुरू की ही थी कि उनके पास बाड़मेंर निवासी राजेन्द्र चारण का फोन आया कि उनके जीजाजी भोमदान चारण का डेंगू की वजह से प्लेटलेट काउंट घटकर मात्र 3000 रह गया हैं व उनका जीवन संकट में है तथा उन्हें तुरंत ओ-पॉजिटिव ब्लड के एसपीडी की जरूरत हैं। डॉ. पटेल ने अपने विभागाध्यक्ष से अनुमति लेकर क्लास छोड तुरंत मथुरादास अस्पताल पहुँचे एवं प्रारंभिक जाँच के बाद एसडीपी डोनेट किया।

विश्वविद्यालय के दो छात्रों का गणतंत्र दिवस परेड हेतु हुआ चयन

राष्ट्रीय सेवा योजना के विज्ञान संकाय के दो स्वयं सेवकों का वर्ष 2022 की गणतंत्र दिवस समारोह पर राजपथ पर होने वाली परेड हेतु चयन हुआ है। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने बताया कि वर्ष 2022 के गणतंत्र दिवस परेड हेतु शिविर का आयोजन बियानी कॉलेज, जयपुर में किया गया था। शिविर में स्वयंसेवकों से योग, परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्यक्तित्व विकास इत्यादि मापदंड पर प्रशिक्षण देकर अंतिम चयन किया गया। उन चार स्वयंसेवकों में से जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के दो स्वयं सेवक जयसूर्या व गिरिराज परिहार चयनित हुए हैं।

स्वयंसेवक की प्रेरणा से रक्तदान शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो के. आर. पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एमएससी भौतिक शास्त्र के फाइनल ईयर का छात्र जयसूर्या लाइब्रेरी में बैठकर पढ़ाई कर रहा था तभी उसके पास एनएसएस द्वारा बनाए गए एनएसएस ब्लड डोनर व्हाट्सएप ग्रुप पर एक मैसेज आया कि मेडिपल्स हॉस्पिटल में हृदय रोग से पीड़ित 6 वर्षीय बालक बबलू को रक्त की आवश्यकता है। उसी समय जयसूर्या ने लाइब्रेरी में पढ़ाई कर रहे 3 छात्रों प्रकाश कुमार, धर्माराम तथा सुटू परिहार को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जिससे इन तीनों छात्रों ने तुरंत मेडिपल्स पहुँचकर रक्तदान कर बच्चे के जीवन बचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

प्रो. लूंकड रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष एवं डॉ. झाला वीकर सेक्शन प्रभारी नियुक्त

कुलपति महोदय ने आदेश जारी कर रसायन विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. संगीता लूंकड़ को रसायन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। डॉ. लूंकड़ की नियुक्ति 1 दिसम्बर, 2021 से अगले तीन वर्षों तक रहेगी।

वही कला संकाय के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ललित सिंह झाला को कमजोर वर्ग के लिए कोचिंग सेन्टर का प्रभारी नियुक्त किया है।

प्रो. रैगर बने सिंडीकेट सदस्य

विश्वविद्यालय के कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. किशोरीलाल रैगर को सिंडीकेट सदस्य नियुक्त किया गया। प्रो. रैगर की नियुक्ति 1 दिसंबर से एक वर्ष के लिए की गई।

कामायनी का यह मंचन मेरे लिए अविस्मरणीय पल- प्रो.त्रिवेदी

जेएनवीयू में 'कामायनी' का अभूतपूर्व मंचन

जब तक मानव स्वत्व की भावना से ऊपर उठकर परहित के संदर्भ में सोचेगा नहीं ,तब तक आत्मस्थिति को प्राप्त नहीं कर सकता। सच्चिदानंद की प्राप्ति अपनी व्यक्तिगत सत्ता को विश्व सत्ता में निमग्न करने से ही सम्भव है।

इसी मूल मंत्र को रेखांकित करता हुआ कामायनी का रंगमंचीय प्रदर्शन थिएटर सेल के तत्त्वावधान में बृहस्पति सभागार में हुआ। मनु के रूप में अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हितेंद्र गोयल भाव को प्रदर्शित करने, संवादों के साथ न्याय करने और अपने अभिनय कौशल से उपस्थित दर्शकों के दिल तक पहुँचने में सफल रहे। श्रद्धा का किरदार निभाने वाली डॉ. नीतू परिहार, इड़ा के किरदार में नेहा रांकावत, लज्जा के किरदार में निर्मला राव और आकुली व किलात के किरदार में रमेश बोहरा और एमएस ज़ई ने अपने अभिनय से कामायनी के कथानक को मंचन के माध्यम से अभूतपूर्व तरीके से प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति ने मंचन से गद्‌गद् हो सभी अभिनेताओं की प्रशंसा की और विश्वविद्यालय प्रांगण में ऐसे ही प्रदर्शनों के लगातार मंचित होने की भी मंशा अभिव्यक्त की। अपने स्वागत उद्‌बोधन में डॉ. हितेंद्र गोयल ने कुलपति जी को यह विश्वास दिलाया कि उनके प्रयासों से नवगठित थिएटर सेल आने वाले समय में न सिर्फ नाट्य प्रदर्शन बल्कि नाट्य कार्यशालाओं के साथ-साथ नाट्य लेखन, नाट्य पठन एवं अभिनय की छोटी-छोटी बारीकियों पर कार्य करते हुए छात्रों में छिपे अभिनय कौशल को निखारने का प्रयास करेगा और विश्वविद्यालय शिक्षकों के सहयोग से और अलग-अलग रंगमंडलों के समायोजन से व्याख्यानमालाओं का भी आयोजन करेगा।

दिव्यांग से दिव्यता की ओर

विश्व एड्स और दिव्यांग दिवस

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक परिषद् छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में विश्व एड्स और दिव्यांग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम 'हौसलों की उड़ान' प्रज्ञा निकेतन छात्रावास में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और बीज वक्ता के रूप में डॉ.अरविंद माथुर ने विश्व एड्स दिवस और विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर एड्स जैसी महामारी की जानकारी दी एवं इस महामारी से बचने के साथ-साथ उपयोगी जानकारियों को साझा किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा के उदाहरणों से व्यक्ति के अंदर विद्यमान दिव्यता के बारे में बात करते हुए छात्रों को संबोधित किया। प्रज्ञा निकेतन छात्रावास की अध्यक्ष प्रो. कुसुमलता भंडारी ने दिव्यांग विद्यार्थियों की उपलब्धियों की जानकारी दी। अध्यक्षता विधि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. चंदनबाला ने की। उन्होंने अपने वक्तव्य में समस्त विद्यार्थियों को हमेशा बाधाओं से ऊपर उठकर आगे बढ़ते रहने का सन्देश दिया। इससे पूर्व छात्र सेवा मंडल की अध्यक्षा प्रो. मीना बरड़िया ने आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. हितेंद्र गोयल ने किया और कार्यक्रम का सफल संचालन सह-सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. मीता सोलंकी ने किया।

काबा और काशी भी होगा, पहले हिन्दुस्तान रखेंगे: प्रो. त्रिवेदी

युवा दिवस पर भाषण प्रतियोगिता

छात्र सेवा मण्डल की ओर से विवेकानंद की जयन्ती व राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने की। कार्यक्रम में डॉ. अर्जुन सिंह सांखला व के. के.बोराणा निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। छात्र सेवा मण्डल की अध्यक्ष प्रो. मीना बरड़िया ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. त्रिवेदी ने 'स्वामी विवेकानंद' के जीवन से अनेक प्रसंगों का उदाहरण देते हुए भारतीय संस्कृति के महत्त्व को प्रतिपादित किया। मुख्य अतिथि प्रो. संगीता लूकड़ ने युवा शक्ति के महत्त्व को बताया। कार्यक्रम में कुल 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने युवा एवं भारतीय संस्कृति के आयामों पर सुन्दर एवं प्रभावकारी प्रस्तुतियाँ दीं। प्रतियोगिता में एम.ए. राजनीति विज्ञान की आकांक्षा परिहार प्रथम, एल.एल.बी. द्वितीय वर्ष की प्रियंका सिंह नरूका एवं बी.ए. प्रथम वर्ष की उर्वी जोधा तृतीय स्थान पर रहीं। इस कार्यक्रम में छात्र सेवा मंडल की ओर से आयोजित होने वाले 'अमृतोत्सव' के पोस्टर का विमोचन किया गया।

प्रो. कौशल ने दिया जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में व्याख्यान

प्रो. सरोज कौशल ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा नवम्बर, 2021 में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'शोध की भारतीय परम्पराः सिद्धान्त एवं प्रयोग' विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. कौशल ने टीकाकारों, भाष्यकारों तथा समकालीन संस्कृत कवि परम्परा में से अनेक शोध-सूत्रों का अन्वेषण कर उनकी नवोन्मेषपूर्वक सोदाहरण व्याख्या कर नूतन दृष्टि प्रदान की।

पादप गुणसूत्र अध्ययन पर व्याख्यान एवं अभिनन्दन समारोह

वनस्पति शास्त्र विभाग में पूर्व कार्यरत एवं वर्तमान में नॉर्थ-ईस्टर्न हिल वि.वि. (नेहु) शिलोंग, (मेघालय) के प्रो. एस. रामाराव ने पादप गुणसूत्र अध्ययन विषय पर व्याख्यान दिया। वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता अरोडा ने प्रो. राव के थार डेजर्ट व अन्य पादपों के साइटोजेनेटिक्स में किए गये उल्लेखनीय कार्यों का विस्तृत वर्णन करते हुए उनका स्वागत किया। प्रो. रामाराव ने छात्रों को स्किल डेवलपमेन्ट के लिये गुणसूत्र संरचना संख्या केरियोटाइप एवं बहुगुणिता का सावधानी, धैर्य एवं लगन से अध्ययन करने पर जोर दिया। प्रो. पवन कुमार कसेरा, अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय एवं प्रो. एच.आर. डागला ने प्रो. एस. रामा राव को साफा व स्मृति चिन्ह से स्वागत किया। प्रो. प्रवीण गहलोत ने मंच संचालन एवं प्रो. भाना राम गाडी ने आभार जताया।

विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण व्यवस्था हो - प्रो. त्रिवेदी

सायंकालीन अध्ययन संस्थान में आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि अच्छी कार्यप्रणाली व्यक्ति की सोच पर निर्भर करती है तथा नई शिक्षा नीति के माध्यम से सांयकालीन अध्ययन संस्थान बड़ी भूमिका निभा सकता है। सायंकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. के.ए. गोयल ने संस्थान की गतिविधियों से परिचित करवाया और कहा कि संस्थान परिसर में अध्ययन-अध्यापन का वातावरण बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

फीस रिफंड वाट्सऐप हैल्पलाइन सेवा प्रारम्भ

विश्वविद्यालय की ओर से फीस रिफंड के संदर्भ में एक वाट्स ऐप हैल्पलाइन सेवा प्रारम्भ की गई है। यह सेवा कार्य दिवसों में 10 बजे से 5 बजे तक उपलब्ध रहेगी। इसका नम्बर है 9571422993 छात्रों की कठिनाई को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय की ओर से इस सेवा को प्रारम्भ किया गया है।

प्रो. बरड़िया ने संभाला छात्र सेवा मण्डल का कार्यभार

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में सह-शैक्षणिक एव सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से सर्वांगीण विकास हेतु संचालित छात्र सेवा मण्डल की गतिविधियों को सक्रियता देने हेतु कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने लोक प्रशासन विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. मीना बरड़िया को छात्र सेवा मण्डल का चेयरमैन नियुक्ति किया। सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत ने बताया कि प्रो. बरड़िया ने छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। प्रो. बरड़िया ने बताया कि इस वर्ष आयोजित होने वाली सभी गतिविधियाँ आजादी के अमृत महोत्सव थीम पर केन्द्रित रहेगी जिससे विद्यार्थियों में देश के गौरवपूर्ण इतिहास के प्रति जागरूकता के साथ-साथ जुड़ाव महसूस हो।

छात्र सेवा मण्डल की ओर से 'अमृतोत्सव' के अंतर्गत हुए कई कार्यक्रम

छात्र सेवा मण्डल की ओर से 'अमृतोत्सव' का हिंदी व अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता द्वारा शुभारम्भ हुआ। हिन्दी व अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के आरंभ में छात्र सेवा मण्डल की अध्यक्ष प्रो. मीना बरड़िया ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था- **'भारत की पहचान भारतीयता से ही संभव है'।** प्रतियोगिता में कुल 62 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायकगण जयेश भंडारी व सोनीला गौड थे जो कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र है। छात्र सेवा मण्डल से राष्ट्रीय स्तर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता जीत चुके हैं। हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता में श्रद्धा शर्मा प्रथम, यीशु चौहान द्वितीय व यश थानवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था- **'To preserve Independence is more difficult than getting Independence'** इस प्रतियोगिता में कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायकगण के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के मोहित जीनगर तथा राजकीय महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. प्रवीण मौजूद थे। प्रतियोगिता में प्रियंका सिंह नरूका प्रथम, दीक्षिता सोनी द्वितीय तथा आकांक्षा परिहार व श्रद्धा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कविता एवं आशु भाषण प्रतियोगिताएं

सांस्कृतिक सप्ताह अमृतोत्सव के दूसरे दिन हिंदी कविता वाचन, अंग्रेजी कविता वाचन एवं आशुभाषण प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। आभासी मंच से हिंदी और अंग्रेजी कविता वाचन में 106 विद्यार्थियों ने भाग लिया। दोनों ही कविता वाचन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने माँ, प्रकृति, देश, शिक्षा, समाज, जीवन, जल, मानव, प्रेम, देवता, आधुनिकता जैसे विषयों पर प्रस्तुतियाँ दीं। अंग्रेजी कविता वाचन प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित

अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. कल्पना पुरोहित ने विद्यार्थियों को संबोधित कर उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में अनुष्का प्रथम, प्रियंका सिंह नरूका द्वितीय और हर्षिता भाटी तृतीय रहे। निर्णायक डॉ. नूतन वर्मा (महाराष्ट्र) और डॉ. रश्मि थीं। हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में कला एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. किशोरी लाल रैगर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। प्रतियोगिता में यश थानवी प्रथम, हर्षिता भाटी व सौम्या जोशी द्वितीय और मनीष चारण तृतीय रहे। निर्णायक केएन कॉलेज की पूर्व निदेशक प्रो. कैलाश कौशल एवं कवि राम अकेला थे। आभासी मंच पर 34 विद्यार्थियों ने आशुभाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में नीलम कंवर प्रथम, हर्षिता भाटी द्वितीय व पुलकित सुराणा तृतीय रहे। निर्णायक डॉ. अरुण व्यास और डॉ. माया चौधरी थे।

सामान्य ज्ञान व नृत्य प्रतियोगिता सम्पन्न

सांस्कृतिक सप्ताह 'अमृतोत्सव' के तीसरे दिन लोक नृत्य एवं शास्त्रीय नृत्य के साथ साथ सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी की प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुईं। शास्त्रीय व लोक नृत्य प्रतियोगिता में कुल 52 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में प्रसिद्ध नृत्यांगना रेखा बालर व उर्मी मुखर्जी निर्णायक के रूप में रहीं।

शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में नाव्यांजली अग्रवाल ने प्रथम, कृतिका ने द्वितीय तथा कविता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोक नृत्य प्रतियोगिता में भाविका राठौड ने प्रथम, तनीषा गहलोत ने द्वितीय तथा विकास लखारा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ. भूमिका द्विवेदी व डॉ. मीता सोलंकी ने प्रतियोगिता का संचालन किया तथा छात्र सेवा मण्डल के सचिव डॉ. जालम सिंह रावलोत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 180 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन आवेदन किया, जिनका 30 सवालों द्वारा ऑनलाइन स्क्रीनिंग टेस्ट हुआ। स्क्रीनिंग में 13 प्रतिभागियों का चयन हुआ, जिनको जूम प्लेटफॉर्म पर 5 राउण्ड में सामान्य ज्ञान विज्ञान के साथ-साथ विजुअल इमेजेस से संबंधित प्रश्न पूछे गये। प्रतियोगिता में किशना राम प्रथम, रमेश कुमार द्वितीय और घनश्याम जाखड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में प्रो. सतीश हरित थे।

कैनवास पर उतरे आजादी के रंगः 'अमृतोत्सव' के चौथे दिन हुई ललित कला प्रतियोगिताएं

'अमृतोत्सव' के चौथे दिन ऑन स्पॉट पेंटिग व कोलाज मेकिंग प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई। ऑन स्पॉट पेंटिग का विषय 'आजादी की ओर' तथा कोलाज मेकिंग का विषय 'जे. एन.वी.यू. मेरा घर' और 'कोरोना' था। इन विषयों पर कुल 82 प्रतिभागियों ने रंगों के माध्यम से अपनी कला को कैनवास पर उतारा। कोविड परिस्थिति और प्रतिभागियों

की संख्या को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगिता के केन्द्र कमला नेहरू महिला महाविद्यालय तथा ललित कला विभाग, विश्वविद्यालय नया परिसर रखे गये।

ललित कला विभाग में प्रतियोगिता का संचालन डॉ. रेनू शर्मा तथा डॉ. ऋतु जौहरी ने किया तथा छात्र सेवा मण्डल की अध्यक्ष प्रो. मीना बरड़िया ने छात्राओं को छात्र सेवा मण्डल के बारे में बताया तथा प्रतियोगिता के नियम समझाए। कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में छात्र सेवा मण्डल के सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. हितेन्द्र गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत कर छात्र सेवा मण्डल के बारे में बताया तथा डॉ. मीता सोलंकी और डॉ. नम्रता स्वर्णकार ने प्रतियोगिता का संचालन किया। प्रतियोगिता के संचालन में विशेष सहयोग छात्र सेवा मण्डल के वरिष्ठ लिपिक ओमप्रकाश शर्मा व कम्प्यूटर ऑपरेटर तेजस चौहान का रहा। प्रतियोगिता का परिणाम सांस्कृतिक सप्ताह के अंतिम दिन घोषित किया जाएगा।

'अमृतोत्सव' के पाँचवें दिन कुल 7 प्रतियोगिताएं सम्पन्न

'अमृतोत्सव' के पाँचवें दिन रंगमंच संबंधी एकल अभिनय, मूकानिभय, संवाद अदायगी और मिमिक्री प्रतियोगिताएं छात्र सेवा मण्डल, कार्यालय, पुराना परिसर में सम्पन्न हुई। इन प्रतियोगिताओं में कुल 30 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अमनसिंह सिसोदिया मौजूद रहे। रंगमंचीय प्रतियोगिताएँ प्रो. जयश्री वाजपेयी के निर्देशन में सम्पन्न हुईं। एकल अभिनय प्रतियोगिता में यिक्षु कुमारी चौहान प्रथम, कशिश अग्रवाल व दिव्या चौहान द्वितीय और रामरश्मी सोमानी व प्रेमा तृतीय स्थान पर रहे। मिमिक्री प्रतियोगिता में दिव्या चौहान व तनीशा गहलोत प्रथम तथा खुश तिवारी द्वितीय स्थान पर रहे। मूकाभिनय प्रतियोगिता में यिक्षु कुमारी चौहान प्रथम, खुश तिवारी द्वितीय और दिव्या चौहान तृतीय स्थान पर रहे।

संवाद अदायगी प्रतियोगिता में विदेही प्रथम, रितिका चौधरी द्वितीय और रामरश्मी सोमानी तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में प्रसिद्ध रंगकर्मी रमेश नामदेव भाटी और मज़ाहिर सुल्तान ज़ई मौजूद थे। संयोजन और संचालन डॉ. हितेंद्र गोयल और डॉ. मीता सोलंकी ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन सचिव डॉ. जालम सिंह रावलोत ने दिया। यह प्रतियोगिता डॉ. स्वाति शर्मा तथा डॉ. गौरव शुक्ल के निर्देशन में सम्पन्न हुई।

प्रतियोगिता में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के संगीत विभाग से डॉ. हर्षित तथा खालसा कॉलेज, पटियाला से डॉ. कुलदीप कुमार निर्णायक के रूप में उपस्थित थे। प्रतियोगिता में वैभव व्यास ने प्रथम, भूमिका सेवई ने द्वितीय तथा सेजल सोनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग व कार्टून मेकिंग प्रतियोगिता कमला नेहरू महिला महाविद्यालय व ललित कला विभाग, नया परिसर में सम्पन्न हुई। पोस्टर मेकिंग का विषय 'ऑनलाइन एजुकेशन सिस्टम' और 'रोल ऑफ मीडिया इन डिजिटल एराः कोरोना एण्ड नेचर' था। कार्टून मेकिंग का विषय था- 'न्यू एजुकेशन पॉलिसी' और 'माय ड्रीम इण्डिया'। इन प्रतियोगिताओं में कुल 34 प्रतिभागियों ने रंगों के माध्यम से अपनी कल्पना को उकेरा। डॉ. रेनू शर्मा ने नया परिसर केन्द्र

तथा डॉ. नम्रता स्वर्णकार ने कमला नेहरू महाविद्यालय में प्रतियोगिता का संचालन किया।

अमृतोत्सव का समापन (10 प्रतियोगिताओं का आयोजन)

अमृतोत्सव के अंतिम दिन संगीत व ललित कला संबंधी कुल 10 प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई। लोक गीत, शास्त्रीय गीत व सुगम संगीत प्रतियोगिता वर्चुअल माध्यम से सम्पन्न हुई तथा रंगोली, मांडणा, मेहन्दी, क्ले मॉडलिंग व फोटोग्राफी प्रतियोगिताएं छात्र सेवा मण्डल, कार्यालय पुराना परिसर में सम्पन्न हुई। लोक गीत प्रतियोगिता में कुल 34 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। यह प्रतियोगिता डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित के निर्देशन में सम्पन्न हुई। इन प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में डॉ. ममता व डॉ. मीनाक्षी बोराणा उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में प्रिया ने प्रथम, विक्रम द्वितीय, वनिता रंग तथा महबूब खान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ. हेमलता जोशी ने इन प्रतियोगिताओं का संचालन किया। शास्त्रीय व सुगम संगीत प्रतियोगिता डॉ. स्वाति शर्मा के निर्देशन में सम्पन्न हुई। इन प्रतियोगिताओं में कुल 32 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रसिद्ध संगीतज्ञ डॉ. शैला माहेश्वरी व श्रीमती आभा माथुर इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में उपस्थित रहें। प्रसिद्ध संगीतज्ञ पं. मुकुंद क्षीरसागर विशिष्ट अतिथि थे। सुगम संगीत प्रतियोगिता में विक्रम प्रथम, मिलन व्यास द्वितीय तथा टीकमदान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में सुरेन्द्र पंवार ने प्रथम, विक्रम ने द्वितीय तथा वसुंधरा व्यास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेंहन्दी प्रतियोगिता डॉ. अंजु अग्रवाल, डॉ. मीनाक्षी मीणा व डॉ. आशा राठी के निर्देशन में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता में कुल 14 प्रतिभागियों ने सहभागिता की जिसमें भाविका प्रथम, शिवानी द्वितीय व विमला तृतीय स्थान पर रहीं। इन प्रतियोगिता के निर्णायक सुश्री यामिनी व उर्वशी थीं। रंगोली, मांडणा, क्ले मॉडलिग प्रतियोगिता का विषय 'फ्रीडम' और 'माय फैमेली' तथा फोटोग्राफी का विषय - बर्ड और इमोशन था। ललित कला संबंधी प्रतियोगिता डॉ. रेणु शर्मा, डॉ. नम्रता स्वर्णकार के निर्देशन में सम्पन्न हुईं। छात्र सेवा मण्डल की अध्यक्ष प्रो. मीना बरड़िया ने सबका स्वागत किया। इन प्रतियोगिताओं का संचालन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. हितेन्द्र गोयल व सांस्कृतिक सह-समन्वयक डॉ. मीता सोलंकी द्वारा किया गया। मण्डल के सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्वविद्यालय ने मनाया संविधान दिवस

विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय में विश्वविद्यालय परिवार ने संविधान दिवस मनाया गया। कुलपति ने उपस्थित शिक्षक, कर्मचारी एवं गणमान्य व्यक्तियों को संविधान की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय सिंडिकेट सदस्य, कुलसचिव, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी मौजूद रहें।

प्रो. के. आर. पटेल भौतिक शास्त्र विभागाध्यक्ष नियुक्त

विज्ञान संकाय के भौतिक शास्त्र विभाग में प्रो. (डॉ.) खरता राम पटेल को आगामी तीन वर्ष के लिए विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया हैं। विश्वविद्यालय में प्रो. के. आर. पटेल विभिन्न अकादमिक व प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रो. के. आर. पटेल वर्तमान में यूसिक के निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक का कार्यभार भी देख रहे हैं। प्रो. के. आर. पटेल को शैक्षणिक व शोध कार्य का 25 वर्ष का अनुभव हैं। इनके शोध कार्य का प्रकाशन ख्यातप्राप्त जर्नल में हो चुका हैं। इन्होंने 30 से अधिक राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर की कांफ्रेंस में भाग लेकर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया हैं।

एमबीएम के 15 छात्रों का कैंपस से चयन

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के 15 छात्रों का चयन स्किलरॉक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड में हुआ। इनमे से पांच छात्रों का चयन सॉफ्टवेयर इंजीनियर ट्रेनी के पद पर आठ लाख के सालाना पैकेज पर हुआ। इनके नाम अंकित सिंह राठौड़, निधि जैन, ऐश्वर्या भूत्रा, माधव माहेश्वरी, श्वेता भट्टर हैं। दस छात्रों का चयन एसोसिएट सॉफ्टवेयर इंजीनियर ट्रेनी के पद पर 6 लाख के पैकेज पर हुआ। छात्र हैं: हिमाद्रि अपूर्वा, विशाल खंडेलवाल, गौरव सिंह जादौन, सेजल राठौर, प्रियंका, अक्षय जोशी, सिद्धार्थ शर्मा, रुद्राणी राखेचा, हेमंत सिंह सोलंकी, शोभा रामावत।

कबीर की साखियों और वाणी में जीवन का यथार्थ: डॉ. दास

विश्वविद्यालय के संगीत विभाग और प्रौढ़ शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन संगीत विभाग के व्याख्यान कक्ष में आयोजित किया गया। कबीर आश्रम माधोबाग के गादीपति डॉ. रूपचंद्र दास ने कहा कि कबीर की साखियों और वाणी में जीवन का यथार्थ है। ये समाज को नई दिशा देते है।

संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. स्वाति शर्मा ने डॉ. रूपचंद्र दास का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में प्रौढ़ शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. ओ.पी. टाक ने कबीर के साहित्य को विद्यार्थी जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

केएन कॉलेज में बी.कॉम. छात्राओं का आमुखीकरण

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में बी. कॉम. प्रथम वर्ष व बी.कॉम. द्वितीय वर्ष की छात्राओं का आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्राओं को प्रशासनिक तैयारियों के टिप्स दिए गए। मुख्य अतिथि रिटायर्ड आईएएस डॉ. महेन्द्र सुराणा ने कहा कि छात्राओं को अभी से तैयारी शुरु कर देनी चाहिए और समसामयिक घटनाक्रम से जुड़ी खबरों को पढ़ना-सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए जुनून जरूरी है, बिना संकोच नई चीजों को सीखें। विशिष्ट अतिथि विधि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. चंदन बाला ने विलियम शेक्सपीयर के कथन फ्रायल्टी दाई नेम इज वुमन को चैलेंज के साथ आगे बढ़ने की सफलता का मंत्र बताया। अपने उद्‌बोधन में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने व्यक्ति को लगातार सीखते रहने और मन में शांति रखने की बात को सफलता का राज बताया। कॉलेज निदेशक प्रो. संगीता लूंकड ने अतिथियों का स्वागत किया।

ऑल इंडिया बोटैनिकल कॉन्फ्रेंस संपन्न

विवि ने पहली बार की इसकी मेजबानी - कुलपति

वनस्पति शास्त्र विभाग में 18 से 20 अक्टूबर तक 'दी इंडियन बोटैनिकल सोसाइटी' के बैनर तले "Plant Science Research in Present Scenario: Opportunities & Challenges" विषयक 44 वीं ऑल इंडिया बोटैनिकल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रवीण चंद्र त्रिवेदी के अनुसार ये पहला अवसर है जब जोधपुर में इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया है। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रोफेसर के.आर. शिवन्ना थे। इस अवसर पर आईबीएस के प्रेसिडेंट प्रोफेसर डी.के. माहेश्वरी, वाईस-प्रेसिडेंट डॉ. टी.एस. राणा, सेक्रेटरी प्रो. सेषु लवाणिया, वनस्पतिशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुनीता अरोड़ा मंचासीन रहे। इस अवसर पर वनस्पतिशास्त्र विभाग के समस्त सेवानिवृत्त प्रोफेसर्स को उनके द्वारा किये गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. त्रिवेदी के सम्मान में विभिन्न वनस्पतिशास्त्रियों द्वारा लिखी गयी आठ पुस्तकों का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

कुलपति त्रिवेदी ने किया भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण व शुष्क अंचल क्षेत्रीय केंद्र का दौरा

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने 22 नवंबर को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के शुष्क अंचल क्षेत्रीय केंद्र का दौरा किया। वैज्ञानिक-ई तथा कार्यालय अध्यक्ष डॉ. एस.एल. मीना ने प्रो. त्रिवेदी को संस्थान में संचालित हो रहे शोध कार्यों की जानकारी दी। प्रो. त्रिवेदी ने संस्थान के उद्यान, पादपालय, पुस्तकालय एवं संग्रहालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर प्रो. त्रिवेदी द्वारा दुर्लभ एवं संकटग्रस्त पादप प्रजाति मोरिंगाकोन्कनेंसिस के पौधे का उद्यान में रोपण किया गया। अवलोकन के पश्चात् आयोजित बैठक में प्रो. त्रिवेदी ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के मध्य एमओयू की आवश्यकता बताई जिससे शोध के क्षेत्र में दोनों संस्थान मिलकर कार्य कर सके।

डॉ. खीची वाणिज्य संकाय अधिष्ठाता नियुक्त

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति महोदय ने एक आदेश जारी कर व्यापार, वित्त एवं अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. डूंगर सिंह खीची को वाणिज्य एवं प्रबंधन अध्ययन संकाय के अधिष्ठाता के पद पर नियुक्त किया है।

प्रो. के.ए. गोयल बने सायंकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक

कुलपति ने आदेश जारी कर बिजनेस, फाइंनेंस एंड इकॉनामी के प्रोफेसर कृष्ण अवतार गोयल को सायं-कालीन अध्ययन संस्थान का निदेशक नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति अगले आदेश तक रहेगी।

डॉ. माहेश्वरी पीजी गर्ल्स हॉस्टल वार्डन नियुक्त

विश्वविद्यालय के नया परिसर में स्थित पीजी गर्ल्स हॉस्टल के वार्डन के पद पर हिन्दी विभाग की सहायक आचार्या डॉ. कीर्ति माहेश्वरी को नियुक्त किया गया। डॉ. माहेश्वरी की नियुक्ति अगले आदेश तक रहेगी। डॉ. माहेश्वरी को निवर्तमान हॉस्टल वार्डन डॉ. रेणू शर्मा के स्थान पर नियुक्त किया गया।

प्रो. कौशल ने गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में दिया व्याख्यान

'भारतीय दर्शन एवं समकालीन साहित्य परम्परा' विषय पर संस्कृत विभाग की प्रो. सरोज कौशल ने मानव संसाधन विकास केन्द्र, हिसार में पुनश्चर्या कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

प्रो. कौशल ने भारतीय दर्शन तथा समकालीन संस्कृत साहित्य में अध्यात्म तथा व्यक्तित्व विकास के सम्बन्ध में अनेक सूत्रों का अन्वेषण कर नूतन शैली से विषय का प्रस्तुतिकरण किया।

प्रो. कौशल का ब्लॉग हुआ प्रकाशित

राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के द्वारा कालिदास जयन्ती के अवसर पर प्रो. सरोज कौशल का ब्लॉग प्रकाशित किया गया। इस ब्लॉग को अब तक दो हजार से अधिक व्यूज प्राप्त हो चुके हैं।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए एनएसएस-जेएनवीयू के पाँच स्वयंसेवकों का चयन

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड 2022 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना-जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की इकाई से पाँच स्वयं सेवकों का चयन हुआ। चयनित पाँच स्वयं सेवक क्रमशः जयसूर्या, गिरीराज, भवानी सिंह, चन्द्रिका एवं दिव्या विश्नोई को चयनित किया गया है। राजस्थान से चयनित एनएसएस के 30 छात्र व 30 छात्राओं में से जेएनवीयू जोधपुर के कुल 5 स्वयंसेवक हैं। इस परेड के लिए सभी स्वयं सेवकों का दस दिवसीय प्रशिक्षण 18 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक बियानी कॉलेज ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट कॉलेज कलवर, जयपुर में होगा।

प्रो. सरोज कौशल ने अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुरुक्षेत्र में दिया व्याख्यान

प्रो. सरोज कौशल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में छठी अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गीता में आदर्श मानव की परिकल्पना' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. कौशल ने श्रीमद्भगवद्गीता के लोकसंग्रह, स्थितप्रज्ञ, कर्मयोग, भक्तियोग तथा ज्ञानयोग आदि अनेक अवधारणाओं की व्याख्या करते हुए गीतोक्त आदर्श मानव की प्रभावी स्थापना की। द्वादश अध्याय में ''यो मे भक्तः स मे प्रियः'' इसके अन्तर्गत श्री कृष्ण ने जिन गुणों का गान किया है वे समस्त गुण मानव को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करते हैं।

'वसीयत एवं वसीयत का डिजिटिलाईजेशन' पर व्याख्यान

विश्वविद्यालय के विधि संकाय में एमिटी ऑफ लॉ, एमिटी विश्वविद्यालय, जयपुर की प्रो. सरोज बोहरा का 'वसीयत एवं वसीयत का डिजिटिलाईजेशन' विषय पर व्याख्यान संकाय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया। प्रो. बोहरा ने वसीयत के प्रकार एवं महामारी के समय में वसीयत से सम्बन्धित कानून में समयोचित परिवर्तन करने के लिए सुझाव पर गहन चर्चा कर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को भी संतुष्ट किया। संकाय अधिष्ठाता प्रो. चंदनबाला ने डॉ. सरोज बोहरा का स्वागत किया। व्याख्यान में डॉ. पुष्पेन्द्र मूसा, डॉ. शीतल प्रसाद मीना एवं अधिवक्ता डॉ. एकलव्य भंसाली उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निधि संदल ने किया।

विधि संकाय में मानवाधिकारों पर विचार गोष्ठी संपन्न

विधि संकाय में मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधि संकाय के पूर्व प्रो. सुरेश मेहता ने की। विधि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. चंदनबाला एवं प्रो. सुरेश मेहता ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा मानव अधिकारों से सम्बन्धित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय विधि से संबंधित दस्तावेजों एवं प्रावधानों की चर्चा की। विधि संकाय के शिक्षक डॉ. शीतल प्रसाद मीना ने जनजातियाँ एवं मानवाधिकार विषय पर अपने विचार रखे। डॉ. दलपत सिंह ने मानव अधिकार, कर्त्तव्य एवं नैतिकता के परस्पर सम्बन्धों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विधि के विद्यार्थियों रामू दुबे, भावना चौधरी, तान्या करेल, प्रज्ञा, जाह्नवी सोनी, मधुराज, आदित्य आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। अध्यक्षता कर रहे प्रो. मेहता ने विधि के विद्यार्थियों को विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विधि के विद्यार्थी समाज को बदलने की ताकत रखते हैं।

कार्यक्रम में डॉ. विनोद कुमार बागोरिया, डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार मूसा, डॉ. कुचेटाराम एवं डॉ. विनोद कुमार मीना उपस्थित रहे। प्रो. सुनील आसोपा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. निधि संदल ने किया।

पत्रिका स्थापना दिवस पर छात्र सेवा मंडल में संभाषण प्रतियोगिता

राजस्थान पत्रिका, जोधपुर संस्करण के 43वें स्थापना दिवस के मौके पर छात्र सेवा मंडल, जयनारायण व्यास

विश्वविद्यालय एवं राजस्थान पत्रिका के संयुक्त तत्त्वावधान में 15 दिसंबर को "मेरे सपनों का जोधपुर" विषयक संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन वाणिज्य संकाय के पीजी पुस्तकालय, पुराना परिसर में किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कहा कि सपनों का शहर कोई भी हो सकता है, लेकिन अपनों का शहर जोधपुर ही होगा। उन्होंने शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ भविष्य में विकास का खाका खींचा। मुख्य अतिथि वाणिज्य संकाय अधिष्ठाता व जेएनवीयू शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो. डूंगर सिंह खींची ने कहा कि भौतिक विकास के साथ सांस्कृतिक विकास भी जरूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छात्र सेवा मंडल की अध्यक्षा प्रो. मीना बरडिया ने मंडल की गतिविधियों की जानकारी दी। प्रतियोगिता में यश थानवी-प्रथम, नायब खान-द्वितीय, दीक्षिता सोनी व जोगराज सिंह-तृतीय रहे। उर्मिला बंता व विवेक खीरिया को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

सम्पादक मण्डल

प्रधान संरक्षक

प्रो. (डॉ.) प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी

कुलपति

प्रधान सम्पादक

प्रो. सरोज कौशल

संस्कृत विभाग

ले-आउट

महेश आचार्य (क्रिएशन पॉइण्ट)

मनीष प्रजापत

जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय सदस्य

मुकेश सक्सेना

दीपक दवे

प्रकाशक

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,

जोधपुर

Coronavirus Safety and Precaution

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति • अंक: 13 • माह:अप्रैल • वर्ष: 2017

कुलपति प्रो.आर.पी. सिंह का दो वर्ष का कार्यकाल पूरा

'जिंदगी में सफलता के लिए अनुशासन नितांत आवश्यक'

भाग में उच्च शिक्षा के से बड़े केन्द्र जोधपुर जयनारायण व्यास श्वविद्यालय में लपति के पद पर फेसर डॉ. आर.पी. ंह का दो वर्ष का ार्यकाल 5 मई 2017 को पूरा हुआ। ी.सिंह का कुलपति के द अब तक का ार्यकाल कैसा रहा और विश्वविद्यालय की त्तरोत्तर वृद्धि के लिए उनकी क्या योजना है? डिजिटल एज्यूकेशन के इस दौर में तकनीक के रूप में छात्र–छात्राओं को अधिक से अधिक सुविधाएं और अवसर पर उपलब्ध कराने सहित कई मुद्दों पर विश्वविद्यालय के मुखपत्र परिसर समाचार की संपादकीय टीम ने विशेष बातचीत की। प्रस्तुत है परिसर की संपादकीय प्रभारी प्रोफेसर (डॉ) पूनम बावा, उप संपादक अजय अस्थाना एवं अचलसिंह मेड़तिया के साथ माननीय कुलपति की बातचीत के मुख्य अंश:

कुलपति के पद पर दो वर्ष के कार्यकाल की मुख्य रूप से क्या उपलब्धि मानते हैं?

-प्रथम तो परिसर टीम का आभार। उम्मीद है कि विश्वविद्यालय का यह मुख पत्र ऐसे ही नियमित रूप से विश्वविद्यालय गतिविधियों एवं उपलब्धियों को प्रकाशित करता रहेगा। बात दो वर्ष की उपलब्धियों की करें तो शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को साथ लेकर विश्वविद्यालय को नए आयाम पर स्थापित करने की कोशिश की गई है। दीक्षांत समारोह, स्थापना दिवस समारोह के साथ गांवों को गोद लेकर उसके सर्वांगीण विकास के कार्य उसी कड़ी का हिस्सा है।

विश्वविद्यालय का विस्तार हुआ है, ऐसे में किस प्रकार की चुनौतियां देखते हैं?

-निःसंदेह हमारा विश्वविद्यालय अब संभाग स्तर का हो चुका है। संबद्ध महाविद्यालयों की संख्या में इजाफा होने से काम काफी बढ़ा है। स्टाफ की कमी होने से कई बार परेशानी होती है लेकिन इसका भी निराकरण हो जाएगा। परीक्षाओं में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना काफी चुनौतीपूर्ण कार्य है। गत दिनों एक महाविद्यालय में बड़े स्तर पर परीक्षा में नकल का मामला सामने आने के बाद हमने तत्काल प्रभाव से परीक्षा केन्द्र ही निरस्त कर दिया। जहां ज्यादा नकल के मामले दर्ज होते हैं, ऐसे केन्द्रों को भी दण्डित करने पर विचार किया जा रहा है। परीक्षा व्यवस्थाओं में काफी सुधार किया जा रहा है।

देशभर में शैक्षणिक व्यवस्थाएं ई-लर्निंग व ई-एज्यूकेशन की ओर अग्रसर है, जेएनवीयू में इसके लिए क्या योजना है?

- विश्वविद्यालय की भी योजना है कि अब हमारे विद्यार्थी

परिसर समाचार ने की खास बातचीत

स्मार्ट क्लास में अध्ययन करें। स्मार्ट कक्षाओं के साथ ही रूसा प्रोजेक्ट के तहत पुस्तकालयों को भी बेहतर बनाने की योजना है। विशेष रूप से वाणिज्य संकाय पुस्तकालय का जीर्णोद्धार किया जाएगा। हमारा प्रयास है कि ई-एज्यूकेशन के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया जाए। प्रयास करेंगे कि विश्वविद्यालय के शिक्षक भी डिजिटल व ई-एज्यूकेशन को आत्मसात करें और स्वयं को अपडेट रखें।

बहुप्रतिष्ठित रूसा प्रोजेक्ट के तहत काफी विकास कार्य प्रस्तावित हैं, इसको लेकर आगे की कोई योजना?

- रूसा से विश्वविद्यालय को लगभग बीस करोड़ रूपए मिला है। इसमें से पांच करोड़ रूपए पहले प्राप्त हो गए थे। इसके संदर्भ में काफी त्वरित गति से कार्य कर रहा है। इसके तहत विभागों में जरूरी उपकरण खरीदे जा रहे हैं। विशेष रूप से साइंस व इंजीनियरिंग के लिए जरूरी उपकरणों की खरीद की जाएगी। साथ ही दो ऑडिटोरियम को विकसित किया जा रहा है। यह पांच करोड़ के कार्य हो जाते हैं तो इसके बाद महिलाओं एवं छात्राओं के लिए प्रसाधनों व सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

नव स्वीकृत उद्यमिता एवं विकास कौशल केन्द्र को लेकर क्या प्लानिंग है?

-विश्वविद्यालय को उद्यमिता एवं कौशल विकास केन्द्र की मंजूरी मिल गई है। इसके लिए केन्द्र सरकार ने 70 लाख रूपए का बजट स्वीकृत किया है। इसका कार्य शीघ्र ही आरंभ कर कक्षाएं भी आगामी जुलाई से आरंभ कर दी जाएगी। केन्द्र में सिलाई, कढ़ाई, ऑटोमोबाइल, मोबाइल रिपेयरिंग, प्लंबरिंग, हाउस होल्डिंग की मशीनों की मरम्मत सहित अन्य कई प्रकार के शॉर्टटर्म व लोंगटर्म कोर्स प्रारंभ करने की योजना है। इन कोर्सेज को करने के बाद विद्यार्थियों के पास रोजगार के अवसर होंगे। वैकल्पिक तौर पर केन्द्र एक बार मैनेजमेंट विभाग परिसर में प्रारंभ किया जायेगा, बाद में इसका पृथक भवन होगा।

शैक्षणिक व अशैक्षणिक कार्मिकों के रिक्त पदों की प्रक्रिया कब आरंभ होगी?

-विश्वविद्यालय में रिक्त पदों पर नियुक्ति को लेकर कटिबद्ध हूँ। इसके लिए विश्वविद्यालय की विभिन्न वैधानिक समितियों में ऑर्डिनेंस में जरूरी संशोधन करवाकर प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिया गया है। साथ में रोस्टर सिस्टम भी बना दिया गया है। नियुक्तियां पारदर्शी व प्रभावशाली हो, इसके लिए इस बार लिखित परीक्षा आयोजित करने का निर्णय किया गया है। लिखित परीक्षा के आधार पर ही वरीयता सूची बनाई जाएगी। इसके आधार पर ही नियुक्तियां की जाएंगी। इसके लिए प्रशासनिक तैयारियां कर ली गई हैं। आगामी चार से छह माह के मध्य नई नियुक्तियां कर दी जाएंगी।

विद्यार्थियों के लिए क्या विशेष हो रहा है?

छात्र-छात्राओं को प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए विश्वविद्यालय प्लेटफार्म उपलब्ध करवाएगा। इसके लिए युवा महोत्सव आयोजित करने की योजना है। विवि ने साउथ एशियन यूथ फेस्टिवल व वेस्टर्न जोन यूथ फेस्टिवल के लिए एप्लाई किया हैं। इस सत्र से हर टॉपर को चांसलर मेडल प्रदान किए जाएंगे। कुलाधिपति एवं राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार विवि को कैशलेस करने की प्रक्रिया चल रही है। सबकुछ ऑनलाइन हो रहा हैं, पूरे कैम्पस को वाई-फाई व ऑनलाइन किया गया है।

सफलता के लिए विद्यार्थियों को संदेश

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच के साथ परिश्रम करना चाहिए। नियमित अध्ययन के साथ ही प्रतिस्पर्द्धा के इस दौर में विद्यार्थियों को कॅरिअर के प्रति भी चिंतित रहना होगा। उसी के अनुरूप कड़ा परिश्रम करना होगा। जिंदगी में सफलता के लिए अनुशासन नितांत आवश्यक है। अनुशासन, परिश्रम व उद्देश्य तीन ऐसे शब्द हैं जो विद्यार्थियों को आत्मसात करने होंगे। इन्हीं को लक्ष्य मानकर आगे बढ़ना होगा, तभी वो मंजिल तक पहुंच पाएगा।

कुलपति प्रो.सिंह नैक व सीईसी में सदस्य मनोनीत

कुलपति प्रो आरपी सिंह अनेक उच्च स्तरीय शैक्षणिक संस्थाओं में सदस्य हैं। हाल ही में शैक्षिक संचार संकाय नई दिल्ली की गवर्निंग बॉडी एवं जनरल बॉडी में उन्हें बतौर सदस्य नामित किया गया है। इसी प्रकार नैक में भी जनरल बॉडी एवं गवर्निंग बॉडी में सदस्य मनोनीत किया गया हैं। इसके लिए परिसर की संपादक प्रोफेसर पूनम बावा, उप संपादक अजय अस्थाना व अचलसिंह मेड़तिया ने कुलपति को बधाई दी।

समाज में महिलाओं की स्थिति मजबूत हो-न्यायाधिपति डॉ. भाटी

जेएनवीयू के महिला अध्ययन केन्द्र द्वार 29-30 मार्च, 2017 दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक महिला सशक्तिकरण लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय: एक वैश्विक परिपेक्ष्य था।

मुख्य अतिथि माननीय न्यायधिपति डॉ. पुष्पेन्द्र भाटी ने माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला [illegible] कि कानून किस तरह महिला सशक्तिकरण में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। इसी के साथ वैश्विक परिदृश्य में महिलाओं की स्थिति से अवगत कराया, तथा महिला सशक्तिकरण के विभिन्न उदाहरण देते हुए समाज में महिलाओं की स्थिति को मजबूत कैसे किया जाए इसकी जानकारी प्रदान की। प्रो. एल.एस राठौड़ ने बोध धर्म में महिलाओं की स्थिति, मनु स्मृति में स्त्रियों की स्थिति की व्याख्या की तथा महिलाओं को समाज की मुख्य धारा में शामिल होने की बात कही तथा जब तक महिला का विकास पूर्ण रूप से नहीं हो सकता तब तक महिलाएँ स्वयं अपने आप को आगे नहीं लायेंगी। प्रो. रश्मी श्रीवास्तव ने इस सेमिनार में अपने लम्बे शैक्षणिक अनुभवों के द्वारा स्त्रियों की समस्या व समाधान के बारे में बताया तथा महिला अध्ययन की विभिन्न धाराओं में महिलाओं की राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक व मानसिक परिस्थितियों के बारे में बताया । प्रो. डी.सी. जैन ने साहित्य में महिलाओं के योगदान के बारे में बताया और कहा कि भारतीय साहित्य व दर्शन में महिलाओं की स्थिति मजबूत रही है तथा उन्होंने महिला शिक्षा, महिला स्वावलम्बन और स्वतंत्रता की महती आवश्यकता के बारे में बताया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रो. कान्ता कटारिया केन्द्र निदेशक ने आए हुए मेहमानों का स्वागत किया तथा विषय पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र में प्रो. विद्या जैन, प्रो. चन्दनबाला अधिष्ठाता विधि संकाय, प्रो. पूनम बावा, निदेशक कमला नेहरू कॉलेज, प्रो. चेनाराम चौधरी, पूर्व सिंड़िकेट सदस्य, प्रो. पी.एस. भाटी, प्रो. के.एन. व्यास, प्रो. एस.एल. मीणा प्रो. सुधि राजीव, प्रो. कुंजन त्रिवेदी, प्रो. सक्तसिंह, प्रो. गिरधारीसिंह प्रो. सुरेश अग्रवाल, प्रो. सुखवीर सिंह बेस, प्रो. वीनिता परिहार, प्रो. पूर्णिमा वर्मा, प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय आदि गणमान्य उपस्थित थे।

प्रथम प्लेनरी सत्र के मुख्य प्रथम वक्ता प्रो. विद्या जैन पूर्व निदेशक गांधी अध्ययन केन्द्र राजस्थान विश्वविद्यालय तथा वक्ता डॉ. नुपुर भाटी, एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट थी। इसके बाद प्रथम तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. बी.एल फड़िया ने की।

दूसरे दिन तृतीय तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता डॉ. सगंतसिंह ने की। तृतीय प्लेनरी सत्र के प्रथम वक्ता प्रो. गिरधारी सिंह, विभागाध्यक्ष मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर ने भारतीय संविधान में वर्णित कानूनों की जानकारी दी। द्वितीय वक्ता प्रो. सोहनलाल मीणा थे। इस सत्र के तृतीय वक्ता प्रो प्रवीण कुमार झा, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली ने महिला व स्थायी विकास के बारे में जानकारी प्रदान की और कहा कि समाज संसाधनों में महिलाओं का अधिकार बहुत कम है। चतुर्थ तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. कैलाश कौशल ने की । इसके बाद पेनल डिस्कसन की अध्यक्षता प्रो. पी. एस. भाटी ने की। इस परिचर्चा में प्रो. विद्या जैन, प्रो. के. एन. व्यास, प्रो. कुंजन त्रिवेदी, प्रो. चन्दल वाला, लेखिका पद्मजा शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. भाटी ने कहा कि समाज में महिलाए सशक्त हो रही है तथा उनकी स्थिति में भी परिवर्तन हो रहा है लेकिन हमें और कार्य करने की जरूरत है।

सत्र 2016-17 की परीक्षाएं, परीक्षार्थी एवं निगरानी

जे.एन.वी.यू. से सम्बद्ध सम्भाग के जोधपुर, पाली, जालोर, बाड़मेर तथा जैसलमेर जिलों के सभी महाविद्यालयों के बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कुछ चुनिंदा विषयों के सभी भूतपूर्व परीक्षार्थियों तथा सभी स्वंयपाठी परीक्षार्थियों की परीक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की है। परीक्षा में बी.ए. प्रथम वर्ष में 7745 छात्र तथा 6042 छात्राएं, बी.ए. द्वितीय वर्ष में 9545 छात्र तथा 7814 छात्राएं, बी.ए. तृतीय वर्ष में 9077 छात्र तथा 7618 छात्राओं सहित कुल 26367 छात्र तथा 21474 छात्राएं शामिल हो रहे हैं। परीक्षा समन्वयक प्रोफेसर जैताराम विश्नोई ने बताया कि पूरे सम्भाग में 44 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। इनमें से 13 परीक्षा केन्द्र जोधपुर शहर, 05 जोधपुर ग्रामीण, 06 पालीख 06 जालौर, 10 बाड़मेर तथा 04 परीक्षा केन्द्र जैसलमेर जिले में बनाये गये हैं। परीक्षा में नकल रोकने के लिए छः उडन दस्ते गठित किए गए हैं।

स्नाकोत्तर परीक्षाओं में कुल 20678 परीक्षार्थी: जेएनवीयू से सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में कुल 20678 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। इनमें पूर्वार्द्धमें 7510 परीक्षार्थी, जिसमें 4217 छात्राएं तथा 3293 छात्र शामिल हैं। वहीं उत्तरार्द्ध में 10007 परीक्षार्थी, जिसमें 5339 छात्राएं तथा 4668 छात्र परीक्षा दे रहे हैं। इसी तरह एल.एल.बी. में कुल 3161 परीक्षार्थी जिसमें प्रथम वर्ष में 1485, द्वितीय वर्ष में 978 तथा तृतीय वर्ष में 698 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।

स्नातक स्तर की परीक्षा में इस वर्ष 79632 नियमित परीक्षार्थी: परीक्षा समन्वयक प्रोफेसर जैताराम विश्नोई ने बताया कि बी.ए. में 50439 परीक्षार्थी, बी.एससी में 14196 परीक्षार्थी तथा बी.कॉम में 14997 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनमें जोधपुर जिले में बी.ए. में 6409 छात्र तथा 4930 छात्राएं, बी.एससी. में 5269 छात्र तथा 2593 छात्राएं, बी.कॉम में 5618 छात्र तथा 3859 छात्राएं, जोधपुर ग्रामीण में बी.ए. में 2912 छात्र तथा 2986 छात्राएं, बी.एससी. में 498 छात्र तथा 293 छात्राएं, बी.कॉम मे 384 छात्र तथा 301 छात्राएं शामिल हैं। वहीं पाली जिले में बी.ए. में 3676 छात्र तथा 3645 छात्राएं, बी.एससी. में 1079 छात्र तथा 746 छात्राएं, बी.कॉम में 1677 छात्र तथा 971 छात्राएं परीक्षा दे रहे हैं। इसी तरह जालौर जिले में बी.ए. में 8535 छात्र तथा 4585 छात्राएं, बी.एससी. मे 1145 छात्र तथा 429 छात्राएं, बी.कॉम में 573 छात्र तथा 177 छात्राएं, बाड़मेर जिले में बी.ए. में 7360 छात्र तथा 4028 छात्राएं, बी.एससी. में 1217 छात्र तथा 623 छात्राएं, बी.कॉम मे 555 छात्र तथा 550 छात्राएं तथा जैसलमेर जिले में बी.ए. में 962 छात्र तथा 411 छात्राएं, बी.एससी. में 199 छात्र तथा 105 छात्राएं और बी.कॉम में 179 छात्र तथा 153 छात्राएं परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।

सात फेरों के तुरन्त बाद परीक्षा देने पहुँची दुल्हन

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के परीक्षा केन्द्र पर प्रात:कालीन परीक्षा सत्र में एक नव विवाहिता सात फेरों के तुरन्त बाद एलएलबी अंतिम वर्ष की परीक्षा देने पहुँची। के एन कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने बताया कि कुईजोधा, बालेसर तहसील की निवासी पिन्टु कुमारी पुत्री जगमालदान का विवाह बालेसर में राजेश सिंह के साथ हुआ था। दुल्हन पिन्टु कुमारी शादी के बाद बालेसर से जोधपुर पहुँचकर प्रात: 7 से 10 बजे तक एलएलबी अंतिम वर्ष की परीक्षा में शामिल हुई। प्रोफेसर बावा ने परीक्षा कक्ष में जाकर उसका हौंसला बढ़ाने के साथ उसके इस जज्बे की दाद दी।

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

"कभी अलविदा न कहना" की थीम पर विदाई

जेएनवीयू के वनस्पति विभाग में बोटोनिकल सोसाइटी द्वारा वर्ष 2016-2017 में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पर्यावरण दिवस, वृक्षारोपण कार्यक्रम, वनस्पतिक भ्रमण, खेलकूद सप्ताह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों व विजेताओं को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया। इस उपलक्ष में एम. एस.सी .पूवार्द्ध के छात्र-छात्राओं ने एम. एस.सी. उत्तरार्द्ध के छात्र-छात्राओं को रंगारंग कार्यक्रम के तहत् "कभी अलविदा न कहना" की थीम पर विदाई दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पी.के शर्मा थे, अध्यक्षता वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार कसेरा ने की। प्रो. पी.के.शर्मा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम में विजेता रहने पर बधाई दी। विभागाध्यक्ष डॉ. पवन कुमार कसेरा ने एम.एस.सी. उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षक-छात्र सम्बन्ध को हमेशा बनाये रखने की बात कही। कार्यक्रम में प्रो. एस.सुन्दरामूर्ति, प्रो. हुकम सिंह गहलोत ने भी अपना सम्बोधन दिया। विदाई समारोह की थीम प्राचीन भारतीय संस्कृति व ड्रेस कोड परम्परागत भारतीय वेशभूषा थी। समारोह के दौरान नरेन्द्र को मिस्टर बोटनी और कविता को मिस बोटनी चुना गया। समारोह में एम.एस.सी. उत्तार्द्ध के छात्रा मेधा चारण को यू.जी.सी.-सी.एस. आई.आर नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम के अन्त में प्रो. अनिल व्यास ने धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। मंच का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत, ज्योत्सना व चांदनी लोहिया ने किया।

भूजल शोधित करने की तकनीकी का कुलपति ने किया शुभारंभ

जेएनवीयू के एमबीएम इंजीनियरिग कॉलेज के सिविल, केमिकल विभाग एवं इवो इंडिया ने वॉल्टे नॉर्थलैंड के संयुक्त तत्वावधान में भूजल शोधन की नई तकनीकी युक्त मशीन लगाई है जो देश में पहली बार भूमिगत जल में विद्यमान लवण यथा फ्लोराइड, नाइट्रेट एवं टी डी एस को कम करने में मददगार साबित होगी। इस जलशोधन मशीन का उद्घाटन कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह द्वारा किया गया। कुलपति ने कहा कि यह मशीन निश्चित रूप से स्वास्थ्यवर्धक एवं दूरगामी परिणाम देगी। इस मशीन के द्वारा जोधपुर शहर, सीमावर्ती क्षेत्र नेतरा, तनोट, बाबडी आदि स्थानों से भूजल लाकर काम किया जायेगा। भूजल शोधन का कार्य प्रो. एस के सिंह एवं डॉ. अनिल व्यास के नेतृत्व में किया जायेगा। इसके शुभारंभ के अवसर पर एस.के ओझा, ब्रिगेडियर शशिधरन, जयसिंह चौधरी, पदमाराम, आर के विश्नोई, अभितलान, सतीश भट्ट आदि उपस्थित थे।

परीक्षा से महती समाजसेवा

एनएसएस छात्रों का अनुकरणीय कदम

जेएनवीयू के दो एनएसएस छात्रों सुखराम एवं लोकेश सारन ने डेंगू पीडितों की जान बचाने के लिए परीक्षा से पहले रात को रक्तदान किया और देर रात घर पर पहुँचने के बाद सुबह परीक्षा दी। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सुखराम जाणी और लोकेश सारण बीएससी फाइनल के छात्र हैं। सुखराम ने बताया कि बुधवार को परीक्षा का अंतिम पेपर था। मंगलवार को परीक्षा की तैयारी करने के दौरान रात 10 बजे गुडामालानी निवासी एक व्यक्ति का फोन आया और कहा कि उनके परिचित डेंगू से पीड़ित है। वो पाल रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती है और प्लेटलेट्स के लिए ओ-पॉजिटिव ब्लड की जरूरत है। इस पर वह पढ़ाई बीच में छोड तुरंत रक्तदान करने एक निजी ब्लड बैंक गए। वहां पता चला कि केरू निवासी डेंगू के एक अन्य मरीज को भी एबी-पॉजिटिव ब्लड की जरूरत है। ऐसे में उन्होंने अपने दोस्त लोकेश सराण को ब्लड बैंक बुलाया तथा दोनों ने एक साथ रक्तदान किया। एनएसएस समन्वयक प्रो. जेताराम बिश्नोई ने दोनों स्वयंसेवकों के इस कार्य को प्रेरणादायक बताया। सुखराम रेड डोनर्स क्लब से जुडे हैं तथा फेसबुक व व्हाट्स एप के माध्यम से भी युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक कर रहे हैं। सुखराम ने अब तक नौ बार व लोकेश ने पॉच बार रक्तदान किया है।

The only thing that interferes with my learning is my education. - *Albert Einstein*

विकसित भारत की कल्पना डॉ. अम्बेडकर की दूरदृष्टि : पी.पी. चौधरी

संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ0 बी. आर. अम्बेडकर की 126वीं जयन्ती पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री पी. पी. चौधरी, केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री ने डॉ. अम्बेडकर को युगपुरूष की उपाधि देते हुए उनके बताए गए आदर्शों एवं विचारों पर चलने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि आज जो हम उन्नत भारत, आधुनिक और विकसित भारत की कल्पना कर रहे हैं, वह डा. भीमराव अम्बेडकर की सोच का ही परिणाम है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. प्रताप सिंह भाटी ने अपने सम्बोधन में कहा कि डा. अम्बेडकर का जुडाव एक निर्धन परिवार से होते हुए भी उन्होंने उच्च शिक्षा ग्रहण की और भारत के संविधान एवं नीति निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। विशेष अतिथि प्रो.औतारलाल मीणा, सिंडीकेट सदस्य ने अपने उद्बोधन में बाबा साहब के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनकी जीवनी से प्रेरणा लेने का आव्हान किया। विशिष्ट अतिथि एस.के. सिंह निदेशक, जोधपुर एयरपोर्ट ने अपने सम्बोधन में कहा कि बाबा साहब आज भारत में ही नहीं पूरे विश्व में प्रेरणा के स्त्रोत हैं। विशेष अतिथि महेश के. पंवार, सचिव, संगीत नाटक कला अकादमी ने अपने उद्बोधन में डॉ. अम्बेडकर को दलित एवं पिछड़ों का मसीहा बताया। प्रो0 कान्ता कटारिया ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ0 अम्बेडकर को महिला सशक्तिकरण का पुरोधा बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 ललित पंवार द्वारा किया गया एवं श्री राकेश डागला द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ0 बी. आर. अम्बेडकर की जयन्ती पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, कार्मिक एवं एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय स्थित वृहस्पति भवन में विचार गोष्ठी एवं रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रक्तदान कार्यक्रम में अभियांत्रिकी संकाय की छात्राओं सहित कुल 60 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। प्रारम्भ में बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। संकाय अधिष्ठाता प्रो कमलेश पुरोहित ने रक्तदाताओं की हौसला अफजाई की।

प्रो.पी.एम.मीणा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित

जेएनवीयू के एमबीएम अभियांत्रिकी महाविद्यालय में मैकेनिकल विभाग में कार्यरत प्रोफेसर पी.एम. मीणा को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए एम.वी.संस्थान जोधपुर की ओर से 30 अप्रेल को रेलवे सामुदायिक भवन में आयोजित मत्स्य जयन्ती समारोह में सम्मानित किया गया।

महापौर श्री घनश्याम ओझा ने फेसर मीणा को साफा पहनाकर और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। संस्थान सचिव जनक सिंह मीणा ने बतया कि प्रो. पी.एम.मीणा ने भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान मुम्बई से च.डी. की उपाधि प्राप्त की और इनके अनेक शोध पत्र, लेख विभिन्न राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय -पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। प्रोफेसर मीणा के शोध पत्र संयुक्त राज्य अमेरीका एवं रत में पेटेंट हो चुके हैं।

प्राणी शास्त्र विभाग के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

जेएनवीयू के प्राणी शास्त्र विभाग के छात्र-छात्राओं ने एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर घनश्याम त्रिपाठी ने बताया कि एम.एससी. प्राणी शास्त्र द्वितीय सेमेस्टर के 37 विद्यार्थियों ने प्रो.विमला श्योरन एवं डॉ. शंकरलाल नामा के नेतृत्व में 6 अप्रेल को गुड़ा विश्नोइयान व भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के क्षेत्रिय मरूस्थलीय केंद्र का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। गुड़ा विश्नोइयान क्षेत्र में छात्रों ने विभिन्न प्रकार के पक्षियों व स्तनधारियों (चिंकारा, नीलगाय आदि) के आवास व व्यवहार के बारे में अध्ययन किया। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के क्षेत्रिय मरूस्थलीय केंद्र निदेशक डॉ. संजीव कुमार ने भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के कार्य क्षेत्र व वन्य जीवों की महत्ता के बारे में बताया। वैज्ञानिक डॉ. एच.एस. बनियाल ने संग्रहालय में उपस्थित मरूस्थलीय वन्य जीवों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस शैक्षणिक भ्रमण से छात्रों को जीवों के बाह्य वातावरण के बारे में विस्तृत जानकारी मिली।

मनोविज्ञान विभाग में प्रदर्शनी

जेएनवीयू के मनोविज्ञान विभाग में मनोविज्ञान के विभिन्न परीक्षणों के लिये प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ.विमल राजदान, डॉ. संजय गहलोत और डॉ. नरेश निहलानी उपस्थित थे। मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रवि गुप्ते ने प्रदर्शनी में विभिन्न मनोविज्ञानिक परीक्षणों की महत्यता और उनके प्रयोग के बारे में बताया। प्रदर्शनी का प्रारम्भ मनोविज्ञान परीक्षणों पर आधारित संक्षिप्त फिल्म दिखा कर किया गया। विभाग के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोधार्थी तथा कई विद्यालयों से आये विद्यार्थियों ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विभाग की प्रो. प्रीति माथुर ने सभी अतिथियों का दिव्यांग बालकों द्वारा निर्मित साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया। प्रदर्शनी का अंतिम दिन बहुत उत्साहवर्धक रहा। शहर के प्रतिष्ठित विद्यालयों सेंट्रल एकेडमी केन्ट ब्रांच, सेंट्रल एकेडमी चौपासनी ब्रांच, यूरो इन्टरनेशनल, हैप्पी ऑवर्स, श्री ऑरबिन्दो स्कूल और आर्मी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रो. ए.के.मलिक ने इन शिक्षकों को जीवन में मनोविज्ञान की महत्ता को बताया। यू.पी. के राष्ट्रीय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. जगदीश तथा बी.एच.यू. के वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक प्रो. आर.एन. सिंह भी प्रदर्शनी का अवलोकन करने विशेष तौर से जोधपुर आये। मनोविज्ञान के विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर ने डॉ. अरपिता कक्कड़ तथा डॉ. हेमलता जोशी के तत्वाधान में इस प्रदर्शनी को सफल बनाया। प्रदर्शनी के तीन दिन का फोटोशूट ओटकृति केपचरज् सचिन कुमार द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में व्यक्तित्व मापनिया, बुद्धि परीक्षण, अभिप्रति मापनी, रचनामिकता मापनिया, कॉन्फीडेन्स बॉक्स, अधिगम अक्षमता, प्रक्षेपण विधियां, सूक्ष्म पेशिया कौशल मापनी का प्रदर्शन किया गया। कई तरह के मॉडल्स और चार्ट्स से प्रदर्शनी को प्रभावी बनाया गया।

डॉ. मीना बरडिया गाँधी अध्ययन केन्द्र की निदेशक बनीं

जेएनवीयू में राजनीति विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ. मीना बरडिया को कुलपति प्रो. आर.पी सिंह ने गाँधी अध्ययन केन्द्र की निदेशक नियुक्त किया है। डॉ. बरडिया इन्टरनेशनल पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन की रिसर्च कमेटी 18 एशियन एण्ड पैसिफिक स्टडीज की उपाध्यक्ष हैं। डॉ. बरडिया की कई पुस्तकें, शोध पत्र एवं लेख विभिन्न राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं और अनेक राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में वो अपना शोध पत्र प्रस्तुत कर चुकी हैं।

डॉ. यादव बने गणित एवं सांख्यिकी विभागाध्यक्ष

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति ने गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. आर के यादव को गणित एवं सांख्यिकी विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 1 मई, 2017 से तीन वर्षों के लिए की गई है।

प्रोफेसर अवधेश शर्मा चीफ वार्डन नियुक्त

एमबीएम इंजीनियरिंग संकाय के प्रोफेसर डॉ.अवधेश कुमार शर्मा को इंजीनियरिंग संकायों के छात्रावासों का चीफ वार्डन नियुक्त किया गया है। प्रो. शर्मा संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष हैं। इससे पहले ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के प्रभारी भी रहे हैं।

अर्जुन अवॉर्डी कृपाशंकर का अभिनन्दन

जेएनवीयू के शारीरिक शिक्षा विभाग में अर्जुन अवॉर्डी पहलवान श्री कृपाशंकर के सम्मान में अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। अपने उद्बोधन में श्री कृपाशंकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि निरन्तरता एवं आगे बढ़ने में सफलता को अपने पर हावी नहीं होने दें तथा श्रेष्ठ लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सतत् अभ्यास जारी रखें।

प्रोफेसर अखिल रंजन गर्ग ने संभाला ईएमएमआरसी निदेशक का प्रभार

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अखिल रंजन गर्ग ने 6 मई को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के अधीन संचालित एजुकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर ईएमएमआरसी के निदेशक पद का कार्यभार संभाल लिया।

प्रोफेसर अखिल रंजन गर्ग के कार्यभार संभालने के अवसर पर जेएनवीयू के विभिन्न विभागों के शिक्षक भी मौजूद रहे। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अवधेश कुमार शर्मा, माइनिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो.सुनील परिहार, ईएमएमआरसी के पूर्व निदेशक प्रो.एस.के.शर्मा, पूर्व सिण्डीकेट सदस्य प्रो.कैलाश डागा, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. जी.के.जोशी, प्रो. विकल गुप्ता, प्रो.एम. के.भास्कर, डॉ.अमित कुमार गुप्ता सहित अनेक शिक्षकों के साथ ही ईएमएमआरसी के स्टाफ सदस्यों ने प्रोफेसर गर्ग का फूल मालाओं से स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रोफेसर गर्ग ने कहा कि वर्तमान के डिजिटल युग में ऑनलाइन कोर्सेज का महत्व बहुत बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि, सीईसी की ओर से केन्द्र को दिए गए दायित्व का समय पर निर्वहन करते हुए स्टूडेंटस को क्वालिटी एजुकेशन उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। प्रोफेसर गर्ग ने कहा कि ईएमएमआरसी जोधपुर का देश में अपना अलग स्थान रहा है। उसे सभी के सहयोग से और ऊंचाईयों पर पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि, आईआईटी दिल्ली से पी.एचडी प्रोफेसर अखिल रंजन गर्ग वर्तमान में ऑल इंडिया बोर्ड ऑफ अंडर ग्रेज्युएट स्टडीज इन इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी के सदस्य हैं। प्रोफेसर गर्ग को जर्मनी की डॉड फैलोशिप, इग्नो फैलोशिप, यूएस नेवल एकेडमी फैलोशिप, एआईसीटीई का यंग टीचर कॅरियर अवॉर्ड हासिल हो चुका है। उन्होंने जर्मनी की बर्लिन टेक्नीकल यूनिवर्सिटी में एक वर्ष तक रिसर्च का कार्य भी किया है। पूर्व सिंडीकेट सदस्य प्रोफेसर गर्ग वर्तमान में कम्प्यूटर सेंटर के निदेशक का कार्यभार भी संभाल रहे हैं।

BOARD MEETING OF MANAGEMENT OF EMMRC JODHPUR HELD

The 9th board of management of EMMRC Jodhpur was held on 3rd May, 2017. The meeting was chaired by Prof. R. P. Singh Hon'ble Vice-Chancellor of Jai Narain Vyas University Jodhpur. Hon'ble Vice-Chancellor welcomed Prof. Rajbir Singh, Director Consortium for Educational Communication, Prof. Ashok Ogra, Director, Apeejay Institute of Mass Communication, New Delhi and Prof. R L Godara, Formerly Vice-Chancellor, Hemchandra Acharya North Gujarat University, Patan.

The invitee members in the 9th BoM were Shri B.S. Sandhu, Registrar and Shri Gaje Singh Kaviraj, Comptroller, Jai Narain Vyas University.

The main emphasis in the meeting was on the future projects like MOOCs and DTH. For the production of the MOOCs it was decided that best academicians of the host university be involved in the programme productions. It was proposed that under the academic contributions a workshop for capacity building should be conducted including a sensitization programme for the faculties of the universities/Principals of the colleges affiliated to the University, on UGC Regulatory Framework on MOOCs. The framework for the DTH channel was also discussed at length in the meeting.

The budget estimates for the year 2017-18 was approved in the meeting. It was unanimously resolved that the duties of Director, EMMRC Jodhpur be assigned to Dr. Akhil Ranjan Garg, Professor, Department of Electrical Engineering, Faculty of Engineering, JNV University, Jodhpur for a period of one year or till the appointment of full time Director, whichever is earlier.

'सेव द एनवायरमेंट एण्ड सेव द बर्ड्स'

पक्षियों के लिए परिण्डे लगाए

एनसीसी ग्रुप हैडक्वार्टर्स व समर्पण मारवाड़ सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में कमला नेहरू महाविद्यालय में ग्रीष्म ऋतु के बचाव के लिए पक्षियों के घौंसले और परिण्डे लगाए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज इंजीनियर बटालियन के कमाण्ड अधिकारी कर्नल संजीव चौहान थे। अध्यक्षता महाविद्यालय की निदेशक प्रो. पूनम बाया ने की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्राओं सहित प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने योगदान दिया। 'पक्षियों को बचाएं' अभियान के तहत पक्षियों के लिए दाना और पानी हेतु लगभग 50 परिण्डे कमला नेहरू कॉलेज में लगाए गए। इससे अत्यन्त भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिलेगी। कमला नेहरू कॉलेज की एनसीसी कैडेट्स ने इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा स्वयं पेड़ों पर चढ़कर पारिण्डे लगाए। कॉलेज निदेशक प्रो.पूनम बाया ने सेव द एनवायरमेंट एण्ड सेव द बर्ड्स पर अपने विचार रखे। मारवाड़ सेवा संस्थान से कपिल अरोड़ा, चंचल चंद सिंहयी सुरेश चंद्र शर्मा, सुलतान मल सुराना, नेनी देवी, विक्की बदवानी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लेफ्टिनेंट कमल सिंह राठौड ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पेक्ट्रो-2017'

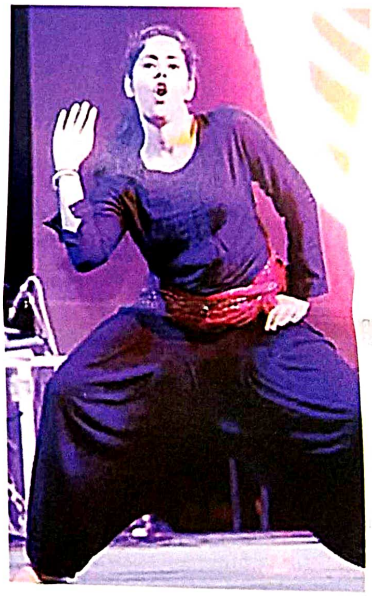

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रसंघ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'स्पेक्ट्रो' का विधिवत शुभारम्भ जेएनवीयू कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने आर्ट एक्जिबिशन के उद्घाटन के साथ हुआ। इस दौरान कॉलेज के डीन प्रो. कमलेश पुरोहित, प्रो. अखिल रंगज गर्ग, प्रो. अनिल गुप्ता, छात्रसंघ अध्यक्ष कुणालसिंह भाटी, छात्रनेता मूलसिंह सेतरावा, कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्रसिंह बालेसर, मेहन्द्रसिंह भाटी के साथ कुलपति ने एक्जिबिशन का निरीक्षण किया और छात्रों की विभिन्न कलाकृतियों को सराहा। एमबीएम कॉलेज छात्रसंघ उपाध्यक्ष जितेन्द्रसिंह राठौड ने बताया कि स्पेक्ट्रो को राजस्थानी, विशेष तौर पर मारवाड़ी संस्कृति के ताने-बाने के इर्द गिर्द बुना गया। जिससे प्रदेश और देश के विभिन्न हिस्सों से आए कॉलेज छात्र यहाँ की संस्कृति से रूबरू हो सके। इस दौरान कॉलेज में छात्र के जीवन के दौरान घटने वाली घटनाओं को मनोरंजन तरीके से प्रस्तुत किया गया। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में कॉलेज की 6 टीमों ने रैप वॉक किया और 3 टीमों ने ग्रुप डांस में प्रस्तुति देकर माहौल को और अधिक रंगीन किया। 20 अप्रेल को लंगा मॉर्निंग और शाम को 3डी ऑडियो विजुअल शो हुआ। 21 अप्रेल की शाम को बॉलीवुड के सिंगर सिद्धार्थ महादेवन ने प्रस्तुति दी।

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बाया, **सह-सम्पादक**: रामनिवास चौधरी, अजय अरथाना, अचलसिंह मेड़तिया, **परामर्श मण्डल**: डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, **लेआउट**: संतोष कुमार प्रजापत, **प्रकाशक**: जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति • अंक: 14 • माह:अगस्त • वर्ष: 2017

उच्च शिक्षा में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के लिए उठाए जाएंगे कदम: उच्च शिक्षा मंत्री

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का 55वां स्थापना दिवस समारोह

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का 55वाँ स्थापना समारोह 14 जुलाई को राजस्थान की उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता पूर्व नरेश श्री गजसिंह (पूर्व राज्य सभा सांसद) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री एवं पदमभूषण श्री नारायणसिंह माणकलाव (पूर्व राज्यसभा सांसद) मौजूद रहे।

इस अवसर पर एनसीसी ग्रुप द्वारा मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से किया गया। इस अवसर पर संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात् मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ, साफा, शॉल देकर स्वागत किया गया।

समारोह में विश्वविद्यालय की स्मारिका 'उदन्तिका' का अतिथियों ने विमोचन किया। स्मारिका का संपादन संपादक प्रो. डी.के.एस. गौतम एवं सहसंपादक प्रो. पूनम बावा के संयोजन में किया गया।

स्वागत उद्बोधन में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय के स्वर्णिम इतिहास एवं विकास यात्रा का वर्णन करते हुए अतिथियों का स्वागत किया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद नारायणसिंह माणकलाव ने कहा कि किसी संस्थान का पैमाना भवन नहीं वरन् वो प्राध्यापक होते हैं जिनके द्वारा प्रतिभा संपन्न विद्यार्थी तैयार किये जाते हैं। उत्कृष्ट विद्यार्थी देश-विदेश में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करते हैं। विश्वविद्यालय की गुणवत्ता का आंकलन प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों द्वारा ही किया जाता है।

मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि उच्च शिक्षा में भामाशाह पोर्टल है और लोगों को जोड़ने के लिए ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट की स्थापना की गई है। स्किल डवलपमेंट के पाठ्यक्रम शिक्षा को रोजगारोन्मुख व सार्थक बनाने के लिए बनाए जा रहे हैं। उन्होंने तकनीकी शिक्षा के लिए भी आगामी योजनाओं की ओर संकेत किया। उन्होंने उच्च शिक्षा में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाने की बात कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व नरेश श्री गजसिंह ने विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय ने देश को अनेक प्रतिभाएं दी हैं। विद्यार्थियों को अपने संदेश में उन्होंने कहा कि विद्यार्थी प्रतिभावान बने एवं संकीर्ण राजनीति से परे रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करें।

कार्यक्रम के अन्त में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। समारोह के अन्त में प्रो. पी.के. शर्मा ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्री ललित पंवार ने किया।

...शेष पेज 3 पर

विश्वविद्यालय गौरव सम्मान

विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य कर देश एवं दुनिया में पहचान स्थापित करने वाले विश्वविद्यालय के पूव छात्रों को समारोह में अतिथियों ने विश्वविद्यालय गौरवरत्न से सम्मानित किया।

डॉ. डी.आर. मेहता

डॉ. मेहता 1961 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, सेवी के पूर्व अध्यक्ष, पद्मभूषण से सम्मानित है। उन्हें समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

जस्टिस श्री प्रकाश टाटिया

जस्टिस टाटिया राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय में न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं। जस्टिस टाटिया वर्तमान में राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का दायित्व संभाल रहे हैं। उन्हें विधि के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

प्रो. गणेशीलाल सुथार

प्रो. सुथार को साहित्य के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए विश्वविद्यालय गौरवरत्न प्रदान किया गया। इससे पूर्व राष्ट्रपति सम्मान सहित अनेकों पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

श्री के.एल. गोयल

श्री गोयल को प्रशासनिक सेवाओं के क्षेत्र में किए जा रहे विशिष्ट योगदान के लिए गौरवरत्न से नवाजा गया।

श्री सुनिल सिक्का

श्री सिक्का ने डी.एल.एफ. ग्रुप के युनिवर्सल लिमिटेड से कार्य प्रारंभ किया और 20 वर्षों तक बजाज इलेक्ट्रिकल्स में सेवाएं दी। वर्ष 2000 से हैवल्स कम्पनी के प्रेसिडेंट हैं। विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए विश्वविद्यालय गौरवरत्न प्रदान किया गया।

डॉ. आर.के. विश्नोई

डॉ. विश्नोई को मरूप्रदेश में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

श्री विद्याधर हर्ष

श्री हर्ष ने राष्ट्रदूत, दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका सहित अनेक समाचार पत्रों में कार्य किया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए इन्हें विश्वविद्यालय गौरवरत्न प्रदान किया गया।

श्री अनिल चौधरी

श्री चौधरी, विश्वविद्यालय के अंडर ऑफिसर एनसीसी-2 हैं। उन्हें विश्वविद्यालय विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया।

"The true teachers are those who help us think for ourselves." -Dr S Radhakrishnan

अभियांत्रिकी विभाग के छात्रों का अभिनव प्रयास

अब फेल नहीं होंगे गाड़ियों के ब्रेक

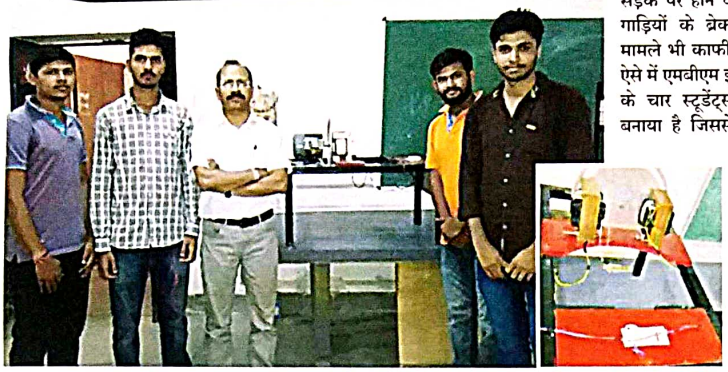

सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं में गाड़ियों के ब्रेक फेल होने वाले मामले भी काफी संख्या में होते हैं। ऐसे में एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के चार स्टूडेंट्स ने ऐसा सिस्टम बनाया है जिससे गाड़ियों के ब्रेक फेल ही नहीं होंगे। स्टूडेंट्स के बनाए इलेक्ट्रो मेग्नेटिक ब्रेकिंग सिस्टम के जरिए घूमते पहिए को बिना किसी सहायता से रोका जा सकता है। इसे बनाने में करीब 14 हजार रूपए की लागत आई है। इस सिस्टम में न तो कोई तार काम आता है ना ही इसमें ब्रेक शू लगते हैं।

इस प्रोजेक्ट को वाहनों और फैक्ट्रियों में लागू करने से लागत कत हो सकती है, यह अपेक्षाकृत सस्ता भी पड़ता है। कॉलेज के प्रोडक्शन एवं इंडस्ट्रीयल विभाग के फाइनल इयर के स्टूडेंट्स लक्ष्मण जोधा, मोहित मकवाना, सूरजभान सिंह व विपिन आर्य द्वारा बनाए गए इस मॉडल में बिजली प्रवाह करने से एक मोटर चलती है तथा इसके पास ही दो इलेक्ट्रो मेग्नेट लगी हुई हैं। जैसे ही इलेक्ट्रो मेग्नेट चालू किए जाते हैं, ब्रेकिंग डिस्क मैग्नेटिक फील्ड से गुजरती है तथा ब्रेक लग जाते हैं।

एक मॉडल बनाने में करीब चार हजार रूपये तक का खर्चा आता है। प्रो. डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि इसमें डीसी करंट का उपयोग ब्रेक लगाने के लिए किया गया है।

लक्ष्मण जोधा ने बताया कि यह तकनीक गाड़ियों में लगे तो वाहन चालकों को भी कई फायदे होंगे। गाड़ी में मैकेनिकल ब्रेक होने के कारण न तो तार टूटने का डर रहेगा और न ही बार-बार ब्रेक ऑयल बदलने की जरूरत होगी।

एम.एससी. गृह विज्ञान में प्रवेश के लिए बी.एस.सी स्नातक

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में अब वे सभी छात्राएँ जो कि बी.एससी. (गणित, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान व वनस्पति विज्ञान) उत्तीर्ण कर चुकी हैं, वे छात्राएँ अब एम.एससी. गृह विज्ञान में प्रवेश ले सकती हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. मीनाक्षी माथुर ने बताया कि पूर्व में बी.एससी. गृह विज्ञान की छात्राओं को ही एम.एससी. गृह विज्ञान में प्रवेश लेने की अनुमति थी। उन्होंने बताया कि अब नए नियमों के तहत् जिन छात्राओं ने बी.एससी. स्नातक किसी भी विषय में की हो वे छात्राएँ अब एम.एससी. गृह विज्ञान के लिए आवेदन कर सकती हैं। इच्छुक छात्राएँ आवेदन कर हार्ड कॉपी गृह विज्ञान विभाग, नया परिसर में जमा करवा सकती हैं। प्रो. माथुर ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 24 जुलाई, 2017 है जिसमें बी.एससी. एवं एम.एससी. गृह विज्ञान के लिए आवेदन किए जा सकते हैं।

दर्शन परिषद का अधिवेशन अक्टूबर में

विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग नारा अखिल भारतीय दर्शन परिषद का 62वां अधिवेशन 13 से 15 अक्टूबर को आयोजित किया जावेगा। विभागाध्यक्ष प्रो. ओंतार लाल मीणा ने बताया कि इस अधिवेशन का विषय चरित्र निर्माण: प्रक्रिया बाधाएं एवं समाधान एक दार्शनिक विमर्श रखा गया है

महिला अध्ययन केन्द्र में कार्यक्रम

महिला अध्ययन केन्द्र में संचालित दो प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम महिला नीति, कानून व लैंगिंग अध्ययन और महिला एवं स्थाई विकास का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कला संकाय के डीन प्रो. डीसी जैन ने कहा कि केन्द्र की ओर से इस तरह के पाठ्यक्रमों के संचालन से समाज में महिलाओं की स्थिति में प्रगति होगी। केन्द्र निदेशक प्रो. कांता कटारिया ने कहा कि पाठ्यक्रमों के माध्यम से समाज में महिला को मुख्य धारा में शामिल कर उन्हें सशक्त बनाना है।

एमबीएम कॉलेज के छात्रों को एडॉब कम्पनी में 11 लाख का पैकेज

हर साल की तरह ADOBE कम्पनी ने इस साल भी MBM College के छात्रों का चयन किया। इस साल ADOBE ने 8.5 लाख के पैकेज को बढ़ाकर 11 लाख सालाना कर कॉलेज के छात्रों को प्राथमिकता दी। इस साल MBM College में 30 कम्पनियों से ज्यादा ने आकर साक्षात्कार के द्वारा 212 से भी ज्यादा छात्रों का चयन किया। जिनमें मुख्य कम्पनियों के नाम ADOBE, Vedanta, Honeywell, NBC, Cairn, Calsoft, Metacube, AppPerfect, HLS Asia Limited, J.K. Cement, Adani Power, Skill Rock, Shield Square, Wonder Cement, Hefele, Nirma Cement, Uttam galva, TCS, HZL, Alepo है।

उत्कृष्ट चयन प्रक्रिया होने के कारण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.पी.सिंह ने MBM College के डीन प्रो. कमलेश पुरोहित व Training & Placement Officer प्रो. अवधेश शर्मा को बधाई दी।

'सिर सांटे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाणं'

विश्व पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के गुरू जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ के तत्वावधान में 'वैश्विक पर्यावरण की वर्तमान चुनौतियां: गुरू जांभोजी के सिद्धान्त एवं समाधान' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का शुभारंभ स्वामी रामानंद महाराज के आर्शीवचन से हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आर पी सिंह ने की। समारोह के मुख्य अतिथि कृषि विवि के कुलपति प्रो. बलराज सिंह थे। विद्वान वक्ताओं ने कहा कि गुरू जंभेश्वर के बताए 29 नियमों की आचार संहिता से ही जैव विविधता का संरक्षण हो सकता है। संगोष्ठी में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने भागीदारी निभाई।

संगोष्ठी में बतौर विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद श्री जसवंत सिंह विश्नोई ने पर्यावरण संरक्षण के लिये सरकार के स्तर पर किये जाने वाले प्रयासों की चर्चा की। रक्षा प्रयोगशाला के पूर्व निदेशक डॉ. रामगोपाल ने दृश्य व श्रव्य माध्यम से प्रदूषण की ज्वलंत समस्या को प्रस्तुत किया एवं समाधान की राह सुझाई। शोधपीठ के निदेशक प्रो. जेताराम विश्नोई न अतिथियों का स्वागत किया एवं संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी संयोजक डा. आर. के. विश्नोई ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की।

संगोष्ठी का समापन सत्र राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री विजय विश्नोई के मुख्य आतिथ्य एवं संभागीय आयुक्त श्री रतन खाहोटी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जेएनयू दिल्ली से आए प्रो. रामचन्द्र जाट ने कहा कि पर्यावरण को लेकर जांभोजी के सिद्धांत वैज्ञानिक दृष्टि पर भी खरे उतरते हैं। जांभोजी साहित्य अकादमी के सचिव श्री मूलाराम लोल सहित सभी वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिये संकल्पित होने का आह्वान किया।

भूगोल विभाग ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के नया परिसर स्थित भाषा प्रकोष्ठ में भूगोल विभाग की ओर से 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार गोष्ठी का प्रसंग ''कनेक्टिंग पीपल टू दी नेचर'' रखा गया। विचार गोष्ठी में भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. इरफान मेहर ने विद्यार्थियों से परिचर्चा के माध्यम से पर्यावरण विषय शंकाओं का समाधान किया। प्रो. मेहर ने विश्व पर्यावरण के विषय में अपने विदेश दौरे के अनुभव साझा किए। विचार गोष्ठी में भूगोल विभाग के विद्यार्थियों की की ओर से पर्यावरण की महत्वता को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम संचालक डॉ. अर्जुन लाल मीना ने मनुष्य का पहला कर्त्तव्य पर्यावरण की सुरक्षा बताते हुए कहा कि पर्यावरण हमारी अपेक्षाओं का आइना होता है। कार्यक्रम में डा. आशा राठौड़, गोविन्द सिंह आदि शिक्षकों द्वारा पर्यावरण सुरक्षा और प्रबन्धन पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

पर्यावरण एवं स्वच्छता चेतना रैली

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा स्थापित गुरू जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व 4 जून को निकाली गई पर्यावरण एवं स्वच्छता चेतना प्रभात फेरी को जालोरी गेट चौराहे पर पूर्व सांसद श्री जसवंतसिंह बिश्नोई ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गुरू जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ के निदेशक प्रो. जेताराम बिश्नोई ने बताया कि यह पर्यावरण स्वच्छता चेतना प्रभात फेरी जालोरी गेट चौराहे से रवाना होकर सोजती गेट, घंटाघर, मोहनपुरा पुलिया होते हुए रातानाडा बिश्नोई धर्मशाला पहुंचकर सम्पन्न हुई। इसके पश्चात् विश्नोई धर्मशाला रातानाडा से राष्ट्रीय पर्यावरण स्मारक खेजड़ली तक एक साईकिल रैली अन्तरराष्ट्रीय ख्याति नाम साईकिलिस्ट राजेन्द्र डेलू एवं पर्यावरण प्रेमी खम्मुराम बिश्नोई के निर्देशन में निकाली गई।

इस साईकिल रैली को कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रातानाडा बिश्नोई धर्मशाला से रवाना किया। इसी के साथ राष्ट्रीय पर्यावरण स्मारक खेजड़ली में पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए बिश्नोई समाज के संतो द्वारा विशाल हवन एवं यज्ञ किया गया। यहां पर विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में वाद-विवाद, भाषण, निबन्ध, पोस्टर एवं चित्रकारिता आदि प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गई। तत्पश्चात् राष्ट्रीय पर्यावरण स्मारक खेजड़ली में पर्यावरण सम्मेलन भी आयोजित किया गया। जिसमें मुकाम पीठाधीश्वर स्वामी रामाचंद आचार्य ने अपने संबोधन में बताया कि आज विश्व पर्यावरण प्रदूषण को लेकर चिंचित हैं। जिसके लिए पर्यावरण प्रणेता गुरू जम्भेश्वर भगवान ने 531 वर्ष 9 माह पूर्व पर्यावरण संरक्षण के लिए संदेश दिया था। कि ''सिर सांटे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाणं'' अर्थात् एक सिर के कत्ल होने पर भी पेड़ बचता है तो समझो कि एक सस्ता सौदा है। गुरू जम्भेश्वर भगवान के पर्यावरण संरक्षण के सिद्धान्तों के अनुसार आज से ठीक 286 वर्ष 9 माह 27 दिन पूर्व खेजड़ली में अपने प्राणों को तिनका समझे हुए पेड़ो की रक्षार्थ 363 महिला व पुरूषों ने अपना बलिदान दिया। इस अवसर पूर्व सांसद जसवंतसिंह बिश्नोई ने पर्यावरण प्रणेता गुरू जम्भेश्वर भगवान के दिए गए 29 नियमों की आचार संहिता यदि कोई पूर्णतया पालन करता है तो पर्यावरण संरक्षित रह सकता है। जम्भेश्वर द्वारा बताए गए 29 नियम केवल बिश्नोईयों के लिए प्राणि मात्र के कल्याण के लिए हैं।

बेटियाँ अनमोल हीरे के समान : श्रीनिवास

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मण्डल एवं कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में के एन कॉलेज के सभागार में 'भारत राष्ट्र एवं संस्कृति की प्रहरी-महिला' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा को माल्यापर्ण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता श्रीनिवास ने उद्बोधन दिया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने की। अतिथियों एवं छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष प्रो. कैलाश डागा व के.एन.कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा द्वारा पुष्पार्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंच का संचालन करते हुए डॉ.जनक सिंह मीना ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत श्रीफल भेंटकर किया गया। कॉ... निदेशक प्रो. पूनम बावा एवं छात्रा शिवानी विश्नोई ने मुख्य वक्ता श्रीनिवास को, प्रो. कैलाश डागा एवं छात्रा रितिका परिहार द्वारा कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह को श्रीफल भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

छात्र सेवा मण्डल अध्यक्ष प्रो. कैलाश डागा द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए विषय की प्रासंगिकता की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए इसके महत्व को परिलक्षित किया और भारतीय संस्कृति को संजोए रखने की ओर ध्यान दिलाया। मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में श्रीनिवास ने कहा कि जब-जब भारत में महिला जागरूक रही हैं तब-तब ही भारत विश्व गुरू रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के प्रहरी की पर्यायवाची महिला ही है। विश्व में केवल भारत ही ऐसा देश है जहाँ नारी को देवी और गुरू के रूप में स्वीकारा है। भारत माँ/माता का दर्जा केवल भारत में ही दिया गया है। भारत की नारी सर्वोच्च हैं, वह पूजनीय हैं।

श्रीनिवास ने मार्गेट थेचर के कथन 'अगर दुनिया को भारत से कुछ लेना है तो परिवार-व्यवस्था को लेना चाहिए, के माध्यम से भारतीय संस्कृति की ओर ईशारा किया। उन्होंने कहा कि बेटी घर का संस्कार है और महिला भारत की संस्कृति की प्रहरी है। 'म' का अर्थ धरती से है और हिला-का अर्थ कम्पन्न, अर्थात महिला वह है जिसमें धरती को हिलाने की शक्ति है। हमारे देश में भगवान के बाद उत्पत्ति की शक्ति किसी के पास है तो वह महिला ही है। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि - 'बेटिया' अनमोल हीरे के सम्मान हैं। भारत की संस्कृति को समझना है तो भगनी निवेदता, मदर टेरेसा, गार्गी, सावित्री, लक्ष्मीबाई, जीजाबाई, हाडारानी, पन्नाधाय, अमृता देवी, हनुमन थप्पा, मनन चतुर्वेदी के विचारों से प्रेरणा लेनी होगी तभी हम संस्कृति का संरक्षण कर सकेंगे।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने बेटियों को संबोधित करते हुए मूल्य, कर्त्तव्य एवं स्वरूप के सही मूल्याकंन की ओर ईशारा-किया। उन्होंने कहा कि बेटियों के संस्कार एवं संस्कृति को संजोते हुए अपनी शक्ति को जाग्रत करने की बात कही और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में के. एन. कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने सभी अतिथियों का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि इस विषय का चयन वर्तमान परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है। युवा शक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि हमारे नैतिक मूल्य, परम्पराएँ, संस्कृति को जीवित रखे हुए हैं।

इस अवसर पर संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी, प्रो. प्रीति माथुर, डॉ.जनक सिंह मीना, जोधपुर प्रांत के संगठन मंत्री मांगीलाल, कंचन सोनी, डॉ. जे.के. जैन, डॉ. आशा राठी, डॉ. मीना बरडिया, डॉ. भरत देवडा, डॉ गजेसिंह, डॉ. जया भण्डारी, डॉ. मीनाक्षी मीणा, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. एस.एल.मीणा, डॉ. शक्तावत, कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

Prof. Poonam Bawa presents a Paper at Amsterdam

Prof. Poonam Bawa attended an International Conference organized by IPSA AISP (International Political Science Association- Association Internationale De Science Politique, MIME (Mobility and Inclusion in Multilingual Europe and ACCESS (Amsterdam Centre for Contemporary European Studies) at University of Amsterdam, Amsterdam, Netherlands (22-25 May, 2017). The Theme of the conference was Politics of Multilingualism: Possibilities and Challenges. Prof. Bawa presented a paper on "Linguistic Diversity: Essence of Indian Democracy" in the Panel on South Asian Perspectives on Multilingualism. The paper was highly appreciated and given good remarks by the Discussant of the Panel Prof. Selma Sonntag, Prof. Emeritus, Department of Politics, Humboldt State University, Arcata, California, U.S.A. The university of Amsterdam is the oldest University of Europe and considered to be the Knowledge seat of Europe.

प्रो.बावा सिंडीकेट सदस्य मनोनीत

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की निदेशक प्रो.पूनम बावा को एक वर्ष के लिए कुलपति प्रो.आर.पी. सिंह ने सिंडीकेट सदस्य के रूप में मनोनीत किया है। प्रो.बावा इससे पूर्व में विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, मुख्य अधीक्षक महिला छात्रावास, अकादमिक परिषद् सदस्य जैसे अनेक पदों पर रह चुकी हैं। प्रो. बावा को सिंडीकेट सदस्य मनोनीत करने पर छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बधाई दी।

डॉ. दायमा क्रीड़ा मंडल के सचिव नियुक्त

विश्वविद्यालय द्वारा आदेश जारी कर डॉ. बाबूलाल दायमा को क्रीड़ा मंडल सचिव का कार्यभार सोंपा गया है। डॉ. दायमा ने 11 मई, 2017 को क्रीड़ा मण्डल सचिव का कार्यभार ग्रहण किया इस अवसर पर सिंडीकेट सदस्य प्रो. एस.के. परिहार, प्रो. ए.एल. मीणा, कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डी.सी. जैन, गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. यादव, राजस्थान बॉडी बिल्डिंग ऐसोसिएशन के सुरेश वैष्णव, बॉक्सिंग संग के श्री विनोद आचार्य, विश्वविद्यालय खिलाड़ी छात्रनेता भूपेन्द्र सिंह सांकड़ा, रघुवीर सिंह तथा कई खेल संघों के अधिकारियों ने डॉ. दायमा को बधाई दी।

डॉ. धनंजया राजस्थानी विभाग की अध्यक्ष

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के आदेशानुसार डॉ. धनंजया अमरावत को राजस्थानी विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष रहेगा। डॉ. अमरावत राजस्थानी विभाग की प्रथम महिला अध्यक्ष है। उन्होंने पूर्व में प्रोक्टर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में भी सेवाएं दी हैं।

प्रथम पेज का शेष...

यज्ञ द्वारा स्थापना दिवस का शुभारंभ

स्थापना दिवस समारोह के कार्यक्रमों का शुभारंभ प्रातः 7.45 बजे योग केन्द्र में संस्कृत विभाग के सानिध्य में आयोजित 'यज्ञ' के साथ किया गया। इस अवसर पर वैदिक मंत्रों द्वारा आहुति पूर्वक आचार्य कपिल मलिक द्वारा पौरोहित्यकर्म सम्पन्न किया गया।

यज्ञ में हिरण्यगर्भ सूक्त एवं अन्य मंत्रों द्वारा कुलपति के सान्निध्य में प्रो. प्रभावती चौधरी के नेतृत्व में संस्कृत विभाग के आचार्य, शोधार्थियों, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, संकाय अधिष्ठाता सहित विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा अग्निदेव को आहुतियाँ प्रदान की गई तथा विश्वविद्यालय के प्रत्येक दृष्टि से उत्कर्ष हेतु यज्ञ ... से प्रार्थना की गई।

इस यज्ञ में सहभागिता कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह जी, प्रो. एस.पी. दुबे, प्रो. मंगलाराम, प्रो. यादराम, प्रो. पी.के. शर्मा अधिष्ठाता विज्ञान संकाय, वित्त नियंत्रक श्री गजे सिंह कविराज, कुलसचिव प्रो. पी. के. शर्मा, डॉ. बी.एल. दायमा, वाणिज्य संकाय अधिष्ठाता प्रो. पी.के. भण्डारी, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. डी.सी. जैन, डॉ. जनक सिंह मीना ने की।

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह जी द्वारा शेर-ए-राजस्थान श्री जय नारायण व्यास सहित अन्य महापुरूषों की प्रतिमाओं को माल्यार्पण किया गया।

एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज में दो नये केन्द्र स्थापित

स्थापना दिवस समारोह के अन्तर्गत श्रीमती किरण माहेश्वरी, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री राजस्थान सरकार के कर कमलों द्वारा एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज एल्यूमनि एसोसिएशन एवं एम.बी.एम. एल्युमनि बैच 1987 द्वारा निर्मित 'ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेन्टर' का उद्घाटन किया गया।

टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेशन सेन्टर का उद्घाटन भी श्रीमती किरण माहेश्वरी जी द्वारा श्री पब्बाराम बिश्नोई (विधायक एवं सिंडीकेट सदस्य), कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति, प्रो. पी.के. शर्मा, कुलसचिव, प्रो. अनिल गुप्ता के सान्निध्य में किया गया।

पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधरोपण

समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने एवं प्रकृति प्रेम का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के लिए श्रीमती किरण माहेश्वरी, उच्च शिक्षा मंत्री, कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह, श्री पब्बाराम जी बिश्नोई द्वारा पौधरोपण कर स्थापना दिवस को और भी यादगार बना दिया।

फोटो कैप्शन: 1. स्मारिका 'उत्तनिका' का लोकार्पण, 2. योग केन्द्र में आयोजित यज्ञ, 3-4. एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में दो नये केन्द्रों का उद्घाटन, 5. पौधरोपण कार्यक्रम, 6. कुलपति द्वारा श्री जय नारायण व्यास प्रतिमा का माल्यार्पण।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग को जीवन में उतारने का संकल्प

विश्वविद्यालय ने सामाजिक सरोकारों का निर्वहन करते हुए परिसर के भीतर और बाहर विश्वविद्यालय परिवार के अतिरिक्त आम लोगों को भी स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिये प्रेरित किया और योग शिक्षा के प्रचार-प्रसार में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। योग केन्द्र की ओर से क्षेत्रीय कार्यालय में वरिष्ठ शिक्षकों ने योग दिवस समारोह के पोस्टर का विमोचन केन्द्रीय कार्यालय में किया गया जिसमें विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. पी.के. शर्मा, सिंडीकेट सदस्य प्रो. ए.एल. मीणा, अभियांत्रिकी संकाय अधिष्ठाता प्रो. कमलेश पुरोहित, प्रो.जैताराम बिश्नोई, केएन कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा, प्रो. डी.के.एस. गौतम, डॉ. बाबूलाल दायमा, डॉ. जनक सिंह मीणा, डॉ. सुमित्रा दाधीच एवं अन्य उपस्थित थे।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर खेल मैदान में एक हजार से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षक तथा कर्मचारियों ने योग अभ्यास किया और योग को जीवन में उतारने की शपथ ली। इस अवसर पर योग के क्षेत्र में विशिष्ट कार्यों के लिए सेवाएँ प्रदान करने वालों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह थे। जिला प्रमुख पूनाराम चौधरी, केन्द्र निदेशक डॉ. बी. एल. दायमा तथा कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की निदेशक प्रो. पूनम बावा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। वक्ताओं ने कहा कि आज की भागदौड़ जिन्दगी में तनाव एवं मानसिक अवसाद को दूर करने के लिये योगाभ्यास एवं ध्यान जरूरी है।

इससे पूर्व योग दिवस समारोहों के अन्तर्गत सम्राट अशोक उद्यान में योग शिविर आयोजित किया गया जो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक चला और सैकड़ों लोगों ने इसका लाभ उठाया।

साइक्लोथोन

विश्वविद्यालय के योग केन्द्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों के तहत 17 जून को ''रोग, प्रदूषण मुक्त, स्वच्छ एवं स्वस्थ जोधपुर'' के लिये शहरवासियों में जागरूकता लाने तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2017 का संदेश आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से साइक्लोथोन का सफल आयोजन किया गया। जिसमें महापौर श्री घनश्याम ओझा, विशिष्ट अतिथि प्रो. एस. के. परिहार, अध्यक्ष क्रीड़ा मंडल, क्रीड़ा मंडल सचिव डॉ. बाबूलाल दायमा, पार्षद श्रीमती राधा शुक्ला एवं आईडीबीआई के मैनेजर श्री दिलीप माथुर ने अशोक उद्यान के मुख्य द्वार से हरी झण्डी दिखाकर साइक्लोथोन (साईकिल रैली) आरम्भ हुई। लगभग 5 किमी के सफर के बाद ये रैली सम्पन्न हुई।

मुख्य अतिथि महापौर श्री घनश्याम ओझा ने इस अनूठे आयोजन के लिये योग केन्द्र एवं पूरे विश्वविद्यालय परिवार तथा भाग लेने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि जोधपुर शहर आपका है, इसे स्वच्छ रखना चाहिये, इसके लिये हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। क्रीड़ा मंडल अध्यक्ष प्रो एस के परिहार ने सप्ताह में एक दिन साईकिल का प्रयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इससे प्रदूषण तो कम होता ही हैं साथ ही पूरे शरीर का भी व्यायाम हो जाता है। योग केन्द्र निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमित्रा दाधीच तथा मुक्ता माथुर ने किया।

योग शिक्षणार्थियों के अतिरिक्त आमजन एवं सैंकडों वरिष्ठ नागरिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जोधपुर

संगीतमय ध्यान का आयोजन

योग केन्द्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के तहत अशोक उद्यान में संगीतमय ध्यान का आयोजन किया गया। योग केन्द्र निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने बताया कि स्वर्गीय महान संगीतज्ञ पद्म विभूषण पंडित हरि प्रसाद चौरसिया के शिष्य भरत राज पंवार ने क्लासिक राग सुप्रभात से आरंभ कर राग अर्हिर भैरव, शिवरंजनी के साथ ध्यान का अभ्यास करवाया गया। इनका साथ तबले पर आशीष छंगाणी ने निभाया। सभी लोग बांसुरी की राग के साथ ध्यान अभ्यास कर भाव विभोर हो गये। देश भक्ति की संगीत धुन पर ध्यान का अभ्यास डॉ. सुमित्रा दाधीच के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। मुक्ता माथुर, स्वाति भाटी ने कार्यक्रम का संचालन किया। योग केन्द्र निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने न्यायाधिपति श्री एच. आर. पंवार तथा संगीतज्ञ भरत राज पंवार, आशीष छंगाणी का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। पूर्व न्यायाधिपति श्री एच. एस. पंवार ने भरत राज पंवार को साफा पहनाकर सम्मानित किया।

प्रताप जयंती पर हुई सद्भावना दौड़

महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय में सद्भावना दौड़ का आयोजन किया गया। महाराणा प्रताप की वीरता से प्रेरित होकर विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में इसमें भाग लिया। पुराना परिसर खेल मैदान में सद्भावना दौड़ का शुभारंभ खेल मण्डल के सचिव डॉ. बाबूलाल दायमा ने केसरिया झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय शिक्षक, कोच तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अर्जुन अवार्ड मंदीप जांगड़ा का अभिनन्दन

हरियाणा के मन्दीप जांगड़ा को बॉक्सिंग में 2015 में अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया। श्री जांगड़ा ने एशियन चैंपियनशिप एवं कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक तथा साउथ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। मंदीप जांगड़ा का विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ स्पोर्ट्स कार्यालय में सम्मान किया गया। उन्होंने बोर्ड के कार्यो को सराहा तथा बोर्ड द्वारा आयोजित होने वाली राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (प.क्षे.) कबड्डी (पुरूष) प्रतियोगिता के सफल होने के लिए बधाई दी। बोर्ड ऑफ स्पोर्ट्स पदाधिकारियों और मुक्केबाजी टीम के स्वागत के बाद उन्होंने विश्वविद्यालय बॉक्सिंग रिंग का भी अवलोकन किया। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. बी. एल. दायमा, डॉ. ओम शर्मा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह सोढ़ा उपस्थित थे।

शारीरिक शिक्षा विभाग में पौधारोपण

विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में एमपीएड व योगा डिप्लोमा के छात्रों ने पौधरोपण किया। इस मौके पर ईएमएमआरसी निदेशक प्रो. अखिल रंजन गर्ग, पूर्व क्रीड़ा मंडल अध्यक्ष प्रो. अवधेश शर्मा, विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एल. दायमा व अन्य शिक्षक मौजूद थे। इस दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों को एक-एक पेड़ लगाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन भूपेन्द्रसिंह सांकडा ने किया।

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बावा, सह-सम्पादक: रामनिवास चौधरी, अजय अस्थाना, अचलसिंह मेड़तिया, परामर्श मण्डल: डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री जागावत
डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, लेआउट: संतोष कुमार प्रजापत, प्रकाशक: जयनारायण व्यास

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. (डॉ.) गुलाब सिंह चौहान (कुलपति) ■अंक : 21 ■माह : अगस्त-जनवरी(विशेषांक) ■वर्ष: 2019

प्रोफेसर (डॉ.) गुलाबसिंह चौहान व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति

कुलपति सचिवालय में पदभार ग्रहण किया

शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारियों एवं शहर के गणमान्य लोगों ने किया प्रोफेसर चौहान का स्वागत

जोधपुर, 06 अक्टूबर। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ.गुलाब सिंह चौहान को ज. ना. व्यास विश्वविद्यालय में कुलपति नियुक्त किया। राजस्थान के महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री कल्याणसिंह जी ने शिक्षाविद् राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ.गुलावसिंह चौहान को कुलपति नियुक्त करने का आदेश जारी किया। राजभवन से इस आशय की घोषणा होते ही जोधपुर में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। कुलपति के पद पर नियुक्ति की घोषणा होने के साथ ही बधाई देने वालों का तांता लग गया। प्रोफेसर चौहान के निवास पर बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी फूलमालाएं पहनाने पहुंचे।

राज्यपाल राजस्थान एवं कुलाधिपति के आदेशानुसार जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं लोक प्रशासन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. गुलाब सिंह चौहान को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर नियुक्त किया। नियुक्ति का आदेश प्रसारित होने के बाद प्रो. गुलाब सिंह चौहान छह अक्टूबर को ही दोपहर को कुलपति सचिवालय पहुंचे और कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रो.चौहान ने डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति और व्यास विवि के कार्यवाहक कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा से पदभार ग्रहण किया।

पदभार संभालने के बाद चला बधाई का दौर

कुलपति का पद संभालने के बाद कुलपति सचिवालय में बड़ी संख्या में मौजूद शिक्षकों, अशैक्षणिक कर्मचारियों एवं शहर के जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों ने प्रो. गुलाबसिंह चौहान का पुष्पगुच्छ भेंट करके और फूलमालाएं पहनाकर अभिनंदन व सत्कार किया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं छात्रप्रतिनिधि भी उनका स्वागत करने पहुंचे। कुलसचिव भंवरसिंह सांधु, वित्त नियंत्रक दशरथमल सोलंकी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेताराम विश्नोई, श्री गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के पूर्व कुलपति प्रो. गंगाराम जाखड़, प्रोफेसर सोहनदान चारण, प्रोफेसर अर्जुनदेव चारण, प्रोफेसर कमलेश पुरोहित, प्रोफेसर चैनाराम चौधरी, पूर्व कुलसचिव पी.के शर्मा, गोपाल सिंह रूदिया, शंकरसिंह मेड़तिया, प्रो. परवत सिंह चारण, पूर्व पार्षद प्रहलादसिंह राठौड़, दलपतसिंह खींची, प्रोफेसर रवि सक्सेना, प्रोफेसर एस के सिंह, प्रोफेसर रवि गुटे, प्रो.जसराज बोहरा, प्रोफेसर रामप्रताप सिंह, डॉ.सत्यनारायण, प्रोफेसर डॉ.एस.पी.दुबे, डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित, डॉ के.सी.हरित, डॉ.नरेश व्यास, डॉ.एस.के परिहार, प्रोफेसर अखिल रंजनगर्ग, प्रो. अवधेश शर्मा, प्रोफेसर डॉ.जयश्री वाजपेयी, डॉ देवल, डॉ.सुनील शर्मा, प्रोफेसर के.आर पटेल, डॉ.बाबूलाल दायमा, प्रोफेसर औतारलाल मीणा, टी.पी. सिंह, डॉ. महीपालसिंह राठौड़, प्रोफेसर शिशुपाल भादू पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कुलवंतसिंह राठौड़, अचलसिंह मेड़तिया, भवानी सिंह किरड़, लोकेन्द्रसिंह गुढ़ा, मूलसिंह सेतरावा, भूपेन्द्र सोढा, अमृत पंचारिया, भूपेन्द्रसिंह सांकड़ा, राजेन्द्रसिंह इंदा, गोपालसिंह भाटी, राजेन्द्रसिंह लीलिया, शेरसिंह साफा, पूर्व कुलसचिव गोविंद सिंह चारण, छात्रसंघ महासचिव बबलू सोलंकी, छात्रनेता कुश गहलोत, चेतनराम ग्वाला सहित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं एनएसयूआई के कार्यकर्ता एवं छात्र नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर गुलाब सिंह चौहान को बधाई देने पहुंचे। विवि अशैक्षणिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष किशनसिंह चारण, सहायक कर्मचारी संघ के किशन गुर्जर, कर्मचारी नेता नरेश गहलोत, अनिल पंवार, विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक, विभागों के सहायक कुलसचिव, अधिकारीगण, शिक्षकगण, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारीगण, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने माला पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर उनका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर काफी संख्या में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, पूर्व सांसद जसवंतसिंह विश्नोई सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने प्रोफेसर चौहान को बधाई दी।

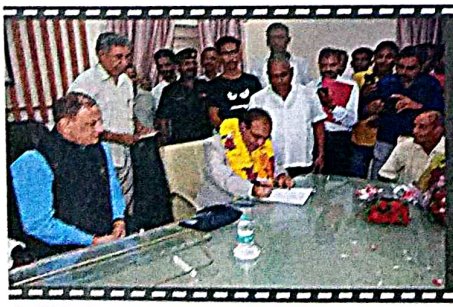

कुलपति प्रोफेसर चौहान का अभिनन्दन

विश्वविद्यालय कुलपति पद पर प्रो. जी.एस. चौहान की नियुक्ति होने पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा उनके अभिनंदन हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्यास विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एल.एस. राठौड़ व अखिल भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद् के महासचिव प्रो. संजीव कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। कला संकाय के अधिष्ठता प्रो. के.एन. उपाध्याय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विभागाध्यक्ष प्रो. एस.एल. मीणा ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने प्रो. चौहान की नियुक्ति को विभाग के लिए ऐतिहासिक क्षण बतलाया। अपने उद्बोधन में प्रो. एल.एस. राठौड़ ने प्रो. चौहान के विद्यार्थी जीवन से कुलपति पद तक की यात्रा को युवा शिक्षकों के लिए प्रेरणादायी बतलाया। प्रो.राठौड़ ने प्रो. चौहान को व्यावहारिक राजनीतिवेत्ता बतलाते हुये राजनीति विज्ञान के सैद्धान्तिक पक्ष का अनुसरण करने की सलाह दी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने वैदिक कालीन कुलपति की भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रो. चौहान को अच्छे प्रशासक की संज्ञा दी। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अधिष्ठता प्रो. उपाध्याय ने विश्वविद्यालय के वर्तमान और भविष्य के लिए प्रो. चौहान की नियुक्ति को सही समय पर सही निर्णय बताया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. चौहान ने नामवरसिंह व्याख्यान माला पुनः प्रारंभ करने की घोषणा की। अंत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आर.एस. आढा ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. दिनेश गहलोत ने किया। इस अवसर पर विवि के शिक्षक, शोधछात्र एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर सम्पन्न

मानवीय सेवा ही सर्वोच्च सेवा:प्रो. चौहान

विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर में कुलपति प्रो. (डॉ.) गुलाब सिंह चौहान ने बतौर मुख्य अतिथि छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मानवीय सेवा ही सर्वोच्च है। अतः हम सभीको निःस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। एनएसएस के संयोजक प्रो. (डॉ.) जैताराम विश्नोई ने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यार्थियों को रक्तदान का महत्व बताया साथ ही उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि निःस्वार्थ भाव से किया गया कार्य सदैव मंगलकारी होता हैं। इस विशेष शिविर का शुभारंभ 21 दिसम्बर को हुआ। इस दौरान प्रो. (डॉ.) जैताराम विश्नोई, डॉ.दिनेश गहलोत, प्रियंका दास मुरैना, एन.आर. गहलोत, प्रो. किशोरीलाल रैगर, डॉ,पृथ्वीराज नई दिल्ली, प्रो. (डॉ.) पर्बतसिंह चारण, प्रो. (डॉ.) एस.एस.बैस, डॉ.जनकसिंह मीणा ने छात्रों को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक उद्बोधन दिया।
एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. (डॉ.) के.आर. पटेल, डॉ. अर्जुनलाल मीणा, डॉ. कुलदीप मीणा, डॉ.श्रवणराज, डॉ. प्रवीण चंद, डॉ. फताराम नायक, डॉ. गौरव जैन, डॉ. सुरेश चौधरी ने अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दी।

एन.एस.एस. का रक्तदान शिविर

26 दिसम्बर को आयोजित रक्तदान शिविर में 62 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर विवि के कुलपति प्रो. (डॉ.) गुलाब सिंह चौहान, विवि के एनएसएस संयोजक प्रो. (डॉ.) जैताराम विश्नोई, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) कौशलनाथ उपाध्याय तथा छात्रसंघ अध्यक्ष सुनील चौधरी ने रक्तदान की प्रेरणा दी।

साहसिक शिविर में विश्वविद्यालय का अवार्ड

विवि एनएसएस के सदस्यों के दल ने हिमाचल प्रदेश के मैक्लोडगंज स्थित रीजनल माउटेंनरिंग सेंटर में दस दिवसीय साहसिक शिविर में भाग लिया। स्वयंसेवकों ने मध्य हिमालय की करेरी लेक नामक उंची चोटी फतेह कर 65 किलोमीटर की ट्रेकिंग की। इस अवसर पर विवि के स्वयंसेवक विकास विश्नोई को 'कीप द हिमालय क्लीन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। दल का नेतृत्व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.अशोक कुमार पटेल ने किया। इस शिविर में पांच राज्यों के स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

जीवन परामर्श केंद्र का लोकार्पण

विवि के मनोविज्ञान विभाग में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर प्रदेश के पहले जीवन परामर्श केंद्र का लोकार्पण किया गया। मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर लक्ष्मी नारायण युनकर ने बताया कि कला संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर कौशल नाथ उपाध्याय ने प्रदेश के अब तक के पहले जीवन परामर्श केंद्र का लोकार्पण कर इसको आमजन को समर्पित किया। इस केन्द्र पर व्यक्तित्व एवं व्यवहार से जुड़े विभिन्न प्रकार के परीक्षण किए जाएंगे। जिसमें बुद्धि परीक्षण अभीक्षमता परीक्षण व्यक्तित्व परीक्षण के साथ ही काउंसलिंग भी की जाएगी। इस केंद्र की विशेष बात यह रहेगी कि इस केंद्र में होने वाले सभी प्रकार के परीक्षण पूर्णतया निःशुल्क होंगे जिसका फायदा विद्यार्थियों शोधार्थियों के साथ ही आमजन एवं पश्चिम राजस्थान की जनता को भी मिलेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कला संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर कौशल नाथ उपाध्याय के साथ अति विशिष्ट अतिथि पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आरपी सिंह रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रोफेसर लक्ष्मीनारायण युनकर ने की मंच संचालन प्रीति त्यागी ने किया जहो लोकार्पण कार्यक्रम में प्रो. प्रीति माथुर, प्रो. विमला वर्मा, डॉ. हेमलता जोशी एवं डॉ. अर्पिता ककड़ भी मौजूद रही।

वृक्ष जीवन का प्राण है : प्रो. चौहान

केएन कॉलेज में एनएसएस का विशेष शिविर सम्पन्न

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर सम्पन्न हुआ। केएन कॉलेज एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनिता चौहान ने बताया कि 7 जनवरी से 13 जनवरी 2019 तक चले शिविर का शुभारंभ केएन कॉलेज की निदेशक प्रो. (डॉ.) वीना भाटिया ने विधिवत रूप से किया। इस विशेष शिविर में स्वच्छता, सांस्कृतिक, कैरियर निर्माण, कलां, साहित्य एवं स्वास्थ्य से सम्बधित अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस दरम्यान श्रीमती सुमित्रा पुनार द्वारा पैंटिंग तथा स्टेंसिल पेंटिंग के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. नीलिमा शेखावत द्वारा आधुनिक मानवीय मूल्यों पर व्याख्यान दिया गया।

विवि के कुलपति प्रो. (डॉ.) गुलाबसिंह चौहान के सानिध्य में स्वच्छता अभियान चलाकर महाविद्यालय में साफ-सफाई कर वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो. चौहान ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का प्राण है। वृक्षों के बगैर हमारा जीवन संकट में पड़ जाएगा। अतः हम सब को पेड़ लगाने के साथ उनका समूचित पालन पोषण भी करना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. चौहान ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को वृक्षारोपण की प्रेरणा दी। डॉ. अमिता संचेती एवं डॉ. सुरेश संचेती द्वारा 'कैंसर' पर व्याख्यान का कार्यक्रम हुआ जिसमें महाविद्यालय के समस्त छात्राओं ने कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इसी कड़ी में द स्काई हाई एज्यूकेशन सोसायटी द्वारा कार्यशाला में एयर हॉस्टेस और उससे जुड़ी हुई सेवाओं के विषय में छात्राओं को जानकारी दी गई। डॉ. शोभा गुप्ता द्वारा छात्राओं को सकारात्मक कार्य करने की सीख दी गई। शिविर का समापन समारोह प्रो. (डॉ.) एल.एस. राजपुरोहित के मुख्य आतिथ्य एवं प्रो. (डॉ.) चैनाराम चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) के.आर. पटेल तथा प्रो. (डॉ.) बीना भाटिया बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। शिविर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पंकज नामा, डॉ. आरडी पंकज, डॉ. गजे सिंह राजपुरोहित, डॉ. विनिता चौहान तथा डॉ. आर एल सैनी ने अपनी सराहनीय सेवाए दी।

यूजीसी का swayam portal स्वयं पढे, आगे बढ़ें

मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा में आमूलचूल बदलाव से ऑन लाइन शिक्षा का महत्व बढ़ा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं शैक्षिक संचार संकाय सीईसी द्वारा **swayam** पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा से संबंधित सभी प्रकार की सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसके लिए वर्चुअल क्लास रूम एवं स्मार्ट क्लास कारगर साबित हो रहे हैं। सीईसी ने ई-कंटेंट के सफल प्रयोग के बाद मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स **Mooc** के माध्यम से दसवीं से लेकर स्नातकोत्तर कक्षा तक के कोर्स के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया हैं। जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के ईएमएमआरसी सहित देशभर के सभी ईएमएमआरसी सेंटर में सीईसी की ओर से संचालित मूक कोर्स को लेकर विद्यार्थियों और शिक्षकों में क्रेज बढ़ता जा रहा हैं। ऑन शिक्षा के तहत विद्यार्थी ईएमएमआरसी केन्द्रों द्वारा इंटरनेट पर उपलब्ध करवाए जा रहे कोर्स में स्वयं रजिस्ट्रेशन करता है और फिर ऑन लाइन अध्ययन करने के बाद स्वयं ही ऑन लाइन शिक्षा में होने वाले एग्जाम में शामिल होकर स्वयं की क्षमता को परख सकता हैं। इसके लिए जोधपुर सहित सभी ईएमएमआरसी द्वारा कोर्स तैयार किए जा रहे हैं। जोधपुर सहित कई केन्द्रों ने मूक के कोर्स तैयार करके कुछ विषयों के एग्जाम भी ऑन लाइन करवाने में साफ लाता प्राप्त कर ली है।

ऑन लाइन शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए सीईसी ने देशभर में करीब एक हजार से अधिक शिक्षकों का समूह तैयार कर दिया है जो इस कार्य में जुटा है। जो वीडियो लेक्चरर तैयार करते हैं साथ ही विद्यार्थियों से ऑन लाइन डिस्कशन के दौरान सवालों के जवाब भी देते हैं। विद्यार्थियों के लिए खुश खबरी तो यह है कि ऑन लाइन कोर्स पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध करवाए जा रहे हैं और परीक्षा में सफल होने पर कोर्स का प्रमाण-पत्र भी दिया जा रहा है। ईएमएमआरसी के निदेशक प्रोफेसर डॉ.कमलेश पुरोहित बताते हैं कि सीईसी द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही शिक्षा की यह पद्धति डिजिटल क्रांति लेकर आएगी। इससे देश के अन्तिम छोर पर बैठा विद्यार्थी भी शिक्षा प्राप्त कर सकेगा। मैसिव ओपन ऑन लाइन के तहत ईएमएमआरसी जोधपुर द्वारा निर्मित **Mooc** जिसके लिए विद्यार्थी अपना पंजीयन करवा सकते हैं। प्रिंसिपल्स ऑफ मार्केटिंग का एग्जाम गत दिनों करवाया गया था, इसमें देशभर के करीब ढाई हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन करवाया। इसके साथ ही कोस्ट अकाउंटिंग एवं कॉपरेट अकाउंटिंग, रिटेल बिजनैस मैनेजमेंट एवं बिजनेस कम्यूनिकेशन के कोर्स तैयार कर स्वयं पोर्टल पर भी उपलब्ध है।

मेहनत करें सफलता कदम चूमेगी- प्रो. चौहान

यदि विद्यार्थी भरपूर मेहनत करें तो सफलतायें खुद-ब-खुद कदम चूमेगी। छात्राओं को भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए रोजगार पाने की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। यह कहना है विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गुलाब सिंह चौहान का। मौका था के एन कॉलेज में गर्ल्स कामन रूम व इनवरटर कक्ष के उद्घाटन का। निदेशक प्रो. बीना भाटिया ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि कुलपति इसी विश्वविद्यालय से बरसों से जुड़े है इसलिये वे यहाँ की समस्या के त्वरित निराकरण के लिये सदैव तत्पर रहते है। इन्होंने जिम्नेजियम मे एक कर्मी मुहैया करवा कर उसके बेहतर संचालन के लिये कुलपति का आभार व्यक्त किया। प्रवक्ता गोतम चंद गाँधी ने बताया कि प्रारम्भ में कुलपति ने इनवरटर कक्ष तथा गर्ल्स कॉमन कक्ष का फीता काट कर उद्घाटन कर उन्हें महाविद्यालय के लिये समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय में वृक्षारोपण किया और जिम्नेजियम का भी बारीकी से निरीक्षण किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर तथा साफा पहना कर कुलपति का स्वागत किया। तत्पश्चात् अशैक्षणिक कर्मचारियों ने कुलपति का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन गौतम गांधी ने किया।

राजस्थानी विभाग द्वारा साहित्यिक-सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन

विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग की ानी में 17 दिसंबर से 22 दिसम्बर 2018 तक राजस्थानी भाषा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन किया गया।

विभागाध्यक्ष डॉ.धनंजया अमरावत ने बताया कि इस वर्ष सात दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन के दौरान राजस्थानी काव्य पाठ, भाषण, वाद-विवाद, निबंध लेखन, मांडणा कलां, लोकनृत्य तथा लोकगीत की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। सात दिवसीय कार्यक्रम में ख्यातनाम साहित्यकार प्रो.जहूर खां मेहर, डॉ.आईदानसिंह भाटी, कैलाश कबीर, भंवरसिंह सांदू, भंवरसिंह सामौर तथा डॉ. मनमोहन स्वरूप माथुर ने छात्र-छात्राओं को प्रेरणात्मक उद्बोधन दिया। विभागीय सदस्य डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित एवं डॉ.मीनाक्षी बोराणा सहित विवि के अनेक शिक्षक,शोधछात्र तथा कर्मचारी इस दौरान मौजूद रहे। विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

प्रो. उपाध्याय सिंडीकेट सदस्य

जयनारायण व्यास विवि में कलां शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता के पद पर प्रतिष्ठित प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय को कुलपति प्रो. गुलाब सिंह चौहान ने सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नाथ उपाध्याय हिन्दी विभाग में प्रोफेसर पद पर सेवारत है। इस अवसर पर कला संकाय के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं कर्मचारियों ने प्रोफेसर उपाध्याय का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

आरटीआई एक हथाई : जस्टिस माथुर

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में जेएनवीयू जोधपुर एवं राजीव गांधी राष्ट्रीय

युवा विकास संस्थान श्री पैरम्बदूर के संयुक्त तत्वावधान में सूचना के अधिकार विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का ायोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन में ुख्य अतिथि जस्टिस एन.एन.माथुर ने ारटीआई एक्ट-2005 पर विस्तृत प्रकाश ाला और कहा कि इसमें कुछ खामियां, कमियां, आ रही होगी इस पर चिंतन करना आवश्यक हैं। पूर्व कुलपति प्रोफेसर एलएस राठौड, प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय, अशोक शर्मा, प्रो. बी.एल.शर्मा ने विचार रखे। कार्यक्रम समन्वयक जनकसिंह मीणा ने संचालन किया। कार्यशाला में विवि के कुलपति प्रो.गुलाबसिंह चौहान ने उद्बोधन दिया। कार्यशाला के दौरान विषय विशेषज्ञों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

भूगोल विभाग की प्रयोगशाला का उद्घाटन

सांयकालीन अध्ययन संस्थान में 16 जनवरी 2019 को कुलपति प्रो. (डॉ.) गुलाब सिंह चौहान का अभिनन्दन समारोह

के साथ स्मार्ट कक्षा कक्ष व भूगोल प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कला एवं समाज विज्ञान संकाय के प्रो. के. एन. उपाध्याय रहे। कार्यक्रम में सांयकालीन अध्ययन संस्थान निदेशक प्रो. सुखवीर सिंह बैस ने कुलपति को शॉल ओढा कर व श्रीफल भेंट कर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. चौहान ने प्रयोगशाला व स्मार्ट कक्षा कक्ष का उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथि प्रो. के.एन. उपाध्याय, संस्थान के निदेशक प्रो. सुखवीर सिंह बैस ने अपने विचार रखे। इससे पूर्व कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कुलपति का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। डॉ. ओम प्रकाश राजपुरोहित ने स्वागत भाषण दिया। संचालन डॉ. ललित पंवार ने किया। डॉ. भरत देवड़ा ने आभार व्यक्त किया। अधिष्ठाता वाणिज्य संकाय प्रो. जसराज बोहरा, अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. चंदन बाला, पूर्व सिण्डीकेट सदस्य प्रो. अखिल रंजन गर्ग, प्रो. कैलाप डागा एवं हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. कैलाश कौशल, संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. सरोज कौशल, इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. अरविन्द परिहार, दर्शन शास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. परबत सिंह चारण, वनस्पति शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कसेरा, गणित विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के.यादव, भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राजेन्द्र परिहार, भूगोल विभाग के प्रो. इरफान मेहर, डॉ. अर्जुनलाल मीणा, डॉ. ललित सिंह झाला, डॉ. गोविन्द सिंह एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. महेन्द्र सिंह राजपुरोहित तथा संस्थान के कर्मचारी उपस्थित थे।

'लोकतंत्र एवं चुनाव आयोग की भूमिका' विषयक लोक प्रशासन विभाग की संगोष्ठी

विवि के लोक प्रशासन विभाग द्वारा 'लोकतंत्र एवं चुनाव आयोग की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन भाषा प्रकोष्ठ के संगोष्ठी कक्ष में हुआ। संगोष्ठी में संकाय के अधिष्ठाता प्रो. के.एन. उपाध्याय मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में गोष्ठी की समन्वयक डॉ. शरद शेखावत ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला तथा अतिथियों का स्वागत किया। दीप प्रज्ज्वलन की औपचारिकता के बाद कार्यक्रम में एम.ए. के विद्यार्थियों द्वारा चुनाव आयोग की संरचना व कार्यप्रणाली के विभिन्न आयामों पर पत्रवाचन किया गया। 'मोहिनी जांगिड़ ने चुनाव आयोग का महत्व' मोहित ने 'भारत का प्रथम आम चुनाव' बुलिदान सिंह ने 'लोकतंत्र एवं जागरूक मतदाता' नेहा मोरधिया ने 'वर्तमान समय में चुनाव आयोग की उपयोगिता' पूजा परमार ने 'मतदाता एवं मताधिकार' प्रतापसिंह ने 'चुनाव आयोग एवं ईवीएम की उपयोगिता' विषय पर पत्रवाचन किया। मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश गहलोत ने भारत में लोकतंत्र की दशा व दिशा पर प्रकाश डालते हुए चुनाव आयोग में सुधार हेतु संविधान संशोधन की आवश्यकता को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि प्रो. उपाध्याय ने विभाग को नवाचार के लिए बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। उनके अनुसार भारतीय साहित्य में लोकतंत्र को बखूबी उकेरित किया गया हैं। जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप में जनप्रतिनिधि निर्वाचित हो, इस संदर्भ में आयोग को अधिक शक्तियां देना अपेक्षित है। विभागाध्यक्ष प्रो. जेएस शेखावत ने आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया। प्रो. शेखावत के अनुसार चुनाव आयोग की नवीन भूमिका पर आगे भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। डॉ. शरद शेखावत के अनुसार इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गये प्रोजेक्ट्स, चार्ट व पोस्टर की प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें चुनाव आयोग व लोकतंत्र के विभिन्न आयामों को उकेरा गया।

केएन कॉलेज स्काउट गाइड्स ने रोवर मूट में भाग लिया

केएन कॉलेज की स्काउट एव गाइड इकाई की छात्राओं ने राज्य स्तरीय 60वां रोवर मूट 46 रेंजर मीट में भाग लिया। केएन कॉलेज स्काउट गाइड्स रेंजर लीडर डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि 26 दिसंबर से 30 दिसम्बर 2018 तक आयोजित इस आयोजन में छात्राओं ने भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

'सृजन उत्सव' सांस्कृतिक सप्ताह

कमला नेहरू महाविद्यालय में माह नवम्बर 2018 में सह-सांस्कृतिक गतिविधियों को विद्यार्थी के जीवन का अभिन हिस्सा मानते हुए 'सृजन उत्सव' सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन किया गया जिसमें साहित्यिक गतिविधियों में वाद - विवाद, संभाषण और क्विज प्रतियोगिताओं के साथ-साथ लोक संगीत, रंग मंचीय गतिविधियां जैसे मोनोएक्टिंग, मिमिक्री एवं अभिनय, मेंहदी, अंताक्षरी एवं लोकनृत्य जैसी अनेक विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी।

सुश्री अनुश्रुति का किया सम्मान

मोहनलाल सुखाड़िया विवि उदयपुर के विवेकानंद सभागार में राजस्थान सरकार के

संस्कृत शिक्षा निदेशालय की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें जयनारायण व्यास विवि की एमए संस्कृत विषय की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा सुश्री अनुश्रुति दुबे का सम्मान किया गया। समारोह में तत्कालीन उच्च शिक्षामंत्री श्रीमती किरण मोहश्वरी ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

34वें युवा महोत्सव में जेएनवीयू का शानदार प्रदर्शन

32 विश्वविद्यालयों को पछाड़ JNVU पहले स्थान पर

छात्र छात्राओं के सर्वांगीण उन्नयन हेतु एवं उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करने हेतु जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मण्डल की ओर से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 40 सदस्यीय एक दल 34वें पश्चिमी क्षेत्रीय युवा महोत्सव में अपनी प्रतिभागिता दर्शायी।

19 दिसम्बर से 23 दिसम्बर, 2018 के मध्य सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र में आयोज्य इस 34वें युवा महोत्सव में पूरे विश्वविद्यालय से चयनित विद्यार्थियों का एक दल सह-सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी मुखरित प्रतिभा का प्रदर्शन करने गया। राजस्थान की आंचलिक एवं सांस्कृतिक विलक्षणता एवं लोक परम्पराओं को अपने अभूतपूर्व नृत्य एवं गायन कौशल से प्रदर्शित करते हुए जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय का दल 32 अन्य विश्वविद्यालयों को पछाड़ते हुए सांस्कृतिक रैली में प्रथम स्थान पर रहा। यह पहली बार है कि पूरा दल 'सांस्कृतिक रैली' में पहले स्थान पर रहा हो। सभी प्रतिभागियों को मैडल एवं प्रमाण-पत्र छात्र सेवा मण्डल के वार्षिकोत्सव में प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही वन ऐक्ट प्ले 'चॉकलेट' ने जिसमें कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की छः छात्राओं के दल ने उम्दा अभिनय का प्रदर्शन किया। नाटक के लेखक निदेशक डॉ. हितेन्द्र गोयल है। यह नाटक 'चॉकलेट' पांचवें स्थान पर रहा। युवा महोत्सव में प्रतिभागिता के लिए गये इस दल का नेतृत्व डॉ. हितेन्द्र गोयल, डॉ. मीता सोलंकी, डॉ. गौरव शुक्ल, डॉ. अनामिका पूनिया और श्री ओमप्रकाश ने किया।

माननीय कुलपती प्रो. (डॉ.) गुलाबसिंह चौहान के साथ प्रो. (डॉ.) कैलाश डागा अध्यक्ष छात्र सेवा मंडल, प्रो. (डॉ.) जालमसिंह रावलोत-सचिव, प्रो. (डॉ.) बीना भाटिया निदेश केएन कॉलेज, श्री भंवरसिंह सांदु कुलसचिव, डॉ. हितेन्द्र गोयल, डॉ. अनामिका पूनीया एवं डॉ. मीता सोलंकी के साथ युथ फैस्टिवल में भाग लेने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थी।

विजयी दल के लौटने पर कुलपति ने की प्रंशसा

34वें पश्चिमी क्षेत्रीय युवा महोत्सव में 'सांस्कृतिक रैली' में प्रथम स्थान अर्जित कर दल के जोधपुर लौटने पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गुलाब सिंह चौहान ने मार्गदर्शकों एवं प्रतिभागियों की खूब प्रशंसा की और कहा कि विद्यार्थियों को लगातार अपनी प्रतिभा को निखारते रहना चाहिए। छात्र सेवा मण्डल से आयोज्य होने वाली समस्त गतिविधियों में हिस्सा लेकर अपनी-अपनी प्रतिभा को सही मंच देना चाहिए। राजस्थान की शान घूमर एवं आंचलिक परम्परा को प्रदर्शित करते हुए अभूतपूर्व नृत्य कर विश्वविद्यालय को प्रथम स्थान दिलाने वाले दल को आशीर्वाद देते हुए कुलपति प्रो. चौहान ने शाबाशी दी और भविष्य में भी विश्वविद्यालय के विजयी होने की कामना व्यक्त की। इस सम्मान के अवसर पर छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष प्रो. कैलाश डागा, सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत, सांस्कृतिक समन्वयक प्रो. बीना भाटिया, सह-सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. हितेन्द्र गोयल, डॉ. मीता सोलंकी, डॉ. अनामिका पूनिया मौजूद रहे।

राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ

राजस्थानी सांस्कृतिक सप्ताह सम्पन्न

जना व्यास विवि के छात्र सेवा मण्डल के अन्तर्गत राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित राजस्थानी सांस्कृतिक सप्ताह 2019 के तहत राजस्थानी प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई। राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया कि 14 जनवरी से 19 जनवरी 2019 तक आयोजित राजस्थानी सांस्कृतिक सप्ताह के अन्तर्गत कुल बारह प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में राजस्थानी कविता, गीत, स्लोगन एण्ड पोस्टर मांडण, वाद-विवाद, मूट कोर्ट, कहाणी, निबंध, लोकनृत्य, लोकगीत, व्यंजन तथा सामान्य ज्ञान सम्मिलित है। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेन्टो प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। सभी प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

परिसर समाचार

प्रो.(डॉ.) गुलाब सिंह चौहान कुलपती जेएनवीयू

प्रधान संपादक
प्रो. (डॉ.) सत्यप्रकाश दुबे

संपादक मंडल
डॉ. नरेन्द्र मिश्र, डॉ. सतीश कुमार हारित
डॉ. रामसिंह आढा, डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित
रामनिवास चौधरी, अचलसिंह मेड़तिया
अजय अस्थाना

ले-आउट
विजय सिंह शेखावत

प्रकाशक
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

अंक: 10

माह: दिसम्बर

वर्ष: 2016

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ 14वां दीक्षांत समारोह

स्वर्णिम आभा से महका विश्वविद्यालय

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का 14वां दीक्षान्त समारोह तीन दिसंबर को परम्परागत व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

राजस्थान में दीक्षान्त समारोह की विलुप्त होती परम्परा को नवजीवन देने वाले कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह के प्रेरणास्पद सानिध्य एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित यह दीक्षान्त समारोह विश्वविद्यालय इतिहास में भरपूर यादें छोड़ गया। इस अवसर पर 73 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। वहीं स्नातक व स्नातकोत्तर की कुल 44 हजार डिग्रियां उपलब्ध कराई गई। इस अवसर विश्वविद्यालय का समस्त स्टाफग मौजूद था।

दृष्टिबाधित छात्र अक्षय का किया अभिनंदन

दीक्षांत समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। माननीय कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने राजस्थानी विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले दृष्टिबाधित छात्र अक्षय सुराणा को पुनः मंच पर बुलाया और 51,000 रुपए की राशि राजभवन कोष से देने की घोषणा की। उन्होंने अक्षय की पीठ थपथपाकर शाबासी दी और कहा कि अक्षय जैसे विद्यार्थी हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं।

नोटबंदी से आएगी आर्थिक क्रांतिः कुलाधिपति

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने अपने दीक्षांत उद्बोधन में कहा कि आज आर्थिक क्रांति का युग है। इस युग में केन्द्र सरकार ने एक नया प्रयोग किया है, नोटबंदी का। इसमें कुछ दिन कठिनाइयां जरूर आएंगी लेकिन बाद में इसके अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि नोटबंदी से आतंकवादियों, कालाधन रखने वालों, पाकिस्तान व नक्सलवाद को करारा झटका लगा है। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय परिवार से आह्वान किया कि फीस, छात्रवृत्ति, वेतन आदि सभी कार्य कैशलेस कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अभियान में रोल मॉडल बनें। उन्होंने अभिलाषा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय परिवार से जुड़ा हर व्यक्ति संकल्प ले कि वह पचास व्यक्तियों को खरीद व लेनदेन में डिजिटल व ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि जेएनवीयू देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बनेगा जो पूर्णतः कैशलेस प्रणाली को लागू करेगा। राज्यपाल ने कहा कि कालाधन कालानाग है जो जनजीवन व विकास को डस रहा है, इसे समाप्त करने के लिए नोटबंदी के एतिहासिक निर्णय को समर्थन देने की आवश्यकता है।

माननीय कुलाधिपति ने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक व डिग्री पाने वाले विद्यार्थियों को कहा कि इस डिग्री के बाद जीवन की अगली परीक्षा शुरू हुई है जो महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने आह्वान किया कि अपने विषय में दक्षता प्राप्त करने के साथ विद्यार्थी मातृभूमि, मातृभाषा एवं मातृ संस्कृति का सदैव स्मरण रखें एवं कभी निराश न हों।

विश्वविद्यालयों में विश्व स्तरीय हो शोधकार्यः प्रो. वेदप्रकाश

समारोह के अतिथि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को लक्ष्य कर हृदयस्पर्शी उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्य समाज की समस्याओं के निवारण में सहयोग देना है। लेकिन विडंबना है कि विश्वविद्यालय अब चारदीवारी में कैद हो रहे हैं और समाज से जुड़ नहीं पा रहे हैं। प्रो. वेदप्रकाश ने विद्यार्थियों से कहा कि उन्हें शिक्षा के नहीं बल्कि जीवन के संघर्ष को समझना चाहिए। सपने सच करने के लिए सिद्धान्त बदलें, जैसे पेड़ पत्ते बदलता है, जड़ें नहीं। चिंता करने से कोई लाभ नहीं बल्कि समय का सदुपयोग करें एवं अपने घर में स्वाध्याय के लिए निजी पुस्तकालय बनाएं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि हमें महापुरूषों की आत्मकथाएं अवश्य पढ़नी चाहिए ताकि उनके संघर्ष से प्रेरणा मिले एवं हम अनुभव हासिल करें। प्रो. वेदप्रकाश ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे पाठ्यक्रम में ऐसे परिवर्तन करें जिससे हर वर्ग को लाभ मिले। शोध कार्य केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं रहे बल्कि किसान तक पहुंचे। शोध केवल खानापूर्ति के लिए नहीं होना चाहिए बल्कि विश्व स्तर का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना चाहिए ताकि सभी तबकों को शिक्षा प्राप्त हो। उन्होंने विश्वविद्यालय की नियुक्तियों में वंचित वर्ग को भी पूरा स्थान देने की अपील की।

विश्वविद्यालय के विकास में जुड़ रहे नए आयामः प्रो. सिंह

समारोह के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की वार्षिक उपलब्धियों को रेखांकित किया एवं विश्वविद्यालय के विकास में जुड़ रहे नये आयामों से अवगत कराया। समारोह का संयोजन कुलसचिव श्री भंवर सिंह सांदू ने किया।

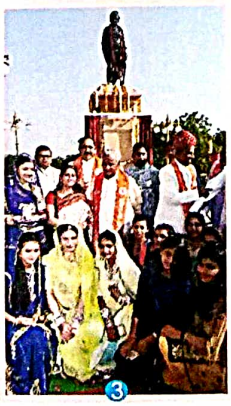

नवीन कार्यों का श्रीगणेश

दीक्षान्त समारोह के बाद माननीय कुलाधिपति ने नए परिसर में विश्ववंदनीय स्वामी विवेकानंद की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने इसी परिसर में नवनिर्मित महिला छात्रावास के शिलापट्ट का भी अनावरण किया। इस अवसर पर माननीय कुलाधिपति ने सेनापति भवन के सामने स्थित प्रबंध अध्ययन विभाग के नवनिर्मित्त भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के द्विभाषी पत्र 'परिसर समाचार' के नये अंक का लोकार्पण किया तथा प्रबंध अध्ययन विभाग एवं गुरू जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ की पत्रिकाओं का भी विमोचन किया।

फोटो कैप्शन:

1. महिला छात्रावास के शिलापट्ट का अनावरण
2. प्रबंध अध्ययन विभाग में शिलापट्ट का अनावरण
3. नया परिसर में स्वामी विवेकानंद की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

4-5. विश्वविद्यालय व प्रबंध अध्ययन विभाग के द्विभाषी पत्रों का लोकर्पण करते कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री कल्याण सिंह।

प्रत्येक व्यक्ति को मानव अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए: डॉ.नूपुर

मानव अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में दस दिसम्बर को महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कला संकाय अधिष्ठाता प्रो.डी. सी.जैन की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्थान उच्च न्यायालय की अधिवक्ता डॉ.नूपुर भाटी मुख्य वक्ता एवं विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो.चन्दन बाला विशिष्ट अतिथि थीं।

मानव अधिकार दिवस पर कार्यक्रम

मुख्य वक्ता डॉ. नूपुर भाटी ने भारतीय संविधान में वर्णित मानव अधिकारों व न्यायालय द्वारा दिए गए मानव अधिकारों की रक्षार्थ एवं समाज में लैंगिक समानता स्थापित करने के बारे में जानकारी दी गई। प्रत्येक मनुष्य को अपने मानव अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। हमें मानव अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए तथा लोगों में मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता लानी होगी। इसके लिए हम सब मिलकर प्रयास करेंगे, तब हम इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। एक विकसित समाज के निर्माण में मानव अधिकारों का संरक्षण होना नितांत आवश्यक है।

विधि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. चन्दनबाला ने कहा कि रामायण, महाभारत काल से ही मानव अधिकारों की बात हमें देखने को मिलती हैं। उन्होंने कहा कि साहित्य हमेशा मानव अधिकारों की रक्षा की बात करता है, लेकिन आधुनिक भौतिकवादी समाज में मानव अधिकारों का हनन हो रहा है। हमें संवेदनशील बनकर लोगों को मानव अधिकारों के प्रति जागरूक करना होगा तथा सभी लोग अपने-अपने कर्त्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक ढ़ंग से करेंगे तो समाज में किसी भी मानव के अधिकारों का हनन नहीं होगा। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. डी. सी. जैन ने कहा कि प्रत्येक मानव के मानव अधिकार होते हैं, वे प्रकृति प्रदत्त हैं, इसलिए सबको समान रूप से अधिकार प्राप्त होने चाहिए। व्यक्ति को अपने अधिकारों का उपयोग करते समय दूसरों के अधिकारों का भी ध्यान रखना चाहिये। कार्यक्रम के आरंभ में महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. कल्पना पुरोहित ने स्वागत उद्बोधन दिया। विषय को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि मानव होने के नाते मनुष्य के मानव अधिकार होते हैं। हमें ऐसा व्यवहार कभी नहीं करना चाहिए, जिससे कि दूसरे के मानव अधिकारों का हनन हो। प्रत्येक मनुष्य को संवेदनशील रहते हुए परिवार, समाज व देश में मानव अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

Adieu Prof. Sindhal after 36 years of long and successful service

The journey of Professor Rajendra Singh Sindhal started at Jai Narain Vyas University on 1st August, 1980 when he joined University as Research Assistant in the Department of Chemistry. He became Assistant professor in 1984, Associate in 1992 and Professor in 2004. Besides being a good academician and teacher Prof. Sindhal also served the University in various capacities as Head of the Department (2003-2006) Proctor Science Faculty (1994-2002) elected member of the Academic council (Two Term)(1994-2000) and member of Rajasthan Cultural cell. He supervised more than twelve students for their doctoral degree and published number of research papers in the national and international journals of high repute. Ph. D scholar of renowned Professor R.C. Kapoor, Prof. Rajendera Sindhal superannuated from the University on 30th November, 2016. We wish him all the very best for his new journey ahead.

लिंग भेद को समाप्त करना जरूरी: डॉ.प्रमिला

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय महिला अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में 16 दिसम्बर को नया परिसर स्थित पीजी जनजाति छात्रावास में जेण्डर संवदेनशीलता पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. प्रमिला थीं। अपने संबोधन में मुख्य वक्ता ने कहा कि प्रकृति ने महिला व पुरुष के बीच लिंग भेद किया है, लेकिन जेण्डर भेदभाव समाज की देन है, जिसमें स्त्री को पुरुष की तुलना में दोयम समझ लिया गया है। लिंग भेदभाव भारत में सदियों से विद्यमान रहा है। जिसमें कार्य में भेदभाव, मानदेय में भेदभाव, यौन हिंसा आदि है, अब हमें इन भेदभावों को दूर कर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। उन्होंने अपनी केस स्टडी के माध्यम से राजस्थान में महिलाओं की सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमको किसी भी स्थिति में अत्याचार को सहन नहीं करना चाहिए। हमें अत्याचार के खिलाफ खड़ा होना चाहिए तथा स्वयं पर विश्वास रखते हुए समाज में अपनी सशक्त भूमिका का निर्वहन करना चाहिए।

जेण्डर संवदेनशीलता पर कार्यक्रम

प्रारंभ में केन्द्र निदेशक प्रो. कल्पना पुरोहित ने केन्द्र द्वारा समय-समय पर आयोजित होने वाली गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि, कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में लोगों को जेण्डर संवेदनशीलता के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के अंत में पीजी जनजाति हॉस्टल की वार्डन डॉ. मीनाक्षी मीणा ने आभार व्यक्त किया।

के एन कॉलेज में विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में स्थापित Academic Student's Association के तत्वावधान में रचनात्मक कौशल के विकास हेतु विज्ञान की छात्राओं के लिये मॉडल बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। विज्ञान संकाय की कुल 27 प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक एवं अकादित ज्ञान के अनुरूप विविध प्रकार के मॉडल बनाये। इस अवसर पर निदेशक प्रो. पूनम बावा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के वैज्ञानिक युग में छात्राएं मॉडल प्रतियोगिता के माध्यम से भविष्य में नित नये आयाम स्थापित कर सकती है। संयोजक व निर्णायक डा. एस. एल. मीणा, सांत्वना गौड, डॉ जतन कंवर जैन एवं डॉ. दिव्या चौधरी ने बताया कि बी एस सी अंतिम वर्ष की सीमा पालीवाल व बी एस सी प्रथम वर्ष की छात्रा लीला को संयुक्त रूप से प्रथम घोषित किया गया। मॉडल प्रतियोगिता का विषय Water Energy Development था।

नव आशार्थियों को दीक्षा दिलाई

विज्ञान संकाय रोवर स्काउट क्रू व के.एन. कॉलेज रेंजर्स का दीक्षा संस्कार समारोह

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय रोवर ग्रुप के विज्ञान संकाय रोवर क्रू व के.एन. कॉलेज का दीक्षा संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। विज्ञान संकाय रोवर क्रू के रोवर लीडर डॉ. शंकरलाल नामा ने बताया कि इस सत्र में रोवर स्काउट में इच्छुक छात्रों को शामिल करने के लिए दीक्षा संस्कार विज्ञान संकाय रोवर स्काउट ग्राउंड में आयोजित हुआ। दीक्षा संस्कार समारोह विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पी.के. शर्मा, सिंडीकेट सदस्य एवं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. चेनाराम चौधरी व ग्रुप लीडर प्रो. लालसिंह राजपुरोहित के मुख्य आथित्य में हुआ। नव आशार्थियों को रोवर क्रू एवं रेंजर टीम में सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। अधिष्ठाता प्रो. पी. के. शर्मा ने सभी को इस संगठन में शामिल होकर समाज सेवा करने का आहवान किया। प्रो. चेनाराम चौधरी ने नव आशार्थियों को स्काउट नियमों को जीवन में उतारने व यूनिफॉर्म की विश्वसनीयता को बनाये रखने का आहवान किया। प्रो. लालसिंह राजपुरोहित ने रोवर व रेंजर आन्दोलन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। रोवर क्रू के रोवर्स को उनके द्वारा गत वर्ष की गतिविधियों में भाग लेने वालों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न संकाय के रोवर व रेंजर्स लीडर डॉ. राम प्रकाश सारण, मीता सोलंकी, कामिनी ओझा, मनीष वढेरा, रमेश कुमार उपस्थित थे। रोवर्स मुकेश ताडा, नरेश कुमार, नंदू भुट्टा, दिनेश कुमार, सुरेश कुमार, हेमा राम, नवीन चंद्र कोडेचा, किरता राम, राजेंद्र प्रसाद, प्रीतम काला, युवराज सिंह, शुभम तुनवाल, सुरेश, महेंद्र सेवल, गोपा राम व रमेश कुमार को दीक्षा दी गई।

के.एन. कॉलेज रेंजर टीम की रेंजर लीडर मीता सोलंकी ने नव आशार्थी रेंजर को दीक्षा दिलाई। इसमें रेंजर्स निकिता कड़वासरा, सुमन देवी, पूजा प्रजापत, लक्ष्मी, सपना तंवर, नम्रता दाधीच, विमला कुमारी, चंद्रकांता परिहार, संगीता पारीक, तुलसी देवी व रोशनी को दीक्षा दी गई।

समारोह में राष्ट्रपति रोवर कंवर लाल गेंवा, रोवर लक्ष्मण सिंह, प्रदीप सिंह राजपुरोहित, हज़ा राम, कृष्ण कुमार, अशोक कुमार पंचाल, विक्रम लोहिया, हरीश वैष्णव, भगवान सिंह राजपुरोहित, मदन लाल, कुलदीप तंवर, महेंद्र सिंह इंदा, कार्तिक टाक उपस्थित थे। समारोह के अंत में सहायक रोवर लीडर डॉ. राम प्रकाश सारण ने आभार व्यक्त किया।

'मानव अधिकारों का हनन मानव ही रोक सकता है'

" दक्षिण एशिया में विशेष योग्यजन की समस्याएं और पुनर्वास : विभिन्न आयाम" पर नेशनल सिम्पोजियम का आयोजन

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से प्रज्ञा निकेतन विशेष छात्रावास में "दक्षिण एशिया में विशेष योग्यजनों की समस्याएं और पुनर्वास: विभिन्न आयाम" विषय पर एक दिवसीय नेशनल सिम्पोजियम का आयोजन किया गया। राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष माननीय न्यायाधिपति श्री प्रकाश टाटिया ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों का हनन मानव रोक सकता है। हर व्यक्ति को गरिमामय जीवन जीने का अधिकार है।

सांयकालीन अध्ययन संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. प्रतापसिंह भाटी एवं राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. एच.एस. राठौड़ उद्घाटन अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। निदेशक डॉ. मीना बरडिया ने संगोष्ठी के विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, पूरे विश्व में विभिन्न प्रकार के विशेष योग्यजन कुल जनसंख्या का 15 प्रतिशत हैं और विभिन्न प्रकार की शारीरिक तथा मानसिक विकलांगता से ग्रस्त हैं। कानूनों और योजनाओं के बावजूद इनका लाभ विशेष योग्यजन को नहीं मिल पा रहा है। राजनीति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. कुसुमलता भंडारी ने अतिथियों का स्वागत किया।

दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता गृह विज्ञान विभाग की प्रो. मीनाक्षी माथुर ने की। यह सत्र सामाजिक, राजनीतिक, प्रशासनिक व सांस्कृतिक मुद्दों से संबंधित था। तीसरे तकनीकी सत्र में कानूनी व मनोवैज्ञानिक समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. सरोज कौशल ने और रिपोर्टिंग डॉ. जनक सिंह मीना ने की।

संगोष्ठी का समापन राजस्थान उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधिपति श्री संदीप मेहता के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती सुशीला बोहरा, श्री राजेश जोशी वरिष्ठ अधिवक्ता तथा कला, शिक्षा तथा समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो.डी.सी. जैन रहे। कार्यक्रम का संचालन सुश्री शैला माहेश्वरी और सुश्री छवि बरडिया ने किया।

इस कार्यक्रम में डॉ. मीना बरडिया की पुस्तक "दक्षिण एशिया: मानवाधिकार व अन्य मुद्दे" का विमोचन किया गया। उद्घाटन समारोह में विशेष छात्रा जीतू कंवर का सम्मान किया गया। रीयल लाइफ हीरो उन चार विशेष योग्यजन छात्रों के जज्बे को भी सलाम किया गया, जिन्होंने सूदूर भालू गांव तहसील शेरगढ में जाकर सद्बुद्धि शिक्षण संस्थान के नाम से स्कूल खोला है व सामान्य नागरिकों की सहायता कर रहे हैं। इस संगोष्ठी के प्रायोजक इन्हरव्हील क्लब तथा सह प्रायोजक विकलांग पुनर्वास एवं प्रशिक्षण संस्थान थे। संगोष्ठी में विशेष योग्यजन के अलावा समाज विज्ञान, विधि इत्यादि विषयों के शोधार्थी, प्रोफेसर, वकील, डाक्टर तथा सामान्यजन शामिल हुए।

National Symposium on Electrochemistry, Energy and Environment

The interdisciplinary approach of analytical chemistry with new emerging trends has proved its applications in the field of electrochemistry, environmental studies, material sciences, sensors, pharmaceuticals and trace analysis. At 'National Symposium on Electrochemistry, Energy and Environment' (NSEEE-2016) organised by Department of Chemistry, Jai Narain Vyas University, Jodhpur on 16-18 December, 2016, attention was focused on the major research areas of this millennium. The symposium was conducted under the patronship of Hon'ble Vice Chancellor, J. N. V. Univeristy, Jodhpur, Prof. R. P. Singh; Prof. P. K. Sharma, Dean, Faculty of Science, as the Convener; Prof. Pradeep K. Sharma, Head, Department of Chemistry as the Chairman and Dr. Rahul Bais, Assistant Prof., Department of Chemistry as the Organizing Secretary.

There were 8 technical sessions with 24 invited lectures, 50 oral presentations and more than 30 poster presentations in the three days Symposium. Prof. S. C. Ameta, Dean, Faculty of Science, PAHER University, Udaipur, inaugurated the symposium and spoke on fundamentals and applications of advanced oxidation processes for wastewater treatment in his inaugural address.

Prof. P. K. Sharma, convenor of the Symposium spoke on the basic idea and aim behind organising this three days rendezvous with some of the finest brain in the country.

The Chairman of the Symposium, Prof. Pradeep K. Sharma gave a brief profile of the Department of Chemistry enlightening the invitees about the glorious past and the bright future of the Department.

Invited speakers, faculty members and research scholars from various renowned scientific institutions, *viz.* Prof. R. N. Goyal, IIT, Roorkee; Dr. Alka Sharma, U. O. R., Jaipur; Dr. Rakshit Ameta, PAHER University, Udaipur; Dr. N. Bhojak, Govt. College, Bikaner; Dr. Sameer Vyas, CSMRS, New Delhi; Dr. Mala Rathore, AFRI, Jodhpur; Dr. Shaloo Malik, Regional Forensic Science Laboratory, Jodhpur; and many others marked their presence at the symposium and a varied field of research topics, ideas and innovations were introduced and discussed on this platform.

कैशलेस ट्रांजेक्शन की जागरूकता में महत्वपूर्ण साबित हो रही 'डॉक्यूमेंट्री'

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए जेएनवीयू के कुलपति प्रोफेसर आर पी सिंह के निर्देशानुसार ईएमएमआरसी, जोधपुर की ओर से बैंक ऑफ बडौदा के सहयोग से बनाई गई डॉक्यूमेंट्री महत्वपूर्ण साबित हो रही है। ईएमएमआरसी के निदेशक प्रोफेसर एस के शर्मा ने बताया कि, वित्तीय साक्षरता अभियान के तहत विश्वविद्यालय की ओर से बनाई गई इस डॉक्यूमेंट्री में बैंक ऑफ बडौदा के आईटी मैनेजर देवेन्द्र गहलोत ने कैशलेस ट्रांजेक्टशन के तरीके बड़ी सरलता से समझाए गए हैं। 16 मिनट की इस डॉक्यूमेंट्री में बताया गया कि, किस तरह आम व्यक्ति विभिन्न माध्यमों से नकद रहित लेनदेन कर सकता है। ईएमएमआरसी के वरिष्ठ प्रडयूसर विनोद सती ने बताया कि इस डॉक्यूमेंट्री का विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में प्रदर्शन कर शिक्षकों, कर्मचारियों और स्टूडेंटस को नकद रहित लेनदेन के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। वहीं स्टूडेंटस के विभिन्न ग्रुप बनाए गए हैं जो इसके माध्यम से लोगों को नकद रहित लेनदेन के बारे में प्रशिक्षित करेंगे। बैंक ऑफ बडौदा के आईटी मैनेजर देवेन्द्र गहलोत ने बताया कि, इस डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से बैंक के ग्राहकों को भी नकद रहित लेनदेन के लिए जागरूक किया जा रहा है।

स्टर प्रतियोगिता का आयोजन

ना नेहरू महिला महाविद्यालय में 21 दिसम्बर 2016 को पोस्टर प्रतियोगिता का जन किया गया। इसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। ओं ने अलग-अलग तरह के पोस्टर बनवाए। इस अवसर पर निदेशक प्रो.पूनम ने कहा कि इस तरह के आयोजन से छात्राओं में छिपी प्रतिभा तो उजागर होती ही न्हें सम्बल भी मिलता है। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. एस एल मीणा ने बताया ीमा पालीवाल, कामाक्षी व प्रियंका शर्मा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रही। के अगले दिन मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

हंदी प्रतियोगिता का आयोजन

त्रसेवा मण्डल की ओर से 16 दिसम्बर को कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में हंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। मण्डल के सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत ने बताया कि प्रतियोगिता में कमला नेहरू कॉलेज, महिला पी.जी. गर्ल्स महाविद्यालय तथा नया परिसर की छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में छात्राओं को एक घण्टे का समय दिया गया। जिसमें सभी छात्राओं ने अति सुन्दर मेहन्दी लगाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। ओरेबियन, भरमा व राजस्थानी स्टाइल की मेहन्दी ने सभी का मनमोह लिया। प्रो. कान्ता कटारिया, प्रो. वीना भाटिया एवं डॉ. विभा भूत ने इस प्रतियोगिता का आयोजन करवाया।

विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कॅरियर शिविर सम्पन्न

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कॅरियर काउंसलिंग सेल की ओर से 30 नवम्बर .2016 को दो दिवसीय कॅरियर व कौशल विकास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डॉ.) आर.पी. सिंह ने किया। उन्होंने कॅरियर काउंसलिंग सेल को प्रेरणा देने वाली संस्था बताया तथा विद्यार्थियों को व्यक्तित्व निखार के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को प्रभावशाली बनने व प्रयास करते रहने का मूलमंत्र दिया। भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रशासनिक अधिकारी श्री शाहिद अली व उनकी टीम ने भारतीय जीवन बीमा निगम में अभिकर्ता कॅरियर की जानकारी दी। साथ ही चयन, मार्केटिंग टिप्स, पदोन्नति व सेवाओं की जानकारी विद्यार्थियों को दी। श्री के.के. व्यास ने भारतीय जीवन बीमा के विभिन्न कोर्सेज की जानकारी प्रदान की। कॅरियर सेल के निदेशक प्रो. विकल गुप्ता ने बताया कि, दूसरे सत्र में मनोविज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. ए. के. मलिक ने व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान दिया। उन्होनें विद्यार्थियों को इन्टरव्यू के टिप्स दिये तथा बताया कि असम्भव कुछ नहीं, प्रयास करने से सफलता हासिल होती है। शिविर में 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा अपना पंजीकरण कराया। दूसरे दिन सामान्य ज्ञान व वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने नोटबन्दी के पक्ष व विपक्ष में तर्क रखे। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में दिनेश गुर्जर प्रथम रहे व नवीन कुमार व गौरव चौधरी द्वितीय स्थान पर रहे। वहीं वाद विवाद प्रतियोगिता में दीपक गोयल ने प्रथम व दिनेश गुर्जर ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

गांव आत्मनिर्भर बनेंगे, तब ही सही मायनों में विकास होगा: राज्यपाल

कुलाधिपति एवं राज्यपाल माननीय कल्याण सिंह जी ने किया नांदड़ा कलां गांव का दौरा

कुलाधिपति माननीय श्री कल्याण सिंह ने दीक्षांत समारोह के अगले दिन विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए गांव नांदड़ा कलां का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को नशामुक्ति एवं महिला सशक्तिकरण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से सात दिव्यांगों को ट्राई साइकिल एवं 21 महिलाओं को सिलाई मशीनें माननीय राज्यपाल के कर कमलों से भेंट करवाई गई।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय में आयोजित सार्वजनिक सभा में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए माननीय कुलाधिपति ने कहा कि मैं गांव से जुड़ा व्यक्ति हूँ इसलिए गांव की स्थिति को समझता हूँ। मेरी ललक है कि ग्रामीणों और सरकार के प्रयासों से स्मार्ट विलेज बनाया जाए। स्मार्ट विलेज की अपनी परिकल्पना बताते हुए उन्होंने कहा कि जहां सड़क, सिंचाई, शिक्षा, बिजली, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वरोजगार एवं स्वावलंबन, ये आठ जरूरतें पूरी हो रही हैं, वहीं स्मार्ट विलेज है। ऐसे गांवों में स्वच्छता व बालिका सुरक्षा भी अति आवश्यक है।

माननीय कुलाधिपति ने कहा कि आज देश के साथ गांव भी बदल रहा है। बदलते समय में गांवों की उन्नति जरूरी है और यह उन्नति लघु उद्योगों एवं पशुपालन को बढ़ावा देने से संभव है। उन्होंने कहा कि जब गांव आत्मनिर्भर बनेंगे तभी सही मायनों में विकास होगा। माननीय राज्यपाल ने नांदड़ा कलां गांव में शिक्षा के स्तर को सुधारने के साथ बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने तथा नशाखोरी व जुआंखोरी से दूर रहने की प्रेरणा जगाई।

माननीय राज्यपाल ने इस अवसर पर जन पंचायत लगाई और ग्रामीणों को मंच पर बुलाकर समस्याएं सुनी एवं संवाद किया। ग्रामीणों ने शिक्षा, पेयजल एवं परिवहन से जुड़ी समस्याओं को रखा। माननीय राज्यपाल ने इन समस्याओं के निराकरण का आश्वासन देते हुए उच्चाधिकारियों तक पहुँचाने के लिए कहा। माननीय कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय परिवार की ओर से करवाए जा रहे विकास एवं स्वच्छता के कार्यों का भी अवलोकन किया। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय की ओर से नांदड़ा में करवाएं जा रहे विकास कार्यक्रमों से माननीय कुलाधिपति को अवगत करवाया। जिला कलक्टर श्री बिष्णु चरण मल्लिक ने गांव में उपलब्ध करवाई जा रही सरकारी सुविधाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। विश्वविद्यालय के सामाजिक सरोकारों को अभिव्यक्त करने वाले नांदड़ा कलां के ग्रामीण माननीय कुलाधिपति के दौरे से प्रसन्न एवं गद्गद् नजर आए। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में कैशलेस जागरुकता शिविर

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से महाविद्यालय में केन्द्र सरकार की कैशलेस अर्थव्यवथा के संबंध में जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में महाविद्यालय की निदेशक प्रो. पूनम बावा ने कहा कि कैशलेस इकोनोमी वर्तमान की महत्ती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसके लिए उच्च शिक्षण संस्थान में वालियन्टर्स तैयार करने की जिम्मेदारी दी है। महाविद्यालय इसके लिए कटिबद्ध है और के एन कालेज की एनएसएस इकाई की छात्राओं के अलावा अन्य छात्राओं को बतौर प्रशिक्षक तैयार किया जा रहा है। उन्होंने छात्राओं को एक मजबूत तंत्र बताते हुए उम्मीद जताई कि छात्राएं इस योजना को अन्य आमजन में अवगत कराने में महत्ती भूमिका निभाएंगी। इस अवसर पर प्रो. चन्द्रशेखर चौधरी ने कैशलेस इकोनॉमी के तीन चरणों को इंगित किया। प्रथम चरण में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर वॉलियन्टर्स अपना पंजीयन करवाएं, उसके बाद द्वितीय चरण में छात्राओं को स्वयं को कैशलेस होना है और इसके लिए उन्हें अपना बैंक खाता भी खुलवाना है। अंतिम चरण में छात्राओं को वर्कशॉप के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद इन छात्राओं को कैशलेस इकोनोमी की प्रक्रियाओं से आमजन को रू-ब-रू करवाना होगा। कैशलेस ट्रांजेक्शन के बारे में आगामी दिनों में महाविद्यालय में फिल्म के माध्यम से भी जागरूक किया जाएगा। प्रो. पूनम बावा ने बताया कि यह सरकार कि एक योजना है जिसके तहत उच्च शिक्षण संस्थान को पुरस्कृत भी किया जाएगा। इस मौके पर डॉ. पंकज नामा, अंजू अग्रवाल, जया भण्डारी, आर डी पंकज के अलावा शिक्षक डॉ. जे के जैन, यशपाल मीणा, नवनीता सिंह, एस एल मीणा, रामलाल सैनी आदि भी उपस्थित थे।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में डूंगरराम को मिला दूसरा स्थान

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू में आयोजित द्वितीय अन्तरराज्य संभाषण प्रतियोगिता में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के छात्र डूंगराराम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय को गौरान्वित किया। व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर से बी.ए. प्रथम वर्ष की भाविनी ओझा व बी.ए. अंतिम वर्ष के डूंगरराम ने विश्वविद्यालय की ओर से भाग लिया। "क्या धर्म बौद्धिकता को समाप्त करता है?" विषय पर आयोजित संभाषण में 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें कला संकाय के बी.ए. अंतिम वर्ष के छात्र डूंगरराम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्र सेवा मण्डल व अध्यापकों ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

अन्तर्विषयक पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के यूजीसी-एचआरडीसी एवं भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 21 नवम्बर से 10 दिसम्बर 2016 तक पुनश्चर्या कार्यक्रम (अन्तर्विषयक) आयोजित किया गया। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए न्यायालय द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। न्यायाधीश भाटी ने बताया कि किस प्रकार अंधाधुंध खनन के कारण अरावली पर्वतमाला के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा और न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा। मनुष्य ने अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति का अंधाधुंध विदोहन किया है जो पर्यावरण ह्रास के उत्तरदायी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए कानून तो अपना काम कर ही रहा है पर लोगों को भी इसके लिए आगे आना होगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. शिवसिंह राठौड़ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भारतीय संस्कृति का अंग है, हमारी संस्कृति में हम जल, वायु, पर्वत को देवता के रूप में पूजते हैं। वर्तमान पर्यावरणीय समस्याओं के लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं, क्योंकि हम हमारी संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। इसलिए पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें अपनी संस्कृति की ओर लौटना होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.पी. सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण को हमें अपने आचरण का हिस्सा बनाना होगा। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देकर हम पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने लंदन की थेम्स नदी का उदाहरण देते हुए बताया कि किसी समय यह बहुत अधिक प्रदूषित हो गई थी परन्तु आवश्यक कदम उठाकर इसको संरक्षित किया गया और लंदन के नागरिक भी अब ऐसा कोई कार्य नहीं करते जिससे नदी प्रदूषित हो। इसलिए हमें भी यह ध्यान रखना होगा कि किसी भी प्रकार का अपशिष्ट जल-स्रोतों में नहीं डालें और इसके साथ ही इधर-उधर कूड़ा-कचरा न डालने की अपील की।प्रारंभ में एचआरडीसी के निदेशक प्रो. पी.के. शर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों से 61 प्रतिभागी कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. ललित सिंह झाला की लिखित पुस्तक "टूरिज़्म डवलपमेंट इन डेज़र्ट एण्ड हयूमिड जोन" का विमोचन भी किया गया। भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. इरफान मेहर ने आभार व्यक्त किया।

पुनश्चर्या कार्यक्रम का समापन

पुनश्चर्या कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री श्री पी.पी. चौधरी थे। उन्होंने नगरीकरण व पर्यावरण पर अपने विचार व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि रक्षा प्रयोगशाला के निदेशक प्रो. एस. एल. वडेरा थे। अध्यक्षता पूर्व कुलपति प्रो. एल.एस. राठौड़ ने की। समारोह के प्रारम्भ में सेंटर के निदेशक प्रो. पी.के. शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और संयोजक डॉ. ललित सिंह झाला ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अन्त में भूगोल के विभागाध्यक्ष प्रो. इरफान मेहर ने आभार व्यक्त किया।

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बावा, सह-सम्पादक: रामनिवास चौधरी, अजय अरचाना, अचलसिंह मेड़तिया, परामर्श मण्डल: डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, लेआउट: रांतोष कुमार प्रजापत, प्रकाशक: जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

Sh Shreeram Bhincher
Makrana Road, Village-Borawar
Dist.-Nagaur

BOOK-POST

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति • अंक: 18 • माह: जन.-फर. • वर्ष: 2018

समारोहपूर्वक मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह

कुलपति ने की 'मन की बात'

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय के खुले प्रांगण में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने समारोहपूर्वक 69वाँ गणतंत्र दिवस मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह द्वारा लोकनायक जयनारायण व्यास, स्वामी विवेकानन्द, शहीद भगत सिंह एवं डॉ. राधाकृष्णन आदि महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर किया गया।

केंद्रीय कार्यालय में हुए समारोह में कुलपति ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के साथ ही संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगान एवं कुलगीत की प्रस्तुति दी गई। इससे पहले कुलपति के आगमन पर एनसीसी कैडेट्स ने सलामी दी।

आज सलाम है उन वीरों को जिनके कारण ये दिन आता है।
वो माँ खुशनसीब होती हैं, बलिदान जिनके बच्चों का देश के काम आता है।।

राष्ट्रीय पर्व के इस अवसर पर छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों एवं शिक्षकों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिनमें संगीत विभाग के स्टूडेंटस शालिनी शर्मा, ख्याति जोशी, निकिता भारती, आकाश, सूराराम, विक्रम राणा एवं दिलीप राजपुरोहित ने देश भक्ति गीत 'भारत हमारी माँ है' की प्रस्तुति दी। वहीं शिक्षकों के समूह में डॉ. मीना बरडिया, डॉ. धनंजय अमरावत, डॉ. जया भंडारी एवं डॉ. हेमलता जोशी ने 'यह देश है वीर जवानों का' की प्रस्तुति दी तो समारोहस्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। गृह विज्ञान विभाग से सेवानिवृत कर्मचारी श्री जब्बरसिंह चारण ने देश भक्ति गीत 'कर चले हम फिदा...' की मनमोहक प्रस्तुति दी।

अपने उद्बोधन में कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने अपने मन की बात में कहा कि हम सभी को देश के प्रति त्याग, समर्पण की भावना रखनी चाहिए, हमें मिलकर भारत माँ को समृद्ध बनाना है, देश का विकास करना है। प्रो. सिंह ने कहा कि शिक्षकों का दायित्व है कि देश को सुन्दर, स्वच्छ और स्वस्थ बनायें। उन्होंने कहा कि नकारात्मक विचारों से दूर रहकर सकारात्मकता के सहारे आगे बढ़ना होगा तभी अच्छे नागरिक तैयार होंगे और देश का विकास सही दिशा में हो सकेगा। कुलपति ने विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों एवं शिक्षकों का उदाहरण देते हुए शोध क्षेत्र में आगे बढने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में पारिवारिक माहौल सृजित करने के प्रयास करें जिससे विश्वविद्यालय प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति कर सके। समारोह के अंत में कुलसचिव प्रो. पी.के. शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन इतिहास विभाग के श्री ललित पंवार ने किया।

विश्वविद्यालय की पत्रिका 'परिसर समाचार' के नये अंक का लोकार्पण कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के सान्निध्य में किया गया। इस अवसर पर प्रो. पी.के. शर्मा, कार्यवाहक कुलसचिव, श्री गजेसिंह कविराज, वित्तीय सलाहकार, पत्रिका की मुख्य संपादक प्रो. पूनम बावा, सहसंपादक श्री रामनिवास ग्वाला, डॉ. जनक सिंह मीना, श्री अजय अस्थाना, श्री अचलसिंह व परिसर के संपादक मण्डल के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह

में गणतंत्र दिवस के अवसर पर कमला नेहरू महिला महाविद्यालय प्रांगण में महाविद्यालय की निदेशक प्रो. पूनम बावा ने ध्वजारोहण या। इस अवसर पर संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगान की स्तुति दी गई। वीए प्रथम वर्ष की छात्रा आकांक्षा, सुमन जांगिड, उषा, क्षिता ने कविता गायन किया। वहीं अंकेश भाटी, सुनिता, लीला ने ाषण देकर राष्ट्र के प्रति अपने विचारों की प्रस्तुति दी। श्री जब्बर सिंह ने देशभक्ति गीत गाकर खूब तालिया बटोरी। इस अवसर पर देशक प्रो. पूनम बावा ने अपने उद्बोधन में कहा कि दुनिया भारत को नेतृत्व की दृष्टि से देख रही है, हमें अपने देश के विश्वगुरू की हचान को पुनः स्थापित करना है। देश विकास के पथ पर अग्रसर है और देश में हरित क्रांति, दुग्ध क्रांति, शिक्षा क्रांति ऐसे पडाव रहे हैं जो देश के विकास का द्योतक है। प्रो. बावा ने कहा कि राष्ट्र के विकास का अंदाजा महिलाओं की शिक्षा, नारी का दर्जा एवं स्थिति से लगा सकते हैं। हमें छात्राओं को संस्कारित करना होगा, तभी हम सही मामलों में अपने दायित्वों का निर्वहन कर पायेंगे।

एम.वी.एम. अभियांत्रिकी महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह

69वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अभियांत्रिकी संकाय में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सरबजीत सिंह मेहता ने ध्वजारोहण कर सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में गणतंत्र दिवस की महत्ता बताते हुए सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं गतिशील भारत के निर्माण में स्वयं को समर्पित करने का संकल्प दिलाया।

टेप्से एवं हैप्सन केन्द्र में मनाया गया गणतंत्र दिवस

मानसिक विमंदित बच्चों के लिए संचालित टेप्से एंड हैप्सन केन्द्र में भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रगान एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समारोह में चार चांद लग गए। समारोह की मुख्य अतिथि के एन कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा और केन्द्र निदेशक प्रो. प्रीति माथुर ने गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों की प्रस्तुति की सराहना की।

के एन कॉलेज में वार्षिकोत्सव: खिले पुरस्कृत छात्राओं के चेहरे

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में एक लम्बे अंतराल के पश्चात् वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 27 जनवरी 2018 को किया गया। संकायवार प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाली और सांस्कृतिक एवं विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याणकारी राज्यमंत्री श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा की पूर्व अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी हूजा तथा अध्यक्ष कुलपति प्रो. आर पी सिंह थे। कमला नेहरू महिला महाविद्यालय निदेशक प्रो. पूनम बावा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए ऐतिहासिक एवं वर्तमान शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक परिवेश का चित्रण किया। कार्यक्रम में शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों में प्रतिभावान छात्राओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर रसायन विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा अनामिका नवल को डॉ. कमला टण्डन पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि मनोबल को अधिक सुदृढ़ बनाकर देश के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाएं। उन्होंने पुरस्कृत छात्राओं को बधाई देते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री शेखावत ने के.एन. कॉलेज में रसायन विज्ञान विभाग में प्रेक्टिकल लैब के निर्माण के लिए सांसद निधि कोश से 15 लाख रूपये प्रदान करने की घोषणा की।

विशिष्ट अतिथि श्रीमति मीनाक्षी हूजा ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को निरन्तर परिश्रमशील एवं कर्मठता के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आर पी सिंह ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया।

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सुश्री मोना द्वारा गणेश वंदना, सुश्री भाविनी ओझा द्वारा एकल नृत्य और सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के पूर्व निदेशकों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया, जिनके समेकित प्रयास से यह महाविद्यालय अपनी अलग से पहचान कायम किए हुए है। समारोह में मौजूद पूर्व निदेशक प्रो. कामिनी दिनेश, प्रो. कमल मोहनोत, प्रो. आनंद माथुर, प्रो. कीर्ति राजमवाले, प्रो. इन्द्रपाल राय को शाल ओढाकर सम्मानित किया गया।

पुरस्कृत छात्राओं के अभिभावकों ने भी उपस्थित होकर छात्राओं के मनोबल को बढ़ाया। कार्यक्रम में डॉ. राजश्री राणावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. कामिनी ओझा ने किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव, सिण्डीकेट सदस्य, अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्ष और निदेशक भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय में मनाया गया बसंत पंचमी उत्सव

जेएनवीयू के केन्द्रीय कार्यालय प्रांगण में वसंत पंचमी के अवसर पर संस्कृत विभाग द्वारा माँ सरस्वती का पूजन और यज्ञ का आयोजन किया गया।इस अवसर पर संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो.प्रभावती चौधरी, प्रो. सत्यप्रकाश दुबे, के.एन. कॉलेज निदेशक प्रो.पूनम बावा, विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. चंदनवाला, इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. विनीता परिहार, राजनीति विज्ञान के सहायक प्रोफेसर डॉ. जनक सिंह मीना, श्री कपिल मलिक आदि मौजूद रहे।

इसी तरह कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में वसंत पंचमी पर शिक्षकों, अशैक्षणिक कर्मचारियों एवं छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती की पूजा अर्चना की गयी। डॉ. श्वेता जैन द्वारा संस्कृत भाषा में मंत्रोच्चार किया गया। संगीत विभाग की छात्रा शालिनी और उसके ग्रुप की ओर से सरस्वती वन्दना की गयी। विजयलक्ष्मी, खुशबू, अक्षा ने कविता की प्रस्तुति दी। भाविनी ओझा ने बसंत पंचमी के पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. श्वेता जैन ने सरस्वती के कर-कमलों में शोभायमान वीणा, वेद की विस्तृत जानकारी देते हुए उसके महत्व को बताया। कालेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने वसंत पंचमी की उपयोगिता को बताते हुए सभी छात्राओं को आशीर्वचन दिए। कार्यक्रम के अंत में पृथ्वीराज चौहान, शबरी, वीर हकीकत, रामसिंह कूका, महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' को भी याद किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कामिनी ओझा ने किया।

'भारत में बजट निर्माण एवं क्रियान्वयन' पर विशेष व्याख्यान

कमला नेहरू नगर स्थित लक्की इन्स्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, जोधपुर में कला संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिये ''भारत में बजट निर्माण एवं क्रियान्वयन'' विषय पर 30 जनवरी 2018 को विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसके मुख्य वक्ता डॉ. जनक सिंह मीना, सहायक आचार्य, राजनीतिक विज्ञान विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय थे। डॉ. मीना ने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से भारत में बजट निर्माण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, अर्थ, उद्देश्य, बजट के विभिन्न प्रकार एवं एक अच्छे बजट निर्माण के विभिन्न सिद्धान्तों और भारत में बजट निर्माण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। मंच का संचालन डॉ. सुनीता पंवार ने किया।

119वीं जयंती पर 'लोकनायक' को किया गया याद

लोकनायक श्री जयनारायण व्यास को उनकी 119वीं जयंती पर 18 फरवरी को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय नया परिसर स्थित श्री जयनारायण व्यास जी की प्रतिमा पर कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह, कुलसचिव प्रो. पी.के. शर्मा, सिंडीकेट सदस्यों, अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। जयंती अवसर पर विद्यार्थियों को श्री व्यासजी के जीवन से प्रेरणा लेने और उनको प्रोत्साहित करने के लिए "जयनारायण व्यास: व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान

वनस्पति विभाग में 28 फरवरी 2018 को बोटनीकल सोसाइटी, जोधपुर द्वारा नोबल पुरस्कार विजेता भौतिक वैज्ञानिक डॉ. सी.वी रमन की याद में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शुष्क वन अनुसंधान संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. त्रिलोक सिंह गठौड़, वनस्पति विज्ञान के अध्यक्ष प्रो. पवन कुमार कासेरा व बोटनीकल सोसाइटी के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.प्रवीण गहलोत ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में डॉ. त्रिलोक सिंह ने अपने शोधपत्र वाचन में पौधों का सूक्ष्म प्रवर्धन, संरक्षण व उनकी उपयोगिता पर व्याख्यान दिया। तत्पश्चात् डॉ. गठौड़ को उनके विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दिये गये अमूल्य योगदान के लिए बोटनीकल सोसाइटी द्वारा वेज प्रदान किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार कासेरा ने इस वर्ष विज्ञान दिवस की थीम "सतत् भविष्य के लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी" पर अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में प्रो. एच. एस गहलोत, डॉ. सन्तोष कुमार, डॉ खेताराम, डॉ. अलकेश टाँक, डॉ. निशा टाँक, डॉ. मीना बारूपाल, वनस्पति विभाग के शोद्यार्थी, एम. एस.सी के द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन किरण विश्नोई व चारूल ने किया।

अभियांत्रिकी छात्रों ने जीती चल-वैजयन्ती ट्राफी

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मण्डल के तत्वावधान में 31 जनवरी को आयोजित संभाग स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में एम. बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने चल-वैजयन्ती ट्रॉफी अपने नाम की। ''तकनीकी विकास से ही राष्ट्र की प्रगति संभव है'' विषय पर हुई इस प्रतियोगिता में संभाग की 15 टीमों ने भाग लिया। तकनीकी विकास की बहुत सारी विशेषताओं, गुणों, अवगुणों और भारत की प्रगति को विभिन्न दृष्टिकोणों से परिभाषित करते हुए वक्ताओं ने अपने-अपने तर्कों के पक्ष में कई उदाहरण दिए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राघव शर्मा, दूसरे स्थान पर प्रियंका एवं तीसरे स्थान पर समृद्धि और भाविनी ओझा रही। प्रतियोगिता के निर्णायक आकाशवाणी कार्यक्रम अधिकारी श्री महेंद्र लालस और अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हितेन्द्र गोयल थे। आरम्भ में छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष प्रो. कैलाश डागा, सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत एवं वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. जसराज बोहरा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निधि संदल ने किया।

'स्वामी विवेकानंद व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषय पर व्याख्यान

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में 6 जनवरी, 2018 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। 'स्वामी विवेकानंद व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषय पर हुए व्याख्यान की मुख्य वक्ता श्रीमती श्रद्धा पाटिल थी। इसके अतिरिक्त विवेकानंद केन्द्र से श्रीमती रेखा दवे, संयुक्त राष्ट्रीय महासचिव विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी से सुश्री प्रांजली तथा चन्द्र प्रकाश अरोड़ा ने कार्यक्रम में सहयोग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना से हुआ। अतिथियों ने भारत माता की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण किया। प्रांजली ने 'वन्दे मातरम्' गीत गाकर मंत्र मुग्ध कर दिया। स्वागत उद्बोधन में डॉ. जनक सिंह मीना ने देश के महापुरूषों की जीवनी से प्रेरणा लेकर उनके गुणों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व है और उन्होंने पूरी दुनिया में सर्वधर्म संभाव की बात कही। श्रीमती श्रद्धा पाटिल ने छोटे-छोटे प्रसंगों एवं उदाहरणों से स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के प्रत्येक पहलू पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में कार्यवाहक निदेशक प्रो. प्रीति माथुर ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के जीवन के आदर्शों को जीवन में उतार कर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए।

महिला अध्ययन केन्द्र में मनाया अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 8 मार्च को महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कवियत्री डॉ. पद्मजा शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हुए कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के एन कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा, राजस्थान उच्च न्यायालय की एडवोकेट श्रीमती शालीनी शर्मा थे। अध्यक्षता पत्रकारिता विभागाध्यक्ष प्रो. कैलाशनाथ उपाध्याय ने की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में केन्द्र निदेशक प्रो. कान्ता कटारिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं को राजनीति, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सश होकर प्रत्येक क्षेत्र में अपने आप को आगे लाना होगा। कार्यकम की मुख्य अतिथि डॉ. पद्मजा शर्मा ने कहा कि महिलाओं को हर हाल में खुश रहना चाहिए तथा अपने खिलाफ हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से महिला सशक्तिरण के विभिन्न आयामों की जानकारी प्रदान की। कार्यकम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. कैलाशनाथ उपाध्याय ने कहा कि महिला एवं पुरूष एक दूसरे के पूरक हैं, बिना महिला के सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती, दोनों कर एक दूसरे का साथ देकर जीवन को आगे बढ़ना चाहिए जिससे स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। विशिष्ट अतिथि प्रो. पूनम बावा ने महिला सशक्तिकरण की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन आया है। आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में आगे हैं लेकिन आज भी समाज में महिलाएं पुरूषों के समकक्ष नहीं आ पाई हैं, इसके लिए बालिकाओं को अधिक से अधिक शिक्षित करना होगा एवं महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना होगा तथा समाज व परिवार को अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। एडवोकेट शालिनी शर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान में महिलाओं को समान अधिकार दिये गये हैं। सरकार द्वारा महिलाओं के संरक्षण के लिए नये कानून बनाये गये हैं लेकिन कानून बनाने से ही समस्या का समाधान नहीं होगा। समाज की सोच में भी बदलाव लाना होगा। कार्यक्रम के अंत में केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यकमों के प्रतिभागितयो को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम में प्रो. विनिता परिहार, प्रो. सोहनलाल मीण, प्रो. पूर्णिमा वर्मा, डॉ. रेखा मेहता, डॉ. मीना बरडिया, डॉ. रेणू शर्मा, डॉ रामसिंह, डॉ. जनकसिंह मीणा, डॉ. विजयश्री, डॉ. रश्मि मीणा, डॉ. कान्ता चौधारी आदि मौजूद थे। केन्द्र के रिसर्च एसोसिएट डॉ. महेश परिहार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. निधि सिंधल, सहायक आचार्य, विधि संकाय द्वारा किया गया।

यूसिक में तीन दिवसीय कार्यशाला

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी सांइस इन्स्ट्रमेन्टेशन सेंटर (यूसिक) द्वारा 08 से 10 फरवरी 2018 तक "एडवान्सेज इन डेटा प्रोसेसिंग, इन्फोरमेशन कम्युनिकेशन एण्ड सिक्योरिटी" विषयक तीन दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन यूसिक के सभागार में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। यूसिक निदेशक एवं कार्यशाला समन्वयक डॉ. के.आर. पटेल ने यूसिक द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण दिया तथा अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने वर्तमान समय में छात्रों के लिये कम्प्यूटर तथा आधुनिक टेक्नोलॉजी के ज्ञान की महत्ता को बताया तथा यूसिक द्वारा 25वीं कार्यशाला के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए यूसिक निदेशक व स्टाफ की सराहना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुनिता कुम्भट ने की। विज्ञान संकाय में यूसिक द्वारा किये गये कार्यक्रमों के महत्त्व को बताया तथा कार्यशाला की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व सिंडीकेट सदस्य प्रो. चेनाराम चौधरी तथा परीक्षा नियन्त्रक प्रो. जेताराम विश्नोई ने इन्टरनेट व डिजिटल पेमेन्ट इत्यादि में साईबर अटेक व हैकिंग से वचने के लिए कम्प्यूटर सिक्योरटी के महत्व पर प्रकाश डाला व कार्यशाला के लिये शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन समारोह में छात्रसंघ अध्यक्ष कान्ता ग्वाला, विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं अन्य शिक्षकगण व प्रतिभागी मौजूद रहे। कार्यशाला में लगभग 110 विद्यार्थियों ने पंजीयन करवाया। कार्यशाला सचिव डॉ. उत्तम पालीवाल ने उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनुस्मृति ने किया।

रोवर (स्काउट्स) ने राष्ट्रीय-राज्य डेजर्ट ट्रेकिंग कैंप में भाग लिया

भारत स्काउट एवं गाइड के तत्त्वावधान में पांच दिवसीय राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय डेजर्ट ट्रेकिंग कैंप जैसलमेर में 26 से 30 दिसम्बर, 2017 तक आयोजित किया गया। जिसमें जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय रोवर क्रू के 6 रोवर्स ने भाग लिया। विश्वविद्यालय में संचालित 44वें विज्ञान संकाय रोवर क्रू के रोवर डॉ. शंकरलाल नामा एवं सहायक संगठन आयुक्त स्काउट बाबूसिंह राजपुरोहित ने बताया कि इस राष्ट्रीय कैंप में विज्ञान संकाय रोवर क्रू के लक्ष्मणसिंह, राहुल सिंवाडिया, युवराजसिंह, गोपाराम, प्रीतम काला व दीनदयाल के साथ के.एन. कॉलेज की रेंजर नम्रता दाधीच ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय-राज्य डेजर्ट ट्रेकिंग कैंप में पूरे देश के लगभग 221 रोवर व रेंजर्स ने अपनी भागीदारी निभाई। कैंप के दौरान रोवर्स व रेंजर्स ने भारत-पाक बॉर्डर व जैसलमेर के सम्पूर्ण क्षेत्र का भ्रमण किया। साथ ही 50 किमी पैदल ट्रेकिंग एवं मरूस्थलीय वातावरण का अवलोकन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रोवर्स के जोधपुर पहुँचने पर सहायक रोवर लीडर डॉ. रामप्रकाश सारण, दिनेश कुमार, सुरेश कुमार, किरना राम, विक्रम लोहिया, रमेश कुमार, पुष्पेन्द्र बैरवा, गुलशन देवड़ा ने सभी रोवर्स एवं रेंजर्स का स्वागत किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में झलकी क्रिएटिविटी

कला संकाय के ललित कला विभाग की ओर से आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में बीए और एमए के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। 'भारत का गौरवशाली इतिहास', 'भारत के वीर जवान' और 'जोधपुर डायरीज' विषय पर हुई प्रतियोगिता में 38 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें से 15 का पुरस्कार के लिये चयन किया गया। इस अवसर पर ललित कला विभाग की आर्ट गैलेरी का उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. रामपाल सिंह ने किया। प्रदर्शनी की थीम कलर्स ऑफ सेण्ड रखी गई। कला संकाय डीन प्रो. धर्मचन्द जैन, वाणिज्य संकाय डीन प्रो. जसराज बोहरा और केएन कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। डॉ. ऋतु जौहरी ने बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष से चिरागी जोशी, उमेश, रोहिताश, बीए द्वितीय वर्ष से अंकित सुथार व गोविंद, बीए तृतीय वर्ष से तेजस्वी, प्रणिति व शेरा, एमए प्रथम सेमेस्टर से महेन्द्र सिंह खंगाय, खेमाराम, प्रियंका बैस, सौम्या शर्मा और एमए तृतीय सेमेस्टर से प्रतिभागी मोहनपुरिया, विजयरी और तृप्ति विजेता रहे।

विज्ञान सकांय में एन.एस.एस. का विशेष शिविर

जय नारायण व्यासविश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय स्वंय सेवक (एन.एस.एस.) के सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसवेकों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करवाई गई। शिविर के प्रथम सत्र में योग क्रियाएं हुई जिनमें सभी स्वयंसेवकों को अलसुबह प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपाल भाती व अन्य योगिक क्रियाओं से स्वस्थ जीवन व निरोगी काया के महत्व को जीवन में करने का संकल्प दिलाया। द्वितीय सत्र में सभी स्वयंसेवकों ने विज्ञान परिसर में श्रमदान कर परिसर को स्वच्छ बनाया तथा परिसर में व्याप्त गंदगी, प्लास्टिक थैलियां व अन्य कचरे को इकट्ठा कर उनका निस्तारण किया। तीसरे व अन्तिम बौद्धिक सत्र में विशिष्ट अतिथि राजस्थान पुलिस सेवा के उप-अधीक्षक श्री नरेन्द्र चौधरी ने विद्यार्थी जीवन में अनुशासन के महत्त्व को बताया। उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि प्रतियोगिता के इस युग में सफलता का मूलमंत्र लक्ष्य प्राप्ति हेतु निरन्तर साधना है। डॉ. के. आर. गेनवा ने बौद्धिक सत्र को सम्बोधित करते हुए बताया की विद्यार्थी एन.एस.एस. के माध्यम से सच्चा राष्ट्र भक्त बन सकता है। स्वयंसेवकों का कार्य भी सैनिकों के समकक्ष है, सैनिक देश की सीमाओं की सुरक्षा करता है जबकि स्वयंसेवक कुरूतियों से समाज की सुरक्षा करता है। डॉ. खरताराम पटेल ने स्वयंसेवकों दिए जाने वाले प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. भानाराम, डॉ. शरद विस्सा, डॉ. भवरूराम, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. अनुराग चौधरी ने सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन डा. प्रवीण गहलोत ने किया।

सोलंकी ने संभाला वित्त नियंत्रक का कार्यभार

श्री दशरथ कुमार सोलंकी ने जयनारायण व्यास विश्व विद्यालय के वित्त नियंत्रक का कार्यभार संभाला। सोलंकी इससे पूर्व शिक्षक, सहकारी निरीक्षक व वाणिज्यिक कर अधिकारी पद पर पूर्व में सेवाएं दे चुके हैं। 2006 बैच राजस्थान लेखा सेवा में चयनित होने के पश्चात् सिरोही व जालोर में जिला कोषाधिकारी एवं राजस्थान उच्च न्यायालय में मुख्य लेखाधिकारी के पदों पर पदस्थापन रहे हैं। वर्तमान में नियंत्रक वित्त, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का कार्यभार संभालने के बाद वित्त विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों की बैठक लेकर पारदर्शिता संबंधी निर्देश दिए।

श्री सोलंकी की कविता, आलेख, समीक्षा लेखन व पठन में रूचि शुरू से ही रही है। इसी कारण इनकी रचनाएं समय-समय पर विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती है।

नियुक्तियाँ

डॉ. पटेल बने यूसीक के निदेशक

विश्वविद्यालय कुलपति के निर्देशानुसार भौतिक विभाग के सह आचार्य डॉ. के.आर. पटेल को यूसीक का निदेशक नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 6 फरवरी, 2018 से तीन वर्ष के लिए की गई है। डॉ. पटेल वर्तमान मे भी यूसीक निदेशक के मानद पद पर कार्य कर रहे हैं। साथ ही वे विश्वविद्यालय की ओर से संचालित व यूसीक द्वारा प्रायोजित नेट/सेट के समन्वयक, छात्रसंघ (अपेक्स) के सलाहकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी है। डॉ. पटेल पूर्व मे अकादमिक परिषद व सीनेट के सदस्य भी रह चुके हैं।

प्रोफेसर लालसिंह राजपुरोहित ने प्राणी शास्त्र के विभागाध्यक्ष का पदभार संभाला

प्राणी शास्त्र विभाग के प्रोफेसर लालसिंह राजपुरोहित ने 2 जनवरी, 2018 को विभागाध्यक्ष के रूप में तीन वर्ष के लिए पदभार ग्रहण किया। प्रो. जी. त्रिपाठी ने प्रो. राजपुरोहित का माल्यार्पण कर विभाग का कार्यभार सौंपा। इस मौके पर विभाग के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। प्रो. राजपुरोहित विगत कई वर्षो से Primates पर शोधकार्य संचालित कर रहे हैं। डॉ. राजपुरोहित के राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 150 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. प्रभावती चौधरी सिंडीकेट सदस्य मनोनीत

संस्कृत विभाग की अध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी को कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया है। प्रो. चौधरी राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ की समन्वयक, पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ की निदेशक एवं संस्कृत विभाग द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिका शास्त्रसुधानिधि की संपादक भी हैं।

प्रो. अनिल गुप्ता सिंडीकेट सदस्य मनोनीत

एम बी एम अभियांत्रिकी महाविद्यालय में कम्प्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल गुप्ता को कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने सिंडिकेट सदस्य मनोनीत किया है।

प्रो. भादू विभागाध्यक्ष नियुक्त

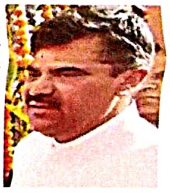

प्रबंधन अध्ययन संकाय में प्रो. शिशुपालसिंह भादू को कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रो. भादू पूर्व में भी विभागाध्यक्ष के पद पर आसीन रहे हैं। प्रो. भादू ने प्रबंधन अध्ययन विभाग में अनेक स्ववित्तपोशित पाठ्यक्रम आरम्भ किये। जो सफलतापूर्वक संचालित किये जा रहे हैं।

डॉ भरतसिंह सिंडीकेट में राज्यपाल के नॉमिनी

जेएनवीयू की वैधानिक समिति सिंडीकेट में राजऋषि भृर्तहरि मत्स्य विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ भरतसिंह को राज्यपाल का नॉमिनी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति डॉ कैलाश भसीन के स्थान पर की गई है।

छात्र सेवा मंडल का वार्षिकोत्सव संपन्न
सम्मान पाना एक सुखद अहसास: प्रो. आर.पी. सिंह

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मंडल द्वारा वर्ष भर आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह बृहस्पति भवन, केन्द्रीय कार्यालय में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में 24 फरवरी 2018 को आयोजित हुआ। इस अवसर पर कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. डी.सी. जैन, विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. चंदनबाला, सांस्कृतिक समन्वयक प्रो. पूनम बाबा, छात्र सेवा मण्डल सचिव जालम सिंह रावलोत, सांस्कृतिक समन्वयक राजस्थानी प्रकोष्ठ प्रो. प्रभावती चौधरी, सांस्कृतिक सह-समन्वयक मनीष वडेरा, छात्रसंघ अध्यक्ष कांता ग्वाला के साथ कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे।

सांस्कृति समन्वयक प्रो. पूनम बाबा ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभगिता से व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण होता है। सचिव जालम सिंह रावलोत ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर शिक्षा के साथ अन्य गतिविधियों की महत्ता को बताया। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि पारितोषिक एवं सम्मान पाना एक सुखद एवं अद्भुत अहसास है, उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन को बेहतर बनाती है वहीं सांस्कृतिक गतिविधियों में निरन्तर भाग लेने से विद्यार्थी का अपनी संस्कृति से जुड़ाव रहता है और इस प्रकार वह अपनी सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ाने में सहायक होता है। भारतीय संस्कृति का प्रसार एवं विस्तार होना चाहिए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं मार्गदर्शक दल को आशीर्वाद दिया।

सचिव रावलोत ने बताया कि वार्षिकोत्सव में संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं तथा राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं सहित मेहमाना व उदयपुर में आयोजित युवा महोत्सव में भाग लेने वाले तथा राष्ट्रीय स्तर पर हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को पारितोषिक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान दिये गये। युवा महोत्सव में भाग लेने प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेनी वाली छात्रा आयुषी सम्भवानी ने वाद-विवाद के अंश प्रस्तुत किये। इसके साथ ही प्रभारी दल में डॉ. मीना सोलंकी, डॉ. जया भण्डारी, डॉ. नम्रता स्वर्णकार, डॉ. हितेन्द्र गोयल, डॉ. ललित सिंह झाला एवं ओमप्रकाश का विद्यार्थियों को दिये गये मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। मंच संचालन डॉ. हितेन्द्र गोयल ने किया।

महेन्द्रसिंह चारण बने कर्मचारी संघ के अध्यक्ष

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ चुनाव-2018 शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुये। चुनाव अधिकारी रामनिवास चौधरी ने बताया कि 15 फरवरी, 2018 को प्रात: 9 बजे से सायं 3 बजे तक 6 मतदान केन्द्रों पर विश्वविद्यालय अशैक्षणिक कर्मचारियों ने अध्यक्ष पद के लिए मतदान किया। चुनाव में महेन्द्रसिंह चारण ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अनिल पंवार को 34 मतों से पराजित किया। कुल 323 मतों में से 309 कर्मचारियों ने मतदान जिसमें से 1 मत खारिज हुआ। वहीं कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध चुने गये। जिसमें इकाई 1(1) में वित्त एवं लेखा शाखा के ललित कुमार वर्मा, स्थापना शाखा के मनिष एच. मंगलानी, परीक्षा विभाग के रतनसिंह सोढ़ा एवं गोपनीय शाखा के उत्तम जागिड़, इकाई 1(2) में भवन निर्माण कक्ष के ओमप्रकाश भाटी, इकाई 2 में इलेक्ट्रीकल अभियांत्रिकी संकाय के किशोरीलाल चावला, अधिष्ठाता कार्यालय अभियांत्रिकी संकाय के पुखराज चौहान, इलेक्ट्रीकल अभियांत्रिकी संकाय के संजय कुमार शर्मा, ईएमएमआरसी के सुनील परिहार एवं यांत्रिकी अभियांत्रिकी संकाय के सुरेन्द्र सिंह राठौड़ शामिल रहे। वहीं इकाई 3(1) में विज्ञान संकाय अधिष्ठाता कार्यालय के जितेश कुमार दवे, इकाई 3(2) में वनस्पति शास्त्र विभाग के राजेन्द्र गहलोत, इकाई 3(3) में रसायन विभाग के ओमप्रकाश वैष्णव, इकाई 3(4) में गणित एवं सांख्यिकी विभाग के राजेन्द्र सिंह गौड़, इकाई 3(5) में केन्द्रीय पुस्तकालय के पठान मो. हफीज खान, इकाई 3(6) में संस्कृत विभाग, कला संकाय के जितेन्द्र सिंह सोलंकी एवं इकाई 4(3) में सायंकालीन अध्ययन संस्थान के जितेन्द्र दईया भी चुने गए।

किशन सिंह गुर्जर सहायक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष निर्वाचित

वहीं किशन सिंह गुर्जर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय सहायक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी हीरालाल मीना ने बताया कि 21 फरवरी, 2018 को 5 मतदान केन्द्रों पर विश्वविद्यालय सहायक कर्मचारियों ने अध्यक्ष पद एवं इकाई-2 कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए मतदान किया। चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए खनन अभियांत्रिकी विभाग के किशनसिंह गुर्जर को 160 एवं अकादमिक विभाग के भंवरसिंह को 108 मत प्राप्त हुए। इस तरह किशनसिंह गुर्जर 52 मतों से विजय हुए। चुनाव में कुल 289 मतों में से 271 सहायक कर्मचारियों ने मतदान किया, इसमें से 3 मत खारिज हुये।

प्रो. उपाध्याय 'साहित्य अकादमी' के सदस्य मनोनीत

हिन्दी विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रोफेसर एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. कौशलनाथ उपाध्याय को केंदीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की जनरल काउन्सिल तथा हिन्दी परामर्श मंडल का दूसरी बार सदस्य मनोनीत किया गया है।प्रोफेसर उपाध्याय का मनोनयन जनवरी 2018 से दिसम्बर 2022 के लिए किया गया है। केंद्रीय साहित्य अकादमी चौबीस भारतीय भाषाओं की अकादमी है। प्रोफेसर उपाध्याय पहले भी इस अकादमी में 2008 से 2012 तक राजस्थान के विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि के रूप में रह चुके हैं। प्रोफेसर उपाध्याय राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर की 'सरस्वती सभा' के सदस्य के साथ ही केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की 'हिन्दी सलाहकार समिति' के भी सदस्य हैं। लम्बे समय तक भारतीय हिन्दी परिषद, इलाहाबाद की कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके कवि एवं आलोचक प्रोफेसर उपाध्याय के अब तक दो काव्य संग्रह, छह आलोचनात्मक पुस्तकें तथा तीन सम्पादित पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। आप भारतीय विद्या भवन, जोधपुर केन्द्र की त्रैमासिक पत्रिका 'प्रतिश्रुति' के लगभग सात वर्षों तक सम्पादक रहे हैं। वर्तमान में आप 'शब्द सेतु' संस्थान जोधपुर के अध्यक्ष तथा संस्थान की पत्रिका 'सृजन भारती' के संपादक भी हैं।

जीडीपी के विकास में कृषि सेक्टर सहित सभी का सहयोग जरूरी: डॉ. राजीव कुमार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में 100वीं तीन दिवसीय वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा, कि जीडीपी के विकास के लिए आवश्यक है कि कृषि के सेक्टर में तेजी आए। साथ ही साथ अन्य सभी सेक्टरों में डेवलपमेंट से ही गति आएगी और जीडीपी आगे बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि अर्थशास्त्र संगोष्ठी में रखे गए महत्वपूर्ण विचारों से नीति आयोग को नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। अध्यक्षता कर रहे जोएनवीयू के कुलपति प्रो. आर पी सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि 100वीं अर्थशास्त्र संगोष्ठी की मेजबानी करना यूनिवर्सिटी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि जीएसटी पर स्नातकोत्तर में नया सेलेबस जारी करने एवं नए डिप्लोमा कोर्स को शुरू करने की बात कही।

संगोष्ठी में डीयूवीएएयू मथुरा के कुलपति प्रो. केएमएल पाठक, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के कुलपति डॉ. अरविंद दीक्षित, आईसीएसएसआर के सचिव प्रो. वी.के. मल्होत्रा सहित अनेक विद्वानों ने शिरकत की। समापन समारोह में मुख्य अतिथि चौधरी चरण सिंह विवि. मेरठ के कुलपति डॉ. एस.के. तनेजा थे। अध्यक्षता आईईए के अध्यक्ष प्रो. पी.के चौबे ने की। अतिविशिष्ट अतिथियों के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के सदस्य प्रो. बलतेज सिंह मान, बनारस हिन्दू विवि. के पूर्व कुलपति प्रो. गिरिश त्रिपाठी, उपाध्यक्ष एआईवीके व कुलपति मनिपाल विवि., जयपुर प्रो. संदीप मंचेती उपस्थित रहे। इस संगोष्ठी में 232 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। जयेश देसाई ने तीन दिवसीय सेमिनार की रिपोर्ट को प्रस्तुत किया। समारोह में बृज विवि. भरतपुर के पूर्व कुलपति प्रो. केडी स्वामी और प्रो. सुभाष शर्मा भी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेद संगोष्ठी आयोजित

संस्कृत विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मृति भवन न्यास, जोधपुर के तत्त्वावधान में तीन दिवसीय (19-20 व 21 जनवरी 2018) राष्ट्रीयवेद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में देश भर के वेद विद्वानों ने ऋग्वेदीय इन्द्र- देवताक सूक्त मीमांसा विषय पर चर्चा की। संगोष्ठी का संयोजन सस्कृत विभाग, जेएनवीयू की अध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी ने किया।

संगोष्ठी का उद्घाटन जेएनवीयू के कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुआ। वेद मर्मज्ञ आचार्य सत्यानंद वेदवागीश की अध्यक्षता और राष्ट्रपति सम्मानित मनीषी प्रो. दयानन्द भार्गव एवं प्रख्यात वैदिक विद्वान डॉ. वेदपाल आर्य के सान्निध्य में गोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में जम्मू-कश्मीर से प्रो. हरिनारायण तिवारी, द्वारका से प्रो. जयप्रकाश नारायण, वेद विदुषी डॉ. श्रद्धा चौहान, डॉ. रेणुका राठौर, वैदिक स्वस्ति पन्था न्यास के आचार्य अग्निव्रत नैष्ठिक, प्रो. चन्द्रशेखर, चंडीगढ से प्रो. वीरेन्द्र अलंकार, सोमनाथ से प्रो. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, दिल्ली से डॉ. उमा आर्य व प्रो. महावीर मीमांसक, बनारस से उमापति पाण्डेय, हल्द्वानी से डॉ. विनय विद्यालंकार, सिरोही से डॉ. रामनारायण शास्त्री, बीकानेर से डॉ. नंदिता सिंघवी तथा पंचकुला से डॉ. सनत्कुमार, प्रो. गणेशीलाल सुथार सहित अनेक संस्कृत विद्वानों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों ने भाग लिया। संगोष्ठी में ऋग्वेद में इन्द्रदेवता से सम्बन्धित सूक्तों पर आध्यात्मिक, आधिभौतिक, आधिदैविक एवं दार्शनिक दृष्टि से चिन्तन किया गया। आचार्य यास्क, आचार्य सायण, महर्षि दयानन्द, महर्षि अरविन्द, पण्डित मधुसूदन ओझा, आदि विद्वानों के भाष्यों का मंथन करते हुए इन्द्र के विविध नामों के निर्वचन एवं उसके कर्मों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया।

संगोष्ठी में लगभग 60 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। समापन सत्र के अध्यक्ष कला संकाय के अधिष्ठता प्रो. धर्मचन्द जैन, विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रद्धा चौहान, मुख्यातिथि प्रो. महावीर मीमांसक, सारस्वत अतिथि डॉ. वेदपाल आर्य थे। संगोष्ठी के द्वितीय दिवस पर लोकायुक्त न्यायमूर्ति सज्जनसिंह कोठारी का विशेष सान्निध्य प्राप्त किया। संगोष्ठी के उद्घाटन में संस्कृत विभाग की स्वर्ण जयन्ती (जुलाई 2016) के उपलक्ष्य में प्रारम्भ की गई वार्षिक संस्कृत शोध पत्रिका शास्त्रसुधानिधि: (2016-17) का लोकार्पण किया गया।

पल्लवी गौड़ बनीं मिस केएन

दूधिया रोशनी से दमकते मंच पर फैशन और अदाओं के संगम ने जबरदस्त रंग बिखेरा। कैटवाक करते हुए रैम्प पर सौन्दर्य, फैशन की रंगत, अदाओं की नजाकत और प्रतिभा की खनक दिखाकर खुद को बेहतर दिखा कर इठलाती हुई छात्राएं। मौका था केएन कॉलेज छात्रसंघ के तत्वावधान में आयोजित मिस के एन फैशन परेड का। प्रतियोगिता में शामिल कुल 28 छात्राओं में से पल्लवी गौड़ को मिस केएन चुना गया। फैशन परेड के लिये नेहा राखेचा को चुना गया। छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियंका विश्नोई ने बताया कि मिस के एन रनर अप प्रथम दृष्टि बारहठ तथा द्वितीय सोनल तापडिया चुनी गईं। फैशन परेड रनर अप द्वितीय प्रतीक्षा गहलोत को तथा तृतीय लक्षिता गहलोत को चुना गया। माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से प्रारंभ हुए कार्यक्रम के स्वागत भाषण में प्रियंका विश्नोई ने अपने कार्यकाल में हुए सभी कार्यक्रमों के लिए उन सभी का आभार व्यक्त किया जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग दिया।

निदेशक प्रो. पूनम बाबा ने कहा कि संस्कारों से ही बेहतर परिवार और समाज का निर्माण होता है। प्रथम राउण्ड में केजुअल वियर में कैटवाक करते हुए प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया। दूसरे कास्ट्यूम राउण्ड में छात्राओं ने आकर्षक परिधान पहनकर कैटवाक किया। तीसरे चिट राउण्ड में कुल 15 प्रतिभागियों का चयन किया गया। जिसमें उन्होंने चिट के माध्यम से मिले विषय पर अपने विचार रखे। अंतिम राउण्ड में निर्णायक द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिये। कार्यक्रम की निर्णायक डॉ. सुनिता मालवीय, रात्रि पंवार, स्नेहा जालोरा व मोनिका मेहता थी। कार्यक्रम का संचालन गौतमचन्द गांधी ने किया। इस अवसर पर छात्रसंघ पदाधिकारी चंचल रांकावत, चंचल परिहार व दीपा परसोया भी उपस्थित थी।

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बाबा, **सह-सम्पादक**: रामनिवास चौधरी, अजय अस्थाना, अचलसिंह मेड़तिया, **परामर्श मण्डल**: डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, **लेआउट**: संतोष कुमार प्रजापत, **प्रकाशक**: जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति अंक: 06 • माह: जुलाई • वर्ष: 2016

समारोहपूर्वक मनाया गया विश्वविद्यालय का 54वां स्थापना दिवस

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय ने अपना 54वां स्थापना दिवस 14 जुलाई को हर्ष एवं उल्लास के साथ समारोहपूर्वक मनाया। पुराना परिसर स्थित जसवंत हॉल में आयोजित समारोह अनूठा और यादगार रहा। जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं विश्वविद्यालय परिवार के पूर्व एवं वर्तमान सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित समारोह कई मधुर स्मृतियां ताजा करने वाला था।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री श्री कालीचरण सर्राफ ने शिक्षा को समाज के साथ जोड़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि श्रमदान, पौधरोपण एवं रक्तदान जैसे कार्यक्रम विश्वविद्यालय में नियमित रूप से आयोजित होने चाहिए और इसमें सहभागिता निभाने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में वेटेज भी दिया जाना चाहिए। सर्राफ ने विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीबीसीएस योजना की क्रियान्विति करने वाला यह राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने कुलपति को बधाई दी।

समारोह के अध्यक्ष पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सतपाल मलिक ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय [illegible] के बौद्धिक पोषण के लिए अनिवार्य है। विश्वविद्यालय छात्रों के व्यक्तित्व का विकास कर उन्हें शिक्षित एवं संस्कारित बनाते हैं इसलिए शिक्षा एवं कृषि के क्षेत्र में सरकारों को कभी कोई कटौती नहीं करनी चाहिए और संसद व विधानसभाओं में इन दोनों विषयों पर निरंतर विचार-विमर्श होना चाहिए।

समारोह के विशिष्ट अतिथि राजस्थान उद्योग विकास निगम के अध्यक्ष श्री मेघराज लोहिया ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का इतिहास गौरवशाली है। यहां से शिक्षित होकर निकलने वाले विद्यार्थी आज सभी क्षेत्रों में यश अर्जित कर रहे हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए विधि राज्यमंत्री श्री अर्जुन लाल गर्ग ने कहा कि जेएनवीयू वर्षों से ख्याति प्राप्त किये हुए है और यह ख्याति आज भी कायम है। उन्होंने विधि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के योगदान को रेखांकित करते हुए इसकी प्रशंसा की।

प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर पी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रगति पथ पर अग्रसर है। अनेक वर्षों से अवरुद्ध डिग्रियां दीक्षांत समारोह आयोजित कर प्रदान की गई तथा स्वर्ण पदक भी दिये गये। यहां के शिक्षक देश-विदेश में व्याख्यानों के लिए आमंत्रित किये जाते हैं और कई पेटेन्ट भी यहां के शिक्षकों के नाम दर्ज हैं।

गौरव रत्न सम्मान

स्थापना दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण था गौरव रत्न सम्मान। विश्वविद्यालय के वे पूर्व छात्र जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देकर विश्वविद्यालय की ख्याति बढ़ाई है, उन्हें इस अवसर पर सम्मानित कर विश्वविद्यालय गौरवान्वित हुआ। राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ ललित के पंवार, पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री मघराज कल्ला, समाजसेविका श्रीमती सुशीला बोहरा, रेलवे अभियंता श्री मदन मोहन अग्रवाल तथा राजस्थानी साहित्यकार डॉ शक्तिदान कविया को गौरव रत्न सम्मान से नवाजा गया और उन्हें शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। अभिनंदन पत्रों का वाचन प्रोफेसर सरोज कौशल, प्रोफेसर प्रभावती चौधरी, प्रोफेसर कैलाश कौशल एवं डॉ कौशल नाथ उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर जिला प्रमुख श्री पूनाराम चौधरी, महापौर श्री घनश्याम ओझा, सूरसागर विधायक श्रीमती सूर्यकांता व्यास, शहर विधायक श्री कैलाश भंसाली ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर समारोह की शोभा बढ़ाई। समारोह का संचालन डॉ निधि संदल ने किया तथा कुलसचिव श्री आबिद खान ने आभार व्यक्त किया।

" विश्वविद्यालय में दूसरी बार आकर बहुत अच्छा लगा। ये देखकर काफी प्रसन्नता हुई कि समारोह में समाज के प्रबुद्धजनों की मौजूदगी रही। कुलपति प्रोफेसर आर पी सिंह इसके लिए बधाई के पात्र हैं। विद्यार्थी जहां से सम्बन्ध रखते हैं वो पुराने जमाने की युद्ध भूमि रही है। ये ऐसा क्षेत्र है जहां सिंचाई भी आसान नहीं। उनके अभिभावक काफी हार्ड लाइफ जी रहे हैं। विद्यार्थियों को बड़ा से बड़ा सपना देखना चाहिए। कोई भी ऐसी चीज नहीं जो असंभव हो। विद्यार्थी अपने कार्यों से देश, दुनिया में अपनी पहचान कायम करें।

सतपाल मलिक

" विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलता है। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियां भी जरूरी हैं। छात्र विश्वविद्यालय की छात्र-राजनीति में भाग ले लेकिन सक्रिय राजनीति में नहीं आएं। विद्यार्थी का दायित्व है कि वो राष्ट्र निर्माण में समर्पित रहे।

जस्टिस मघराज कल्ला

" Function was grand, very meticulously organized, very well attended and full of energy and warmth. Visiting Alma Mater after a long gap was very heartwarming experience with a happy feeling of Nostalgia. Every visit to Alma Mater is invigorating and inspiring. JNV University played a very crucial and important role in shaping my life and career. I imbibed spirit of learning and to excel at this temple of learning.

Dr. Lalit K. Panwar

" विश्वविद्यालय के मुखिया कुलपति डॉ.आर.पी.सिंह ने स्थापना दिवस व दीक्षांत समारोह के आयोजन की परम्परा शुरु करके सराहनीय कार्य किया है। स्थापना दिवस समारोह में मुझे याद किया और गौरव रत्न सम्मान से नवाजा, इसके लिए कुलपति महोदय का कोटि-कोटि आभार। विश्वविद्यालय ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया और आगे बढ़ाया है, जो जीवनपर्यन्त याद रहेगा। यहां के विद्यार्थियों ने इस मातृ संस्थान का नाम देश-विदेश में किया है। वर्तमान में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं से भी यही अपेक्षा रहेगी कि वो अपने क्षेत्र में महारत हासिल कर अपने माता-पिता व मातृ संस्थान का नाम रोशन करें। कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है।

डॉ. शक्तिदान कविया

" तब और अब में काफी अंतर आया है। पहले 100 प्रतिशत क्लासेज लगती थीं, छात्रों की उपस्थिति भी 100 प्रतिशत रहती थी। शिक्षक-विद्यार्थी के सम्बन्धों में भी अब अंतर आ गया। मैं आज भी अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लेना नहीं भूलती। जिस कॉलेज में अध्ययन किया वहीं सम्मानित होकर गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यूं तो अब तक कई सम्मान मिले लेकिन इस सम्मान का अलग ही महत्व है। जिन्दगी में अध्ययन, चिंतन, मनन ऐसा करें कि कोई बुराई नहीं रहे। बौद्धिक विकास इस तरह करें कि युवा देश के काम आ सकें।

श्रीमती सुशीला बोहरा

एचआरडीसी वेबसाइट लांच

स्थापना दिवस समारोह के बाद एचआरडीसी कार्यालय में उच्च शिक्षा मंत्री श्री कालीचरण सर्राफ, सांसद श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत तथा कुलपति प्रोफेसर आर पी सिंह ने एचआरडीसी की वेबसाइट लांच की। इस अवसर पर एचआरडीसी के निदेशक प्रोफेसर पी के शर्मा ने जानकारी दी कि इससे केन्द्र की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त करने में आसानी रहेगी। इस वेबसाइट में तीन लिंक दिए गए हैं जो यूजीसी, कॉलेज शिक्षा एवं जेएनवीयू के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। प्रोफेसर शर्मा ने बताया कि इसके डाउनलोड ऑप्शन में सभी प्रकार के फॉर्म्स दे रखे हैं और इसे गूगल से पंजीकृत भी करवाया जा चुका है।

Education is not preparation for life; education is life itself.- John Dewey

'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' प्रत्येक नागरिक का दायित्व

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं मेडिपल्स हॉस्पीटल के संयुक्त तत्वावधान में ''निःशुल्क हेल्थ चेकअप केम्प'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने कहा कि 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' प्रत्येक नागरिक का दायित्व है एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रत्येक स्वयंसेवक का कर्त्तव्य है कि वह इस दायित्वबोध से जन-जागृति लाए। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में 5 अगस्त को सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम की घोषणा भी की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सिंडिकेट सदस्य प्रो. चैनाराम चौधरी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा बताया कि विश्वविद्यालय इकाई के पूर्व स्वयंसेवकों ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर पहचान दिलाई। इससे पूर्व राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जैताराम विश्नोई ने अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम की रूपरेखा बताई।कार्यक्रम में मेडिपल्स हास्पिटल से आए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सरवेन्द्र सिंह ने हृदय रोगों से संबंधित जानकारी प्रदान की तथा अनियमित जीवन शैली को इस रोग का जिम्मेदार बताया। मेडिपल्स के ही डॉ. तुहिन दुबे ने ग्रंथिरसों के प्रभाव व असंतुलन से जनित बीमारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत में मधुमेह के 7 करोड़ रोगी है, इस दृष्टि से चीन के बाद भारत का विश्व में दूसरा स्थान है। फिजिशियन डॉ. अभिषेक तातेड़ ने वाइरल जनित रोगों के बारे में बताया व बचाव के उपाय भी सुझाए। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल गर्ग ने जोड़ों के दर्द का कारण बताकर उनके लिए उपाय बताए।

कार्यक्रम समन्वयक प्रो. जैताराम विश्नोई ने बताया कि

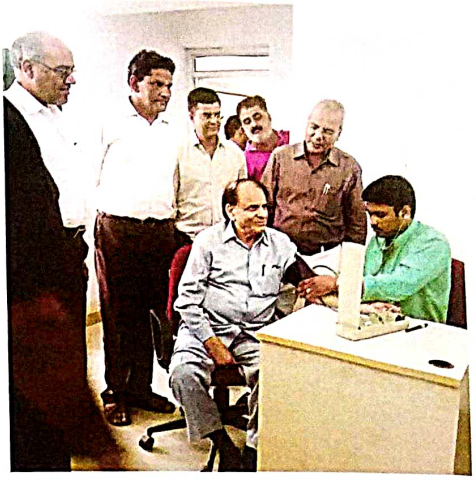

शिविर में लगभग 300 लोगों ने निःशुल्क जांच व परामर्श प्राप्त किया। कार्यक्रम में सभी कार्यक्रम अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित थे। डॉ. के.आर. पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. ओमप्रकाश राजपुरोहित ने किया।

वीकर सेक्शन में आरएएस (प्री) कक्षाओं का शुभारंभ

विश्वविद्यालय की ओर से संचालित कोचिंग सेंटर फॉर वीकर सेक्शन में आरपीएससी की ओर से आयोजित होने वाले आरएएस प्री. परीक्षा की तैयारी के लिए कक्षाओं का शुभारम्भ किया गया। इसका उद्घाटन कुलपति डॉ. आर.पी. सिंह ने किया।

इस अवसर पर कुलपति, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुधि राजीव, वीकर सेक्शन प्रभारी डॉ. अर्जुन लाल मीना आदि ने परिसर में पौधरोपण कर कक्षाओं का शुभारंभ किया। कुलपति ने इस मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें हीन भावना से मुक्त होकर सफल व्यक्ति बनने के लिए प्रेरित किया।

भूगोल विभाग में नये रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ

विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में इस सत्र से एम.ए. के अतिरिक्त तीन नये रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ किये गये हैं। विभागाध्यक्ष इरफान मेहर ने बताया कि इस सत्र में सी.बी.सी.एस. प्रणाली के तहत् एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की नियमित 40 सीटों के अतिरिक्त स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत 50 सीटों पर दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम क्रमशः पी.जी. डिप्लोमा इन रिमोट सेंसिंग, जी.आई.एस. एण्ड जी.पी.एस. तथा पी.जी. डिप्लोमा इन मिट्यरोलॉजी की क्रमशः 40-40 सीटों पर प्रवेश दिया जायेगा। जिसमें किसी भी संकाय से स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी पात्र होंगे। इसी तरह उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए 'डिप्लोमा इन ट्यूरिज्म' नामक एक नया रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू किया है जिसमें 60 सीटों पर स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत प्रवेश दिया जायेगा।

विश्व आदिवासी दिवस पर होगी अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

राजनीति विज्ञान विभाग एवं एम.वी.एस. संस्थान जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'भारत की आदिवासी जनजातियाँ : चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ' विषय पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 9-10 अगस्त, 2016 को किया जायेगा। संगोष्ठी निदेशक डॉ. जनक सिंह मीना ने बताया कि 9 अगस्त को पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जायेगा। भारत के इतिहास ने आदिवासियों के बलिदान, साहस, वीरता एवं योगदान को भी नजरअंदाज करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, परन्तु पर्याप्त साक्ष्य एवं तर्कों की विद्यमानता ने साबित कर दिया है कि 'मानगढ़धाम' (जिसे राजनीतिक दल अभी भी धुनाने में लगे हुए हैं और अपने आप को आदिवासी हितैषी बनाने का कोरा ढ़ोंग रच रहे हैं) आदिवासियों के बलिदान की गाथा का प्रमाण है।

छात्र नेताओं को दी लिंगदोह समिति की सिफारिशों की जानकारी

केन्द्रीय कार्यालय स्थित बृहस्पति भवन सभागार में 19 जुलाई को छात्रसंघ चुनाव संबंधी बैठक हुई। बैठक में संकायाध्यक्ष, निदेशक के साथ आगामी छात्रसंघ चुनाव के संबंध में छात्र प्रतिनिधियों से चर्चा की गई और उनके सुझाव लिए गए।

बैठक में कुलपति डॉ. आर. पी. सिंह ने कहा कि 24 अगस्त को प्रस्तावित छात्रसंघ चुनाव लिंगदोह समिति के दिशा-निर्देशों के तहत पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाए जाएंगे। प्रो. सिंह ने छात्र प्रतिनिधियों से चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से करवाने के लिए सहयोग की उम्मीद जताई। इस दौरान छात्र नेताओं व विद्यार्थियों ने चुनाव संबंधी अपनी जिज्ञासाएं पूरी की। छात्र नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष व पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। साथ ही चुनाव से पहले आईडी कार्ड की अनिवार्यता, फर्जी मतदान के खिलाफ कार्यवाही, परिसर में पोस्टर-बैनर के प्रयोग आदि मामलों पर ध्यान देने का भी सुझाव दिया।

सेठ मंगनीराम बांगड़ की नवनर्मित मूर्ति का अनावरण

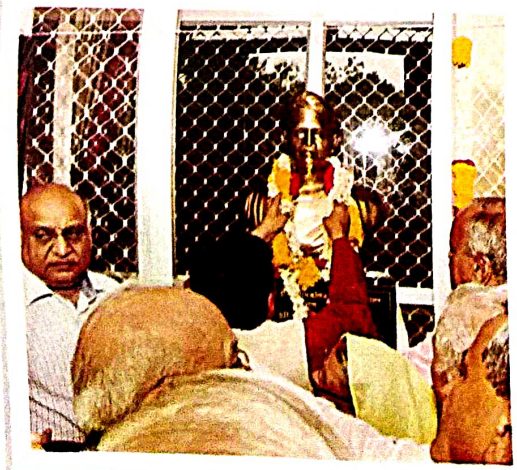

एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के संस्थापक स्व. सेठ मंगनीराम बांगड़ की धातु की नवनिर्मित मूर्ति का अनावरण श्री सीमेन्ट लिमिटेड के प्रबन्ध निदेशक एवं बांगड के प्रपोत्र श्री हरिमोहन बांगड़ ने किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्याम जाजू, जोधपुर सांसद श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, सूरसागर विधायक श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास, शहर विधायक श्री कैलाश भंसाली, महापौर श्री घनश्याम ओझा, संभागीय आयुक्त श्री रतन लाहोटी एवं बी.एस.एफ के महानिदेशक श्री रवि गांधी सहित गणमान्य नागरिक, प्राध्यापक एवं एल्यूमनि एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. पी.सी. पुरोहित ने एसोसिएशन द्वारा एम.बी. एम. इंजीनियरिंग कॉलेज में करवाये गये

कार्यों के अतिरिक्त हाल ही करवाये जाने वाले इंजीनियरिंग गर्ल्स हॉस्टल के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. पुरोहित ने बताया कि एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज को केन्द्र सरकार की राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान योजना के अन्तर्गत रिसर्च यूनिवर्सिटी में क्रमोन्नत करने की मांग राज्य के शिक्षा मंत्री से की गई है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से इसे क्रियान्वित करने में सहयोग की मांग की। सांसद व विधायकगणों ने शहर के विकास हेतु इसे पूरा करवाने में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। अतिथियों ने इंजीनियरिंग गर्ल्स हॉस्टल को पूरा करवाने हेतु पर्याप्त धन राशि उपलब्ध करवाने का भी भरोसा दिलाया। प्रारम्भ में कार्यक्रम के समन्वयक ई. सोहन भूतड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया और संकाय अधिष्ठाता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

JNVU RUSA Nodal Officers organized

One Day Workshop on Monitoring and Mentoring of RUSA Scheme

One day Monitoring and Mentoring Workshop on Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyaan (RUSA) Schemes was organized on The First of July at the Brahaspati Bhawan University Central office The workshop was presided by Prof P.K. Sharma Dean Faculty of Science (as Vice-Chancellor's representative). Shri Anoop Khichi, (IAS) State Project Directorate and Commissioner, Higher Education was the Chief Guest of the workshop. Joint Director RUSA Dr. Renu Bapna, JNVU RUSA Nodal Officer Prof. R.K.Yadav, Principals and Nodal Officers of the colleges of Jodhpur and Bikaner Divisions were also present on the occasion. Prof. R. K. Yadav welcomed all the delegates/ participants on the premises of the University. The foremost objective of organizing this one day workshop was to percolate information regarding various RUSA schemes, their implementation in the RUSA Grant recipient universities and colleges of Jodhpur and Bikaner Divisions.

The workshop was divided into two sessions. In the pre lunch session Dr. Renu Bapna briefed the august gathering regarding varied schemes of RUSA. And in the post lunch session of the workshop, each of the Nodal Officers of Jodhpur and Bikaner Division gave a 5 minutes ppt presentation detailing the activities undertaken in their respective university/college with the help of the RUSA grants. Here it is pertinent to mention that JNV University has been allocated a grant of Rs. 20 Crores from MHRD and State Higher Education Council governing RUSA, out of which Rs. 5 Crores grant has already been received.

Prof. R.K. Yadav while presenting the utilization activity of the grant stated that all the laboratories of the university will be upgraded and equipped with the latest equipments and instruments. E-Resource study material will be subscribed through which the students will now be able to access standard books, reference material and research journals.

Shri Anoop Khichi in his address advised the RUSA Nodal Officers to use this grant in a time frame to upgrade the standards of higher education in the state. The workshop proved to be very fruitful and informative for all delegates and participants. It ended with a vote of thanks.

गर्ग एआईसीटीई बोर्ड के सदस्य मनोनीत

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो. अखिल रंजन गर्ग को एआईसीटीई के ऑल इण्डिया बोर्ड ऑफ अंडर ग्रेजुएट स्टडीज इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का सदस्य मनोनीत किया गया है। एआईसीटीई के चेयरमैन की ओर से गर्ग को विषय विशेषज्ञ के तौर पर नियुक्त किया गया है। इस बोर्ड के चेयरमैन प्रो. एस.आर. रवि सहित 11 अन्य सदस्य हैं।

प्रो. रमन दवे विभागाध्यक्ष नियुक्त

वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन संकाय के बिजनेस फाइनेंस एण्ड इकोनॉमिक्स विभाग में प्रोफेसर डॉ. रमन कुमार दवे को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर कुलपति डॉ. आर.पी. सिंह, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुधि राजीव, प्रो. राजकर हांडा सहित विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने प्रो. दवे को बधाई दी।

डॉ. के.आर. पटेल नेट व सेट कोचिंग के समन्वयक

विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. के.आर. पटेल को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए नेट व सेट की कोचिंग के लिए समन्वयक नियुक्त किया गया है। डॉ. पटेल की नियुक्ति कुलपति की अनुशंसा पर तीन वर्ष के लिए की गई है।

डॉ. मनीष कुमार विभागाध्यक्ष नियुक्त

कुलपति के निर्देशानुसार प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ. मनीष कुमार को विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति तीन वर्ष के लिए की गई है।

डॉ. जतन कंवर व डॉ. मीनाक्षी बनी प्रोक्टर

कुलपति डॉ. आर. पी. सिंह के निर्देशानुसार डॉ. जतन कंवर जैन और डॉ. मीनाक्षी बोथरा को कॉमर्स कॉलेज में सत्र 2016-17 के लिए प्रोक्टर नियुक्त किया गया है।

साइकोमेनिया कार्यशाला संपन्न

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों की ओर से आयोजित साइकोमेनिया कार्यशाला का समापन 10 जुलाई को हुआ। मुख्य अतिथि वैज्ञानिक डॉ. ओपीएन कल्ला ने विद्यार्थियों को [illegible] बनाने के साथ ही सैटेलाइट निर्माण व रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिकों के जीवन से सीख लेते हुए मेहनत के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. महेन्द्र शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में जिज्ञासा व कुशलता के साथ कठिन परिश्रम करना चाहिए। कार्यशाला समन्वयक राघव शर्मा ने बताया कि फैकल्टी एडवाइजर डॉ. अनिल गुप्ता व यूनिवर्स समूह के सहयोग से कार्यशाला संभव हो सकी है।

महाविद्यालयों में नवागन्तुकों का स्वागत

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय सहित अन्य महाविद्यालयों में नए सत्र का प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित हुए। सीनियर विद्यार्थियों ने नव प्रवेशितों का स्वागत किया।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत तिलक लगा, मौली बांध व मिठाई खिलाकर किया गया। साथ ही उन्हें एनसीसी व एनएसएस के बारे में जानकारी दी गई। छात्राओं ने शिक्षकों व कर्मचारियों का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

Neighbours Envy Owners Pride

Dr. Heera Ram Barad, Assistant Professor, Animal Physiology lab, Department of Zoology said that Panchkuta (traditional Rajasthani Recipe) is a potent cardio-protective and hypocholesterolemic food recipe. Dr. Barad and his team have been working for past many years on the matter. Dr. Barad further said the cardiovascular problems are main cause of mortality and morbidity today even after availability of numerous established drugs. The available drugs have their limitations because of the associated side effects. With the motive to make use of the conventional Indian wisdom and indigenous resource for resolving cardiovascular problems we did an intensive study of the available literature wherein the nutritional value of the desert crop of Rajasthan is highlighted.

A comparative study of the nutritional aspects of local people taking panchkuta as a regular diet and urban people with a different diet was made and it was found the people of local region of western Rajasthan having a particular food recipe i.e. Panchkuta which is polyherbal formulation of local herbs performed less incidences of cardiovascular problems. Panchkuta is anherbal formulation of locally available herbs i.e. ker (fruit of *Capparis decidua*), Sangari (Pod of *Prosopiscineraria*), kumat (seed of *Acacia senegal*), Gunda (Fruit of *Cordia dictoma*), dried manga (fruit coat of *Mangiferaindica*) and kachri (Fruit of *Cucucmismelo*).

In our research plan, we prepared ethanolic extracts of the Panchkuta components and tested in induced hypercholesterolemic rabbit animal models. The experimental design was comparatively made with established available statins drug. The results showed that treatments of ethanolic extracts of various components altered significantly serum biochemistry, haematology, planimetric study of aorta, toxicity profile and histopathology. The maximum reductions in lipid profile (Total cholesterol, HDL-cholesterol, LDL- cholesterol, VLDL - cholesterol, triglyceride and atherogenic indices) and atherosclerotic plaques were performed by seed extract of *Acacia senegal* in similar efficacy of statin treatment.

Whereas, toxicity profiles remained under normal ranges in all the experimental groups which support viability and longevity of its uses. Therefore, the experimentations were programmed and planned towards proper utilization of conventional wisdom and indigenous resources for therapeutics of cardiovascular problems. The plan of our team is still in progress to identify and isolate particular compounds which are responsible for this kind of therapeutic applicability. It will be also further proving by individual and formulated compounds efficacy in particular dose and duration with different patterns of targeted drug delivery approaches. Although findings are not conclusive but it's undoubtedly a proud moment for Jai Narain Vyas University that one of its Department has accomplished such a magnificent feat.

A life of joy and happiness is possible only

डॉ. महेन्द्रसिंह राठौड़ बने जेडीए के अध्यक्ष

वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन संकाय के शिक्षक डॉ.महेन्द्रसिंह राठौड़ को जोधपुर विकास प्राधिकरण में अध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ. राठौड़ की इस नियुक्ति से विश्वविद्यालय का मान बढ़ा है। डॉ. राठौड़ को राजस्थान सरकार ने मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे की अनुसंशा पर जोधपुर विकास प्राधिकरण में तीन वर्ष के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने डॉ.राठौड़ का गर्मजोशी से स्वागत किया। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने भी डॉ .राठौड़ को गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी। प्रबंध अध्ययन संकाय में व्यवसाय वित्त एवं अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष रहे डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़ वर्ष 1989 से विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति में सक्रिय रहे हैं। डॉ. राठौड़ राजस्थान वाणिज्य संगठन के महासचिव एवं वर्ष 1985 में तत्कालीन जोधपुर विश्वविद्यालय में उच्च स्नातक छात्रसंघ के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1992 से 1995 तक विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के सदस्य, वर्ष 1995 से 2000 तक संयुक्त सचिव एवं इसके बाद 2005 तक उपाध्यक्ष भी रहे। डॉ. राठौड़ विश्वविद्यालय सीनेट एवं अकादमिक परिषद् में निर्वाचित शिक्षक प्रतिनिधि रहे हैं। राठौड़ ने अनेक पुस्तकें लिखी हैं और उनके निर्देशन में कई शोधार्थियों ने शोधकार्य किया है।

राठौड़ की भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय भूमिका रही है। वे सन् 2001 से 2006 तक शहर जिला भाजपा उपाध्यक्ष रहे। इसके बाद सन् 2008 से 2013 तक राठौड़ ने भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ में बतौर प्रदेशाध्यक्ष काम किया।

कागज, तीली व स्ट्रॉ से बनाए मॉडल

प्रदेश के सबसे बड़े इंजीनियरिंग कॉलेज मंगनीराम बांगड़ (एमबीएम) के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने स्कूली छात्र-छात्राओं में आधारभूत *विज्ञान के प्रति लगाव पैदा करने और विज्ञान के सिद्धांतों को आसान भाषा में समझाने के लिए व्यर्थ और अनुपयोगी सामग्री से विज्ञान के* 35 मॉडल बनाए।

ये मॉडल कागज, माचिस की तीली, प्लास्टिक कंटर, स्ट्रॉ, व्यर्थ पड़े पानी के पाइप और कागज के गत्तों से जरूर बनाए गए हैं लेकिन इनमें से हरेक मॉडल अपने आप में विज्ञान का महान सिद्धांत छिपाए हुए है। वो चाहे कागज का गोल-गोल उड़ना हो या फव्वारे के रूप में पानी का गिरना, ऑलपिन का पानी में डूबना हो या स्ट्रॉ से लहरे पैदा होना, हर एक एक्टिविटी विज्ञान को परिभाषित कर रही है।

यह है विज्ञान की टीम:
एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के कम्प्यूटर साइंस विभाग के डॉ. अनिल गुप्ता व डॉ. अखिल रंजन गर्ग के नेतृत्व में विभाग के द्वितीय वर्ष के राघव शर्मा (समन्वयक), दिव्या ठकुरानी, नेहा मेहतास, अभिषेक मिश्रा, राजवीर, प्रकाश परिहार, आशीष यादव, विजय कोडवानी और राहुल शिवनानी ने यह मॉडल तैयार किए है। इसमें से प्रत्येक मॉडल बेसिक साइंस की बेसिक थ्योरी को बता रहा है।

गुरु पूर्णिमा पर गुरुजनों का सम्मान

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह सहित प्रो. पूनम बावा, प्रो. जेताराम विश्नोई, प्रो. हरदयाल सिंह राठौड़ का पुष्पाहार पहनाकर सम्मान किया।

एम.बी.एम. शिक्षकों को पदोन्नति की सौगात

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के 9 एसोसिएट प्रोफेसरों को प्रोफेसर पद के रूप में 18 जुलाई को सौगात मिली। केन्द्रीय कार्यालय में कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित हुई सिंडीकेट की बैठक में बंद लिफाफों को खोला गया। इसमें 9 एसोसिएट प्रोफेसर को प्रोफेसर एवं 7 को असिस्टेंट ग्रेड में पदोन्नत किया गया। पूर्व में 10 एसोसिएट प्रोफेसर को प्रोफेसर बनाया जा चुका है।

ये बने प्रोफेसर

कम्प्यूटर साइंस के डॉ. अनिल गुप्ता, डॉ. राजेश पुरोहित, डॉ. एनसी बरवड़, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के डॉ. मनोज कुमार, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के डॉ. शेरसिंह गहलोत, प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल के डॉ. मनीष कुमार व डॉ. मिलिंद शर्मा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के डॉ. [illegible] मीणा व सिविल इंजीनियरिंग के डॉ. एस.के. सिंह को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया। वहीं 7 असिस्टेंट प्रोफेसर को सीनियर स्केल से असिस्टेंट प्रोफेसर (सलेक्शन ग्रेड) में पदोन्नत किया गया। इनमें केमिकल इंजीनियरिंग ब्रांच के डॉ. सुशील कुमार सारस्वत व डॉ. अनिल व्यास, कम्प्यूटर साइंस की डॉ. रचना वर्मा, स्ट्रक्चरल के डॉ. पीयूष चौधरी, डॉ. सुरेश सिंह सांखला, डॉ. शैलेष चौधरी व डॉ. अर्चना बोहरा गुप्ता शामिल है।

ग्रामीण विद्यार्थियों को प्रवेश में रियायत

विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में प्रथम वर्ष के ग्रामीण अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में रियायत दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इसमें जैसलमेर, बाड़मेर, पाली, जालोर एवं जोधपुर की परिसीमा के गांवों में रहने वाले विद्यार्थियों को बारहवीं परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रवेश लेने पर 5 प्रतिशत की राहत दी गई। कुलसचिव श्री आबिद खान ने बताया कि यह नियम केवल ग्रामीण स्कूल से आने वाले अभ्यर्थियों के लिए ही लागू होगा।

Release of Jodhpur Studies in English

Jodhpur studies in English the annual journal of Department of English was released by the honourable Vice Chancellor Prof. R. P. Singh. Prof. Sudhi Rajiv, Dean , Faculty of Arts and Head Department of English, Dr. Satish K Harit and other members from the teaching fraternity were present on the occasion. Prof. Sudhi Rajiv shared information about the Journal. Professor Emeritus S. D. Kapoor, Prof. Bhim S. Dahiya, Prof. Maya Pandit, Prof. Sushil Kumar Sharma, Prof. Kalpana Purohit, Dr. Satish Kumar Harit, Dr. Nagendra Singh Nathawat, Dr. Amar nath Prasad, Dr. M. R. Khatri, Dr. Rajshree Ranawat, Dr. Ranveer Singh, Dr. Vibha Bhoot, Dr Devender Rankawat are some of the contributors in this issue of the journal. Besides the articles a review on the International Conference organized in the month of November 2015 on "Shakespeare in Indian and European Languages: a postmodern review" is also published.

The Board of Editors for *Jodhpur Studies in English are Prof.* Sudhi Rajiv, Prof. Kalpana Purohit and Dr. Satish Kumar Harit. Prof. Sharad K. Rajimwale is the guest editor of the journal. The editorial board leaves no stone unturned to bring out the annual issue of the journal and that to without compromising on the quality of the papers. Prof. Sudhi Rajiv said that the premier objective of Jodhpur Studies in English is to serve as a platform for the academic fraternity genuinely interested in researching, writing and exploring the unexplored terrains of Literature.

प्रधान संपादकः प्रो. पूनम बावा, सह-सम्पादकः रामनिवास चौधरी, अजय अस्थाना, अचलसिंह मेड़तिया, परामर्श मण्डलः डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, लेआउटः संतोष कुमार प्रजापत, प्रकाशकः जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति

अंक: 05 • माह: जून • वर्ष: 2016

नवीन अकादमिक सत्र का प्रारंभ

कुलपति का संदेश

नए अकादमिक सत्र की शुरुआत के अवसर पर मैं इस विश्वविद्यालय के कुलपति के नाते आप सभी साथियों का स्वागत करता हूं। नया शिक्षा सत्र, जो कि एक तरह से हमारा नया साल है, आप सब के लिए प्रगति के नए अवसर लेकर आए, ऐसी मेरी शुभकामना है। आपकी और मेरी, यानी हम सभी की पहचान और प्रतिष्ठा इस विश्वविद्यालय से ही जुड़ी हुई हैं। लिहाजा हम सभी के अपने विश्वविद्यालय की बेहतरी की कामना के साथ कुछ बातें आपसे बांटना चाहता हूं।

मुझे जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में एक वर्ष का समय हो चुका है। अपने अब तक के कार्यकाल में मुझे यहां के विद्यार्थियों, कर्मचारियों और साथियों के बीच रहकर बहुत सी बातें सीखने को मिली, जानने को मिली, समझने को मिली और करने को भी मिली। इस विश्वविद्यालय, विद्यार्थियों और आप साथियों के हित में [illegible] गए मेरे हर फैसले को आपने सराहा। इसलिए मुझे यह कहते हुए बेहद हर्ष है कि यह विश्वविद्यालय आप सभी [illegible] सहयोग से निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा है। बतौर कुलपति [illegible] हमेशा इस विद्या के केन्द्र की प्रगति का ही प्रयास किया है।

साथियों... ! प्राध्यापकों पर इस देश के भविष्य का निर्माण करने का गुरुतर दायित्व है। हमारा आचरण, व्यवहार, भाषा, विचार और जीवन शैली हमारे विद्यार्थियों को, यानी आने वाली पीढ़ी को प्रभावित करती है। हमारे विद्यार्थी जब हमसे मिलते हैं, तो वे राह भटकाव वाली उम्र में होते हैं। तब हमारे कंधों पर यह दायित्व होता है कि हम उन्हें भटकाव की राह से निकालकर कल्याण के मार्ग की ओर ले जाएं। मैं उम्मीद करता हूं, आप सकारात्मक विचारों के साथ सृजन करने के दायित्व का आप जैसे अब तक निर्वहन करते आए हैं, इससे भी बेहतर ढंग से इसे आगे निभाएंगे। पिछले साल की कमियों को सुधारकर इस सत्र को और अच्छा बनाएंगे।

मैं आप सभी से कर्त्तव्यपालन में सदैव अग्रसर रहने की उम्मीद करता हूं। विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों की समस्याओं का निस्तारण करने में मैंने कभी कमी नहीं रखी है। जहां तक संभव हुआ, इसे सरकार के स्तर पर अथवा उचित स्तर पर निस्तारित करवाने का प्रयास किया। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि भविष्य में भी मेरी तरफ से आपको निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

यह विश्वविद्यालय आपका अपना है। आप यहां स्थायी हैं और मैं पथिक की भांति कुछ समय बाद जीवन के अगले लक्ष्य की प्राप्ति के लिए इस स्थान को आपके हाथों में सौंपकर चला जाऊंगा। किन्तु मैं यह चाहता हूं कि जब मैं इस शिक्षा-मंदिर को आपके हाथ में सौंपकर जाऊं, तब इस विश्वविद्यालय की शान बुलंदियों पर हो। आपका और मेरा साथ, काम करने का तरीका, एक-दूसरे के प्रति सहयोग और विश्वविद्यालय का सुधरा हुआ रूप हमेशा याद किया जाता रहे। इसके लिए मैं आप से सहयोग और निष्ठा की अपेक्षा करता हूं। आखिर में मशहूर शाइर मंजीत कोहली की इस रुबाई से अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा कि -

हमें खुद पर भरोसा है, हमें खुद का सहारा है
हमने हाथ से अपने, मुकद्दर को संवारा है।
हुई ख्वाहिश हमें जब जिन्दगी से बात करने की
खड़े हो आईने के सामने खुद को पुकारा है।।

(आर पी सिंह)

सिंडीकेट बैठक में अहम फैसले

डिस्टेंस एज्यूकेशन सेंटर के प्रस्ताव पर मुहर

जेएनवीयू सिंडीकेट की 21 जून को केन्द्रीय कार्यालय में हुई बैठक में गत 17 जून को हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक के मिनिट्स पारित किए गए। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लिए गए। विश्वविद्यालय में डिस्टेंस एज्यूकेशन सेंटर शुरू करने के प्रस्ताव पर सिंडीकेट ने मुहर लगा दी। ग्रेच्युटी के मामले में इंजीनियरिंग कॉलेज के शिक्षक पीसी अग्रवाल पर चल रहे एसीबी के केस पर सहमति नहीं बन पाई। इस दौरान विश्वविद्यालय में संबद्ध बिलाड़ा के एक महाविद्यालय की निरीक्षण रिपोर्ट सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की गई। पूर्व में भी इस महाविद्यालय की रिपोर्ट नकारात्मक पाई गई थी। इस बार भी महाविद्यालय में किसी प्रकार का सुधार नहीं पाए जाने पर 5 लाख रूपए का जुर्माना लगाए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान सेवानिवृत शिक्षकों को चिकित्सा पुर्नभरण मुहैया करवाने पर चर्चा की गई। इसके लिए एक रिव्यू कमेटी बनाने पर प्रस्ताव बना। इस कमेटी का अध्यक्ष विधायक श्री कैलाश भंसाली को बनाए जाने पर निर्णय हुआ। इसके साथ ही जैतारण व बिलाड़ा स्थित दो महाविद्यालय को स्थायी संबद्धता प्रदान की गई। बैठक में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह, सूरसागर विधायक श्रीमती सूर्यकांता व्यास, विधायक श्री कैलाश भंसाली, प्रो. कैलाश डागा, प्रो. कमलेश पुरोहित, प्रो. चैनाराम चौधरी व प्रो. चंद्रशेखर सहित सिंडीकेट के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

अनाथ बच्चों को 'नो फीस चार्ज' के आधार पर प्रवेश

विश्वविद्यालय के एडमिशन बोर्ड की बैठक में प्रवेश से संबंधी विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह, कुलसचिव श्री गोविन्द सिंह चारण, डीन, डायरेक्टर्स एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक मे निर्णय लिया गया कि अनाथ बच्चों को 'नो फीस चार्ज' के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि अनाथ बच्चों के प्रवेश आवेदन का नियम दृष्टिहीन विद्यार्थियों के नियमानुसार ही होगा। वहीं विश्वविद्यालय के संबद्ध संभागीय कॉलेजों में ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले विद्यार्थियों को 5 प्रतिशत एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए 2 प्रतिशत प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी। यह प्राथमिकता गैर आयकरदाता अभिभावकों के बच्चों के लिए ही है। बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए प्रवेश की प्राथमिकता जो पहले 2 प्रतिशत थी उसे बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दिया जाये। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए आवेदन करने के समय हुई त्रुटियों के संशोधन के लिए अब 15 दिन का समय दिया जाये, पूर्व में ये समय 45 दिन था। अब विद्यार्थी ऐच्छिक एवं अनिवार्य विषय में आवेदन के 15 दिन के भीतर संशोधन करवा सकेंगे।

स्व:वित्त पोषित पाठ्यक्रम में मिलेंगे स्वर्ण पदक

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में अकादमिक परिषद् की बैठक 17 जून को संपन्न हुई। बैठक में कुलसचिव श्री गोविन्द सिंह चारण सहित सभी संकायों के विभागाध्यक्ष, अधिष्ठाता एवं प्रोफेसर मौजूद रहे। बैठक में मुख्य रूप से नए अकादमिक सत्र को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ ही 29 फरवरी 2016 को हुई परिषद की बैठक के मिनट्स चर्चा के बाद पारित किए गए। विश्वविद्यालय में पहली बार स्व:वित्त पोषित पाठ्यक्रम में स्वर्ण पदक प्रदान करने का निर्णय लिया गया। पीएचडी डिग्री के प्रारूप को तय करने के लिए परिषद् की ओर से एक कमेटी का गठन किया गया। अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. कमलेश पुरोहित की अध्यक्षता में गठित इस कमेटी में प्रो. पूनम बावा, प्रो. आर.के. यादव, प्रो. राजन हांडा को सदस्य मनोनीत किया गया। वहीं परीक्षा सुधार एवं सलाहकार परिषद् में 'च्वॉइस बेसिस क्रेडिट सिस्टम' को सभी संकायों के पीजी कोर्सेज में शुरू करने का निर्णय लिया गया। पूर्व में यह सिस्टम विज्ञान एवं कला संकाय में शुरू किए गए थे, अब च्वॉइस बेसिस क्रेडिट सिस्टम सभी संकायों के स्नातकोत्तर कोर्सेज में लागू होंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में 'बाबा रामदेव' एवं 'बाबा जम्भेश्वर' शोध पीठ की स्थापना की जाए। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय की ओर से सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। बैठक में बी. फॉर्मा एवं डी. फॉर्मा पाठ्यक्रम शुरू करने संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा की गई। अकादमिक परिषद् ने इसके लिए सैद्धांतिक तौर पर सहमति प्रदान कर दी। इसके साथ ही परीक्षा प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। यह कमेटी कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में बनाई गई। सभी संकायों के अधिष्ठाता इसके सदस्य होंगे। बैठक में डिस्टेंस एज्यूकेशन सेन्टर खोलने की अनुमति के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजने की कार्यवाही को मंजूरी दी गई। विदेशी छात्रों के प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न देशों के दूतावास से संपर्क करने के लिए एमओयू पर चर्चा की गई। जिसके लिए प्रो. पी.के. शर्मा को समन्वयक नियुक्त किया गया। बैठक में आर्डिनेंस-317 में आवश्यक संशोधन को पास किया गया। आर्डिनेंस-317(बी) में संशोधन पर निर्णय लिया गया कि इसे पुन: अकादमिक परिषद् की आगामी बैठक में पेश किया जाएगा। अभियांत्रिकी संकाय में संचालित विभिन्न एम.ई. पाठ्यक्रमों में स्वर्ण पदक इसी सत्र से प्रदान करने का निर्णय भी बैठक में सर्वसम्मति से हुआ। बैठक में शिक्षा सत्र 2016 की परीक्षा में विद्यार्थियों द्वारा अनुचित साधनों के प्रयोग करने की रोकथाम के लिए 15 एसोसिएट प्रोफेसर एवं 15 असिस्टेंट प्रोफेसर की समिति गठन करने के लिए कुलपति को अधिकृत किया गया।

"Live as if you were to die tomorrow. Learn as if you were to live forever." — *Mahatma Gandhi*

विद्यार्थियों के कॅरियर निर्माण के लिए नया सॉफ्टवेयर

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग तथा टेप्से एंड हेप्सन केन्द्र की ओर से रूचि एवं योग्यता परीक्षण सॉफ्टवेयर का निर्माण किया गया है। जिसके अंतर्गत ये स्पष्टीकरण होता है कि रूचि एवं योग्यता के बीच सम्बन्ध है तो उसका स्तर कितना है और अगर सम्बन्ध नहीं है तो विद्यार्थी में किस विषय का ज्ञान अधिक है। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने इस सॉफ्टवेयर का विधिवत उद्घाटन किया। सॉफ्टवेयर के प्रबन्धक प्रो. रवि गुंठे के अनुसार इस सुविधा से युवा विद्यार्थी अपनी योग्यता, ज्ञान और कौशल के अनुरूप अपने कॅरियर का चुनाव करने में सहायता प्राप्त कर पायेंगे और उनमें भविष्य को लेकर जो हताशा और कुंठा पनप रही है, वह कम होगी। यह सॉफ्टवेयर 13 से 21 वर्ष के आयु वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।

सॉफ्टवेयर की अवधारणा

बच्चा परिवार का एक महत्वपूर्ण सदस्य होता है और उसके जन्म के साथ ही कई अपेक्षाएं उस पर अपना प्रभाव डालती हैं। वह जैसे-जैसे बड़ा होता है अपेक्षाओं का प्रभाव भी बढ़ता जाता है। अधिकांशतः बच्चों का स्वाभाविक कौशल, योग्यता, मानसिक स्वास्थ्य अपेक्षाओं से प्रभावित होता है। बालक किशोरावस्था में आते-आते अपनी योग्यताओं पर अधिक ध्यान न देकर अभिभावकों व अन्य लोगों की अपेक्षाओं के बारे में ही सोचता रहता है। किशोरावस्था में अधिकांशः योग्यताओं की अपेक्षाओं एवं रूचियों का तालमेल नहीं बैठता जिसके परिणामस्वरूप इस अवस्था में आते-आते किशोर अपने सपनों को धूमिल होता देखता है व उसके अन्दर कुंठा, डिप्रेशन की भावना आती है। इसी कड़ी में यह जानना आवश्यक है कि बालक अपनी रूचि को ही सफलता की सीढ़ी मान लेता है जबकि सफलता के लिए उसी क्षेत्र के ज्ञान व कौशल की आवश्यकता होती है। उपरोक्त परिस्थितियों से बचने हेतु किशोरावस्था में आते-आते अभिभावकों को अपने बच्चे में उत्तरदायित्व का बोध करवाना आवश्यक है। बच्चे के निर्णय को सर्वोपरि माने जिससे उसके निर्णय का वह स्वयं जवाबदेह होगा।

शिक्षकों को सौंपी जिम्मेदारियां

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में व्यवस्थाओं के बेहतर संचालन के लिए कुलपति प्रो.आर.पी.सिंह ने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठ, मण्डल एवं संस्थाओं में शिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी है। कुलपति के निर्देशानुसार इन शिक्षकों ने कार्य संभाल लिया।

प्रोफेसर डागा एसएसबी के अध्यक्ष

रसायन शास्त्र विभाग के प्रोफेसर कैलाश डागा को छात्र सेवा मण्डल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। प्रोफेसर डागा सिंडीकेट सदस्य होने के साथ ही इससे पूर्व राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक रहे हैं।

प्रोफेसर जैताराम एनएसएस समन्वयक

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर जैताराम विश्नोई को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का समन्वयक नियुक्त किया गया है। प्रो. जैताराम विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक का काम भी संभाल रहे हैं।

प्रोफेसर दुबे को साहित्य परिषद् का जिम्मा

विश्वविद्यालय में नवगठित साहित्य परिषद् की जिम्मेदारी प्रोफेसर सत्यप्रकाश दुबे को सौंपी गई है। प्रो. दुबे पूर्व में छात्रसेवा मण्डल के अध्यक्ष एवं संस्कृत विभाग के अध्यक्ष रहे हैं।

प्रोफेसर गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज के चीफ वार्डन

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अखिलरंजन गर्ग को इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रावासों का चीफ वार्डन नियुक्त किया गया हैं। प्रोफेसर गर्ग सिण्डीकेट सदस्य रहे हैं।

डॉ. मीणा सीडीसी के निदेशक

राजस्थान सरकार के निर्देशों के अनुसार जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में कॉलेज विकास परिषद का गठन किया गया हैं। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में गठित विकास परिषद में दर्शनशास्त्र विभाग के सह-आचार्य डॉ. औतारलाल मीणा को परिषद का प्रथम निदेशक नियुक्त किया गया हैं। डॉ. मीणा का कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा।

प्रो. चौधरी गर्ल्स हॉस्टल की चीफ वार्डन

संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी विश्वविद्यालय के महिला छात्रावासों, कमला नेहरू गर्ल्स हॉस्टल, एस.टी. गर्ल्स हॉस्टल एवं पी.जी. गर्ल्स हॉस्टल की चीफ वार्डन के रूप में कार्य देखेंगी।

प्रो. चन्दनबाला को लैंगिक उत्पीड़न निवारण, प्रतिपेद्ध सेल की जिम्मेदारी

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिपेद्ध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के तहत् गठित 'लैंगिक उत्पीड़न सेल' की जिम्मेदारी विधि संकाय की प्रो. चन्दनबाला को सौंपी गई है।

प्रो. परिहार स्पोर्ट्स बोर्ड के अध्यक्ष

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एस. के. परिहार को विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बोर्ड के सचिव डॉ. बाबूलाल दायमा के नेतृत्व में नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रोफेसर परिहार का स्वागत किया गया।

डॉ. सांखला नोडल अधिकारी

राजभवन व अन्य कार्यों के लिए एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के डॉ सुरेश सांखला को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। डॉ. सांखला सुरक्षा अधिकारी का पद भी संभाल रहे हैं।

बीसीटी कोर्स अब सिविल इंजीनियरिंग के समकक्ष

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के सकारात्मक प्रयासों से राज्य सरकार ने एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज में संचालित बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन टेक्नोलाजी (बीसीटी) कोर्स को सिविल इंजीनियरिंग के समकक्ष दर्जा प्रदान कर दिया है। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय के एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के गौरव में बढ़ोतरी हुई है। अब इस कोर्स के विद्यार्थियों को बीसीटी के स्थान पर सिविल के समकक्ष डिग्री मिलेगी और उन्हें विभिन्न नौकरियों में भी अच्छे अवसर मिलेंगे। तकनीकी शिक्षा के संयुक्त सचिव अनूप श्रीवास्तव ने 13 मई को अनुमोदन पत्र जारी कर विश्वविद्यालय की इस मांग को स्वीकार कर लिया है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

के.एन. कॉलेज में परिण्डा अभियान

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में सामाजिक सरोकारों का निर्वाह करते हुए परिंडे लगाने का अभियान चलाया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के रचनात्मक प्रकल्प विकासार्थ विद्यार्थी (एस.एफ.डी.) की छात्रा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश छात्रा सहप्रमुख अल्का थामेट के नेतृत्व में यह अभियान चलाया। इस अवसर पर के.एन. कॉलेज की निदेशक प्रो. पूनम बावा ने परिण्डा स्थापित कर छात्राओं का उत्साहवर्द्धन किया। इस अभियान का लक्ष्य छात्र-छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण के साथ पशु-पक्षियों के प्रति दया भाव विकसित करना है। इस अभियान के बाद विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में स्वच्छता अभियान भी संचालित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस

विश्वविद्यालय के छात्र संगठनों की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के प्रकल्प विकासार्थ विद्यार्थी की ओर से केन्द्रीय कार्यालय में इस अवसर पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एल.एन. हर्ष ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार का स्मरण करते हुए कहा कि प्रकृति मनुष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है लेकिन किसी के लालच को पूरा नहीं कर सकती। विश्वविद्यालय के बृहस्पति भवन में पर्यावरण संवर्द्धन एवं 'लूनी नदी पुनर्जीवन' विषयक संगोष्ठी भी आयोजित की गई।

एनएसयूआई की ओर से भी नया परिसर स्थित गर्ल्स पी जी हॉस्टल में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र नेता रामचन्द्र जलवाणिया के अनुसार इस अवसर पर पर्यावरण बचाओ संगोष्ठी भी आयोजित की गई। इसमें कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने कहा कि परिसर को हरा-भरा रखने का दायित्व हम सभी का है। संगोष्ठी में पूर्व सांसद श्री बद्रीराम जाखड़ ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया।

पौधरोपण : विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में बॉटनीकल सोसायटी व रोवर्स स्काउट गाईड के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत ने बताया कि इस अवसर पर नया परिसर में जामुन, सीताफल, अमरूद, नींबू, गूंदा, आम, मीठा नीम इत्यादि के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. सुन्दरामूर्ति ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाने का आह्वान किया। आचार्य डॉ. पवन कुमार कसेरा ने रोपे गए पौधों को पानी पिलाने व उनकी देखभाल करने की शपथ दिलाई। डॉ. सन्तोष कुमार, डॉ. अल्केश टाक, डॉ. खेताराम, डॉ. अशोक, डॉ. सुमित्रा, डॉ. राजूराम, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. शंकर नामा इत्यादि ने पौधे लगाकर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली। सम्पूर्ण कार्यक्रम में रोवर्स स्काउट गाईड के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और पेड़-पौधों को पानी पिलाया। अन्त में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गहलोत को पर्यावरण संरक्षण सम्मान : मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट, जोधपुर एवं मेहरानगढ़ पर्यावरण विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण दिवस पर आयोजित समारोह में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग के सह-आचार्य डॉ. प्रवीण गहलोत को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता पूर्व नरेश श्री गजसिंह ने की। विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर के निदेशक डॉ. एन.के.वासु थे।

डॉ. प्रवीण गहलोत को यह सम्मान जोधपुर खनन क्षेत्रों में वृक्षारोपण करने खनन से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों में जनचेतना फैलाने के लिए प्रदान किया गया है।

''आसमान की ओर देखो हम अकेले नहीं हैं, जो लोग सपने देखते हैं और कठिन मेहनत करते हैं, पूरा ब्रह्माण्ड उनके साथ है''- एपीजे अब्दुल कलाम

Managing Rain Water Storage for Sustained Water Productivity in Nandra Kallan Village

Under the auspices of Honorable Vice Chancellor Dr. R. P. Singh and N. S. S. Coordinator Prof. Kailash Daga it was undertaken that every drop of rain water should be saved for use at the Village Nandra Kallan. Nandra Kallan is the village, adopted by the University to make it a "Smart Village". It is pertinent to mention here that since last year, University has regularly facilitated the development of the aforementioned village in every sphere. Keeping up the same spirit, in the month of May 2016, there have been regular visits by Prof. Ajay Kumar Gupta, Dr. Sunil Kumar Parihar, Dr. J. S. Rathore and Dr. Arun Arora along with the Committee comprising of Prof. Kailash Daga, Dr. Divya Choudhary and Dr. Kshitiz Maharshi to expedite rain water conservation as well as creating awareness in the spheres of health, education and sports. Furthermore, in this regard, there have been regular discussions with Sarpanch Sh. Hanmanram Dudi and other village residents so that a pragmatic solution could be worked at.

Dr. Kshitiz Maharshi, Member of the Committee constituted to Explore the Possibilities and Aspects for Developing Village Nandra Kalan said, "Judicious management of water is imperative. In the village, the disturbance of land-vegetation-climate balance by anthropogenic activities has led to decreased water resources and degradation of soil. Moreover, the seepage of nearby sewage water into Village Pond has further aggravated the problem. The demand for non-agricultural sectors is expected to increase in future due to expected industrial development which could be at the cost of water meant for agricultural sector. This necessitates catching every drop of rain water and storing it for its potential use." Another member of the same committee, Dr. Divya Choudhary said that, "In the village, we are trying to find ways to produce more with less land and water without any degradation to our natural resources." Shri Kalyan Singh, Hon'ble Governor of Rajasthan recently stressed upon the judicious mix of 'traditional, indigenous and new technologies' to improve soil health and conserve water. Seeing the water crisis, it is of paramount importance to scientifically assess the water resources, store every drop of rainwater and use the available water judiciously. Thus, a strong strategy for water collection in village pond is being worked on by taking expert help of Prof. Ajay Kumar Gupta, Dr. Sunil Kumar Parihar, Dr. J. S. Rathore and Dr. Arun Arora.

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के शिक्षक पदोन्नत

केरियर एडवांसमेन्ट स्कीम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के 14 शिक्षकों को कई वर्षों की प्रतीक्षा के बाद पदोन्नति का लाभ मिल गया है। इस उपलब्धि के लिए शिक्षकों ने कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के प्रति आभार प्रकट किया। विश्वविद्यालय सिंडीकेट की बैठक में पदोन्नत शिक्षकों के लिफाफे खोले गए तथा एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के एस.के. सिंह, रवि सक्सेना, ए.एन. मोदी, सुनिल परिहार, अजय शर्मा, अखिल रंजन गर्ग, जयश्री वाजपेयी, बी.एस. चौहान, राजेश, दिनेश श्रृंगी, विकास कपूर एवं अरविन्द वर्मा को प्रोफेसर पद पर पदोन्नति दी गई। अशोक धारीवाल तथा आर.के. पुरोहित को सेवानिवृति के बाद प्रोफेसर बनाया गया। डॉ. कमल भंडारी तथा डॉ. श्रवण राम को पदोन्नति के बाद एसोसिएट प्रोफेसर बनाया गया तथा एस.डी. व्यास, एस.आर. मीणा तथा रमा मेहरा को सेलेक्शन ग्रेड दिया गया।

एमबीएम के 249 विद्यार्थियों का विभिन्न कम्पनियों में चयन

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज की ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल कॉलेज के विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर पर उपलब्ध करवा रही है। शिक्षा सत्र 2015-16 में कॉलेज के 249 छात्र-छात्राओं का देश की नामी कंपनियों में चयन हुआ हैं। इनमें से कुछ कंपनियों ने चयनित छात्र-छात्राओं को दस लाख रूपए सालाना का पैकेज ऑफर किया है।

ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के प्रभारी प्रो.अवधेश शर्मा ने बताया कि सत्र 2015-16 में ख्याति प्राप्त एडोब कम्पनी ने सर्वाधिक चार छात्रों को 9.65 लाख रूपए वार्षिक का पैकेज देकर चयन किया। इसी प्रकार ए.क्यू. बैंगलोर ने 15, वण्डर सीमेंट ने 4, आर.के.मार्बल्स ने 5, सिक्योर मीटर उदयपुर ने 2, प्रथम सॉफ्टवेयर जयपुर ने 8, एप्प परफेक्ट उदयपुर ने 7, तयाना बैंगलोर ने 4, एलोपी मुम्बई ने 7, यामाहा सॉल्यूशंस ने 6, होण्डा कार ने 5, एनबीसी ने 5, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने 9, जिन्दल ने 4, अडाणी पावर ने 5, नवयुग इको सॉल्यूशंस ने 6, हेफल मुम्बई 4 एवं रील जयपुर ने 8 विद्यार्थियों को चयनित किया है।

टीसीएस में 112 का चयन : प्रो. अवधेश शर्मा ने बताया कि प्रसिद्ध कम्पनी टीसीएस ने कॉलेज के सर्वाधिक 112 विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। वहीं विप्रो चैन्नई ने 14 एवं स्टील दिल्ली ने 15 विद्यार्थियों का कैम्पस प्लेसमेंट में चयन किया है।

"Women of Regalia in Power – A Catalyst"

-Prof. Sudhi Rajiv at Harvard

American Comparative Literature Association organized its Annual Meet at Harvard University, Cambridge, Massachusetts, USA from March 17-20, 2016. It was a collaborative event by ACLA, the University of South Carolina based International Association and the Department of Comparative Literature, Harvard University. This was the second largest convention in ACLA history and one of the largest conventions ever hosted by Harvard University with around 322 International Seminars and 3325 participants. The Inaugural Ceremony took place in the evening of 17th March, followed by seminars of different streams organized in three successive days from 18 – 20th March, 2016. Prof. Rajiv, Dean, Faculty of Arts, Education & Social Sciences and Head, Dept. of English, presented her paper entitled "Women of Regalia in Power – A Catalyst" in the seminar scheduled in stream B on 18th March, 2016. Prof. Rajiv writes, "In the modern democratic societies the insignia of royalty is the power people have to change themselves and the world around them." The feminist activist writers are the women of regalia holding power over the minds of men - the catalysts- whose crown is in their "heart" and not on their "head."

The paper was well received and was appreciated for its in-depth analysis. Besides her contribution, the other events of the Meet were the Annual Book Exhibition and Plenary Sessions by eminent speakers like Prof. Ursula Heise (UCLA), Prof. Sandra Bermann (Princeton), Stephen Owen and David Damrosch. "Overall, it was a wonderful and enriching academic experience", said Prof. Rajiv.

कॅरियर काउन्सलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की वर्कशॉप संपन्न

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने और मागदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से माननीय कुलपति प्रो.आर.पी.सिंह द्वारा कॅरियर व प्लेसमेंट सेल का नवगठन किया गया। इसके लिए संकायवार प्लेसमेंट अधिकारियों की नियुक्ति की गई। जो विद्यार्थिया का प्लेसमेंट से सम्बंधित मार्गदर्शन करेंगे। इसी कड़ी में कॅरियर काउन्सलिंग व प्लेसमेन्ट सेल की ओर से सात दिवसीय कॅरियर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। पुराना परिसर स्थित विधि संकाय में शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं कुलपति प्रो.आर.पी.सिंह ने 15 जून को किया। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. महेश माथुर की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षक श्री अरविन्द भट्ट एवं सेल के निदेशक डॉ. विकल गुप्ता भी मौजूद थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथितियों ने दीप प्रज्जवलन कर वर्कशॉप का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर माननीय कुलपति ने कहा कि ज्ञान कभी भी क्षीण नहीं होता, स्वास्थ्य व पैसा ताउम्र नहीं चलता, ज्ञान अविरल अनवरत है। स्वयं अपना लक्ष्य निर्धारित करें तथा अपने मन में आत्मविश्वास बढ़ाएं, उन्होंने कहा कि भाषा कोई बाधा नहीं है, अपने विचारों को सरल एवं स्पष्ट रखें। व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षक अरविन्द भट्ट ने अपने विचारों से विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि अपने लक्ष्यों की दिशा तय करें, लाइफ विदआउट गोल इज नोट लाइफ, मंजिल की तरफ बढ़े, पड़ाव देख कर खुश न हो, ज्यादा से ज्यादा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करें। संचालन सहायक आचार्य डॉ. निधि संदल ने किया।

शिविर के दूसरे दिन ऑल इंडिया रेडियो के डायरेक्टर अनिल गोयल ने विद्यार्थियों को नए अवसरों, तकनीक और ट्रेड से अपडेड रहने के लिए प्रेरित किया। तीसरे दिन पहले चरण में ग्रुप डिस्कशन रखा गया। इसमें विधि, हिन्दी व अंग्रेजी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। 'कॉलेज एज्यूकेशन इन कन्ट्री टूडे: प्रॉब्लम एण्ड प्रोस्पेक्टस' और 'एज्यूकेशन एण्ड सक्सेस द कॉरिलेशन' विषय पर हुई समूह चर्चा में विद्यार्थियों ने अपने-अपने पक्ष रखे। वहीं दूसरे चरण में विश्वविद्यालय की ओर से सचांलित सभी डिप्लोमा कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गई।

शिविर के तहत मनोविज्ञान विभाग के प्रो. हेमन्त शर्मा को आमत्रिंत किया गया। मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रविकान्त गुन्डे की टेप्से एण्ड हेप्सन टीम द्वारा निर्मित सॉफ्टवेयर का डेमोस्ट्रेशन किया गया। डॉ. मनीषा जैन व उनके सहयोगी ने सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। शिविर में अखिल भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं एनआईआईटी जोधपुर केन्द्र के निदेशक श्री मुकेश बंसल ने कहा कि डिजिटल इंडिया की परिकल्पना युवाओं को आई टी के क्षेत्र में निपुण बना रोजगार परक शिक्षा देना है, अर्थव्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र में आज आई टी निपुण युवाओं की नितान्त आवश्यकता है।

वर्कशॉप के समापन अवसर पर मोटिवेशन, पर्सनेलिटी, कॅरियर व मनोविज्ञान आदि विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए गए। समापन समारोह की मुख्य अतिथि कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की निदेशक प्रो. पूनम बावा थीं। उन्होंने कहा कि युवा आने वाले कल का भविष्य हैं। अपने लक्ष्य को निर्धारित करें, प्राप्त करें तथा उससे समाज व परिवार को अपनी उत्कृष्ट सेवाओं से लाभान्वित करें। वर्कशॉप में योग दिवस के अवसर पर 'जीवन में योग की भूमिका' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को समापन अवसर पर पुरस्कृत किया गया। कॅरियर सेल की सह-समन्वयक डॉ. निधि संदल ने विधि व कला विषयों में कॅरियर के अवसरों की जानकारी प्रदान की तथा विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के भी तरीके सुझाये। डॉ. विकल गुप्ता ने आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि नये सत्र से सभी संकायों में नियुक्त प्लेसमेन्ट अधिकारी विद्यार्थियों को कॅरियर व प्लेसमेन्ट की जानकारी प्रदान करेंगे।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर

सामूहिक योगाभ्यास

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की ओर से नया परिसर स्थित जिम्नेजियम हॉल में भव्य योगाभ्यास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राज्य प्रबंध कार्यकारिणी के सदस्य श्री बाबाजी नन्दलालजी और कुलपति प्रो आर. पी. सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में योग से जुड़े कई अद्वितीय उदाहरण एवं इटली तथा लंदन के विशिष्ट व्यक्तियों का योग के प्रति समर्पण भाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने योग के प्रति रूचि होने के कारण यू.एन.ओ. में प्रयास कर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित करवाया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने योग को रोग एवं दवाइयों से मुक्ति पाने का एकमात्र उपाय बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को अद्वितीय ज्ञान का धनी एवं परिश्रमी बताते हुए कहा कि, उन्होंने विश्व स्तर पर भारतीय संस्कृति के प्रतीक योग का महत्व बताकर अथक प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित करवाने का प्रशंसनीय कार्य किया।

योग केन्द्र के निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक, सिंडीकेट सदस्य, सभी संकाय के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, शिक्षकगणों, अशैक्षणिक कर्मचारियों, विद्यार्थियों ने भाग लिया। केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के प्रोटोकोल के अनुसार योगाभ्यास डॉ. एस.एम. दाधीच के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित योग शिविरों में सहयोग करने वाले योगाचार्यों को सम्मान प्रतीक ट्रैक सूट प्रदान किया। इस अवसर पर यज्ञ एवं हवन का कार्यक्रम कला एवं शिक्षा संकाय अधिष्ठाता डॉ. सुधि राजीव के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. प्रभावती चौधरी की अध्यक्षता में आर्य समाज के यज्ञ विशेषज्ञों के निर्देशन में संपन्न हुआ।

योग केन्द्र की ओर से शहर के अनेक स्थानों पर आयोजित हुए शिविर

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) की ओर से विश्वविद्यालय के योग केन्द्र को निःशुल्क योग शिविरों के आयोजन का दायित्व सौंपा गया था। इस जिम्मेदारी को सहर्ष स्वीकार करते हुए योग केन्द्र के तत्वावधान में जोधपुर के अलग-अलग स्थानों पर मासिक योग शिविर संचालित किए गए। अशोक उद्यान में योग शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह तथा प्रांत संघ चालक श्री ललित ने किया। केन्द्र निदेशक डा. बी.एल. दायमा के अनुसार अशोक उद्यान के अतिरिक्त पाल रोड, नेहरू पार्क, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, सेन्ट्रल स्कूल स्कीम तथा स्पोर्ट्स बोर्ड में योग शिविर आयोजित किए गए।

योग दिवस पर कार्यशाला

'योग एवं योग द्वारा रोग निवारण' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला वि.वि. मुख्य कार्यालय के बृहस्पति भवन में प्रो. पी.के. शर्मा अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय के मुख्य आतिथ्य, पूर्व विभागाध्यक्ष जे.वी.बी. विश्वविद्यालय के

प्रो. भगवती प्रसाद गौड़, प्रो. पी.के. भण्डारी, अधिष्ठाता वाणिज्य संकाय के विशिष्ट आतिथ्य एवं डॉ. बी एल. दायमा, निदेशक, योग केन्द्र की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता महर्षि महेश योगी के शिष्य प्रो. भगवती प्रसाद गौड़ ने ध्यान एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तृत प्रकाश डाला। प्रो. ए.के. पुरोहित ने श्वसन तन्त्र से संबंधित रोग एवं उसके ऊपर आसन, प्राणायाम के प्रभावों के बारे में बताया। डॉ. एस.एम. दाधीच ने योग के स्वरूप को समझाया तथा रोगों से बचने के उपाय बताए। कार्यशाला का संचालन इतिहास विभाग के ललित कुमार पंवार ने किया।

सभी संकायों में कॅरियर काउंसलिंग व प्लेसमेंट सेल की स्थापना

विश्वविद्यालय के सभी संकायों में प्लेसमेंट एवं कॅरियर काउंसलिंग सेल की स्थापना का निर्णय लिया गया है। इसके लिए सभी संकायों में प्रभारियों की भी नियुक्ति की गई है। सेल प्रभारी अपने संकाय में प्रतिमाह बैठक आयोजित कर प्रगति रिपोर्ट तैयार करेंगे। इस सेल की स्थापना से विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकेगा। यह सेल विद्यार्थियों का डाटा बेस बनाने सेमिनार आयोजित करने के साथ विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी कंपनियों को प्लेसमेंट एवं काउंसलिंग के लिए भी आमंत्रित करेगी। इसके लिए अभियांत्रिकी संकाय में प्रो. अवधेश शर्मा व डा. अनिल गुप्ता, विज्ञान संकाय में डा. विकल गुप्ता व डॉ. ज्ञान सिंह शेखावत, कला संकाय में प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय व डॉ. रामसिंह आडा, वाणिज्य संकाय में डॉ. विरेन्द्र तातेड़ व डा. कृष्ण अवतार गोयल, विधि संकाय डॉ. सुनिल आसोपा व डॉ. निधि संदल एवं के.एन. कॉलेज में डॉ. मीना बरडिया व डॉ. रचना दिनेश को सेल का प्रभारी बनाया गया है।

स्थापना दिवस की तैयारियां

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की प्रेरणा से पिछले वर्ष विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की जो पहल शुरू हुई थी, उसका निर्वाह इस वर्ष भी किया जाएगा। आगामी 14 जुलाई को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाने की तैयारियां की जा रही है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन अपने इन पूर्व विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय गौरव रत्न से सम्मानित करेगा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित की है। विश्वविद्यालय की ओर से इस सम्मान के लिए आवेदन भी आमंत्रित किए गए है।

के.एन. कॉलेज में कॅरियर काउंसलिंग शिविर

विश्वविद्यालय के कॅरियर काउंसलिंग सेल के तत्वावधान में सीनियर सैकण्डरी क्लास उर्तीण करने वाली छात्राओं के लिए के.एन. कॉलेज में कॅरियर काउंसलिंग शिविर आयोजित किया गया। सेल के निदेशक डा. विकल गुप्ता के अनुसार इस शिविर में विश्वविद्यालय में संचालित हो रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की सविस्तार जानकारी प्रदान की गई तथा कॅरियर निर्माण में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए छात्राओं को परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कॉलेज की निदेशक प्रो. पूनम बावा ने शिविर का अवलोकन किया तथा प्रतिमाह ऐसे शिविर आयोजित करने की आवश्यकता प्रतिपादित की। इस शिविर में अनेक छात्राओं ने पंजीयन करवाया एवं लाभान्वित हुई।

शोध प्रविधि कार्यशाला

विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में सामाजिक विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए दस दिवसीय शोध प्रविधि कार्यशाला आयोजित की गई। आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला का आयोजिन आईआईटी परिसर के अकादमिक ब्लॉक में किया गया। इसका उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने इस तरह की अकादमिक गतिविधियों की बहुविध उपयोगिता को रेखांकित किया तथा विद्यार्थियों को इसमें सक्रिय सहभागिता निभाने का आव्हान किया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि रक्षा प्रयोगशाला के निदेशक डॉ. आर.एस. वडेरा थे। कार्यशाला के निदेशक डॉ. एल.एल. साल्वी ने आगन्तुकों का स्वागत किया तथा अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन ने आभार प्रकट किया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों ने विषय के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

डॉ.सरोज कौशल को संस्कृत विदुषी सम्मान

राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर की ओर से जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सरोज कौशल को संस्कृत विदुषी सम्मान से नवाजा गया। डॉ. सरोज कौशल को यह सम्मान 24 मई 2016 को जयपुर में आयोजित भव्य समारोह में शिक्षा मंत्री श्री कालीचरण सर्राफ द्वारा प्रदान किया गया। प्रो सरोज कौशल समकालीन संस्कृत साहित्य की आलोचना में विशिष्ट स्थान रखती हैं। उनके विशिष्ट वैदुष्य के आधार पर यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान के रूप में उन्हें श्रीफल तथा 21000 रुपए भेंट किए गए।

शैक्षिक संघ ने जताया कुलपति का आभार

जय नारायण व्यास विश्विद्यालय शैक्षिक ने कैरियर एडवांस स्कीम के तहत शिक्षकों की लम्बे समय बाद की गई पदोन्नति के लिए कुलपति डॉ आर पी सिंह का आभार जताया है। संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कुलपति निवास पर कुलपति डॉ. आर.पी.सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका धन्यवाद जताया। इस दौरान संघ के अध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार परिहार ने कहा कि कैरियर एडवांस स्कीम के तहत पदोन्नति मिलने से शिक्षक वर्ग में खुशी का माहौल है। शैक्षिक संघ ने कुलपति महोदय से आग्रह किया कि विश्वविद्यालय के अन्य संकायों

में भी सी.ए.एस. (CAS) के तहत शिक्षकों को पदोन्नत किया जाए। इस दौरान सिंडीकेट सदस्य प्रो. कैलाश डागा, पूर्व सिंडीकेट सदस्य प्रो. अखिल रंजन गर्ग, डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. एन.सी. बरवड़, डॉ.राजेश पुरोहित, डॉ. विजय मेहता, डॉ. अनिल गुप्ता, डॉ. अरूण अरोडा, श्रवण राम, डॉ मनीष गुप्ता भी मौजूद थे।

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बावा, सह-सम्पादक: श्री रामनिवास चौधरी, श्री अजय अस्थाना, श्री अचलसिंह मेड़तिया, परामर्श मण्डल: डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, श्री प्रफुल्ल मेहता, लेआउट: संतोष कुमार प्रजापत, प्रकाशक: जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति • अंक: 19 • माह: मार्च-अप्रेल • वर्ष: 2018

"जोधपुर जैसी अपणायत और स्नेह और कहीं नहीं मिलता - प्रो.आर.पी. सिंह"

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय कुलपति से परिसर समाचार की खास मुलाकात

पश्चिमी राजस्थान में उच्च शिक्षा के सबसे बड़े केन्द्र जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर.पी.सिंह का तीन वर्ष का सफल कार्यकाल 05 मई 2018 को पूरा हो रहा है। प्रो.सिंह को 05 मई 2015 को कुलपति नियुक्त किया गया था। तीन वर्ष के कार्यकाल में किए गए कार्यों और उनके अनुभव को लेकर परिसर समाचार की टीम ने प्रो.आर.पी.सिंह से विशेष साक्षात्कार किया। प्रस्तुत है परिसर समाचार की सम्पादक प्रोफेसर डॉ. पूनम बावा, सह-सम्पादक अचलसिंह मेड़तिया एवं अजय अस्थाना द्वारा लिए गए साक्षात्कार के प्रमुख अंश:

▪ परिसर टीम: कुलपति के पद पर तीन वर्ष के सफल कार्यकाल की बधाई।

कुलपति: तीन वर्ष के कार्यकाल की बधाई देने पर परिसर समाचार पत्र की पूरी टीम का आभार और विश्वविद्यालय के मुखपत्र परिसर के बेहतर प्रकाशन के लिए पूरी टीम को बधाई एवं अग्रिम शुभकामनाएं।

▪ परिसर टीम: यूपी से यहां आकर कुलपति का पद संभालना और यहां के शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ कार्य करने का अनुभव कैसा रहा?

कुलपति: पश्चिमी राजस्थान में मारवाड़ के इस शहर सूर्यनगरी को पत्थरों का शहर कहा जाता है। यहां जितनी अपणायत और स्नेह का भाव है वो संभवत: भारत के किसी अन्य शहर में नहीं मिलता। करीब तीन वर्ष पहले जोधपुर आकर व्यास विश्वविद्यालय में कुलपति का पद संभाला तो प्रथम दिन से ही यह बात ध्यान में रखी कि किसी भी प्रकार की राजनीति में नहीं पड़ना हैं, न ही किसी प्रकार से राजनीतिक रूप से गाइडेड होना । इसी बात को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय के ऑर्डिनेंस, एक्ट एवं नियमों के अनुसार ही कार्य करने का प्रयास किया।

▪ परिसर टीम: विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल को सुधारने और शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाने के प्रयासों में कितने सफल रहे?

कुलपति: प्रथम दिन से ही तय करके आया था कि शिक्षण संस्थान के हित और इसके उत्तरोत्तर बढ़ोतरी के लिए कार्य करूंगा। मेरा ध्येय था कि शिक्षकों और विद्यार्थियों को बेहतर पारिवारिक और शैक्षणिक माहौल उपलब्ध हो। विश्वविद्यालय का शैक्षणिक स्तर अच्छा है। कार्यभार संभालने के बाद इसी के अनुसार प्रयास भी किया कि अकादमिक स्तर पर विश्वविद्यालय को ख्याति मिले। इसमें काफी हद तक सफल भी रहे।

▪ परिसर टीम: तीन वर्ष के कार्यकाल में क्या-क्या नयाचार किए गए?

कुलपति: पद संभालने के बाद शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से मिला तो पता चला कि यहां अभी से न तो दीक्षांत समारोह आयोजित किए जा रहे हैं और न ही स्थापना दिवस मनाने की कोई परंपरा है। इसकी पूरी योजना बनाई और विद्यार्थियों व शिक्षकों की मदद से पहली बार विश्वविद्यालय का कुलगीत बनवाया और स्थापना दिवस मनाने की परंपरा आरंभ की। दीक्षांत समारोह लम्बे समय से नहीं हो रहा था, राजस्थान के माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री कल्याण सिंह जी के भी निर्देश थे कि प्रतिवर्ष दीक्षांत समारोह का आयोजन हो। कुलाधिपति महोदय के आदेशों की पालना में लगातार तीन वर्ष तक दीक्षांत समारोह आयोजित कर उपाधियां व प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्वर्णपदक प्रदान किए गए। उम्मीद है यह परंपरा आगे भी नियमित रहेगी।

▪ परिसर टीम: शिक्षकों की कमी और आधारभूत संरचना के अभाव में परेशानी का सामना करना पड़ा?

कुलपति: यह सही है कि यहां शिक्षकों की कमी थी, भर्तिया नहीं होने से बैकलॉग था। इसे भी पूरा करने का प्रयास किया गया। विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण के प्रयास किए गए और अधिकांश समस्याओं का निराकरण करने में सफलता भी मिली। छात्रसंघ चुनावों के दौरान यहां जातिय संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते थे, लेकिन गत तीन वर्षों में ऐसा नहीं हुआ। विद्यार्थियों ने शांतिपूर्ण तरीके से छात्रसंघ चुनाव करवाने में पूर्ण सहयोग किया। छात्रसंघ के सभी पदाधिकारियों एवं छात्रनेताओं का इसमें पूरा सहयोग मिला।

▪ परिसर टीम: ऐसा कार्य जो विश्वविद्यालय में प्रथम बार किया गया?

कुलपति: राजस्थान में व्यास विश्वविद्यालय ऐसा उच्च शिक्षण संस्थान है, जहां पर प्रथम बार च्वॉइस बेस क्रेडिट सिस्टम आरंभ किया गया। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ का पूर्ण सहयोग मिला। प्रशासनिक कार्यों के संचालन में सभी विभागाध्यक्षों, अधिष्ठाता, निदेशक एवं सिण्डीकेट सदस्यों का पूरा सहयोग मिला। इसके लिए मैं विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का आभारी हूं।

▪ परिसर टीम: शिक्षकों के लिए किया गया कोई विशेष कार्य?

कुलपति: कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत शिक्षकों के प्रमोशन करवाए गए। इंजीनियरिंग एवं सामान्य संकायों के 70 शिक्षकों को प्रोफेसर बनाया गया। सीएएस स्कीम के तहत 100 लोगों को पदोन्नति प्रदान की गई। इंजीनियरिंग एवं सामान्य संकायों में पारदर्शी तरीके से एआईसीटीई एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुसार शिक्षकों की नियुक्तियां की गई। इसमें शासन के निर्देशों का पूर्णतया पालन किया गया। कर्मचारियों की समस्याओं का भी प्राथमिकता से निवारण करने का प्रयास किया गया। गर्व है कि यहां के शिक्षकों ने राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर गोष्ठियां आयोजित की है और देश-विदेश में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर संस्थान का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों ने खेलों एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों में विश्वविद्यालय का परचम फहराया है।

▪ परिसर टीम: ऐसा कार्य जो नहीं कर पाए?

कुलपति: यहां पर विकास की बहुत संभावना है। विशेष रूप से विश्वविद्यालय के परिसर में शिक्षा के वातावरण का विकास जरूरी है, लेकिन विश्वविद्यालय में धन के अभाव के कारण कई कार्य नहीं कर पाए। अकादमिक ऊंचाइयों के लिए यहां के प्राध्यापकों में काफी क्षमता है लेकिन इसको चैनलाइज्ड करके कार्य करने की आवश्यकता है। मुख्यरूप से विश्वविद्यालय में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन के भुगतान की समस्या रहती है। कुल मिलाकर विश्वविद्यालय में शैक्षणिक माहौल अच्छा है और अकादमिक दृष्टि से यहां पर काफी काम हो सकता है। संस्थान को ओर अधिक ऊंचाइयां प्रदान करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

▪ परिसर टीम: नेक से विश्वविद्यालय का मूल्यांकन होना है इसकी क्या तैयारियां हैं?

कुलपति: नेक टीम के आने से पहले इसकी 80 फीसदी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उम्मीद है शीघ्र ही यहां पर नेक की टीम विजिट करेगी। विश्वविद्यालय के कुछ विभागों में बहुत अच्छा उच्च कोटि का कार्य हो रहा है, रिसर्च के क्षेत्र में नाम है। इनमें से ही कुछ विभागों को फीस्ट से अनुदान नहीं दिला पाया। शिक्षकों को डीएसटी, यूजीसी, आईसीएसएसआर एवं अन्य एजेंसीज से सहयोग लेना चाहिए। एक बार फिर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का हार्दिक आभार, जिन्होंने हर समय मुझे सहयोग दिया।

55वीं पुण्यतिथि पर 'लोकनायक' का श्रद्धापूर्वक नमन

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री 'शेर-ए-राजस्थान' स्व. श्री जयनारायण व्यास की 55वीं पुण्यतिथि के अवसर पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के नया परिसर स्थित मुख्य द्वार पर 14 मार्च को पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के साथ सिंडीकेट सदस्य, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, अधिकारीगण, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक, शिक्षक, कर्मचारीगण एवं छात्रों ने जयनारायणजी की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जानी ईएमएमआरसी की कार्य प्रणाली

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जोधपुर के कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग ब्रांच के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के एज्युकेशनल मल्टी मीडिया एण्ड रिसर्च सेंटर ईएमएमआरसी का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने स्टूडियो की कार्यप्रणाली और एज्युकेशनल चैनल के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। महाविद्यालय में कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग के व्याख्याताओं के निर्देशन में आए इन विद्यार्थियों को इंजीनियर सी.एस. चारण, प्रोड्यूसर अजय अस्थाना, अचलसिंह मेड़तिया, कैमरामेन महावीर सिंह, गौरव गहलोत, तकनीशियन सुनील परिहार, संतोष प्रजापत और अभिनवसिंह चौहान ने ईएमएमआरसी की गतिविधियों से रू-ब-रू कराया। इन्हें एनएमई-आईसीटी के तहत बनाई गई शैक्षणिक फिल्मों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही इन विद्यार्थियों को स्टूडियो की कार्यप्रणाली से भी अवगत करवाया गया। विद्यार्थियों को ईएमएमआरसी द्वारा निर्मित विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एमएचआरडी के स्वयंप्रभा चैनल के प्रसारण के बारे में भी विद्यार्थियों को विस्तार से बताया गया।

अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी : स्वाधीनता संग्राम में राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों का अवदान

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय और अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, राजस्थान द्वारा विश्वविद्यालय केन्द्रीय कार्यालय स्थित बृहस्पति सभागार में ''स्वाधीनता संग्राम में राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों का अवदान'' विषय पर 24-25 मार्च को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के निदेशक एवं भारतीय हिन्दी परिषद् के सभापति प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय थे। अध्यक्षता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की प्रोफेसर विद्योत्तमा मिश्र ने की। बीज वक्तव्य मुंबई विश्वविद्यालय के प्रोफेसर करूणाशंकर उपाध्याय ने दिया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि, सन् 1857 से 1947 तक के स्वतंत्रता के आंदोलन में राष्ट्रकवियों का राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र चेतना जाग्रत करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राष्ट्रकवियों ने अंग्रेजी सत्ता और भाषा के खिलाफ कविताएं लिखी और स्वभाषा पर जोर दिया। संगोष्ठी निदेशक डॉ. नरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी की प्रो. विद्योतमा मिश्र ने कहा कि मातृ-पितृ पूजन एवं अतिथि देवो भवः में भारतीय संस्कृति की स्पष्ट झलक मिलती है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में कवियों ने कविता, कारागार और पत्रकारिता की यात्रा की। उन्होंने कहा कई कवियों ने सत्ता से साक्षात्कार करते हुए कारागार में भी कविता रची जो उस समय चल रहे संग्राम में अपनी जगह रखती है। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय ने कहा कि मुस्लिम कवियों की कविताएं भी राष्ट्र प्रेम से ओत-प्रोत थी। वहीं स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में अज्ञात कवियों की कविताओं एवं महिलाओं के लोकगीतों से स्वतंत्रता संग्राम को बल मिला। वहीं संतों की भी इस संग्राम में मुख्य भूमिका रही। समारोह की विशिष्ट अतिथि लंदन से आई प्रो. उषा राजे सक्सेना ने कहा कि देश से बाहर रहने वाले कवियों की कविताओं में भी देश प्रेम झलकता है। स्वागत उद्बोधन में हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय ने कहा कि राष्ट्रीय काव्यधारा के कवि कबीर की तरह है।

समारोह में वद्रीप्रसाद पंचोली के करकमलों से कवयित्री डॉ. पद्मजा शर्मा का सम्मान किया। वहीं नंदकिशोर पाण्डेय ने कवयित्री दिप्ती कुलश्रेष्ठ का सम्मान किया। मोहनलाल गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह में कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डीसी जैन, हिन्दी विभाग के प्रो. डीकेएस गौतम, प्रो. श्रवण कुमार मीणा, डॉ. किशोरी लाल रैगर, डॉ.सरोज कौशल के अलावा साहित्यकार आईदान सिंह भाटी, हरीदास व्यास सहित शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी के साथ विभाग के कर्मचारी एवं विश्वविद्यालय परिवार के अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. कामिनी ओझा ने समापन समारोह का संचालन किया। संगोष्ठी के आयोजक डॉ. नरेन्द्र मिश्र ने देश-विदेश से आए अतिथि विद्वानों तथा आयोजक संस्थाओं के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

महिलाओं की राजनीति में सक्रियता, लोकतंत्र की अनिवार्यता- न्यायमूर्ति पी.एस. भाटी

महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से 'भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी: मुद्दे और चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति जस्टिस पी.एस. भाटी थे। जेएनवीयू के पूर्व कुलपति प्रो. एल.एस. राठौड़ और कला संकाय अधिष्ठाता डी सी जैन विशिष्ठ अतिथि थे। महापौर श्री घनश्याम ओझा ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। केन्द्र निदेशक प्रो. कान्ता कटारिया ने आमंत्रित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं को राजनीति में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए। मुख्य अतिथि माननीय न्यायाधिपति डॉ. पुष्पेन्द्र भाटी ने कहा कि महिलाओं को राजनीति के क्षेत्र में प्रतीक रूप में कार्य नहीं करना चाहिए वरन वास्तविक रूप से अपनी शक्तियों को पहचान कर सक्रिय रूप से राजनीति में भाग लेना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रो. एल.एस राठौड़ ने महिलाओं की प्राचीन व पश्चिमी स्थिति की चर्चा करते हुए समाज में महिलाओं की स्थिति, बौद्ध धर्म में महिलाओं की स्थिति, मनु स्मृति में स्त्रियों की स्थिति की व्याख्या की तथा महिलाओं को समाज की मुख्य धारा में शामिल होने की बात कही। महापौर श्री घनश्याम ओझा ने अपने उद्बोधन में महिलाओं को राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया। प्रो. डी.सी जैन ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में महिलाओं को राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपनी नेतृत्व क्षमता में विकास करना चाहिए तथा देश के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की महिला सिंडिकेट सदस्य प्रो. पूनम वावा, प्रो. प्रभावती चौधरी, प्रो. चन्दनबाला और छात्रसंघ अध्यक्ष कान्ता ग्वाला को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. महेश परिहार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. निधि सिंदल ने किया। तकनीकी सत्र में दस शोध पत्रों का वाचन किया गया। पैनल डिस्कशन की अध्यक्षता प्रो. पी.एस. भाटी, पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग ने की। प्रो. कैलाशनाथ व्यास, प्रो. चन्दनबाला, प्रो. कुंजन त्रिवेदी और डॉ. ओ.पी. टाक ने भी अपने विचार प्रकट किये।

संस्कृत ग्रन्थों का लोकार्पण

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अंतर्गत संचालित पंडित मधुसुदन ओझा शोध प्रकोष्ठ के द्वारा तीन महनीय ग्रंथों वेद विज्ञान विश्व कोष लेखक प्रो दयानन्द भार्गव, सम्पादक- प्रो भावती चौधरी व प्रो सत्य काश जी दुबे, शारीरक विज्ञाने- सम्पादक प्रो-गणेशीलाल सुथार, पुरानोत्पात्ति सङ्ग -सम्पादक पं.अनंतकुमार शर्मा, अनुवादक- डॉ. छैलसिंह राठौड़ का लोकार्पण दिनांक 31 मार्च को किया गया। इस अवसर पर प्रो. दयानन्द भार्गव ने कहा कि वेद अथाह विज्ञान का स्रोत है जो प्राचीन और अर्वाचीन वैज्ञानिकों द्वारा सम्मत है परन्तु उनका अर्थ बहुत ही दुरूह है, इसलिए वेद की शब्दावली को समझे बिना उनका अर्थ मुखर नहीं होता। प्रो. गणेशीलाल सुथार ने कहा शरीर में आत्मा रहने के कारण यह शारीरिक कहलाता है। पं.मधुसूदन ओझा ने इसको समझ कर शारीरिक विमर्श नामक चिंतन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. पी.के. शर्मा के द्वारा प्रो. प्रभावती चौधरी के नाम से प्रतिवर्ष संस्कृत विभाग के सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को गोल्ड मेडल दिए जाने की घोषणा की। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. धर्मचन्द जैन ने ग्रन्थ लोकार्पण के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी और धन्यवाद ज्ञापित किया। संस्कृत विभाग की डॉ. मोनिका वर्मा एवं डॉ. दीपमाला द्वारा सम्पादित संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद नामक ग्रन्थ का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अनेकों प्रोफेसर और शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सत्य काश दुबे ने किया।

जेएनवीयू कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी गठित

जेएनवीयू कर्मचारी संघ कार्यकारिणी की प्रथम बैठक में संघ के अध्यक्ष श्री महेन्द्र चारण ने अपने विशेषाधिकार के तहत विभिन्न पदों के लिए पदाधिकारियों की नियुक्तियां की। उन्होंने ने डॉ. नरेश गहलोत को संयोजक, राजेन्द्र व्यास को सलाहकार, रतनसिंह सोढ़ा को उपाध्यक्ष, रामदत्त हर्ष को सचिव, गिरीश ओझा को कोषाध्यक्ष तथा ललित वर्मा को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया। बैठक के बाद पदाधिकारियों को कुलपति ने शपथ दिलाई।

जो नाविक अपनी यात्रा के अन्तिम बंदरगाह को नहीं जानता, उसके अनुकूल हवा कभी नहीं बहती।

पूर्व छात्रों ने सौ विद्यार्थियों को दी 8.30 लाख रू. की स्कॉलरशिप

एमवीएम इंजीनियरिंग कॉलेज एल्युमनाई एसोसिएशन की ओर से कॉलेज के मेधावी और जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम में 100 के करीब विद्यार्थियों को 8 लाख 30 हजार रूपए की छात्रवृत्ति वितरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के पूर्व मुख्य सचिव अशोक जैन थे। विशिष्ट अतिथि सूरसागर विधायक सूर्यकांता व्यास थीं। अध्यक्षता जेएनवीयू के कुलपति प्रो. आरपी सिंह ने की। कार्यक्रम में एमवीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के डीन प्रो. एसएस मेहता, कॉलेज एल्युमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. पीसी पुरोहित, एसोसिएशन सचिव प्रो. जयश्री वाजपेयी, एसोसिएशन की छात्रवृत्ति कमेटी अध्यक्ष इंजीनियर मयंक गुप्ता भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान चार नई छात्रवृत्तियां देने की घोषणा की गई। प्रो. आरपी सिंह ने प्रतिवर्ष दस हजार रूपए की नई छात्रवृत्ति की घोषणा की। एल्युमनाई नम्रता मेहता ने प्रतिवर्ष दस हजार रूपए की दो नई छात्रवृत्तियां की घोषणा की। वहीं विधायक व्यास ने एक लाख रूपए स्कॉलरशिप फंड में देने की घोषणा की। ये छात्रवृत्तियां प्रत्येक वर्ष वितरित होती रहेंगी। अंत में डॉ. वाजपेयी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बाबा साहेब केवल दलितों के ही नहीं वरन् सभी वर्गों के मसीहा: मेघवाल

संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 127वीं जयंती समारोह जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के बृहस्पति भवन में समारोहपूर्वक मनायी गयी। के.आर. मेघवाल, मुख्य आयुक्त आयकर विभाग, पश्चिम बंगाल एवं हनुमान खांगटा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो.आर.पी. सिंह ने की। जयंती समारोह के मानद् सचिव डॉ. विरेन्द्र सिंह वाल्मिकी ने बताया कि इस अवसर पर एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के 51 छात्र-छात्राओं द्वारा रक्तदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के आर मेघवाल ने कहा कि बाबा साहेब केवल दलितों के ही नहीं वरन सभी वर्गो के मसीहा थे। संविधान में महिला सहित समाज के सभी कमजोर वर्गों के उत्थान का उन्होंने उचित प्रावधान किया। मुख्य अतिथि हनुमान खांगटा ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर कानूनविद् होने के साथ-साथ सामाजिक समरसता के प्रतीक भी थे। वे आधुनिक भारत के जनक थे। कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए ही भारत के प्रत्येक नागरिक का सर्वांगीण विकास संभव है। कार्यक्रम के अतिथि प्रो. प्रताप सिंह भाटी पूर्व निदेशक, अम्बेडकर स्टडी सेन्टर ने डॉ. अम्बेडकर के विचारों एवं आदर्शों को अपने जीवन में समाहित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रो. डी.के गौतम, डॉ. एम.सी. बरबड़, डॉ. जनक सिंह मीणा, डॉ. अर्जुन लाल, डॉ. प्रवीण चन्द, डॉ. देवकरण, ललित पंवार, डॉ. शीतल प्रसाद, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह चारण, सहायक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष किशन सिंह गुर्जर, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कला संकाय स्टाफ क्लब का सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित

विश्वविद्यालय के कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में 14 अप्रैल को होटल श्रीराम इन्टरनेशनल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता कला संकाय अभिष्ठता प्रो. धर्मचन्द जैन ने की। के.एन. कॉलेज निदेशक प्रो. [illegible] कार्यक्रम की [illegible] समारोह का शुभारंभ [illegible] सरस्वती की प्रतिमा पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। स्टाफ क्लब समन्वय प्रो. पूनम बावा ने सभी अतिथियों एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों का शब्द सुमनों से स्वागत करते हुए स्टाफ क्लब की गतिविधियों एवं कार्यकारिणी का संक्षिप्त परिचय कराते हुए इसके उद्देश्यों एवं प्रासंगिकता को बताया। अतिथियों ने सेवानिवृत्त शिक्षकों प्रो. सुधि राजीव पूर्व अधिष्ठाता, कला संकाय, प्रो. एस.पी. गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र, प्रो. रवि गुंठे पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान, प्रो. प्रभावती चौधरी, पूर्व विभागाध्यक्ष संस्कृत का नारियल एवं शाल ओढ़ा कर सम्मान किया। सेवानिवृत्त शिक्षकों ने अपने उद्बोधन में अपने-अपने अनुभवों को साझा किया। कुलपति प्रो. आर.पी सिंह ने अपने उद्बोधन में स्टाफ क्लब के समारोह की प्रशंसा करते हुए सभी को आगे बढ़ने, देश के निर्माण में सहयोग करने की बात कही और सेवानिवृत्त शिक्षकों की दीर्घ आयु एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामना की। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. डी.सी. जैन ने इस प्रकार के कार्यक्रमों के निरन्तर होते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा डॉ. कीर्ति जोशी ने अपनी सुरीली एवं मधुर आवाज में गाने प्रस्तुत किए जिनकी जमकर प्रशंसा हुई और तालियाँ बटोरी। स्टाफ क्लब की ओर से डॉ. कीर्ति जोशी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्र मिश्र ने किया।

श्री रामदत्त हर्ष बने सचिव

जय नारायण व्यास वि.वि. कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों में कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में कार्यरत रामदत्त हर्ष को सचिव पद का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। श्री हर्ष पिछले 34 वर्षों से संघ के कार्यों में अपना योगदान देते रहे हैं।

प्रो. अरविंद परिहार बने इतिहास विभागाध्यक्ष

कला संकाय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में प्रो. अरविंद परिहार को नियुक्त किया गया है। प्रो. परिहार बौद्ध अध्ययन केन्द्र के निदेशक तथा विश्वविद्यालय की अनेक समितियों के सदस्य रह चुके हैं। प्रो. परिहार की तीन पुस्तकें एवं अनेक शोध पत्र विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. सरोज कौशल संस्कृत विभागाध्यक्ष

संस्कृत विभागाध्यक्ष के पद पर प्रो. सरोज कौशल ने कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. सरोज कौशल की अनेक पुस्तकें तथा शोध-पत्र राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हैं। उन्हें राजस्थान संस्कृत अकादमी का 'संस्कृत विदुषी पुरस्कार' से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर विभाग के प्रो. सत्यप्रकाश दुबे, प्रो. मंगलाराम, प्रो. यादराम मीणा, प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय, प्रो. एस.पी.गुप्ता, प्रो. देवेन्द्र गौतम, प्रो. शंकर गोयल, डॉ. ओ. पी. टाक आदि उपस्थित थे।

प्रो. प्रभावती चौधरी सेवानिवृत्त

संस्कृत विभाग में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी लगभग 30 वर्ष के सेवाकाल अवधि के उपरांत 31 मार्च 2018 को सेवानिवृत्त हुई। इन्होंने विश्वविद्यालय में महिला छात्रावास की मुख्य अधीक्षक, अकादमिक परिषद् सदस्य, सिंडीकेट सदस्य जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया। विश्वविद्यालय परिवार उनके उज्ज्वल तथा स्वस्थ भावी-जीवन के लिए मंगलकामना करता है।

प्रो. लालसिंह राजपुरोहित सिंडीकेट सदस्य मनोनीत

प्राणिशास्त्र के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रो. लाल सिंह राजपुरोहित को कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय का सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया है। प्रो. पुरोहित ने शोध के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने 1988 में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टरल शोध कार्य किया। प्रो. राजपुरोहित 29 वर्षों से अधिक समय से अध्यापन कार्य कर रहे हैं। इन्हें वर्ष 1993 में प्रतिष्ठित यंग सांइटिस्ट अवार्ड 'मैरी क्यूरी ब्रुसरी अवार्ड' ब्रूसेल्स द्वारा प्रदान किया गया। प्रो. राजपुरोहित अनेक अकादमिक निकायों के सदस्य रहे हैं तथा अनेक राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध-पत्र वाचन कर चुके हैं। प्रो. राजपुरोहित के 350 शोध पत्र, लेख, प्रतिवेदन प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. रवि सक्सेना सिंडीकेट सदस्य मनोनीत

एम.बी.एम अभियांत्रिकी संकाय के सिविल इंजिनियरिंग विभाग के प्रो. रवि सक्सेना को कुलपति ने विश्वविद्यालय सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया है। प्रो.सक्सेना मार्च 2017 से 'रूसा' के नोडल ऑफिसर, विश्वविद्यालय निर्माण इकाई के मुख्य अभियंता के रूप में कार्य कर रहे हैं। प्रो. सक्सेना ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दो मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट पूरे किए हैं तथा राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में अनेक शोध-पत्र प्रकाशित हुए हैं।

प्रो. मदन सिंह राठौड़ सिंडीकेट सदस्य मनोनीत

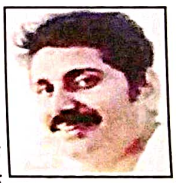

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर के दृश्य विभाग के प्रोफेसर मदन सिंह राठौड़ को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में सिंडीकेट सदस्य के रूप में राज्य सरकार की ओर से मनोनीत किया है। प्रो. राठौड़ वर्तमान में एमएलएसम में छात्र कल्याण अभिष्ठता, गोविन्द गुरू जनजातिय विश्वविद्यालय बांसवाडा में बोर्ड ऑफ मैंनेजमेंट के सदस्य, कोटा विश्वविद्यालय कोटा प्रबंध मण्डल के सदस्य, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी-गवर्निंग निकाय के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ. रिछपाल सिंह सिंडीकेट सदस्य मनोनीत

राजकीय महाविद्यालय, जोधपुर में वनस्पति शास्त्र के सह-प्रोफेसर डॉ. रिछपाल सिंह को सरकार की ओर से जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया गया है। डॉ. सिंह इससे पूर्व विश्वविद्यालय में सीनेट सदस्य के साथ अनेक समितियों के सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं। इनको वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा 1993-1995 के दौरान रिसर्च एशोसियटशिप अवार्ड दी जा चुकी है। इनकी 5 पुस्तकें, 6 अध्याय एवं 27 शोध-पत्र विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

रवि पुरोहित ने भवन निर्माण प्रकोष्ठ अभियंता का कार्यभार ग्रहण किया

जेएनवीयू की ओर से जारी आदेश के तहत रवि पुरोहित को यूनिवर्सिटी के भवन निर्माण शाखा का इंजीनियर नियुक्त किया गया है।

डॉ. अमान सिंह स्पोर्टस बोर्ड के सचिव नियुक्त

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने स्पोर्टस बोर्ड के सचिव पद पर शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ. अमान सिंह सिसोदिया को नियुक्त किया है।

प्रो. दुबे पंडित मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ के निदेशक बने

संस्कृत विभाग के वरिष्ठ आचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सत्यप्रकाश दुबे को पंडित मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ का निदेशक बनाया गया है। प्रो. दुबे इससे पहले अगस्त 2007 से अगस्त 2011 तक इस शोध प्रकोष्ठ के निदेशक रह चुके हैं।

PROF. SHRIVASTAVA CHAIRED INTERNATIONAL CONFERENCE

In USA (Atlanta) Prof. K.L. Shrivastava honoured for his distinguised scientific achievements. The award is named as 'Special Recognition' and handed over by Prof. Paul of Georgia University, Atlanta at conference venue of ' World Congress on Geochemistry'.Prof. Shrivastava also chaired The World Congress on Geochemistry on 16th November 2017. This was twelfth time when Prof. Shrivastava Chaired International Conference outside India. The Conference was Co-Chaired by Prof. (Mrs.) Isabel Dias of Portugal. Prof. Shrivastava ofcourse delivered key note address too. It was an great honour also to the Jai Narain Vyas University when its logo displayed on digital Board along with leading Institutes of the World (Photo). Chairmanship of Prof. K.L Shrivastava was also displayed in a big digital board, along with the JNV University, the institute to which he belong.

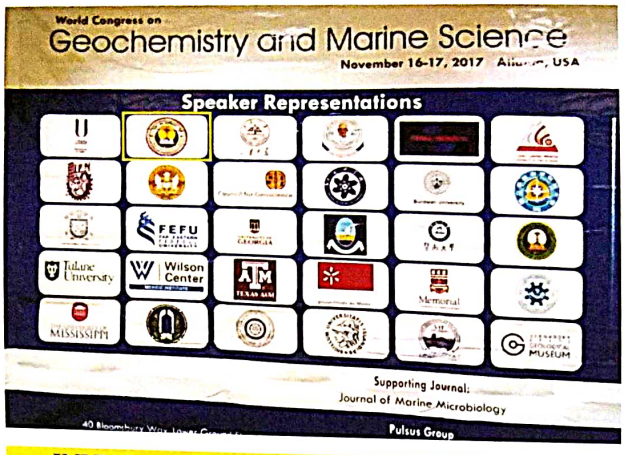

JNVU logo displayed as leading university of the world during world congress on Geochemistry 16 Nov 2017 at Atlanta, USA.

Prof. Shrivastava Received 'Excellence in Science and Technology' Award

One of the most Prestigious Indian Award named 'Excellence inScience and Technology' selectively given to leading Scientists of the nation for his distinguished life time achievements, after great scrunity, is given to Prof. Shrivastava, JNVU Jodhpur. The award was given by Hon'ble Minister of Science and Technology Dr. Harshvardhan, on behalf of Shri Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister of India; on 16th March 2018 at Imphal, Manipur University a venue of 105th Indian Science Congress. The ceremony was telecast live for one hour on Door Darshan for 157 nations and still available on 'You Tube'. The award comprises a pleaque and cash award of Rupees One Lakh. The function is witnessed by Six Thousand scientist from India and Abroad.

India's first Discovery of a rare almond-shaped trace fossil from Barmer, Western Rajasthan

The team of Department of Geology and Zoology Jai Narain Vyas University Prof. S.C. Mathur (Former Head, Department of Geology), Dr. V. S. Parihar and Dr. S. L. Nama, Assistant Professors, reported a curiously almond-shaped a rare trace fossils colony created by Mayfly. These clusters of millions of iron rinds preserved in Barmer sandstone of Barmer Hill Formation of Palaeocene age i.e. just after the extinction of Dinosaurs in western Rajasthan. These are the first fossil of its kind in India to be spotted at Gehun colony of Barmer town.

These two-dimensional trace fossils are few mm. to three cm long, looselyto tightly packed, pouch-like burrows or almond-shaped structures identified as Asthenopodichnium lignorum, whereas lozenge and J-shaped structures are designated as Asthenopodichnium lithuanicum. Mayfly wood boring trace fossils are rare and still intact is "amazing." diverse the tropics and its life were from during Palaeocene period in the western Rajasthan.

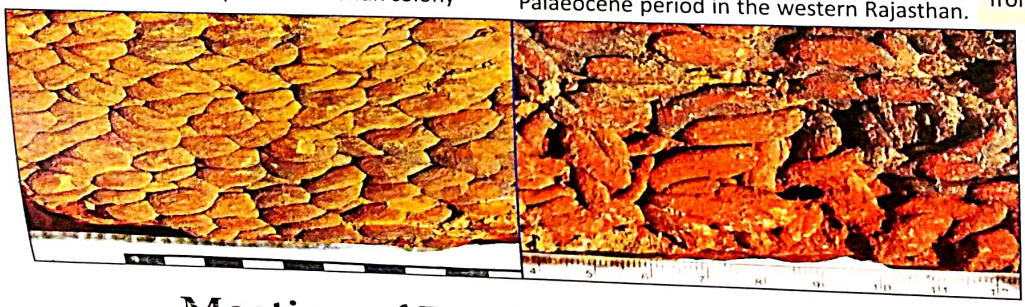

Discoveries like our trace fossil tell us that the tropics were full of life and diversity even millions of years ago.

The team working on Barmer Basin since last one decade, discovered many fossils of Dinosaurs, fishes, turtle, crocodile, gastropods and many trace fossils from Fatehgarh Formation of Barmer Basin, western Rajasthan which can fills an important part of the puzzles of past biodiversity in western Rajastahan.

Meeting of Board of Management of EMMRC Jodhpur

The 10th meeting of Board of Management of EMMRC Jodhpur was held on 12th March, 2018 at its campus in Faculty of Engineering, JNV University, Jodhpur. The meeting was chaired by Hon'ble Vice-Chancellor of the University Prof. R.P. Singh. The dignitaries present in the meeting were Prof. Jagat Bhushan Nadda, Director, CEC; Prof. Ravi Bhushan, Professor, Department of Chemistry, IIT Roorkee; Prof. (Dr.) R. L. Godara, Formerly Vice-Chancellor, HNGU Patan State Government University, Gujarat; Prof. V.P. Singh, UGC-BSR Faculty Fellow, M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly and Prof. Akhil Ranjan Garg, Director, EM²RC & Member Secretary. Shri Nageshwar Nath, Joint Director (H/W), CEC and Shri Dashrath Kumar Solanki, Comptroller, JNV University attended the meeting as invitee. BoM appreciated the efforts taken by the centre in meeting the e-Content targets. It was decided that Academic Coordinator for the DTH Channel be appointed as per guidelines. It was also decided that after

receipt of clarification from CEC a fresh advertisement for all vacant posts be issued. It was decided that Guidelines, Financial Norms and EOI regarding MOOCs and Guidelines and documents for SWAYAM Prabha DTH Channel received from CEC be adopted and recommended for implementation.

Further, on the request of Director AIIMS, Jodhpur, Prof. Jagat Bhushan Nadda, Director, CEC and Shri Nageshwar Nath, Joint Director (H/W), CEC had a meeting with Dr. Sanjeev Misra, Director, All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Jodhpur and other doctors of AIIMS. During the discussion it was principally agreed to sign an MoU for developing e-Contents related to medical sciences as well as other important activities of AIIMS. In this regard formal proposal and details are to be finalized.

Prof. Jagat Bhushan Nadda, Director, CEC and Shri Nageshwar Nath, Joint Director (H/W), CEC visited EMMRC Jodhpur on 13th March, 2018 to review the Centre's activities. The committee visited various facilities and had a discussion with staff of the centre and reviewed activities on review parameters.

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बावा, सह-सम्पादक: रामनिवास चौधरी, अजय अरथाना, अचलसिंह मेड़तिया, परामर्श मण्डल: डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, लेआउट: संतोष कुमार प्रजापत, प्रकाशक: जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. राधेश्याम शर्मा, कुलपति • अंक: 20 • माह: मई-जुलाई • वर्ष: 2018

"विश्वविद्यालय में प्रतिभाओं की कमी नहीं - प्रो.आर.पी.सिंह"

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में तीन वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात् 4 मई, 2018 को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अशैक्षणिक कर्मचारियों, विद्यार्थियों, छात्र संघ पदाधिकारियों एवं सभी छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों ने कुलपति प्रो.आर.पी. सिंह को भावभीनी विदाई दी। विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के बैनर तले बृहस्पति भवन में आयोजित सम्मान समारोह में मंचासीन अतिथियों में कुलपति प्रो.आर.पी. सिंह, कुलसचिव प्रो.पी.के. शर्मा, वित्तीय सलाहकार दशरथ कुमार सोलंकी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. जैताराम विश्नोई, विवि शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. चेनाराम चौधरी एवं छात्र संघ अध्यक्ष कांता ग्वाला

उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो.आर.पी. सिंह का पुष्पगुच्छ एवं मालाओं से सभी अधिष्ठाताओं, सिंडीकेट सदस्य, विभागाध्यक्ष, निदेशक, शिक्षकों, कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने सम्मान प्रदर्शित किया। शब्द सुमनों से स्वागत करते हुए प्रो. चेनाराम चौधरी ने कहा कि प्रो. आर.पी. सिंह जी का व्यक्तित्व सरल, सहृदयी एवं दयालुता से परिपूर्ण है, ऐसा कुलपति जो सकारात्मकता के साथ-साथ ऊर्जावान, प्रेरक, हितसाधक एवं कठिनतम कार्य को सरलता से सम्पादित करे। ऐसे कर्मठ एवं कर्मशील व्यक्तित्व का मार्गदर्शन प्राप्त कर पूरा विश्वविद्यालय गौरवान्वित है। विश्वविद्यालय की स्थापना से आज तक के कार्यकाल में अनेक कुलपतियों ने अपना कार्यकाल पूरा किया, परन्तु ऐसा सम्मान समारोह आज तक नहीं देखा, यह सम्मान समारोह 1962 से अब तक का ऐतिहासिक है। प्रो. चौधरी ने कहा कि कुलपति ने तीन वर्षों में इतना अधिक कार्य किया है जो हम सभी के जेहन में है और जिसका लाभ हमें भविष्य में भी मिलेगा। ऐसे उदार कुलपति विरले ही होते हैं। कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. धर्मचन्द जैन ने कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के सफल कार्यकाल की प्रशंसा और उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि ऐसे सहृदयी, सकारात्मकता के प्रतीक प्रो. आर.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के बैकलॉग को समाप्त किया है और स्थापना दिवस की नवीन परम्परा को स्थापित किया। प्रो. सिंह के कार्यकाल में कुलगीत की रचना हुई, स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा की स्थापना, चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम लागू कर नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं। साथ ही एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज एवं कला संकाय में कुछ शिक्षकों की भर्ती कर विश्वविद्यालय को प्रगति की ओर उन्मुख किया तथा शिक्षकों की पदोन्नति भी बड़ी संख्या में की गई।

वित्तीय सलाहकार दशरथ कुमार सोलंकी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के साथ मुझे भी कार्य करने का दो माह का अल्प समय मिला है परन्तु मैंने इस अल्प समय में ही यह जान लिया कि सकारात्मक, सरल निर्मल हृदय वाले व्यक्ति प्रशासक के रूप में सफल अवश्य होते हैं। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो.पी.के शर्मा ने कहा कि कुलपति का कार्यकाल यद्यपि चुनौतीपूर्ण रहा परन्तु इनके व्यापक दृष्टिकोण एवं सकारात्मकता ने विश्वविद्यालय को उन्नति की ओर अग्रसर किया है। विदाई समारोह में कुलपति को अभिनन्दन पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सिंडीकेट सदस्य, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक, शिक्षकगण, कर्मचारी संघ के नेता एवं कर्मचारीगण तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रो. राधेश्याम शर्मा बने जेएनवीयू के कार्यवाहक कुलपति

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह का तीन साल का कार्यकाल 5 मई 2018 को पूरा हो गया। इसके बाद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति का पदभार संभाल लिया। इस मौके पर पूर्व कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह, कुलसचिव प्रो. पी.के. शर्मा, वित्त नियंत्रक श्री दशरथमल सोलंकी, जनसंपर्क अधिकारी श्री रामनिवास चौधरी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेताराम विश्नोई, शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो. चेनाराम चौधरी के साथ विभिन्न संकाय के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, सहायक कुलसचिव, निदेशक, शिक्षक, छात्रसंघ पदाधिकारी, कर्मचारी व सहायक कर्मचारी अध्यक्ष, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

पुष्टिकर महिला महाविद्यालय में भी विदाई

श्री पुष्टिकर श्री पुरोहित सूरजराज रूपादेवी स्मृति महिला महाविद्यालय में सूरसागर विधायक श्रीमती सूर्यकांता व्यास के मुख्य आतिथ्य में महाविद्यालय प्रबंधन ने कुलपति को स्मृति चिह्न प्रदान किया। ट्रस्ट अध्यक्ष श्री महेश बोड़ा, सचिव श्री शांतिप्रसाद हर्ष, संस्थान सचिव श्री ओपी लोहरा, सह सचिव श्री रमेशचंद्र पुरोहित, प्राचार्य प्रो. केके व्यास और प्रशासक श्री बीके जोशी ने भी विचार रखे।

निजी महाविद्यालय एसोसिएशन ने किया कुलपति का सम्मान

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह के कार्यकाल के अंतिम कार्यदिवस के अवसर पर जोधपुर संभाग के निजी महाविद्यालय एसोसिएशन की ओर से होटल पार्क प्लाज़ा में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जिला प्रमुख श्री पूनाराम चौधरी, विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलसचिव प्रो.पी.के. शर्मा, निजी महाविद्यालय एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री पुखराज सांखला, सचिव श्री जगदीश सोलंकी एवं संभाग के निजी महाविद्यालयों के संचालक, प्राचार्य एवं प्रतिनिधियों ने शिरकत कर निवर्तमान कुलपति का सम्मान किया।

इस अवसर पर प्रो. आर.पी.सिंह ने विश्वविद्यालय में अपने तीन वर्षीय कार्यकाल को बेहतरीन बताया तथा निजी महाविद्यालय एसोसिएशन के सहयोग को सराहा। उन्होंने कहा कि वे सदैव निजी महाविद्यालयों को आर्थिक एवं अन्य प्रकार से सम्बल देने का प्रयास करते रहे तथा समय-समय पर महाविद्यालयों को आने वाली कठिनाईयों एवं नीतिगत मांगों को व्यक्तिगत रूप से सुनकर उन पर निर्णय भी लिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महाविद्यालयों को नवाचारों को अपनाना चाहिए तथा विद्यमान पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त नये रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने चाहिए। उन्होंने अपने कार्यकाल को उत्तम बताते हुए निजी महाविद्यालय एसोसिएशन का आभार प्रकट किया।

इस मौके पर कार्यवाहक कुलसचिव प्रो.पी.के. शर्मा ने निवर्तमान कुलपति के कार्यकाल को प्रेरणादायक बताया। निजी महाविद्यालयों के लिए प्रो. सिंह के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। जिला प्रमुख श्री पूनाराम चौधरी ने कहा कि निवर्तमान कुलपति सदैव सभी को एक परिवार की भांति साथ लेकर चले। प्रो. आर पी सिंह के आगामी जीवन में और अधिक ऊंचाइयों को छूने की शुभकामनायें देते हुए उन्होंने कहा कि निजी महाविद्यालयों के बेहतरीन प्रयासों से कई पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की रूचि बढ़ी है। इन पाठ्यक्रमों को और अधिक रोजगारोन्मुख एवं आधुनिक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने के प्रयास करने चाहिए। निजी महाविद्यालय एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री पुखराज सांखला ने निवर्तमान कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रो. सिंह ने अपने कार्यकाल में निजी महाविद्यालय एसोसिएशन द्वारा रखी गई मांगों पर सकारात्मक रूप से संज्ञान लेकर मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिए। एसोसिएशन के सचिव श्री जगदीश सोलंकी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

परिसर समाचार के मार्च-अप्रैल अंक का लोकार्पण

विश्वविद्यालय को गौरवान्वित करने वाले तथा विश्वविद्यालय की छवि को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयासरत कृत्यों को विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, शासन-प्रशासन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रारम्भ किए गए विश्वविद्यालय के समाचार पत्र 'परिसर समाचार' के मार्च अप्रैल 2018 के अंक का लोकार्पण 2 मई को कुलपति कार्यालय में किया गया। परिसर समाचार का लोकार्पण कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह, बीकानेर एवं जीवाजी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. होशियार सिंह, विश्वविद्यालय कुलपति सर्च कमेटी के सदस्य प्रो. अशोक शर्मा, परिसर समाचार की प्रधान सम्पादक प्रो. पूनम बावा, ईएमआरसी के निदेशक प्रो. अखिल रंजन गर्ग, प्रो.एच. एस राठौड़, परिसर समाचार के सह-सम्पादक अजय अस्थाना एवं अचलसिंह मेड़तिया ने किया। इस विशेष अंक में कुलपति प्रो. सिंह के तीन वर्ष के कार्यकाल की अवधि में उनकी उपलब्धियों, कुलपति के रूप में उनके अनुभवों, विश्वविद्यालय परिवार के प्रति उनका स्नेह एवं शुभकामनाओं को प्रकाशित किया गया। कुलपति सहित अन्य उपस्थित अतिथियों ने परिसर समाचार में प्रकाशित समाचार, छायांकन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कुलपति ने परिसर समाचार की प्रधान संपादक प्रो. पूनम बावा व उनकी संपादकीय टीम को

बधाई दी और कहा कि इन्होंने पूर्ण निष्ठा व निरन्तरता के साथ इसका प्रकाशन किया।

दीक्षांत और स्थापना समारोह विश्वविद्यालय के त्यौहार- प्रो.आर.पी. सिंह

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में 03 मई 2018 को कुलपति प्रो.आर.पी. सिंह के तीन वर्ष के कार्यकाल के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के उपलक्ष्य में के.एन. निदेशक प्रो. पूनम बावा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह को रामदत्त हर्ष द्वारा साफा, प्रो. लालसिंह राजपुरोहित द्वारा शाल एवं प्रो. पूनम बावा, प्रो. चन्दनबाला, प्रो. प्रभावती चौधरी, प्रो. बीना भाटिया, के.एन. कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियंका विश्नोई द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। निदेशक प्रो. पूनम बावा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यद्यपि महाविद्यालय में अनेक बार कुलपतिजी का स्वागत एवं अभिनन्दन हुआ है कि लेकिन ये स्वागत विशिष्ट एवं अनूठा है तथा इसका उद्देश्य भी हटकर है। उन्होंने कहा कि अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में कुलपति प्रोफेसर आर पी सिंह ने विश्वविद्यालय में अनेक उपलब्धियाँ हासिल करते हुए नवीन परम्पराओं को स्थापित किया है। जेएनवीयू राजस्थान के विश्वविद्यालयों में क्रेडिट बेस्ड चॉइस सिस्टम को लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय है। दीक्षांत एवं स्थापना दिवस समारोहपूर्वक नियमित रूप से आयोजित किए गए। प्रो. बावा ने कहा कि इस अवधि में विश्वविद्यालय में चहुँमुखी एवं सकारात्मक विकास के प्रयास किए गए जो सफल रहे हैं। यह सम्मान समारोह कुलपति प्रो. आर पी सिंह की नेतृत्व क्षमता का सम्मान है, उनकी उन सभी उपलब्धियों एवं विकास कार्यों का सम्मान है जो प्रो. सिंह ने अपने कार्यकाल में विश्वविद्यालय में किये। अशैक्षणिक कर्मचारियों की ओर से गौतम गांधी ने कहा कि प्रो. आर.पी. सिंह के कुलपति काल में विश्वविद्यालय में नये आयाम स्थापित हुए हैं और विकास की नई इबादत लिखी गई है।

विधि संकाय अधिष्ठाता एवं सिंडीकेट सदस्य प्रो. चन्दनबाला ने कहा कि कुलपति ने विषम परिस्थितियों में सदैव मनोबल बढ़ाया है, प्रोत्साहित किया है और सकारात्मकता के साथ आगे बढ़े हैं। वाणिज्य संकाय अधिष्ठाता प्रो. जसराज बोहरा ने कुलपति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की सराहना करते हुए कहा 'न भूतो न भविष्यति' अर्थात् ऐसा कुलपति न पूर्व में कोई रहा और न कोई भविष्य में होगा। के.एन. कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियंका विश्नोई ने महाविद्यालय को दिए गए योगदान की बात करते हुए 'हम आपको भूल नहीं पायेंगे' कविता के माध्यम से विचार रखे। कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. धर्मचन्द जैन ने कुलपति के सम्मान में कहा कि आपकी क्षमताएं अपूर्व हैं, कार्यों में जीवटता है, आशावान हैं, नवीन परम्पराएं स्थापित की हैं तथा आपमें दृढ़ संकल्प के साथ मित्र बनाने की विशेषताएं समाहित हैं।

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने अपने उद्बोधन में आशीर्वचन के रूप में कहा कि जब कोई अपना अपनों की तारीफ करता है तो अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि समस्याएं हर जगह होती हैं परन्तु उनका समाधान सामूहिकता से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहाँ सृजन की प्रवृत्ति होती है, वहाँ शान्ति रहती है। प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की सकारात्मक खबरों की दिशा में परिसर समाचार महती भूमिका निभा रहा है तथा दीक्षांत समारोह एवं स्थापना दिवस विश्वविद्यालय के त्यौहार होते हैं। विश्वविद्यालय वाई-फाई हो चुका है, एम्स के साथ एमओयू हो गया है और इसरो के साथ होने जा रहा है। नैक का निरीक्षण होना है जिसके लिए शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थियों को तैयार रहना है। उन्होंने कहा कि नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदलने के प्रयास किये जाने चाहिए। प्रो. सिंह ने कहा कि संस्थाएं सकारात्मक व्यवहार से ही चलती है। मंच का संचालन डॉ. जनक सिंह मीना ने किया। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रो. कमलेश पुरोहित बने ईएमआरसी के निदेशक

अभियांत्रिकी संकाय के पूर्व अधिष्ठाता एवं यांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर कमलेश पुरोहित को विश्वविद्यालय में संचालित ईएमआरसी केन्द्र का निदेशक बनाया गया है। प्रो. पुरोहित इससे पूर्व भी विश्वविद्यालय में अनेक पदों पर कार्य कर चुके हैं तथा अनेक महत्वपूर्ण कमेटियों के समन्वयक एवं सदस्य रह चुके हैं। निदेशक का कार्यभार संभालने के अवसर पर प्रोफेसर दिनेश श्रृंगी, प्रो.अवधेश शर्मा, प्रो. एमके भास्कर, प्रो. अनिल व्यास, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. सुशील सारस्वत, प्रोफेसर अंशु अग्रवाल, श्री राजेश दाधीच सहित अनेक शिक्षकों ने प्रोफेसर पुरोहित का पुष्पहार पहना कर एवं गुलदस्ते भेंट कर स्वागत किया और बधाई दी।

जेएनवीयू का ईसरो के साथ एमओयू

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं स्टूडेंट्स अब जोधपुर स्थित ईसरो के रीजनल रिमोट सेंसिंग सेंटर के वैज्ञानिकों के साथ शोध कर सकेंगे। जेएनवीयू के कुलसचिव प्रो.पी.के.शर्मा एवं ईसरो के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. उदयराज ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर दस्तावेज का आदान-प्रदान किया। एमओयू में भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं एमओयू कमेटी के संयोजक प्रो. सुरेश चन्द्र माथुर एवं सिविल इन्जीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील शर्मा तथा ईसरो की तरफ से जनरल मैनेजर डॉ. श्रीनिवास राव एवं डॉ. एस पाठक ने साक्षी के रूप में हस्ताक्षर किये। कमेटी के संयोजक प्रो. माथुर ने बताया कि जेएनवीयू के विभिन्न विभाग ईसरो सेंटर की आधुनिक प्रयोगशालाएं, मशीनों और तकनीकों का उपयोग शोध में एवं ईसरो सेंटर के वैज्ञानिक जेएनवीयू के प्रोफेसरों के अकादमिक अनुभव एवं शोध संसाधनों का लाभ उठा सकेंगे। एमओयू कमेटी के सदस्य प्रो. जयश्री वाजपेयी एवं डॉ. अर्जुन लाल मीना ने बताया कि विश्वविद्यालय का ईसरो संस्थान के साथ यह पहला एमओयू है। जेएनवीयू के विज्ञान, कला, वाणिज्य तथा अभियांत्रिकी के प्रायोगिक विषयों में गहन शोध के लिये संसाधनों और विशिष्ट मार्गदर्शन की दरकार बहुत समय से रही है। इसके चलते जेएनवीयू के शिक्षकों ने नई पहल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। कमेटी के सदस्य प्रो. सुंदरमूर्ति ने बताया कि इससे ईसरो, जोधपुर के वैज्ञानिक जेएनवीयू के शोध स्टूडेंट्स का भी मार्गदर्शन कर सकेंगे। कमेटी के प्रमुख सदस्य डॉ. वी.के.भद्रा ने बताया कि हाल ही में नासा-ईसरो के नये रिमोट सेंसिंग डाटा पर जोधपुर के अलावा पूरे पश्चिम राजस्थान में दूर संवेदन परियोजनाओं पर कार्य शुरू होने वाला है। जिसमें जेएनवीयू के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भागेदारी होने की संभावना है तथा दोनों संस्थान मिल कर विशेष रूप से पश्चिम राजस्थान के भूविज्ञान, भूगोल, वनस्पति एवं अभियांत्रिकी के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन एवं शोध करेंगे।

रोवर (स्काउट्स) ने राष्ट्रीय साहसिक शिविर में भाग लिया

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के तत्त्वावधान में पांच दिवसीय राष्ट्रीय साहसिक शिविर पूर्वोत्तर रेलवे स्काउट व गाइड मुख्यालय काठगोदाम (उत्तराखंड) में दिनांक 25 मई से 29 मई तक आयोजित हुआ। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में संचालित 44वें विज्ञान संकाय रोवर क्रू के रोवर लीडर डॉ. शंकरलाल नामा ने बताया कि विज्ञान संकाय रोवर क्रू के 6 रोवर्स लक्ष्मण सिंह, राहुल सिंवाड़िया, दिनेश कुमार, अनिल कुमार, कमल किशोर पंवार एवं प्रकाश पंचारिया ने पाँच दिवसीय राष्ट्रीय साहसिक शिविर में भाग लिया। वहाँ के प्राकृतिक व दर्शनीय स्थलों की राजधानी, देवभूमि, उत्तराखंड के विभिन्न दर्शनीय स्थलों नैनीताल, अल्मोड़ा सूर्यमन्दिर (कटारमल), भीमताल, सातताल, रानीखेत, शीतलाखेत का भ्रमण किया। साहसिक शिविर समाप्ति पर राज्य प्रशिक्षण आयु   श्री बन्नालाल ने कहा कि भविष्य निर्माण में अनुशासन ही जीवन की मूलभूत इकाई है। सभी के लिए खुशहाल और एक सफल जीवन जीने के लिए अनुशासन बहुत ही जरूरी है। अनुशासन कार्य को उत्तम रूप में करने का तरीका है। अंत में साहसिक शिविर में भाग लेने वाले सभी रॉवर्स और रेंजर्स को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया और सभी रॉवर्स और रेंजर्स के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साहित्य का पतन राष्ट्र के पतन का द्योतक है। पतन की ओर वे एक-दूसरे का साथ देते हैं। - गेटे

'कला चेतना' व्याख्यानमाला/प्रायोगिक प्रदर्शन
पोस्टर प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित

विश्वविद्यालय के ललित कला व चित्रकला विभाग के न्यू केम्पस स्थित स्टूडियो हॉल में 28 अप्रेल को स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए 'कला-चेतना' व्याखानमाला और डेमोन्स्ट्रेशन कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति डॉ. आर पी सिंह और कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. धर्मचन्द जैन ने किया। सिंडिकेट सदस्य डॉ. रवि सक्सेना, विभागाध्यक्ष डॉ.ऋतु जौहरी, सहायक प्रो. डॉ. रेनू शर्मा और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं इस अवसर पर उपस्थित थे। विभागाध्यक्ष डॉ.ऋतु जौहरी के संयोजन में डॉ. आई यू खान, विभागाध्यक्ष ललित कला व चित्रकला विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने 'पुनरूत्थान काल की पश्चिमी कला' पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर 'भारत के वीर जवान, भारत का गौरवशाली इतिहास, जोधपुर डायरीज' आधारित पोस्टर प्रतियोगिता के प्रतिभागियों व विजेताओं को कुलपति महोदय ने प्रमाण पत्र प्रदान किए। आगामी सत्र में नवीन रोजगारोन्मुखी सर्टिफिकेट कोर्स, बी.एफ.ए. (चार वर्षीय कोर्स), एम.ए.फाईन आर्टस एंड पेंटिग के पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होंगे। वार्षिक गतिविधियों व कला शिक्षा की वर्तमान स्थिति के विषय में विभागाध्यक्ष ने विस्तृत जानकारी दी। माननीय कुलपति द्वारा कला शिक्षा के महत्व व अनेक विधाओं को इसमें सम्मिलित करने पर कार्य करने को कहा गया।

पर्यावरण दिवस पर वनस्पति विभाग में सघन वृक्षारोपण

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में बॉटनीकल सोसाइटी के तत्त्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार कसेरा ने अपने स्वागत उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण के महत्व को बताते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सुन्दरमूर्ति, प्रो. हुकुम सिंह गहलोत, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. निशा टाक, डॉ. अशोक पटेल, मीना बारूपाल, रमेश कुमार ने अमलतास, शीशम, अमरूद, निम्बु, आम एवं गुलमोहर के पौधे लगाए। प्रो. कसेरा ने शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों को लगाए गए पौधों की समय-समय पर देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. प्रवीण कुमार गहलोत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर का भव्य आयोजन

योग केन्द, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा एम.बी.एम. इंजिनीयरिंग कॉलेज क्रिकेट मैदान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य योग प्रदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 900 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया। जिसमें विश्वविद्यालय एवं जोधपुर शहर के महिला-पुरूषों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत सिंडिकेट सदस्य डॉ. रिछपालसिंह, श्री खूबचन्द खत्री, कुलसचिव प्रो. पी.के. शर्मा, सिंडिकेट सदस्य एवं विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. चन्दनबाला, योग केन्द्र निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर की। योग केन्द्र निदेशक डॉ. दायमा ने अतिथियों का स्वागत किया। योग विशेषज्ञ डॉ. सुमित्रा दाधीच द्वारा आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार योग अभ्यास एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऋषि मुनियों द्वारा खोजी प्राचीन विद्या योग का आज विश्व दीवाना हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने के बाद पूरा विश्व योग दिवस मना रहा है। हमारे विश्वविद्यालय का योग केन्द्र जोधपुर शहर के नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए निरन्तर सेवाएँ दे रहा है। इसके लिए योग केन्द्र निदेशक डॉ. दायमा तथा शिक्षक बधाई के पात्र हैं। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर डॉ. सुमित्रा दाधीच को योग के क्षेत्र में दिये गये योगदान के फलस्वरूप विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। डॉ. दाधीच 20 वर्षों से योग के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

संगीत विभाग ने मनाया विश्व संगीत दिवस

जेएनवीयू के संगीत विभाग द्वारा विश्व संगीत दिवस के अवसर पर सरगम महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष श्री अशोक पांड्या, अध्यक्षता श्री गोविन्द कल्ला, विशिष्ट अतिथि प्रो. पी.के. शर्मा एवं राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के सचिव श्री महेश पंवार थे।

के एन कॉलेज में एनयूएसएसडी कार्यक्रम

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के कमला ...हिला महाविद्यालय में टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, ...ा संचालित एवं टाटा ट्रस्ट द्वारा अनुदानित राष्ट्रीय ...द्यालय विद्यार्थी कौशल विकास कार्यक्रम (NUSSD) 2016 से संचालित किया जा रहा है। NUSSD का मुख्य ...श्य गरीब पृष्ठभूमि एवं वंचित क्षेत्रों के आने वाले उन विद्यार्थियों का उच्चत्तम कौशल विकास करना है जो कि वर्तमान में महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से स्नातक कर रहे हैं। ऐसे विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच का संचार करके रोजगारोन्मुखी कौशल शिक्षा प्रदान करना है।

स्किल डवलपमेंट के इस कार्यक्रम में प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों को फाउण्डेशन कोर्स के अंतर्गत निम्नलिखित 6 विषयों के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जाता है। 1. Youth Leadership & People Skills; 2. English Communication; 3. Digital Literacy; 4. Legal Literacy; 5. Financial Literacy; 6.Working with Community

प्रथम वर्ष में फाउण्डेशन कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद द्वितीय वर्ष में विद्यार्थियों को डिप्लोमा कोर्स करवाया जाता है। जिसमें विद्यार्थी अपनी रूचि अनुसार विषय चयन करके उस क्षेत्र के बारें में विस्तार से प्रशिक्षण प्राप्त करते है।

द्वितीय वर्ष में निम्नलिखित डिप्लोमा कोर्स विद्यार्थियों को ऑफर किये जाते हैं :- 1.Banking & Financial Service Management; 2. Hospitality - Travel & Tourism; 3. Hospital & Service Management4. Entrepreneurship

उपरोक्त सभी विषयों में विषय विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेक्टिकल ट्रैनिंग, फिल्ड विजिट और संबंधित क्षेत्र में इनटर्नशिप करवाई जाती है।

एमबीएम के 15 छात्रों को मिला 5 लाख का पैकेज

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के प्लेसमेंट सेल के प्रयासों के चलते कॉलेज के 15 छात्रों का टेक्नीकल टेस्ट तथा साक्षात्कार के बाद जे.एस.डब्ल्यू स्टील लिमिटेड कम्पनी में चयन हुआ। विवि के कार्यवाहक कुलपति प्रो. गधेश्याम शर्मा ने केन्द्रीय कार्यालय में चयनित छात्रों को व्यक्तिगत बधाई दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रभारी प्रो. अवधेश शर्मा ने बताया कि जे.एस.डब्ल्यू स्टील लिमिटेड में 15 छात्रों को 5 लाख रूपए का पैकेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि एमबीएम कॉलेज के विद्यार्थियों के चयन के लिए देश-विदेश की कम्पनियां यहां कैम्पस साक्षात्कार करती हैं। इसी क्रम में जे.एस.डब्ल्यू स्टील लिमिटेड की ओर से कॉलेज में दो दिन का पूल कैम्पस आयोजित किया गया, जिसमें एमबीएम इंजिनियरिंग कॉलेज सहित 4 अन्य कॉलेज सी.टी.ए.ई. उदयपुर, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज अजमेर, आर.टी.यू., कोटा, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर के कुल 250 बच्चों ने भाग लिया। टेक्निकल टेस्ट में 70 विद्यार्थियों को शॉर्टलिस्ट करने के बाद कुल 30 विद्यार्थियों का मुख्य साक्षात्कार हुआ।

इनका हुआ चयन- कम्पनी ने प्रोडक्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल ब्रांच के वैभव सिंघल, मैकेनीकल ब्रांच के शुभम पाण्डे, आदित्य मित्तल, अपूर्वा शेखावत, मनन अमरवाल, जयदीप सिंह, कार्तिक सीरवी, इलेक्ट्रीकल ब्रांच के सुमित सिंह, मोहित मुन्दड़ा, वैभव मिश्रा, शुचि त्रिवेदी, अंसल गुप्ता, अमृतांशु रूहेला, मोहित माथुर, ऋषि खण्डेलवाल का चयन किया।

प्रो. अजय शर्मा स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष

विश्वविद्यालय के एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष पद का कार्यभार प्रो. अजय शर्मा ने संभाल लिया। इस दौरान शिक्षकों, कर्मचारी नेताओं और विद्यार्थियों ने प्रो. शर्मा का फूलमालाओं से स्वागत किया। प्रो. शर्मा ने 1990 में सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की थी। इसके बाद स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एमई की तथा आईआईटी मुम्बई से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। प्रो. शर्मा के शोध कार्य राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी ख्याति प्राप्त रहे हैं। वहीं वीर दुर्गादास ब्रिज सहित सरकार तथा आईआईटी की कई महत्ती परियोजनाओं से प्रो. शर्मा जुड़े हुए हैं। प्रो. शर्मा भूखण्डरोधी तकनीकों के लिए विशेष पहचान कायम किए हुए हैं।

विश्व जनसंख्या दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या स्थिरता कोष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की ओर से रैली निकाली गई। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जैतराम विश्नोई ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय जयपुर तथा राजस्थान शासन, उच्च शिक्षा विभाग, राज्य एनएसएस प्रकोष्ठ के सहयोग व मार्गदर्शन में तथा महिला पीजी महाविद्यालय, आदर्श महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से विश्व जनसंख्या दिवस पर रैली कमला नेहरू महाविद्यालय से ये रैली रवाना हुई। रैली पावटा चौराहा, हाईकोर्ट रोड़, सोजती गेट, नई सड़क चौराहा, मोहनपुरा पुलिया से होते हुए विश्वविद्यालय के ओल्ड कैम्पस पहुंच सम्पन्न हुई। इस रैली द्वारा भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं, जनसंख्या स्थिरता कार्यक्रम, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत, मोदी केयर बीमा योजना, स्वास्थ्य बीमा योजना, भामाशाह कार्ड योजना आदि के लिए लोगों को जागरूक किया गया।

समारोह की अध्यक्ष केएन कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने कहा कि देश में जनसंख्या स्थिरता में पढ़ी लिखी लड़कियां अहम् भूमिका निभा सकती हैं। देश में जनसंख्या की विस्फोटक स्थिति के दुष्परिणामों को समझना व देश के संसाधनों की सीमितता के प्रति ध्यान आकर्षित कराने का महत्वपूर्ण कार्य एनएसएस की छात्राओं के द्वारा किया जा रहा है, जिसके लिए वे बधाई की पात्र हैं। हम दो हमारे दो सिद्धांत को प्रतिपादित किया जा सकता है जिससे कि भारत के उज्जवल भविष्य की कामना की जा सकती है। विशिष्ट अतिथि उपाध्याय एवं कोमल सिंह ने कहा कि जब देश का युवा जागरूक होगा एवं शिक्षित होगा तो भारत में चलायी जाने वाली सभी योजनाओं को मूर्त रूप दिया जा सकता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी कार्यक्रम अधिकारी तथा महिला महाविद्यालय व आदर्श महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि सिंदल ने मंच का सफल संचालन किया।

Alumni Meet of MBM Engineering College

Alumni of MBM Engineering College 1976 batch had a get-together on 19th and 20th May 2018 at Marugarh Resort. After 42 years, retired from officer cadre in government and non-government organisations enjoyed the event with spouse. Old students visited various departments of MBM campus, laboratories and canteen, and revived their memories. Presence of their reverent teachers, Prof. Damodar Sharma and Prof. V.K. Bhansali, added more flavour in the enjoyment and made the event unforgettable. The group dispersed with a promise to meet at least once every year.

बॉलीवुड के पंजाबी सिंगर हार्डी संधू ने दी प्रस्तुतियां

जेएनवीयू छात्र संघ की ओर से एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित 'वन् हैवन' कार्यक्रम में बॉलीवुड के पंजाबी सिंगर हार्डी संधू ने जोधपुरवासियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनकी शानदार प्रस्तुति पर उपस्थित छात्र-छात्राओं ने जमकर हूटिंग की। कार्यक्रम में छात्र संघ अध्यक्ष कान्ता खाला ने हार्डी संधू का स्वागत किया।

कत्थक कार्यशाला का आयोजन

संगीत विभाग जय नारायण व्यास विश्व विद्यालय एवं कमला नेहरू कॉलेज जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में 20 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन के.एन. कॉलेज के सभागार में किया गया। दिल्ली से आये कत्थक गुरू श्री गोविनन्द गंगानी एवं जोधपुर की कत्थक कलाकार सुश्री रेशमा पुरी के नेतृत्व में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के सचिव श्री महेश पंवार थे। कार्यशाला की संयोजक के.एन. कॉलेज की निदेशक प्रो. पूनम बावा एवं सह संयोजक संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव शुक्ल, डॉ. स्वाती शर्मा, डॉ. भूमिका द्विवेदी रहे। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय एवं के.एन कॉलेज की छात्राओं को कत्थक की बारीकियाँ सिखाई गई।

सितार वादन कार्यक्रम आयोजित

संगीत विभाग जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं मांड संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से पधारे प्रोफेसर विरेंद्रनाथ मिश्रजी का सम्मान एवं सितार वादन का कार्यक्रम 11 जुलाई, 2018 को शाम 6 बजे से चंद्रा इम्पीरियल में आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व न्यायाधीश श्री जी.के. व्यासजी, कार्यक्रम की अध्यक्षता संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष अशोक पांडेयजी ने की, विशिष्ट अतिथियों में केएन कॉलेज की डायरेक्टर प्रोफेसर पूनम बावा, संगीत नाटक अकादमी के सचिव महेश पंवार एवं संगीत सुधा सचिव विवेक कल्ला जी मौजूद थे। आचार्य कपिल ने स्वस्ति वाचन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तत्पश्चात स्वागत के लिए संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव शुक्ला ने आए सभी सुधीजनों का स्वागत किया। इसके पश्चात बनारस से पधारे प्रोफेसर विजयनाथ मिश्र ने सितार वादन पर पुरियाधना श्रीराग तत्पश्चात बनारस की कजरी दादरा आदि का पालन कर श्रोताओं का मन जीत लिया। इस अवसर पर संगीत विभाग जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा प्रो. मिश्र सुर शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भूमिका द्विवेदी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. स्वाति शर्मा ने किया। यह कार्यक्रम मारवाड़ रत्न मांड संस्थान के संस्थापक श्री गोविंद कल्ला जी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बावा, सह-सम्पादक: रामनिवास चौधरी, अजय अरथाना, अचलसिंह मेड़तिया, परामर्श मण्डल: डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि सिंदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, लेआउट: संतोष कुमार प्रजापत, प्रकाशक: जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

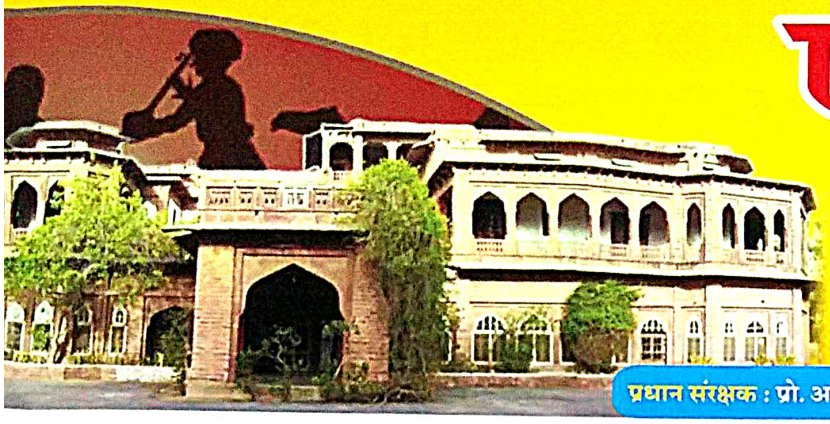

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति • अंक: 17 • माह: नव.-दिस. • वर्ष: 2017

गौरवमयी रहा विश्वविद्यालय का 15वाँ दीक्षांत समारोह

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय का 15वाँ दीक्षांत समारोह अभियांत्रिकी संकाय सभागार में उच्च शिक्षा, तकनीकी, संस्कृत शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, राजस्थान सरकार माननीय श्रीमती किरण माहेश्वरी की अध्यक्षता में भव्य रूप से आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. सत्यपाल सिंह, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा, भारत सरकार थे। समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती वंदना, राष्ट्रगान एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ।

70 विद्यार्थियों को मिले स्वर्ण पदक

समारोह में वर्ष 2016 में अपने पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक अंक अर्जित 70 विद्यार्थियों (42 छात्राएँ एवं 28 छात्रों) को माननीय श्रीमती किरण माहेश्वरी, उच्च शिक्षा, तकनीकी, संस्कृत शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, राजस्थान सरकार एवं माननीय डॉ. सत्यपाल सिंह, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा, भारत सरकार ने स्वर्ण पदक एवं उपाधियाँ प्रदान की। इनमें अभियांत्रिकी संकाय के 14, कला संकाय के 26, वाणिज्य संकाय के 11, विज्ञान संकाय के 1 एवं विधि संकाय के 4 विद्यार्थी शामिल रहे। स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) की कनुप्रिया सुथार को चांसलर गोल्ड मेडल, स्नातकोत्तर (रसायन विज्ञान) के लव कुमार, प्रीति शर्मा को डॉ. आर.सी. कपूर स्मृति गोल्ड मेडल, स्नातकोत्तर (कला) की भावना वैष्णव को चंदनमल लोढ़ा स्मृति गोल्ड मेडल, स्नातकोत्तर (हिन्दी) की दिव्या राठौड़ को डॉ. गुलाब कंवर भंडारी स्मृति गोल्ड मेडल एवं मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन की हिमा मेड़तिया को कुमारी तुपुर राय स्मृति गोल्ड मेडल भी प्रदान किए गए।

समारोह में राजनीति विज्ञान की प्रोफेसर एवं के.एन. कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा को Muslim Revivalist Thinkers पद Indian Politics (1885-1947) विषय पर 'डॉक्टर ऑफ लिट्रेचर' की उपाधि प्रदान की गई। समारोह में कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। कुलाधिपति एवं महामहिम श्री कल्याणसिंहजी की ओर से प्राप्त संदेश का भी कुलपति ने वाचन किया।

दीक्षांत समारोह में माननीय श्रीमती किरण माहेश्वरी, उच्च शिक्षा, तकनीकी, संस्कृत शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, राजस्थान सरकार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में स्वर्ण पदक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने 70 में से 42 छात्राओं को स्वर्ण पदक मिलने पर नारी शक्ति को बधाई दी और सभी स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कहा कि अब उनका यह उत्तरदायित्व है कि वे अपने विश्वविद्यालय, शहर, राज्य और अपने राष्ट्र का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य करें उसे पूरी लगन के साथ करें, अपनी संस्कृति को कभी ना भूले एवं सदैव धरती से अपना जुड़ाव रखकर आगे बढ़े। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान सरकार के प्रयासों एवं उनमें मिली सफलताओं के बारे में सभी को बताया। उन्होंने ये भी कहा कि समाज एवं देश का निर्माता विद्यार्थी होता है इसलिए हम सभी को मिलकर उच्च शिक्षा में जो कमियां हैं उनको दूर करने के प्रयास करने होंगे, जिससे स्कूली शिक्षा एवं उच्च शिक्षा का स्तर और भी अच्छा बन सके।

समारोह के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. सत्यपाल सिंह, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा, भारत सरकार ने अपने उद्बोधन में सभी स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कुलपति और कुलसचिव का आभार व्यक्त किया। डॉ. सिंह ने कहा कि जिस तरह इस सृष्टि को सतत् चलाने में सूर्य का महत्त्व है उसी तरह जीवन में शिक्षा का महत्त्व होता है, जिस तरह सूर्य के बिना प्रकाश नहीं मिलता उसी तरह शिक्षा के बिना जीवन प्रकाशमय नहीं हो सकता। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि अच्छा सीखना होता है और अपने पूरे जीवन में सीखते जाओ तथा औरों को सिखाते जाओ का मूल मंत्र होना चाहिए। डॉ. सिंह ने कहा कि शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए स्कूली शिक्षा का स्तर सुधारना जरूरी है, समाज शिक्षित होगा तो समाज की बुराईयाँ स्वतः खत्म होती जायेंगी, जिससे एक स्वस्थ समाज का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन में शिक्षा की पहली सीढ़ी माता-पिता होते हैं। अतः अपने माता-पिता का सम्मान करना अनिवार्य होता है, उसी तरह गुरू का सम्मान करना चाहिए।

दीक्षांत समारोह में उच्च शिक्षा, तकनीकी, संस्कृत शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, राजस्थान सरकार माननीय श्रीमती किरण माहेश्वरी, माननीय डॉ. सत्यपाल सिंह, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा, भारत सरकार, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह एवं कुलसचिव प्रो. पी.के. शर्मा ने विश्वविद्यालय समाचार पत्रिका 'परिसर' के 16वें अंक का विमोचन भी किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारीगण, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, छात्रसंघ अध्यक्ष सुश्री कान्ता ग्वाला, कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. निधि संदल एवं श्री ललित पंवार ने किया।

बिहार के महामहिम राज्यपाल का कर्मचारी संघ द्वारा स्वागत

बिहार के महामहिम राज्यपाल माननीय श्री सतपाल मलिक जोधपुर प्रवास के दौरान जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के कार्यालय के उद्घाटन एवं दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। केन्द्रीय कार्यालय में कर्मचारी संघ के कार्यालय के नवीनीकरण का राज्यपाल मलिक ने फीता काटकर एवं नाम पट्टिका अनावरण कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अनिल पंवार के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राज्यपाल को 51 किलो की फूलमाला पहना कर गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डॉ. आर.पी. सिंह, विधायक एवं सिण्डीकेट सदस्य श्री पब्बाराम विश्नोई एवं कुलसचिव प्रो. पी.के.शर्मा भी मौजूद रहे। संघ के अध्यक्ष अनिल पंवार ने अगुवानी की और पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर राज्यपाल एवं कुलपति का अभिनंदन किया। इस अवसर पर पंवार ने संघ के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों का राज्यपाल से परिचय करवाया। कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्यगण, समस्त पूर्व अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय कर्मचारी उपस्थित रहे।

के.एन.कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगिताएँ

छात्र सेवा मण्डल के राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ के तहत 18 दिसम्बर को के.एन. कॉलेज सभागार में राजस्थानी वेशभूषा प्रतियोगिता, राजस्थानी व्यंजन प्रतियोगिता, लोकगीत एवं लोकनृत्य प्रतियोगिता तथा मांडना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते हुए राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी ने स्वागत उद्बोधन में प्रकोष्ठ का परिचय, उद्देश्य बताते हुए प्रतियोगिताओं की पृष्ठभूमि प्रस्तुत की। राजस्थानी वेशभूषा में सज-धज कर आयी छात्राओं ने अपना परिचय प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। इसमें महाविद्यालय की 20 छात्राओं ने भागीदारी की।

व्यंजन प्रतियोगिता में खूब जमा जायका

महाविद्यालय के सभागार में राजस्थानी व्यंजनों का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिसमें कुल 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में राजस्थानी व्यंजनों में दाल-बाटी चूरमा, लापसी, खींचा, कडी, गाजर का हलवा, सोगरा, मक्के की रोटी, हल्दी की सब्जी, ग्वारफली, गट्टे की सब्जी, राबडी आदि व्यंजन तैयार कर छात्राओं अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया।

लोकगीत एवं लोकनृत्य प्रतियोगिता में जमा रंग

लोकगीत प्रतियोगिता में राजस्थानी लोकगीत एवं लोकनृत्य प्रस्तुत कर सभागार में मनमोहक प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में कुल 22 छात्राओं ने भाग लेकर अपनी संस्कृति का शानदार परिचय दिया।

बिहार के राज्यपाल ने रिलीज की जेएनवीयू की 'डॉक्यूमेंट्री'

संभाग के सबसे बड़े विश्वविद्यालय जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के 55 वर्षों के इतिहास पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म को बिहार के राज्यपाल महामहिम श्री सतपाल मलिक ने लेपटॉप पर बटन दबाकर रिलीज किया। डॉक्यूमेंट्री रिलीज करने के पश्चात् राज्यपाल मलिक ने कुलपति व डॉक्यूमेंट्री निर्माताओं को बधाई देते हुए इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। डॉक्यूमेंट्री का निर्माण करवाने वाले दिल्ली नॉलेज ट्रैक के जितिन ओझा ने बताया कि इस डॉक्यूमेंट्री में विश्वविद्यालय के स्थापना से लेकर 55 वर्षों की विभिन्न संकायों, विभागों के शोध, उपलब्धियों व गतिविधियों का सजीव चित्रण किया गया है। इस डॉक्यूमेंट्री में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का उद्घाटन संदेश, कुलगीत, खेल, विज्ञान, वाणिज्य, महिला शिक्षा, इंजीनियरिंग, कला व विधि संकाय समेत विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है।

पब्लिक के सामने मंच पर आना भी सफलता- कुलपति

जेएनवीयू के कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के सभागार में 'पर्यावरण संरक्षण, सतत् विकास- उभरती तकनीकी' विषय पर अन्तर महाविद्यालय मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो.आर.पी.सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुई प्रतियोगिता के प्रारंभ में कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता का विषय एवं समाज के लिए इसकी उपयोगिता निःसंदेह भरपूर है। विकास और तकनीकी का सामंजस्य जरूरी है तभी उसकी सार्थकता होगी। मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने विभिन्न महाविद्यालयों से सहभागी छात्राओं के मॉडलों की जमकर सराहना की और कहा कि बेटियां किसी से कम नही हैं और उनमें प्रतिभा कूट-कूट कर भरी हुई है। प्रो.सिंह ने कहा कि रचनात्मकता सफलता में सहायक होती है और व्यक्ति को अच्छे काम करने से तीन चीजें प्राप्त होती हैं जिनमें हैं तुष्टि, आशीर्वाद और समाज में स्थान। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी अच्छाइयों को जहाँ भी मौका मिले उसे प्रदर्शित करें, ऐसी भावना पैदा हो जायेगी तो सफलता मिलना निश्चित है। इस प्रतियोगिता में श्री सुमेर महिला महाविद्यालय, ऐश्वर्या कॉलेज, महिला महाविद्यालय एवं कमला नेहरू महाविद्यालय की 20 से अधिक छात्राओं ने मॉडल प्रदर्शित किए। निर्णायक मण्डल में इंडियन ऑयल के वैज्ञानिक डॉ. आर.के.बावा, डिफेंस लैब के वैज्ञानिक 'ई' डॉ. विजय सिंह चौधरी एवं वैज्ञानिक 'डी' डॉ. महावीर सिंह थे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. एस.एल.मीना थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जनक सिंह मीना ने किया।

'संविधान' भारतीय लोकतंत्र की आत्मा- प्रो. बावा

के एन कॉलेज एवं महिला अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। निदेशक प्रो. पूनम बावा ने अपने उदबोधन में कहा कि संविधान लोकतंत्र की आत्मा है, देश की पहचान है। सभी भारतीयों को संविधान की भावना समझने की आवश्यकता है। प्रो. बावा ने बताया कि इस अवसर पर 24 नवम्बर को हुई लिखित प्रश्नोत्तरी परीक्षा में करीब 260 छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य वक्ता प्रो. कान्ता कटारिया ने 'संविधान निर्माण में डॉ. भीमराव अम्बेडकर का योगदान' विशय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने समता, मानवीय गरिमा पर आधारित विचारों को संविधान में सम्मिलित किया। वे राष्ट्र निर्माता थे। व्यक्ति पूजा भारतीय राजनीति के लिए सबसे बड़ा खतरा है। राजनीति में यदि भक्ति भाव है तो लोकतंत्र ही मिट जायेगा। संविधान के प्रति आस्था रखें तभी संविधान सफल होगा। डॉ. दिनेश गहलोत ने कहा कि भारत का संविधान चुनौतियों को समझता है और उसका समाधान करता है। संविधान के समक्ष चुनौतयों की ओर ईशारा करता है। दिव्या चौधरी (बीए-प्रथम वर्श), ममता सोनी, नसीरा बानो, अंकेश भाटी, देवकी सुथार, ज्योत्सना एवं आकांशा चौधरी ने अपने विचार प्रस्तुत किए। जिला विधिक प्राधिकरण, जोधपुर से राधा विश्नोई एवं सारिका नागर ने भी संविधान दिवस को लेकर अपने विचार रखे। समारोह में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान पर अंकेश भाटी, आंकाक्षा, द्वितीय स्थान पर दिव्या चौधरी, ममता सोनी, प्रियंका विश्नोई तथा तृतीय स्थान पर किरण विश्नोई व सुमित्रा रहीं। मंच संचालन डॉ. जनक सिंह मीणा ने किया।

सांयकालीन संस्थान छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन

जेएनवीयू सांयकालीन अध्ययन संस्थान के छात्रसंघ कार्यालय का जिले के प्रभारी मंत्री सुरेंद्र गोयल ने एक समारोह में उद्घाटन किया। प्रभारी मंत्री गोयल ने युवाओं को शिक्षा के साथ खेल व अन्य सामाजिक गतिविधियों में भी भागीदारी निभाने की बात कही। कार्यक्रम को विधायक शैतान सिंह, सूर्यकांता व्यास, हनुमानसिंह खांगटा व मृगेंद्र सिंह भाटी ने भी संबोधित किया। सांयकालीन संकाय निदेशक प्रो. जसराज बोहरा ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम संयोजक प्रेमसिंह ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में एंकर पंकज शर्मा व इंडियन आइडल फेम मोती खान व जसु खान ने राजस्थानी व हिंदी गीतों की प्रस्तुति दी। केएन कॉलेज की छात्राओं ने भी नृत्य की प्रस्तुति से स्टूडेंटस की तालियां बटोरी। मंच संचालन भैरूसिंह भाटी चाचा ने किया। सांयकालीन संस्थान छात्रसंघ अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह दांतल ने आभार जताया।

विधि संकाय छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन

पुराना परिसर स्थित विधि संकार के छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन समारोहपूर्वक किया गया। कार्यालय का उद्घाटन महापौर घनश्याम ओझा, फलौदी विधायक व सिण्डीकेट सदस्य पब्बाराम विश्नोई, पूर्व सांसद जसवंत सिंह विश्नोई, विधि संकाय डीन प्रो. चंदन बाला, जिला परिषद सदस्य रावल जाणी और लोहावट प्रधान भागीरथ बेनीवाल ने किया। विधि संकाय छात्रसंघ की ओर से आयोजित चार दिवसीय सांस्कृतिक व सृजनात्मक कार्यक्रम के अंतिम दिन कार्यालय के शुभारंभ के साथ रंगारंग संध्या का भी आयोजन किया गया। छात्रसंघ अध्यक्ष अनिल विश्नोई ने बताया कि छात्र व छात्राओं ने पारंपरिक से लेकर आधुनिक गीतों पर डांस प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी सुरीली आवाज का जादू भी बिखेरा। विधि संकाय में मिस्टर व मिस के चुनाव के लिए फैशन परेड भी हुई, जहां छात्र-छात्राओं ने बुलवॉक और कैटवॉक की।

शिक्षा का सबसे बड़ा उद्देश्य आत्म निर्भर बनना है। - सैम्युअल स्माइल्स

CMYK

'देश भक्ति और राष्ट्र निर्माण' पर भाषण प्रतियोगिता

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के सांयकालीन अध्ययन संस्थान एवं भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के अधीन संचालित नेहरू युवा केन्द्र जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय के पुराना परिसर स्थित सभागार में 'देश भक्ति और राष्ट्र निर्माण' विषय पर जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अतिथियों एवं निर्णायकों का स्वागत करते हुए संयोजक डॉ. जनक सिंह मीणा ने विषय का संक्षिप्त परिचय दिया। मुख्य आतिथ्य उद्बोधन में विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. चन्दनबाला ने कहा कि भाषण का विषय अत्यंत प्रासंगिक और देश के युवाओं के अनुरूप है। नेहरू युवा केन्द्र के जिला समन्वयक एस. एस. जोशी ने कहा कि इतिहासों से काम चलने वाला नहीं है अपितु इतिहास को आधार बनाकर वर्तमान को ध्यान में रखकर भविष्य के निर्माण की सोच रखनी चाहिए। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. जसराज बोहरा ने कहा कि भाषण प्रतियोगिता में स्वयं का अनुशासन आवश्यक होता है और विषय की तैयारी गहन होनी चाहिए। प्रो. बोहरा ने नैतिकता, ईमानदारी, विश्वास, जीवन मूल्यों की ओर संकेत करते हुए राष्ट्र निर्माण करने की बात कही। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों/ संस्थानों के कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायक मण्डल में हिन्दी विभाग के प्रो. किशोर लाल रैगर, कालूराम, फताराम रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ममता गहलोत रहीं, जिन्हें 5000 रूपए का नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र, द्वितीय स्थान पर रहने वाले देवी सिंह को 3000 रूपए का नकद एवं प्रशस्ति पत्र एवं तृतीय स्थान हासिल करने वाले शैलेश बुरानी को 1000 रूपए नकद एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, निर्णायक मण्डल एवं कार्यक्रम संयोजक को नेहरू युवा केन्द्र द्वारा स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया गया।

''Success at any cost is all that matters'' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में सत्र 2017-18 के लिए वार्षिक अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन ''Success at any cost is all that matters'' विषय पर किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की 14 छात्राओं ने भाग लिया। कॉलेज निदेशक प्रोफेसर पूनम बाबा ने अपने स्वागत उद्बोधन में प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजश्री राणावत ने प्रतियोगिता के विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए नियमों की जानकारी दी। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ. विकास बालिया (एडवोकेट उच्च न्यायालय), डॉ. मार्धविका माथुर (विभागाध्यक्ष महिला महाविद्यालय) एवं पुलकित गुप्ता (सहायक प्रोफेसर, टाउन प्लानिंग, एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज) रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा भावनी ओझा, द्वितीय स्थान पर बी.एस.सी. प्रथम वर्ष की छात्रा प्रियंका सिंह नरूका और तृतीय स्थान पर बी. कॉम प्रथम वर्ष की छात्रा रेनुका रहीं।

संस्कृति रहित व्यक्ति पशु के समान - डॉ. तत्पुरूष

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेज कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के सभागार में 'मीडिया, समाज और संस्कृति' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान साहित्य अकादमी के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार, डॉ. इंदुशेखर तत्पुरूष थे। विशिष्ट अतिथि प्रो. राजेश भारद्वाज, विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया, डॉ. एस. राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय, अध्यक्षता कार्यवाहक निदेशक प्रो. प्रीती माथुर एवं संयोजक डॉ. जनक सिंह मीना रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. जनक सिंह मीना ने अतिथियों का परिचय देते हुए विषय चयन, प्रासंगिकता पर बल देते हुए कहा कि संस्कारों का समावेशित ज्ञान समाज के लिए कल्याणकारी साबित होता है। विशिष्ट अतिथि उद्बोधन में प्रो. राजेश भारद्धाज ने समाज एवं संस्कृति के विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य आतिथ्य उद्बोधन में डॉ. इन्दुशेखर तत्पुरूष ने कहा कि मानव स्वभाव परिवर्तनशील है इसलिए मनुष्य की प्रवृत्ति अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा कि शब्द अर्थ बदलते हैं इसलिए केवल परिभाषाओं से काम नहीं चलता। संस्कृति मानव निर्मित है और इसमें तीन मुख्य तत्व हैं-प्रकृति, विकृति एवं संस्कृति। प्रकृति में मानव अपनी आवश्यकतानुसार किसी वस्तु की महत्वता या उपयोगिता के अनुसार उसको काम लेता है। विकृति में मनुष्य दूसरे लोगों के हिस्से या अधिकारों पर अतिक्रमण करता है जबकि संस्कृति दूसरों के साथ बांटकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। डॉ. तत्पुरूष ने कहा कि संस्कृति रहित व्यक्ति पशु के समान होता है। जो समाज पूरी तरह राजनीति पर निर्भर रहता है उसकी चमक तो शीघ्र आ जाती है परन्तु राजनीतिक पराभव होते ही दिया बुझ जाता है और जो समाज केवल राजनीति पर निर्भर नहीं रहते वे समाज कभी टूटते नहीं हैं। उन्होंने बताया कि भारत में सत्ता समाज, धर्म एवं मानव मूल्य केन्द्रित रही है इसलिए भारतीय संस्कृति आज भी संपन्न एवं निरन्तरता लिए हुए है। मीडिया सूचनाएँ उपलब्ध करवाता है परन्तु सूचनाओं में संवेदनाएँ नहीं होती। उन्होंने मीडिया के प्रभावों का सामाजिक परिपेक्ष्य में विश्लेषित करते हुए बताया कि आज सोशल मीडिया में सामाजिक कटाव पैदा हो रहा है। कार्यक्रम के अंत में कार्यवाहक निदेशक प्रो. प्रीति माथुर ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि आज मीडिया दृष्टिसंवेदन पर निर्भर है और इसे अधिक महत्व दिया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन ललित पंवार ने किया।

महिला पी.जी. महाविद्यालय में विज्ञान-प्रदर्शनी आयोजित

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी. जी. महाविद्यालय में दो-दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गयी। प्रदर्शनी की संयोजक डॉ. निशी माथुर ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्घाटन महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गंगाराम जाखड़ व लाचू महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. आर.एल. माथुर ने किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो. एस.एन. हर्ष थे। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, वनस्पति शास्त्र विभाग के प्रो. अनिल व्यास, संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूरज प्रकाश व्यास, कोषाध्यक्ष कृष्ण व्यास, ईंजी. जी.पी. व्यास, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय, महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास, विज्ञान संकाय निदेशक प्रो. ए. बोहरा भी इस अवसर पर खतौर अतिथि उपस्थित थे। प्रदर्शनी का जोधपुर की 21 विद्यालयों की लगभग 1200 छात्राओं ने अवलोकन किया और विज्ञान क्षेत्र में हो रही विभिन्न खोजों व आयामों की जानकारियाँ प्राप्त की। मुख्य अतिथि प्रो. एल.एन. हर्ष ने छात्राओं को संबोधित करते हुए वर्तमान समय में विज्ञान के क्षेत्र में हो रही विभिन्न महत्वपूर्ण शोध-कार्यों के बारे में अवगत कराया तथा छात्राओं द्वारा निर्मित मॉडल्स की प्रशंसा करते हुए इसकी प्रासंगिकता को बताया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण-पत्र व स्मृति-चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया।

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने गणतंत्र दिवस पूर्व परेड शिविर में लिया भाग

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना का उत्तरी क्षेत्र पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2017 हरियाणा के हिसार में चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुआ। जिसमे जेएनवीयू के 10 सदस्य दल ने भाग लिया एनएसएस के समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई ने बताया कि इस शिविर में उत्तरी क्षेत्र के छह राज्यों पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल देश, जम्मू कश्मीर, दिल्ली और एक केन्द्र शासित देश चंडीगढ़ के 200 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस दल में जेएनवीयू के मदन सोलंकी, राधिका दास, लीला चौधरी, रेखा वैष्णव, जीतू चौधरी, ममता चौधरी, रेवंत कुमार, नरेश, वालाराम आदि शामिल थे।

मंदबुद्धि बच्चों के प्रति स्नेह व सहयोग की आवश्यकता

जेएनवीयू के टेप्सो एंड हेप्सन केंद्र में विश्व मंदता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. आरपी सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि प्रो. पूनम बाबा व लॉयंस क्लब की अध्यक्ष उषा गर्ग थीं। अन्य अतिथि कुसुमलता परिहार, वीना गिदवानी, संजू बेलिम, नीतू सिंह, रेणु जोशी थीं। केंद्र निदेशक प्रो. प्रीति माथुर ने अतिथियों का स्वागत किया। बीएड प्रथम सेमेस्टर के किसनाराम चौधरी ने समाज में मंदबुद्धि बच्चों के प्रति स्नेह व सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। वर्षा ने घूमर की प्रस्तुति दी। को-ऑर्डिनेटर डॉ. मनीषा जैन ने धन्यवाद दिया।

रोवर स्काउट ने राष्ट्रीय शिविर में भाग लिया

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के 44वें विज्ञान संकाय रोवर क्रू के रोवर स्काउट ने दमण-दादरा एवं नागर हवेली, सिलवासा में आयोजित राष्ट्रीय शिविर में भाग लिया। विज्ञान संकाय रोवर क्रू के रोवर लीडर डॉ. शंकरलाल नामा ने बताया कि विज्ञान संकाय रोवर क्रू के रोवर पुष्पेन्द्र बैरवा ने 05 से 09 नवम्बर 2017 तक दमण-दादरा एवं नागर हवेली सिलवासा में राष्ट्रीय स्तर के पर्यावरण जागरूकता सह-तटीय ट्रैकिंग कार्यक्रम (National Level Environment Awareness Cum Coastal Trekking Programme) शिविर में सहभागिता की। शिविर में 16 राज्यों के सीनियर स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर एवं रोवर/रेंजर लीडर सहित 98 स्काउट सदस्यों ने भाग लिया।

'विदेशों में युवाओं के लिए उच्च शिक्षा व रोजगार के अवसर' विषय पर सेमीनार

विज्ञान संकाय छात्रसंघ की ओर से न्यू कैम्पस स्थित विज्ञान संकाय में 'विदेशों में युवाओं के लिए उच्च शिक्षा व रोजगार के अवसर' विषय पर एक दिवसीय शैक्षणिक सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वैज्ञानिक डॉ. रमेश रलिया ने शोधकार्यों को लेकर कहा कि यदि हम नए प्रयोग नहीं करते हुए पुराने संसाधनों पर ही निर्भर रहे तो आने वाली पीढ़ियां सामाजिक व वैज्ञानिकदृष्टि से पिछड़ जाएगी। रलिया ने कहा कि हर व्यक्ति को स्वर्णिम मौके मिलते हैं जिनका महत्व समझते हुए अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आरपी सिंह ने कहा कि असफलताओं से सीख लेकर आदमी को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम के बारे में कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों की सोच व इच्छाशक्ति बढ़ती है। छात्रसंघ अध्यक्ष कांता ग्वाला ने स्वागत भाषण में सेमिनार का उद्देश्य बताया। मंच संचालन डॉ. हेमसिंह गहलोत ने किया।

स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल-03 की अकादमिक सलाहकार कमेटी की बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की ओर से संचालित एज्यूकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेन्टर में स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल-03 की अकादमिक सलाहकार कमेटी की बैठक आयोजित हुई। ईएमएमआरसी बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चैयरमेन एवं कुलपति प्रोफेसर डॉ.आर.पी.सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सीईसी-यूजीसी-03 के सोशियल एण्ड बिहेवियर साइंस विषय के विशेषज्ञ तय करने पर चर्चा की गई। इस बैठक में बॉम के चैयरमेन एवं कुलपति प्रो.आर.पी.सिंह ने कमेटी के सभी सदस्यों का स्वागत किया और ईएमएमआरसी निदेशक प्रोफेसर अखिल रंजन गर्ग के निर्देशन में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। प्रो.सिंह ने कहा कि जोधपुर सेंटर की सीईसी निदेशक प्रो.राजबीर सिंह ने भी प्रशंसा की है। कुलपति प्रो.सिह ने डीटीएच चैनल के लिए तय समय में सीईसी द्वारा आवंटित विषयों का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

ईएमएमआरसी के निदेशक एवं अकादमिक सलाहकार कमेटी के सदस्य सचिव प्रोफेसर अखिल रंजन गर्ग ने ईएमएमआरसी को आवंटित स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल-03 के तहत स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के तहत बनाए जाने वाले ई-कंटेंट की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में चैनल पर प्रसारित होने वाले उपरोक्त विषयों के विशेषज्ञों के नामों की सूची को अन्तिम रूप दिया गया। बैठक में कमेटी के सदस्य कला संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डी.सी.जैन, विधि संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर चंदनबाला, कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की निदेशक प्रोफेसर पूनम बावा, इतिहास विभाग के प्रोफेसर अरविंद परिहार, रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर विकल गुप्ता, हिन्दी विभाग के प्रोफेसर कौशलनाथ उपाध्याय एवं कुलपति की ओर से विशेष आमंत्रित सदस्य समाजसेवी गोपाल आर्य उपस्थित रहे। बैठक के अंत में ईएमएमआरसी के निदेशक प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

जेएनवीयू की वाद-विवाद टीम का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में आयोजित 33वें पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालयी यूथ फेस्टिवल में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की टीम ने प्रथम तीन स्थानों में अपनी जगह बनायी। जिसके तहत् फरवरी, 2018 में रांची में होने वाले राष्ट्रीय यूथ फेस्टिवल के लिए विश्वविद्यालय की टीम का चयन हुआ। व्यास विश्वविद्यालय ने लोकनृत्य, कथक, संभाषण, वाद-विवाद, लघुनाटक, गज़ल गायन, पोस्टर मेकिंग और ललित कलाओं की अन्य विधाओं की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। वाद-विवाद का विषय "इन्टरनेट का बढ़ता दायरा युवाओं की रचनात्मकता को खत्म करता जा रहा है" पर बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा आयुशी शंभवानी और बी.एस.सी. प्रथम वर्ष की छात्रा माहेरूख आरजू ने अपनी वाक्शैली से उत्तम प्रस्तुति देकर विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिलाया। दोनों छात्राओं का दल फरवरी 2018 में रांची में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह, छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष प्रो. कैलाश डागा, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. धर्मचंद जैन, विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. चंदनबाला, सांयकालीन अध्ययन संस्थान निदेशक प्रो. जसराज बोहरा ने विजेता प्रतिभागियों और वाद-विवाद प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. हितेन्द्र गोयल, डॉ. मीता सोलंकी, डॉ. नम्रता स्वर्णकार एवं डॉ. ललित सिंह झाला को विश्वविद्यालय का मान बढ़ाने हेतु आशीर्वाद देते हुए बधाई दी।

डॉ. मीनाक्षी मीणा राष्ट्रीय स्टार वूमन एचीवर अवार्ड से सम्मानित

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्राणी शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. मीनाक्षी मीणा को जोधपुर के कैवल्य सेवा संस्थान की ओर से आयोजित राष्ट्रीय स्तर कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्टार वूमन एचीवर अवार्ड से नवाजा गया। यह अवार्ड उन्हें पर्यावरण जीव संरक्षण के क्षेत्र में किए गये श्रेष्ठ कार्यों के लिए दिया गया। समारोह की मुख्य अतिथि राजस्थान वित्त आयोग की अध्यक्ष डॉ. ज्योति किरण शुक्ला थी एवं समारोह आयोजक निशा राठौड़ थी। समारोह में देश की 51 प्रतिभाओं को उनके क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्टार वूमन एचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पंडित मोतीलाल शास्त्री स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन

पंडित मधुसूदन ओझा प्रकोष्ठ, संस्कृत विभाग, जेएनवीयू एवं श्री शंकर शिक्षायतन, नई दिल्ली के संयु तत्त्वावधान में गांधी शांति प्रतिष्ठान केन्द्र में पंडित मोतीलाल शास्त्री स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत पंडित मधुसूदन ओझा प्रकोष्ठ के पूर्व निदेशक एवं राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. गणेशीलाल सुथार ने पंडित मधुसूदन ओझा रचित शारीरक विमर्श ग्रंथ के वैशिष्ट्य को उद्घाटित किया। प्रो. सुथार ने कहा कि ब्र सूत्र के शारीरकावेज्ञान- भाष्य की रचना के पश्चात् शारीरक विमर्श करने की आवश्यकता पंडित मधुसूदन ने अनुभव की एवं आत्मतत्त्व का सम्यक् निरूपण पृथक ग्रंथ में किया। प्रो. सत्यप्रकाश दुबे ने पंडित ओझा के ग्रंथ वेदधर्म की तात्त्विक दृष्टि को प्रस्तुत करते हुए कहा कि वेद के मंत्रों का उच्चारण पर्याप्त नहीं, उसके अर्थ के अनुसंधान की भी आवश्यकता है। धर्म शब्द की चर्चा करते हुए कहा कि जो प्रकृति, समाज और व्यक्ति तीनों स्तरों पर बाधित न हो, वह धर्म है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सत्यानंद जी वेदवागीश ने मैक्समूलर को उद्वृत्त करते हुए कहा कि ऋग्वेद विश्व का प्राचीनतम साहित्य है। उन्होंने कहा कि वैदिक साहित्य पर व्याख्यान पर्याप्त नहीं अपितु जनजीवन भी उससे जुड़े तथा स्वयं के स्तर पर भी वेदों के ज्ञान का प्रसार आवश्यक है। आचार्य जी ने वेदों एवं संस्कृत के सार को प्रकट किया। व्याख्यानमाला कार्यक्रम के प्रारम्भ में शोध प्रकोष्ठ की निदेशक एवं अध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी ने शोध प्रकोष्ठ की स्थापना के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए पंडित ओझा के व्यक्तित्व व कृतित्व से अवगत करवाया। इस अवसर पर गत बीस वर्षों से प्रकोष्ठ की निःस्वार्थ सेवा में संलग्न डॉ. छैलसिंह राठौड़ का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपमाला गहलोत ने किया एवं पं. नीतेश व्यास ने वैदिक मंगलाचरण किया। अंत में प्रो. मंगलाराम विश्नोई ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रो. जयश्री वाजपयी, प्रो. उषा कोठारी, प्रो. कैलाश कौशल बनीं विभागाध्यक्ष

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के माननीय कुलपति महोदय के निर्देशानुसार गृहविज्ञान की प्रोफेसर डॉ. उषा कोठारी को गृह विज्ञान विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 30 नवंबर, 2017 से तीन वर्ष के लिए या सेवानिवृत्त होने की तिथि में से जो भी पहले हो तक रहेगी। वहीं हिन्दी विभाग की प्रोफेसर डॉ. कैलाश कौशल को हिन्दी विभाग का तथा इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग विभाग की प्रोफेसर डॉ. जयश्री वाजपयी को इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इन दोनों की नियुक्ति 1 दिसम्बर, 2017 से तीन वर्ष तक रहेगी।

संभागीय संस्कृत भाषण प्रतियोगिता संपन्न

संस्कृत विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं श्रीराजगंगा चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में पर्यावरणसंरक्षणम् स्वच्छताभियानमञ्च विषयान्तर्गत संभागीय संस्कृत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 25 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भागलिया एवं अपने विचार प्रकट किये। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर की छात्रा चेतना गौड़, द्वितीय स्थान महिला पी.जी. महाविद्यालय की छात्रा सुरभि हर्ष, व तृतीय स्थान एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर की नम्रता श्रीमाली ने प्राप्त किया। सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय की छात्रा निकिता पंवार, विज्ञान संकाय, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्र राकेश एवं कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की छात्रा विजय लक्ष्मी को सांत्वना पुरस्कार दिये गये। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. धर्मचन्द जैन एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को क्रमशः 3100, 2100, एवं 1100 रूपये एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये।

डॉ. प्रवीण गहलोत को गोल्ड मेडल

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग में कार्यरत सह-आचार्य डॉ. प्रवीण गहलोत को माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर में आयोजित एकेडमी ऑफ प्लान्ट सांइसेस, इण्डिया की 27वीं मीट व राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस ऑन इन्टरडिसीप्लनेरी एस्पेक्ट ऑफ प्लान्ट सांइस में एपीएसई गोल्ड मेडल व साइटेसन प्रमाण पत्र से नवाजा गया। डॉ. गहलोत को यह अवॉर्ड उनके द्वारा थार मरूस्थल में सूक्ष्म जीवों का अन्वेषण करने में दिये गये अपने अमूल्य योगदान के उपलक्ष में प्रदान किया गया।

हिन्दी विभाग में 'रचनाकार से संवाद' कार्यक्रम

हिन्दी विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में 'रचनाकार से संवाद' कार्यक्रम में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के हिन्दी विभाग के आचार्य एवं हिन्दी गज़ल के समर्थ रचनाकार प्रो. अनूप वशिष्ठ से छात्रों एवं नगर के साहित्यकारों से जीवंत संवाद हुआ। हिन्दी गज़ल की शुरूआत से लेकर समकालीन हिन्दी गज़ल तक के सफर पर दिलचस्प बातचीत हुई। प्रो. अनूप ने कहा कि गज़ल लिखी नहीं जाती, कही जाती है। पहली बार दुष्यन्त ने गज़लों को घर में प्रवेश कराया। दुष्यन्त की संवेदना सघन थी वे हिन्दी गज़ल में युगान्तर स्थापित करने वाले गज़लकार थे। इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. कैलाश कौशल ने हिन्दी गज़ल पर परिचयात्मक टिप्पणी के साथ रचनाकार का स्वागत किया तथा डॉ. नरेन्द्र मिश्र ने उनका परिचय करवाते हुए हिन्दी गज़ल के संबंध में दुष्यन्त कुमार द्वारा कही गई गज़ल को उद्धृत किया। गज़ल क्यों लिखी जाती है इस पर दुष्यन्त कहते हैं-"मुझमें रहते हैं करोड़ों लोग चुप कैसे रहूँ। हर गजल अब सल्तनत के नाम एक बयान है।" इसी तरह "मैं जिसे ओढ़ता बिछाता हूँ। वो गज़ल आपको सुनाता हूँ। नगर की प्रतिष्ठित कवयित्री डॉ. पद्मजा शर्मा ने आभार व्यक्त किया तथा हिन्दी छात्र परिषद् की अध्यक्ष तथा एमए (उत्तरार्द्ध) की छात्रा राधिका ने कुशल संचालन किया।

इंजीनियरिंग कॉलेज के 28 विद्यार्थियों को मिला 8 लाख का पैकेज

जेएनवीयू के एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के 28 विद्यार्थियों को वेदांता लिमिटेड ने 8 लाख का पैकेज दिया है। कॉलेज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी प्रो. अवधेश शर्मा ने बताया कि वेदांता की ओर से कंपनी के बलवंतसिंह राठौड़ सहित तीन सदस्यों की टीम ने साक्षात्कार लिया। पहले चरण में एप्टीट्यूड टेस्ट में 135 विद्यार्थियों ने भाग लिया। ग्रुप डिस्कशन में 72 को शॉर्टलिस्ट करने के बाद 45 विद्यार्थियों का मुख्य साक्षात्कार हुआ। इसमें माइनिंग के 13, सिविल ब्रांच के 3, मैकेनिकल ब्रांच के 4, इलेक्ट्रिक ब्रांच के 2, पीएंडआई के 2 और ईईई के 4 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

एमबीएम में सिल्वर जुबली कार्यक्रम

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज प्रांगण में एमबीएम एलुमिनी के बैनर तले 1992 बैच की सिल्वर जुबली मनाई गई। इसमें सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स व माइनिंग के इंजीनियर्स ने अपने परिवार के साथ एंजॉय कर 25 साल पुरानी यादें ताजा की। जेएनवीयू यूनिवर्सिटी प्रो. आरपी सिंह, एलुमिनी अध्यक्ष पीसी पुरोहित की कॉलेज के विकास के लिए सहयोग की अपील पर इंजीनियर्स ने सहयोग राशि देने की घोषणा की। बैच के को-ऑर्डिनेटर्स एमके सोनी, संजय शर्मा, जुगल करवा व घनश्याम पमनानी ने आभार व्यक्त किया।

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बावा, **सह-सम्पादक:** रामनिवास चौधरी, अजय अरथाना, अचलसिंह मेड़तिया, **परामर्श मण्डल:** डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, **लेआउट:** संतोष कुमार प्रजापत, **प्रकाशक:** जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति • अंक: 16 • माह: अक्टूबर • वर्ष: 2017

जेएनवीयू छात्रसंघ कार्यालय का समारोहपूर्वक उद्घाटन

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के केन्द्रीय छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन 29 अक्टूबर को समारोहपूर्वक हुआ। विश्वविद्यालय के शताब्दी पार्क स्थित कार्यालय परिसर में आयोजित किए गए समारोह में राजनैतिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कई हस्तियों ने शिरकत की। जेएनवीयू कुलपति प्रोफेसर आर पी सिंह की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत थे। रोहतक सांसद श्री दीपेन्द्रसिंह हुड्डा, बाड़मेर के पूर्व सांसद श्री हरीश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष श्री रामेश्वर डूडी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में पूर्व सासंद, पाली श्री बद्रीराम जाखड़, जोधपुर कांग्रेस प्रभारी श्री महेन्द्र चौधरी, पूर्व जेडीए चैयरमैन श्री राजेन्द्र सोलंकी, पूर्व राजसिको चेयरमैन श्री सुनिल परिहार, पी.सी. सी. सदस्य सुश्री दिव्या मदेरणा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री सईद अंसारी, देहात कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री हीरालाल मेघवाल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती संगीता बेनिवाल, महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष मनीषा पंवार, पी.सी.सी. सदस्य श्री महेन्द्र विश्नोई, छात्रसंघ सलाहकार श्री के.आर.पटेल, एनएसयूआई पूर्व प्रदेशाध्यक्ष श्री सुमित भगासरा, एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष श्री अभिमन्यू पूनिया, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष श्री दिनेश परिहार सहित राजस्थान से कई वरिष्ठ छात्रनेता एवं अन्य प्रबुद्धजन अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

NATIONAL SEMINAR on "Impacts of Climate Change on Agricultural Development"

Department of Geography, Jai Narain Vyas University, Jodhpur organized a two Day National Seminar "Impacts of Climate Change on Agricultural Development" on 27th-28th October 2017 under the convener ship of Dr. Arjun Lal Meena.The main objective of the seminar was to bring the new measures for fighting against the adverse effects of climate on agricultural development at national and international level. The Eminent Professors and Researcher from different parts of India, Principal & Senior Scientists from CAZRI & AFRI participated in the seminar. The chief Guest of the Inauguration session was Prof. M.H. Qureshi Professor, Centre for Regional Development, Jawahar Lal Nehru University, New Delhi, Key note Speaker Prof. Y.G. Joshi Professor Emeritus, MP Institute of Social Science, Ujjain and Guest of Honor Prof. H. S. Sharma Honorary President of CHEC-INDIA,.The Session was presided by Prof. R.P. Singh, Hon'ble Vice-Chancellor, Jai NarainVyas University, Jodhpur. The inaugural function was followed by Plenary Session and technical session.

The Second Day of Seminar kicked off with the discourse over the theme of Seminar with full interaction of scholars, academicians, students and experts. The Theme got the face of reality when the Chief Guest Shri Gajendra Singh Shekhawat, Hon'ble Minister of State, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India related the theme with the welfare of farmer and emphasised on the application of the research findings on the farms. A report on the two days activities was delivered Dr. Arjun Lal Meena. The Seminar was ended with the vote of thanks given by Prof. IrfanMehar, Head Department of Geography.

शिक्षित के लिए सभी देश और सभी नगर अपने बन जाते हैं। - तिरूवल्लुवर

'लौह पुरूष' और 'प्रियदर्शनी' को किया याद

"लौहपुरूष" सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती और 'प्रियदर्शनी' इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के उपलक्ष में कमला नेहरू महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा इकाई के तत्त्वावधान में व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में पटेल पर डी.लिट हेतु शोधरत राजनीति विज्ञान के शिक्षक डॉ. जनक सिंह मीणा थे। कार्यक्रम का शुभारंभ वल्लभभाई पटेल के विचार एवं दर्शन को याद कर किया गया। वहीं इंदिरा गाँधी की पुण्यतिथि के अवसर पर भी उनको श्रद्धांजलि दी गई।

प्रो. पूनम बावा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा किये गये योगदान की सराहना करते हुए उन्हें एकता एवं दृढ़ता की मिसाल बताया। इस अवसर पर एनएसएस की छात्राओं उर्मिला बांता, शारदा शर्मा, सावित्री मीणा, सुनीता चौधरी एवं प्रियंका सिंह ने पटेल के व्यक्तित्व एवं विचारों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इनमें बी.एससी द्वितीय वर्ष की छात्रा सुनीता चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पंकज नामा, डॉ. अंजू अग्रवाल, डॉ. आर.एल. सैनी, डॉ. आर.डी. पंकज, डॉ. गजेसिंह, प्रोक्टर डॉ. जे.के. जैन, डॉ. रामचन्द्र आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. गजेसिंह ने किया और अंत में धन्यवाद डॉ. पंकज नामा ने दिया।

गांधी एवं शास्त्री के आदर्श तथा मूल्य 'हमारी धरोहर'

छात्र सेवा मण्डल एवं गांधी अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में जेएनवीयू में राश्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती समारोह का आयोजन 2 अक्टूबर को बृहस्पति भवन में किया गया। कार्यकम के आरंभ में गांधीजी एवं शास्त्रीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने अपने उद्बोधन में कहा कि बदलते परिवेश में देश के समक्ष नवीन चुनीतियाँ हैं। स्वच्छ भारत एक अभियान नहीं, बल्कि एक भावना है और सभी की इसमें सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। स्वागत तथा विषय की भूमिका बताते हुए प्रो. कैलाश डागा ने शास्त्रीजी व गांधीजी के जीवन की कई प्रेरक घटनाएं बतायीं। प्रो. डागा ने विद्यार्थियों को प्रेरणा दी कि महात्मा गांधी की भांति उन्हें भी डायरी लेखन की आदत डालनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो.पी.के. शर्मा थे।

कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. चंदनबाला, अधिष्ठाता, विधि संकाय ने अपने उद्बोधन में इन महापुरूषों के आदर्श को वर्तमान में अपने जीवन में उतारने का प्रयास करने का आह्वान किया। गांधी अध्ययन केन्द्र की निदेशक डॉ. मीना बरड़िया ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अन्त में पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता की शपथ दिलवायी गयी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निधि संदल ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

विद्यार्जन के साथ रचनात्मकता जरूरी: कुलपति

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय एवं भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन अंगीय प्रचार निदेशालय जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में पारितोषिक वितरण समारोह 25 सितम्बर को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात के प्रसारण से हुआ, जिसे सभी छात्राओं ने सुना। क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी श्री राजेश मीणा की ओर से सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। श्री राजेश मीणा ने अपने स्वागत उद्बोधन में राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी दी और संकल्प से सिद्धी न्यू इंडिया मूवमेंट (2017-2022) पर प्रकाश डालते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, भारत सरकार द्वारा 200 रूमालों पर पेंटिंग एवं कसीदाकारी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें दोनों प्रतियोगिताओं में पाँच-पाँच श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ये सभी रूमाल हमारे देश की सीमा पर तैनात सैनिकों को भेंट किये जायेंगे, जिससे देश के युवाओं की राष्ट्र एवं सैनिकों के प्रति श्रद्धा व्यक्त होगी। विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा सीमा पर तैनात फौजी भाईयों को सस्नेह भेंट करने हेतु अपने हाथों से रूमालों पर फाईन आर्ट्स की छात्राओं द्वारा पेन्टिंग एवं गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं द्वारा कसीदाकारी की गई।

समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो विद्यार्थी रचानात्मक कार्य करते हैं वे निश्चित रूप से आगे बढते हैं। विद्यार्जन के साथ-साथ रचनात्मक कार्य भी आवश्यक हैं। प्रो. सिंह ने कहा कि देश की सीमाओं पर जो सैनिक तैनात हैं वे कठिन हालातों में देश की सुरक्षा करते हैं।

कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस कार्यक्रम द्वारा छात्राओं ने सैनिक भाईयों से जुडकर एक मिसाल कायम की है और इसे आगे तक ले जाने के प्रयास किये जायेंगे। सभी प्रतिभागियों की भावनाएं सैनिकों तक पहुँचेंगी। युवाओं में राष्ट्रभक्ति का जज्बा लाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान के शिक्षक डॉ. जनकसिंह मीना ने किया। इस अवसर पर डॉ. ऋतु जौहरी, डॉ. रेनु शर्मा, डॉ ज्योति मीना, डॉ. जे के जैन, डॉ. आशा राठी, जेएनवीयू छात्रसंघ अध्यक्ष कांता ग्वाला और के एन कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियंका विश्नोई उपस्थित थे।

समारोह में विनयाराज मीना (एम.ए.तृतीय सेमेस्टर), प्रियंका बैस (एम.ए.प्रथम सेमेस्टर), देविष्ठा राठौड (एम. ए.तृतीय सेमेस्टर), डॉली मेहता (एम.ए.तृतीय सेमेस्टर), अंशुल त्यागी (एम.ए.तृतीय सेमेस्टर) तथा कसीदाकारी में त्रिप्ति (बी.एस.सी. तृतीय वर्ष), अंकिता (एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर), सरोज कंवर (बी.ए.तृतीय वर्ष), प्राची बी.एस.सी. तृतीय वर्ष) एवं सजनी (एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर) को पुरस्कृत किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग में विचार गोष्ठी आयोजित

गांधीजी और शास्त्रीजी जयंती पर राजनीति विज्ञान विभाग में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। संकाय सदस्यों, विभागीय छात्रसंघ परिषद के सदस्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा गाँधीजी एवं शास्त्रीजी की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विभागीय छात्रसंघ परिषद के अध्यक्ष भोपाल सिंह राजपुरोहित ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. एस.एल. मीणा ने गाँधी के सपनों के भारत की रूपरेखा के साथ शास्त्रीजी की नैतिकता एवं सिद्धान्तों की व्याख्या प्रस्तुत की। प्रो. कांता कटारिया ने कहा कि गाँधीजी का मूलमंत्र सादा जीवन उच्च विचार था। उन्होंने सत्य, अहिंसा के शस्त्र को सर्वोपरी बताया और शास्त्रीजी की ईमानदारी की मिशाल का जिक्र किया। इस अवसर पर डॉ. आर.एस. आदा, डॉ. जनक सिंह मीणा, डॉ. दिनेश गहलोत, मिस्याह, ललिता कुमारी, निर्मला कुमारी, छोटाराम, ओमसुख बिंदिया, रणजीत, जगदीश ने अपने विचार प्रस्तुत किए। मंच का संचालन राजीव मीणा ने किया और धन्यवाद सुभाष ने किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी एन.एस.एस. के 73 स्वयंसेवकों ने किया रक्तदान

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी के अवसर पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में एनएसएस के 73 स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई ने बताया कि रक्तदान कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह तथा मुख्य अतिथि क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर श्री जे.बी. सिंह थे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धातों को प्रत्येक विद्यार्थी को आत्मसात करना चाहिए। जो विद्यार्थी रक्तदान कर रहे हैं वे पुण्य का कार्य कर रहे हैं। इससे अन्य लोग भी रक्तदान के लिए प्रेरित होंगे। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. आर.पी. सिंह ने सभी विद्यार्थियों एवं कार्यक्रम अधिकारियों को इस पुनीत कार्य हेतु धन्यवाद देते हुए कहा कि दान के लिए केवल धन की ही आवश्यकता नहीं है वरन् विद्यार्थी रक्तदान कर पुण्य कमा सकते हैं। रक्तदान एक साथ तीन लोगों की जान बचाता है। समन्वयक प्रो. विश्नोई ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के 73 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया, जिसमें 22 छात्राएं तथा 51 छात्र थे। 905 विद्यार्थियों ने रक्तदान के लिए पंजीयन भी करवाया, जो आवश्यकता होने पर रक्तदान के लिए तैयार हैं।

कार्यक्रम अधिकारी प्रो. वीना भाटिया, डॉ. के.आर. पटेल, डॉ. प्रवीण गेहलोत, डॉ. आर.पी. सारण, डॉ. शरद बिस्सा, डॉ. बी. आर. जयपाल, डॉ. पंकज नामा, डॉ. आर.डी. पंकज, डॉ. अन्जु अग्रवाल, डॉ. आर.एल. सैनी, डॉ. गोरव जैन, डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने भी शिविर में सेवाएं दी।

विज्ञान संकाय रोवर क्रू का दीक्षा संस्कार समारोह

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय रोवर ग्रुप के 44वें विज्ञान संकाय रोवर क्रू का दीक्षा संस्कार समारोहपूर्वक आयोजित हुआ। कुलपति प्रोफेसर आर पी सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुए समारोह की अध्यक्षता विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुनीता कुम्भट ने की। विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी.के. शर्मा, जोधपुर संगठन सहायक आयु बाबूसिंह राजपुरोहित एवं ग्रुप लीडर प्रो. लालसिंह राजपुरोहित थे।

ग्रुप लीडर प्रो. लालसिंह राजपुरोहित ने विश्वविद्यालय के रोवर स्काउटिंग व स्काउटिंग आंदोलन के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं विश्वविद्यालय में वर्तमान कार्यरत रोवर लीडर का परिचय करवाया। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने नए आशार्थी रोवर को स्काउटिंग के आंदोलन को आगे बढ़ाने एवं सेवा कार्य करके अपने जीवन में अनुशासन पर अडिग रहने का आह्वान दिया। विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुनीता कुम्भट ने रोवर्स द्वारा अन्य छात्राओं को भी इस संगठन से जोड़ने का प्रयास करने को प्रेरित किया। बाबूसिंह राजपुरोहित ने कहा कि विश्वविद्यालय में रोवर स्काउट को स्काउटिंग साहसिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। समारोह में रामलाल व राजू पंवार को राष्ट्रपति रोवर पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर व राज्य स्तर पर विभिन्न शिविरों में प्रतिनिधित्व करने वाले रोवर्स को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में ललित कुमार पंवार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

एन. एस. एस. छात्रों ने राजकीय अस्पतालों को स्वच्छ बनाया

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाईयों द्वारा सामाजिक सरोकारिता का निवर्हन करते हुए राजकीय अस्पतालों में सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार एवं राज्य सरकार के आदेशानुसार व्यास विश्वविद्यालय मे 1 सितम्बर से 15 सितम्बर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इसी कड़ी में 10 सितम्बर को जोधपुर के राजकीय अस्पतालों में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने सफाई की।

प्रो. विश्नोई ने बताया कि सुबह से विश्वविद्यालय की अलग-अलग संकायों एवं के.एन. महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने राजकीय उम्मेद अस्पताल, पावटा सेटेलाइट अस्पताल, विश्वविद्यालय के पुराना परिसर स्थित डिसपेंसरी आदि में सफाई की। स्वयंसेवकों ने मरीजों के अभिभावकों को स्वच्छता का संदेश दिया एवं प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत का संदेश भी चरितार्थ किया।

विज्ञान संकाय के सभी कार्यक्रम अधिकारी एवं एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई, उम्मेद अस्पताल के शिशु रोग विशेशज्ञ डॉ. मोहन मकवाना एवं डॉ. हरीश मौर्य के निर्देशन में राजकीय उम्मेद अस्पताल में झाड़ू लगाकर व कचरे को एक स्थान पर इकट्ठा कर स्वच्छता अभियान चलाते हुए मरीजों के अभिभावकों को स्वच्छता का संदेश भी दिया। पावटा सेटेलाईट अस्पताल के इंचार्ज डॉ. सोमेन्द्र वर्मा एवं प्रो. विश्नोई के निर्देशन में के.एन. कॉलेज की एन.एस.एस की स्वयंसेविकाओं ने पावटा सेटेलाईट अस्पताल के मरीजों के अभिभावकों व उनके परिवारजनों को स्वच्छता का संदेश दिया। इसी प्रकार वाणिज्य एवं विधि संकाय के सभी कार्यक्रम अधिकारियों के निर्देशन में पुराना परिसर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में स्थित डिस्पेन्सरी के भीतर एवं चारों तरफ तथा पुराना परिसर के मुख्य द्वार पर कंटीली झाड़ियां काटकर, झाड़ू लगाकर तथा घास को हटाकर स्वच्छता अभियान चलाया। इससे पूर्व के.एन. कॉलेज की एन.एस.एस. की स्वयंसेविकाओं ने जोधपुर शहर में रैली निकालकर स्वच्छता से संबंधित नारे लगाते हुए शहरवासियों को स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत का संदेश दिया।

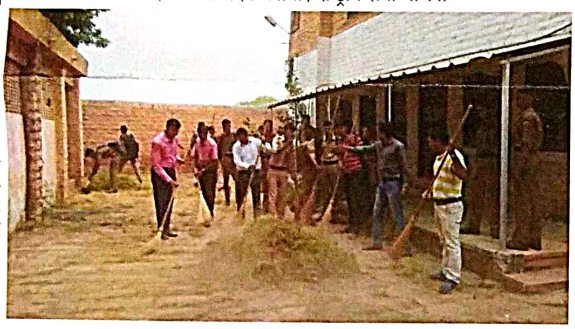

एन.एस.एस ने स्वच्छता अभियान से प्रधानमंत्री का जन्म दिन मनाया

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों ने 17 सितम्बर को अपने-अपने संकाय/महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाकर तथा केक काट कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन मनाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई ने बताया कि विज्ञान संकाय, कला संकाय, वाणिज्य संकाय, विधि संकाय, सांयकालीन संस्थान तथा के.एन. कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारीगण तथा स्वयंसेवकों ने अपने-अपने संकाय / महाविद्यालय में सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया। विज्ञान संकाय में सेकड़ों स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए प्रो. विश्नोई ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की पालना अवश्य करनी चाहिए तथा हमें सार्वजनिक जगहों पर गन्दगी नहीं फैलानी चाहिए और न ही फैलाने देनी चाहिए। इसी प्रकार के.एन. कॉलेज की स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित करते हुए प्रो. विश्नोई ने कहा कि प्रधानमंत्री के सपने को हमें साकार करना होगा। प्रधानमंत्री का नारा है 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत', इस बात को प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में प्रतिदिन की दिनचर्या में उतारना चाहिए। सभी स्वयंसेवकों, स्वयंसेविकाओं तथा कार्यक्रम अधिकारियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलायी गयी। अन्त मे सभी ने केक काटकर प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई भी दी। इस अवसर पर सायंकालीन संस्थान के निदेशक प्रो. चन्द्रशेखर, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. के.आर. गेनवा, प्रो. वीना भाटिया, डॉ. के.आर. पटेल, डॉ. प्रवीण गेहलोत, डॉ. बी.आर. जयपाल, डॉ. आर.पी. सारण, डॉ. अनुराग चौधरी, डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित, डॉ. पंकज नामा, डॉ. आर.डी. पंकज, डॉ. आर.एल. सैनी, डॉ. निधि सिंदल, डॉ. के. आर. मेघवाल, डॉ. ओ.पी. राजपुरोहित एवं डॉ. सुरेश चौधरी ने भी विचार व्यक्त किए।

विकास के लिए परिवर्तन आवश्यक: अरविंद भट्ट
कॅरियर काउंसलिंग सेल कार्यशाला

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कॅरियर काउंसलिंग सेल में एक दिवसीय कॅरियर कार्यशाला संपन्न हुई। निदेशक प्रो. विकल गुप्ता के बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. पी.के. शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने बताया कि कॅरियर कार्यशाला में 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। वहीं कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.एससी. द्वितीय वर्ष के महेन्द्र बाना को मिला व द्वितीय स्थान पर जुगल किशोर व दिनेश गुर्जर रहे।

कॅरियर कार्यशाला के मुख्य वक्ता मोटिवेशन गुरू अरविन्द भट्ट ने कहा कि विकसित होने के लिए परिवर्तन आवश्यक है, किन्तु विकास बर्हिमुखी होना चाहिए, संतुलित होना चाहिए। निश्चित लक्ष्य निर्धारित करें, स्वः अनुशासन, स्वप्रेरित, समर्पण व समयवद्ध से अपने लक्ष्य की प्राप्ति करें। मुख्य अतिथि प्रो. पी.के. शर्मा ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि ऊर्जा के साथ उत्साह होना चाहिए। जीवन के हर उदाहरण से कुछ अच्छा सीखने का प्रयत्न करें। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में श्वेता गहलोत ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन से 'इंसपायर योर सेल्फ' लेक्चर दिया, समय प्रबंधन व विभिन्न क्षेत्र में कॅरियर की जानकारी प्रदान की। दूसरे सत्र में निदेशक प्रो. विकल गुप्ता ने छात्रों को समय का सदुपयोग व ज्ञानवृद्धि पर ध्यान देने को कहा। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुनील कुमार परिहार ने किया।

स्वच्छता सेवा दिवस के रूप में मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती

गांधी जयन्ती के अवसर पर सायंकालीन अध्ययन संस्थान में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छता सेवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. जसराज बोहरा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों को स्वच्छता रखने की शपथ दिलाई तथा वर्ष पर्यन्त अपने घर, मौहल्ला तथा अपने शहर को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेश चौधरी के नेतृत्व में छात्रों ने श्रमदान कर स्वच्छता अभियान का आगाज किया। इस अवसर पर छात्र नेता भूपेन्द्र सिंह सांकड़ा, मूलसिंह सेतरावा, राजेन्द्र सिंह बालेसर, महेन्द्र सिंह दाँतल सायंकालीन अध्ययन संस्थान के छात्र अध्यक्ष लोकेन्द्र पाल सिंह दाँतल, छात्रसंघ महासचिव बलवत सिंह, छात्रसंघ सयुक्त महासचिव रावल सिंह बैठवासियां, छात्र नेता सतीश सांखला एवं उसकी टीम ने नवनियुक्त निदेशक प्रो. जसराज बोहरा का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर वाणिज्य संकाय के पूर्व सचिव बबलु सोलकी ने भी प्रोफेसर बोहरा का स्वागत किया।

सायंकालीन अध्ययन संस्थान में सफाई अभियान चलाकर मनाया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिन

सायंकालीन अध्ययन संस्थान, जेएनवीयू, के छात्रसंघ अध्यक्ष लोकेन्द्रपाल सिंह दांतल के नेतृत्व में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन की पूर्व संध्या पर विद्यार्थियों द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाकर प्रधानमंत्री के देश को स्वच्छ एवं स्वस्थ्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने का संदेश दिया गया। छात्रसंघ अध्यक्ष लोकेन्द्रपाल सिंह दांतल, महासचिव बलवंत सिंह भलासरिया, उपाध्यक्ष तेजसिंह कोलू ने झाड़ू लगाकर अभियान का आगाज किया। इस सफाई अभियान को छात्रसंघ द्वारा छोटे से छोटे क्षेत्र तक ले जाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान के प्रभारी डॉ. जनक सिंह मीणा, डॉ. सुरेंद्र चौधरी, डॉ. महेन्द्र पुरोहित ने स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के लिए प्रेरित कर कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर कक्षा प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह, महेन्द्र सिंह दांतल, भोमसिंह दांतल, सतीश सांखला, भैरू सिंह चाबा, रघुवीर सिंह, विश्वजीत सिंह, दुष्यंत चौधरी, हरी सिंह, कुलदीप सिंह आदि ने विशेष सहयोग कर अपनी सहभागिता निभायी।

प्रो. प्रभावती चौधरी को संस्कृत विदुषी सम्मान

राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर की ओर से जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रभावती चौधरी को हरिद्वार में 13 अक्टूबर को आयोजित भव्य समारोह में 'संस्कृत विदुषी सम्मान' से नवाजा गया। मुख्य अतिथि श्री अरूण चतुर्वेदी माननीय मन्त्री, समाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान, श्री मदन कौशिक, माननीय मन्त्री, नगरीय विकास मन्त्रालय, उत्तराखण्ड सरकार, श्री राजकुमार रिणवा, माननीय मन्त्री, देवस्थान मन्त्रालय, राजस्थान सरकार, डॉ. जय इदवे माननीय अध्यक्षा, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के सान्निध्य में आयोजित समारोह में उन्हें ये सम्मान प्रदान किया गया। प्रो. चौधरी को 2015 में अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् द्वारा काशी में आयोजित भव्य समारोह में माननीय गृहमन्त्री डॉ. राजनाथ सिंह एवं डॉ. सत्यपाल सिंह राज्यमन्त्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'साहित्य सरस्वती' सम्मान द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। 2009 में उन्हें 'पण्डित खड्गनाथ मिश्र राज्य स्तरीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

नियुक्तियाँ

डॉ. पटेल छात्रसंघ सलाहकार नियुक्त

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह के निर्देशानुसार भौतिक विभाग, विज्ञान संकाय के सह-आचार्य डॉ. के.आर. पटेल को छात्रसंघ 2017-18 का सलाहकार नियुक्त किया गया है। डॉ. पटेल विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद्, सीनेट के सदस्य तथा छात्रसंघ के सलाहकार रह चुके हैं। वर्तमान में डॉ. पटेल विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नेट कोचिंग के समन्वयक, यूसीक के निदेशक तथा एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी के पद का निर्वहन कर रहे हैं।

प्रो. चन्दनबाला बनी सिंडिकेट सदस्य

जेएनवीयू में विधि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. चन्दनबाला को कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने विश्वविद्यालय सिंडिकेट सदस्य नियुक्त किया। विश्वविद्यालय के छात्रों ने उन्हें बधाई देते हुए अभिनन्दन किया।

प्रो. जसराज बोहरा बने वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता एवं लेखांकन के विभागाध्यक्ष

जेएनवीयू के वाणिज्य एवं प्रबन्धन अध्ययन संकाय के अधिश्ठाता तथा लेखांकन विभाग के विभागाध्यक्ष पद पर कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने प्रो. जसराज बोहरा को तीन वर्ष के लिए नियुक्त किया है। प्रो. जसराज बोहरा ने 27 सितम्बर 2017 को सायंकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक का भी पदभार ग्रहण किया। प्रो. बोहरा ने शिक्षा, शोध एवं प्रशासन के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की हैं। प्रो. बोहरा की अनेक लेख, शोधपत्र , राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. सरबजीत सिंह मेहता ने संभाला अभियांत्रिकी संकाय अधिष्ठाता का कार्यभार

एमबीएम अभियांत्रिकी संकाय के विद्युत अभियांत्रिक विभाग के प्रो. सरबजीत सिंह मेहता को कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने अभियांत्रिकी संकाय का अधिश्ठाता नियुक्त किया है।

प्रो. जसराज बोहरा बने सांयकालीन संस्थान के निदेशक

जेएनवीयू के सायंकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक पद पर कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने प्रो. जसराज बोहरा को निदेशक नियुक्त किया है। इससे पहले प्रो. चन्द्रशेखर निदेशक के पद पर कार्यरत थे। प्रो. जसराज बोहरा ने 27 सितम्बर 2017 को पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रो. बोहरा ने शिक्षा, शोध एवं प्रशासन के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की हैं। प्रो. बोहरा इससे पूर्व भी सांयकालीन अध्ययन संस्थान के 2008-2009 में दो वर्ष तक निदेशक रह चुके हैं। प्रो. बोहरा की अनेक लेख, शोधपत्र, राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो.सुनिता कुम्भट ने अधिष्ठाता विज्ञान संकाय का कार्यभार संभाला

जेएनवीयू के रसायन विभाग की प्रो. सुनिता कुम्भट को कुलपति प्रो. आर. पी.सिंह ने विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता नियुक्त किया है। प्रो. कुम्भट ने शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है और इनके दो पेटेंट हो चुके हैं।

Prof. Seema Acharya appointed as HOD Chemistry

Professor Seema Acharya took the charge of Head, Department of Chemistry, Faculty of Science, JNV University, Jodhpur on 9th October, 2017. She joined JNV University in the year 1986 as an Assistant Professor. She is a good researcher in the field of " Fluorescence Spectroscopy" and has guided several research scholars for the Ph.D. degree. She has represented the country in 2008 by presenting a paper in an International conference on "Analytical Chemistry and Spectroscopy" held in New Orleans, in the state Lousiana , USA.Around 50 papers have been published in the International and National reputed Journals. Earlier she has also worked successfully as Warden of K.N. Girls College hostel for 7 years.

के.एन. कॉलेज एवं सांयकालीन अध्ययन संस्थान में टीआईएसएस का आमुखीकरण कार्यक्रम

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के सभागार में टाटा इन्सटीट्यूट ऑफ सोशल साइन्सेज, मुम्बई की ओर से आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में टिस की सहायक कार्यक्रम अधिकारी शुभी ने विश्वविद्यालय का परिचय प्रस्तुत करते हुए इसकी प्रासंगिकता एवं उपादेयता को समझाया। टिस के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी राधेश्याम चौहान ने फाउण्डेशन पाठ्यक्रमों में डिजिटल लिटरेसी, इंग्लिश कम्यूनिकेशन, फिनेंसियल लिटरेसी, लीगल लिटरेसी, वर्किंग विथ कम्यूनीटीज, यूथ लीडरशिप एण्ड पीपल स्किल्स की जानकारी दी। शुभी ने डोमेन पाठ्यक्रमों में बैंकिंग एण्ड फिनेंसियलय सर्विस मैनेजमेन्ट, एंटरप्रन्योरशिप, ट्रेवल एण्ड टूयूरिज्म, फैशन डिजाइनिंग, सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, हैल्थकेयर, वाटर, सेनीटेशन एण्ड हाइजीन की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने छात्राओं के सुदृढ़ भविष्य के लिए इस प्रकार के पाठ्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रोत्साहित किया। प्रो. बावा ने छात्राओं के लिए कम्यूनिकेशन एवं जॉब आधारित पाठ्यक्रमों में रूचि लेकर सुरक्षित भविष्य निर्माण की बात कही। इस कार्यक्रम में लगभग 100 छात्राओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. जतन कंवर जैन, डॉ. जनकसिंह मीणा, टिस की कृतिका सोनी भी उपस्थित थे।

इसी तरह सायंकालीन अध्ययन संस्थान में टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साइन्सेस, मुम्बई की ओर से 2 नवम्बर को आमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिथियों के स्वागत के बात टिस की ओर से विश्वविद्यालय का परिचय देते हुए एनयूएसएसडी कार्यक्रम की जानकारी दी गई और डिजिटल साक्षरता, इंग्लिश कम्यूनिकेशन, विधिक साक्षरता, वित्तीय प्रबंधन जैसे फाउण्डेशन पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए राधेश्याम चौहान ने इसकी संबद्धता एवं महत्वता पर प्रकाश डाला। शुभी जोहरी ने अध्ययन प्रणाली, परीक्षा प्रणाली, प्रमाण-पत्र के बारे में जानकारी देते हुए रोजगार उपलब्ध करवाने में सहायता करने वाले तरीकों पर जोर देते हुए बायोडेटा तैयार करने और साक्षात्कार के लिए टिप्स दिए। सायंकालीन अध्ययन संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डॉ. जनक सिंह मीणा ने बताया कि इस कार्यक्रम में रसी से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को सामने लाने एवं भविष्य निर्माण के लिए दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का संचालन ओ.पी. राजपुरोहित ने किया और धन्यवाद बी.कॉम. प्रथम वर्ष के छात्र शैलेश भूरानी ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश चौधरी, डॉ. राखी व्यास, डॉ. योगेश, सुरेश आदि शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

गृह विज्ञान विभाग की उत्कृष्ट प्रर्दशनी को किया गया पुरस्कृत

काजरी, जोधपुर के द्वारा आयोजित किसान मेले में गृह विज्ञान विभाग की बी. एस. सी गृह विज्ञान की छात्राओं के द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में विभाग के लिए विभाग को उत्कृष्ट प्रदर्शनी हेतु तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रदर्शनी में बी. एस. सी गृह विज्ञान की छात्राओं ने गृह विज्ञान क्षेत्र के विभिन्न विषयों के अन्तर्गत सीखें गए उत्पादों एवं शिक्षण सामग्री जैसे बालकों के विकास को प्रोत्साहित करने की क्रियात्मक सामग्री, आहार नियोजन, खाद्य संरक्षण की नवीन पद्धतियां, संसाधन को संतुलित उपयोग में लेने की बाध्यता, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण, किचन गार्डनिंग को प्रदर्शित किया तथा ग्रामीण आगन्तुक को गृह विज्ञान विषय के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी। विभिन्न गांवों/केन्द्रों से आये मेहमानों को आर्थिक उन्नति हेतु विभिन्न क्रियाओं की जानकारी दी। आय उपार्जित क्रियाओं से रोजगार को बढाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही विभिन्न स्कूलों से आये छात्रों एवं ग्रामीण महिलाओं को गृह विज्ञान विषय के बारे में जानकारी हेतु पेम्पलेट भी बाँटे गये जिसकी विषय सामग्री इस प्रकार थी- वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने में गृह विज्ञान विषय सक्षम है, रोजगारोन्मुखी है, इसके कोर्स में विभिन्न बीमारियों का आहारीय उपचार, हर उम्र में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, बौद्धिक, नैतिक विकास के स्तरों का ज्ञान तथा प्रत्येक उम्र जैसे बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था तथा वृद्धावस्था में आहारीय परिवर्तन पर जानकारी दी गई है। ई-कन्टेन्ट तथा कम्यूनिकेशन की विभिन्न विधियों का ज्ञान दिया जाता है। विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी माथुर द्वारा सराहनीय सुझाव एवं अशैक्षणिक स्टाफ का भी प्रदर्शनी में अत्यन्त सहयोग रहा।

जेएनवीयू में अन्तरमहाविद्यालय कुश्ती...
विजेताओं को प्रमाण पत्र व पुरस्कार

जेएनवीयू क्रीड़ा परिषद् एवं महात्मा गांधी महाविद्यालय की ओर से अन्तर महाविद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता का समापन 4 नवम्बर शुक्रवार को बरकतुल्लाह स्टेडियम में किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय त्रिवेदी एवं जेएनवीयू क्रीड़ा परिषद् के सचिव बाबूलाल दायमा ने बताया कि प्रतियोगिता 2 नवम्बर मध्यान्ह 3 बजे बरकतुल्लाह स्टेडियम में शुरू हुई। दो दिवसीय प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ। इसके तहत 57 किग्रा वर्ग में महावीर कॉलेज बालोतरा के अमराराम, 61 किलो में फिजिकल कॉलेज के भंवरलाल रेगर, 65 किलो वर्ग में फिजीकल कॉलेज के नरेश प्रजापति, 70 किलो वर्ग में व्यास विवि के धर्माराम, 74 किलो वर्ग में महात्मा गांधी कॉलेज के नरेन्द्र सिंह राठौड़, 79 किलो वर्ग में व्यास विवि के पुनीत जाखड़, 86 किलो वर्ग में पुनीत जाखड़, 86 किलो वर्ग में फिजीकल कॉलेज के रौनक कुमार, 92 किलो वर्ग में व्यास विवि के स्वरूपसिंह जोधा, 97 किलो वर्ग में व्यास विवि के हरीश चौधरी, 125 किलो वर्ग में मूलसिंह सेतराया प्रथम रहे। विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार दिए गए।

सर्तकता जागरूकता सप्ताहः
कमला नेहरू कॉलेज में वाद-विवाद प्रतियोगिता

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के सभागार में ऑयल एण्ड नैचरल गैस कॉपोरेशन, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत 'मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत' के उपविषय 'भ्रष्टाचार और विकास परस्पर विरोधी' पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में हिन्दी भाषा के 14 प्रतियोगी तथा अंग्रेजी भाषा के 9 प्रतिभागियों में पक्ष एवं विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए। जिसमें भावनी औड़ा प्रथम, प्रियंका सिह द्वितीय, ज्योत्सना सिंह तृतीय रहे। वर्षा राठौड को एनएसएस की ओर से सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

प्रो. पूनम बावा ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा ही राष्ट्र की धुरी है। सकारात्मक विचारों की अभिव्यक्ति ही विकास है और भ्रष्टाचार जैसे नकारात्मक विचार की क्रियान्विति विनाश है। कार्यक्रम के अन्त में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा एवं ओएनजीसी अधिकारियों ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर डॉ. पंकज नामा, डॉ. एस.एल.मीणा, डॉ. आर.एल.सैनी उपस्थित रहे। मंच का संचालन डॉ. जनक सिंह मीणा द्वारा किया गया। ओएनजीसी के अधिकारी श्री अशोक कुमार माथुर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम में ओएनजीसी के अधिकारी श्री आर सामराज, श्री जी. के. शर्मा सहित डा. पंकज नामा, डॉ. एस.एल.मीणा, डॉ. सैनी आदि ने उपस्थित रहे। प्रो. प्रीति माथुर, प्रो. सान्तवना गौड एवं डॉ. जे.के. जैन ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

- के एन कॉलेज में छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन - कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में जेडीए के पूर्व चेयरमेन राजेन्द्रसिंह सोलंकी ने छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन किया। छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियंका विश्नोई, उपाध्यक्ष चंचल रांकावत, महासचिव चंचल परिहार, संयुक्त सचिव दीपा परसोया ने अतिथियों का स्वागत किया। निदेशक प्रो. पूनम बावा ने कहा कि छात्राओं को शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेना चाहिए। विशिष्ट अतिथि अर्चना भगासरा व महेन्द्रसिंह विश्नोई थे।
- डॉ. शेखावत को वाईएस मूर्ति मेमोरियल गोल्ड मेडल - जेएनवीयू वनस्पति शास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. ज्ञानसिंह शेखावत को इंडियन बॉटनिकल सोसायटी की ओर से पटियाला में आयोजित राष्ट्रीय संगोश्ठी में वाईएस मूर्ति मेमोरियल गोल्ड मेडल पुरस्कार दियागया। यह पुरस्कार युवा वैज्ञानिक को उनके उत्कृष्ट शोध के साथ एच इंडेक्स एवं साइटेशन के आधार पर दिया जाता है। डॉ. शेखावत पिछले दस वर्षो से हीम ऑक्सीजीनेज और इसकी पादपों में उपयोगिता पर शोध कर रहे हैं। यह एंजाइम पादपों को विपरीत परिस्थितियों में उगने में सहायता करता है।
- अखिल भारतीय दर्शन परिषद का अधिवेशन - विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग एवं अखिल भारतीय दर्शन परिषद के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ। शोध पत्र प्रस्तुतकर्ताओं ने उत्साह के साथ पत्रों का वाचन किया। इस अवसर पर धर्म मीमांसा विभाग की ओर से 16 शोध पत्र पढे गए। शोध पत्रों में समाज में धर्म की आवश्यकता, हिन्दु ,जैन व बौद्ध धर्म में अन्त:संबंध, बौद्ध धर्म में निर्वाण, धर्म निरपेक्षता की प्रासंगिकता वैदिक तत्व दर्शन में यज्ञ की संकल्पना इस्लाम में तलाक की अहमियत एवं महिलाओं की स्थिति वैयक्तिक एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अंहिसा की अवधारणा, धार्मिक भाषा एवं इस्लाम में पुरूस्थान आदि पर शोधकर्ताओं ने उल्लेखनीय विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मुरली मनोहर पाठक ने की तथा समन्वयक प्रो. जेएस दुबे विशेष रूप से उपस्थित थे। इसी प्रकार तर्कशास्त्र और ज्ञान मिमांसा विभाग के पत्र वाचन कार्यक्रम की अध्यक्षता भरत कुमार तिवारी ने की एवं समन्वयक के रूप में अनिलकुमार तिवारी उपस्थित थे। वहीं अन्त:करण जीवन प्रबन्ध के सफल स्रोत पर डॉ. ममता भाटी ने प्रभावशाली रूप से विचार प्रकट किए।
- हिन्दी देश की आत्मा : प्रो. पी.एल. किरकिरे - कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के प्रो. प्रकाश लक्ष्मण किरकिरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषा के कई आयाम होते हैं और हिन्दी भाषा देश की आत्मा है, नागरिक उसकी पहचान हैं। प्रो. प्रीति माथुर ने कहा कि हिन्दी ने सबको जन्म दिया है, भाषा के माध्यम से संवाद कर सकते हैं। डॉ. कामिनी ओझा ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा का प्रावधान रखा गया परन्तु राजभाषा बन कर रह गई। हिन्दी के अस्तित्व को बचाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर भावना चौहान, अंकिता चौधरी, हिमांगी चावला, किरन कंवर, मोनिका सिरवी, मेहफ आरजू, नम्रता सिंह, डा. जनक सिंह मीणा ने विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन मूमल राठौर ने किया।

दीक्षान्त समारोह-2017
अकादमिक परिषद की बैठक में 2016 की डिग्रियां अनुमोदित

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय स्थित वृहस्पति भवन सभागार में अकादमिक परिषद की बैठक कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य ऐजेंडा आगामी 4 दिसंबर को दीक्षान्त समारोह में दी जाने वाली वर्ष 2016 की डिग्रियां था। अकादमिक परिषद की बैठक में नये सदस्यों का स्वागत किया गया। नये सदस्यों में छात्रसंघ अध्यक्ष कांता ग्वाला, उपाध्यक्ष हुकमाराम, महासचिव ए.वी. अशोक भाटी, संयु महासचिव दिनेश विश्नोई, कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की अध्यक्ष प्रियंका विश्नोई एवं सायंकालीन अध्ययन संस्थान के अध्यक्ष लोकेन्द्र पाल सिंह शामिल हैं।

इस बैठक के मुख्य एजेंडे के तहत वर्ष 2016 की कुल 39260 डिग्रियों का अनुमोदन सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें कला संकाय की 26418, वाणिज्य संकाय की 7979, अभियांत्रिकी संकाय की 779, विधि संकाय की 495 एवं विज्ञान संकाय की 2775 डिग्रीयों के साथ 814 लाचू मेमोरियल कॉलेज की डिग्रियों का अनुमोदन किया गया।

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बावा, **सह-सम्पादक**: रामनिवास चौधरी, अजय अरथाना, अचलसिंह मेड़तिया, **परामर्श मण्डल**: डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, **लेआउट**: संतोष कुमार प्रजापत, **प्रकाशक**: जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

वर्ष: 2016

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

परिसर समाचार

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति

पर्यावरण संरक्षण के प्रणेता गुरु जम्भेश्वर : कुलपति प्रो. सिंह

विश्वविद्यालय में गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ की स्थापना

राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री कल्याण सिंह के निर्देश पर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में स्थापित गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ का समारोहपूर्वक उद्घाटन किया गया। कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह के सानिध्य में आयोजित इस समारोह में शहर के अनेक गणमान्य लोग शरीक हुए।

समारोह को सम्बोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर सही मायने में पर्यावरण संरक्षण के प्रणेता रहे हैं। आज विश्व में सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण संरक्षण को लेकर है। जब भी दो देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री मिलते हैं तो बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण की बात करते हैं क्योंकि विश्व में अतिवृष्टि, अनावृष्टि से लोग दु:खी हैं। इस बात को ठीक 530 वर्ष पूर्व गुरु जम्भेश्वर भगवान ने अपने 29 नियमों और 120 शब्दों की शब्दवाणी में प्रकट किया था। काजरी के निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव ने खेजड़ी वृक्ष की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेजड़ी ही एक ऐसा पेड़ है जो सर्वाधिक ऑक्सीजन देता है। अन्य प्रजातियों के पौधों को भी पनपने देता है। उन्होंने बाजरी, मूंग, मोठ, केर, सांगरी की उपयोगिता और महत्व को विस्तार से रेखांकित किया।

समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई ने कहा कि 'सिर साठे रूंख रै तो भी सस्तो जाण' अर्थात एक सिर के कलम होने पर एक पेड़ बचता है तो भी यह एक सस्ता सौदा है। यह भावना गुरु जम्भेश्वर भगवान की पर्यावरण संरक्षण पर दी गई सीख से मिलती है। आचार्य डॉ. गोवर्धनराम ने कहा कि जोरु, जमीन, पद एवं ख्याति के लिए लड़ते झगड़ते सुना है लेकिन वृक्षों को ना काटने देने के लिए यदि कोई लड़ा है, तो केवल गुरु जम्भेश्वर का अनुयायी विश्नोई समाज।

समारोह के विशिष्ट अतिथि प्रो. चैनाराम चौधरी ने विश्नोई समाज द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए दिये हुए बलिदान की भूरी-भूरी सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि विश्व में सभी समाज गुरु जम्भेश्वर के बताये हुए सिद्धांतों का पालन कर लेते तो आज विश्व के सामने पर्यावरण की ऐसी भयावह समस्या खड़ी नहीं होती। शोधपीठ के निदेशक प्रो. जैताराम विश्नोई ने अतिथियों का स्वागत करते हुए शोधपीठ के गठन एवं इसके उद्देश्यों व कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

'जम्भधारा' राष्ट्रीय शोध पत्रिका का होगा प्रकाशन

शोधपीठ द्वारा शोध पत्रिका के प्रकाशन का भी निर्णय लिया गया है, जिसका कार्य प्रारम्भ हो चुका है। विद्वानों के परामर्श से शोधपत्रिका का नाम 'जम्भधारा' राष्ट्रीय शोधपत्रिका रखा गया है। इसमें जाम्भाणी विचारधारा और पर्यावरण से सम्बन्धित विषय-विशेषज्ञों के शोधपूर्ण आलेखों को सम्मिलित किया जाएगा। शोधपीठ के निदेशक प्रोफेसर जैताराम विश्नोई ने बताया कि शोधपीठ प्रतिवर्ष पर्यावरण दिवस पर राष्ट्रीय या अन्तराष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी भी आयोजित करेगा। शोधपीठ द्वारा गुरु जम्भेश्वर एवं पर्यावरण से सम्बधित विषयों पर देश के किसी भी विश्वविद्यालय में शोध करने वाले विद्यार्थी को तीन हजार रूपए प्रति माह तीन वर्ष तक छात्रवृति भी दी जाएगी।

कुलपति का सम्मान

समारोह में विश्नोई समाज द्वारा गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ की स्थापना करने पर कुलपति महोदय का अभिनंदन किया गया। प्रो. डी. के. एस. गौतम ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। अंत मे अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता डॉ. आर. के. विश्नोई ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में सभी अतिथियों का साफा, माला एवं शॉल ओढ़ाकर विश्नोई समाज के गणमान्य लोगों द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, सिंडीकेट सदस्य, विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं विश्नोई समाज के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रारम्भ में विश्नोई समाज की परम्परानुसार समाज के संतों द्वारा यज्ञ एवं हवन किया गया। मंच का संचालन राजस्थानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने किया।

44185 डिग्रियों पर सीनेट की मुहर

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की सीनेट ने वर्ष 2015 की 44185 डिग्रियों सहित 296 पीएचडी डिग्रियों का अनुमोदन कर दिया है। केंद्रीय कार्यालय स्थित वृहस्पति भवन में हुई सीनेट ने ब्रिज कोर्स करने वाले शोधार्थियों को भी बड़ी राहत दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आर.पी.सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सीनेट की बैठक में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी डिग्रियों का अनुमोदन किया गया। इस दौरान पूर्व कुलपति प्रो. एलएस राठौड़ ने ब्रिजकोर्स के मुद्दे पर अपनी राय सीनेट सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की। इस पर कुलपति व सीनेट सदस्यों ने सहमति दी। बैठक में कुलपति डॉ. आरपी सिंह, पूर्व कुलपति प्रो. एलएस राठौड़, डॉ. लोकेश कुमार शेखावत और कुलसचिव श्री बीएस सांदू मौजूद रहे। कुलसचिव, सभी अधिष्ठाता, सरकार की ओर से मनोनीत सदस्य, सिण्डीकेट सदस्य, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, छात्रसंघ अध्यक्ष कुणालसिंह भाटी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष सहित अन्य सदस्य बैठक में उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह में आएंगे कुलाधिपति

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का 14वां दीक्षांत समारोह तीन दिसम्बर को एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज सभागार में आयोजित किया जाएगा। समारोह में राजस्थान के माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कल्याणसिंह मुख्य अतिथि होंगे। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री श्री कालीचरण सर्राफ एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश भी समारोह में उपस्थिति रहेंगे। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने बताया कि समारोह के अगले दिन माननीय राज्यपाल विश्वविद्यालय के गोद लिए गए गांव का दौरा करेंगे। दीक्षांत समारोह को लेकर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में उत्साह का माहौल है। समारोह के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय में अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है। दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी की उपाधियां एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे।

'गांधीजी का जीवन एक खुली किताब'

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती जेएनवीयू में अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत गांधीजी एवं शास्त्रीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र कुमार द्वारा 'रघुपति राघव राजाराम' भजन की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दर्शन शास्त्र के पूर्व शिक्षक प्रो. शिवनारायण जोशी ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन को खुली किताब की तरह बताया और कहा कि महात्मा गांधी के अनुसार ईश्वर, सत्य और प्रेम है। जीवन में सत्य का व्यवहार करना चाहिए, सत्य पर अडिग रहना चाहिए लेकिन द्वेष और क्रोध का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्य ही ईश्वर है। प्रो.जोशी ने कहा कि गांधीजी का जीवन आडम्बरहीन था और आडम्बर ही जीवन में दुख का कारण है।

कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज गौरव का दिन है। हम दो महापुरूषों की जयंती एक साथ मना रहे हैं। इन दोनों विभूतियों पर देश को नाज है और इनकी वजह से पूरी दुनिया में देश को सम्मान मिला है। कुलपति ने कहा कि कमजोर एवं सशक्त पक्ष को सामाजिक परिपेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है, जो व्यक्ति दूसरों के मजबूत पक्ष को ढूंढते हैं वो लाल बहादुर शास्त्री होते हैं। अपने विचारों पर दृढ रहने से गांधीजी का अनुसरण होता है। उन्होंने कहा कि भावना सृजन की तरफ बढे तो देश आगे बढ़ता है। गांधीजी की पुस्तक 'सत्य के प्रयोग' की चर्चा करते हुए उन्होंने गांधीजी के सत्य के प्रयोग एवं महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि अहिंसा का हथियार पूरी दुनिया ने अपनाया है। व्यक्ति जहां काम करते हैं वहां निष्ठावान रहें और कर्त्तव्यनिष्ठ होकर कार्य करें।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की निदेशक प्रो. पूनम बावा ने अर्न्तराष्ट्रीय अहिंसा दिवस, वसुधैवकुटुम्कम् की भावना महात्मा बुद्ध, भगवान महावीर स्वामी के प्रेम अहिंसा भाईचारे के संदेश को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जनक सिंह मीना ने किया। अधिष्ठाता प्रो. कमलेश पुरोहित, प्रो. पी.के. भण्डारी, प्रो. पी.के. शर्मा, प्रो. चन्दनबाला, प्रो. चैनाराम चौधरी, प्रो. विनिता परिहार, प्रो. के.एन. उपाध्याय, प्रो. इरफान मेहर, प्रो. एस. पी.एस. भादू, प्रो. सुन्दरमूर्ति, प्रो. डी.के.एस. गौतम सहित अनेक शिक्षक एंव विद्यार्थी

किताब पढ़ना हमें एकांत में विचार करने की आदत और सच्ची

युवा महोत्सव में भाग लेगा सांस्कृतिक दल

32वां परिश्चम क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव मेहसाणा गुजरात में होगा। आगामी 6 से 10 जनवरी तक होने वाले इस युवा महोत्सव में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का सांस्कृतिक दल भी भाग लेगा। इसके लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। छात्र सेवा मण्डल के सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत ने बताया कि प्रक्रिया के तहत लोक नृत्य एवं शास्त्रीय नृत्य के लिए विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसमें संभाग स्तर के अलग - अलग महाविद्यालयों से लगभग 50 छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इनमें से 12 छात्राओं का अन्तिम रूप से चयन किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. कुमकुम शर्मा, कंचन जाजू और सुहासनी ने निभाई। संचालन डॉ. हितेन्द्र गोयल ने किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष प्रो. कैलाश डागा एवं सांस्कृतिक गतिविधि प्रभारी प्रो. पूनम बावा ने उपस्थित विद्यार्थियों को छात्र सेवा मण्डल की गतिविधियों से अवगत करवाया।

वाद-विवाद में बांगड़ कॉलेज ने जीता चल वैजयंती पुरस्कार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मण्डल की ओर से पहली बार संभागीय स्तर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 12 नवम्बर को किया गया। 'देश का विकास केवल विज्ञान की प्रगति में ही निहित है' विषयक इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की 27 टीमों ने अपने तर्कों के तीर चलाते हुए विपक्षी वक्ता को चुनौती दी। कभी कविता, कभी मुक्तक तो कभी शेरो-शायरी का प्रयोग करते हुए अपनी वाक्-चातुर्य से प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत रखे।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर. पी. सिह ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में स्वस्थ तर्क शक्ति का विकास करती हैं। निर्णायक के रूप में श्री अरविन्द भट्ट ने छात्र-छात्राओं को प्रभावी प्रस्तुति के 'टिप्स' दिये। निर्णायक मण्डल के अन्य सदस्यों में श्री महेन्द्र लालस, श्री कृष्ण कन्हैया बोराणा, डॉ. अर्जुन सांखला ने भी अपने विचार साझा किये। छात्र सेवा मण्डल के सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत ने बताया कि इस प्रतियोगिता का चल वैजयन्ती पुरस्कार बांगड़ कॉलेज, पाली ने प्राप्त किया। कॉलेज की सुश्री सुष्टि चारण एवं दलपत सिंह ने पुरजोर शब्दों में प्रभावी ढंग से विषय पर तर्क-वितर्क प्रस्तुत किये। के. एन. कॉलेज की आयुशी संभवानी प्रथम स्थान पर रही। एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के तरूण जोशी व राघव शर्मा ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को ट्रांफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष प्रो. कैलाश डागा ने सभी का आभार ज्ञापित किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ. नरेन्द्र मिश्रा एवं डॉ. एस.के. हरित थे।

इसी क्रम में 13 नवम्बर को संभाग स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न महाविद्यालयों की 27 टीमों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के पुराना परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं महापुरुषों- मुख्यतः स्वामी विवेकानन्द्र, महात्मा गांधी, बाबा साहेब अंबेडकर व अब्दुल कलाम आजाद के जीवन से सम्बन्धी प्रश्न पूछे गये। विजेता प्रतिभागियों को छात्र सेवा मण्डल के वार्पिकोत्सव में पुरस्कृत किया जायेगा।

नांदड़ा कलां गांव को कम्प्यूटर लैब की सौगात

निकटवर्ती नांदड़ा कलां गांव स्थित राजकीय सैकण्डरी विद्यालय में विशेष रूप से कम्प्यूटर लैब की स्थापना की गई है। इस लैब में गांव की ओर से पहले पांच कम्प्यूटर उपलब्ध करवाए गए थे। अब जयनारायण व्यास विश्वविद्याल ने पांच और कम्प्यूटर लैब में भेंट किए हैं। इसका लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। विद्यालय के साथ ही ग्रामीण भी इन कम्प्यूटर का लाभ उठा सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री कल्याणसिह के निर्देशानुसार जयनारायण विश्वविद्यालय ने नांदड़ा कलां सहित दो गांवों को गोद लिया था। विश्वविद्यालय ने अनेक प्रयास कर इस गांव में विकास कार्य के साथ रचनात्मक कार्य करवाए हैं। इसकी निरंतर प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी प्रो. जैताराम विश्नोई के अनुसार विश्वविद्यालय साफ-सफाई के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी इस गांव को विकसित करने का प्रयास करेगा। इसी दिशा में कार्य करते हुए विश्वविद्यालय ने कम्प्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कम्प्यूटर लैब स्थापित की है।

राजस्थानी मूट कोर्ट में 12 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के विधि संकाय में राजस्थानी मूट कोर्ट का आयोजन छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष प्रो. कैलाश डागा की अध्यक्षता में किया गया। विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. चंदनबाला ने बताया कि इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री रणजीत जोशी थे। प्रतियोगिता में 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक प्रो. चंदनबाला, के.एल. चौहान, डॉ. गजेसिंह, रेखा चौधरी तथा डॉ. के.आर. मेघवाल थे।

विश्व दर्शन दिवस पर व्याख्यान

जेएनवीयू के संस्कृत विभाग की ओर से भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् के संयुक्त तत्त्वावधान में 17 नवम्बर को विश्व दर्शन दिवस पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

गुरु जंभेश्वर पर्यावरण सरक्षण शोधपीठ के प्रशासनिक भवन में आयोजित व्याख्यान की अध्यक्षता प्रो. चैनाराम चौधरी ने की। विश्व दर्शन दिवस कार्यशाला में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के धर्म व दर्शन विभाग के प्रोफेसर सच्चिदानंद मिश्र ने 'भाषा का दर्शन' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन में भापा के अनेक सिद्धांत हैं। मनुष्य और नैतिकता के मध्य जो दर्शन-दिवस मनाने की परम्परा प्रचलित हुई उसे प्रश्नों तथा प्रतिप्रश्नों के माध्यम से पदार्थ को जानने की प्रक्रिया सुकरात ने व्याख्यात की।

प्रोफेसर चंद्रशेखर ने लॉजिक एंड फिलासॉफी ऑफ मेथमेटिक्स पर महत्त्वपूर्ण व्याख्यान देते हुए कहा कि गणित का दर्शन अंतर्ज्ञेयता को उजागर करता है। उन्होंने गणित तर्क के आकारों के उपयोग पर विस्तार से व्याख्यान दिया। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. धर्मचंद जैन ने कहा कि भाषा अभिव्यक्ति का साधन तभी बनती है जब हम शब्दों को समझते हैं। अध्यक्षता करते हुए प्रो. चैनाराम चौधरी ने कहा कि गणित जब दर्शन के साथ संवाद करता है, तो व्यावहारिक जीवन के समाधान सुलभ हो जाते हैं, वैदिक गणित को आधार बनाकर भारतीय पद्धति का विस्तार करना वर्तमान में सर्वाधिक अपेक्षित है। संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी ने अतिथियों का स्वागत किया। व्याख्यान में पाली, ओसियां, पीपाड़ सिटी एवं जोधपुर के राजकीय महाविद्यालयों के विभिन्न विषयों के व्याख्याता, आचार्य, शोधार्थी, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। संचालन डॉ. दीपमाला गहलोत ने किया।

एनयूएसएसडी कार्यक्रम का केएन कॉलेज में शुभारंभ

छात्राओं को पढ़ाया जाएगा यूथ लीडरशिप एंड पीपल स्किल, लीगल लिट्रेसी, फाइनेन्सियल लिट्रेसी, डिजिटल लिट्रेसी और वर्किंग विद कम्यूनिटीज विषयों

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय एवं टाटा इन्स्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विश्वविद्यालय छात्र कौशल विकास कार्यक्रम एनयूएसएसडी आयोजित किया गया। महाविद्यालय की निदेशक प्रो.पूनम बावा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षक अल्का माथुर व कार्यक्रम अधिकारी कंचन जसमतिया ने बताया कि अगस्त के अंत तक 110 से ज्यादा छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया। इसको देखते हुए अलग से दो बैच बनाकर 27 सितंबर से फाउण्डेशन कोर्स के अंतर्गत इंग्लिश कम्यूनिकेशन कोर्स का संचालन शुरू कर दिया गया। इसके साथ ही इस वर्ष के अंत तक छात्राओं को यूथ लीडरशिप एंड पीपल स्किल, लीगल लिट्रेसी, फाइनेन्सियल लिट्रेसी, डिजिटल लिट्रेसी और वर्किंग विद कम्यूनिटीज विषयों के बारे में भी पढ़ाया जाएगा। जिला प्रबंधक प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष के फाउण्डेशन कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

डॉ.जनकसिंह मीना की पुस्तक का लोकार्पण

न्यू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सोसायटी ऑफ इण्डिया (नेपासी) के महासचिव एवं जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के राजनीति विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. जनकसिंह मीना की पुस्तक 'एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्मस एण्ड गुडगवर्नेस' का लोकार्पण भारतीय लोक प्रशासन संस्थान नई दिल्ली में टी.एन.चतुर्वेदी (अध्यक्ष, आइ.आई.पी.ए. एवं पूर्व राज्यपाल कर्नाटक) तथा डॉ. टी. चटर्जी (निदेशक, आई.आई. पी.ए.) ने संस्थान की 62वीं वार्षिक बैठक के भव्य समारोह में किया। यह डॉ. मीना की 17वीं पुस्तक है। अब तक उनके सौ से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

पुस्तक में डॉ. मीना ने भारत में प्रशासनिक सुधार एवं सुशासन से संबंधित पहलुओं को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बताने का प्रयास किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ के पूर्व राज्यपाल शेखर दत्त, अरूणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल आर.डी. प्रधान, आइजॉल सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष प्रो. सी. लालकीमा, गोपालकृष्णा (से.नि. आई.ए.एस.), राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मण्डल के पूर्व सदस्य डॉ. अशोक भान, प्रो. ए.के. शर्मा (पूर्व कुलपति), प्रो. बी.एम. शर्मा (पूर्व कुलपति), प्रो. नीलिमा देशमुख, प्रो. रूमकी बसु, प्रो. सुषमा यादव (अध्यक्ष, भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद्) एवं अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

'काउंसलिंग में बताए सफलता के ...

विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से 8 नवम्बर को महर्षि दधीचि महिला महाविद्यालय में छात्राओं के लिए 'कॅरियर काउंसलिंग एवं जीवन में सफलता कैसे प्राप्त करें' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईआईसीएस के निदेशक श्रीकांत गुप्ता ने बालिकाओं को सफलता का अर्थ बताते हुए जीवन में सफलता का मूलमंत्र समझाया। उन्होंने कहा कि अपनी सफलता को महसूस कर आनंद उठाएं। स्वयं पर विश्वास रखें, एक दिन सफलता अवश्य प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी प्रकार समस्या आए, हमें खुश रहना चाहिए, जिससे उस समस्या पर आसानी से विजय प्राप्त की जा सके तथा जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। पढ़ाई प्रसन्नतापूर्वक करें जिससे पढ़ाई आपको सरल लगे। उन्होंने यह भी कहा कि निराशावादी नहीं आशावादी बनें, मन को ऊर्जावान रखें क्योंकि थकान मन में होती है शरीर में नहीं।

केन्द्र निदेशक प्रो. कल्पना पुरोहित ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम से बालिकाओं को जीवन में सफलता प्राप्त करने में आसानी होती है तथा वो अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकती हैं। केन्द्र के रिसर्च एसोसिएट डॉ. महेश परिहार ने अध्ययन केन्द्र की विविध गतिविधियों का उल्लेख किया। उन्होंने केन्द्र का परिचय देते हुए बालिकाओं को सशक्त बनने के लिए आह्वान किया। अंत में महाविद्यालय के राजेन्द्र दाधीच ने आभार व्यक्त किया।

नकल प्रकरण समितियों ने की सुनवाई

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के वर्ष 2016 की मुख्य, पूरक और सेमेस्टर प्रणाली परीक्षाओं में अनुचित साधनों का उपयोग करते हुए पकड़े गए विद्यार्थियों के मामलों की सुनवाई नकल प्रकरण समितियों द्वारा की गई। सुनवाई के लिए गठित समितियों ने जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में दो दिनों में 293 विद्यार्थियों की सुनवाई की। समितियों की ओर से 8 नवंबर को बी.ए. अंतिम वर्ष और बी.ए. आनर्स के सभी विषयों के विद्यार्थी एवं एम.डी.एस. विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम के सभी कक्षाओं के सभी विषयों के 135 विद्यार्थियों की सुनवाई की गई। वहीं 9 नवंबर को बी.ए. द्वितीय वर्ष तथा अभियांत्रिकी संकाय के 118 विद्यार्थियों के नकल प्रकरण की सुनवाई की गई। तीन दिनों तक कुल 411 विद्यार्थियों की सुनवाई की गई।

प्रो.माहेश्वरी को श्रद्धा सुमन अर्पित

विश्व सिनेमा के इंद्रधनुष सजाने वाले जिंदादिल महापुरुष, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी प्रोफेसर मोहनस्वरूप माहेश्वरी को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के पुराने परिसर में श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। जोधपुर फिल्म सोसायटी, आकांक्षा संस्थान सहित अनेक संस्थाओं की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि सभा में एनएलयू के पूर्व कुलपति जस्टिस एनएन माथुर, जेएनवीयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एल एस राठौड़, बीकानेर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर गंगाराम जाखड़, विधायक कैलाश भंसाली सहित अनेक शिक्षकों, राजनेताओं, साहित्यकारों, लेखकों, कलाकारों, श्रमिक नेताओं ने माहेश्वरी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने उनके निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। जेएनवीयू के सिण्डीकेट सदस्य रहे प्रो.मोहन स्वरूप माहेश्वरी का गत दिनों मुम्बई में निधन हो गया था।

क्षमता संवर्द्धन कार्यशालाएं

विश्वविद्यालय के प्रौढ़, सतत एवं आजीवन शिक्षा विभाग के तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए क्षमता संवर्द्धन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। श्री पुष्टिकर श्री पुरोहित सूरजराज रूपादेवी स्मृति कन्या महाविद्यालय तथा महालक्ष्मी महाविद्यालय में आयोजित इन कार्यशालाओं में अरविंद भट्ट, प्रो.ए.के. मलिक, प्रो. अंबिका चंदानी, डॉ. अर्जुनसिंह सांखला, डॉ. हरिदास व्यास, डॉ. पद्मजा शर्मा व डॉ.एन.के. माहेश्वरी ने व्यक्तित्व विकास, योग शिक्षा, सफलता एवं लक्ष्य निर्धारण व स्वाध्याय विषयों पर व्याख्यान दिया। विभाग के प्रभारी डॉ. ओ.पी. टाक ने बताया कि विभाग की विस्तार गतिविधियों के तहत आयोजित इन कार्यशालाओं में सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

डॉ. पी.के. शर्मा (एम) सिंडीकेट सदस्य मनोनीत

विश्वविद्यालय के रसायन विभाग, विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. शर्मा (एम) को सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया गया है। प्रो. शर्मा की नियुक्ति इंजीनियरिंग संकाय के अधिष्ठाता प्रो. कमलेश पुरोहित के कार्यकाल समाप्त होने पर एक वर्ष के लिए की गई है।

डॉ. हेमलता जैन को 'आचार्य श्री हस्ती स्मृति शोध सम्मान'

संस्कृत विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की पोस्ट डॉक्टरल फेलो डॉ. हेमलता जैन को अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैशी श्रावक संघ, जोधपुर द्वारा 'आचार्य श्री हस्ती शोध सम्मान, 2016' से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान उनके ग्रन्थ 'लोकप्रकाश : एक समीक्षात्मक अध्ययन' पुस्तक पर निमाज (जिला-पाली) में राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति श्री मुनीश्वरनाथ भण्डारी के हाथों प्रदान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. जैन को 51 हजार रूपये की राशि का चैक, स्मृति चिन्ह एवं चुन्दड़ी से सम्मानित किया गया।

प्रो. डी. सी. जैन सम्मानित

कला, शिक्षा व समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता एवं संस्कृत विभाग के प्रोफेसर डॉ. धर्मचन्द जैन को विगत कुछ माह में राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर द्वारा पण्डित गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी दर्शन सम्मान ए संस्कृत शिक्षा निदेशालय, राजस्थान सरकार द्वारा विद्वत् सम्मान [illegible] जयपुर में आयोजित समारोह में उन्हें दार्शनिक क्षे [illegible] गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी दर्शन सम्म 2014-2015 से श्रीफल, शॉल, राशि आदि प्रदान कर सम्मानित कि गया। 17 अगस्त 2016 को संस्कृत दिवस के अवसर पर बि ऑडिटोरियम, जयपुर में आयोजित भव्य समारोह में राजस्थान के मंत्री श्री कालीचरण सर्राफ एवं शिक्षा राज्यमंत्री श्री वासुदेव देवना करकमलों से प्रोफेसर जैन को विद्वत् सम्मान 2016 से सम्मानित गया।

अंतर्राष्ट्रीय जियोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस में भाग लेकर लौटी शिक्षकों की टीम

कॉन्फ्रेंस में लगभग 200 देशों के 5 हजार भू-वैज्ञानिकों ने लिया भाग

विश्वविद्यालय के भू-गर्भ विज्ञान विभाग की टीम ने 27 अगस्त से 4 सितम्बर तक केपटाउन, साउथ अफ्रीका में संपन्न हुई भू-गर्भ विज्ञान की 35वीं अन्तर्राष्ट्रीय जियोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

कॉन्फ्रेंस में भू-गर्भ विज्ञान विभाग, जेएनवीयू के विभागाध्यक्ष भू वैज्ञानिक प्रो. के.एल. श्रीवास्तव, प्रो. एस.सी. माथुर, सहायक प्रोफेसर डॉ. वी.एस. परिहार व प्राणी विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. शंकरलाल नामा ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस में लगभग 200 देशों के पांच हजार भू-वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इसमें भारत से राजस्थान का प्रतिनिधित्व जेएनवीयू के शिक्षकों ने किया। प्रो. श्रीवास्तव ने सरस्वती नदी के पेलियोओचेनल पर अपना शोध प्रदर्शित किया। वहीं प्रो. माथुर ने जोधपुर के जिओ हेरिटेज एवं जिओटूरिस्ट साइट्स पर शोध द्वारा इसे जिओपार्क घोषित करने पर पत्र वाचन किया। डॉ. परिहार ने पहली बार जुरासिक काल के ट्रेस जीवाश्मों पर शोध को प्रदर्शित किया। वहीं प्राणी विज्ञान विभाग के डॉ. शंकरलाल नामा ने आकली फार्मेशन (गिरल लिग्नाइट, बाड़मेर) से मछलियों के जीवाश्म पर अपना शोध प्रस्तुत किया। सभी के उत्कृष्ट शोध को वहां भू-वैज्ञानिकों द्वारा सराहा गया। साउथ अफ्रीका और केन्या की विदेश यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न कर वापस जोधपुर पहुंचने पर छात्रों द्वारा उनका स्वागत किया गया।

दो विद्यार्थियों का गणतंत्र दिवस परेड में चयन

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के दो स्वयंसेवकों दिल्ली के राजपथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयन कि गया है। इन दोनों विद्यार्थियों ने प्री.कैम्प में हिस्सा लिया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ.के.आर. पटेल ने बताया कि विज्ञान संकाय बीएससी अन्तिम वर्ष के छात्र सुखराम जाणी तथा एमए पूर्वार्द्ध की छा राधिका का इस शिविर के लिए चयन किया गया। भारत सरकार के यु कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से यह शिविर अक्टूबर के अन्ति सप्ताह से आयोजित किया गया।

जेएनवीयू को अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता की मेजबानी

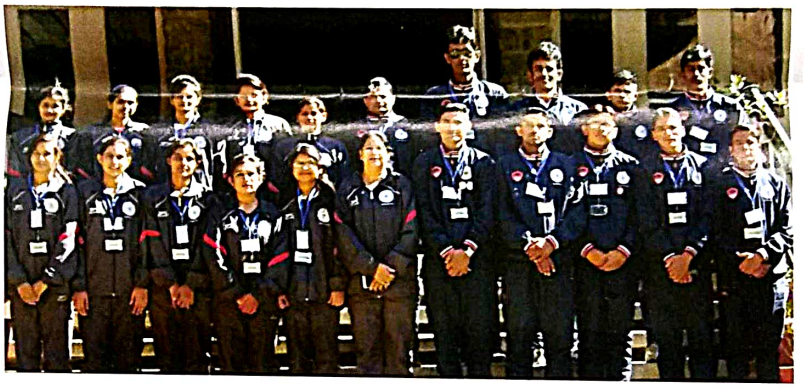

[illegible] संघ, नई दिल्ली ने [illegible] क्षेत्र) पुरूष [illegible] आयोजन की [illegible] व्यास विश्वविद्यालय [illegible] महाविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड शीघ्र [illegible] तिथि घोषित करेगा। [illegible] डॉ. बी.एल. दायमा ने [illegible] की अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताएं गत वर्ष से आरम्भ कर दी गई थीं। इस वर्ष 2016-17 जेएनवीयू अंतर महाविद्यालय खेल-कूद प्रतियोगिता में फुटबॉल (पुरूष) प्रतियोगिता के आयोजन का जिम्मा लव-कुश महाविद्यालय, दूधू, बाड़मेर को सौंपा गया था। वॉलीबाल पुरूष अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता श्री एस.पी.यू. महाविद्यालय, फालना में आयोजित होगी। कबड्डी पुरूष तथा महिला अंतर *महाविद्यालय प्रतियोगिता श्री रघुनाथ विश्नोई स्मृति महाविद्यालय, रानीवाड़ा में आयोजित होगी। सॉफ्टबॉल महिला अंतर महाविद्यालय* [illegible] एम.बा.सा. राजकीय महिला महाविद्यालय, बाड़मेर में होगी। क्रिकेट अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन लव-कुश संस्थान दूधू बाड़मेर में होगा। डॉ. दायमा ने बताया कि जिन-जिन खेलों में अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता आयोजित होगी, उन खेलों की विश्वविद्यालय टीम का चयन प्रतियोगिता स्थल पर प्रतियोगिता के दौरान ही होगा।

सचिव डॉ. बी.एल. [illegible] व्यक्त किया।

वॉलीबॉल [illegible] विद्यालय (पुरूष) [illegible] गिता

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रथम अंतर महाविद्यालय वॉलीबॉल (पुरूष) प्रतियोगिता एस.पी.यू. महाविद्यालय, फालना, पाली में आयोजित होगी। क्रीड़ा मंडल सचिव डॉ. बी.एल. दायमा ने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रथम अंतर महाविद्यालय वॉलीबॉल (पुरूष) प्रतियोगिता एसपीयू कॉलेज, फालना में 07 से 09 नवंबर तक आयोजित की गई। इसमें विश्वविद्यालय से संबद्ध जोधपुर संभाग की टीमों ने भाग लिया। अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के *लिए विश्वविद्यालय वॉलीबॉल टीम का चयन* प्रतियोगिता के दौरान फालना में किया गया। इन आयोजनों में उन उत्तम खिलाड़ियों को भी [illegible] मौका दिया गया जो इन अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में नहीं खेल पाए।

खेल स्मारिका का औपचारिक विमोचन

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित अंतर महाविद्यालय फुटबॉल व क्रिकेट प्रतियोगिता की खेल स्मारिका का विमोचन 18 अक्टूबर को किया गया। बोर्ड ऑफ स्पोर्टस् के सचिव डॉ. बी.एल. दायमा ने कहा कि, खेलों से शारीरिक व मानसिक संतुलन के साथ दूसरे मस्तिष्क का भी विकास होता है। डॉ. ओ.पी. शर्मा ने बताया कि लव-कुश महाविद्यालय द्वारा खेल स्मारिका का प्रकाशन अनूठी पहल है। ऐसे मौकों पर हर महाविद्यालय को आगे आकर भागीदारी निभानी चाहिए।

कुलपति ने किया वॉलीबॉल एवं कबड्डी मैदानों का उद्घाटन

विश्वविद्यालय के नए परिसर के जिम्नेजियम के सामने वॉलीबॉल एवं कबड्डी मैदानों का उद्घाटन कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने आर्शीवचन एवं उद्घाटन संबोधन में जीवन में खेलों के महत्त्व को उजागर कर छात्रों को आह्वान किया कि वे गहन अभ्यास कर अंतर विश्वविद्यालय एवं अंतर प्रतियोगिताओं में अपना अद्वितीय प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित करें। प्रारंभ में बोर्ड ऑफ स्पोर्ट्स के अध्यक्ष प्रो. एस.के. परिहार ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक श्री आबिद खान, श्री नारायण कल्ला, डॉ. ओ.पी. शर्मा, प्रो. चंदन बाला अधिष्ठाता विधि संकाय, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. ए.के. गुप्ता एवं कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बोर्ड ऑफ स्पोर्ट्स के

एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

500 व 1000 के नोटों को अमान्य घोषित करने का निर्णय एतिहासिक-कुलपति

भारत सरकार द्वारा 500 व 1000 के नोटों को प्रचलन से अमान्य घोषित करने के विमुद्रीकरण के निर्णय पर विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन संकाय के [illegible] में एक [illegible] संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के संयोजक व्यवसाय वित्त एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रमन कुमार दवे ने अतिथियों का स्वागत किया तथा संगोष्ठी की महत्वता के बारे में जानकारी दी। संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पी.के. भण्डारी ने सरकार के विमुद्रीकरण के निर्णय के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जन सामान्य के बीच इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने की। उन्होंने सरकार के इस प्रकार के ऐतिहासिक निर्णयों को जन सामान्य तक लाने में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर बल दिया तथा संगोष्ठी के आयोजन की सराहना की। प्रो. सिंह ने प्रधानमंत्री के इस निर्णय को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

विशिष्ट अतिथि बैंक ऑफ बड़ौदा के संभागीय महाप्रबन्धक वी.के. जैन ने सरकार के इस निर्णय को कालेधन, जमाखोरी व हवाला गतिविधियों पर अंकुश लगाने वाला बताया तथा इस व्यवस्था में सुधार तक जनता से धैर्य बनाये रखने की अपील की। विशिष्ट अतिथि जोधपुर इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के पूर्व सचिव ओम प्रकाश लोहिया ने बताया कि सरकार के इस निर्णय से उद्योग व व्यापार जगत पर कुछ समय बाद प्रभाव देखने को मिलेंगे। चार्टर्ड एकाउन्टेंट सुरेन्द्र चौपड़ा ने बताया कि भारतीय आर्थिक प्रणाली में नकद लेन-देन का प्रभाव अधिक है जबकि विकसित देशों में नकद लेन-देन नहीं के बराबर है। उन्होंने इस नकद लेन-देन को ही कालेधन तथा हवाला के लिए जिम्मेदार बताया। विश्वविद्यालय के पूर्व सिंडीकेट सदस्य डॉ. डी.एस. खीचीं ने भारत सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यदि इसका क्रियान्वयन नियोजित ढंग से नहीं किया गया तो इसके सकारात्मक परिणाम नहीं आ सकते हैं। संगोष्ठी के अन्त में प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

संविधान हमारा मान, सम्मान व जान

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की प्रेरणा से राष्ट्रीय संविधान दिवस पर में छात्रसेवा मंडल की ओर से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो.जैनब बानो इसमें बतौर मुख्य अतिथि शरीक हुई। वहीं जेएनवीयू के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. पी.एस. भाटी मुख्य वक्ता थे।

कार्यक्रम में केएन कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया। साथ हीं मध्यप्रदेश सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान के निदेशक प्रो. यतिंद्र सिंह सिसोदिया का विशेष स्वागत किया। उन्होंने डॉ. भीमराव अम्बेडकर को याद करते हुए संविधान निर्माण में उनके विशेष योगदान को याद किया और कहा कि संविधान हमारा मान, सम्मान व जान है। मुख्य वक्ता प्रो. पी.एस. भाटी ने संविधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि इसके लिए डॉ. अंबेडकर साहब को याद करना हमारा कर्त्तव्य है। संविधान देश के हर वर्ग को एक साथ जोड़ता है, संविधान हमारे भारतवर्ष का आधार है। उन्होंने संविधान के निमार्ण की प्रक्रिया को लागू होने से पहले से लेकर लागू होने तक तथा वर्तमान समय में इसकी महत्ता को रेखांकित किया। विमुद्रीकरण के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी कहा था कि देश में काला धन अधिक हो जाए तो प्रत्येक दस वर्षो के बाद विमुद्रीकरण होना चाहिए, ताकि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो।

मुख्य अतिथि प्रो. जैनब बानो ने छात्र सेवा मंडल को राष्ट्रीय संविधान दिवस के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और संविधान की प्रस्तावना का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि संविधान के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए हम सभी को अपना-अपना उत्तरदायित्व निभाना चाहिए और युवाओं को इसका संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा संविधान एक खूबसूरत गुलदस्ते के रूप में है जिसे अलग-अलग देशों के खुबसूरत पुष्पों से मिलाकर सजाया गया है। छात्र सेवा मंडल के अध्यक्ष प्रो. कैलाश डागा ने अध्यक्षीय उदबोधन में कहा कि मत भिन्नता एक सरल शब्द है और यह बुद्धिमान व्यक्तियों के बीच चर्चा होनी चाहिए। राष्ट्रवाद की अवधारणा प्राचीनकाल से चली आ रही है। इतिहास की जानकारी तथा तथ्य क्या हैं वह महत्वपूर्ण है। प्रो. डागा ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुस्तक विजन 2020 पर चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्र का भविष्य छात्र- छात्राएं हैं, उनका राष्ट्रवाद नवीन परिपेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। मंच का संचालन डॉ जनक सिंह मीना ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, केएन कॉलेज की एनसीसी कैडेट्स, केएन छात्रसंघ उपाध्यक्ष प्रियंका ढाका, सचिव मोनिका शर्मा के साथ छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सामाजिक समरसता के वाहक हैं लोक [illegible]

विश्वविद्यालय में बाबा रामदेव शोध पीठ का उद्[illegible]

लोक में विभिन्न मान्यताओं और परंपराओं के बीच जो वीर सामाजिक परिवर्तन के लिए स्वयं को आहुत कर काम करते हैं, समय के प्रवाह के [illegible] लोक उन्हें लोक देवता के पद पर आसीन कर देता है। लोक में मान्य समस्त अवधारणाओं के समन्वयक के रूप में काम करते हुए वे वीर सामाजिक समरसता के वाहक होते हैं।

उक्त विचार जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में बाबा रामदेव शोध पीठ के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान बीज निगम बोर्ड के अध्यक्ष शंभूसिंह खेतासर ने व्यक्त किए। खेतासर ने कहा कि यह राजस्थान ही नहीं आपितु संपूर्ण मध्य भारत के लिए गर्व का विषय है कि साढे पांच सौ वर्ष पूर्व सर्वधर्म और सर्वसमाज के साधारण परिवारों में भक्तिरस एवं ज्ञानरस की गंगा प्रवाहित कर लोक मंगल तथा लोककल्याण के शिखर पुरूष रहे बाबा रामदेव इस अंचल के मूल रहे।

प्रारंभ में सिलापट्ट का अनावरण तथा शोधपीठ के कार्यालय तथा पुस्तकालय का अतिथितियों ने लोकार्पण किया तथा कुलाधिपति और कुलपति के इस दिशा में किए गए चिंतन की सराहना की।

नागणैच्या धाम, धूंधाड़ा के गादीपति भोपाजी मदनसिंह तंवर के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में सिंडीकेट सदस्य प्रो. चैनाराम चौधरी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि बाबा रामदेव शोध पीठ का होना विश्वविद्यालय के लिए अहम् बात है। वहीं इसी पीठ से उल्लेखनीय कार्य करना भी शोधपीठ का दायित्व है। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय कुलपति की तरफ से भी बात रखी। विशिष्ट अतिथि प्रो. कल्याणसिंह शेखावत ने कहा कि बाबा रामदेव की वाणी मंत्रमुग्ध करने में सक्षम है और शोधपीठ के माध्यम से उन पर काम होने की जरूरत है।

प्रो. जहूर खां मेहर ने कहा कि धार्मिक समन्वय के प्रतीक के रूप में लोक जिनको मान्यता देता है, इतिहास उन्हीं पर प्रकाश डालता है। मुम्बई से आए उद्योगपति एवं समाजसेवी घनश्याम पी पुरोहित ने कहा कि आस्था अनुभूति का विषय है और उस विषय को विद्वान बखूबी प्रकट कर सकते हैं। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डीसी जैन ने भी विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व शोधपीठ के निदेशक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने स्वागत करते हुए शोधपीठ की स्थापना और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। निदेशक राजपुरोहित ने कहा कि शोधपीठ का बड़ा जिम्मा इसीलिए बन जाता है कि यह लौकिक साहित्य एवं इतिहास की रीढ पर टिकी शोध पीठ है। लोक से सामग्री संग्रहण सबसे दुरूह और मेहनत का कार्य होता है। उन्होंने इस दिशा में कदम बढाते हुए 'लोकवाणी' छह माही शोध पत्रिका के माध्यम से काम की शुरूआत का संकल्प भी लिया। महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश द्वारा दो से अधिक पुस्तकें बाबा रामदेव शोध पीठ को प्रदान करने पर पुस्तक प्रकाश के संरक्षक महाराजा गजसिंह का भी आभार व्यक्त किया गया। पुस्तक प्रकाश के सहायक प्रबंधक [illegible] ने पुस्तकों की सूची भेंट की।

कार्यक्रम में प्रो. [illegible] प्रो. नंदलाल कल्ला, डॉ. जय[illegible], डॉ. राजेंद्रसिंह, मदनसिंह राजपुरोहित, [illegible] राजपुरोहित, सुखदेव राव, [illegible] राठौड़, सुमेरसिंह चामुंडा आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने बाबा रामदेव शोध पीठ के सालाना 'लोकदेव बाबा रामदेव सम्मान' के तहत वर्ष 2016 का सम्मान प्रो. सोनाराम विश्नोई को प्रदान किया। साथ ही प्रो. सोनाराम विश्नोई की पुस्तक 'बाबा रामदेव : इतिहास एवं साहित्य' का लोकार्पण भी किया गया। बाबा रामदेव शोध पीठ को सहयोग करने वाले शंभूसिंह खेतासर, घनश्याम पी पुरोहित, डॉ. रणजीतसिंह चौहान, रामचंद्रसिंह राजपुरोहित आदि का सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम में धन्यवाद राजस्थानी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने दिया तथा संचालन दुलाराम सहारण ने किया। समारोह में अंचल के अनेक साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक तथा शोधार्थी उपस्थित थे।

युवा शक्ति का आह्वान

जीवन ज्ञान से सम्बन्धित प्रश्नोत्तरी एवं नारी शक्ति विषय विचारों की अभिव्यक्ति

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी शाखा जोधपुर द्वारा उठो! जागो!! युवा प्रेरणा शिविर के तत्वावधान में विवेकानन्द के जीवन से संबंधी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 100 छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। गण समूह के माध्यम से "भारत के पुनरूत्थान में नारी शक्ति का योगदान" विषय पर छात्राओं द्वारा विचारों की अभिव्यक्ति प्रस्तुत की गई। प्रतियोगिता में भगवती बडियासर ने प्रथम, गर्वा ने द्वितीय और सरिता एवं नेहा कंवर ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. आर. पी. सिंह ने कहा कि व्यक्ति सीखने व समझने के माध्यम से ही अपना और अपने देश का विकास कर सकता है। आज के समय में समाज का जिस प्रकार विघटन हो रहा है, उसमें आवश्यक है कि युवा शक्ति एक बने, समाज का सुधार करे तथा ज्ञान अर्जित करे।

महाविद्यालय की निदेशक प्रो.पूनम बावा ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में समाज में सहयोगवृत्ति भावना की महती आवश्यकता है। स्वामी विवेकानन्द के अध्ययन के साथ उनके विचारों को आत्मसात करना भी आवश्यक है। युवा शक्ति संगठित होकर ही राष्ट्र निर्माण में योगदान करें जिससे हमारा जीवन भी उज्ज्वल होगा।

जल मंदिर का उद्घाटन

छात्राओं को पीने के पानी की बेहतर सुविधा मुहैया करवाने के उद्देश्य से के एन कॉलेज में जल मंदिर स्थापित किया गया है। लायनेस मंजू जैन तथा कॉलेज की निदेशक प्रो.पूनम बावा ने फीता काटकर इसका विधिवत उद्घाटन किया। निदेशक ने बताया कि लायनेस मंजू जैन ने अपनी ओर से के एन कॉलेज को एक वाटर कूलर प्रदान किया। महाविद्यालय की ओर से गृह विज्ञान विभाग के समीप आवश्यक निर्माण करवा कर वाटर कूलर लगाया गया। विधिवत मंत्रोचार के बीच आयोजित समारोह में लायनेस मंजुश्री जोशी, गोपी केसवानी, शशि त्रिवेदी, कल्पना गोयल, मोना गहलोत, विजयलक्ष्मी मेवाडा तथा काफी संख्या में छात्राएं, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे। छात्राओं ने पीने के पानी की और अधिक सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए कॉलेज निदेशक व दानदाता का आभार व्यक्त किया।

एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर आयोजित

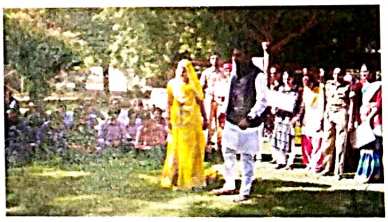

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान के तहत संकाय पार्किंग स्थल में लगी कंटीली झाड़िया हटाई और प्लास्टिक के कचरे की सफाई कर परिसर को साफ-सुथरा रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एम.एल. वसीटा, डॉ. क्षितिज महर्षि, निशांत गहलोत ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्त्व के बारे में स्वयंसेवकों को जानकारी दी तथा लोगों की मदद के लिए तत्पर [illegible] सचिव बबलू सोलंकी सहित एनएसएस से जुड़े छात्र-छात्राएं शिविर में उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण के लिए महिला सुरक्षा आवश्यक

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में "महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा" विषय के अंतर्गत अखिल भारतीय महिला सशक्तिकरण की समन्वयक गीता ताई ने उद्बोधन में छात्राओं को "छात्रा-शक्ति" से संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि महिला-सशक्तिकरण के लिए केवल शिक्षा ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें समाज में प्रतिष्ठा एवं सम्मान भी मिलना चाहिए। जब महिलाओं के साथ समाज अन्याय करता है तो महिलाएं अपने आपको असुरक्षित अनुभव करती हैं जो समाज की प्रगति के लिए घातक है। महिलाओं को अपना व्यक्तित्व ऐसा गढ़ना चाहिए जिससे कि वो समाज में सम्मानित हो। सम्मान केवल शिक्षा से ही अर्जित नहीं होता, अपने आचरण व व्यवहार से अर्जित किया जाता है। महिलाओं में आत्मविश्वास होना आवश्यक है क्योंकि आत्मविश्वास से ही प्रत्येक महिला जीवन की चुनोतियों का सामना सुगमतापूर्वक करती हैं। इतिहास में कई ऐसी महिलाएं है जिन्होंने अपने आत्मविश्वास और आन्तरिक शक्ति से कठिनाइयों पर विजय पायी है। आत्मविश्वास की कमी से असुरक्षा की भावना आती है। महिलाएं ऐसे विशिष्ट कृत्य करें जिससे वे सम्मानित हों, तभी एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकेगा। महिलाओं में असुरक्षा की भावना भी समाज में दूषित पर्यावरण का द्योतक है।

स्वागत उद्बोधन में कॉलेज की निदेशक प्रो. पूनम बावा ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर हीं नहीं बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं की स्थिति चिंताजनक है और इससे उबरने के लिए महिलाओं को स्वयं सार्थक प्रयास करने होंगे। प्रो. प्रभावती चौधरी ने आभार व्यक्त किया। संचालन डॉ. कामिनी ओझा ने किया।

कोचिंग सेन्टर फॉर वीकर सेक्शन में परीक्षा की तैयारी

जेएनवीयू द्वारा संचालित कोचिंग सेन्टर फॉर वीकर सेक्शन में आर.पी.एस.सी. प्री परीक्षा 2016 की तैयारी के लिए क्लासेज की शुरूआत कुलपति प्रोफेसर आर पी सिंह ने पौधरोपण से की। अपने सम्बोधन में कुलपति ने ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हीन भावनाओं से मुक्त होकर ही व्यक्ति सफल हो सकता है। उन्होंने स्व-नियंत्रण रखते हुए कठिन परिश्रम कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने शारीरिक बनावट व पहनावे को नकारते हुए केवल और केवल ज्ञानार्जन की बात पर जोर दिया। सेन्टर प्रभारी डॉ. अर्जुन लाल मीना ने जीवन को योजनाबद्ध तरीके से जीने का फलसफा बताया।

जैव तकनीकी में ही भारत का भविष्य निहित है-प्रो. त्रिवेदी

महिला पी.जी. महाविद्यालय एवं ACADEMY OF PLANT SCIENCES, INDIA के संयुक्त तत्वावधान में 18-19 नवंबर को जैव तकनीकी विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर पी सी त्रिवेदी मुख्य अतिथि थे। वहीं गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और APSI के अध्यक्ष प्रोफेसर पी कौशिक, APSI के उपाध्यक्ष डॉ. एस.ए. सालुंखे, श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष श्री के. सी. व्यास, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय, विज्ञान संकाय के निदेशक प्रो. ए. बोहरा भी बतौर अतिथि उपस्थित थे। मुख्य अतिथि प्रो. त्रिवेदी ने जैव तकनीकी को भारत का आज और कल बताते हुए कहा कि, यह क्षेत्र समाज एवं जनसाधारण के हितार्थ एवं उत्थान के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है तथा इसके द्वारा विभिन्न समस्याओं का हल निकाला जा सकता है।

एकेडमी की ओर से जैव तकनीकी के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, प्रोफेसर्स एवं शोध-छात्रों को पदक एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में उद्घाटन व्याख्यान प्रो. पी.सी. त्रिवेदी द्वारा "बायोटेक्नोलॉजी फॉर ह्यूमन वेलफेयर" तथा प्रो. कौशिक द्वारा "ओरिजन इवोल्यूशन ऑफ द सेल ए बायोटेक्नोलॉजिकल अप्रोच" विषय पर व्याख्यान दिए गए।

द्वितीय सत्र में प्रो. टी.एस. राठौड़, पूर्व निदेशक आफरी, जोधपुर द्वारा "फॉरेस्ट्री एवं बायोटेक्नोलॉजी" तथा डॉ. अरविन्द पुरोहित, वरिष्ठ सलाहकार, डी.एम.आर.सी. द्वारा "मेडीसिन एवं बायोटेक्नोलॉजी" विषय पर व्याख्यान दिए गए। इसी सत्र में एन्टीमाइक्रोबियल पोटेन्शियल, जेनेटिकली मॉडिफाइड क्रॉप्स, इथेनोमेडिकल प्लान्ट रिसोर्सेज, जेनेटिक इंजीनियरिंग आदि विषयों पर विभिन्न वैज्ञानिकों एवं शोध-छात्रों द्वारा शोध-पत्रों का वाचन किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान सचिव प्रो. पी.एम. जोशी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूरजप्रकाश व्यास, उपाध्यक्ष प्रो. एन.डी. पुरोहित, महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास, प्रो. के. एन. व्यास, प्रो. एन.आर. कल्ला, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व कुलपति डॉ. एल.एन. हर्ष तथा विभिन्न शोध-संस्थानों के वैज्ञानिक, जेएनवीयू एवं देश-प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों से आए 100 से ज्यादा प्रोफेसर्स, शोध-छात्र तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। संगोष्ठी के दूसरे दिन बायोडायवर्सिटी कंजरवेशन, बायोटेक्नोलॉजिकल एप्लीकेशंस इन एग्रीकल्चर, बायोटेक्नोलॉजी ए टूल फॉर वेल्थ इकानामी, मेडीसिनल प्लान्टस, एंटीबैक्टीरियल एजेन्ट्स आदि विषयों पर व्याख्यान, पत्र-वाचन एवं पोस्टर प्रजेंटेशन किया गया।

... कार्यभार

राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री भंवर सिंह मांदू ने 4 नवंबर को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलसचिव का पदभार संभाल लिया। 1996 बैच के राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री मांदू का लंबा प्रशासनिक अनुभव रहा है। वे अब तक दौसा, भिलवाड़ा, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनू, राजसमंद, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, जयपुर जिलों में सेवाएं दे चुके हैं। कुलसचिव का पदभार संभालने से पहले वे जोधपुर में ही जिला रसद अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।

समारोहपूर्वक मनाई गई कवि कुलगुरु कालिदास जयन्ती

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय तथा महिला पी.जी. महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में 10 नवंबर को कवि कुलगुरु कालिदास जयन्ती समारोहपूर्वक मनाई गई। प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, कुलपति, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली ने मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि कालिदास समस्त विश्व कवि-परम्परा में अद्वितीय कवि के रूप में समादृत हैं। कालिदास से परिचय करना भारतीयता से परिचित होना ही है। कालिदास संस्कृति एवं संस्कार के कवि है। इसे सिद्ध करते हुए उन्होने रघुवंश, अभिज्ञानशाकुंतलम आदि काव्यों के अनेक उद्धरण प्रस्तुत किये। उन्होंने कहा कि कालिदास का साहित्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम् की व्याख्या करता है। कालिदास प्रकृति के सुकुमार कवि है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. नरेन्द्र अवस्थी ने कहा कि मुझे तो कालिदास महात्मा कवि प्रतीत होते हैं। कालिदास आज की परिस्थिति में हमारे लिए अधिक उपयोगी हैं। वे अपने पात्रों के माध्यम से जीवन जीने के सूत्र प्रदान करते हैं। कालिदास सम्पूर्ण देशकाल के कवि हैं। उन्होंने त्याग के साथ ऐश्वर्य और तपस्या के साथ प्रेम के मिलन का सुन्दर समन्वय प्रदर्शित किया है।

कार्यक्रम के आरम्भ में संस्कृत विभाग की अध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी ने अतिथियों का स्वागत किया और कालिदासीय काव्य की नवनवोन्मेषशालिनी प्रतिभा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन महिला पी.जी. महाविद्यालय के संस्कृत-प्राध्यापक डॉ. नितेश व्यास ने किया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के प्रो. एस.पी. दुबे, प्रो. सरोज कौशल, प्रो. मंगलाराम, राजकीय महाविद्यालय, ओसियां के सहायक आचार्य डॉ. हरिसिंह राजपुरोहित, प्रो. अशोक बोहरा, प्रो. एस.पी. व्यास, डॉ. छैलसिंह, डॉ. दीपमाला, प्रो. पी.एम. जोशी आदि गणमान्य विद्वान उपस्थित थे। कार्यक्रम के अवसान में संस्थान के अध्यक्ष श्री के.सी. व्यास तथा सचिव प्रो. पी. एम. जोशी ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

वाणिज्य संकाय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन संकाय में वाद-विवाद, निबन्ध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के निर्देशानुसार आयोजित इन प्रतियोगिताओं में संकाय के छात्र-छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में धीरेन्द्र सिंह प्रथम व खुशी बाहेती द्वितीय, निबन्ध प्रतियोगिता में रूपवती सांखला प्रथम व शिवानी राठौड़ द्वितीय, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अर्पित परिहार प्रथम व उम्मेद सिंह द्वितीय स्थान रहे। संकाय अधिष्ठाता प्रो. पी.के. भण्डारी ने इस अवसर पर विद्यार्थियों से संकाय की सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेने का आह्वान किया। पुरस्कार का वितरण प्रो. वी.के. शर्मा, डॉ. के. गोयल, डॉ. महेन्द्र कुमार, डॉ. क्षितिज महर्षि तथा संकाय प्रभारी दीपक मेहता द्वारा किया गया। इस अवसर पर संकाय के डॉ. एन. एल. वसीटा, डॉ. मांगूराम तथा संकाय छात्रसंघ सचिव बबलू सोलंकी व पूर्व सचिव शुभम देवड़ा उपस्थित थे।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष भोमसिंह की स्मृति में किया रक्तदान

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष भोमसिंह राठौड़ की द्वितीय पुण्यतिथि पर विवि पुराना परिसर स्थित जसवंत कॉलेज सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अमर छात्रसंघ अध्यक्ष भोमसिंह राठौड़ सेवा केंद्र के संयोजक गजेंद्रसिंह पीपाड़ ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत घोष, जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रोफेसर महेंद्रसिंह राठौड़, जिला प्रमुख पूनाराम चौधरी और मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा ने भोमसिंह की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में करीब 323 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर विवि छात्रसंघ अध्यक्ष कुणालसिंह भाटी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविंद्रसिंह राणावत व आनंदसिंह राठौड़, पार्षद चैनसिंह इंदा, राजेंद्रसिंह लीलिया, बीजेपी राईकाबाग मंडल अध्यक्ष जितेंद्रसिंह शेखावत, रणजीतसिंह ज्याणी, भूपेंद्र सिंह सोढ़ा और भोमसिंह के भाई विक्रमसिंह आदि ने शिविर में सहयोग किया। संयोजक पीपाड़ ने बताया कि देर शाम बीजेएस कॉलोनी स्थित भोमसिंह राठौड़ मार्ग पर भजन संध्या का आयोजन किया गया।

एमएमवी के 29वें स्थापना-दिवस पर बिखरी 'सर्वधर्म सदभावना' की छटा

'ससुराल गेंदा फूल' एवं 'कुछ रंग प्यार के' फेम जय सोनी (ईशान) और सूर्य पुत्र कर्ण फेम आशीष पुरोहित रहें आकर्षण का केन्द्र

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय की स्थापना के 29 वर्ष पूर्ण कर 30वें वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष में प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी भव्य सांस्कृतिक संध्या 'समन्वय' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभांरभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप-प्रज्ज्वलन से हुआ। इस कार्यक्रम में भारत की 'सर्व-धर्म सद्भाव' की भावना को साकार रूप में प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय की छात्राओं ने डॉ. हेमा जैन, श्रीमती दीपशिखा पुरोहित, हेमेन्द्रा एवं डॉ. अनुपराज पुरोहित के निर्देशन में शानदार नृत्य एवं गीतों की प्रस्तुती दी। जिसमें हिन्दु धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, ईसाई धर्म, सिक्ख, मुस्लिम एवं सुफी आदि धर्मो से सम्बोधित नृत्य एवं गायन शैलियों को प्रस्तुत किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण छोटे पर्दे के उभरते कलाकार 'ससुराल गेंदा फूल' एवं 'कुछ रंग प्यार के' फेम जय सोनी (ईशान) और सूर्य पुत्र कर्ण फेम आशीष पुरोहित उपस्थित रहे। जय सोनी ने महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'सूर्यनगरी में मैं पहली बार आया हूँ लेकिन यहाँ की अपणायत, मनुहार तथा इन छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग प्रस्तुतियों ने मुझे अभिभूत कर दिया। मैं इस शहर को यहाँ की अपणायत को हमेशा याद रखूंगा।' इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं के साथ नृत्य की प्रस्तुती भी दी। वहीं आशीष पुरोहित ने अपने अभिनय की सुन्दर प्रस्तुति दी। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम में छात्राओं का उत्साह देखते ही बनता था। लोकसभा सांसद श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, शहर जिलाध्यक्ष श्री देवेन्द्र जोशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में बतौर अतिथि उपस्थित रहे। संस्थान के अध्यक्ष श्री के.सी. व्यास ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए महाविद्यालय के गौरवमय अतीत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि - 'यह महाविद्यालय 2 अक्टूबर, 1987 को मात्र 41 छात्राओं से शुरू हुआ था और वर्तमान में इस महाविद्यालय में लगभग 3,500 छात्राएँ अध्ययनरत है। यह पश्चिमी राजस्थान का एकमात्र महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय है।' इस अवसर पर प्रबंध समिति के सभी सदस्य प्रो. पी.एम. जोशी, प्रो. एन.डी. पुरोहित, प्रो. के. एन. व्यास, श्यामलाल हर्ष, सूरजप्रकाश व्यास, श्री कृष्ण व्यास आदि उपस्थित रहे। साथ ही प्रो. ए.डी. बोहरा मेमोरियल विमन लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज व्यास, महिला टी.टी. कॉलेज की प्राचार्य डॉ. उमा लोहरा भी उपस्थित रहीं। महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज का दिन महाविद्यालय के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि इसी दिन यह महाविद्यालय अपने अस्तित्व में आया था और वर्तमान में यह सफलता की नई बुलंदियों को छू रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आई.आई. माहिर एवं डॉ. प्रियंका व्यास ने किया।

विधिक सहायता शिविर में कानूनी जानकारी

विधि संकाय विधिक सहायता केन्द्र, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के तत्वावधान में विधिक सहायता शिविर विधि संकाय में आयोजित किया गया। विधि स्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार प्रतिवर्ष एल.एल.बी द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए दो विधिक शिविरों का आयोजन किया जाता है। एक आंतरिक शिविर जो विधि संकाय में तथा दूसरा जोधपुर से बाहर गावों में आयोजित किया जाता है।

17 नवम्बर को आयोजित विधिक शिविर में राजस्व की जानकारी रखने वाले अधिवक्ता श्री प्रकाश चौधरी ने राजस्व से जुडे भूमि संबंधी विभिन्न मामलों पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि नामान्तरण व जमीन से बेदखली के मामले कानून की जानकारी के अभाव में बढ़ते जा रहे हैं। चौधरी ने ग्राम न्यायालयों की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला।

विधि संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर चंदन बाला ने अधिवक्ता चौधरी का स्वागत करते हुए केन्द्र के क्रिया-कलापों के बारे में जानकारी दी।

विधिक सहायता केन्द्र, विधि संकाय के समन्वयक डॉ. शीतल प्रसाद मीणा के निर्देशन में इस शिविर में विधि द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने विधिक अधिकारों जैसे कानूनी सहायता, दहेज हत्या, भ्रूण हत्या, उपभोक्ता संरक्षण, श्रमिक विधि, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, महिलाओं के अधिकार आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। संकाय की सहायक आचार्य डॉ. निधि संदल ने कहा कि विधिक जानकारी से ही लोग अपने अधिकारों को प्राप्त कर सकते हैं। सहायक आचार्य डॉ दलपत एवं पुष्पेन्द्र कुमार मूसा ने भी विधिक सहायता कार्यक्रमों पर जानकारी प्रदान की। सहायक आचार्य विनोद कुमार मीना ने विधि छात्रों को विधि पेशे मे आने पर आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

स्वच्छता का दिया संदेश : इसी प्रकार एलएलबी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विधिक सहायता केन्द्र की ओर से आयोजित विधिक शिविर में राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्तता डॉ. एकलव्य भंसाली ने विधिक सेवा प्राधिकरण के गठन व कार्य के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि विधिक सहायता के माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग को न्याय की प्राप्ति हो सकती है।

विधिक सहायता केन्द्र, विधि संकाय के समन्वयक डॉ. शीतल प्रसाद मीणा के निर्देशन में इस शिविर में छात्र-छात्राओं ने नवीन कानूनों की जानकरी प्रदान की। छात्र-छात्राओं ने नाटक की प्रस्तुति से स्वच्छ भारत मिशन के तहत संदेश दिया कि अपने आसपास स्वच्छता [illegible] नाटक के माध्यम से बाल विवाह [illegible]

वनस्पति विभाग के शोधार्थी को मिला स्वर्ण पदक

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के शोधार्थी सुरेन्द्र कुमार को वैज्ञानिक संगोष्ठी में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। विज्ञान संकाय में वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एस. सुन्दरामूर्ति ने बताया कि उनके विभाग की पादप रोग विज्ञान व कवक विज्ञान की प्रयोगशाला के सह-आचार्य डॉ. प्रवीण गहलोत के शोधार्थी सुरेंद्र कुमार ने उनके मार्गदर्शन में पश्चिमी राजस्थान की मृदा से स्ट्रेप्टोमाइसीज जीवाणु निकाले। जो कि सामान्यतः एंटिबायोटिक्स का उप्पादन करते हैं, उस जीवाणु से इन्होंने लाइपेज, प्रोटिएज तथा एमाइलेज एंजाएम का उत्पादन किया। जो घरेलू तथा औद्योगिक दृष्टि से बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। इन्होंने अपना शोध कार्य 26वीं वैज्ञानिक संगोष्ठी द एकेडमी ऑफ प्लांट साइंसेज इंडिया के अंतर्गत ''बायोकेटालाईटिक पॉटेंसियल एंड मॉलिक्यूलर कैरक्टराइजेशन ऑफ स्ट्रेप्टोमालसीज फ्रॉम इंडियन थार डेजर्ट'' शीषर्क नाम से प्रदर्शित किया। इसमें सुरेन्द्र को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। यह पदक उन्हें कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एल.एन. हर्ष द्वारा प्रदान किया गया। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों जैसे उड़ीसा, गोवा, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल, जम्मू-कश्मीर आदि से शोधकर्त्ताओं ने भाग लिया तथा अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय को 45 नए प्रोफेसरों की सौगात

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय सिंडीकेट की बैठक में कॅरिअर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत हुए साक्षात्कारों के लिफाफे खोले गए। साथ ही इंजीनियरिंग के लिए हुए साक्षात्कारों पर भी निर्णय लिया गया। सीएएस प्रक्रिया के तहत विवि के विभिन्न सामान्य संकायों के एसोसिएट प्रोफेसर्स के साक्षात्कार लिए गए थे। विवि में करीब 6 साल के बाद हुई साक्षात्कार की इस प्रक्रिया में विवि को करीब 45 नए प्रोफेसरों की सौगात मिली है। छह दिन चली इस साक्षात्कार प्रक्रिया में सीनियर स्केल के लिए भी शिक्षकों के साक्षात्कार हुए थे। साक्षात्कार के बाद चयन समिति ने अपनी अनुशंषाएं लिफाफे में बंद कर दी थी। इसे सिंडीकेट में खोला गया। सामान्य संकायों के साक्षात्कारों में पदोन्नत हुए एसोसिएट प्रोफेसर्स के लिए जहां सिंडीकेट ने इस पदोन्नति प्रक्रिया को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान सामान्य संकायों के सीनियर पे स्केल के करीब 10 और इंजीनियरिंग के वास्तुकला विभाग के 6 शिक्षकों को सीनियर पे स्केल के लिए चुना गया।

Rai retired after 33 years service

Professor Inderpal Rai joined Jai Narain Vyas University on 31st March 1983 as Assistant Professor in the Department of Home Science. She became Associate professor in 1996 and Professor in 2001. She served the University as Head of the Department, Director, KN College for women, Member Syndicate and was also member of various academic bodies of other universities. A keen academician she has completed Major research projects and has supervised research at Masters and Ph.D. level. She has presented papers in International and National conferences and has many publications to her credit. She retired on 30th September 2016.

केएन कॉलेज में चिकित्सा शिविर

लायनेस क्लब जोधपुर ग्रेटर मारवाड एवं गोयल नर्सिंग होम के सहयोग से कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में लगाए गए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का बड़ी संख्या में छात्राओं ने लाभ उठाया। शिविर में 250 से अधिक छात्राओं ने चिकित्सकों से आवश्यक परामर्श लिया।

कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने शिविर का उद्घाटन किया और कहा कि इस तरह के शिविर से छात्राएं न केवल लाभान्वित होती हैं, वरन् समय पर उनको रोग का पता भी चल सकता है। शिविर में गोयल नर्सिंग होम के दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकिता, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीप्ति माथुर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मिशा गोयल व फिजिशियन डॉ. पुलकित गोयल ने अपनी सेवाएं दी। इस अवसर पर लायनेस क्लब की डॉ. मंजूश्री जोशी, मंजू जैन, गोपी केशवानी, शशि त्रिवेदी, कल्पना गोयल, मोना गहलोत एवं विजयलक्ष्मी मेवाड़ा भी मौजूद रहीं।

सम्बद्ध निजी महाविद्यालयों में अनेक कार्यक्रम

पोकरण महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता

राजकीय महाविद्यालय, पोकरण में गांधी जंयती के अवसर पर स्वच्छ भारत पखवाड़े के तहत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की कार्यवाहक आचार्य डॉ. रमा अरोड़ा ने बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता में भूपेन्द्र ने प्रथम स्थान और मनोज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ युवा विकास केन्द्र की ओर से विधिक जागरूकता व विधिक चेतना अभियान के तहत चल लोक अदालत व न्याय आपके द्वार से छात्रो को रू-ब-रू कराया गया। छात्रों को बताया गया कि गांवों में लोक अदालत किस तरह काम करती है।

अंग्रेजी वाद-विवाद

श्री पुष्टिकर श्री पुरोहित सूरजराज रूपादेवी स्मृति महिला महाविद्यालय में 16 नवंबर को अर्न्तसम्भागीय कानीबाई मदन लाल लोहरा स्मृति अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो.के.के व्यास ने बताया कि प्रतियोगिता का विषय "इन प्रजेण्ट सिनेरियो बॉयकॉट ऑफ फॉरेन गुड्स इज इन फेयर ऑफ नेशनल इन्टरेस्ट" था। प्रतियोगिता में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय से सम्बद्ध एस.एम.के. कॉलेज, ऐश्वर्या कॉलेज, कमला नेहरू महिला महाविद्यालय एवं सूरजराज रूपादेवी स्मृति महाविद्यालय के 24 प्रतिभागियों ने उक्त प्रासंगिक विषय पर अपने विचार रखे।

मुख्य अतिथि एवं निर्णायक प्रो. ए.एल.जीनगर ने कहा कि उक्त प्रकार कि वाद-विवाद प्रतियोगिताएं यह संदेश देती हैं कि भारतीय एकता एवं उसकी सुरक्षा को कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है। डॉ. माधविका माथुर ने कहा कि विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार राष्ट्र एवं समाज के हित में है। अध्यक्षीय सम्बोधन में श्री महेश बोड़ा ने कहा कि समय-समय पर होने वाली उक्त प्रतियोगिता भारतीय सशक्तिकरण व सामाजिक उन्नयन के उच्च शिखर को स्थापित करती है। प्रतियोगिता में के एन कॉलेज की भाविनी ओझा ने प्रथम, श्री पुष्टिकर महिला महाविद्यालय की गर्विता पुरोहित एवं ऐश्वर्या कॉलेज के मानवेन्द्रसिंह ने द्वितीय और के एन कॉलेज की आयुषी ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता पंवार, कामाक्षी छंगाणी एवं डॉ. राजेश बोहरा ने किया।

हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न

श्री पुष्टिकर श्री पुरोहित सूरजराज रूपादेवी स्मृति महिला महाविद्यालय में 19 नवंबर को अर्न्तसम्भागीय वाद-विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। 'संचार क्रांति समाज को जोड़ रही है या नहीं' विषय पर हुई इस प्रतियोगिता में 25 विद्यार्थियों ने पक्ष-विपक्ष में तर्क रखे। मुख्य अतिथि श्रीमती कैलाश कौशल ने संचार क्रांति के गुणों व दुरूपयोग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत आज 21वीं सदी में प्रवेश कर चुका है, ऐसे में विद्यार्थियों को अपना सर्वांगीण विकास के लिए इंटरनेट का सदुपयोग करने की आवश्यकता है। प्रतियोगिता में बांगड़ कॉलेज पाली के विद्यार्थियों ने बाजी मारी।

छात्राओं के लिए कॅरियर हेल्प डेस्क

कॅरियर काउंसलिंग सेल की ओर से 20 नवंबर को पीजी गर्ल्स हॉस्टल में कॅरियर हेल्प डेस्क का अयोजन किया गया।

सेल के निदेशक डॉ. विकल गुप्ता ने बताया कि छात्राओं को कॅरियर सेल की काउन्सलर डा. श्वेता गहलोत द्वारा सेल के उद्देश्य, क्रियाकलापों व कार्यो को बारे में जानकारी दी गई। छात्राओं को सेल द्वारा समय-समय पर आयोजित किये जाने वाली कार्यशालाओं, हेल्प डेस्क, सेमीनार व लेक्चर के सम्बन्ध में भी बताया गया।

कॅरियर निर्देशन के साथ पर्सनेलिटी डवलेपमेन्ट, स्किल डवलपमेन्ट तथा सॉफ्ट स्किल की जानकारी भी दी गई। छात्रावास अधीक्षका डॉ. रेणु शर्मा ने छात्राओं को कॅरियर काउंसलिंग सेल में अपना रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए प्रेरित किया तथा सेल की उपयोगिता से अवगत कराया।

केएन कॉलेज छात्रसंघ ने किया पद्मश्री पूनिया का अभिनंदन

कमला नेहरू महाविद्यालय छात्रसंघ की मेजबानी में पद्मश्री व अर्जुन अवार्डी कृष्णा पूनिया का अभिनंदन किया गया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में कृष्णा पूनिया ने खेल से जुड़े अनेक पहलुओं और आलंपिक पर अपने अनुभव सुनाए। मुख्य अतिथि कृष्णा पूनिया ने समाज में व्याप्त कन्या भ्रूण हत्या जैसे प्रचलन व लिंग भेद पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि युवतियां व महिलाएं अपने बारे में नहीं सोचेगी, तो उनका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। उन्होंने बालिका शिक्षा एवं छात्राओं को अधिक से अधिक खेल स्पर्द्धा में भाग लेकर आगे बढ़ने पर जोर दिया। जेएनवीयू के कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में पूनिया को देश की बेटी और लड़कियों के लिए प्रेरक बताया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय छात्रसंघ उपाध्यक्ष प्रियंका ढाका, पूर्व उपाध्यक्ष अर्चना भगासरा ने पूनिया को माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। एथलीट पूनिया के केएन कॉलेज आने पर छात्राओं में उनके साथ सेल्फी लेने की होड़ लग गई। पूनिया ने भी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

ईएम[illegible]ुर को मिला [illegible]शन चैनल

देशभर में मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने कुल 32 डीटीएच चैनल लांच किए

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग शैक्षिक संचार संकाय सीईसी की ओर से जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के एज्यूकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर ईएमएमआरसी को स्वयंप्रभा डीटीएच एज्यूकेशनल चैनल स्वीकृत किया गया हैं। इस चैनल पर सोशियल एण्ड बिहेवियर साइंसेज के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का प्रसारण किया जाएगा। एज्यूकेशनल चैनल आवंटित होने के बाद ईएमएमआरसी जोधपुर ने इस पर काम शुरू कर दिया हैं।

ईएमएमआरसी जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर एस.के. शर्मा ने बताया कि केन्द्र सरकार के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने शिक्षा, [illegible] उच्च शिक्षा को ऑन लाइन उपलब्ध करवाने के प्रयासों के तहत एज्यूकेशनल चैनल लांच किए हैं। इसके लिए शैक्षिक संचार संकाय नई दिल्ली को स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल का राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया है। हाल ही सीईसी कोर्डिनेशन कमेटी की दिल्ली में आयोजित बैठक में ईएमएमआरसी जोधपुर को स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल आवंटित किया गया।

केन्द्र के वरिष्ठ प्रोड्यसर विनोद सत्ती ने बताया कि सोशियल एण्ड बिहेवियर साइंसेज के तहत स्नातक स्तर पर बीए समाजशास्त्र, बीए मनोविज्ञान, बीए लोक प्रशासन, बीए एन्थ्रोपॉलोजी, बीए पॉपूलेशनल स्टडीज, बीए सोशियल वर्क एडमिनिस्ट्रेशन, ऑनर्स सोशल वर्क एवं ऑनर्स राजनीति विज्ञान विषय के पाठ्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर पर समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान लोकप्रशासन, एन्थ्रोपॉलोजी, पॉपूलेशनल स्टडीज, सोशियल वर्क एज्यूकेशन एवं वुमन स्टडीज विषय के पाठ्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे।

झंडा ऊंचा रहे हमारा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर दो अक्टूबर को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में देशप्रेम और देशभक्ति की एक अनूठी मिसाल कायम की गई।

इस विशेष अवसर पर विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय परिसर में 100 फीट ऊंचा विशाल तिरंगा ध्वज फहराया गया। यह विशाल ध्वज 24 घंटे फहराता रहेगा। एकता व अखण्डता के साथ यह विशाल ध्वज देश के नवनिर्माण की प्रेरणा भी देगा।

विश्वविद्यालय के मुखिया कुलपति प्रो.आर पी सिंह ने सादे समारोह में यह ध्वज फहराया। कुलपति ने बताया कि राजभवन की ओर से सभी विश्वविद्यालयों में चौबीसों घंटे तिरंगा फहराने के निर्देश दिए गए थे। ध्वजारोहण के मौके पर तत्कालीन कुलसचिव श्री [illegible] खान, सिंडीकेट सदस्य प्रो.चैनाराम चौधरी, कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की निदेशक प्रो. पूनम बावा, प्रो. कमलेश पुरोहित, प्रो. चंदन बाला, प्रो. पी.के. शर्मा, प्रो. पी.के. भण्डारी, प्रो. सुनील शर्मा, प्रो. के.एन. उपाध्याय, प्रो. शिशुपाल सिंह भादू, डॉ. के.आर. पटेल, डॉ. जनक सिंह मीणा, डॉ. सुनिल आसोपा, डॉ. एम. एल. वसीटा, डॉ. सुरेश सांखला, डॉ. ओ.पी. विश्नोई, डॉ. निशांत गहलोत, सहायक कुलसचिव एस. पी. रामदेव, विश्वविद्यालय अभियंता पी.सी.जोशी, विश्वविद्यालय शिक्षक, कर्मचारीगण तथा छात्र नेता मौजूद रहे।

के एन कॉलेज में फ्रेशर्स ने जमकर दिखाया टेलेन्ट

स्कूल की बंदिश भरी जिन्दगी से कॉलेज की खुली हवा की जिन्दगी कितनी मस्त होती है इसकी एक बानगी कमला नेहरू कॉलेज में देखने को मिली। कॉलेज छात्रसंघ के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय फ्रेशर्स टेलेन्ट कार्यक्रम में नवागंतुक स्नातक प्रथम वर्ष की छात्राओं ने आकर्षक प्रस्तुति दी। इस दौरान छात्राओं ने जमकर हूटिंग कर अपनी साथी छात्राओं का हौसला बढ़ाया। फिल्मी गीतों, लोकगीतों पर प्रतिभागियों ने जब मंच पर प्रस्तुति दी तो सभागार में बैठी कमोबेश हर छात्रा झूमने को विवश हो गई। छात्रसंघ उपाध्यक्ष प्रियंका ढाका ने बताया कि दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् अतिथियों व निर्णायकों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने कहा कि अच्छे संस्कार से अच्छे समाज का निर्माण होता है। छात्राओं को शैक्षणिक के साथ सहशैक्षणिक गतिविधियों में भी छात्राओं को मंच प्रदान किया जाना चाहिए ताकि उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो सके। तीन दिन तक चले इस रंगारंग आयोजन में बी. कॉम, बीएससी व बीए प्रथम वर्ष की छात्राओं ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. अनुसूया जसोल व डॉ. कामना शर्मा थी। संचालन गोतमचंद गांधी ने किया। निर्णायक डा. जतन कंवर जैन व डा. मीनाक्षी बोराणा थीं।

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बावा, सह-सम्पादक: रामनिवास चौधरी, अजय अस्थाना, अचलसिंह मेड़तिया, परामर्श मण्डल: डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, लेआउट: संतोष कुमार प्रजापत, प्रकाशक: जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति

अंक: 08 • माह: सितम्बर • वर्ष: 2016

पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी पर

83 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने किया रक्तदान

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी जयन्ती पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एन.एस.एस. के 83 स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हमारा सम्पूर्ण राष्ट्र एवं राज्य पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी रक्तदान कर मना रहा है। प्रो. सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान एवं रक्तदान जीवनदान के बराबर है। मनुष्य को जीते जी रक्तदान एवं मरणोपरान्त नेत्रदान करना चाहिए जिससे मनुष्य जन्म सार्थक होगा। सिंडिकेट सदस्य एवं पूर्व समन्वयक प्रो. चेनाराम चौधरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक हर वर्ष सैकडों की संख्या मे रक्तदान करते हैं, जब स्वैच्छिक रक्तदान केवल 3 प्रतिशत होता था। उस समय एन.एस.एस. रक्तदान को प्रेरित करने के लिए रक्तदान शिविरों का आयोजन करता था। एन.एस.एस. के समन्वयक प्रो. जेताराम बिश्नोई ने बताया कि नया परिसर में विज्ञान संकाय तथा कला संकाय के 53 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया तथा कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने रैली के रूप में पुराना परिसर पहुंच कर रक्तदान किया। प्रो. बिश्नोई ने बताया कि पुराना परिसर मे विधि संकाय, कमला नेहरू महिला महाविद्यालय तथा वाणिज्य संकाय के 30 एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। 45 छात्राओं को वजन एवं उम्र कम होने की वजह से इस वर्ष रक्तदान न कर अगले वर्ष या आवश्यकता पड़ने पर रक्तदान करने को प्रेरित किया गया।

शिविर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के.आर. मेघवाल तथा डॉ. ओमप्रकाश राजपुरोहित ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के.आर. पटेल, डॉ. बी. आर. गड़ी, डॉ. के.आर. गेनवा, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. आर.पी. सारण, डॉ. अनुराग चौधरी, डॉ. शरद बिस्सा, डॉ. के.आर. मेघवाल, डॉ. निधी, डॉ. बीना भाटिया, डॉ. पंकज नामा, डॉ. धनंज्या अमरावत, डॉ. अन्जू अग्रवाल, डॉ. क्षीतिज महर्षि, डॉ. ओमप्रकाश राजपुरोहित, डॉ. महेन्द्र सिंह राजपुरोहित भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर

विश्वविद्यालय परिसर में सघन सफाई अभियान

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 66वें जन्मदिवस पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में 17 सितम्बर को सघन सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के तहत् विश्वविद्यालय के पुराना परिसर, नया परिसर, एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज, के.एन. कॉलेज तथा केन्द्रीय कार्यालय में कंटीली झाड़ियों को हटाया गया तथा कचरे को इकट्ठा कर उसका निस्तारण किया गया। कार्यालयों में सफाई की गई। वहीं के. एन. कॉलेज में छात्राओं, शिक्षकों व कर्मचारियों द्वारा सफाई, पौधरोपण के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लिए केक काट कर उनकी लंबी उम्र की कामना की गई। केंद्रीय कार्यालय में सफाई अभियान के दौरान परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेताराम बिश्नोई, जनसंपर्क अधिकारी श्री रामनिवास चौधरी, सहायक कुलसचिव परीक्षा अनुभाग श्री हीरालाल मीणा, सहायक कुलसचिव गोपनीय शाखा श्री छोटेलाल मीणा, सहायक कुलसचिव अकादमिक शाखा श्री ऋषिराज गांधी, कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री अनिल पंवार, कर्मचारीगण व छात्र मौजूद रहे।

छात्रावासों में विशेष सफाई अभियान

इसी तरह नया परिसर स्थित पीजी कन्या छात्रावास एवं एसटी कन्या छात्रावास में स्वच्छ भारत अभियान के तहत सफाई अभियान चलाया गया। छात्रावास अधीक्षिका डॉ रेनू शर्मा एवं डॉ मीनाक्षी मीणा तथा दोनों छात्रावासों की छात्राओं ने सफाई अभियान में हिस्सा लिया। वहीं कमला नेहरू छात्रावास में 'क्लीन हास्टल, ग्रीन हास्टल' का आगाज किया गया। स्वच्छता अभियान के तहत् छात्रावास के आस-पास में लगी कंटीली झाडियों को हटा कर साफ-सफाई की गयी। वार्डन डॉ. बीना भाटिया ने बताया कि हास्टल की सभी छात्राओं ने इसमें सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के तहत् हास्टल में लगे हरबल गार्डन की सार संभाल भी की गई।

दिव्यांगों ने भी किया श्रमदान

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर प्रज्ञा निकेतन छात्रावास संख्या 4 के दिव्यांगों ने श्रमदान कर छात्रावास परिसर की साफ-सफाई की। प्रज्ञा निकेतन की अध्यक्ष डॉ. कुसुमलता भण्डारी और छात्रावास अधीक्षक डॉ. मीना बरडिया ने श्रमदान में हिस्सा लेते हुए दिव्यांगों को श्रमदान के महत्त्व से अवगत कराया। इस सफाई अभियान में छात्रावास के सभी कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

डिजिटल इंडिया पर कार्यशाला

भारत सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली एवं युवा मामलात एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से प्रायोजित तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित डिजिटल इंडिया यूनिवर्सिटी कार्यशाला का उद्घाटन लाचू मेमोरियल कॉलेज ऑफ साईस एण्ड टेक्नोलॉजी के सभागार में हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने कहा कि आज प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम से जुडे। यह कार्यक्रम नागरिकों को बेहतर सुविधा देने का कार्यक्रम है ताकि वे अपना हर कार्य ऑनलाइन सम्पन्न करवा सकते हैं। उन्होने युवाओं का आह्वान किया कि वे इस कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचायें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिण्डीकेट सदस्य तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व समन्वयक प्रो. चेनाराम चौधरी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना पूरे देश में चेतना जागृत करने की पर्याय रही है। चाहे स्वैच्छिक रक्तदान का कार्यक्रम हो, पौधारोपण या स्वच्छता अभियान। एन.एस.एस. के स्वयंसेवक अपने श्रमदान से अलग ही पहचान बनाते हैं और आज ये युवा डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम से जुड़कर इस अभियान को लोगों तक पहुंचायेंगे।

प्रारम्भ में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जेताराम बिश्नोई ने अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला का परिचय दिया। विशिष्ठ अतिथि प्रो. राजीव माथुर, फनीराज शेखर, रमेश चन्द देवान्दा ने भी डिजिटल इंडिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। एनएसएस के क्षेत्रीय उपनिदेशक एस.पी. भटनागर ने धन्यवाद व्यक्त किया।

प्रो. जेताराम बिश्नोई ने बताया कि इसके पश्चात प्रथम सत्र में पांच महाविद्यालयों जी.डी. कॉलेज, नाकोडा कॉलेज, व्यास कॉलेज, सुमेर कॉलेज तथा एनी बिसेंट कॉलेज के बीच डिजिटल इण्डिया की थीम ई-हॉस्पिटल, ई-साइन, ई-वेस्ट, ई-टिकट आदि को लेकर नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता हुई। द्वितीय सत्र में डिजिटल इंडिया पर क्वीज प्रतियोगिता में पांच महाविद्यालयों ने भाग लिया। वहीं तृतीय सत्र मे थिंक, थोट एवं एक्यूट पर पांच महाविद्यालय के प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे तथा अन्तिम एवं चतुर्थ सत्र में डिजिटल इंडिया पर पोस्टर प्रतियोगिता में सभी 21 महाविद्यालयों ने भाग लिया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त श्री रतन लाहोटी ने डिजिटल इंडिया की ग्रामीण क्षेत्र में उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गांव में ई-मित्र पर ओबीसी सर्टिफिकेट, राशन कार्ड, नरेगा कार्ड, आधार कार्ड, भामाशाह कार्ड आदि सुविधाएं मिली हैं। अध्यक्षता करते हुए शिक्षाविद् प्रो. आर.एल. माथुर ने राष्ट्रीय सेवा योजना एवं डिजिटल इंडिया के संयुक्त तत्वाधान मे किये गये कार्यों पर प्रकाश डाला। समारोह में अतिथियों द्वारा प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर रहने वाले महाविद्यालय की टीम को सर्टिफिकेट एवं डिजिटल इंडिया की ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के.आर. पटेल, के.आर. गेनवा, बी.आर. गड़ी, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. आर. पी. सारण, डॉ. अनुराग चौधरी, डॉ. शरद बिस्सा, डॉ. के.आर. मेघवाल, डॉ. अर्जुनलाल मीणा, डॉ. ओमप्रकाश आदि ने भी कार्यशाला को सम्बोधित किया।

ऐसे जियो जैसे कि तुम कल मरने वाले हो, ऐसे सीखो की तुम हमेशा के लिए जीने वाले हो...

समारोहपूर्वक मनाया गया 'हिन्दी दिवस'

…विद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा 14 … दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। इस … पर कला शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. धर्मचन्द जैन ने कहा कि हिन्दी आज बहुत लोकप्रिय है और इसमें असीम संभावनाएं हैं। यह विश्व की भाषा है विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में हिन्दी की शिक्षा दी जाती है। यदि व्याकरणिक नियमों की कठिनाइयों को दूर कर दिया जाए और इसमें कुछ सुधार कर इसे और सरल और सरस बना दिया जाए तो हिन्दी में *निसंदेह वैश्विक स्तर पर सभी भाषाओं का सारतत्व है। उन्होंने कहा कि हिन्दी के वैशिष्ट्य को विश्व स्तर तक महत्व दिया जा रहा है।* हिन्दी एक … साहित्य और …के रूप में कार्य कर रहा है।

हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. देवेन्द्र सिंह गौतम ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि आज गौरव का दिन है। हिन्दी ने आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका अदा की है। आज जरूरत है कि हम अपनी सोच को बदलें तथा अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में भी हिन्दी के विस्तार की संभावनाओं को टटोल कर उसको समृद्ध करें। उन्होंने देवनागरी लिपि पर बल देते हुए कहा कि इस लिपि के माध्यम से ही हिन्दी का विकास होगा। डॉ. नरेन्द्र मिश्र ने हिन्दी की व्याप्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी दिवस रचनात्मक संकल्प का दिन है। हिन्दी सभी भाषाओं का संयुक्त परिवार है। इस अवसर पर हिन्दी के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने भाषण एवं काव्य प्रस्तुतियाँ देकर हिन्दी की देन को रेखांकित किया। जितेन्द्र यादव, जगदीश, दिव्या राजपुरोहित, प्रियंका शर्मा, माया चौहान, तनवीर शेखावत तथा हनुमन्त सिंह रतनू ने अपने उद्गारों से हिन्दी की दिशा एवं दशा को रेखांकित किया जबकि स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध की छात्रा राधिका, अनीता, प्रेम तथा स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध की छात्राएँ भावना सोलंकी, एकता व्यास एवं शोध छात्र धूलचन्द मीणा ने हिन्दी के विविध संदर्भों से युक्त कविताओं की प्रस्तुति दी। इसके पूर्व एम.ए. हिन्दी की छात्राएं एकता व्यास, प्रियंका शर्मा एवं माया चौहान ने सरस्वती वंदना तथा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। अंत में सहायक आचार्य डॉ. कामिनी ओझा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय, हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. एस. के. मीणा, प्रो किशोरीलाल रैगर सहित समस्त सहायक आचार्यों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के साथ संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र कुमार, राजस्थानी विभाग के सहायक आचार्यडॉ. मीनाक्षी बोराणा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में हिन्दी सप्ताह के तहत व्याख्यानमाला

हिन्दी सप्ताह के तहत कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में 19 सितम्बर को व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय, अध्यक्ष पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने हिन्दी को लोक की भाषा कहते हुए बताया *कि हिन्दी भारतीय संस्कृति की संवाहक है। हिन्दी, सम्प्रेषण की सुविधा के कारण सरलीकरण की ओर उन्मुख हुई है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि लब्धप्रतिष्ठित कथाकार एवं आलोचक श्रीमती दीप्ति कुलश्रेष्ठ ने हिन्दी को भारत के समुन्नत, ललाट की बिन्दी और गौरव बताया।* 'अद्भुत-यात्रा', 'कहाँ है प्यार' कविताओं का गान करते हुए उन्होंने हिन्दी के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. देवेन्द्र कुमार सिंह गौतम, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग ने हिन्दी-दिवस को आत्मनिरीक्षण का दिवस बताया। उन्होंने हिन्दी के 'राजभाषा' बनने की यात्रा के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर अपना वक्तव्य देते हुए हिन्दी के महत्त्व को रेखांकित किया। कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की निदेशक प्रो. पूनम बावा ने स्वागत-उद्बोधन दिया एवं हिन्दी की लिपि देवनागरी की वैशिष्ट्य बताया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कैलाश कौशल, अतिरिक्त निदेशक रहीं। कार्यक्रम का संचालन मीता सोलंकी, सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग ने किया तथा धन्यवाद-ज्ञापन डॉ. कामिनी ओझा, सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग ने किया। कार्यक्रम में डॉ. नरेन्द्र मिश्रा, डॉ. विनिता चौहान, डॉ. धनंज्या अमरावत, डॉ. आशा राठौड़, डॉ. हितेन्द्र गोयल, डॉ. रेणु शर्मा उपस्थित रहे। छात्राओं ने अपनी स्वरचित कविताओं के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

हिन्दी पख…ड़े के तहत बही हिन्दी कविता की अविरल सुरसरिता

विश्ववि…य के हिन्दी विभा… द्वारा हिन्दी पखवाड़े के तहत काव्य एवं भाषण प्रतियोगिता का पुराने परिसर के कला संकाय में आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्यअतिथि एवं मुख्य वक्ता सुप्रसिद्ध … डॉ. … शर्मा ने कहा कि हिन्दी सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाली तथा विश्व में … भाषा है। उन्होंने विश्व हिन्दी सम्मेलन के संस्मरण को सुनाते हुए प्रसिद्ध … हिन्दी मनीषी सुधीश पचौरी तथा प्रसिद्ध कथाकार चित्रा मुद्गल के उद्गारों के हवाले से … कि हिन्दी निरंतर प्रगति कर रही है और उसे माँ के समान प्यार करना चाहिए।

उन्होंने इस अवसर पर उठना, देना, नसैनी तथा औरत कविता का पाठ किया जिसे विद्यार्थियों ने सर्वाधिक पसंद किया। उन्होंने कहा कि कितना भी सँभालो जो गिरता है वही उठता है और बीज की तरह गिरो और फसल की तरह उठो। देना कविता में उन्होंने कहा कि पेड़ देता फल, नदी देती जल फूल देता खुशबू। बिना ही चाहत के देना ही असल देना है। नसैनी कविता के माध्यम से भाव व्यक्त करते हुए डॉ. पद्मजा ने कहा वो मुझसे कहते हैं कि तुम कमजोर हो रास्ते से हट जाओ, मैं फिर भी नसैनी की तरह खड़ी रही। विद्यार्थियों को सर्वाधिक औरत कविता पसंद आयी। इस कविता में नारी विमर्श का पुट है। बकौल पद्मजा शर्मा "मैं सीधी चली तो बोले बनती है, टेली चली तो बोले प्यादल है, मैं रूकी तो बोले हार गई, मैं झुकी तो बोले रीढ़ नहीं है, मैं बैठ गई तो बोले हिम्मत टूट गई, मैं उठी तो बोले घमंडी है, मैं चुप रही तो बोले घुन्नी है, मैं बोली तो बोले जुबान कतरनी है। इसके माध्यम से स्त्री की मनोदशा … सुंदर वर्णन किया गया।

हिन्दी के संदर्भ में मुनव्वर राणा की गजल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि "माँ से लिपट जाता हूँ तो मौसी मुस्कराती है। उर्दू में गजल कहता हूँ तो हिन्दी मुस्कराती है।" इस अवसर पर हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रेमसिंह ने कहा कि अन्य भाषाओं से भी हिंदी समृद्ध हुई है। डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि आज विश्व में हिन्दी के अध्यापकों की सर्वाधिक जरूरत है। इस अवसर पर बीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थी सुनील चकेणिया और रमेश ने हिन्दी कविता प्रस्तुत किया जबकि विकास कुमार, रामरूप मीणा तथा कार्तिक राजपुरोहित ने हिन्दी के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन करते एवं बीज वक्तव्य देते हुए डॉ. नरेन्द्र मिश्र ने हिन्दी की दशा एवं दिशा का चित्रण करते हुए वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी के स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने लॉर्ड मैकाले के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि सन् 1935 में ही भारतीयों को काला अंग्रेज बनाने की मंशा व्यक्त की गई थी। अभिमन्यू अनत की कविता एवं गणेश शंकर विद्यार्थी के विचारों के माध्यम से हिन्दी भाषा की आजादी का प्रश्न उठाते हुए उन्होंने कहा कि देश की आजादी से ज्यादा भाषा की आजादी की जरूरत होती है, क्योंकि भाषा से संस्कृति जुड़ी हुई है और किसी की संस्कृति को नष्ट करना उसके राष्ट्र को नष्ट करना है। कार्यक्रम के अंत में हिन्दी के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीणचंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर

विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के.आर. पटेल ने योजना के उद्देश्य एवं गतिविधियों से अवगत कराया। इस शिविर में 23… स्वयंसेवकों ने पंजीयन करवाया। स्वयंसेवकों ने शिविर के दौरान संकाय में स्वच्छता अभियान चलाया तथा संकाय में उग रही कंटीली झाड़ियों को हटाने के साथ श्रमदान भी किया।

के एन कॉलेज में छात्राओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम

के एन कॉलेज की छात्राएं अब शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ कौशल विकास जैसे कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेंगी। कमला नेहरू महिला महाविद्यालय व टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विश्वविद्यालय छात्र कौशल विकास कार्यक्रम के तहत छात्राओं के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय में 2 बैच बनाकर 27 सितम्बर से फाउंडेशन कोर्स के अंतर्गत इंग्लिश कम्यूनिकेशन कोर्स का संचालन शुरू कर दिया गया। इसके साथ ही इस वर्ष के अंत में यूथ लीडरशिप एंड पीपल स्किल, लीगल लिट्रेसी, फाइनेंशियल लिट्रेसी, डिजिटल लिट्रेसी और वर्किंग विद कम्यूनिकेशन के बारे में प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस कार्यक्रम की अवधि तीन वर्ष की होगी। प्रशिक्षण हासिल करने वाली सभी छात्राओं को हर चरण के लिये प्रमाण पत्र व अंकतालिका प्रदान की जायेगी। इससे पूर्व इस आशय का एक करार कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह और के एन कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा की मौजूदगी में संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक प्रदीप गुप्ता व कार्यक्रम अधिकारी कंचन जसमतिया के बीच हुआ।

दिव्यांग विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

चंडीगढ़ में गवर्मेंट रिहेबिलिटेशन इंस्टीट्यूट फॉर इंटलेक्यूचल डिसएबिलिटी ग्रिड की ओर से आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स मीट में विश्वविद्यालय के टेप्से एंड हेप्सन के 14 दिव्यांग विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन छात्रों ने क्रिकेट, बैडमिंटन सिंगल्स एवं डबल्स में अपना दमखम दिखाया। इसमें चयनित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अवसर मिलेगा। इन दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ केन्द्र के तीन प्रशिक्षक जेठाराम, महिपाल सिंह एवं हर्षवर्धन सिंह खींची भी चंडीगढ़ गए एवं विद्यार्थियों का हौंसला बढ़ाया।

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ की स्थापना में जेडीए करेगा सहयोग

जेडीए अध्यक्ष प्रो. राठौड़ का जेएनवीयू वाणिज्य संकाय में अभिनंदन

जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ.महेन्द्रसिंह राठौड़ का 20 सितम्बर को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन संकाय में भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। संकाय शिक्षकों की ओर से आयोजित इस स्वागत एवं अभिनंदन समारोह में प्रो. राठौड़ ने कहा कि मैं अपने मातृ संस्थान में आया हूं। आप हैं तो मैं हूं। प्रो.राठौड़ ने विश्वविद्यालय एवं संकाय के विकास में पूरा सहयोग करने का भरोसा दिलाया और कहा कि संकाय की ओर से स्थान उपलब्ध करवाने पर विश्वविद्यालय के पुराने परिसर में उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ स्थापित करने में जेडीए पूर्ण सहयोग करेगा। प्रो. राठौड़ ने कहा कि शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए अलग से कॉलोनी विकसित करने संबंधी प्रस्ताव आने पर सकारात्मक तरीके से उस पर विचार किया जाएगा। यह कार्य उनकी प्राथमिकता में रहेगा। विश्वविद्यालय शिक्षकों की अन्य समस्याओं के संबंध में भी प्रो.राठौड़ ने शिक्षकों को सहयोग करने का भरोसा दिलाया।

संकाय अधिष्ठाता प्रो. पी.के. भंडारी ने साफा व प्रो. राजन हांडा ने शॉल ओढ़ाकर प्रो.राठौड़ का अभिनंदन किया। प्रो. रमन कुमार दवे ने श्रीफल भेंट किया। प्रो. दवे ने कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने प्रो.राठौड़ को जेडीए अध्यक्ष नियुक्त कर शिक्षकों को मान बढ़ाया है। प्रोफेसर राजन हांडा ने उम्मीद जताई कि प्रो.राठौड़ के नेतृत्व में शहर का चहुंमुखी विकास होगा। पूर्व अधिष्ठाता प्रो. आर.सी.एस. राजपुरोहित ने कहा कि प्रो.राठौड़ को जेडीए अध्यक्ष नियुक्त करने से विश्वविद्यालय का शिक्षक समुदाय गौरवांवित महसूस कर रहा है।

पूर्व सिण्डीकेट सदस्य डॉ.डी.एस.खीची ने विश्वास जताया कि राठौड़ के नेतृत्व में शहर की तस्वीर बदलेगी। छात्रसंघ अध्यक्ष कुनालसिंह भाटी, संकाय उपाध्यक्ष भवानीसिंह राठौड़, सचिव बबलू सोलंकी, सहायक कुलसचिव श्री दीपक मेहता सहित संकाय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने प्रो. राठौड़ को फूलमालाओं से लाद दिया।

विश्व शांति का लिया संकल्प

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के प्रांगण में 21 सितम्बर को विश्व शांति दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। हार्टफुलनेस इंस्टिट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विश्व शांति की स्थापना हेतु छात्राओं को आध्यात्मिक जीवन शैली की ओर प्रेरित करना था। कार्यक्रम में प्रो. विमला शेरोन ने छात्राओं को ध्यान-योग हेतु उद्बोधन दिया गया एवं ध्यान क्रिया कराई। इस अवसर पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। श्रीमती वीणा लाहोटी, कुलसचिव, राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय ने छात्राओं को सकारात्मक जीवन जीने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि मानसिक शांति के लिए हृदय में प्रेम का वास आवश्यक है। कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने कहा कि प्रेम से परिपूर्ण हृदय समाज में प्रेम का विस्तार करेगा जिससे हिंसा का अंत और विश्व शांति स्थापित हो सकेगी। छात्राओं ने विश्व शांति हेतु संकल्प लिया एवं मोमबत्तियां जलाकर शांति मार्च किया। इस दौरान उरी के शहीद सैनिकों के सम्मान में दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

भारतीय वायु ... भविष्य

विश्वविद्यालय के नया परिसर स्थित कॅरियर काउंसलिंग सेल के सभागार में 15 सितम्बर को भारतीय वायुसेना द्वारा कॅरियर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वायुसेना के विंग कमान्डर सौरव चक्रवर्ती ने छात्रों को वायुसेना में विभिन्न पदों पर भर्ती सम्बन्धी जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने अपने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विभिन्न पदों की योग्यता, निर्धारित परीक्षण, लिखित परीक्षा, शारीरिक तथा विशेष परीक्षण की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न पदों के चयन के बारे में भी विस्तार से समझाया। शिविर का उदघाटन मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. पी.के. शर्मा ने किया। विशिष्ट अतिथि सिंडीकेट सदस्य प्रोफेसर कैलाश डागा ने विद्यार्थियों के लिए ऐसे शिविर को उपयोगी बताया। कॅरियर कॉउन्सलिंग सेल के ... डॉ. विकल गुप्ता के अनुसार 120 विद्यार्थियों ने जॉब व कॅरियर जानकारी के ... । शिविर में डॉ. सतीश हरित ने कम्यूनिकेशन स्किल ... संचालन डॉ. श्वेता गहलोत व कार्यालय सहायक ... केन्द्र निदेशक डॉ. विकल गुप्ता के अनुसार समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिससे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और उन्हें जीवन में सफल होने के लिए कॅरियर सम्बन्धी प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने बताया कि, अक्टूबर माह में कॅरियर मेले का आयोजन किया जाएगा।

इंजीनियरिंग कॉलेज की गतिविधियां

डीन प्रो. कमलेश पुरोहित के मार्गदर्शन में पूरे कैंपस में टीचर्स एवं स्टूडेंट्स द्वारा पौधरोपण किया गया।

गणेश महोत्सव की धूमः छात्र-छात्राओं ने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया व हर्षोल्लास के साथ गणेशजी को विदा किया।

कंस्ट्रक्शन वर्कशॉपः आर्किटेक्चर एण्ड टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट की ओर से आयोजित वर्कशॉप।

रक्तदान शिविरः कैंपस व एनएसीसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान को लेकर उत्साह रहा।

क्रीड़ा परिषद का गठन

विश्वविद्यालय क्रीड़ा मंडल की ओर से संभागीय स्तर पर खेलकूद गतिविधियों के विकास एवं अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने खेलकूद को शिक्षण संस्थाओं के महत्वपूर्ण अंग के रूप में रेखांकित किया एवं अच्छे खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करने के लिए खेलकूद गतिविधियों के नियमित आयोजन पर बल दिया। इस अवसर पर गठित क्रीड़ा परिषद् में प्रो. एस.के. परिहार को अध्यक्ष एवं डॉ. बी.एल. दायमा को सचिव मनोनीत किया गया तथा ग्यारह अन्य सदस्यों को भी शामिल किया गया। यह परिषद् अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन में सहयोग एवं समन्वयन का कार्य करेगी।

डॉ. मीणा सम्मानित

अखिल भारतीय दर्शन परिषद् के 61वें अधिवेशन में विश्वविद्यालय दर्शनशास्त्र विभाग के सह आचार्य डॉ. औतारलाल मीणा ने भाग लिया। बिहार के पटना विश्वविद्यालय में आयोजित इस अधिवेशन में डॉ. मीणा को उनकी लिखी पुस्तक 'धर्मशास्त्र परम्परा एवं वर्तमान विधि में नारी अधिकारों के विभिन्न आयाम के लिए परिषद की ओर से वैध गणपत जानी (पोलरपुल वाला गुजरात) पुरस्कार 2016 से सम्मानित किया गया। डा. मीणा ने अधिवेशन के दौरान धर्ममीमांसा विभाग के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन् को किया याद

महान शिक्षाविद् पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्म दिवस को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया।

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय स्थित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आर. पी.सिंह, सिण्डीकेट सदस्य प्रो. कैलाश डागा, कमला नेहरू कॉलेज की निदेशक प्रो.पूनम बावा, डॉ.एच. एस.राठौड़, सांयकालीन संस्थान के निदेशक डॉ.चन्द्रशेखर, परीक्षा नियंत्रक प्रो.जैताराम विश्नोई सहित अनेक शिक्षकों ने महान शिक्षाविद् को पुष्प अर्पित किए।

डॉ. यादराम मीना को शिक्षक सम्मान-2016

विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में कार्यरत सह-आचार्य डॉ यादराम मीना को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में की गई उल्लेखनीय सेवाओं के लिए 'राजीव गांधी सद्भावना एवं ग्रामोत्थान संस्थान' जयपुर द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर 'पंचम राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक सम्मान' से सम्मानित किया गया।

कृषि प्रदर्शनी में भागीदारी

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर काजरी में 21 सितम्बर को आयोजित किसान मेला एवं कृषि नवाचार दिवस के अवसर पर आयोजित कृषि प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं ने भाग लिया। इन छात्राओं ने गृह विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की वस्तुओं का प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में किसानों और महिलाओं ने इनके स्टॉल का अवलोकन किया।

पीएच.डी. कोर्सवर्क का शुभारंभ

शोध एक तपस्याः प्रो. अवस्थी

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के शोधार्थियों के लिए कोर्सवर्क का समारोहपूर्वक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कला संकाय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. नरेन्द्र अवस्थी ने कहा कि शोध राग द्वैष रहित होकर आगे बढ़ाना चाहिए तथा शोधार्थियों को निभ्रांत होकर शोध करने की आवश्यकता है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि शोध एक तपस्या है और इस तपस्या में ज्ञान का अर्जन निष्ठा और ईमानदारी से करना चाहिए। कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान के कार्यवाहक अधिष्ठाता प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि शोध के लिए अनुशासन एवं नियंत्रण जरूरी है। शोध के रास्ते इस कोर्सवर्क में पढ़ाए जायेंगे जिनमें से उचित रास्तों का चयन शोधार्थियों को करना होगा। शोध प्रविधि पर पहला व्याख्यान प्रो. नरेन्द्र अवस्थी ने दिया। उन्होंने ज्ञान के लिए शोध की आवश्यकता, शोध के लिए अभिप्रेरण से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की। द्वितीय व्याख्यान प्रो. के.एन. व्यास (प्रोफेसर एमरेटस) ने शोध प्रविधि का परिचय विषय पर केन्द्रित किया।

प्रारंभ में कोर्सवर्क समन्वयक एवं केएन कॉलेज की निदेशक प्रो. पूनम बावा ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय करवाते हुए पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और शोधार्थियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सह समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष संस्कृत प्रो. प्रभावती चौधरी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि यह शोधार्थियों को सम्पूर्ण दिशा प्रदान करेगा। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. जनक सिंह मीना ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा पर बैठक

कम्प्यूटर शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से राजस्थान समन्वयक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई की श्रीमती निधि सोनी की मौजूदगी में 22 सितम्बर को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय स्थित बृहस्पति भवन सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न सॉफ्टवेयर तथा निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा की जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय की तरफ से विद्यार्थियों को निःशुल्क कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की शिक्षा प्रदान की जाएगी। साथ ही परीक्षा उत्तीर्ण करने पर आईआईटी, मुम्बई की ओर से प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि बाजार में उपलब्ध महंगे कमर्शियल सॉफ्टवेयर के एवज में निःशुल्क सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं।

छात्रसेवा मण्डल करवाएगा महाविद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताएं

विश्वविद्यालय छात्र सेवा मण्डल की ओर से संभागीय स्तर पर विश्वविद्यालय से संबंद्ध महाविद्यालय, संकायों एवं संस्थानों में वाद-विवाद, निबंध एवं सामान्य ज्ञान की लिखित प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके लिए छात्रसेवा मण्डल ने तैयारियां आरंभ कर दी हैं। छात्र सेवा मंडल के सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत ने बताया कि महाविद्यालय, संस्थान, संकाय में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में से दो-दो श्रेष्ठ विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। संबंधित संकाय को इसकी जानकारी छात्र सेवा मण्डल में 20 अक्टूबर, 2016 तक भेजनी होगी। चयनित विद्यार्थियों को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अवसर दिया जाएगा। साथ ही चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिबद्ध प्रया... ...र जोर

भारत महाविद्यालय मंच, नई दिल्ली तथा जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 22वां राष्ट्रीय सम्मेलन गहन वैचारिक मंथन का अवसर उपलब्ध कराने में सफल ...सम्मेलन के प्रतिभागियों ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए उच्च ... में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों का अन्तर कम करने के लिए ... प्रयासों की आवश्यकता प्रतिपादित की। ...कोत्तर महाविद्यालय एवं लाचू मेमोरियल ... साझा मेजबानी में आयोजित किया गया। ...कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने सम्मेलन का ... सभी अतिथि प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। प्रो. सिंह ने अपने संबोधन में सम्मेलन के विचारणीय विषय के विभिन्न आयामों को रेखांकित किया और कहा कि देश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की स्थितियों में जो अन्तर है, उसे दूर करने के लिए समवेत प्रयासों की आवश्यकता है। प्रो. सिंह ने वर्तमान शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए राधाकृष्णन आयोग की सिफारिशों के बारे में अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि
दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की कुलपति प्रो. कविता

शर्मा ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि शिक्षा समाज का आधार स्तंभ है और आज के वैश्वीकरण के युग में शिक्षा का सार्वभौमिक महत्व है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छात्र-शिक्षक अनुपात एक ज्वलंत समस्या है जिस पर विचार-विमर्श अपेक्षित है। फोरम के अध्यक्ष प्रो. जी.डी. शर्मा ने संस्था की स्थापना और कार्यों के बारे में बताते हुए भावी योजनाओं से अवगत कराया। सचिव प्रो. बी.के. त्यागी ने अपने संबोधन में शिक्षण-प्रशासन पर चर्चा करते हुए कहा कि इसमें भावनाओं एवं संबंधों की जरूरत नहीं होती है। इस अवसर पर उपस्थित विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं कुलपतियों को पुष्पहार, साफा, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सांयकाल सम्मेलन के प्रतिभागियों ने स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोक नृत्य एवं लोकगीतों के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद उठाया।

सम्मेलन का समापन महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की कुलपति प्रो. चन्द्रकला पडिया के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। अपने संबोधन में प्रो. पडिया ने कहा कि उच्च शिक्षा के लक्ष्यों का ज्ञान सबसे ज्यादा आवश्यक है। उच्च शिक्षा एवं ग्रामीण शिक्षा के बीच की खाई को तभी भरा जा सकता है जब हम प्राथमिक शिक्षा को बुनियादी महत्व प्रदान करें। प्रो.पडिया ने कहा कि केवल सैद्धांतिक सुझाव देने से कुछ नहीं होगा, हमें व्यावहारिक प्रयोग पर सर्वाधिक ध्यान देना होगा।

सम्मेलन के दौरान आयोजित विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता निभायी और विषय के विविध आयामों पर गहन विचार-विमर्श किया। समापन सत्र में प्रो. एवी कुरियाकोसे ने सम्मेलन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा फोरम के अध्यक्ष प्रो. जी.डी शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में परिसर साक्षात्कार

...रिता एवं जनसंचार विभाग में सितंबर माह में परिसर साक्षात्कार आयोजित किए गये। नोएडा स्थित ई एन कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, एपीएन न्यूज चैनल के निदेशक प्रो. बी आर गुप्ता तथा कम्पनी के मानव संसाधन उपनिदेशक लोकेश शर्मा और उनकी टीम ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध के साथ शोधार्थियों एवं अध्येयतावृत्ति के छात्रों का लिखित एवं मौखिक साक्षात्कार किया गया। सह आचार्य डॉ. नरेन्द्र मिश्र ने बताया कि यह समाचार चैनल अभी तक उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड तथा उत्तराखण्ड में क्षेत्रीय चैनल के रूप में कार्य कर रहा था। अब इसे राष्ट्रीय चैनल बनाया जा रहा है, जिसके लिए समाचार संवाददाताओं की आवश्यकता है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय ने बताया कि विभाग के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए इस साक्षात्कार का आयोजन किया गया। इस साक्षात्कार को कई चरणों में संपन्न किया गया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों की संप्रेषण क्षमता तथा उनकी भाषा-शैली के बारे में परीक्षण किया गया। अंत में प्रत्येक विद्यार्थी का मौखिक साक्षात्कार लिया गया। इसमें सामान्य ज्ञान, जागरूकता, भाषा दक्षता तथा समसामयिक घटनाओं की जानकारी का परीक्षण किया गया।

निजी महाविद्यालयों के संगठन का समारोह

विश्वविद्यालय से संबंद्ध जोधपुर संभाग के निजी महाविद्यालयों ने अपने संगठन के बैनर पर सम्मेलन आयोजित किया। इसमें संभाग के निजी महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने निजी महाविद्यालयों के एकीकृत विकास की आवश्यकता बताते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्पन्न चुनौतियों से अवगत कराया तथा इनके समाधान के लिए समग्र एवं संगठित प्रयासों पर बल दिया। इस अवसर पर कार्यवाहक कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेताराम विश्नोई ने महाविद्यालयों के विकास के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में प्रो. औतारलाल मीणा ने निजी महाविद्यालयों से संबंधित मार्गदर्शिका के बारे में बताया।सम्मेलन में निजी महाविद्यालयों के विकास के लिए सात सदस्यों की समन्वय समिति का गठन किया गया। इस समिति में डॉ. अर्जुन सिंह सांखला, जगदीश सोलंकी, जितेन्द्र गोदारा एवं गोपाल सिंह कच्छवाहा को बतौर सदस्य शामिल किया गया।

...न विभाग में उद्यामिता जागरूकता कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के प्रबन्धन विभाग में 19 सितम्बर को ''सेन्टर फॉर एन्ट्रेप्रेन्योरशिप एण्ड स्मॉल बिजनेस मैनेजमेंट'' के अन्तर्गत उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. नीलम कल्ला ने कहा कि वैश्विक आर्थिक वातावरण की चुनौतियों तथा अवसरों को देखते हुए यह देश के विकास की महत्ती आवश्यकता है कि अधिकाधिक युवाओं में स्वरोजगार तथा व्यवसायोन्मुखी शिक्षा व क्षमता का विकास किया जाए। डॉ. कल्ला ने कहा कि व्यवसायिक शिक्षा के शिक्षार्थियों का प्रायोगिक धरातल पर समताओं का विकास तथा वास्तविक चुनौतियों से आमुखीकरण ही ऐसे कार्यक्रमों का प्रमुख ध्येय है। प्रबन्धन विभाग के प्रावधान में इन उद्यमिता जागरूकता व विकास कार्यक्रमों की एक श्रंखला आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मरूधरा मोटर्स के अध्यक्ष तथा जोधपुर शहर के अग्रणी व्यवसायी श्री टी.आर. भण्डारी ने ''उद्यमिता तथा लघु उद्योग प्रबंधन- राजस्थान में चुनौतियॉ व अवसर'' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि राजस्थान स्वयं ही उद्यमियों व व्यवसायियों की धरा है तथा यदि यहां के विद्यार्थियों को यथोचित व्यवसायोन्मुख शिक्षा व क्षमताएं प्रदान की जाएं तो नि:संदेह यहां के उद्यमियों का कोई मुकाबला नहीं होगा।

विश्वविद्यालय में गुरू जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ की स्थापना

राजस्थान के राज्यपाल एवं *जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महामहिम श्री कल्याण सिंह के आदेशानुसार* तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह के निर्देशानुसार जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में ''गुरू जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ'' की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक तथा गणित एवं सांख्यिकी के प्रोफेसर डॉ. जेताराम बिश्नोई को इस शोधपीठ का निदेशक बनाया गया है। प्रो. बिश्नोई ने बताया कि गुरू जम्भेश्वर जी द्वारा जीव एवं प्राणी मात्र के कल्याण के लिए बताये गये 120 शब्दों की शब्दवाणी एवं 29 नियमों की आचार संहिता पर शोध की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि, शोधपीठ के तहत विश्वविद्यालय में शोद्यार्थियों द्वारा इस विषय पर शोध किया जायेगा। जिससे अन्य समाजों के लोगों तक भी गुरू जम्भेश्वर जी द्वारा बताये गये शब्दों तथा नियमों के बारे में अन्य समाज के लोगों को भी जानकारी होगी। ये शब्द एवं नियम जीव एवं प्राणी मात्र के कल्याण के लिए आवश्यक है। यदि जीव एवं प्राणी मात्र इन शब्दों एवं नियमों की पालना करते हो तो अवश्य ही मोक्ष को प्राप्त करेंगे।

इंजीनियर्स डे के रूप में मनाई गई डॉ. विश्वेश्वरैया की जयंती

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के जोधपुर लोकल सेन्टर की ओर से 15 सितम्बर को 49वॉ इंजीनियर्स डे समारोह एवं प्रो. एस. सी. गोयल मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. ए. पी. मित्तल, मेम्बर सचिव, ए.आई.सी.टी.ई, नई दिल्ली थे एवं समारोह की अध्यक्षता प्रो. एन. पी. कौशिक, कुलपति, राजस्थान तकनीकि विश्वविद्यालय, कोटा ने की। विशेष अतिथि ई. आर. के. पाण्डे, मेम्बर (प्रोजेक्ट), राष्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधिकरण, नई दिल्ली थे। मुख्य अतिथि प्रो. ए. पी. मित्तल ने "कोर सेक्टर में सुधार के लिए युवा इंजीनियरों के लिए कौशल विकास: विजन 2025" विषय पर सतीश कुन्ती मेमोरियल स्मृति व्याख्यान प्रस्तुत किया। रक्षा प्रयोगशाला के पूर्व निदेशक डॉ राम गोपाल ने जोधपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एस. सी. गोयल को महान इंजिनियर, शिक्षक व अध्यात्मिक गुणों से परिपूर्ण बताया। समारोह के अध्यक्ष प्रो. एन. पी. कौशिक ने अपने उद्बोधन में इंजीनियरिग कोर सेक्टर रेलवे, भारी उद्योग, सड़क, पुल, जल प्रबंधन विद्युत आदि सभी क्षेत्रों में इंजीनियर्स के कौशल विकास को विकसित करने की आवश्यकता बताई। विशिष्ट अतिथि ई. आर. के. पाण्डे ने कहा की वर्तमान में इंजीनियर्स के लिए न केवल तकनीकी ज्ञान बल्कि पर्यावरण, नागरिक सुरक्षा, सामाजिक सरोकार, स्वास्थ्य विषय आदि का भी ज्ञान आवश्यक है।

इससे पूर्व इंस्टीट्यशून ऑफ इंजीनियर्स, लोकल सेन्टर जोधपुर के चेयरमैन प्रो. जी.के. जोशी का स्वागत भाषण प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने पढ़ा। प्रो. जय श्री वाजपेयी ने भारत रत्न डॉ. एम. विश्वेश्वरैया की जीवनी का वर्णन करते हुए देश के विकास व मैसूर विश्वविद्यालय की स्थापना में उनके योगदान के बारे में बताया। प्रो मनीष कुमार ने विषय का परिचय दिया।

राजनीति विज्ञान में 18वां पुनश्चर्या कार्यक्रम

राजनीति विज्ञान विभाग एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास केन्द्र जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में 18वां पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अध्यक्षता कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति प्रो.लक्ष्मण सिंह राठौड़ थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सिंडिकेट के सदस्य लोक प्रसन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. गुलाब सिंह चौहान एवं यू.जी.सी. एच.आर.डी.सी. के निदेशक प्रो. पी. के. शर्मा ने अपना उद्बोधन दिया। संचालन डॉ. विजयश्री ने किया एवं विभागाध्यक्ष प्रो.हरदयाल सिंह राठौड़ ने आभार व्यक्त किया। राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से आय इस वां पुनश्चर्या कार्यक्रम में मध्यप्रदेश, छतीसगढ़, उत्तरप्रदेश महाराष्ट्र, हरियाणा, उतराखण्ड एवं राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से राजनीति विज्ञान के प्रतिभा... शामिल हो रहे हैं।

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बावा, **सह–सम्पादक:** रामनिवास चौधरी, अजय अस्थाना, अचलसिंह मेड़तिया, **परामर्श मण्डल:** डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, **लेआउट:** संतोष कुमार प्रजापत, **प्रकाशक:** जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

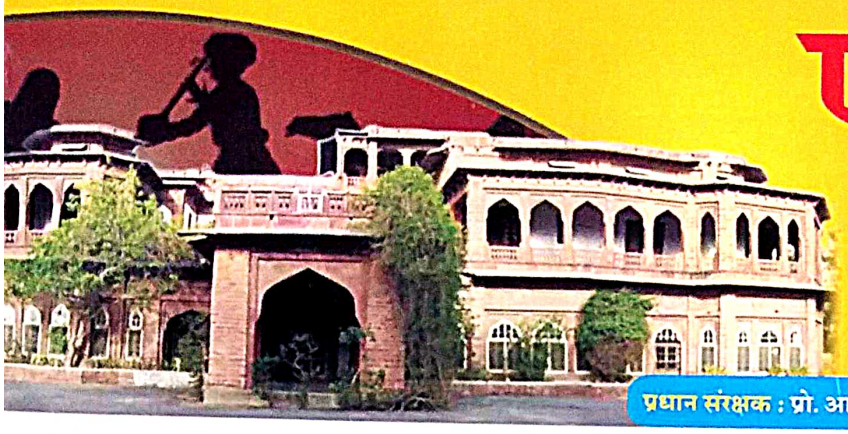

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति • अंक: 15 • माह: सितंबर • वर्ष: 2017

71वाँ स्वतंत्रता दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा 71वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर किया गया। विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय प्रांगण में राष्ट्रीय कैडेट कोर के अधिकारियों की उपस्थिति में विद्यार्थियों ने परेड एवं झण्डे को सलामी दी। इस समारोह में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत इन पंक्तियों के बीच कुलपति ध्वजारोहण के लिए आगे बढे-

राष्ट्रपिता बापू की अहिंसा और नेहरू के सपने
भगतसिंह की हिम्मत और सुभाष का साहस
आजाद की आजादी और तिलक का स्वराज
विवेक का आगाज और भीमराव का संविधान
इन्हीं सपूतों ने बनाया देश हिंदुस्तान।।

और ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्रगान के सम्मान में सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं उपस्थित लोगो ने खड़े होकर एवं संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। स्वतंत्रता दिवस की पावन वेला में छात्राओं ने 'वन्देमातरम्' गीत एवं कुलगीत 'विद्या मन्दिर मेरा महान' की सुन्दर प्रस्तुति दी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में विश्वविद्यालय परिवार के मुखिया प्रो. आर.पी. सिंह ने अपने उद्बोधन संदेश में कहा कि यह राष्ट्रीय पर्व है और इस दिन हम सब मिलकर देश की स्वतंत्रता के लिए प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों को नमन करें, उन्हें याद करें और उनके बलिदान से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र के विकास में भागीदार बनें। आज के दिन हम सभी को संकल्प लेना चाहिए और राष्ट्र की एकता, अखण्डता को बनाए रखते हुए देश को सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से सुदृढ़ बनाने में भूमिका निभानी चाहिए। प्रो. सिंह ने देश के समक्ष खड़ी समस्याओं एव चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए भारत के पड़ौसी देशों के साथ संबंधों एवं समस्याओं को उजागर किया। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर हमारा सैन्य बल सक्षम है और समस्याओं के निस्तारण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ में प्रयास किए जा रहे हैं। कुलपति ने शिक्षकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे सामाजिक कुरितियों को समूल मिटाने में मदद करें, श्रेष्ठ शिक्षा के माध्यम से युवा शक्ति को सिंचित करें जिससे भारत का भविष्य आने वाली पीढ़ियों में सुरक्षित रह सके। देश ने उन्नति की है और देश में संख्यात्मक दृष्टि से अनेक संस्थाएं एवं संगठन स्थापित हुए हैं। आजादी के बाद शिक्षा ने करवट ली है और इसके लिए अनेक सामाजिक कार्यकर्त्ता एवं समाज सुधारकों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान किया है।

कुलपति प्रो. सिंह ने बोलते हुए कहा कि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय का देश में अपना स्थान और पहचान है। यहाँ ऐसे शिक्षक रहे हैं जिन्होंने पूरी दूनियां में अपना नाम कमाया है। आगे संकेत करते हुए कहा कि जल्दी ही 'नैक' का निरीक्षण होगा। अब मात्रात्मक रूप से शिक्षा का प्रचार-प्रसार हुआ है परन्तु इसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में बदलने की आवश्यकता है। अनुशासन बहुत बड़ी चीज है। विश्वविद्यालय के प्रति समर्पण बहुत आवश्यक है। शिक्षकों के अनुभवों का फायदा छात्रों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को मिलना चाहिए तभी हम प्रगति की ओर अग्रसर हो पायेंगे। अन्त में उन्होंने कहा कि विद्यार्थी एवं शिक्षक अनुशासनशील हो जायें तो गुणवत्ता अवश्य आयेगी और सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ देते हुए उद्बोधन समाप्त किया।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गान एवं देशभक्ति गीत पर के.एन. कॉलेज बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा भाविनी ओझा द्वारा नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी।

कार्यक्रम में हिन्दी एवं राजस्थानी भाषा में 'जय नारायण व्यास-व्यक्तित्व एवं विचार' विषयक निबंध प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया गया जिनमें हिन्दी में ईश्वरदान चारण को प्रथम, जितेन्द्रपाल को द्वितीय एवं राजस्थानी में ज्योति को प्रथम व अनोप सिंह को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता करने वालों में डॉ. सुहासिनी, भाविनी ओझा, छात्रों में विक्रम, विनित एवं दिलीप को कुलपति, कुलसचिव एवं वरिष्ठतम अधिष्ठाता द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रोफेसर दुबे को राज्य स्तरीय संस्कृत विद्वत सम्मान

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के संस्कृत विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर सत्य प्रकाश दुबे को जयपुर के रामनिवास बाग के रवीन्द्र सभागार में संस्कृत शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित समारोह में संस्कृत, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी मंत्री किरण माहेश्वरी द्वारा राज्य स्तरीय संस्कृत विद्वत सम्मान से नवाजा गया।

संस्कृत भारती जोधपुर प्रान्त के अध्यक्ष प्रोफेसर सत्य प्रकाश दुबे संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए निरन्तर अपने सहयोगियों के साथ कार्य कर रहे हैं। प्रोफेसर दुबे को व्याकरण सिद्धान्त सुधानिधि नामक महाभाष्य की दुर्लभ पाण्डुलिपि का समालोचनात्मक सम्पादन के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कॅरियर अवॉर्ड प्रदान किया है। अनेक ग्रन्थों के सम्पादक अनुवादक तथा व्याख्याकार प्रोफेसर दुबे को राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर ने श्रेष्ठ संस्कृत शिक्षक सम्मान तथा मारवाड़ नरेश श्रीमान् गजसिंह द्वारा पालकी सिरोपावरोकुरब सम्मान प्रदान किया जा चुका है।

केएन कॉलेज में स्वच्छता पखवाड़ा

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार स्वच्छता पखवाड़ा के तहत आयोजित कार्यक्रम में कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने मोदी सरकार के स्वच्छता मिशन की सराहना करते हुए इसके उद्देश्यों एवं लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती 'स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत' के रूप में मनायी जायेगी। प्रो. बावा ने पर्यावरण के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्राओं का इसमें योगदान करने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी और वर्ष में सौ घण्टे की सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रो. बावा ने स्वच्छता पखवाड़े के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी छात्राओं को सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

स्वच्छता पखवाड़े का आगाज छात्राओं द्वारा एक नुक्कड़ नाटक के मंचन से हुआ। इस नाटक के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण, गैस चूल्हे एवं शौचालय की महत्वता की प्रेरणा दी गई। नाटक का मंचन भाविनी ओझा, पूर्णिमा सारण, अंकिता चौधरी, प्राची, प्रीत एवं रिद्धी ने किया। इस अवसर पर बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा ममता सारण ने स्वच्छता के महत्त्व एवं आवश्यकता पर बल देते हुए इसे सभी छात्राओं को अपने जीवन में उतारने की बात कही। ममता सारण ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सभी सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता अभियान के तहत पान, गुटखा एवं अन्य तम्बाकू उत्पादों पर प्रतिबंध की सराहना करते हुए ड्रेनेज सिस्टम को बेहतर बनाने की अपील की तथा एक कहानी के माध्यम से स्वच्छता का संदेश देने का प्रयास किया।

छात्रा अंकिता चौधरी ने स्वच्छता और भारत के बीच के अन्तर को समाप्त कर आधार स्तर पर इसकी क्रियान्विति पर बल दिया। गौतम चन्द गाँधी ने स्वच्छता को जीवन में उतारने की बात कही। बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा सिमरन ने 'नया अब करके दिखाते हैं, भारत को स्वच्छ बनाते हैं' नामक कविता प्रस्तुत कर स्वच्छता की ओर ध्यान आकर्षित किया। इसी क्रम में नम्रता सिंह, भावना चौहान, दिव्या चौधरी ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अन्त में सभी अतिथियों, शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्राओं का आभार राजनीति विज्ञान के शिक्षक एवं के. एन. कॉलेज प्रोक्टर डॉ. जनक सिंह मीना ने किया।

स्वच्छता पखवाड़े के तहत निबंध प्रतियोगिता संपन्न: जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के छात्र सेवा मण्डल की ओर से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देश पर 1 से 15 सितम्बर तक ''स्वच्छता पखवाड़ा'' मनाया गया। इसके अन्तर्गत संभागीय स्तर पर ''स्वच्छता के सन्देश को फैलाने के अभिनव तरीके'' विषय पर हिन्दी/अंग्रेजी निबंध प्रतियोगिता का आयोजनकिया गया। छात्र सेवा मण्डल कार्यालय पुराना परिसर में सचिव डॉ. ज्ञानसिंह शक्तावत के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय व संभागीय स्तर की कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

डी.फार्मा एवं बी.फार्मा कोर्स के लिए आवेदन शुरू

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में डी.फार्मा एवं बी.फार्मा कोर्स 2017-18 के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। समन्वयक प्रो. कैलाश डागा ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की अधिकृत वेबसाइट एरदअनणमकनण्पद पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के बाद हॉर्डकॉपी मय फीस चालान एवं संबंधित दस्तावेजों के साथ विज्ञान ब्लॉक, एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज में 30 अगस्त, 2017 तक जमा करवा सकते है। प्रो. डागा ने बताया कि इसके बाद योग्य विद्यार्थियों की सूची वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 4 सितम्बर को डी.फार्मा एवं बी.फार्मा की 60-60 सीटों के लिए काउंसलिंग होगी। उन्होंने बताया कि 5 सितम्बर, 2017 से इन पाठ्यक्रमों के लिए नियमित कक्षाएं प्रारम्भ हो जायेगी।

संभाग जेएनवीयू पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष की पूरक परीक्षा के आवेदन 28 से

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं इससे संबद्ध जोधपुर संभाग के जोधपुर, जैसलमेर, जालौर, पाली एवं बाड़मेर जिले के केवल जेएनवीयू पाठ्यक्रम के अनुसार वर्ष 2017 की पूरक परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले बी.ए., बी.ए. ऑनर्स (केवल सब्सिडी सब्जेक्ट), बी.कॉम., बी.एससी. (गृह विज्ञान), एलएलबी, बी.सी.ए. (अंतिम वर्ष) के विद्यार्थी जिनके अंतिम वर्ष का परिणाम पूरक रहा है वे अभ्यर्थी 28 अगस्त, 2017 से विश्वविद्यालय की अधिकृत वेबसाइट पर अपनी पूरक परीक्षा का ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेताराम विश्नोई ने बताया कि उपरोक्त संबंधित विद्यार्थी 28 अगस्त से अपना पूरक परीक्षा का आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि बिना विलम्ब शुल्क के आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 सितम्बर, 2017 है।

जीवन में हमेशा लक्ष्य स्पष्ट होने चाहिए : श्रीकान्त गुप्ता

महिला अध्ययन केन्द्र, जेएनवीयू द्वारा 12 अगस्त, 2017 को ''अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस'' श्री सुमेर महिला महाविद्यालय में मनाया गया। केन्द्र निदेशक प्रो. कान्ता कटारिया ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री श्रीकान्त गुप्ता, निदेशक आई.आई.सी.एस, जोधपुर थे। अध्यक्षता प्रो. चन्दन बाला, अधिष्ठाता, विधि संकाय ने की। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. निधि गहलोत ने अतिथियों का स्वागत किया एवं कहा कि युवा ही देश की शान है। बालिकाओं को प्रत्येक क्षेत्र में आगे आना चाहिए और अपने लक्ष्य के प्रति सदैव प्रयासरत रहना चाहिए।

केन्द्र निदेशक प्रो. कान्ता कटारिया ने अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं को जीवन में सफल होने के लिए अपने लक्ष्य निर्धारण करना आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य जितना कठिन होगा उसे प्राप्त करने का विचारभाव व कर्म भी उतना ही एकाग्र होगा। उन्होंने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति, सही मार्ग, समर्पण और अनुशासन को आवश्यक बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्रीकान्त गुप्ता ने कहा कि व्यक्ति को जीवन में सदा प्रसन्न रहना चाहिए जिससे सफलता आसानी से प्राप्त होती है। स्वयं पर विश्वास करना चाहिए तथा जीवन में हमेशा लक्ष्य स्पष्ट होने चाहिए। उन्होंने कहा कि संघर्ष करने से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। प्रो. चन्दन बाला, अधिष्ठाता विधि, संकाय ने अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के बारे में बताते हुए महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कानूनों की जानकारी प्रदान की तथा कहा कि प्रत्येक बालिका को अपने अधिकारों के प्रति सदैव सचेत रहना चाहिए।

वाणिज्य संकाय के लेखांकन विभाग के पाठ्यक्रम में जी.एस.टी. शामिल

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के लेखांकन विभाग में पाठ्यक्रम में जी.एस.टी. को शामिल किया गया है। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने बताया कि छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन संकाय में लेखांकन विभाग ने वस्तु एवं सेवा कर तथा वित्तीय प्रबंधन को इसी शिक्षा सत्र 2017-18 से बी.कॉम. आनर्स उत्तरार्द्ध एवं पूर्वार्द्ध के पाठ्यक्रम में समाविष्ट किया है। इसी तरह से स्नातकोत्तर डिप्लोमा इन टैक्स प्रेक्टिसेस में भी इसी वर्ष से वस्तु एवं सेवा कर से संबंधित दो विषयों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। वाणिज्य संकाय अधिष्ठाता एवं लेखांकन विभाग के अध्यक्ष प्रो. पी.के. भण्डारी ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा देश में जी.एस.टी. लागू करने के फलस्वरूप विभाग में यह संशोधन किये गए हैं जो वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वस्तु एवं सेवा कर के विशेषज्ञों की बाजार में आवश्यकता को पूरा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा वस्तु एवं सेवा कर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है, जिसमें छात्रों को इस संबंध में सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य व्यापार, वाणिज्य तथा उद्योग जगत में जी.एस.टी. से संबंधित भ्रान्तियों एवं कठिनाइयों दूर करना तथा विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसर प्रदान करना है।

स्वतंत्रता दिवस पर डॉ. संदीप प्रजापत सम्मानित

71वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जोधपुर के उम्मेद राजकीय स्टेडियम में आयोजित संभाग स्तरीय समारोह में ''जोधपुर (मारवाड़) के इतिहास के संदर्भ में महत्वपूर्ण शोध कार्य'' करने के लिए माननीय केबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्रसिंह खींवसर (वन पर्यावरण युवा एवं खेल मंत्रालय, राजस्थान सरकार) ने डॉ संदीप प्रजापत को प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया। डॉ प्रजापत को शोध के लिए दो राष्ट्रीय सहित तीन फैलोशिप प्राप्त हो चुकी है। डॉ. संदीप प्रजापत की दो पुस्तकें ''जोधपुर इन माय विजन'' और ''मध्यकालीन राजस्थान के धार्मिक स्थल'' पूर्व में प्रकाशित हो चुकी है। डॉ. प्रजापत वर्तमान में जय नारायण विश्वविद्यालय, जोधपुर के इतिहास विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फैलो (यू.जी.सी.) (विषय मारवाड़ के पंच पीरों का महत्व) के रूप में कार्यरत है और इसी विश्वविद्यालय से इतिहास में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. के साथ यूजीसी नेट भी उत्तीर्ण है।

जीवन में परिवर्तन आवश्यक : डॉ. अरविन्द भट्ट

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के सभागार में 10 अगस्त को कला संकाय की छात्राओं के लिए आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संवाद संस्थान के निदेशक डॉ. अरविन्द भट्ट थे।

प्रारंभ में कार्यवाहक निदेशक प्रो. बीना भाटिया ने अतिथियों का स्वागत किया और के एन कॉलेज को महिला शिक्षा के लिए एक अनूठा महाविद्यालय बताया। प्रो. भाटिया ने छात्राओं को अपने जीवन निर्माण के लिए प्रेरित करते हुए तीन वर्षों के समय का सदुपयोग करने की सीख दी। मनोविज्ञान विभाग की प्रो. प्रीती माथुर ने मुख्य अतिथि को श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया तथा महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कार्मिकों का परिचय करवाया। उन्होंने छात्राओं को एंटी रैगिंग कमेटी, प्रोक्टर्स, विषय प्रभारी एवं संकाय सदस्यों की जानकारी दी। प्रो. माथुर ने कहा कि महाविद्यालय में स्वतंत्रता है परन्तु स्वच्छन्दता नहीं। मुख्य अतिथि संवाद संस्थान के निदेशक एवं व्यक्तित्व विकास के विशेषज्ञ डॉ. अरविन्द भट्ट ने जीवन में आनन्द [illegible] आवश्यक बताते हुए अनुशासन में रहने की सलाह [illegible] और कहा कि आनन्द के लिए मधुर व्यक्ति[illegible] आवश्यक है। डॉ. भट्ट ने कहा कि जीवन में एक घट[illegible] निश्चित है- वह है 'परिवर्तन' और परिव[illegible] सकारात्मक होने चाहिए। कष्ट, दुख जीवन का हिस्[illegible] है परन्तु मुस्कराहट के साथ इनका सामना कर[illegible] चाहिए। जीवन में जो घटित हो रहा है, हम उसे न[illegible] बदल सकते परन्तु घटनाओं के प्रति नजरिया बदल[illegible] जा सकता है। जीवन में जो कुछ हो रहा है उसे स्वीकार करना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जो ज्ञान अर्जित करें वो सभी के लिए प्रासंगिक होना चाहिए। हर परिवर्तन विकास नहीं होता, ह्रास भी हो सकता है। प्रत्येक व्यक्ति की समाज के लिए उपादेयता होनी चाहिए। विद्यार्थी अपने लक्ष्य को पहचानें और एक दिशा में आगे बढ़ें। अन्त में राजनीति विज्ञान के शिक्षक एवं के एन कॉलेज प्रोक्टर डॉ. जनक सिंह मीना ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। गौतम गाँधी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास - एक वैश्विक संकट: चुनौतियाँ एवं समाधान

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय और अपना संस्थान के तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी " प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास- एक वैश्विक संकट: चुनौतियाँ एवं समाधान" विषय पर आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष कुलपति प्रो. आर पी. सिंह और मुख्य अतिथि पैसेफिक विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति डॉ. भगवती प्रसाद शर्मा ने अपने वृहद व्याख्यानों द्वारा वृक्षों के महत्व को बताया व पर्यावरणीय अवबोधन में अवचेतना का महत्व बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ एस आर राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा ने पर्यावरणीय अवनयन से होने वाले रोगों एवं शरीर विकारों के प्रति चेतना के संबंध में जानकारी दी। "अपना संस्थान" के अध्यक्ष ललित शर्मा ने संस्थान के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुऐ पौधारोपण एवं वृक्षों के जन्मदिन मनाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रारम्भ मे संगोष्ठी निदेशक प्रो. लालसिंह राजपुरोहित ने संगोष्ठी की विषय वस्तु एवं उद्देश्यों से अवगत कराया तथा सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का अभिनन्दन किया। सत्र के अंत में प्रो. पी. के. शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रथम सत्र वन्य जीवों पर डॉ. एन. एस. राठोड़ ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इसी कड़ी में पत्रवाचन में वृंदा ओझा ने "पर्यावरण संरक्षण और हम" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विशिष्ठ वक्ता प्रो. एस. सुन्दरमूर्ति ने वनस्पति विभाग की अनुसंधान प्रगति प्रस्तुत की। द्वितीय सत्र में प्रो. के. एल. श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता के रूप में भूगर्भिक मापनी (Geological Time Scale) पर अपने विचार प्रस्तुत किये। विशिष्ठ वक्ता के रूप में आफरी निदेशक डॉ. एन. के. वासु ने पर्यावरण व उससे सम्बंधित विशिष्ठ जगहों की भ्रमण की व्याख्या प्रस्तुत की। अन्तिम सत्र में "अपना संस्थान" के अध्यक्ष ललित शर्मा ने शोधार्थी एवं शोध से जुड़े लोगों का आह्वान किया कि सब मिलकर वृक्षों को लगाएँ व जन जागृति कर इससे अवगत कराएँ। विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. जैताराम विश्नोई ने पर्यावरण से सम्बन्धित मानव के प्रयासों को सक्षम करने और नये प्रयासों को जोड़ने के प्रति सचेत किया। वहीं विभिन्न खुशी के अवसरों पर वृक्ष लगाने की सलाह दी। प्रो. एन. एस. शेखावत ने 'जल जमीन, जंगल, जैव-विविधता और जीवारी' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि संसाधनों का उचित उपयोग नहीं करने के परिणाम भविष्य में मनुष्यों को ही भुगतने होंगे और नई पृथ्वी बनाने के विचार आ सकते हैं, पर आप बना नहीं पायेंगे। संगोष्ठी के समापन अवसर पर डॉ. अर्जुन लाल मीणा ने सभी विशेषज्ञों तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भविष्य में उनके अमूल्य ज्ञान को सभी साकार करने के सक्षम प्रयास करेंगे।

संगोष्ठी में आयोजित पोस्टर तियोगिता में निम्न प्रतिभागी विजेता रहे-

1. अशोक कुमार, रेणु, दीपिका (वनस्पति शास्त्र) - प्रथम स्थान
2. सीमा सेन व सुमित्रा चौधरी (वनस्पति शास्त्र) - द्वितीय स्थान
3. जेश्मीन सिंह (रसायन शास्त्र) - तृतीय स्थान

Prof. Genwa Presented Research Paper in California University, USA

Dr. K. R. Genwa, Professor, Department of Chemistry, Faculty of Science, Jai Narain Vyas University has visited Los Angeles USA in the month of August 2017. Prof. Genwa was invited to present the paper in an International Conference AFM 2017 (Advances in Functional Materials 2017) which was held in University of California Los Angeles (UCLA) USA from August 14 to 17, 2017. Prof. Genwa has presented his research paper entitled "Improved Cell Conversion Efficiency in Fabrication of Dye Sensitized Solar Cell Using Organic Dyes as Energy Materials in Different Solvents" on August 14, 2017 in 'Solar Cell Session' of AFM 2017. Previously Prof. Genwa attended and presented his research work on solar cells in different countries like Japan (2014), Malaysia (2010) and Italy (2006).

इंजीनियरिग विद्यार्थियों ने सुना प्रधानमंत्री मोदी का उद्बोधन

वर्ष 1893 में अमेरिका की धरती पर शिकागो में जब स्वामी विवेकानंदजी ने भौतिकता की अग्नि में दग्ध विश्व-समुदाय को शास्वत-शांति का मार्ग बताया था, तब स्वामी जी की आयु मात्र 30 वर्ष थी और तब वे भारत की सशक्त युवा सोच के सबसे समर्थ प्रतिनिधि के रूप में भारत के दर्शन का विश्व को परिचय करा रहे थे। शिकागो में दिए गए इस उद्बोधन को 11 सितम्बर को 124 वर्ष पूर्ण हो गए। इस पावन अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में छात्रनेता सम्मेलन को संबोधित किया। छात्रनेता सम्मेलन का देशभर के विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में सीधा प्रसारण दिखाया गया। जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के एज्युकेशनल मल्टी मीडिया एण्ड रिसर्च सेंटर (ईएमएमआरसी) में निदेशक प्रो. अखिल रंजन गर्ग के निर्देशन में एमबीएम इंजीनियरिग कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का करीब पौन घंटे का उद्बोधन सुना।

दिल्ली से प्रसारित इस उद्बोधन को एमबीएम इंजीनियरिग कॉलेज के विद्यार्थियों ने ध्यान से सुना। विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. कैलाश डागा, ईएमएमआरसी के असिस्टेंट इंजीनियर श्री सी. एस. चारण, प्रड्यूसर श्री विनोदचन्द्र सती, श्री पी.के.झा, श्री अचलसिंह मेड़तिया, श्री अजय अस्थाना सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन को सुना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में इंजीनियरिग कॉलेज के विद्यार्थी मौजूद रहे।

प्रोफेसर मुरली कृष्णा व प्रोफेसर वर्मा ने किया ईएमएमआरसी का अवलोकन

जे.एन. टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के सेवानिवृत्त डायरेक्टर आर एण्ड डी प्रोफेसर डॉ. आई.वी. मुरलीकृष्णा एवं आईआईटी कानपुर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. निश्चल के.वर्मा ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के एज्युकेशनल मल्टीमीडिया एण्ड रिसर्च सेंटर ईएमएमआरसी का अवलोकन किया। यहां पर ईएमएमआरसी के निदेशक प्रोफेसर डॉ. अखिल रंजन गर्ग ने दोनो शिक्षाविदों का स्वागत किया। इस दौरान प्रोफेसर गर्ग ने उनको ईएमएमआरसी की गतिविधियों से रू-ब-रू कराया। एमबीएम इंजीनियरिग कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. अवधेश शर्मा, डॉ एम.के.भास्कर तथा वाणिज्य संकाय में बीएफई के विभाग के अध्यक्ष प्रो.रमन कुमार दवे भी इस दौरान मौजूद रहे। इस दौरान प्रोफेसर डॉ. आई.वी. मुरली कृष्णा एवं आईआईटी कानपुर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. निश्चल के. वर्मा ने कहा कि तकनीक का बेहतर तरीके से उपयोग कर जीवन के स्तर को व्यवस्थित किया जा सकता है। उन्होंने ईएमएमआरसी द्वारा बनाए जा रहे एज्युकेशनल प्रोग्राम की सराहना की।

प्रो. पूनम बावा बनी टेप्से एवं हेप्सन सेन्टर की निदेशक

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय के निर्देशानुसार राजनीति विज्ञान की प्रोफेसर पूनम बावा को टेप्से एवं हेप्सन सेन्टर की निदेशक नियुक्त किया गया है। प्रो. पूनम बावा की नियुक्ति अगले आदेश तक रहेगी।

डॉ. रितू जौहरी बनी ललित कला विभाग की विभागाध्यक्ष

विश्वविद्यालय के कुलपति के निर्देश पर ललित कला विभाग की डॉ. रितू जौहरी को 30 अगस्त, 2017 से तीन वर्षों के लिए ललित कला विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 30 अगस्त, 2017 से तीन वर्षों के लिए रहेगी।

प्रो. एल एन बुनकर बने मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के निर्देशानुसार मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एल.एन. बुनकर को मनोविज्ञान विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति तीन वर्षों के लिए रहेगी। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने फूलमाला एवं साफा पहना कर प्रो. बुनकर का स्वागत किया। प्रो. बुनकर विश्वविद्यालय के विभिन्न पदों एवं विभिन्न कमेटियों यथा वीकर सेक्शन, नेट कोचिंग सेन्टर, इन्चार्ज पुराना परिसर, एन.एस.एस. प्रोग्राम ऑफिसर, एससी/एसटी सेल के निदेशक पद पर अपनी सेवाएँ दे चुके हैं।

प्रो. परिहार इंजीनियर्स इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष और प्रो. गर्ग सचिव बने

द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स जोधपुर सेंटर के वर्तमान अध्यक्ष प्रो. जी.के. जोशी व वर्तमान मानद सचिव प्रो. मनीष गुप्ता की अगुवाई में हुए चुनाव में चेयरमैन पद पर प्रो.(डॉ.) सुनील कुमार परिहार तथा मानद सचिव पद पर प्रो.(डॉ.) अखिल रंजन गर्ग निर्विरोध चुने गए। प्रो. सुनील परिहार जेएनवीयू के एमबीएम इंजीनियरिग कॉलेज के माइनिंग विभाग व जेएनवीयू स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। वहीं प्रो. अखिल रंजन गर्ग जेएनवीयू में यूजीसी-सीईसी के अधीन संचालित एज्यूकेशनल एंड मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर (ईएमएमआरसी) के निदेशक का दायित्व भी संभाल रहे हैं।

के एन कॉलेज में आमुखीकरण कार्यक्रम

'असीम क्षमताओं का दोहन करें छात्राएँ'

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय की छात्राओं के आमुखीकरण कार्यक्रम में कॉलेज निदेशक प्रो. पूनम बावा ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए परिसर को स्वच्छ रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है। छात्राओं को अपनी असीम क्षमताओं का दोहन करते हुए नियमित अध्ययन तो करना ही है साथ ही सह शैक्षणिक गतिविधियों में भी भाग लेकर अपने भीतर छुपी प्रतिभा को उजागर करना है। उन्होंने छात्राओं को महाविद्यालय की संपूर्ण गतिविधियों की जानकारी देते हुए शिक्षकों से परिचय करवाया। कॉलेज निदेशक ने छात्राओं को पुस्तकालय की विस्तृत जानकारी देते हुए खेलकूद व योग गतिविधियों से भी अवगत करवाया।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जेएनवीयू विज्ञान संकाय की डीन प्रो. सुनीता कुम्भट ने कहा कि स्कूली जीवन का समापन होने के बाद महाविद्यालय की शुरूआत छात्राओं को अनुशासनात्मक तरीके से करनी होगी। छात्राएँ कड़ी मेहनत करने के बाद एक बेहतर नागरिक की भूमिका अदा कर उच्च पदों पर आसीन हों। विशिष्ट अतिथि मथुरादास माथुर अस्पताल के मनोचिकित्सक डॉ. जी.डी. कूलवाल ने इस अवसर पर छात्राओं को मोबाइल से होने वाले दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मोबाइल आज के दौर में शरीर और दिमाग का हिस्सा तो बना ही है साथ ही अधिक समय तक उपयोग करने का भी आदि होचुका है। यह स्थिति सही नहीं है। उन्होंने मोबाइल के गुण भी बताये परन्तु इसका कम से कम उपयोग करने को लाभदायक बताया। कार्यक्रम के अन्त में डा. जनक सिंह मीना ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन गीतम चन्द गाँधी ने किया।

"Education is what remains after one has forgotten what one has learned in school." -Albert Einstein

छात्रसंघ चुनाव 2017

कांता ग्वाला बनी पहली महिला अध्यक्ष

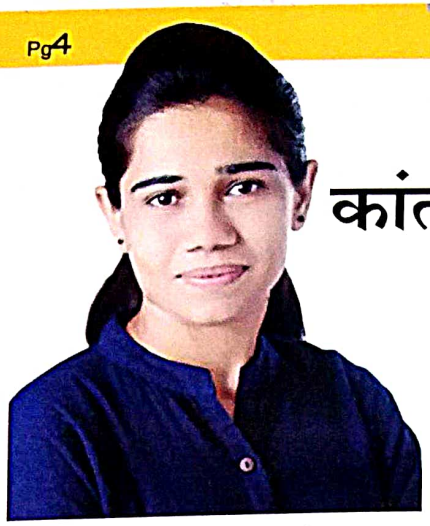

हुकमाराम

अशोक भाटी

दिनेश विश्नोई

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव 2017 में अध्यक्ष पद पर विश्वविद्यालय इतिहास में पहली बार छात्रा निर्वाचित हुई। अध्यक्ष पद पर कांता ग्वाला ने राजेन्द्र सिंह को 2458 मतों से हराया। अध्यक्ष पद पर कुल 5 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें से कांता ग्वाला को 4911, राजेन्द्र सिंह को 2453, वीरेंद्र प्रताप को 1057, अनुजा विश्नोई को 935 और पवन कुमार को 142 तथा नोटा को 61 मत प्राप्त हुए। उपाध्यक्ष पद पर हुकमाराम को 2409 और सौरभ व्यास को 2304 मत प्राप्त हुए। इस तरह हुकमाराम ने 605 मतों से जीत दर्ज की। महासचिव पद पर अशोक भाटी को 3640 मत प्राप्त हुए और उन्होंने 1679 मतों से जीत दर्ज की। वहीं संयुक्त महासचिव पद के लिए दिनेश विश्नोई ने 3377 मत प्राप्त कर रक्षा कोचर को हराया।

प्रियंका विश्नोई बनी के.एन. कॉलेज की पहली अध्यक्ष

राज्य सरकार के नये दिशा निर्देशों के तहत पहली बार विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में कक्षा प्रतिनिधियों के

साथ-साथ अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव एवं संयु महासचिव पदों के लिए [illegible] संपन्न करवाये गए। जेएनवीयू के कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में अध्यक्ष पद पर तीन छात्राओं ने चुनाव लड़ा। इनमें से प्रियंका विश्नोई को 847 मत, ममता सारण को 545 एवं चंचल कंवर को 340 मत प्राप्त हुए। इस तरह प्रियंका विश्नोई ने 302 मतों से जीत दर्ज कर के.एन. कॉलेज की पहली अध्यक्ष बनने का गौरव हासिल किया। उपाध्यक्ष पद पर चंचल रांकावत ने 1214 वोट प्राप्त कर बड़ी जीत दर्ज की। महासचिव पद पर चंचल परिहार निर्विरोध निर्वाचित हुई और संयुक्त महासचिव पद पर दीपा 940 मत प्राप्त कर विजयी रहीं। कक्षा प्रतिनिधियों के प्रत्याशियों में प्रथम वर्ष कक्षा प्रतिनिधि पद पर पूजा, द्वितीय वर्ष कक्षा प्रतिनिधि के लिए पूजा भाटी एवं तृतीय वर्ष कक्षा प्रतिनिधि पद पर सुमित्रा पटेल विजयी रही।

सायंकालीन अध्ययन संस्थान में लोकेंद्रपाल सिंह अध्यक्ष निर्वाचित

सायंकालीन अध्ययन संस्थान छात्रसंघ चुनाव में लोकेंद्रपाल सिंह ने जीत दर्ज कर पहला अध्यक्ष बनने का गौरव प्राप्त किया। उपाध्यक्ष पद पर तेजसिंह, महासचिव पद पर बलवंत सिंह एवं संयुक्त महासचिव पद पर पूनम सिंह निवाचित हुए। वहीं द्वितीय वर्ष कक्षा प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह एवं तृतीय वर्ष कक्षा प्रतिनिधि पद पर गोविन्द राम चुनाव जीते।

शोधछात्र प्रतिनिधि पद पर भजनलाल विजयी

विश्वविद्यालय में पहली बार शोधछात्र प्रतिनिधि पद के लिए चुनाव हुआ। भजनलाल मेघवाल को पहला शोधछात्र प्रतिनिधि बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

विज्ञान संकाय कक्षा प्रतिनिधि

विज्ञान संकाय में कक्षा प्रतिनिधि पद के लिए प्रथम वर्ष में विनोद चौधरी, द्वितीय वर्ष में दिनेश कुमार, तृतीय वर्ष में हरेन्द्र बेरा एवं पीजी कक्षा प्रतिनिधि पद पर संतोष चौधरी निर्वाचित हुए।

विधि संकाय कक्षा प्रतिनिधि

विधि संकाय में प्रथम वर्ष में भारती जांगिड़, द्वितीय वर्ष में अरविन, तृतीय वर्ष में पूरन सिंह तथा पीजी कक्षा प्रतिनिधि पद पर अनिल निर्वाचित हुए।

कला, शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान संकाय कक्षा प्रतिनिधि

कला, शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान संकाय में कक्षा प्रतिनिधि के चुनावों में बी.ए. प्रथम वर्ष में मगराज सोलंकी, द्वितीय वर्ष में भीमसिंह, तृतीय वर्ष में दिनेश पंवार एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर में संगीता सिंह शेखावत कक्षा प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित हुए।

वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन संकाय कक्षा प्रतिनिधि

वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन संकाय में प्रथम वर्ष में हिमांशु नेनवाया, द्वितीय वर्ष में लवजीत गहलोत, तृतीय वर्ष में दिलखुश एवं पीजी कक्षा प्रतिनिधि पद पर सैफ अली रिजवी निर्वाचित हुए।

अभियांत्रिकी एवं वास्तुकला संकाय कक्षा प्रतिनिधि

अभियांत्रिकी संकाय में कक्षा प्रतिनिधियों के लिए संपन्न चुनावों में प्रथम वर्ष में मोहित कुमार गर्ग, द्वितीय वर्ष में हेमन्त खत्री, तृतीय वर्ष में मुकेश राजपुरोहित, चतुर्थ वर्ष में हेमन्त परिहार विजयी रहे एवं पीजी कक्षा प्रतिनिधि पद पर अंशुमाली पराशर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रो. अवधेश शर्मा के नेतृत्व में छात्रसंघ चुनाव-2017 संपन्न

राजस्थान सरकार की ओर से जारी निर्देशानुसार जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव-2017 28 अगस्त को संपन्न हुए। छात्रसंघ चुनाव-2017 के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह के निर्देशानुसार इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश शर्मा को मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया था। वहीं संस्कृत विभाग से प्रो. प्रभावती चौधरी, गणित और सांख्यिकी विभाग से प्रो. जेताराम, सांयकालीन अध्ययन संस्थान से प्रो. चंद्र शेखर एवं के.एन. कॉलेज से प्रो. पूनम बावा को अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया था।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के लिए कुल 37 मतदान केन्द्रों पर विश्वविद्यालय एपेक्स पदों के साथ संकाय एपेक्स पदों के लिए एवं 2 मतदान केन्द्रों पर शोध प्रतिनिधि के लिए विद्यार्थियों ने मतदान किया।

मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. अवधेश शर्मा ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्वक ढंग से हुए। उन्होंने बताया कि छात्रसंघ चुनाव 2017-18 में मतदान प्रतिशत 49.05 प्रतिशत रहा। प्रो. शर्मा ने बताया कि छात्रसंघ एपेक्स पदों एवं संकाय एपेक्स पदों के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने 37 मतदान केन्द्रों पर जिसमें विज्ञान संकाय के 2856 में से 1835 ने, कला संकाय में भाषा प्रकोष्ठ के 1108 में से 500 ने, एसएमके के 2305 में से 1476, विधि संकाय के 1970 में से 578 ने, वाणिज्य संकाय के 2747 में से 843 ने, सायंकालीन अध्ययन संस्थान के 1962 में से 1071 ने, कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के 4083 में से 1863 ने एवं इंजीनियरिंग संकाय के 2937 में से 1628 विद्यार्थियों ने मतदान किया। वहीं विज्ञान संकाय में 2 केन्द्रों पर शोध प्रतिनिधि के लिए 962 मतों में से 196 ने मतदान किया।

राज्य में एक समान होगा पीएच.डी. ऑर्डिनेंस

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में एकेडमिक काउंसलिंग की बैठक आहूत की गई। बैठक में नये पीएच.डी. आर्डिनेंस को अप्रूव किया गया। कुलसचिव प्रो. पी.के. शर्मा ने बताया कि इसमें प्रमुख एजेंडा पीएच.डी. व डि. लिट आर्डिनेंस को एकेडमिक कौंसिल ने अप्रूव किया, जिसके तहत पूरे राज्य में पीएच.डी. करने वाले शोधार्थियों पर एक समान नियम लागू होंगे।

जेएनवीयू का इसरो के साथ एमओयू

विश्वविद्यालय का इसरो के रीजनल रिमोट सेंसिग सेंटर के साथ एमओयू हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और शोधार्थी इसरो में जाकर रिसर्च और वहां की तकनीक का उपयोग कर सकेंगे।

Centre for Women's Studies

Organized a Workshop in Kudi Village

Centre for Women's Studies organized a training and skill development workshop of Tailoring and Beauty Parlour at Bhakhrasani in Kudi village of Jodhpur district for fifteen days i.e. from 5th August to 19th August 2017. Shri Pukhraj panwar, Sarpanch and Sarwan Kumar, Ward Panch were the guests on this occasion. Director, Prof. Kanta Kataria highlighted the significance and objectives of the training programme. She said that economic empowerment of women is principal cure of poverty and if women are economically strong and self-dependent then family, society and nation will progress. Shri Pukhraj Panwar, Sarpanch, encouraged and motivated the women and girls to participate in large number in such a useful workshop. Sarwan Kumar, Ward Panch, appreciated the organizing of this special training programme and expressed gratefulness to CWS. Mrs. Rajkiran and Mrs. Renu Devi were trainers. A total of 50 women and girls registered themselves in this workshop.

प्रधान संपादक: प्रो. पूनम बावा, सह–सम्पादक: रामनिवास चौधरी, अजय अरथाना, अचलसिंह मेड़तिया, परामर्श मण्डल: डॉ. विकल गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तातेड़, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. निधि संदल, डॉ. ओ.पी.टाक, प्रफुल्ल मेहता, लेआउट: संतोष कुमार प्रजापत, प्रकाशक: जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर।

गणतंत्र दिवस विशेषांक

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का द्विभाषी मासिक समाचार पत्र

अंकः 01 • माहः जनवरी • वर्षः 2016

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

- विश्वविद्यालय की गौरव यात्रा
- सम्मान
- राष्ट्र निर्माण
- समाज को समर्पित
- सांस्कृतिक दर्पण
- स्नेहांचल
- युवा मंच
- संबल

विश्वविद्यालय परिवार की
संपूर्ण गतिविधियों का एक साझा मंच

कुलगीत

विद्या शक्तिः समस्तानां, शक्तिः सर्वत्र पूजिता।
अज्ञाननाशिनी विद्या, ज्ञान ज्योतिः प्रकाशिनी।।

..... विद्या मन्दिर मेरा महान्
जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय है मेरा महान्
सूर्यनगरी का गौरव विद्या मन्दिर मेरा महान्

भारतभू की पुण्यधरा
मरुभूमि राजस्थान।
जोधपुर संभाग में यह तो
सरस्वती वरदान।।
विद्या मन्दिर मेरा महान्।।

विधि – विज्ञान – कला – वाणिज्य
बने हैं इसकी शान।
अभियांत्रिकी निराली जिसकी
छवि है श्रेष्ठ प्रमाण।।
विद्या मन्दिर मेरा महान्।।

विश्ववन्द्य विद्वानों ने यहाँ
ज्ञान की ज्योति जलाई।
छात्रवृन्द हैं गौरव इसके
कर्मचारी सब प्राण।।
विद्या मन्दिर मेरा महान्।।

उन्नीस सौ बासठ से इसका
गौरवमय इतिहास।
एक बनेंगे नेक बनेंगे
यह संकल्प विधान।।
विद्या मन्दिर मेरा महान्, विद्या मन्दिर मेरा महान्,
विद्या मन्दिर मेरा महान्।।

शुभ-संदेश

मुझे यह जानकार प्रसन्नता हुई हे कि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का मासिक समाचार पत्र 'परिसर समाचार' के गणतंत्र दिवस विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है।

विशेषांक के लिए शुभकामनाएं।

(कल्याणसिंह)
कुलाधिपति एवं
राज्यपाल

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि आज 'परिसर समाचार पत्र' अपने नवीन स्वरूप एवं संभावनाओं के साथ प्रकाशित हो रहा है। यह समाचार पत्र हिन्दी-अंग्रेजी भाषा के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियों, योजनाओं, कार्यक्रमों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपलब्धियों का का प्रचार-प्रसार करेगी। इस पत्रिका को इस स्वरूप में प्रकाशित करने के लिए इसकी सम्पादक प्रो. पूनम बावा एवं उनकी टीम को बधाई प्रेषित करता हूँ।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति के रूप में कार्य करने का जो अवसर प्राप्त हुआ है, वह निश्चित रूप से मेरे लिए सौभाग्य की बात है। राजस्थान के राज्यपाल माननीय कल्याण सिंह जी एवं मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे जी ने मेरे पर जो भरोसा किया है और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक-अशैक्षणिक विकास की जो अपेक्षाएं हैं, मैं निश्चित रूप से उन पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

विश्वविद्यालय में 53वां स्थापना दिवस समारोह, छात्रसंघ चुनाव, छात्र पंचायत, राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां, सम्मेलन एवं कार्यशालाएं, विशेष व्याख्यान, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ, महापुरूषों की जयन्ती, जिनमें राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, सरदार पटेल, स्वामी विवेकानन्द, पण्डित जवाहर लाल नेहरू आदि पर कई आयोजन किए गए, तेरह वर्ष बाद तेरहवाँ दीक्षांत समारोह माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति कल्याणसिंह जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जो विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। विश्वविद्यालय में छात्र संसद के आयोजन की तैयारियाँ चल रही हैं, जो एक सकारात्मक पहल है।

भारत के गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इस मासिक पत्रिका का लोकापर्ण कर एक ऐसा संदेश एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ, जो राष्ट्र निर्माण और विश्वबन्धुत्व की व्यापक सोच के साथ आगे बढ़े।

मैं अपेक्षा करता हूँ कि इस पत्रिका के प्रकाशन के सकारात्मक परिणाम होंगे और इसको इस स्वरूप में लाने एवं प्रकाशित करने के लिए पत्रिका की सम्पादक प्रो. पूनम बावा को हार्दिक बधाई देता हूँ और भविष्य के लिए मंगल कामना करता हूँ।

(आर.पी. सिंह)
कुलपति

संपादक मण्डल

संरक्षक
प्रो. आर.पी.सिंह, कुलपति

प्रधान संपादक
प्रो.पूनम बावा

सह-सम्पादक
श्री रामनिवास चौधरी
डॉ. विकल गुप्ता
डॉ.कीर्ति माहेश्वरी
श्री अजय अस्थाना
श्री अचलसिंह मेड़तिया

परामर्श मण्डल
डॉ. सुरेश सांखला
डॉ. क्षितिज महर्षि
डॉ. के.आर. मेघवाल
डॉ. वीनू जॉर्ज
डॉ. ओ.पी.टाक

छायांकन
श्री ओ.पी. गौड़

पृष्ठ साज-सज्जा
संतोष कुमार प्रजापत

प्रकाशक
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय
जोधपुर

संपादकीय

'हो कोई सबील ऐसा भी,
कि सब सम्भले रहें,
हवाएं भी चलती रहें और दीए भी जलते रहें।'

'परिसर समाचार' मासिक पत्र के संदर्भ में किसी शायर की ये पंक्तियां उचित प्रतीत होती हैं।

किसी भी देश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि वहाँ की शिक्षा व्यवस्था कितनी सुदृढ़ है। यदि शिक्षा व्यवस्था उत्कृष्ट एवं वर्तमान अपेक्षाओं के अनुरूप है तो निश्चित रूप से विकास की सम्भावनाएं प्रबल होंगी। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय पश्चिमी राजस्थान के विकास को समर्पित है। इ विश्वविद्यालय का गौरवशाली इतिहास रहा है। मारवाड़ की पावन धरा के इस विश्वविद्यालय की जड़ें 1867 से जु हुई हैं, उस समय यह एक उच्च प्राथमिक विद्यालय के रूप में स्थापित हुआ और 14 जुलाई, 1962 को जोध विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित हुआ जो कि उस समय के जोधपुर के चार राजकीय महाविद्यालय यथा एम.बी.ए इंजीनियरिंग महाविद्यालय, जसवंत महाविद्यालय, एस.एम.के. महाविद्यालय एवं कमला नेहरू महिला महाविद्या को इसका हिस्सा बनाया गया। इस विश्वविद्यालय का उद्घाटन 24 अगस्त, 1962 में भारत के राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कर कमलों द्वारा किया गया। वर्ष 1990 में राजस्थान सरकार ने इसका 'शेर-ए-राजस्थान' के नाम से लोकप्रिय राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री जयनारायण व्यास के नाम पर 'जयनारायण व्या विश्वविद्यालय' किया। यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना से लगभग 50 वर्षों तक आवासीय विश्वविद्यालय जो कि राज्य सरकार के 10 अप्रैल, 2012 के गजट प्रकाशन द्वारा संभागीय विश्वविद्यालय के रूप में संचालित जिसमें बाडमेर, जैसलमेर, जालौर, जोधपुर एवं पाली जिले के लगभग 200 महाविद्यालय हैं। विश्वविद्यालय क्षेत्रफल लगभग 670 एकड़ है, जिसमें वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय, अभियांत्रिकी एवं वास्तुकला संकाय, वि संकाय, विज्ञान संकाय, कला, शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान संकाय हैं।

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में कमला नेहरू महिला महाविद्यालय, एस.एम.के. महाविद्या (पुराना परिसर) में वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय, विधि संकाय एवं स्नातक स्तरीय कला संकाय संचालित हैं, साथ सांयकालीन अध्ययन संस्थान भी इसी परिसर में संचालित है। अभियांत्रिकी संकाय 11 विभागों के साथ एम.बी. अभियांत्रिकी महाविद्यालय में संचालित है। नया परिसर स्नातकोत्तर कक्षाओं, जिनमें कला शिक्षा एवं सामा विज्ञान संकाय, विज्ञान संकाय सहित महिला अध्ययन केन्द्र, कॅरियर काउंसलिंग सेल तथा योग केन्द्र आदि संचा हैं।

सूर्यनगरी के इस विश्वविद्यालय की रश्मियां सम्पूर्ण विश्व समाज को आलोकित कर रही हैं। यह विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। एम.बी. इंजीनियरिंग कॉलेज के उपाधि धारकों ने भारत सहित विश्व में अपनी योग्यता के बल पर शीर्षस्थ स्थान प्राप्त हैं। विधि के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने भारत के मुख्य न्यायाधीश तथा अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश *दिए हैं। विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने अपने शोध एवं योग्यता से उच्च मुकाम हासिल किए हैं* वाणिज्य एवं प्रबंधन ने भी देश में *एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। इसलिए जोधपुर को चार्टेड अकाउण्टेंट की 'र* भी कहा जाता है। साहित्य के क्षेत्र में अनेक कवि, आलोचक एवं विभिन्न विधाओं पर अधिकार रखने वाले वि को तैयार किया है, जिनकी यशपताका पूरे देश एवं दुनिया में कायम है। शिक्षा के साथ-साथ राजनीति के क्षे विश्वविद्यालय के अनेक युवा छात्रनेता, छात्रसंघ से अपने व्यक्तित्व को तराश कर विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्य जैसे पदों पर आसीन हुए। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने अपनी योग्यता एवं कर्मठता के बल पर अध्ययन-अध्याप साथ शोध को नयी दिशा प्रदान की हैं और अनेक शिक्षकों ने राज्यस्तरीय, राष्ट्र स्तरीय, राष्ट्रपति एवं अन्तर्रा पुरस्कार प्राप्त कर सफलता को प्रमाणित किया है। खेलकूद, एन.सी.सी., स्काउट गाइड, एन.एस.एस., सांस्कृ प्रतिभा का परचम प्रत्येक स्तर पर देखा जा सकता है। विश्वविद्यालय की इस गौरव यात्रा का श्रेय कुलपति स समस्त शिक्षकों को जाता है।

'परिसर समाचार' के इस अंक को माननीय कुलपति प्रो आर पी सिंह के संरक्षण में संपादित करते हु गणतंत्र दिवस के अवसर पर इसके लोकार्पण से अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह समाचार पत्र निश्चित स छात्रों एवं शिक्षकों के बीच बेहतर सामंजस्य और सहयोग को प्रदर्शित करता है, ऐसा मेरा मानना है। आपके सु सादर आमंत्रित हैं।

(पूनम
सं

भव्यता से मना विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का 53वाँ स्थापना दिवस समारोह 14 जुलाई को भव्यता से मनाया गया। कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह के सानिध्य में आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। नया परिसर स्थित दीक्षांत मैदान में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुलपति प्रो.आर.पी.सिंह ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। समारोह में किसी कारणवश कुलाधिपति एवं राज्यपाल माननीय कल्याणसिंह नहीं आ सके। इस पर कुलपति प्रो. सिंह ने कुलाधिपति महोदय का संदेश पढ़कर सुनाया।

मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश ने भव्य आयोजन पर कुलपति एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी और कहा कि यूनिवर्सिटी का अर्थ है एज्यूकेशन ऑफ यूनिवर्स, लेकिन हर विश्वविद्यालय को अब बांटा जा रहा है। मेडिकल अलग, सामान्य अलग व टेक्नोलॉजी अलग। इस तरह से ज्ञान के कई हिस्से किए जा रहे हैं, जो उचित नहीं है। एक यूनिवर्सिटी में हर तरह के कोर्स होने चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सतपाल मलिक ने बालिका शिक्षा पर जोर दिया और कहा कि बेटियां किसी से कम नहीं है। यह परिवार, समाज व देश का मान बढ़ा रही है।

जोधपुर के सांसद श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इस आयोजन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी और आयोग के अध्यक्ष से आग्रह किया कि जेएनवीयू को केंद्रीय विवि का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने का निवेदन भी किया।

राज्यसभा सदस्य श्री रामनारायण डूडी, शहर विधायक श्री कैलाश भंसाली व सूरसागर विधायक श्रीमती सूर्यकांता व्यास ने विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाने का आह्वान किया। जिला प्रमुख श्री पूनाराम चौधरी व ओसियां विधायक श्री भैराराम सियोल बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह में मौजूद रहे। प्रारंभ में विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। प्रो. ललित गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. नरेंद्र अवस्थी ने आभार व्यक्त किया। संचालन समारोह संयोजक प्रो. कल्पना पुरोहित ने किया। इस मौके पर अतिथियों ने विश्वविद्यालय की स्मारिका 'उदन्तिका' का लोकार्पण भी किया।

कार्यक्रम में पूर्व कुलपति प्रो. एलएस राठौड़, प्रो. कैलाश सोढ़ानी, आयुर्वेद विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा, पुलिस विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. एमएल कुमावत, शिक्षाविद् प्रो. आरएल माथुर, प्रो. राजीव माथुर, समाजसेवी भगवानसिंह परिहार, प्रो. गुलाबसिंह चौहान, प्रो. एमएल वढेरा, प्रो. नरेन्द्र अवस्थी, प्रो. ए के मलिक, प्रो. कमलेश पुरोहित, प्रो. चैनाराम चौधरी, प्रो. अवतार लाल मीणा, प्रो. सुधि राजीव, प्रो. जसराज बोहरा, डॉ. डूंगरसिंह खींची, डॉ. अखिलरंजन गर्ग, प्रो. प्रदीप शर्मा, प्रो. एसपी व्यास, डॉ. एसएस सांखला, डॉ. सुशील सारस्वत, डॉ. सरोज कौशल, डॉ. अनिल व्यास, पूर्व विधायक जुगल काबरा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

शैक्षणिक वर्ष 2015-16 का शानदार आरंभ

नवनियुक्त कुलपति प्रो आर पी सिंह का शिक्षकों से भावभीना मित्रवत् संवाद

शैक्षणिक सत्र के प्रथम दिवस 01 जुलाई 2015 को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो आर पी सिंह ने एक नवीन परंपरा की शुरूआत करते हुए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों के साथ सीधा संवाद किया। पुराना परिसर के जसवंत हॉल में हुए कार्यक्रम में मुख्य रूप से उन्होंने विश्वविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास में शिक्षकों की सकारात्मक भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण को दुरूस्त करने, विद्यार्थी-शिक्षक के बीच प्राचीन भारतीय गुरू-शिष्य परंपरा को स्थापित करने, उत्तम शिक्षक हेतु सभी आवश्यक गुणों को स्वयं में विकसित करने और विद्यार्थियों को सही दिशा-निर्देशन देने को शिक्षकों की प्राथमिकता बताई। कुलपति प्रो सिंह ने शिक्षकों की समस्याओं का समाधान करने, उनके अपने क्षेत्र में अनुसंधान एवं अन्य शैक्षिक गतिविधियों के पर्याप्त अवसर मिलने में अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की आकांक्षाओं एवं उपलब्धियों का आईना होता है, अतः जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय को एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित रखना कुलपति के रूप में उनकी प्राथमिकता रहेगी।

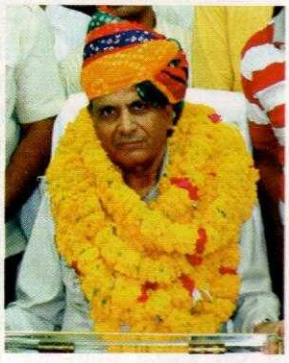

आशीर्वचन के पश्चात् कुलपति प्रोफेसर सिंह की ओर से सभी शिक्षकों के लिए स्वरूचिपूर्ण भोज का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को शिक्षक समुदाय द्वारा एक अच्छी पहल एवं सकारात्मक नेतृत्व के रूप में देखा गया।

कुलपति की अध्यक्षता में शैक्षणिक परिषद की बैठक

केन्द्रीय कार्यालय स्थित सभागार में 26 अक्टूबर को कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में शैक्षणिक परिषद की बैठक में परीक्षा सुधार समिति, परीक्षा सलाहकार समिति के बैठकों की रिपोर्ट के आधार पर केन्द्रीय मूल्यांकन को प्रायोगिक तौर पर शुरू करने का निर्णय किया गया, जिससे परीक्षा परिणाम समय पर जारी किए जा सकें। माइग्रेशन के लिए पूर्व में विद्यार्थी को संबंधित संकाय से आवेदन फार्म को अग्रेषित करवाना पड़ता था, लेकिन नई व्यवस्था के तहत माइग्रेशन केन्द्रीय कार्यालय से बिना संकाय अग्रेषण के जारी करने का प्रस्तावित बैठक में अनुमोदित किया गया। बैठक में एटीकेटी, मेक-अप, बेकलॉग, अपूर्णता एवं ड्यू पेपर (पूरक परीक्षा को छोड़कर) में अगले सत्र से पूर्नमूल्यांकन किये जाने के प्रस्ताव को भी पास किया गया।

विकास परिषद का गठन

बैठक में यूजीसी के दिशा निर्देश के अनुसार महाविद्यालय विकास परिषद गठित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। महाविद्यालय विकास परिषद कॉलेजों एवं विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक गाइड के रूप में कार्य करेगा। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की रूपरेखा बनाने में, महाविद्यालयों के नियमों का निर्धारिण करने, महाविद्यालयों के विकास एवं नए कॉलेज खोलने के लिए परिपेक्ष्य योजना तैयार करने, शिक्षण, परीक्षण, यूजीसी ग्रान्ट, यूजीसी कार्यक्रम में सहयोग करने आदि पर अपने प्रस्ताव देगी। बैठक का समापन कुलपति महोदय ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया।

अकादमिक परिषद बैठक

कुलपति महोदय प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में 22 जून को केन्द्रीय कार्यालय स्थित सेमीनार हॉल में हुई अकादमिक परिषद की बैठक में विश्वविद्यालय के सभी संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक, लाईब्रेरी व स्पोर्टस बोर्ड के चेयरमेन एवं सिंडीकेट सदस्यों के साथ चुने हुए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें कुल 23 मुद्दों के साथ तीन टेबल ऐजेन्डे पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के अध्यादेश 317, 317 बी व 304 संशोधन के लिए प्रस्तुत किया गया। इससे अकादमिक परिषद् ने स्वीकार कर लिया। बैठक में कुछ नए संकायों को बनाने पर भी चर्चा हुई तथा सभी सदस्यों ने इसके लिए कुलपति महोदय को अधिकृत किया। सभी प्रायोगिक विषयों वाले पी.जी. क्लास में सेमेस्टर सिस्टम सी.बी.सी. को लागू करने पर सहमति जताई गई। बैठक में कुलपति महोदय द्वारा स्किल डवलपमेन्ट (कार्य क्षमता विकास) हेतु कोर्स बनाने व इन कोर्सेज को विश्वविद्यालय में लागू करने पर भी सैद्धान्तिक रूप से सहमति बनी।

परीक्षा सलाहकार एवं परीक्षा समिति की बैठक

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय में 23 जुलाई को माननीय कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में हुई परीक्षा सलाहकार एवं परीक्षा समिति की बैठक में प्रवेश, परीक्षा व परिणाम के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में निर्णय किया गया कि इसी शिक्षा सत्र में होने वाली बी.एड. परीक्षा-2015 का मूल्यांकन केन्द्रीय मूल्यांकन पद्धति द्वारा करवाया जाएगा। अगले सत्र से सभी पाठ्यक्रमों की परीक्षा में भी केन्द्रीय मूल्यांकन पद्धति लागू की जाएगी। अगले सत्र से परीक्षाओं में जेएनवीयू से सम्बद्ध कॉलेजों के शिक्षक, परीक्षक नियुक्त किए जाएंगे। इस बैठक में पूनर्मूल्यांकन परिणाम के बारे में चर्चा का निर्णय लिया कि पूनर्मूल्यांकन परिणाम जल्द घोषित किए जाए। अगले सत्र से सभी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में उत्तरपुस्तिका के अन्दर भी अंक लिखे जाएंगे। साथ ही कोडिंग पद्धति लागू की जाएगी।

सिंडीकेट बैठक सम्पन्न

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय स्थित सभागार में 9 नवम्बर को हुई सिंडीकेट की बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में लगभग 40 बिन्दुओं पर चर्चा हुई। जिसमें वर्ष 2015-16 के बजट, विश्वविद्यालय की सी. ए. रिपोर्ट, शैक्षणिक परिषद् की सिफारिशों को पारित किया गया। नकल प्रकरण में 5 कमेटी द्वारा की गई सुनवाई के निर्णयों और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार बारहवीं योजना के लिए भवन समिति गठन के प्रस्तावों को पारित किया गया। पूर्व में हुई अकादमिक परिषद् की बैठक में लगभग 300 शोध छात्रों को पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने के लिए किए गये निर्णय को सिंडीकेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया, इस पर चर्चा के बाद सिंडीकेट ने यूजीसी की अनुमति मिलने के पश्चात् प्रदान किये जाने का निर्णय लिया।

सीनेट में डेढ़ लाख से अधिक डिग्रियों पर लगी मुहर

पांच साल के अंतराल के बाद आयोजित हुई सीनेट
वर्ष 2009 से 2014 तक की डिग्रियों पर बनी सहमति

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय परिसर में नवम्बर में सीनेट की बैठक कुलपति प्रो.आर.पी.सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई।करीब पांच साल बाद हुई सीनेट बैठक में वर्ष 2009 से 2014 की 1 लाख 54 हजार 222 डिग्रियों पर सीनेट ने अपनी मुहर लगा दी। सीनेट वर्ष 2009 से 2015 की कुल 887 पीएचडी डिग्रियों पर मुहर लगनी थी, लेकिन सिंडीकेट में 198 पीएचडी डिग्रियों को यूजीसी रेगुलेशन 2009 के तहत देने और नहीं देने का मामला उठा था। सिंडीकेट के इस मामले में यूजीसी से दिशा-निर्देश लेने पर सहमति बनी थी। इसलिए सीनेट ने भी 198 पीएचडी डिग्रियों को अनुमोदित नहीं किया। इससे पहले 2010 में तत्कालीन कुलपति प्रो. नवीन माथुर की अध्यक्षता में करीब पांच वर्ष पहले सीनेट की बैठक हुई थी।कुलाधिपति व राज्यपाल ने जोधपुर दौरे के दौरान दीक्षांत समारोह आयोजित करने के लिए निर्देश दिए थे।कुलपति डॉ. रामपाल सिंह ने कार्यभार ग्रहण करते ही दीक्षांत समारोह को प्राथमिकता पर बताया था। इसके मद्देनजर एकेडमिक काउंसिल, सिंडीकेट और सीनेट की बैठक बुलाई गई।

सर्वप्रथम कुलपति प्रो. आरपी सिंह एवं नए सदस्यों का स्वागत किया गया। बैठक में अनुसंधान बोर्ड, शैक्षणिक परिषद एवं सिंडिकेट की पूर्व बैठकों के अनुसार डी-लिट एवं दर्शनशास्त्र में पीएच.डी के उम्मीदवारों को डिग्री प्रदान करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। बैठक में वर्ष 2009-2013 तक जेएनवीयू पाठ्यक्रम के एवं 2013 के महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय अजमेर के अनुसार सफल विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करने संबंधी प्रस्ताव को पारित किया गया। वहीं तात्कालिकता के आधार 2009-2012 की परीक्षाओं में सफल रहे विद्यार्थियों को वीसा, उच्च शिक्षा प्राप्त करने एवं नौकरी के लिए मूल डिग्री प्रमाण पत्र देने के प्रस्ताव को भी पास कर लिया गया।

कुलसचिव गोविंद सिंह चारण, पूर्व कुलपति में प्रो. लोकेश शेखावत, प्रो. एलएस राठौड़, प्रो. महेश माथुर, प्रो. कमलेश पुरोहित, प्रो. चैनाराम चौधरी, प्रो. पीके शर्मा, गोविन्द नारायण पुरोहित व छात्रसंघ अध्यक्ष आनंदसिंह राठौड़ सहित अनेक सदस्य बैठक में मौजूद रहे।

सीनेट में हुए ये महत्वपूर्ण निर्णय

- वर्ष 2009 से 2014 तक जेएनवीयू पाठ्यक्रम के तहत जारी सभी पीजी, यूजी, पीएचडी व डीलिट डिग्रियाँ अनुमोदित।
- एमडीएसयू कोर्स से वर्ष 2013 में उत्तीर्ण होने वाले यूजी व पीजी स्टूडेंट्स की डिग्रियाँ अनुमोदित।
- रिसर्च बोर्ड, एकेडमिक काउंसिल व सिंडीकेट के निर्णयानुसार डीलिट व दर्शन शास्त्र में पीएचडी होल्डर्स की डिग्रियाँ अनुमोदित।
- वर्ष 2009 से 2014 तक के सफल विद्यार्थियों को वीसा, उच्च शिक्षा प्राप्त करने व नौकरी के लिए मूल प्रमाणपत्र देने को मंजूरी।

विश्वविद्यालय का 13वाँ दीक्षांत समारोह

कुलाधिपति एवं राज्यपाल माननीय श्री कल्याण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्रदान की गई

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का तेरहवाँ दीक्षांत समारोह 3 दिसम्बर को माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान श्री कल्याण सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। भव्य समारोह में कुलाधिपति कल्याण सिंह जी ने विश्वविद्यालय की ओर से वर्ष 2014 में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 56 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान कीं। इनमें एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के 9, कला संकाय के 24, वाणिज्य संकाय के 11, विधि संकाय के 2 और विज्ञान संकाय के 10 विद्यार्थी शामिल रहे। वहीं कला व समाज शास्त्र संकाय की डॉ. कांता कटारिया और दिवंगत डॉ. महेन्द्रसिंह नगर को मरणोपरान्त डी-लिट की उपाधि प्रदान की गई। साथ ही विज्ञान संकाय के डॉ. अनिल छंगाणी को डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्रदान की गई।

दीक्षांत भाषण में राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह सभी विश्वविद्यालयों में प्रतिवर्ष होना चाहिए, यह समारोह विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय के लिए जरूरी होते हैं। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह की तिथि पूर्व में तय कर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेण्डर में इसका उल्लेख होना चाहिए। इस विश्वविद्यालय में पढ़े हुए विद्यार्थियों ने न्याय, राजनीति, प्रशासनिक, व्यापारिक, साहित्यिक, तकनीकी, चिकित्सा एवं सामाजिक कार्य के क्षेत्र में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा में सुधार के लिए राज्य में जारी की गई 'आठ पी' (प्रवेश, पढ़ाई, परिसर, परीक्षा, परीक्षण, परिणाम, पुनर्मूल्यांकन और पदक) पर अपनी कार्यशैली को, अपनी कार्यक्षमता को और अपने कार्य क्षेत्र को जाँचना होगा। विद्यार्थी समय पर कक्षाओं में उपस्थित रहे, सभी शिक्षक, सभी कर्मचारी समय पर कक्षाओं एवं कार्यालयों में उपस्थित रहें। विद्यार्थी के हाथों में विश्वविद्यालय के यश की पताका होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों के ज्ञानवर्द्धन के साथ-साथ सही दिशा प्रदान करें। उन्होंने यह भी कहा कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में छात्राओं की संख्या अधिक होना बहुत खुशी की बात है, छात्रों को भी इस पर ध्यान देकर पढ़ाई पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ और आशीर्वाद दिया।

कुलपति डॉ. रामपाल सिंह ने अपने उद्‌बोधन में सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना 14 जुलाई, 1962 में दार्शनिक, शिक्षाविद् एवं राजनीति के शीर्ष महापुरूष सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कर कमलों द्वारा जोधपुर विश्वविद्यालय के रूप में 79 शिक्षक और 5768 विद्यार्थियों के साथ हुई। 12 फरवरी, 1992 को इसका नाम राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री शेर-ए-राजस्थान श्री जयनारायणजी व्यास के नाम पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय रख दिया गया। वहीं 10 अप्रैल, 2012 को इसका स्वरूप आवासीय विश्वविद्यालय से संभागीय विश्वविद्यालय हो गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का इंजीनियरिंग कॉलेज राष्ट्र में

प्रमुख स्थान रखता है, प्रतिवर्ष बहुत सी प्रतिष्ठित कंपनियाँ छात्रों को रोजगार देती है। विज्ञान एवं कला संकाय के विद्वानों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराया है। विधि संकाय के छात्र अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय में न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायाधीश के रूप में पहचान बना चुके है। यहाँ के वाणिज्य संकाय को चार्टर्ड एकाउन्टेंट एवं बैंकिंग ऑफिसर की खान कहा जाता है।

समारोह के अति विशिष्ट अतिथि महापौर, नगर निगम, जोधपुर श्री घनश्याम औझा ने भी समारोह को सम्बोधित किया। वरिष्ठ आई.ए.एस. श्री अजयशंकर पाण्डेय समारोह में बतौर अतिथि उपस्थित थे। इससे पहले

समारोह स्थल पहुंचने पर माननीय कुलाधिपति का गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। समारोह में पूर्व कुलपति प्रो. एल.एस. राठौड़, सूरसागर विधायक श्रीमती सूर्यकांता व्यास, शहर विधायक श्री कैलाश भंसाली, लूणी विधायक श्री जोगाराम पटेल, शेरगढ़ विधायक श्री बाबूसिंह राठौड़, ओसियां विधायक श्री भैराराम सियोल, जिला प्रमुख श्री पूनाराम चौधरी, विश्वविद्यालय वित्त नियंत्रक श्री आबिद खान, छात्रसंघ अध्यक्ष श्री आनन्द सिंह राठौड़, विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक, सिण्डीकेट और सीनेट के माननीय सदस्यगण, विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण, मीडिया के सभी प्रतिनिधिगण, शहर के वरिष्ठजन के साथ छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। समारोह का संचालन कुलसचिव श्री गोविन्दसिंह चारण और प्रोफेसर कल्पना पुरोहित ने किया।

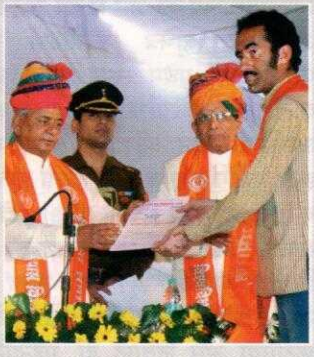

पांच दिवसीय स्वर्ण पदक वितरण समारोह

प्रथम दिवस

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की विभिन्न परीक्षाओं में सफल रहे विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। प्रथम दिन आयोजित समारोह में अभियांत्रिकी व वास्तुकला संकाय, कला, शिक्षा व समाज विज्ञान संकाय, वाणिज्य एवं प्रबन्धन संकाय, विज्ञान संकाय व विधि संकाय में वर्ष 2012 और वर्ष 2013 की विभिन्न परीक्षाओं में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 50 विद्यार्थियों को अतिथियों ने स्वर्ण पदक प्रदान किए।

मुख्य अतिथि राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. ललित के. पंवार ने अपने उद्‌बोधन में स्वर्ण पदक धारकों एवं उनके परिवार वालों को बधाई देते हुए कहा कि जीवन में जीतने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति की हमेशा जीत होती है। डॉ. पंवार ने कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि, स्थापना दिवस, 13 वर्षों बाद दीक्षान्त समारोह एवं विश्वविद्यालय के लिए बनाए गए कुलगीत के लिए मैं कुलपति का आभार व्यक्त करता हूं।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने कहा कि आज का यह अवसर हमें स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने प्रदान किया है। व्यक्ति अथक परिश्रम करके, दृढ़ निश्चय से ही सफल होता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय का प्रचारक होता है, विद्यार्थी की समाज में बनी छवि विश्वविद्यालय की छवि को इंगित करती है। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने रमानाथ अवस्थी रचित कविता ''चाहे हवन का हो, चाहे कफन का हो, धुएँ का रंग एक है'' का पाठ किया।

द्वितीय दिवस

समारोह के दूसरे दिन अभियांत्रिकी व वास्तुकला संकाय, कला, शिक्षा व समाजशास्त्र संकाय, वाणिज्य एवं प्रबन्धन संकाय, विज्ञान संकाय व विधि संकाय में वर्ष 2010 और वर्ष 2011 की विभिन्न परीक्षाओं में सफल हुए 103 विद्यार्थियों को अतिथियों ने स्वर्ण पदक प्रदान किए।

मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. एल.एस. राठौड़ ने अपने उद्‌बोधन में स्वर्ण पदक धारकों एवं उनके माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि मैं ऐसा ही एक मौका तलाश रहा था जहाँ में कुलपति महोदय प्रो. आर.पी. सिंह को विश्वविद्यालय की प्रगति और प्रतिष्ठा के लिए प्रभावशाली और उत्तम ढ़ंग से किए जा रहे कार्यों के लिए बधाई दूं और आज ये मौका मुझे प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक होते है। प्रो. राठौड़ ने कहा कि लगन, धुन और एकाग्रता एक विद्यार्थी में होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि आत्मा को शुद्ध रखो, इच्छाओं को सीमित रखो तो उन्नति अवश्य होती है। उन्नति एक दिन में प्राप्त नहीं होती यह तो एक-एक सीढ़ी चढ़कर प्राप्त करनी पड़ती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे दार्शनिक और महान व्यक्तित्व वाले लोग जैसे नेपोलियन, कार्ल मार्क्स, स्पेनिजर आदि की जीवनी को पढ़ने की सलाह दी, उन्होंने कहा कि उनके जीवन के संघर्ष से प्रेरणा मिलती है।

विशिष्ट अतिथि आफरी के निदेशक श्री एन.के. वासु ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मैंने राजस्थान विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और तब से लेकर आज तक उस स्वर्ण पदक को मैं हमेशा अपने साथ रखता हूं, जो मुझे यह प्रेरणा देता है कि अच्छे कर्म की और अच्छे आचरण की कभी हार नहीं होती। उन्होंने कहा कि शिक्षा में स्वर्ण पदक प्राप्त करना जीवन का अविस्मरणीय पल होता है, वह पल हमेशा उन्नति की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। उन्होंने स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों, शिक्षकों, विभागाध्यक्षों और अधिष्ठाताओं को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि जोधपुर शहर विधायक एवं सिंडीकेट के मानद सदस्य श्री कैलाश भंसाली ने सभी को बधाई देकर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कुलपति महोदय की प्रशंसा करते हुए कहा कि दीक्षान्त समारोह में जिन विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक नहीं दिया जा सका, उनके लिए स्वर्ण पदक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसके लिए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की ख्याति सदैव बनी रहे इसके लिए पूरा विश्वविद्यालय परिवार पूर्ण रूप से प्रयत्नशील है। उन्होंने विश्वविद्यालय में कन्वोकेशन हॉल के निर्माण के लिए कहा कि वे विधायक के रूप में पूरी निष्ठा से अपनी भूमिका निभायेंगे।

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में उपस्थित आमंत्रित गणमान्य अतिथियों का स्वागत कर स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों को बधाई दी। जब परिवार में से किसी सदस्य को उपलब्धि मिलती है, तो वह पल सुखद होता है, वे अपनी संस्कृति की उपलब्धियों से सम्मानित होते है। विद्या, ज्ञान प्राप्त करने की कोई आयु नहीं होती, ज्ञान कही से भी प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने श्रीराम, श्रीकृष्ण, अर्जुन और चन्द्रगुप्त मोर्य के जीवन की बातों से विद्यार्थियों को प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि कोई कार्य करे और उस कार्य के लिए शाबाशी मिले तो अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति परिस्थितियों के आधार पर आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा की आपको मिला सम्मान, विश्वविद्यालय का सम्मान है, प्रतिष्ठा है। प्रो. सिंह ने अर्जुन और द्रोणाचार्य को याद करते हुए कहा कि अगर विद्यार्थी सजग हो, उसमें जिज्ञासा हो तो उसके सफल होने पर गुरू का मान बढ़ता है।

अधिष्ठाता प्रो. ललित गुप्ता ने सभी आमंत्रित अतिथियों एवं स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. सपना पटावरी ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

तृतीय दिवस

स्वर्ण पदक वितरण समारोह के तीसरे दिन कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में वर्ष 2008 और 2009 की परीक्षाओं में सफल रहे 113 (2009 के 12, 2008 के 19 तथा 2010 एवं 2012 के 1-1) विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि आईआईटी, जोधपुर के निदेशक प्रो. सी. वी.आर. मूर्ति ने अपने उद्‌बोधन में स्वर्ण पदक धारकों

एवं उनके माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों का सम्मान कर, विश्वविद्यालय स्वयं का सम्मान करता है। विशिष्ट अतिथि 'जलतेदीप' के मुख्य संपादक श्री पदम मेहता ने अपना उद्‌बोधन राजस्थानी भाषा में दिया। उन्होंने स्थानीय भाषा के शब्द कोषों को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए विद्यार्थियों को अपनी भाषा से प्रेम करने तथा उसकी संस्कृति और ख्याति से रूबरू करवाया। विशिष्ट अतिथि श्री राजेन्द्र गहलोत ने विश्वविद्यालय के रचनात्मक कार्यों को गति प्रदान करने के लिए कुलपति महोदय का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आज के युग में शिक्षा व्यवसायिक हो गई है, ये एक चुनौती है। उन्होंने पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कहा कि देश दिशाहीन हो रहा है जिसे शिक्षा के माध्यम से सही दिशा प्रदान करना आपके हाथों में है।

चतुर्थ दिवस

समारोह के चौथे दिन कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में वर्ष 2005, 2006 और 2007 की परीक्षाओं में सफल रहे 117 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि जेएनवीयू के पूर्व कुलपति प्रो. लोकेश कुमार शेखावत ने अपने उद्‌बोधन में स्वर्ण पदक धारकों एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि भारत की प्रतिभाओं का लोहा पूरा विश्व मानता है। विश्व में 38 प्रतिशत डॉक्टर, नासा में 36 प्रतिशत वैज्ञानिक भारतीय है, भारत की बुद्धि का चमत्कार पूरी दुनिया जानती है।

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन दिया। एमजीएस विश्वविद्यालय, बीकानेर के पूर्व कुलपति डॉ.गंगाराम जाखड़ एवं विद्या भारती के प्रांत सचिव श्री महेन्द्र दवे ने स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं एवं उनके परिवारजनों को बधाई दी।

वर्ष 2002 से वर्ष 2013 तक की विश्वविद्यालय परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों का पांच दिवसीय स्वर्ण पदक वितरण समारोह 19 दिसम्बर को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वर्ष 2002, 2003 एवं 2004 की परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विभिन्न संकायों के 98 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि पूर्व नरेश जोधपुर एवं पूर्व सांसद (राज्यसभा) श्री गजसिंह ने राजस्थानी भाषा में दिए अपने उद्‌बोधन में कहा कि व्यास विश्वविद्यालय का पूरे राजस्थान में विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि, जोधपुर शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ रहा है, उन्होंने स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ताओं और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम सक्सेना ने अपने उद्‌बोधन में विद्यार्थियों को बधाई और कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह को इसके लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दीक्षान्त समारोह विश्वविद्यालय के लिए और विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक होते है। प्रो. सक्सेना ने कहा कि यह सफलता छात्रों की नहीं बल्कि उनके माता-पिता और गुरूजन की सफलता है। विशिष्ट अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति प्रो. होशियार सिंह ने उद्‌बोधन में कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए दीक्षान्त समारोह का महत्व होता है। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी का आचरण ही उसका सही पदक होता है। व्यास विवि के कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में आमंत्रित गणमान्यों अतिथियों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि परिश्रम, सहनशील और संवेदनशील व्यक्तित्व वाला व्यक्ति सदैव सफलता प्राप्त करता है। कुलसचिव श्री गोविन्द सिंह चारण ने आमंत्रित अतिथियों, स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

रूसा प्रोजेक्ट के तहत 20 करोड़ की स्वीकृति

विश्वविद्यालय विकास के लिए प्रोजेक्ट

मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राज्यों के विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में आधारभूत ढ़ाँचे को विकसित करने एवं विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए अन्य सुविधाओं के विकास के लिए राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) शुरू किया है।

आयुक्तालय उच्च शिक्षा, राजस्थान सरकार व एमएचआरडी ने आपसी सहमति कर विश्वविद्यालयों के आधारभूत ढ़ाँचे को मजबूत करने के लिए मार्च-अप्रेल 2015 में प्रस्ताव मांगे गए थे। प्रो. आर के यादव द्वारा विश्वविद्यालय के सभी विभागों एवं संकायों से जानकारी जुटाते हुए विश्वविद्यालय का दृष्टि दस्तावेज एवं पूर्ण डाटाबेस तैयार कर 22 मई 2015 को आयुक्तालय उच्च शिक्षा, राजस्थान को प्रस्ताव भिजवाया गया। जो स्वीकृत होने के बाद मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार को अग्रेषित किया गया। राजस्थान सरकार द्वारा ऐसे 7 विश्वविद्यालयों के प्रतिवेदन अग्रेषित किए गए थे, जिसमें से मात्र 4 को, जिसमें जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय भी सम्मिलित है, को स्वीकृति प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय के आधारभूत ढ़ाँचे के विकास के लिए यह प्रोजेक्ट मील का पत्थर साबित होने वाला है एवं विश्वविद्यालय के संरचनात्मक ढ़ाँचे, लैब, खेल सुविधाएँ तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए अन्य आधारभूत सुविधाऐं विकसित हो पाएंगी।

गौरतलब है कि इसी तरह के प्रोजेक्ट के तहत जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय से संबंद्ध 4 महाविद्यालयों जिसमें पाली, जैसलमेर के एक-एक तथा बाड़मेर के दो सरकारी महाविद्यालयों को 2-2 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है।

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने किया नांदड़ा कलां का दौरा

राजस्थान के राज्यपाल एवं माननीय कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव नांदड़ा कलां का 4 दिसम्बर को दौरा किया। राज्यपाल महोदय ने गांव की निराश्रित 11 महिलाओं को सिलाई मशीन भेंट की एवं गांव के विद्यालय में अध्ययनरत विकलांग छात्र को ट्राई साईकिल भेंट की।

राज्यपाल महोदय ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गांव का विकास, देश का विकास है। गांव को नशा मुक्त बनाओ, बच्चों को अपने बड़ों को नशा करने से रोकना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान एक अच्छा प्रदेश है, यहाँ की भाषा अच्छी है, मुझे यहाँ आकर बहुत प्रसन्नता का अनुभव हुआ है। उन्होंने कहा कि 'मैं गांव का हूँ, गांव में आया हूँ, किसान का बेटा हूँ, किसानों के पास आया हूँ।' उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि 'गांव की ओर चलो'। गांव में सफाई होगी, स्वच्छता होगी, गांव नशा मुक्त होगा, अपराध मुक्त होगा तो गांव का विकास होगा और गांव का विकास ही देश का विकास है। उन्होंने कहा कि सबको शिक्षा मिले, गांव-गांव में बिजली हो, सड़क, परिवहन सुविधा सही हो, सुरक्षा, स्वरोजगार हो उसके लिए वे सदैव कार्य करते रहेंगे क्योंकि गांव बदलेगा तभी देश बदलेगा और देश का विकास होगा। उन्होंने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ 'के बारे में कहा कि जब एक बेटा पढ़ता है तो एक परिवार बढ़ता है परन्तु जब एक बेटी पढ़ती है तो दो परिवार बढ़ते हैं। बेटी पराया धन नहीं होती। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री महोदय ने गांव के विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने ग्रामवासियों से अपील की कि एक भी बालक-बालिका बिना शिक्षा के नहीं रहना चाहिए। उन्होंने ग्रामवासियों को विश्वास दिलाया कि गांव के विकास के लिए वे राज्य सरकार को अपने स्तर पर कहेंगे। राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को गांव में किए गए अच्छे कार्यों की बधाई दी।

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कुलाधिपति महोदय का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि गांव का विकास ही देश के विकास की राह है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार द्वारा लिए गए गांवों के विकास कार्य पर जोर दिया जायेगा एवं गांवों में सफाई व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था पर ध्यान दिया जायेगा। समय-समय पर विश्वविद्यालय परिवार गांवों के हितों के लिए कार्यक्रम करते रहेंगे। उन्होंने सभी ग्रामवासियों को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके सहयोग के बगैर गांव का विकास संभव नहीं है। अतः हमें सदैव आप सभी का सहयोग प्राप्त होता रहे। विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ मिलकर कार्य करेगा।

सरपंच हनुमानराम विश्नोई ने गांव का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया तथा राज्यपाल महोदय से गांव में कौशल विकास व उच्च शिक्षा हेतु महाविद्यालय की मांग की। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत पूरा गांव शौचालय युक्त हो चुका है।

विधायक जोगाराम पटेल ने अपने उद्‌बोधन में सभी का आभार व्यक्त किया और राज्यपाल महोदय से गांव के विद्यालय को क्रमोन्नत कर कक्षा 12वीं तक करने की मांग की।

जिला प्रमुख पूनाराम चौधरी ने कहा कि राज्यपाल महोदय के आगमन से हमारे गांव नांदड़ा कलां के विकास में चार चाँद लग गए। उन्होंने राज्यपाल महोदय से गांव में दुबारा आने का आग्रह किया। जोधपुर शहर विधायक कैलाश भंसाली ने गांव के विद्यालय को 10 लाख रूपये की सहायता प्रदान करने की घोषणा की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों का पीपीटी प्रजेन्टेशन डॉ. क्षितिज महर्षि ने दिया। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक प्रो. कैलाश डागा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

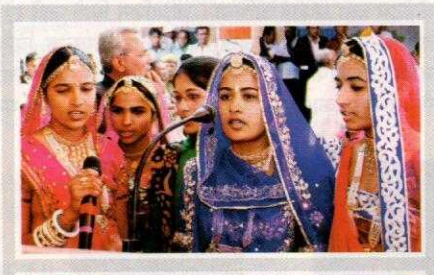

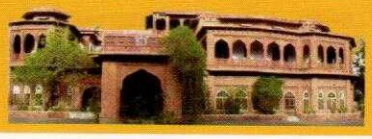

स्वच्छता अभियान के तहत पाँच गांव लिए गोद

कुलपति ने की ग्रामीणों से 'स्वच्छ भारत अभियान' से जुड़ने की अपील

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किये गए 'स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान' में विश्वविद्यालयों की पूर्ण सहभागिता के तहत जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय ने भी स्वच्छता अभियान का बीड़ा उठाया है। जिसमे समय-समय पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं एनएसएस के स्वयंसेवकों, एनसीसी के कैडेट्स द्वारा सफाई अभियान आयोजित किये जाते रहेंगे तथा ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने दईजर ग्राम चौराहे से अभियान का शुभारम्भ करते हुए ग्रामीणों से अपने घर, ग्राम को स्वच्छ रखने की अपील की। उन्होंने ग्रामवासियों से आह्वान किया कि, सफाई का विशेष ध्यान रखे, पॉलीथीन का उपयोग न करें, खुले में शौच न जाये तथा शौचालय का निर्माण करवायें।

इसी तरह सांगरिया गाँव के सरकारी विद्यालय तथा सांगरिया पंचायत समिति कार्यालय के आस-पास सफाई अभियान संचालित किया गया। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने ग्रामीणों को सफाई का महत्व बताते हुए कहा कि सफाई से हम स्वस्थ रह सकते हैं तथा हमें गन्दगी नहीं फैलानी चाहिए। कुलपति ने प्लास्टिक/पॉलीथीन से होने वाले नुकसान के बारे में भी बताया। सफाई अभियान में कुलपति महोदय के साथ सांगरिया गाँव के सरपंच श्री लक्ष्मण राम चौधरी, पूर्व उपसरपंच श्री जवाहर सिंह राजपुरोहित, विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री धानाराम विश्नोई, संस्था प्रभारी श्री प्रेम नारायण तथा वरिष्ठ अध्यापक श्री शिवा सिंह राजपुरोहित ने भी भागीदारी निभाई।

उल्लेखनीय है कि, विश्वविद्यालय ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत दईजर, आगोलाई, सांगरिया, नांदड़ा एवं शिकारगढ़ गाँवों को गोद लिया है।

भाषा प्रकोष्ठ में स्वच्छता अभियान

नया परिसर स्थित भाषा प्रकोष्ठ में 12 सितम्बर को सफाई अभियान संचालित किया गया। विभाग के नौ सदस्यों डॉ. राजेन्द्र परिहार, डॉ. जयसिंह राठौड़, डॉ. अर्जुन लाल मीना, डॉ. आशा राठौड़, डॉ. गोविन्द सिंह, डॉ. ललित सिंह झाला, डॉ. ओम प्रकाश एवं श्री गौरव जैन के नेतृत्व में नौ टोलियों का गठन कर प्रत्येक टोली में प्रभारी व छात्र-छात्राओं एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा भाषा प्रकोष्ठ एवं लोक प्रशासन विभाग के आस-पास के विभिन्न स्थानों पर कचरा साफ कर घास-फूस हटाई गई एवं झाड़ियाँ काटकर सम्पूर्ण परिसर को साफ किया गया।

वीकर सेक्शन में स्वच्छ भारत अभियान

विश्वविद्यालय के पुराना परिसर स्थित कोचिंग सेन्टर फॉर वीकर सेक्शन में 9 सितम्बर को स्वच्छ भारत अभियान के तहत श्रमदान किया गया। कार्यक्रम का आरंभ कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने की। वीकर सेक्शन के निदेशक डॉ अर्जुनलाल मीणा सहित छात्रों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने पूरे परिसर में श्रमदान किया।

योग्यजन प्रकोष्ठ में रोजगार मेला

कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के तत्वावधान में विशेष योग्यजन प्रकोष्ठ की ओर से नया परिसर स्थित भाषा प्रकोष्ठ के सभागार में 18 दिसम्बर को ''रोजगार मेला'' आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस मेले की सराहना की और कहा कि 'व्यक्ति वो है जो दूसरों के लिए जीये, दूसरों की सहायता करें एवं दूसरों को उन्नति की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा निस्वार्थ भावना से करे।' प्रकोष्ठ की संयोजक

प्रो. प्रभावती चौधरी ने बताया कि मेले में वी मार्ट ने 36, वरटेक्स ने 23, टेली परफोर्मेन्स ने 4, बिग बाजार ने 17, श्री शुभम् ने 9, जेन ने 11 और विशाल मेगा मार्ट ने 24 विद्यार्थियों का चयन किया। रोजगार मेले में प्रज्ञाचक्षु, मूक बधिर और विकलांग छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुधि राजीव ने अतिथियों का अभिनन्दन किया।

विजेताओं को मिले पुरस्कार: 15 दिसम्बर को आयोजित पोस्टर एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को इस अवसर पर पुरस्कार प्रदान किए गए।

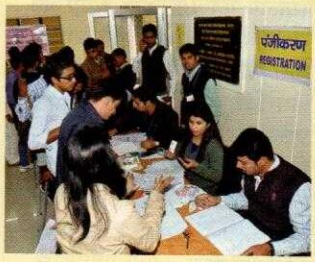

आनन्दसिंह राठौड़ बने छात्रसंघ अध्यक्ष

एपेक्स के चारों पदों पर बारह साल बाद जीती विद्यार्थी परिषद

संभाग में उच्च शिक्षा के सबसे बड़े केन्द्र जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में अगस्त में छात्रसंघ चुनाव की धूम रही। छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के उम्मीदवार छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष सहित वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महासचिव संयुक्त महासचिव पदों पर कब्जा जमाया। एबीवीपी के पूरे पैनल ने करीब 12 साल बाद एपेक्स के चारों पदों पर जीत हासिल की।

जेएनवीयू छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी की ओर से अध्यक्ष पद के उम्मीदवार आनंद सिंह राठौड़ ने 1974 मतों से भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई के प्रत्याशी प्रदीप कसवा को हराया। आनंद सिंह को 4624 व प्रदीप को 2650 मत प्राप्त हुए। छात्रसंघ चुनाव के दौरान हुई 44.82 प्रतिशत मतदन हुआ। कुल मतदान का 55.69 प्रतिशत वोट एबीवीपी से अध्यक्ष पद पर जीते आनंद सिंह को मिले। वहीं स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया एसएफआई पद के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अशोक मेहरा को 947 मत मिले। इसी पद की निर्दलीय उम्मीदवार पूजा सारस्वत को सिर्फ 82 मत मिले।

राजपुरोहित बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष

छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार नरेंद्र सिंह राजपुराहित विजयी घोषित किए गए। राजपुरोहित को 3524 मत मिले। राजपुरोहित ने निकटतम उम्मीदवार एसएफआई की प्रियंका विश्नोई को 1207 मत से हराया, प्रियंका को 2317 मत मिले।

महासचिव व संयुक्त महासचिव पद पर सीधा मुकाबला रहा। महासचिव पद पर विद्यार्थी परिषद की उम्मीदवार निकिता गहलोत ने 3419 वोट से एसएफआई के कैलाश कुमार को हराया। संयुक्त महासचिव पद पर भी विद्यार्थी परिषद के प्रतीक सूर्या विजयी घोषित किए गए। प्रतीक सूर्या 542 वोट से जीते उन्होंने नेहा को हराया।

संकाय व संस्थान में भी उत्साह से किया मतदान

विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव विभिन्न संकायों में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इस बार परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया। इसके मद्देनजर पुलिस की सख्ती रही।

विद्यार्थियों ने इस बार पिछले साल के मुकाबले ज्यादा मतदान किया। इस बार 44.82 फीसदी मतदान रहा, जबकि गत वर्ष 38.22 प्रतिशत रहा था। 19 हजार 10 मतदाताओं में से कुल 8 हजार 521 नियमित विद्यार्थियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सबसे ज्यादा मतदान का प्रतिशत विज्ञान संकाय में 59.49 प्रतिशत रहा।

बीबीए-एलएलबी के छात्र हैं आनंदसिंह

विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष चुने गए आनन्दसिंह राठौड़ गढ़ी (पोकरण) के मूल निवासी हैं। 15 जुलाई 1991 को मतोड़ा (ओसियां) में जन्में आनंद सिंह विश्वविद्यालय में बीबीए-एलएलबी के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी है। आनंद सिंह के पिता गुलाब सिंह शेरगढ़ में सरकारी शिक्षक और माता श्रीमती उच्छब कंवर गृहिणी हैं।

मतदान	कुल वोट	वोट पड़े	प्रतिशत
कला संकाय	2393	1333	55.70
वाणिज्य संकाय	2928	1074	36.68
विज्ञान संकाय	2266	1348	59.49
इंजीनियरिग संकाय	3009	1738	57.76
विधि संकाय	1299	467	35.95
सांयकालीन केंद्र	1816	900	49.56
केएन कॉलेज	3695	1293	34.99
भाषा प्रकोष्ठ	1604	368	22.94

Name of Post	Name of elected candidate
President	Anand Singh Rathor
Senior Vice-president	Narendra Singh Rajpurohit
General Secretary	Nikita Gehlot
Joint General Secretary	Prateek Surya

FACULTY OF ARTS, EDUCATION & SOCIAL SCIENCE

Name of Post	Name of elected candidate
Vice President	Shakti Singh Rathore
Secretary	Bhaga Ram

FACULTY OF COMMERCE & MANAGEMENT STUDIES

Name of Post	Name of elected candidate
Vice President	Virendra Singh
Secretary	Subham Deora

FACULTY OF SCIENCE

Name of Post	Name of elected candidate
Vice President	Gajendra Bhanwariya
Secretary	Kailash Chand

FACULTY OF ENGINEERING & ARCHITECTURE

Name of Post	Name of elected candidate
Vice President	Kailash Singh
Secretary	Aakash Mathur

INSTITUTE OF EVENING STUDIES

Name of Post	Name of elected candidate
Vice President	Bhoom Singh
Secretary	Mahaveer Singh

FACULTY OF LAW

Name of Post	Name of elected candidate
Vice President	Mahipal Singh Rathore
Secretary	Jeth Mal Parihar

K.N. COLLEGE FOR WOMEN

Name of Post	Name of elected candidate
Vice President	Shanu Rajvi
Secretary	Pratibha Kumari

गत वर्षो का मतदान प्रतिशत

2012 में 51.94, 2013 में 44.98, 2014 में 38.22 व 2015 में 44.82 प्रतिशत रहा।

छात्र पंचायत-संवाद

संवाद के माध्यम से सृजन ही होता है : कुलपति प्रो. सिंह

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की समस्याओं को समझने, जानने एवं उसके निवारण के लिए सभी संकायों में संकाय पंचायत का आयोजन किया गया। सभी छात्र पंचायत में विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो.आर. पी. सिंह मौजूद रहे। 20 अक्टूबर को कला संकाय, सायंकालीन अध्ययन संस्थान एवं विधि संकाय में छात्र

पंचायत का आयोजन किया गया। संकाय पंचायत में कुलपति महोदय प्रो. आर.पी. सिंह के साथ कला संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुधि राजीव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. जैताराम विश्नोई, प्रो. महेश माथुर, प्रो. चन्द्रशेखर चौधरी, छात्रसंघ अध्यक्ष आनन्द सिंह, संकाय उपाध्यक्ष शक्ति सिंह, विश्वविद्यालय अभियंता, शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने संकाय पंचायत में कहा कि इन्सान के जीवन में समस्याएं आती हैं लेकिन उसे सही रूप में समझने से समस्या अपने आप दुरूस्त की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा की विश्वविद्यालय में प्रत्येक शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी का दायित्व है कि छात्रों की बात सुनें, समझें तथा उचित हल निकालें। छात्र भी अपनी समस्याएं सही तरीके से, अनुशासित रूप से रखें। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को कक्षाओं में अपनी पूर्ण उपस्थिति देनी चाहिए, और शिक्षक भी अपनी कक्षाएं लेवें यह उनका दायित्व है। विभागाध्यक्ष कम से कम 2 माह में एक बार छात्रों के साथ पंचायत रखें और शिक्षक को शिक्षक धर्म का एवं विद्यार्थी को विद्यार्थी धर्म का पालन करना चाहिए।

परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर जैताराम विश्नोई ने कहा कि छात्रों को अपनी समस्याएँ संबंधित विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता को बतानी चाहिए। उनकी समस्याओं का निवारण होगा, इसके लिए छात्रों को कुलसचिव एवं कुलपति कार्यालय में आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कला संकाय, सायंकालीन अध्ययन संस्थान एवं विधि संकाय के छात्रों ने पंचायत में कुलपति महोदय के समक्ष नये व आधुनिक ब्लेक बोर्ड लगाने का आग्रह किया। इसके अलावा फर्नीचर की मरम्मत करवाने, शौचालय की सफाई नियमित, कक्षा-कक्षों की कमी को दूर करने की मांग रखी। कक्षाओं को समय पर लगाने, बिजली की समस्या के निराकरण के लिए जेनरेटर लगवाने का आग्रह किया। वहीं एलएलएम के छात्र रज्जाक ने कहा कि छात्रों के लिए सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ बढ़ाई जाए व परिसर में सेमिनार हॉल के निर्माण का निवेदन किया। मूट कोर्ट की व्यवस्था करने तथा कम्प्यूटर लैब प्रारम्भ करने की मांग भी की गई। सायंकालीन अध्ययन संस्थान के छात्रों ने बताया कि कक्षा-कक्ष व संकाय परिसर में कचरा पात्र लगवाए जाए एवं पुनर्मूल्यांकन का परिणाम समय पर जारी करवाने की मांग की।

कुलपति ने सभी छात्रों की समस्याओं को सुनने के बाद कहा कि एक माह के भीतर संकाय में जनरेटर की व्यवस्था कर दी जाएगी। संकायों में शौचालय की व्यवस्था में सुधार किया जाएगा तथा नियमित रूप से साफ-सफाई की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि सायंकालीन संस्थान में वाईफाई की व्यवस्था शीघ्र ही की जाएगी। विश्वविद्यालय में जो परीक्षक उत्तर पुस्तिका जांचने में लापरवाही बरतेंगे उनके खिलाफ कार्यवाही होगी। विधि संकाय में प्लेसमेंट सेल की स्थापना कर प्लेसमेंट की सुविधा उपलब्ध करवाने का भरोसा दिलाया गया। कुलपति ने समस्याओं से संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि कोई भी छात्र अपना फॉर्म जमा करवाता है तो उसकी रसीद दी जाए।

नया परिसर

नया परिसर के कला संकाय भाषा प्रकोष्ठ में 27 अक्टूबर को छात्र पंचायत का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने कहा कि 'जब भी सृजन होता है तब संवाद के माध्यम से ही होता है। संवाद पहली शर्त है विकास की, निर्माण की।' उन्होंने कहा कि संकाय पंचायत में जो भी निर्णय हो उन पर कार्यवाही भी होगी। विश्वविद्यालय परिसर शिक्षक और छात्रों के लिए, छात्रों के कारण ही है यह हमें समझना होगा, शिक्षक धर्म की पालना करना हमारा कर्तव्य है। इन पंचायतों से निश्चित ही छात्रों को आने वाली समस्याओं में सुधार होगा।

छात्रों ने कुलपति महोदय के समक्ष योगा डिपार्टमेन्ट की बाउन्ड्री, महिला उत्पीड़न सेल, नर्सिंग रूम की व्यवस्था, शौचालय की साफ-सफाई, दृष्टिहीन छात्रों के लिए ऑडियो लाईब्रेरी की व्यवस्था, नये परिसर में एसटी हॉस्टल की व्यवस्था, शोध छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था, पीने के पानी के वाटर कूलर की समय-समय पर देखरेख, कक्षा-कक्ष की छतों का पुनर्निर्माण, पत्रकारिता की किताबें उपलब्ध करवाने, परीक्षा परिणाम समय पर जारी करने, पुनर्मूल्यांकन में अंकों का वेरिफिकेशन किया जाए, प्रवेश आवेदन प्राप्ति देने, प्राईवेट ऑनलाइन फॉर्म की व्यवस्था को सुचारू करने एवं छात्रों की उपस्थिति तय की जाने आदि समस्याएँ बताई।

संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुधि राजीव ने कहा कि संकाय में आनी वाली समस्याओं को छात्र, शिक्षक, कर्मचारी एवं विश्वविद्यालय प्रशासन मिलकर दूर करेंगे। फिजिकल डिसऐबल सेल इससे संबंधित समस्याओं को दूर करने में छात्रों की सहायता करेंगी। उन्होंने यह भी कहा की उर्दू विषय में एम.ए. के लिए प्रयास शुरू कर दिये गए हैं।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. जैताराम विश्नोई ने बताया कि गोल्ड मेडल के लिए एसएफएस की कमेटी बनेगी जिसके लिए प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है, संकाय में प्लेसमेंट सेल की स्थापना कर कम्पनियों को बुलाकर प्लेसमेंट की सुविधा दिलवाई जायेगी, योगा विभाग की बाउन्ड्री की तारबंदी की हुई है तथा लाईट की व्यवस्था भी जल्द ही कर दी जायेगी, महिला एवं यौन उत्पीड़न सेल बनी हुई है जिसकी चेयरमेन प्रो. पूनम बावा हैं जो इससे संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु सदैव तत्पर है, ऑनलाइन की तकनीकी खराबी को संकाय स्तर पर ही सुधारा जायेगा, आवेदन जमा करने की रसीद दिये जाने के आदेश पंचायत में ही कर दिया गया, दृष्टिहीन छात्रों के लिए ऑडियो लाईब्रेरी की व्यवस्था जल्द ही की जायेगी, परीक्षा परिणाम जल्द जारी किये जायेंगे, पूनर्मूल्यांकन का वेरिफिकेशन किया जायेगा और दोषियों पर कार्यवाही की जायेगी इन सभी समस्याओं के लिए समस्याओं से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

छात्रसंघ अध्यक्ष आनन्द सिंह ने छात्रों से अपील की कि वे कक्षाओं में अपनी उपस्थिति को बढ़ायें एवं समय पर अपनी कक्षाओं में उपस्थित हो ताकि शिक्षक कक्षाओं में नियमित व सुचारू रूप से शिक्षण कार्य करवा सके।

विज्ञान संकाय छात्र पंचायत

कुलपति प्रो.आर. पी. सिंह के सानिध्य में विज्ञान संकाय में 17 नवम्बर को छात्र पंचायत का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों की समस्याओं का सुना गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कक्षाओं की समय साफ-सफाई करवाने का आग्रह किया। एस.टी. गर्ल्स हॉस्टल प्रवेश संबंधी समस्याओं में भी कुलपति महोदय को अवगत करवाया। इस पर कुलपति महोदय ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। परीक्षा नियंत्रक प्रो. जैताराम विश्नोई, विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. प्रदीप कुमार शर्मा, भौतिक विभाग के अध्यक्ष प्रो.आर.जे. सेंगवा, वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. सुन्दरमूर्ति, रसायनविभाग के प्र

प्रदीपकुमार शर्मा, प्राणी शास्त्र विभाग के प्रो.घनश्याम त्रिपाठी, गणित विभाग के प्रो.आर.के.यादव एवं भू-गर्भ

विभाग के प्रो. के.एल. श्रीवास्तव सहित अनेक शिक्षक एवं विद्यार्थी छात्र पंचायत में मौजूद रहे।

कमला नेहरू कॉलेज में छात्र पंचायत

कमला नेहरू कॉलेज में नवम्बर माह में छात्र पंचायत का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आरपी सिंह ने कॉलेज में छात्राओं की समस्याओं को सुना। छात्र पंचायत में कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. जैताराम विश्नोई, यूनिवर्सिटी इंजीनियर डॉ. एच पी गौड़ व कॉलेज की निदेशक प्रो. कल्पना पुरोहित भी मौजूद थीं। कॉलेज की छात्रसंघ उपाध्यक्ष शानू राजवी सहित बड़ी संख्या में छात्राएँ मौजूद रहीं और अपनी समस्याओं से कुलपति महोदय को अवगत करवाया।

अभियांत्रिकी संकाय में छात्र-पंचायत

कुलपति महोदय के निर्देशानुसार छात्रों की समस्याओं को समझने, जानने एवं उसके निवारण के लिए सभी संकायों में आयोजित की जा रही संकाय पंचायत के तहत् अभियांत्रिकी संकाय के ऑडिटोरियम में 16 अक्टूबर को छात्र पंचायत हुई। संकाय के छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह से भागीदारी निभाते हुए नित्य आने वाली समस्याओं से कुलपति महोदय को अवगत कराया।

कुलपति डॉ आर पी सिंह ने सभी छात्रों से संवाद के उपरान्त आने वाली सभी समस्याओं पर अपने उद्बोधन में उनको शीघ्र ही समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा की इंजीनियरिंग के विद्यार्थी को देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है और उसके लिए उन्हें अनुशासन व शान्ति से अपनी बात कहनी होगी तथा संकल्प लेना होगा कि वे अपना व्यवहार व विचार सकारात्मक रखेंगे। कुलपति ने कहा कि संकाय के छात्र अपनी बात सही तरीके से विभागाध्यक्ष से कहें, और यदि आपकी उचित मांग संकाय स्तर पर नहीं सुलझती है तो छात्रसंघ पदाधिकारी हमसे मिलें।

समस्याऐं सुनने के बाद सभी समस्याओं पर संबंधित अधिकारी एवं प्रभारी ने क्रमवार इन समस्याओं को सुलझाने के प्रयास और कार्यक्रम बताए। प्रो. जैताराम विश्नोई ने परीक्षा परिणाम से सम्बन्धित जानकारी दी। संकाय के डीन प्रो. कमलेश पुरोहित ने छात्रों की एटीकेटी में पुनः जाँच, फीस रिफंड, पुस्तकालयों में पुस्तकों की समस्या के समाधान के लिए अब तक हुई कार्यवाही से अवगत करवाते हुए छात्रों को समस्याओं के पूर्ण समाधान का आश्वासन दिया।

महासचिव के कार्यालय का उद्घाटन

छात्रसंघ महासचिव निकिता गहलोत के छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन कमला नेहरू कॉलेज में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने फीता काट कर किया। कॉलेज की निदेशक प्रो. कैलाश कौशल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में एबीवीपी के प्रदेशाध्यक्ष हेमन्त घोष, छात्रसंघ अध्यक्ष आनंद सिंह, वरिष्ठउपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपुरोहित, संयुक्त महासचिव प्रतीक सूर्या, भाजपा नेता नरेंद्र सिंह कच्छवाह सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

विज्ञान संकाय छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन

विज्ञान संकाय छात्रसंघ उपाध्यक्ष गजेन्द्र भंवरिया के कार्यालय का उद्घाटन कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में किया गया। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि खींवसर विधायक श्री हनुमान बेनीवाल थे। विधायक बेनीवाल ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव राजनीति की प्रथम सीढ़ी है। छात्रों को इसमें सकारात्मक सोच एवं ईमानदारी से भाग लेना चाहिए। साथ ही अध्ययन पर भी ध्यान देना चाहिए।

संस्थान सचिव ने बांटे कम्बल

विश्वविद्यालय के सायंकालीन अध्ययन संस्थान के छात्रसंघ सचिव महावीर सिंह ने अपनी टीम के साथ फुटपाथ पर सो रहे जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरण किए। महावीर सिंह ने बताया कि 12वीं रोड, रेलवे स्टेशन, सोजती गेट, हाईकोर्ट रोड पर फुटपाथ पर सो रहे 51 लोगों को कम्बल वितरण किए गए। इस मौके पर गोविन्द सिंह, धर्मेन्द्र, विशाल लालवानी, नरेश पंवार, शुभम गिरी उपस्थित थे।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष की स्मृति में किया रक्तदान

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष भोमसिंह राठौड़ की प्रथम पुण्यतिथि के मौके पर ओल्ड कैंपस के जसवंत कॉलेज सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक गजेन्द्र सिंह पीपाड़ के अनुसार शिविर के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. रामपाल सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर घनश्याम औझा ने की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत घोष, पार्षद भंवर कंवर, पूर्व जेडीए अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह सोलंकी, छात्रसंघ अध्यक्ष आनंदसिंह राठौड़, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविन्द्र सिंह राणावत, सीएमएचओ डॉ. अनिल मित्तल, जोधपुर डिस्कॉम के जनसम्पर्क अधिकारी राजेन्द्रसिंह राठौड़ सहित अन्य लोग मौजूद थे।

शिविर में कुल 568 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में एम्स के लिए 64 यूनिट, एमजीएच के लिए 73, उम्मेद के लिए 124, पारस ब्लड बैंक के लिए 154 व अम्बिका ब्लड बैंक के लिए 153 यूनिट ब्लड दिया गया।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष की स्मृति में प्याऊ

जेएनवीयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष भोमसिंह राठौड़ के जन्मदिन पर अक्टूबर माह में उनके नाम से एक प्याऊ का शिलान्यास व पार्क का लोकार्पण किया गया। छात्रसंघ अध्यक्ष आनंदसिंह ने बताया कि बीजेएस क्षेत्र में सफाई अभियान भी चलाया गया। इसके बाद एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में भोमसिंह स्मृति वाटिका का उद्घाटन हुआ। पुराना परिसर में भोमसिंह की स्मृति में पानी की प्याऊ का शिलान्यास किया गया। इस मौके पर बीजेएस क्षेत्र में कैंडल मार्च भी निकाला गया। महात्मा गांधी महाविद्यालय के उपाध्यक्ष जयसिंह व अन्य विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के आसपास के क्षेत्रों में व्यापक सफाई कर भोमसिंह को पुष्पांजलि अर्पित की।

क्लीन कैम्पस-ग्रीन कैम्पस

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर छात्रसंघ अध्यक्ष आनंद सिंह राठौड़ के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय परिसर में पांच दिवसीय कार्यक्रम 'क्लीन कैंपस-ग्रीन कैंपस' के तहत पौधरोपण किया गया। कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने पौधा लगाकर पांच दिवसीय अभियान का शुभारंभ किया। कुलसचिव जैताराम विश्नोई और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने भी पौधरोपण किया।

हिन्दी सर्वाधिक भावनात्मक भाषा : कुलपति प्रो. सिंह

मातृ भाषा का सम्मान करना चाहिए। राष्ट्र की समृद्धि के लिए आवश्यक है कि मातृ भाषा के प्रति प्रेम हो तथा अभिव्यक्ति का उसे सशक्त माध्यम बनाया जाए, उसे जनमानस की भाषा बनाना चाहिए। कुलपति प्रो. रामपाल सिंह ने नवम्बर माह में आयोजित हिंदी-संस्कृत पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में यह विचार व्यक्त किए।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि जब उच्च अधिकारी हिंदी में कार्य करेंगे तो निचले स्तर तक हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग सुगम हो जाएगा। हिंदी सर्वाधिक भावनात्मक भाषा है। अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के स्कूल ऑफ लिबरल लैंग्वेज के आचार्य एवं मुख्य वक्ता डॉ. सत्यकेतु सांकृत ने हिन्दी साहित्य की चुनौतियों और कथा साहित्य विषय पर व्याख्यान दिया। कला संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुधि राजीव ने नवलेखन पर प्रकाश डालते हुए उसे बहुविध एवं समानता का द्योतक बताया।

पाठ्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेंद्र मिश्र ने विषय के औचित्य को प्रतिपादित करते हुए उसे सामयिक एवं आज की जरूरत के अनुसार सर्वाधिक उपयुक्त बताया। प्रतिभागियों की ओर से दिल्ली के डॉ. जगमोहन, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विवि वर्धा के डॉ. सुनील कुमार, आगरा के डॉ. प्रेमशंकर सिंह, महाराष्ट्र के डॉ. अशोक बचुलकर, बरेली कॉलेज के डॉ. राधेश्याम पनवारिया, राजस्थान के डॉ. सुरेश शर्मा ने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान हुई गतिविधियों पर अपने विचार व्यक्त किए। हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष साहित्यकार प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय ने आभार व्यक्त किया।

''भूगोल-कल आज और कल'' विषयक व्याख्यान

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के नया परिसर भाषा प्रकोष्ठ स्थित भूगोल विभाग में 28 अक्टूबर को मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रो. इश्तियाक मोहम्मद ने 'भूगोल-कल आज और कल' विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. इश्तियाक ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि भूगोल सभी विज्ञानों का संश्लेषण विज्ञान है तथा सुदूर संवेदन तकनीक जी. आई.एस.जी.पी.एस. आदि अत्याधुनिक तकनीकों ने भूगोल का भविष्य उज्ज्वल कर दिया है। कुलपति डॉ रामपाल सिंह ने व्याख्यान की अध्यक्षता की।

कार्यशाला आयोजित

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के लेखांकन विभाग एवं टेली संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जेएनवीयू के विद्यार्थियों के लिये विभागाध्यक्ष प्रो. पी. के. भण्डारी, पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. एस. बी. सिंह तथा पाठ्यक्रम समन्वयक अनिल वर्मा के कुशल नेतृत्व में 18 नवम्बर से 8 दिसम्बर, 2015 तक 21 दिवसीय कौशल-विकास कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के अंतिम दिन कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह द्वारा विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये गये।

विश्व हिन्दी सम्मेलन में पत्रवाचन

लोक साहित्य के मर्मज्ञ विद्वान एवं व्यंग्य विद्या के प्रतिष्ठित आलोचक और जेएनवीयू हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. नंदलाल कल्ला ने भोपाल में सितम्बर में आयोजित दसवें विश्व हिन्दी सम्मेलन में 'हिन्दी बाल साहित्य और कार्टून' विषय पर पत्रवाचन किया। इसके लिए विदेश मंत्रालय की ओर से प्रो.कल्ला को आमंत्रित किया गया। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज, अभिनेता अमिताभ बच्चन सहित देश-विदेश के हजारों हिंदी भाषा और साहित्य के विद्वान उपस्थित रहे।

मणिपुर की डॉ. कंचन शर्मा के विशेष व्याख्यान

विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में 11 एवं 12 जनवरी को मणिपुर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मणिपुर की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.कंचन शर्मा ने केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली की अध्यापक व्याख्यान माला योजना के अन्तर्गत विद्यार्थियों को तीन विविध विषयों पर व्याख्यान दिये।

उन्होंने 'मणिपुर में हिन्दी की स्थिति: एक दृष्टि' विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि मणिपुर में केन्द्रीय कार्यालयों में राजकाज में हिन्दी का प्रयोग बहुतायत से किया जाता है तथा आम बोलचाल, सिनेमा व मीडिया में हिन्दी बहुतायत से प्रयोग की जाती है। इसी तरह उन्होंने स्वाधीनता आन्दोलन में भारतीय साहित्य के योगदान को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत की सभी भाषाओं के साहित्य में स्वाधीनता आन्दोलन का व्यापक स्तर पर चित्रण है, जो जनसहभागिता को प्रकट करता है।

अगले दिन उन्होंने अज्ञेय और शमशेर के काव्य में कला-विमर्श पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि हिन्दी के ये दोनों ही कवि हिन्दी कविता के पुरोधा कवि है, जिन्होंने काव्य कला में नवीन प्रयोग किए।

भूविज्ञान विभाग में ''चॉईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम'' पर सेमीनार आयोजित

भूविज्ञान विभाग में 30 जुलाई को ''चॉईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम'' विषय पर एक सेमिनार आयोजित की गई। सेमिनार में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह सहित एमएलएस विश्वविद्यालय, जयपुर के विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष आनन्द पालीवाल, भूविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. के.एल. श्रीवास्तव, प्रो. एस.सी. माथुर, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद थे। विभागाध्यक्ष प्रो. के.एल. श्रीवास्तव ने बताया कि एम.एससी. के छात्रों एवं शिक्षकों को ''चॉईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम'' विषय के बारे में विस्तार से बताने के लिए इस सेमिनार का आयोजन किया गया।

'जीवन मूल्य का उत्कृष्ट उदाहरण श्रीकृष्ण-सुदामा का एक ही गुरूकुल में शिक्षा प्राप्त करना'

विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की ओर से भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित ''भारतीय संस्कृति में निरूपित जीवन मूल्य एवं मानवाधिकार'' विषय पर आधारित दो दिवसीय संगोष्ठी 28 और 29 नवम्बर को एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के इन्टरनेशनल सेमिनार हॉल में आयोजित की गई। संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभावती चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति प्रो. रामपाल सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रपति सम्मानित मनीषी प्रो. दयानन्द भार्गव ने बताया कि सूर्य निरन्तर चलता है, सूर्य विश्व का चक्षु है इससे हमें जीवन के मूल्यों को समझना चाहिए। भारत की भूमि कर्म पर आधारित है।

मानवाधिकारों में वर्तमान समय में क्या समस्याएँ है, स्वतन्त्रता की घोषणा में इसकी सीमा क्या है, वह कितनी सीमित हो सकती है।

जीवन मूल्य का उत्कृष्ट उदाहरण श्रीकृष्ण-सुदामा का एक ही गुरूकुल में शिक्षा प्राप्त करना है।

संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा ने कहा कि वैदिक संस्कृति ही भारतीय संस्कृति है। जीवन जीवात्मा है इसलिए जीवात्मा के समकक्ष मूल्य है पुरूषार्थ। उन्होंने यह भी कहा कि वैदिक कालीन शास्त्रों को वर्तमान समय में पढ़ाने की आवश्यकता है। संगोष्ठी निदेशक डॉ. यादराम मीना ने संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

International Conference on Recent Trends on Business Finance & Economics

Three days International conference was organized by the Department of Business Finance and Economics, Faculty of Commerce and Management Studies, J.N Vyas University, Jodhpur from 8th October 2015 to 10th October 2015. During three days conference 240 papers were presented in twelve parallel technical sessions

The Conference was inaugurated by Professor R.P. Singh, Vice Chancellor of the University, Dr. Radhey Shyam S. Pradhan, Professor Uniglobe College, Pokhara University, Nepal was the chief Guest and Professor Sri Nath Ramnath, from Assumption University, Thailand delivered key note speech. Professor N.D. Mathur, Rajasthan University and Dr. A. R. Garg, Syndicate member were the Guest of Honor.Prof RCS Rajpurohit, Former Dean chaired the session

Professor M.S. Rathore, Chairman of the conference, welcome all the delegates and the guest, Dr. Kshitiz Maharshi, Deputy Director of the conference introduced the conference theme. Dr. Krishn A. Goyal, Director of the Conference explained the theme and gave the vote of thanks, Prof. RCS Rajpurohit welcomed all the guest on behalf of the faculty.

Twelve technical sessions were held at University New Seminar Hall. One best paper was awarded in each technical session. Participants from many countries and various parts of India participated.

The Valedictory session was conducted on 10th October 2015. Prof. M.L. Kumawat, Vice Chancellor Police University was the chief guest, Prof. R.P. Singh, Vice Chancellor JNVU chaired the function. Dr R.P. Meena, Conference Secretary, welcomed the guests and delegates. Dr. D.S. Khichi, Syndicate member welcomed all the guest. Valedictory address was given by Dr. A. Sadashivam, Muscat, Oman.

गृह विज्ञान विभाग में "डाइटेटिक्स दिवस" पर सेमिनार

"डाइटेटिक्स डे" के उपलक्ष में 11 जनवरी को कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमीनार में कमला नेहरू कॉलेज तथा गृह विज्ञान विभाग की सभी छात्राओं तथा शोध छात्राओं ने डेमो द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सेमिनार के मुख्य वक्ता डा. राजेन्द्र तातेड एवं एम्स नई दिल्ली के डा. गुरदीप कौर थे। डा. तातेड ने सीपीआर तकनीक के बारे में समझाया व प्रशिक्षण दिया। डा. गुरदीप कौर ने कम्प्यूटर द्वारा पोषण गणना के बारे में प्रशिक्षण दिया।

इस सेमिनार में महिला महाविद्यालय, पुष्टिकर महाविद्यालय, सावित्री फुले महाविद्यालय की व्याख्याताओं एवं छात्राओं के साथ ही डीएमआरसी एवं जोधपुर स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कमला नेहरू कॉलेज की डायरेक्टर डा. कैलाश कौशल ने वक्ताओं का स्वागत किया। गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मीनाक्षी माथुर के साथ-साथ डा. राका श्रीवास्तव एवं ज्योति मीना ने वक्ताओं को सम्मानित किया।

कम्प्यूटर साइंस डिपार्टमेंट में संगोष्ठी का आयोजन

कंम्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के तत्वावधान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

'पेराडीमइन कम्प्यूटिंग - 2015: एनालिटिकल कम्प्यूटिंग एण्ड बिगडेटा एनालिटिक्स' विषयक संगोष्ठी में प्रो. केआर चौधरी, बीएसएनएल के डीजीएम पंकज भंडारी, अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. कमलेश पुरोहित तथा संगोष्ठी के चेयरमैन तथा विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश पुरोहित मौजूद थे। समन्वयक डॉ. एनसी बरवड़ ने कॉन्फ्रेंस के तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों की विस्तृत जानकारी दी।

बी.एस.सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम

नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। विज्ञान संकाय में बी.एस.सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम संकाय के सेमीनार हॉल में डीन प्रो. पी.के. शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। इसमें सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रोक्टर तथा शिक्षकों ने भाग लिया। प्रोफेसर शर्मा ने विद्यार्थियों को नियमित कक्षा में आने को कहा तथा सभी कक्षाओं में नियमित पढ़ाई का आश्वासन दिया। प्रोग्राम में एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं स्काउट की भी जानकारी दी। इस मौके पर विज्ञान संकाय के सह-प्रवक्ता डा. विकल गुप्ता भी उपस्थित थे।

बी.टेक विद्यार्थियों का आमुखीकरण कार्यक्रम

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का आमुखीकरण कार्यक्रम सभागार में अगस्त माह में आयोजित किया गया। प्रो. कमलेश पुरोहित ने छात्रों का स्वागत करते हुए कॉलेज के पुराने विद्यार्थियों के बारे में जानकारी दी और नियमित रूप से अध्ययन की महत्ता बताई। सभी छात्रों को अलग सेक्शन के अनुसार पूरे कॉलेज का भ्रमण करवाया गया। इस दौरान सभी विभागों के विभागाध्यक्ष व शिक्षक भी उपस्थित रहे। सभी विभागाध्यक्षों ने अपने अपने विभागों के बारे में नए विद्यार्थियों को जानकारी दी। इस अवसर पर आर्किटेक्चर विभागाध्यक्ष हरेंद्र बोहरा, केमिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील सारस्वत, कम्प्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश पुरोहित, सिविल विभागाध्यक्ष प्रो. एसके ओझा, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश शर्मा, इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंडस्ट्रियल विभागाध्यक्ष डॉ. विकास कपूर तथा स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. एके गुप्ता उपस्थित थे। कंप्यूटर सेंटर निदेशक डॉ. एनसी बरवड़, ऑनलाइन के डॉ. अनिल गुप्ता, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल प्रभारी प्रो. अवधेश शर्मा तथा प्रवेश के बारे में प्रो. सुनील शर्मा ने छात्रों को विस्तृत जानकारी दी। संचालन प्रो. विकास कपूर ने किया।

Refresher Course

UGC sponsored Refresher Course in Social Science on 'Globalization Effects and Consequences on Social Sciences' was held from 16th November 2015 to 05th December, 2015. It was organized by the Department under the supervision of HRDC, Jodhpur with Dr. Madan Mohan as the Course Coordinator.

The course was attended by 47 participants from various parts of India. The course was inaugurated by Prof. L.S. Rathore- former V.C. JNV University and Prof. R.P. Singh- VC JNV University presided over the Inaugural and Valedictory Ceremony.

English Literary Association

October (16.10.2015)

To give a boost to the literary interest and sensibility and to provide a platform to the students for an interaction with the world of ideas and their activities. The inaugural of the English Literary Association to place on 16.10.2015. The Literary Association has been a very important platform for an interaction between the students, teachers and the world of authors and writers. The Chief Guest on the occasion was Prof. M.C. Joshi and the Guest of Honour was Ms. Doris Dass, both who have been a part of the Department of English. The Convener of the Association, Dr. S.K. Harit threw light on the activities like paper reading, film, screening, poetry, reading, quiz, enactment of few scenes from some

important plays, etc. The guests lighted the lamp. The welcome address in her welcome address, Dean, Faculty of Arts, Education & Social Sciences and Head, Department of English, Prof. Sudhi Rajiv welcomed the guests and the efforts of the Department in providing the students and opportunities to show case their talent. Prof. Kalpana Purohit proposed the vote of thanks. Dr. Satish Harit and Dr. Rajshree Ranawat were made incharge for the Association. Dr. Vinu George & Dr. Rajshree Ranawat coordinate the programme and the events which followed. On this occasion, the President of the English Literary Association, Mr. Vipin Bihari Goyal, M.A. (Final) and the Secretary Ms. Eeshu Saxena, M.A. (Previous) were also nominated.

October (28.10.2015)

Lecture of Prof. Bhim S. Dahiya, Emeritus Professor and formerly Vice-Chancellor, Kurukshetra University, Kurukshetra, President, Shakespeare Association of India. Prof. Bhim S. Dahiya spoke on certain unknown facts about the great Bard Shakespeare. He said that Folger's Shakespeare Library at Washington, D.C. (U.S.A.), with its four hundred thousand books in all the known languages of the world, is an ample proof of the Bard's universality. He also said that Shakespeare's work has been translated in every major living language of the world, Shakespeare is highly original in his work and his work still continues to delight his readers. He said that his works include approximately 38 plays, 154 sonnets and 2 long narrative poems. He spoke at length on major tragedies of Shakespeare. Students of M.A. (Final) and (Previous) were present for the lecture. Dean and Head of the Department of English, Prof. Sudhi Rajiv proposed a vote of thanks. All the Faculty of Members of the Department were present.

November (21.11.2015)

The Department of English and its literary association in collaboration organized a lecture of Prof. Maya Pandit, Professor in the Department of English and Foreign Languages at EFLU Hyderabad. She delivere her lecture on "Dali Literature". She referred t the translated auto- biographies "Adhantar" o Jayant Panwar, "Aidan" o Urmila Panwar and "Ou Life" of Baby Kamble. Sh spoke on the philosophy o Dr. Ambedkar, Dal Autobiographies an poems.

Mrs. Pandit expressed tha through the folklores o Dalits, their literature, play and poems we ge acquainted to the injustic and inequalities perpetrated on them. D Ambedkar's analysis of caste, class an family is exquisite. The inheritance of cast is very much alive in India even afte independence. She invited the students t study Dalit Literature so that Dalit ca achieve true independence , justice and b

a part of change. She mentioned that whi interviewing Baby Kamble, she felt that woman who is just primarily educated, w trying to challenge the myths of histo Prof. Sudhi Rajiv, Head, Department English welcomed and introduced Pr Maya Pandit. Dr. D.K.S. Gautam, Hea Department of Hindi & Journalism and Pr K.N. Upadhyay, Department of Hindi a the students of the Departments of Hin and English also witnessed the programm

December

Under-graduate level : Movi Vendor of Sweets was shown to th students of B.A. Part I at S Maharaja Kumar Campus. T students enjoyed. Unit Incharg Dr. S.K. Harit and other facu members were present.

Post-graduate level: The mov 1947: Earth was shown to t students by Dr. Vinu George fo comparative study between t Novel: Ice Candy and the movie.

International Conference on "Shakespeare in Indian and European Languages : A Postmodern Review"

A Report

The Department of English, Jai NarainVyas University, Jodhpur in collaboration with The Shakespeare Association, India, and under the auspices of UGC, Oil India and Bank of Baroda organized a three-day international conference on " Shakespeare in Indian and European Languages : A Postmodern Review" from Nov 16 to 18, 2015. The conference was attended by over eighty scholars and some reputed personalities from the world of theatre, film, journalism as also noted scholars of Shakespeare studies ,not only from across the country but from such European countries as Serbia, Croatia and Hungary. At the inaugural function which took place at 10.00 in the morning in the conference hall located in the premises of the Central Office of the University, the Vice Chancellor, Prof R.P. Singh highlighted the significance of William Shakespeare's works in modern context. The tone of the conference was set by Prof Sudhi Rajiv, Director of the Conference, Head of the Department of English, and the Dean Faculty of Arts, Education & Social Sciences , as she emphasized in her address the importance of translations of the Elizabethan bard's works and the directions they have taken over centuries. In her keynote lecture Prof. Margit Koves presented an overview of the extensive area of various translations of Shakespeare's plays and poems that are being carried out in European languages, with particular reference to the Hungarian context . She also made special mention of film adaptations. Prof AbhaiMaurya, a founder V.C. of CIEFL, Hyderabad, talked about Russian translations of Shakespeare's works, underscoring the extent of influence he exercised on Russian literature. Maurya particularly pointed out that some prominent litterateurs like Leo Tolstoy did not consider that Shakespeare showed enough sincerity in portraying human predicament to merit the superior position given to him.Prof. Bhim S. Dahiya, President, The Shakespeare Association, India and formerly Vice Chancellor, Kurushetra University, chaired the session and Dr SatishHarit, Convener of the Conference proposed a vote of thanks quoting the famous Jacobean playwright Ben Jonson's tribute to Shakeapeare which he had paid on the death of his senior dramatist

Among noted participants were Prof Bhatti, Prof. Emeritus at JNU, Delhi, Prof VibhaMaurya of University of Delhi, Prof Maya Pandit from IFLU, Hyderabad, Prof. Anita Singh from BHU, Prof. S. Agarwal from Bikaner, Dr. Zoja Karanovic, Retired Prof., University of Novi Sad, Serbia. Dr. Hema Dahiya from Delhi, Prof. Achala Sharma from Ujjain, Mr. Ranbir Sinh, National President IPTA, Mr. Atul S. Kaushik, President, Films and Theatre Society, Delhi and writer director of Saudaagar, a translation of Shakespeare's The Merchant of Venice, Ms. Djurdjica Bozic from Croatia, Dr. Banibrata Mahanta from BHU, Dr. Prakash Joshi from Sagar University, M.P., Prof. Amrita from BPSWU, Sonepat, Dr.Pankaj Sharma, Chaudhary Devilal Univ, Sirsa, Mr. Devendra Rankawat from Central Univ. Rajasthan, Dr. Govind Saraswat from Sujangarh Dr. Rajpal from Bhopalgarh, Dr. Upadhyaya from SPU of Police, Jodhpur, Dr.Namrata Mathur from Lachoo college, Jodhpur , Prof. Prabhawati Chaudhary and Dr.Vibha Bhoot from J N V U.

One of the notable features was the presentation by Dr.K.K. Rishi of his own Urdu translation of Shakespeare's sonnets, a difficult feat, accomplished with remarkable ease and aplomb which earned full throated appreciation from one and all.

Valedictory function was graced by the Vice Chancellor Prof R.P. Singh, former Vice Chancellor Dr Lokesh Shekhawat, Prof Zoja Karanovic ,Shri Kailash Bhansali, MLA, Prof B.S. Dahiya, Prof Uday Narkar, Prof Sudhi Rajiv and Dr Satish Harit. Prof. Sudhi Rajiv, Director of the Conference expressed her satisfaction at the remarkable success of the conference attended by a large number of scholars. Vice Chancellor, Prof R.P. Singh offered his own appreciation of the high quality of this three day event in glowing terms. He pointed out that it represented a confluence of four generations which truly promotes knowledge.

Quoting from the writings of the progressive Marathi author, B.S. Mardhekar, Dr.UdayNarkar, Key Note Speaker, offered his own views on the rich tradition of Marathi theatre and the role of translation. In his Presidential address Prof B.S. Dahiya, President of The Shakespeare Association, India, talked about a few little-known facts about William Shakespeare's life. He pointed out that the fact that remote communities of the north east India stage Shakespeare's plays indicated the extent of love and respect he commands throughout India. The Serbian scholar Prof Zoja Karanovic felt optimistic about the bright future of the theatre, and shared her experience during these three days in the conference.

Dr. Vibha Bhoot, Convener of the Conference, proposed the vote of thanks, while Dr Rajashri Ranawat compeered at the mike. Especial mention must be made of the contribution of Dr Vinu George, and Shri Vivek Pahariyain looking after overall management work. Many research scholars and students of the dept. of English participated in the Conference. The Conference drew attention of the cognoscenti, scholars and the media.

शोध प्रविधि पर क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला आयोजित

जेएनवीयू के राजनीति विज्ञान विभाग एवं आई.सी.एस.एस.आर. नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में शोध प्रविधि पर क्षमता संवर्द्धन की दो सप्ताह की कार्यशाला 7 से 20 दिसम्बर तक आयोजित की गई। इस 14 दिवसीय कार्यशाला के उदघाटन समारोह की अध्यक्षता जेएनवीयू कुलपति प्रो. रामपाल सिंह ने की। पूर्व कुलपति प्रो.एल.एस.राठौड़ समारोह के मुख्य अतिथि थे। कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान की अधिष्ठाता प्रो. सुधि राजीव विशिष्ट अतिथि थीं। इसमें प्रो. विदु सोनी, मिशिगन यूनिवर्सिटी (यू.एस.ए.), प्रो.अरबिन्द कुमार झा (वर्धा), प्रो.विमल त्रिवेदी (सूरत), प्रो.नरेश दाधीच (जयपुर), प्रो.बी.एल.शाह (नैनीताल), प्रो.अल्पना कटेजा (जयपुर), प्रो.विद्या जैन (जयपुर), प्रो. कैलाश सोडानी (कुलपति म.द.स.वि. अजमेर), प्रो.संजय लोढा (उदयपुर) आदि ने व्याख्यान दिये। कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुरूक्षेत्र, बीकानेर एवं जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के पूर्व कुलपति प्रो. होशियार सिंह ने अपने उद्बोधन में क्षमता संवर्द्धन के विविध पक्षों पर प्रकाश डालते हुए इसे 'कैपेसिटी ऑफ नॉलेज' का नाम दिये जाने की बात कही। प्रो. सिंह ने शोध में नैतिकता, व्यावहारिकता ,शोध प्रविधि एवं तकनीकों का सही उपयोग करने को आवश्यक बताया तथा शोध में मानवीय संवेदनशीलता एवं मूल्यों की महत्ता पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जेएनवीयू कुलपति प्रो. रामपाल सिंह ने अपने उद्बोधन में शोध की मूलभूत अवधारणा को बताते हुए अनुभव की महत्तता पर जोर दिया। प्रो. सिंह ने शोध में शिक्षक को शिक्षा के प्रति समर्पित होकर ईमानदारी से सीखने की बात कही और बताया कि सीखने की कोई आयु एवं सीमा नहीं होती। विशिष्ट अतिथि के रूप में कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान की अधिष्ठाता प्रो. सुधि राजीव ने क्षमता संवर्द्धन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि शोध गंभीरता से होने चाहिए और उसके परिणामों का उपयोग होना चाहिए। कार्यशाला के प्रतिभागियों को अतिथियों ने प्रमाण-पत्र वितरित कर शुभकामनाएँ दी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यशाला निदेशक ने अतिथियों का स्वागत किया और इसकी सफलता का श्रेय सह निदेशक डॉ. जनक सिंह मीना के कठोर परिश्रम एवं अच्छे विषय विशेषज्ञों को दिया। कार्यशाला में कुल 44 व्याख्यानों, फील्ड विजिट एवं प्रोजेक्ट प्रजेंटेशन एवं एस.पी.एस.एस. का प्रायोगिक प्रयोग विशेष रहे और इस तरह का विश्वविद्यालय में पहला कार्यक्रम रहा।

इस अवसर पर प्रतिभागियों की ओर से प्रो. पूनम बावा एवं डॉ. जनक सिंह मीना का साफा एवं शोल ओढ़ा कर सम्मान किया गया और प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए।

'शिक्षक की दशा, देश की दिशा है'

वाणिज्य एवं प्रबंधन अध्ययन संकाय की ओर से 12 दिसम्बर को 16वाँ प्रो. डी.एन. एलहॉस स्मारक व्याख्यान का आयोजन हुआ। प्रारंभ में संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर ललित गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए व्याख्यान के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में ववसन ओपन यूनिवर्सिटी, मलेशिया की उप कुलपति (अकादमिक-ओ.डी.एल.) प्रो. मधुलिका कौशिक ने ''क्वां वेदिस-प्रबंधन शिक्षा' प्रासंगिकता और दिशा के लिए एक खोज'' विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। प्रो. कौशिक ने कहा कि शिक्षा को हमें एक वैश्विक प्रिपेक्ष्य प्रदान करने की जरूरत है। उन्होंने नेतृत्व कौशल, एकीकरण कौशल, संगठनात्मक वास्तविकताओं को समझने एवं कार्यान्वयन के प्रबन्धन के लिए क्षमताओं को विकसित करने आदि बिन्दुओं पर व्याख्यान दिया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति डॉ आर पी सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम एक शिक्षक को सच्ची श्रद्धांजलि है। जेएनवीयू के वाणिज्य संकाय ने सी.ए., बैंककर्मी और शिक्षकों का निर्माण किया है जो आज अपने-अपने क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता के लिए जाने जाते है।

विशिष्ट अतिथि एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. कैलाश सोढ़ानी ने कहा कि शिक्षक की दशा, देश की दिशा है, शिक्षक समाज को एक सफल नेतृत्व प्रदान करता है।

पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित

विज्ञान संकाय के वनस्पति विज्ञान विभाग में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली द्वारा 25 से 29 सितम्बर तक पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विभागाध्यक्ष प्रो. सून्दर मूर्ति ने बताया कि आयोग एक स्वतंत्र निकाय है, जो विभिन्न भाषाओं में शब्दावली एवं राजभाषा के उन्नयन एवं विकास के लिए कार्य करता है। यह आयोग संविधान के आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 23 भाषाओं में विभिन्न विषयों में मानक शब्दावली तैयार करता है, जो पूरे देश के विश्वविद्यालयों के लिए उपयोगी है। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. भाना राम गाड़ी ने बताया कि कार्यशाला में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से विषय विशेषज्ञ सम्मिलित हुए, जिनमें सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर से प्रो. के. कपूर, प्रो. बी.आर. बामनिया, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग से डॉ. धमेन्द्र कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. अनिता तथा केन्द्रीय हिंदी निदेशालय के पूर्व उपनिदेशक (भाषा) डॉ. भगवती प्रसाद निदारिया एवं वनस्पति विज्ञान विभाग जेएनवीयू से प्रो. पवन कुमार कसेरा तथा डॉ. रचना दिनेश मोदी ने भाग लिया।

उन्होंने बताया कि इस पाँच दिवसीय कार्यशाला में वनस्पति विज्ञान विषय के लगभग 3000 हिंदी तकनीकी शब्दों का मानकीकरण किया गया।

बैंकाक में किया पत्रवाचन

विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मीनाक्षी मीणा ने थैमासेट विश्वविद्यालय, बैंकाक में शोध पत्र का वाचन किया।

थाईलैंड में आईयूएईएस इंटर कांग्रेस-2015 द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमीनार में मीणा ने अप्रोच टू एजिंग: द इमर्जिंग पैटर्न इन इंडिया विषय पर अपना शोध-पत्र वाचन किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समोराह

कुलपति प्रो. रामपालसिंह के दिशा निर्देशानुसार 21 जून को विश्वविद्यालय योग केंद्र द्वारा प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विश्वविद्यालय नया परिसर के योग केंद्र में मनाया गया। सांसद गजेंद्रसिंह शेखावत और कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। जिसमें विश्वविद्यालय शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों सहित जोधपुर शहर के आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सामूहिक रूप से भाग लिया। योग केंद्र की शिक्षिका डॉ. सुमित्रा दाधीच ने योगाभ्यास करवाया। प्रो. आर. पी. सिंह ने सभी को नियमित योगाभ्यास करने की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर योगकेंद्र के निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने सभी भाग लेने वाले को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग केंद्र में पौधरोपण तथा यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें केंद्रीय मंत्री निहालचंद एवं कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प माला पहनाकर तथा केंद्र में पौध रोपण कर विधिवत यज्ञ प्रारंभ कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर प्रो. नरेंद्र अवस्थी कार्यवाहक कुलसचिव जैताराम विश्नोई, प्रो. ए.आर. गर्ग, प्रो. चैनाराम चौधरी, प्रो. पी.के. शर्मा तथा योग केंद्र निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

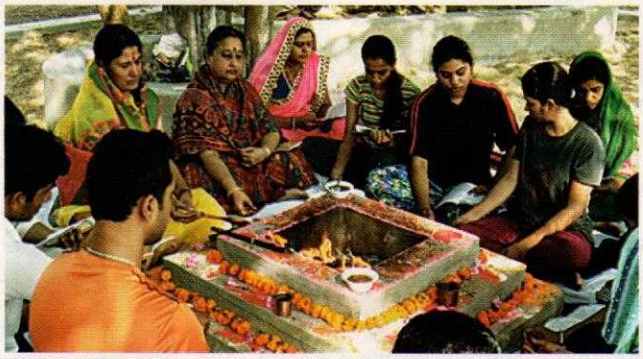

विश्व शांति के लिए यज्ञ

न्यू कैंपस स्थित योगकेन्द्र में पीजी डिप्लोमा के स्टूडेंट्स का सात दिवसीय शैक्षणिक शिविर दिसम्बर माह में आयोजित किया गया। शिविर प्रभारी भूपेन्द्र सिंह सांकड़ा ने बताया कि इस मौके पर विश्व शांति के लिए यज्ञ भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रीड़ा मण्डल सचिव डॉ. बाबूलाल दायमा ने की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमन्त घोष के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में कृषि उपज मंडी के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र मेघवाल, विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष आनंदसिंह राठौड़ विशिष्ट अतिथि थे। इस मौके प्रमुख कार्य करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार दिया गया। शिविर के दौरान छात्रो ने जल-नेती की और प्रतिभागियों का तिंवरी में शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया।

योग केंद्र में 10 दिवसीय क्रियायोग कार्यक्रम का शुभारम्भ

विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. आर. पी. सिंह ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम को शुभारम्भ किया। डॉ. बाबूलाल दायमा, निदेशक योगकेंद्र के नेतृत्व में 10 दिनों तक पी.जी.डिप्लोमा इन योग शिक्षा के विद्यार्थियों द्वारा वैदिक योग मंत्रों के द्वारा विधि विधान से यज्ञ का आयोजन किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. संजीव मिश्रा, विशिष्ट अतिथि श्री फूलचंद खत्री महानगर संचालक एवं श्री एन. आर. विश्नोई थे।

गुरू पूर्णिमा का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वाणिज्य संकाय में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर गुरू वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि हर शिक्षक को संकल्प लेना चाहिए कि वह अपना कार्य पूरी लगन और निष्ठा के साथ करे। उन्होंने माँ को जीवन का पहला गुरू बताया और कहा कि हर व्यक्ति अपने जीवन में सीखने की शुरूआत अपनी माँ द्वारा ही करता है। शिक्षक का दायित्व है कि वह अपने विद्यार्थियों को ऐसा तैयार करें कि वो हर दृष्टि से कामयाब हो। मुख्य वक्ता सायंकालीन अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. चंद्रशेखर ने गुरू पूर्णिमा की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलपति ने वृक्षारोपण भी किया।

प्रवेश परीक्षा एमपीईटी का आयोजन

विश्वविद्यालय में पीएचडी व एम.फिल में प्रवेश के लिए दिसम्बर माह में एमपीईटी का आयोजन किया गया। इसके लिए एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज व केएन कॉलेज के दो परीक्षा केंद्र बनाए गए। एमपीईटी समन्वयक प्रो. अवधेश शर्मा ने बताया कि परीक्षा में कुल 951 अभ्यार्थियों को पंजीकृत किया गया था।

विज्ञान दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन

महिला पीजी महाविद्यालय में दो दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी नवम्बर में आयोजित की गई हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्घाटन जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रामपाल सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने कहा कि ऐसी गतिविधियों से छात्राओं में नवीन सृजन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न होती है। उद्घाटन अवसर पर कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बीएस दहिया, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जेसी पुरोहित, प्रो. जैताराम विश्नोई, प्रो. सुधि राजीव, डॉ. अखिल रंजन गर्ग भी मौजूद थे। महाविद्यालय में विज्ञान संकाय के निदेशक प्रो. अचलेश्वर बोहरा के अनुसार प्रदर्शनी में स्टेम सेल से अंग निर्माण, जैव अभियांत्रिकी एवं फोरेंसिक साइंस से संबंधित मॉडल, प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा मधुमक्खी का नृत्य और रिप्लांटेशन मॉडल, भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा इलेक्ट्रोमेग्नेटिक डिवाइस, कम्प्यूटर साइंस विभाग डिजीटल इण्डिया थीम से संबंधित थीम मॉडल प्रस्तुत किए गए।

डॉ.नगर को श्रद्धा से याद किया

राजस्थानी विभाग की ओर से अगस्त में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के महानिदेशक डॉ. महेंद्र सिंह नगर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. देवेंद्र गौतम ने महेंद्र सिंह नगर को नेकदिल इंसान बताया। विभाग की सहायक आचार्य डॉ. धनंजया अमरावत, डॉ. मीनाक्षी बोराणा, डॉ. रणजीत सिंह, कप्तान बोरावड़, भैरोसिंह भाटी, मांगीलाल, रामदयाल सागर, सुमेरसिंह शेखावत, गोपाल शर्मा, विनोद कुमार व बींजाराम राव सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित थे।

टेली एज्यूकेशन से किया एमओयू

लेखांकन विभाग का कम्प्यूटर व्यावसायिक संस्था टेली एज्यूकेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ अगस्त में एमओयू किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. जीएस मेहता ने बताया कि इसके तहत बी कॉम ऑनर्स और एम कॉम लेखांकन के साथ विद्यार्थी टेली भी सीख सकेंगे। इसके लिए कम्प्यूटर अकाउंटिंग का प्रशिक्षण तथा टेली की प्रेक्टिकल ट्रेनिंग की कक्षाएं आयोजित की गई।

ACTIVITIES AND EVENTS

K.N. College for Women

- An Orientation programme was held for the newly admitted students of BA/B.Com/B.Sc. & B.Sc. Home Science on 6TH, 7TH& 8TH August, 2015 respectively in the college hall, which was attended by students & parents. The programme aimed to inform the students about the various cells working for the welfare & development of students. Dr. A.L.Bhatt, Principal of S.N. Medical College was the Chief Guest on 6th August; Prof. A.K.Malik, Expert in Personality Development on 7th August and Prof. L.S. Rathore Ex-Vice-Chancellor of JNVU was the Chief Guest on 8th August, 2015.
- Looking at the forthcoming Students Union Election to be held on 26th August, 2015 the K.N. college unit for the first time proposed to hold a direct dialogue on 24th August, 2015 with the students and the contesting candidate. 22 students questioned the contesters. Prof. KalpanaPurohit, Director, K.N. college said that by holding the direct dialogue students will be confident and on the other hand the winner candidate will work with dedication and commitment for the development of the college.
- Students Union Election was held on 26thAugust, 2015. On the same day the Vice-President, Miss ShanuRajvi and Miss Pratibha, Secretary of K.N. College took their oath.
- NSS Day was celebrated at K.N. College on 24th September, 2015. Prof. KalpanaPurohit, Director, K.N. College directed the students to work for the society and told the students to glow their talent through such NSS programmes.
- An educational tour was organized by the Chemistry department for the B.Sc. Final year students at CAZRI Auditorium to attend a lecture on "Attitudinal and Behavioural Attributes of those excelling in Sciences" on 28-9-2015.
- A written examination based on Swami Vivekananda's personality – a contest on young inspiration was conducted for the students of K.N. College on 1st October, 2015.
- The Placement Cell, K.N.College organized a campus recruitment on 8th October, 2015 for BA/B.Sc./B.Sc. (H.Sc.)/B.Com Final year students. Seven students viz. Divishtha Rathore, Yagya, TejasvitaBhati, Kanishtha, Neha, Akanksha&Kaushalya were selected for the final round.Out of the final round Miss YagyaSolanki, Student of B.Com. Final year was selected by the Oberoi Group of Hotels
- An Inter College/University Debate competition was organized on 10th October, 2015 on the topic "Liberated Modern Woman- An Exigent Need of Today's Society". Twelve colleges/university team participated and gave their views. Justice N.N. Mathur, Former Vice-Chancellor of National Law University was invited as Chief Guest for this competition. The participants were judged by Mr. Anil Ram- Former Director AIR and Mr. Arvind Bhatt- Director Samvad.
- Six students of B.Com. Final year participated in the Power Point Presentation on 13th October, 2015 at Mahila P.G. College, Jodhpur.
- A General knowledge and Gen. English competition was held for the students on the 16th October, 2015, in which 290 students participated.
- Dr. MamtaParakh, Skin Specialist visited K.N. College on 19th October, 2015 and consulted the students about the problems of skin, pimples and hair fall and their remedies. 100 students registered themselves.
- A Fresher's Talent Event for the newly admitted students was organizedon 29th& 30th October 2015. Students enthusiastically participated in the programme. Shri Ghanshyam Ojha, Mayor of Nagar Nigam; MLA Suryakanta Vyas; Hemant Ghosh, State President, ABVP and Hon.Vice-Chancellor, Prof. R.P. Singh were the guests on this occasion.
- To celebrate the 140th Birth Anniversary of SardarVallabhbhai Patel an Essay Writing competition on the topic " How relevant are the ideas of SardarVallabhbhai Patel in today's life" was held on 3rd November, 2015 at K.N. College.
- VrindaOjha, B.A. Final year student attended the All India Girls Trekking Expedition (Ajmer Track) conducted by NCC Gr. HQ. Udaipur from 18th to 20th November, 2015. She won a gold medal and Certificate as Special Achievement on the rank of Pilot.
- A College debate team comprising Ms. MansiBachhani, B.Com. First Year and LavinaKumawat of B.Sc. Second Year participated in a State Level Debate competition on Law Day on 26th November, 2015. The topic of the Debate was "Political System is Responsible for the growing corruption". There were 18 teams from various regions of Rajasthan that participated in the debate competition. The teamsecured the first position and won the trophy, certificates and a course voucher of Rs.3500/- each.
- An eight days camp was organized at K.N. College from 21-28th November, 2015. Students enthusiastically participated and did shramdhan on all eight days by cleaning the whole campus. Apart from this,Chart making and Slogan writing competition on the topic "Environmental Protection"; Students prepared materials from Best out of Waste. A Debate competition on the Proposition "Malpractice of Child Marriage"; 20 students participated in preparing a First Aid Box followed by a lecture by Dr. Dhananjaya Amravati on "Importance of Health and Hygiene".
- A one day exhibition-cum-sale was organized by the students of Home Science department on 14-12-2015. The Hon.Vice-Chancellor, Prof. R.P.Singh inaugurated the exhibition by cutting the ribbon. The students had put up stalls for items to be sold.
- The students of K.N. College took out a rally under the leadership of Miss Nikita Gehlot, General Secretary and proceeded to the collectorate office and handed over a representation pleading for the innocent children who have become an easy prey likewomen and girls. The students demanded for quick judgment of pending cases of woman harassment & punishment for the guilty person.

सेठ मंगनीराम बांगड़ मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में विभिन्न कार्यक्रम

कम्प्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन

विश्वविद्यलय के 53वें स्थापना दिवस पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सतपाल मलिक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश एवं कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने एमबीएम इंजीनियरिग कॉलेज परिसर स्थित कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिग विभाग में नवनिर्मित कम्प्यूटर प्रयोगशाला विंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने बायोमैट्रिक एवं फेस रेकॉग्निजिशन उपकरणों से उपस्थिति की अंकन प्रकिया प्रयोगिक तौर पर परीक्षण प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

स्पोकन ट्यूटोरियल

आईआईटी मुम्बई के इस प्रोजेक्ट में कॉलेज के विद्यार्थियों को स्पोकन ट्योटियल एवं वीडियो लेक्चर से अध्ययन करवाया जाता है। इसके बाद ऑनलाइन टेस्ट लिया जाता है।

इसमें सफल होने पर आईआईटी मुम्बई की ओर से सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है। इस बार C, C++, Paython, PhP, Java, linux Sci Lab में सभी विभागों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन गतिविधियों में डॉ. राजेश पुरोहित तथा विद्यार्थी भव्य प्रशांत व गुंजन ने सहयोग दिया।

एम्बेडेड सिस्टम एवं रोबोटिक्स क्लब

विभाग के तत्वावधान में एम्बेडेड सिस्टम एवं रोबोटिक्स क्लब की दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके सभी विभागों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। तकनीक को उपयोग में लेने के लिए सी प्रोग्रामिंग से माइक्रो कंट्रोलिंग का विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आलोक सिंह गहलोत ने अध्ययन करवाया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने लाइव फोल्डर रोबोट व इलेक्ट्रोनिक हारमोनियम एवं प्रोजेक्टर बोर्ड पर कार्य किया।

तकनीकी महोत्सव एन्कार्टा

एमबीएम कॉलेज में 19वां राज्य स्तरीय तकनीक महोत्सव एन्कार्टा का आयोजन दिसम्बर में किया गया। कॉलेज के अधिष्ठाता प्रो. कमलेश पुरोहित एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश पुरोहित ने मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

महोत्सव में अल्गोहोलिक, फेस द अननोन, दलाल स्ट्रीट, जावा, जम्बोस, कोड मैराथन, क्विज, स्ट्रेटगेमेन्जा, जंक यार्डवार सहित अनेक प्रतियोगिता का आयोजन किए गए। इसमें प्रो.के.आर चौधरी मुख्य अतिथि थे।

महिला अध्ययन केन्द्र के कार्यक्रम

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु 15 दिवसीय ''निःशुल्क सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला'' का आयोजन भील बस्ती, बासनी तम्बोलिया, मगरा पूंजला में किया गया। केन्द्र निदेशक प्रो. कल्पना पुरोहित ने बताया कि महिलाओं को इस प्रकार के प्रशिक्षण देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करना है।

केन्द्र द्वारा 08 सितम्बर, 2015 को महर्षि दधिची महिला महाविद्यालय, मधुबन हाउसिंग बोर्ड में छात्राओं हेतु कैरियर काउंसलिंग व मोटीवेशन पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. ए.के. मलिक, पूर्व अधिष्ठाता, कला संकाय थे। प्रो. मलिक ने अभिप्रेरणा से संबंधित अपने व्याख्यान में बताया कि बालिकाओं को नकारात्मक सोच नहीं रखनी चाहिए तथा जीवन की डिक्शनरी में से असंभव शब्द को हटा देना चाहिए और अपने अन्दर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि, अपनी कमजोरियों को पहचानते एवं उन्हें दूर करने का प्रयास करें और कहा कि यदि बालिकाओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास होगा तो वह समाज और राष्ट्रहित में अपना योगदान दे सकेंगी।

'स्वस्थ बालिका स्वस्थ समाज जागरूकता कार्यक्रम' के तहत दिनांक 09 अक्टूबर को श्री सुमेर महिला महाविद्यालय, जोधपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केन्द्र निदेशक प्रो. कल्पना पुरोहित ने कहा कि, स्वस्थ बालिका स्वस्थ समाज कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ बनाना है। 11 अक्टूबर को अन्तरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर केन्द्र की ओर से पी.जी. कन्या छात्रावास, नया परिसर में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र निदेशक प्रो. कल्पना पुरोहित ने अन्तरराष्ट्रीय बालिका दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि बेटियाँ मानव जाति का सर्वोत्तम उपहार है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ताविधि संकाय की सहायक आचार्य डॉ. निधि संदल ने कहा कि, छात्राओं को कानून की जानकारी होनी चाहिए तथा उन्होंने भारतीय संविधान में वर्णित महिला अधिकारों के बारे में बताया एवं बालविवाह, घरेलू हिंसा अधिनियम, बालिका संरक्षण से सम्बन्धित विभिन्न कानूनों की जानकारी दी। जिससे बालिकाओं पर होने वाली हिंसा के प्रति वो सजग रह सकें। बालिकाओं को अपने हक व हितों के लिए स्वयं को आगे आना होगा तथा स्वयं को ही आवाज उठानी होगी। इस अवसर पर केन्द्र द्वारा दो लघु फिल्म 'आत्मज' एवं 'उसका आना' के माध्यम से समाज में हो रहे बालिका के साथ भेदभाद व कन्याभ्रूण हत्या जैसी समस्या एवं उनके समाधान से सम्बन्धित फिल्म दिखाई गई।

अन्तराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर 10 दिसम्बर को श्री कुमोदिनी महिला शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालय में मनाया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. चन्दनबाला, प्रोफेसर, विधि संकाय एवं प्रो. के.एन. व्यास, पूर्व विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग थे। प्रो. चन्दनबाला ने कहा कि भारतीय संविधान में महिलाओं को समान अधिकार दिये गये हैं। सरकार द्वारा महिलाओं के संरक्षण के लिए कई कानून बनाये गये है लेकिन कानून बनाने से ही समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में भी बदलाव लाना होगा। प्रो. चन्दनबाला ने घरेलू हिंसा, भारतीय दण्ड संहिता, हिन्दू विवाह अधिनियम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, तलाक एवं बलात्कार आदि से महिलाओं से संबंधित कानूनों की विस्तृत जानकारी अध्यापिकाओं को दी और कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सदैव सचेत रहना चाहिए, जिससे उनके अधिकारों का हनन नहीं हो सके। प्रो. व्यास ने मानव अधिकारों के सामाजिक परिप्रेक्ष्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सदियों से समाज में महिलाओं के मानव अधिकारों का हनन हो रहा है।

कुलपति ने किया खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन

कमला नेहरू नगर स्थित ऐश्वर्या कॉलेज की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता स्थानीय रेलवे स्टेडियम में दिसम्बर माह में आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरपी सिंह ने किया। प्रो.सिंह ने विद्यार्थियों को खेल का महत्व समझाते हुए खेल भावना से खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व कुलपति एवं ऐश्वर्या कॉलेज के संरक्षक प्रो. लक्ष्मणसिंह राठौड़ ने की। कॉलेज के एकेडमिक डीन प्रो. एके मलिक ने अतिथियों का स्वागत किया।

पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण

विश्वविद्यालय की बोटनिकल सोसायटी, वनस्पति शास्त्र विभाग व यूनिवर्सिटी सांइस इन्स्ट्रूमेन्टेशन सेन्टर (यूसिक) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून को ''सेवन विलियन ड्रीम्स वन प्लेनेट कन्ज्युम विद केयर'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आफरी के निदेशक श्री एन.के वासु ने जल, ऊर्जा और भोजन की वर्तमान स्थिति पर चिन्ता जताते हुए कहा कि यदि इस पर तात्कालिक उपाय नहीं किये गये तो 2050 तक समस्त जीवों के अस्तित्व के लिए पृथ्वी के समान तीन ग्रहों की जरूरत होगी। पर्यावरण संरक्षण पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि आज विकास और पर्यावरण में पारस्परिक सामंजस्य की आवश्यकता है। हम स्वच्छ पर्यावरण में रहें, यह हमारा अधिकार है और इसके लिए संविधान में भी इसकी व्याख्या की गई है। उन्होंने आने वाले समय में पश्चिमी राजस्थान में पानी की समस्या पर चिन्ता जताते हुए जल संरक्षण के उपायों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में पर्यावरण संरक्षण के लिए सामाजिक जागरूकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण की सबसे ज्यादा जिम्मेदारी जिस पढ़े लिखे बुद्धिजीवी वर्ग से है वही इसकी अनदेखी कर रहा है। उन्होंने जापान व चीन का उदाहरण देते हुए बताया कि वहाँ के सम्पन्न लोग भी साइकिल व अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करते हैं जबकि यहाँ वन मैन वन कार धारणा है जो पर्यावरण को बहुत क्षति पहुँचा रही है। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर को पॉलिथिन, धुम्रपान व गुटखा पान मुक्त बनाने व इसे हरा भरा बनाने का संकल्प दिलाया। इससे पहले अपने स्वागत भाषण में वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.एस. सुन्दर मूर्ति ने विश्व पर्यावरण दिवस के इतिहास व इसकी महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

यूसिक के निदेशक डॉ. के. आर पटेल ने खेजड़ली व वीर तेजा जी के बलिदान का उल्लेख करते हुए बताया कि मारवाड़ के लोग प्रकृति के प्रति कितने जागरूक हैं। विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता एवं भूविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.एल.श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. कलाम को श्रद्धांजलि

भारत के पूर्व राष्ट्रपति माननीय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के निधन पर विश्वविद्यालय परिवार ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय में हुई शोक सभा में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा किये गए देशहित कार्यों पर प्रकाश डाला। उनकी कार्य के प्रति लगन के सम्मान में केन्द्रीय कार्यालय के कर्मचारियों ने निर्धारित कार्य समय से अतिरिक्त एक घण्टा ज्यादा कार्य किया। श्रद्धांजलि सभा में समस्त शिक्षकगण एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखा।

Department of Management Studies

Series of Extension Lectures

Prof Pankaj Chandra (Former-Director IIM Bangluru)

Department of Management Studies and Indian Institute of Technology Jodhpur (IIT J) Jointly organised special lecture of Prof. Pankaj Chandra on "Pivoting Indian Manufacturing Policy Differently".

1.Prof Shyam.S.Lodha (Chairman, Department of Marketing, Southern Connecticut State University) deliver a special lecture on "Managers for 21st Century" in the department on July 16th, 2015 at 11 am.

2. Mr Vincent Jose (General Manager Taj Umed Bhawan Palace, Jodhpur) discussed students about recent trends in Tourism in Rajasthan and strategies for development of tourism sector on 17th Oct 2015.

3.Prof. G.D. Sharma, (former UGC secretary and former director of the CEC)

4.Prof Sharma enlightened students of M.B.A. on the current issue of micro finance "Micro Finance for Removal of Poverty and Women Empowerment".

5. Mr. Gyanesh Upadhyay - (News editor at The Patrika Group)

Discusses the Importance of "Values in Business" and how to achieve it in real world on 30 sep 2015.

Funtuss

Food Festival 2015 (1st Nov 2015)

Funtuss was a luscious and amusing experience for Department of Management studies. The event was completely organised by Students. Department is proud of their imaginative endeavour. All visitors enjoyed the relishing & creative dishes from Yummy-tummy, Hunger station, Yaaro da dhaba, Cool point, Bruseta. In the Game Zone Jodhpur casino, Photo-booth, Hit the ball miss the ball, carom casino, anglino entertained the Crowd.

Emerging Trends & Challenges in Management (UGC- Sponsored National Conference) on 27th – 28th Feb 2015

National Conference on Emerging Trends & Challenges in Management aimed at capturing Contemporary Management & Research. This event endeavoured to bring all academicians, researchers, practicing managers and students together to share their ideas and research findings, discuss current issues and challenges in business and industry.

More than 200 delegates from all over India participated in the national conference.

Chief Guest: - Prof Devi Singh (Former director IIM Lucknow)

Keynote Address :- Prof G C Gandhi

Conference Chair: - Prof. Shishupal Singh Bhadu

Conference Director: - Mr. Nishant Gehlot

IIM- Kolkata Carpe-diem

Carpe Diem is one of the most eagerly awaited festivals on the B-school calendar. It provides a platform for participants from some of the most prestigious institutes of India like the IITs, the IIMs, NITs, Delhi University other reputed B-schools and colleges across India.

Department of Management Studies organised 2 days workshop on Entrepreneurship for which experts from IIM Kolkata were called. Afterwards one team of students got selected for represent at national level. This event was coordinated by Dr. Yamini Sharma.

Blood Donation Camp (28th Nov 2015)

NSS unit of Department of Management Studies organised a blood donation camp. This camp was a great success as 76 units of blood was collected and donated to Umed Hospital blood bank. Students of DMS did series of Nukkad-Natak at different-different places of Jodhpur to make people aware about blood donation.

Upcoming Events for year 2016

Revelation-2016

The upcoming Management fest-Revelation 2016 is being organized for the Under Graduate and Post Graduate students of Commerce, Management, Engineering and Technology students. The three days fest shall be organized on 30, 31st January and February 1st 2016. During the event, various solo and group activities like Business Quiz, Business Plan, Ad-Making, Poster Making, Face Painting, Group Dance, Solo Dance, Solo Singing, Meet the Press, Box Cricket and Treasure Hunt shall be organized. Besides the fest activities, food and entertainment stalls shall be arranged so that students can have a gala time in the event. The fest will be followed by Annual Day on 2nd February in which all the winners of the event shall be awarded.

10 days Research Methodology Workshop (Sponsored by ICSSR)

The workshop has been designed in a modular format with an emphasis on interactive sessions, exercises and a discussion of sample research papers/outlines prepared by the participants during the training. The aim is to give participants hands-on experience in preparing a project proposal and conducting a research project. The course is expected to benefit participants from all social sciences.

Director: - Prof. Shishupal Singh Bhadu

Co- Director: - Mr Nishant Gehlot

Workshop on Financial Statement Analysis (19th and 20th February)

Expert will be Prof. Neerav Nagar IIM-Ahmadabad

MBA students, PhD students and young faculty members accounting/finance.

विद्यार्थियों ने किया अवलोकन

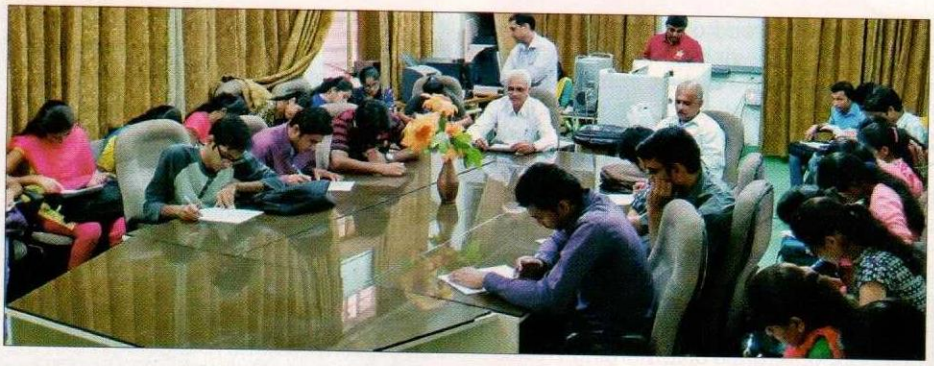

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के एज्यूकेशनल मल्टीमीडिया एण्ड रिसर्च सेन्टर ईएमएमआरसी जोधपुर की ओर से सामाजिक सरोकार के तहत छात्र-छात्राओं को ई-एज्यूकेशन से जोड़ने का प्रयास किया गया। इसके तहत विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शैक्षिणक तकनीक से अवगत कराया जा रहा है।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान विभाग के एम.एससी पूवार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों ने 2 व 3 नवम्बर 2015 को ईएमएमआरसी का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों को सेंटर की कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों से अवगत कराया गया।

भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डी.के. शर्मा के नेतृत्व में एम.एससी पूर्वार्द्ध एवं एमएससी उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों ने भौतिक विज्ञान विभाग के डॉ.कश्यप धूत के नेतृत्व में सेंटर का अवलोकन किया।

इस दौरान आईआईटी कानपुर के भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर एच.सी.वर्मा द्वारा न्यूक्लियो सिंथेसिस विषय पर तैयार किए गए कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई। करीब आधे घंटे का यह शैक्षणिक कार्यक्रम दिखाया गया। फॉरमेटिव रिसर्च के तहत छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम दिखाने से पहले और बाद में प्रश्नावली भरवाई गई। कार्यक्रम दिखाने के बाद दुबारा वही प्रश्नावली भरवाई गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने उत्साह से जवाब दिए। इस मौके पर ईएमएमआरसी के वरिष्ठ प्रड्यूसर विनोदचन्द्र सती ने विद्यार्थियों को मानव संसाधन मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एनएमई-आईसीटी प्रोजेक्ट के तहत विभिन्न विषयों पर तैयार किए जा रहे ई-कन्टेंट के बारे में जानकारी दी।

स्थापना दिवस पर स्मारिका का लोकार्पण

जोधपुर संभाग में उच्च शिक्षा के सबसे बड़े केन्द्र जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में 14 जुलाई 2015 को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एज्युकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर ईएमएमआरसी की ओर से विशेष रुप से स्मारिका 'उदन्तिका' का प्रकाशन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं ईएमएमआरसी के चैयरमेन डॉ. आर.पी. सिंह की ओर से उदन्तिका के प्रकाशन का जिम्मा ईएमएमआरसी को सौंपा गया। ईएमएमआरसी के निदेशक डॉ. सतीश कुमार शर्मा के नेतृत्व में प्रड्यूसर अचलसिंह मेड़तिया, प्रड्यूसर अजय अस्थाना, छायाकार ओमगौड़, संतोष कुमार प्रजापत एवं अभिनव सिंह चौहान की टीम ने अल्पसमय में मल्टीकलर स्मारिका तैयार की। इसका विमोचन 14 जुलाई को कुलपति डॉ. आर.पी. सिंह के सानिध्य में आयोजित समारोह में विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सतपाल मलिक, जोधपुर के सांसद श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, सूरसागर विधायक श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास, जोधपुर शहर विधायक श्री कैलाश भंसाली, जोधपुर के जिला प्रमुख श्री पूनाराम चौधरी ने स्मारिका का विमोचन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

शिक्षकों को बताया माइक्रो टीचिंग का महत्व

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के विधि संकाय की ओर से 7 से 27 सितम्बर 2015 तक यूजीसी रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया। इसमें अन्य राज्य के शिक्षकों ने भी भाग लिया। कोर्स के अवधि के दौरान 21 सितम्बर को प्रतिभागी शिक्षकों ने ईएमएमआरसी जोधपुर का भी भ्रमण किया। इस दौरान प्रतिभागी शिक्षकों को ईएमएमआरसी की कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों से अवगत कराया गया। वरिष्ठ प्रोड्यूसर विनोदचन्द्र सती ने माइक्रो टीचिंग एवं ई-कंटेंट से संबंधित जानकारी दी।

बॉम की बैठक में अनेक मुद्दों पर चर्चा

एज्यूकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर ईएमएमआरसी जोधपुर के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की बैठक में सेंटर के विकास से संबंधित अनेक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति एवं बॉम चैयरमेन डॉ.आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बॉम की बैठक में शैक्षिक संचार संकाय सीईसी के निदेशक डॉ. राजबीर सिंह, बॉम के सदस्य एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ.भीमसिंह दहिया, विश्वविद्यालय के वित्तीय सलाहकार आबिद खान और केन्द्र निदेशक प्रो. एस.के. शर्मा मौजूद रहे। इसमें गत बैठक के निर्णय पर बिन्दुवार चर्चा की गई तथा आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

अवलोकन

ईएमएमआरसी बॉम की बैठक में शिरकत करने आए सीईसी के निदेशक डॉ.राजबीर सिंह एवं बॉम के सदस्य डॉ. भीमसिंह दहिया ने एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर स्थित ईएमएमआरसी का अवलोकन भी किया। सेंटर पहुँचने पर दोनों का केन्द्र निदेशक डॉ. सतीश कुमार शर्मा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। वरिष्ठ प्रड्यूसर विनोदचन्द्र सती ने ईएमएमआरसी की गतिविधियों से अवगत कराया।

विश्वविद्यालय में मनाई गई गांधी और शास्त्री की जयंती

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती पर 2 अक्टूबर को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय स्थित सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पूनम बावा एवं सह समन्वयक प्रो. एच.एस. राठौड़ थे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक किस्सों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के अन्दर गांधी जी और शास्त्री जी दोनो मौजूद हैं, आवश्यकता है उनके मार्ग को अपनाकर उस पर चलने की। अहिंसा और सादगी इन दोनों महान विभूतियों के व्यक्तित्व का मूल आधार थी। मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार शर्मा द्वारा वर्तमान में गांधी जी के सिद्धांतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए ''वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गांधी जी की प्रासंगिकता'' विषय पर उद्बोधन दिया गया। वहीं ''मोहन से महात्मा तक का सफर'' का प्रस्तुतिकरण जेएनवीयू के अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. राजश्री राणावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. पूनम बावा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, कर्मचारीगण एवं छात्र मौजूद थे।

विद्यार्थियों ने सीखे व्यक्तित्व निखारने के तरीके

एक दिवसीय कॅरियर शिविर

कॅरियर काउसलिंग सेल द्वारा 10 अक्टूबर को स्कील डवलपमेंट व पर्सेनेलिटी डवलपमेंट शिविर आयोजित किया। इसका उद्घाटन एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज डायरेक्टर प्रोफेसर पी के शर्मा ने किया। प्रोफेसर ए के मलिक ने कौशल विकास का मार्ग दर्शन देते हुए विद्यार्थियों को अपनी कमजोरियों को पहचानने व सकारात्मक सोच बनाये रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने इंटरव्यू में सफल होने के गुर भी बताए। डॉ यामिनी शर्मा ने विद्यार्थियों को पर्सेनेलिटी के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। सेन्टर डायरेक्टर डॉ. विकल गुप्ता नें कार्यशाला को उपयोगी व उत्साहवर्धक बताया।

कॅरियर सेल में एक दिवसीय कार्यशाला

कॅरियर काउंसलिंग सेल द्वारा 12 दिसम्बर को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। विज्ञान संकाय डीन प्रो पी. के. शर्मा ने इस कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रो कल्पना पुरोहित ने नई जॉब उपलब्धियों के साथ-साथ संचार कौशल के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों को सही व स्पष्ट भाषा संचार कौशल के तरीके बताये। प्रोफेसर ए के मलिक ने विद्यार्थियों को व्यक्तित्व को निखारने के लिए कर्मवादी बनने का मंत्र दिया। कॅरियर सेल के निदेशक डॉ. विकल गुप्ता ने बताया कि, इसमें 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कैलाश पूनिया प्रथम, प्रकाश गोदारा द्वितीय व रामकिशोर रालिया तृतीय स्थान पर रहे।

इंस्टीट्यूट ऑफ इवनिंग स्टडीज़ में कॅरियर हेल्प डेस्क

कॅरियर काउंसलिंग सेल द्वारा इवनिंग फेकल्टी में को-कॅरियर हेल्प डेस्क व लेक्चर आयोजित किया गया। इसमें छात्रों को लर्निंग व पर्सेनेलिटी इम्प्रूवमेन्ट पर लेक्चर दिया गया। विद्यार्थियों को काउंसलर डॉ. श्वेता गहलोत ने मार्गदर्शन दिया।

सायंकालीन अध्ययन संस्थान में कॅरिअर सेशन आयोजित

कॅरिअर काउंसिल सेल द्वारा सांयकालीन अध्ययन संस्थान, ओल्ड केम्पस में 8 जनवरी को कॅरियर सेशन का आयोजन किया गया। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट मिलिट्री अस्पताल और एम्स की काउंसलर डॉ. नीता द्विवेदी ने पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के जरिये व्यक्तित्व को निखारने के मूलमंत्रों से छात्रों को अवगत कराया व आत्मविश्वास को बढ़ाने के तरीके बताए। छात्रों को सही बॉडी लेंग्वेज का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने 'विनर डू नॉट क्विट एंड क्विट्ज डू नॉट विन' का मंत्र दिया। सेल की काउंसलर डॉ. श्वेता गहलोत ने जॉब से जुड़ी जानकारी दी एवं परीक्षा के समय स्ट्रेस से बचने के उपाय बताए।

विश्वविद्यालय में महिलाओं के लिए यौन उत्पीड़न निषेद्य प्रकोष्ठ गठित

प्रो. पूनम बावा अध्यक्ष नियुक्त

राजस्थान सरकार के निर्देशों की पालना में कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने 20 अगस्त 2015 को आदेश जारी कर विश्वविद्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारियों की मदद के लिए यौन उत्पीडन निषेद्य प्रकोष्ठ का गठन किया। ''महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (निवारण, प्रतिरोद्ध एवं प्रतितोष)'' अधिनियम 2013 की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय में यौन उत्पीडन निषेद्य प्रकोष्ठ का गठन किया गया। राजनीति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर पूनम बावा को इस प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। प्रो. कल्पना पुरोहित, प्रो. कांता कटारिया, डॉ. जयश्री वाजपेयी, प्रो. एच.एस. राठौड़, प्रो. एल.एस. राजपुरोहित, विधि की रिसर्च स्कॉलर कुमारी प्रियंका शर्मा, वाणिज्य संकाय में बी.एफ.ई. विभाग की रिसर्च स्कॉलर कुमारी रंजीता पाठक को इसमें सदस्य नियुक्त किया गया। दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. औतारलाल मीणा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

Field visit of Machia Biological Park

A Field visit was made for the assessment of biodiversity of local fauna and flora of kailana forest. A group of 26 students of M. Sc Previous (Zoology) from Science faculty of J N Vyas University, Jodhpur visited Machia Biological Park and adjoining forest area on 04 November 2015. The group was led by Prof. L S Rajpurohit along with two other faculty members namely Dr G R Parihar and Dr Hemsingh Gehlot. During their visit, students observed different activities of cat species like leopard, lion and desert fox and noticed behavioural activities of wild ungulates like chinkara, blackbuck and chital in the Park. Dr Hemsingh Gehlot explained to the students the methods of assessment of diversity in the kailana forest area. The group also recorded many common and migratory birds in this area. DFO ShriMahendraSingh Rathore explained the development work of newly developed Biological Park and the contribution of his staff towards the park devlopment. DrShrawanSingh Rathore discussed his experience of leopard rescue and ACF Shri Bhagwan Singh showed the herbarium collection. Mr Harlal who is well-versed about the Machia from its Genesis shared his views with the group.

टेप्से व हेप्सन केन्द्र में अल्पाहार गृह का उद्घाटन

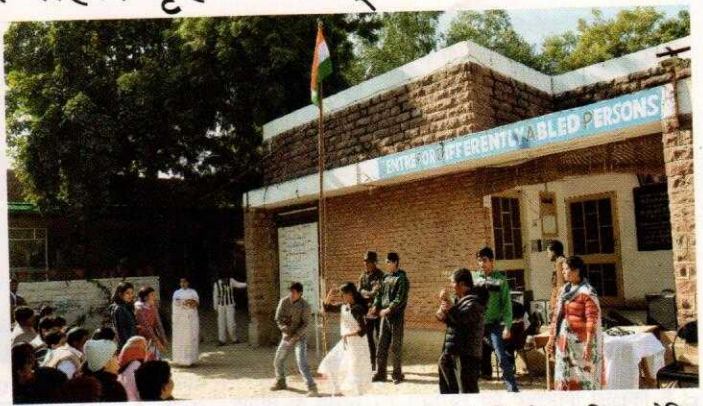

विश्व मानसिक मंदता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के टेप्से व हेप्सन केन्द्र में 8 दिसम्बर को अल्पाहार गृह का उद्घाटन किया गया। यह अल्पाहार गृह मानसिक मंद बच्चों द्वारा 'नो प्रोफिट-नो लॉस' के आधार पर संचालित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने मानसिक मंद बच्चों को आशीर्वाद देते हुए मिठाई का वितरण किया। कुलसचिव गोविन्द सिंह चारण एवं वित्त नियत्रंक आबिद खान भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

इस अवसर पर टेप्से व हेप्सन केन्द्र द्वारा मानसिक मंद बच्चों के लिए पिकनिक का आयोजन भी किया गया। जिसमें आशा स्कूल, नेत्रहीन विद्यालय के छात्र-छात्राओं व नवज्योति विकास केन्द्र के बच्चों ने भाग लिया। इस भ्रमण के दौरान विशेष बी.एड. एवं विशेष एम.एड. के छात्र-छात्राओं ने बच्चों का मनोरंजन किया।

इस दौरान डॉ. मनीषा जैन ने मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वहीं मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रविकांत गुंठे ने कहा कि अगले सत्र से विभाग में स्कूल साइकोलोजिस्ट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रारंभ किया जायेगा।

टेप्से एवं हेप्सन केंद्र के योगेंद्र सिंह ने कहा कि समावेशित शिक्षा न केवल निशक्त छात्रों के लिए बल्कि सामान्य छात्रों के संपूर्ण विकास के लिए भी सहायक है। डॉ. उषा चेलानी ने विकलांगता के लिए जांच व पहचान के उपकरणों की जानकारी दी।

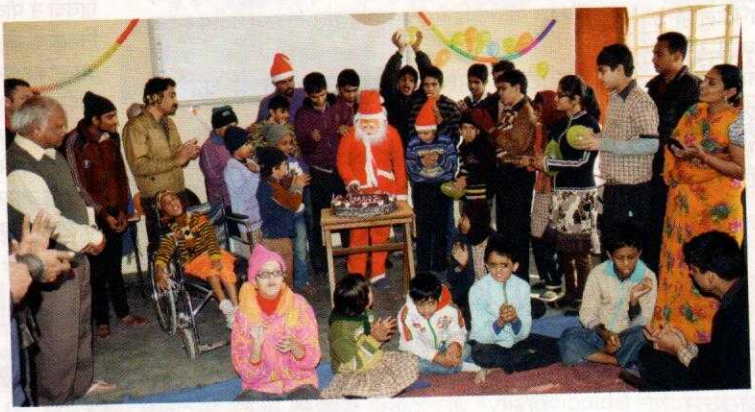

आत्मविश्वास का स्तर व बौद्धिक आकलन

मनोविज्ञान विभाग के शोध छात्रों व छात्राध्यापकों ने नवम्बर माह में 'विद्यार्थियों के सामान्य कर्म शक्ति, रूचि व आत्मविश्वास के स्तर को जांचने के लिए झालामंड स्थित द शांति निकेतन विद्यालय परिसर में परीक्षण किया। राजस्थान में जेएनवीयू की ओर से इस तरह का यह पहला कदम है। इन परीक्षणों में विद्यार्थी का आत्मविश्वास का स्तर व बौद्धिक आकलन किया गया। टीम ने हर बच्चे की रिपोर्ट तैयार कर प्राचार्या को सौंपी। संचालनकर्ता प्रो. रवि के. गुंठे ने बताया कि कुछ मूल अवधारणाओं के ज्ञान के अभाव में बच्चे की रूचि उस विषय से हट जाती है।

परंपरागत विधियों से हट कर नवीन विधियों द्वारा य प्रारूप तैयार किया गया है जिसमें चित्रों द्वा बहुविकल्पीय प्रश्न हल करवाए गए। यह अमेरिव मनोवैज्ञानिक 'थॉमसहोगन' की अवधारणाओं प आधारित है।

मंदबुद्धि बच्चों के लिए अनेक आयोजन

टेप्से एवं हेप्सन केंद्र पर विशेष एमएड, विशेष बीएड व पीजीडीआरपी के स्टूडेंट्स द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। मनोवैज्ञानिक प्रो. हेमंत शर्मा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे।

समारोह के अंतर्गत केंद्र के मंदबुद्धि बच्चों के लिए म्यूजिकल चेयर, पेंटिंग, कैरम आदि प्रतियोगिताएं हुई।

शाला प्राचार्यों व शिक्षकों के लिए शिक्षण

केंद्र के तत्वावधान में शाला प्राचार्यों एवं शिक्षकों के लिए दिसम्बर माह में तीन दिवसीय जिलास्तरीय शिक्षण शिविर आयोजित किया गया। मेजर जनरल आफताब चौधरी, कला संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुधि राजीव तथा नवज्योति मनोविकास केन्द्र के संचालक जीएम सिंघवी ने शिविर का उद्घाटन किया।

Activities of the Day Care Centre

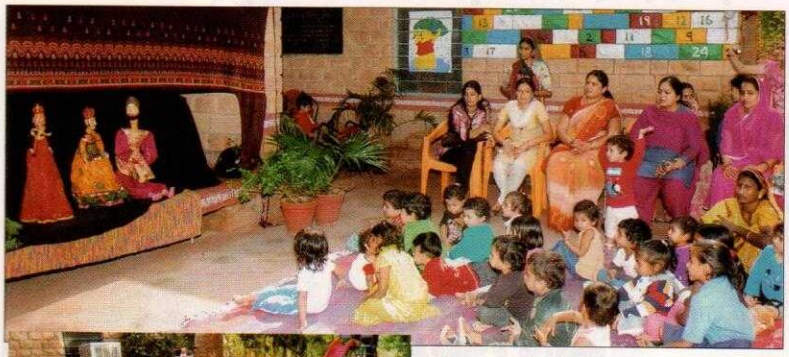

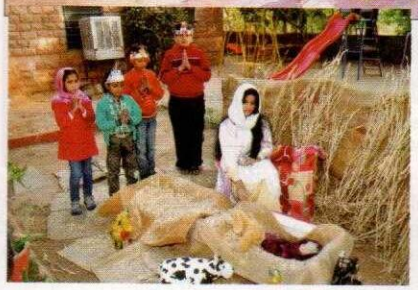

Panna Dhai Shishu Ghar, The day care center JN Vyas University was started with the objective of providing Day Care Facility for children between the age group of 3 months to 6 years, on 7th September 2006. There are innumerable activities that the center holds which enhances the physical, motor, social skills aimed for the development of the children. Stories telling Rhymes & Songs best suited for the particular age group is used to foster the language development in children. The following activities were conducted during the year 2014-15 for the children under the able leadership of Prof. Usha Kothari.

- 7th July A field trip to the Public Park and Zoo
- 28th July Puppet show and Rakhi Celebration
- 4th August Medical Checkup of children with their Parents
- 21st September Sports day Celebration.

गृहराज्य मंत्री रिजीजू ने किया डॉ. मीना की पुस्तक का लोकार्पण

लोक प्रशासन के क्षेत्र में देश की उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिष्ठित 'भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में 61वीं वार्षिक आमसभा की बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह के भव्य कार्यक्रम में भारत के गृह राज्यमंत्री श्री किरेन रिजीजू ने राजनीति विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. जनक सिंह मीना की पुस्तक ''सत्ता परिवर्तन और प्रशासनिक व्यवस्था'' का लोकार्पण किया।

कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल एवं आई.आई.पी.ए. चैयरमैन श्री टी.एन. चतुर्वेदी, आई.आई.पी.ए. निदेशक डॉ. टी. चटर्जी, जम्मू कश्मीर के पूव मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्लाह, दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल तेजेन्दर खन्ना, जगमोहन मल्होत्रा, जाने माने पत्रकार, लेखक एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ. कुलदीप नायर के साथ ही देशभर से बुद्विजीवी एवं प्रशासक इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ. मीना को इस अवसर पर "स्वच्छ भारत" के लेखन पर द्वितीय पुरस्कार से भी नवाजा गया। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के 59 वें वार्षिक सम्मेलन में डॉ. जनक सिंह मीना ने ''भारतीय उच्च शिक्षा में गुणवत्ता : दशा और दिशा'' विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रथम अन्तर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता

व्यास विश्वविद्यालय के संभागीय विश्वविद्यालय बनने के बाद सत्र 2015-16 से अन्तर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आरंभ किया गया। एस.पी.यू. (पी.जी.) महाविद्यालय, फालना द्वारा 08 से 10 दिसम्बर 2015 तक प्रथम अन्तर महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ डॉ. बाबूलाल दायमा, सचिव क्रीड़ा मंडल जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं उप जिलाधीश बाली द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। इसमें जोधपुर संभाग से 11 महाविद्यालय की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन नॉकआउट कम लीग आधार पर आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में एनी बिसेंट महाविद्यालय विजेता तथा महात्मा गांधी महाविद्यालय उपविजेता रहा, तृतीय स्थान पर अभियांत्रिकी संकाय एवं चतुर्थ स्थान पर एस.सी. डी.सी. महाविद्यालय, वरकाना रहे। समापन समारोह में श्री खुशीराम तथा श्री अर्जुनसिंह अन्तर्राष्ट्रीय बॉस्केटबाल खिलाड़ी मुख्य अतिथि थे।

महिला बॉक्सर ने पदक जीत रचा इतिहास

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा कुरूक्षेत्र में आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता 2015-16 में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की महिला बॉक्सर नेहा भाम्बू ने 56 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

अखिल भारतीय जिमनास्टिक (पुरूष एवं महिला) तियोगिता में पुरूष वर्ग के शुभम कुमार ने रजत पदक तथा महिला वर्ग में कुमारी चंद्रिका चौधरी ने कांस्य पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया। पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरूष) में विश्वविद्यालय के दल ने 4 टीमों को पराजित कर क्वार्टर फाइनल में स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

उच्च शिक्षा में डिजिटल टेक्नोलॉजी का प्रयोग आवश्यक : प्रो. राजवीर सिंह

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में 28 अक्टूबर को विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सर्विस प्रोवाइडर संस्थाओं में से एक सी.ई.सी के निदेशक एवं कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र के पत्रकारिता एवं मीडिया टेक्निक संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. राजवीर सिंह ने कहा कि, उच्च शिक्षा में डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए शिक्षण को क्लास रूम के दायरे से बाहर निकलकर विस्तार दिया जाना चाहिए। इसकी यूजीसी ने सी.ई.सी के माध्यम से योजनाएँ बनाई हैं।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. रामपाल सिंह ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और सर्वाधिक मुख्य एवं सशक्त माध्यम है। व्याख्यान में हिन्दी एवं पत्रकारिता तथा जनसंचार विभाग के शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित थे।

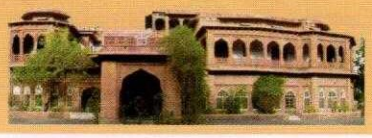

देशभर में अमिट छाप छोड़ रहे हमारे एनसीसी कैडेट्स

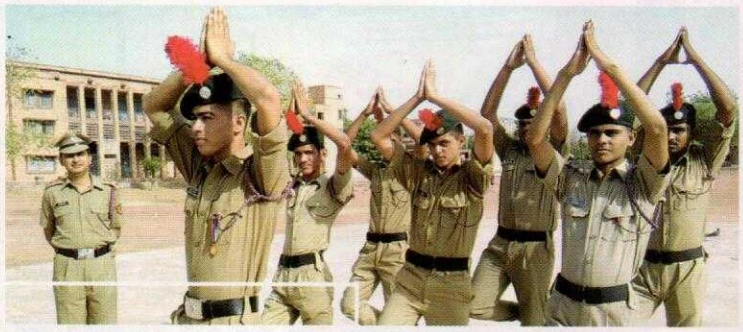

6 राज. बटालियन (आर्मी विंग) में एसोसिएट एन.सी.सी. ऑफिसर (ANO) का दायित्व लेफ्टिनेंट ललित सिंह झाला देख रहे हैं। विज्ञान संकाय के कुल 54 कैडेट्स इनके दिशा निर्देशन में कार्य कर रहे है जिनमें 46 लडके एवम् 8 लड़कियाँ शामिल है, जुलाई से अब तक कुल 14 राष्ट्रीय स्तर के शिविर में कैडेट्स भाग ले चुके है जिसमें से विशेष उपलब्धि के रूप में कैडेट ऋषिराज एवम् सीनियर अंडर ऑफिसर कैडेट रविन्द्र ने 26 जनवरी के 'गणतंत्र दिवस शिविर' में चयनित हो विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। कैडेट अशोक कुमार का थल सेना शिविर दिल्ली में चयन के साथ ही 'बाधा पाठ्यक्रम' में सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 'विशिष्ट राष्ट्रीय सद्भावना शिविर' लेह में 'NIAP' में भारत में द्वितीय स्थान के साथ-साथ कैडेट रविन्द्र वैष्णव को श्रेष्ठ गार्ड कमांडर के रूप में चुना गया। 03 दिसम्बर को आयोजित विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी गार्ड कमांडर सीनियर कैडेट रविन्द्र वैष्णव, कैडेट ऋषिराज दायाँ मार्कर के अलावा 6 कैडेट्स ने विज्ञान संकाय से गॉर्ड ऑफ ऑनर में अपना सक्रिय योगदान दिया। एवं स्वर्ण पदक वितरण समारोह में कैडेट बहादुरसिंह ने पायलटिंग की।

नान्दड़ा कलां में एनएसएस का दस दिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्वविद्यालय की सभी इकाइयों का समेकित दस दिवसीय शिविर नवम्बर माह में नांदड़ा कलां गांव में आयोजित किया गया। समन्वयक प्रो. कैलाश डागा ने बताया कि शिविर में स्वयं सेवकों ने गांव के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके तहत विज्ञान संकाय इकाई ने गांव के उप स्वास्थ्य केन्द्र, कला संकाय इकाई ने मंदिर प्रांगण, वाणिज्य संकाय इकाई ने स्कूल प्रांगण में साफ-सफाई का कार्य किया। वहीं कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिव्या चौधरी के निर्देशन में छात्राओं ने डोर-टू-डोर सर्वे किया। नांदड़ा कलां गांव को स्वच्छ भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय ने गोद लिया है।

राष्ट्रीय संविधान दिवस मनाया : राष्ट्रीय सेवा योजना एवं विधि संकाय की ओर से नांदड़ा कलां में राष्ट्रीय संविधान दिवस एवं विधि दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय विशेष विधिक शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. कैलाश डागा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह थे। कुलसचिव श्री गोविन्द सिंह चारण, प्रो. जैताराम विश्नोई, जोधपुर तहसीलदार एवं उपखण्ड अधिकारी इस अवसर पर बतौर अतिथि मौजूद रहे। विधि संकाय कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के.आर. मेघवाल ने अतिथियों एवं ग्रामवासियों का स्वागत करते हुए संविधान एवं इसकी महत्त्वता पर प्रकाश डाला।

कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव के कार्य योजना, विकास एवं शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि यह गांव हमारे बच्चे की तरह है जिसका पोशण, विकास एवं सुधार अच्छी तरह करना चाहते हैं। इसके लिए पूरा विश्वविद्यालय परिवार पूर्णरूप से लगा हुआ है। प्रो. सिंह ने विधिक जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाई एवं गांव का दौरा किया।

समन्वयक प्रो. कैलाश डागा ने बताया कि इस कार्यक्रम में विधिक जागरूकता के तहत् बाल-मजदूरी, बाल-विवाह, अशिक्षा, कन्या-भ्रूण हत्या एवं नशा बंदी आदि मुद्दों को नाटक के रूप में प्रस्तुत कर गांव के लोगो को जागरूक किया। वहीं विधिक के छात्रों ने विधिक जागरूकता पर उद्बोधन दिये। अंत में डॉ. देवकरण ने सभी अतिथियों एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया।

NCC Activities KNC

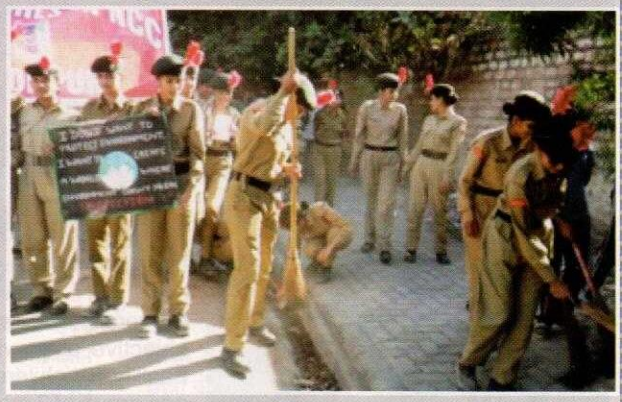

- During the academic session 16 camps were held on National level where cadets of K.N. college for women participated amongst which **08** cadets were selected for Thalsena camp, Delhi.

- For the Republic Day Camp, Delhi **03** students were selected i.e. Cadet Priyanka Dhaka, Cadet Sagar and Cadet Manisha.
- In the 2015 Adventure Course held at Uttarkashi in the month of December, Cadet Archana Sharma of K.N. College was selected.
- In the Swachha Bharat Abhiyan which was organized in the month of the October NCC cadets of K.N. College cleaned the inner and outer part of the college followed by Awareness rally.
- On the occasion of NCC Day in the month of November, cadets participated in slogan and poster making competitions. On important days of the University like Foundation Day and Convocation Ceremony and also during the Gold Medal distribution cadets Aashi Mukherjee, Vrinda Ojha, Sunita Hudda and Priyanka Dhaka piloted the Governor, Shri Kalyan Singhji.

प्रौढ़ सतत् एवं आजीवन शिक्षा विभाग

भाषा प्रकोष्ठ स्थित प्रौढ़ सतत एवं आजीवन शिक्षा विभाग की ओर से जुलाई में स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि मनाई। इस मौके पर लक्की कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विवेकानन्द केन्द्र के अमित कुमार तथा प्रो.चन्द्रशेखर ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित किया। विभाग के प्रभारी डॉ. ओ.पी.टाक के अनुसार जुलाई माह में ही विभाग की ओर से सुमेर महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में क्षमता संवर्द्धन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभाग की ओर से सुमेर महिला महाविद्यालय में प्रो.एस.एन जोशी ने 'मेरा जीवन मेरे विचार' विषय पर व्याख्यान दिया। सितम्बर माह में विभाग की ओर से ही ओंकारमल सोमानी कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए क्षमता संवर्द्धन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

श्री पुष्टिकर कॉलेज में प्रो.लक्ष्मीकांत जोशी का विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। होली स्पिरिट कॉलेज में विभाग की ओर से डॉ.के. एल. राजपुरोहित के विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। नांदड़ी गांव स्थित श्री खेतेश्वर महाविद्यालय में डॉ. आईदानसिंह भाटी ने आजीवन शिक्षा पर व्याख्यान दिया। नवम्बर में आदर्श महाविद्यालय में डॉ.हरिदास व्यास ने जीवन शिक्षा विषय पर व्याख्यान दिया।

दिसम्बर माह में विश्वविद्यालय के बीएड प्रकोष्ठ के विद्यार्थियों के लिए विभाग ने दक्षता संवर्द्धन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। इसी कड़ी में सोमानी महाविद्यालय में विभाग की ओर से व्यक्तित्व विकास एवं लक्ष्य निर्धारण विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संवाद के निदेशक श्रीअरविंद भट्ट ने व्याख्यान दिया। डॉ.टाक ने बताया कि इन सभी कार्यक्रमों में विभाग की ओर से प्रेरणास्पद साहित्य चिंतन भारत का वितरण भी किया गया।

केन्द्रीय कारागृह का दौरा

विश्वविद्यालय के विधि संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में अक्टूबर माह में संकाय के विद्यार्थी केन्द्रीय कारागृह गए और बंदियों से मुलाकात की।

इस दौरान विधि छात्रों ने एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के आर मेघवाल के नेतृत्व में बंदियों को विधिक जानकारी दी। विद्यार्थी सभी बैरक में गए और बंदियों से मिले। इसके अलावा मुलाकात कक्ष, अस्पताल, मंदिर, मस्जिद, भोजनालय, ऑडिटोरियम एवं पुस्तकालय देखा।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

छात्र सेवा मण्डल के राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ के अन्तर्गत ''राजस्थानी भाषा री मानता जरूरी'' विषय पर नवम्बर में वाद-विवाद प्रतियोगिता पुराना परिसर में आयोजित की गई। मण्डल सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत ने बताया कि इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मीनाक्षी बोराणा सहायक आचार्य राजस्थानी विभाग थी और इस प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के निर्णायक ख्यातनाम लेखिका वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. जेबा रसीद और डॉ. मीनाक्षी बोराणा थे। वहीं वेशभूषा प्रतियोगिता कमला नेहरू कॉलेज में आयोजित की गई। इसमें 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. धन्नजया अमरावत थी।

हिन्दी दिवस का आयोजन

सांयकालीन अध्ययन संस्थान में सितम्बर में हिन्दी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इसमें अतिथि वक्ताओं ने विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा का महत्व समझाया और इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर संस्थान के विद्यार्थी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

रोवर क्रू का दीक्षा संस्कार कार्यक्रम

प्रो. राजपुरोहित का हुआ सम्मान

जेएनवीयू विज्ञान संकाय रोवर ग्रुप के 44वें रोवर क्रू का दीक्षा संस्कार कार्यक्रम नवम्बर माह में आयोजित किया गया। रोवर लीडर डॉ. शंकरलाल नामा ने बताया कि इस सत्र में स्काउट में इच्छुक छात्रों को शामिल करने के लिए आयोजित इस दीक्षा संस्कार कार्यक्रम में शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर प्रो. लाल सिंह राजपुरोहित का जापान में आयोजित 23वीं विश्व स्काउट जम्बूरी में भाग लेने पर सम्मान किया गया।

छात्र सेवा मण्डल का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह

छात्र सेवा मण्डल ने चार सितम्बर को अपना वार्षिकोत्सव मनाया। इस समारोह में सत्र 2013-14 के विभिन्न अन्तर संकाय स्तर की सह शैक्षणिक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अभियांत्रिकी संकाय स्थित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी कक्ष में आयोजित समारोह का प्रारम्भ माँ सरस्वती की वन्दना एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत से किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के उद्योग मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कहा कि दृढ़ निश्चय ही सफलता की कुंजी है, व्यावहारिक ज्ञान जीवन में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने खेल एवं स्वास्थ्य के संदर्भ में सभी को प्रेरित किया। अति विशिष्ट अतिथि जोधपुर सांसद श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि विद्यार्थी, शिक्षक एवं विश्वविद्यालय प्रशासन सभी को मिलकर विश्वविद्यालय एवं देश के गौरव को बढ़ाने में अपना योगदान देना चाहिए।

कुलपति प्रो. रामपाल सिंह ने कहा कि स्मृति चिन्ह जीवन के यादगार पलों का प्रतीक होता है, राजस्थानी संस्कृति की अपनी एक अलग एवं शानदार पहचान है। छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष प्रो. सत्यप्रकाश दुबे ने मण्डल के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एम.एल. वडेरा का सम्मान कर उनके योगदान के बारे में जानकारी दी। समारोह में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अंग्रेजी भाषा में वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेकर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित करने वाली आशी मुखर्जी एवं प्रज्ञा जैन ने अपने-अपने अनुभवों की संक्षिप्त प्रस्तुति दी। प्रारंभ में मण्डल के सचिव डॉ. जालम सिंह रावलोत ने स्वागत किया।

प्रो. प्रभावती चौधरी को 'साहित्य सरस्वती सम्मान'

अखिल भारतीय विद्वत्, काशी द्वारा आयोजित 'अखिल भारतीय विद्वत् सम्मान समारोह (1 नवम्बर 2015) में प्रो. प्रभावती चौधरी को 'साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। भारत सरकार में गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा संस्कृत जगत में विशिष्ट योगदान देने के लिए प्रो. प्रभावती चौधरी का श्रीफल, शॉल, प्रशस्ति पत्र, सरस्वती की रजत मूर्ति एवं पुस्तकें प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 15 कुलपतियों को भी सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् विविध क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने के लिए देशभर में 30 से अधिक विद्वानों को प्रतिवर्ष सम्मानित करती है।

डॉ. मीना को 'लाला लाजपत राय स्मृति सम्मान'

पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की 150वीं जयंती वर्ष के पर विवेकानंद शैक्षणिक सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान, देवघर (झारखंड), एज्यूकेशनल एण्ड सोशल वेलफेयर सोसायटी, केरला तथा योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मान पुरस्कार-2015 में जेएनवीयू में राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. जनक सिंह मीना को लाला लाजपत राय स्मृति सम्मान प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उनके शिक्षा, साहित्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में किये गये योगदान के लिए प्रदान किया जायेगा। डॉ. मीना को यह सम्मान पश्चिमी बंगाल के मुर्शीदाबाद में अक्टूबर में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। डॉ. मीना की अब तक 14 पुस्तकें, 80 से अधिक शोध पत्र, आलेख विभिन्न राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं तथा 60 से अधिक राष्ट्रीय-अतंरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं में शोध पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं।

प्रो. धर्मचन्द जैन को 'हेमचंद्राचार्य साहित्य सम्मान'

जेएनवीयू के संस्कृत विभाग के प्रोफेसर व पूर्व अध्यक्ष धर्मचन्द जैन को जैन, बौद्ध व भारतीय दर्शन में चिंतन पूर्ण लेखन के लिए 20 दिसम्बर 2015 को कोलकाता में हेमचंद्राचार्य साहित्य सम्मान प्रदान किया किया गया।

29 वर्षों से कार्यरत विचार मंच, कोलकाता संस्था की अतिथि त्रिपुरा के राज्यपाल तथागत राय व अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी उद्योगपति पवन धूत ने प्रो. जैन को ताम्र पदक व 51 हजार रुपये की राशि का चेक प्रदान किया।

प्रोफेसर हुकमसिंह गहलोत बने अतिथि शोध प्रोफेसर

भारत सरकार के प्रोद्यौगिकी विभाग की ओर से जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग के प्रो. हुकमसिंह गहलोत का अतिथि शोध प्रोफेसर के लिए चयन किया गया है। देशभर से ऐसे 12 प्रोफेसरों का चयन किया गया। विजिटिंग रिसर्च प्रोफेसर का यह सम्मान उत्तरपूर्व राज्य स्थित उच्च शिक्षण संस्थान में जैव प्रौद्योगिकी से संबंधित अध्यापन एवं शोध कार्य करने के लिए प्रदान किया गया है। प्रो. गहलोत नॉर्थ इस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय के वनस्पति शास्त्र विभाग में छः माह के लिए वहाँ पर सूक्ष्मजीवी, जैव प्रौद्योगिकी में शोध कार्य, अध्यापन, शैक्षणिक भ्रमण एवं विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे।

डॉ. पटेल ने फ्रांस में किया पत्रवाचन

विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ अशोक कुमार पटेल फ्रांस के मोन्टपेलियर शहर में ''द सोसाइटी फॉर कंजर्वेशन बायोलॉजी'' की ओर से आयोजित 27वीं इंटरनेशनल कांग्रेस फॉर कंजर्वेशन बायोलॉजी एवं चतुर्थ यूरोपियन कांग्रेस फॉर कंजर्वेशन बायोलॉजी में भाग लिया।

थार मरूस्थल की औषधीय रूप से महत्वपूर्ण एवं विलुप्त हो रही प्रजातियों पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. सुन्दरामूर्ति के अनुसार डॉ पटेल ने अपना शोधकार्य प्रो. नरपत सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में किया है।

Gold Medal awarded to Lt. Kirti Maheshwari

Lt. Kirti Maheshwari (Assistant Prof. Hindi Deptt.) was awarded Gold Medal and Plaque of Honour from DGNCC at the Officers Training Academy, Gwalior.

The Officers' Training Academy, Gwalior is the only Women's Academy of India. During the three months training at Gwalior she was honoured by Commandants Gold Medal and Plaque of Honour from DGNCC, Delhi for her overall performance. She is the second recipient from Rajasthan since the inception of the Academy since 1964.

The National Integration Camp was held at Udaipur, in the month of October, 2015 where she lead 98 cadets and they were adjudged first from all over India.

स्व. श्री महेन्द्र सिंह नगर को विश्वविद्यालय गौरव रत्न सम्मान

केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कुलपति प्रो.आर.पी. सिंह ने स्व. श्री महेन्द्र सिंह के पुत्र श्री दुष्यंत सिंह नगर को विश्वविद्यालय गौरव रत्न प्रदान कर उनका सम्मान किया एवं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके प्रो. हरदयाल सिंह राठौड़, प्रो. कमलेश पुरोहित, प्रो. जैताराम विश्नोई, प्रो. एस.एस. बैस, प्रो. चैनाराम चौधरी, प्रो. कल्पना पुरोहित, प्रो. पूनम बावा एवं जनसम्पर्क अधिकारी रामनिवास चौधरी मौजूद थे।

खान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में नवम्बर में को एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में 'भारतीय खान दिवस-2015' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व श्रीसीमेंट के उपाध्यक्ष एससी सुथार ने कहा कि इस तरह के आयोजन का उद्देश्य देश के आर्थिक विकास में खनन व खनिज उद्योगों की भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाल जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में खनन के लाभ, सुरक्षित खनन प्रक्रिया एवं खनन में पर्यावरण के महत्व पर विशेष चर्चा की गई।

इस मौके पर देश के सभी राज्यों में स्थापति लोकल चैप्टर द्वारा परिचर्चाएं रखी गई। राजस्थान में जोधपुर के अतिरिक्त उदयपुर व जयपुर क्षेत्र में भी विभिन्न आयोजन रखे गए।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि प्रो. वीरेन्द्रसिंह ने उपस्थित जन को सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से 'खनिज दोहन' की प्रतिज्ञा दिलवाई। कार्यक्रम के दौरान माइन इन इंडिया-इन इंडिया विषय पर कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता रखी गई। निबंध प्रतियोगिता में अतुल शर्मा प्रथम व कार्तिक शर्मा द्वितीय रहे।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के अतिरिक्त खान निदेशक दीपक तंवर व पूर्व खान निदेशक एनएस बोहरा ने नए परिप्रेक्ष्य में खान का आवंटन के बारे में उपस्थित लोगों को अवगत करवाया।

डॉ. जनक सिंह मीना नेपासी के राष्ट्रीय महासचिव निर्वाचित

भारतीय लोकप्रशासन संस्थान नईदिल्ली के कांफ्रेंस हाल में आयोजित न्यू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सोसायटी ऑफ इण्डिया की विशेष बैठक में सर्वसम्मति से डॉ. जनक सिंह मीना को महासचिव सहकोषाध्यक्ष चुना गया। यह पद प्रोफेसर पी.सी. माथुर के आकस्मिक निधन से रिक्त हुआ था। लोक प्रशासन की इस विशेषज्ञ संस्थान में राजस्थान से महासचिव सहकोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने वाले डॉ. मीना दूसरे व्यक्ति हैं। डॉ. जनक सिंह 2011 से लगातार कार्यकारणी सदस्य हैं।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में जिम्नेजियम का उद्घाटन

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में नियमित छात्राओं के लिये जिम्नेजियम का पुनरूद्धार कर प्रारम्भ कर दिया गया है। 16 जनवरी को महाविद्यालय में राजस्थान खेल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. लक्ष्मण सिंह राणावत ने इसका उद्घाटन किया। इसके बाद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. राणावत ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति भी सतर्कता बरतने की नितान्त आवश्कता है। उन्होंने जिम का उपयोग करने के लिये छात्राओं को प्रेरित किया।

सूरसागर विधायक श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शैक्षणिक माहौल में जिम का चालू होना भी छात्राओं में सोने पे सुहागा जैसा है।

इस अवसर पर महाविद्यालय की निदेशक डॉ. कैलाश कौशल, महाविद्यालय छात्रसंघ उपाध्यक्ष सुश्री शानु राजवी, विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष आनन्द सिंह राठौड़, डॉ. बाबूलाल दायमा, डॉ. सरोज कौशल, डॉ.भूपेन्द्रसिंह सोढा व बीएन कॉलेज उदयपुर के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह झाला सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। अंत में उपाध्यक्ष शान राजवी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रतिभावान छात्राओं को कुलपति डॉ.राणावत ने स्मृति चिन्ह भेंट किए।

समाज के उत्थान में जुटे कानून के विद्यार्थी

देश के हर कानून की जानकारी हर नागरिक को होनी चाहिए। लेकिन नागरिकों को तो क्या कानून के जानकारों तक को सामान्यतः सारे कानूनों की जानकारी नहीं होती है। व्यास विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने आमजन की इसी अज्ञानता को दूर करने का बीड़ा उठाया है। विधि संकाय के एलएल.एम. के छात्र रजाक खान हैदर तथा बीए-एलएल. बी. के छात्र सरवर खान व हिमांशु चौधरी के नेतृत्व में करीब 21 विद्यार्थियों की टीम विधिक जागरूकता के लिए कार्य कर रही है। जिसमें देवेन्द्र सिंह, तपेश दैय्या, आसिफ अली, नूरहसन खान, हर्षिता, महिमा परिहार, गीतिका गर्ग, अब्दुल अयाज, महेन्द्र रतावा, मीनल जैन, प्रियंका राठौड़, ज्योति व सुरभि मुख्य भूमिका निभाते हैं। समाज के ति अपनी जिम्मेदारी और दायित्व निभाने के उद्देश्य से एकजुट हुए इन विद्यार्थियों ने अपने स्वयंसेवी संगठन उत्थान की स्थापना की है। इसके बाद मिलकर गांव-गांव में शिविर लगाकर विधिक जागरूकता की अलख जगाई। सरकारी स्कूलों में गतिविधियाँ आयोजित कर बच्चों को प्रोत्साहित किया। कभी पॉकेटमनी से पैसा बचाकर कच्ची बस्तियों में बच्चों को पाठ सामग्री वितरित की तो कभी जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता दी। अनपढ़ पक्षकारों को विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सेवाएं उपलब्ध करवाई। उत्थान की ओर से दो वर्ष में करीब 27 गतिविधियों का आयोजन हुआ है। इन्हीं कार्यों के लिए उत्थान को हाल ही में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर की ओर से सम्मानित भी किया गया।

विधि छात्र रजाक हैदर ने देश के सभी डिबेटर्स को एक मंच पर लाने के लिए डिबेटर्स क्लब ऑफ राजस्थान का गठन किया गया है। डिबेटर्स क्लब की ओर से हाल ही में 26 नवम्बर को जोधपुर के सूचना केन्द्र में राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

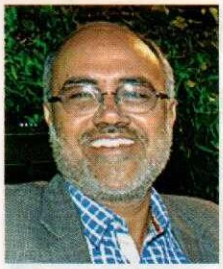

प्रो. चैनाराम चौधरी व प्रो. कैलाश डागा बने सिंडीकेट सदस्य

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर चैनाराम चौधरी को सिण्डीकेट सदस्य मनोनीत किया। प्रो. चौधरी को 04 दिसम्बर, 2015 से एक वर्ष की अवधि के लिए सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया गया। इसी तरह प्रो. कैलाश डागा को सिंडीकेट सदस्य नियुक्त किया गया है। प्रो. डागा का कार्यकाल भी एक वर्ष का होगा। रसायन विभाग में कार्यरत प्रो. डागा राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक भी हैं।

श्री आबिद खान नए वित्त नियंत्रक

कोटा विश्वविद्यालय में रह चुके आबिद खान ने जुलाई में जयनारायण व्यास विवि के नए वित्त नियंत्रक के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया। सीएल सोलंकी का अक्टूबर 2014 के स्थानान्तरण के बाद से यह पद खाली था। इसके बाद कुलसचिव श्री गोविंदसिंह चारण को वित्त नियंत्रक का कार्यभार सौपा गया। जीएस चारण के एक माह के अवकाश पर चले जाने के बाद विवि ने वाणिज्य संकाय के प्रोफेसर जीएस मेहता को वित्त नियंत्रक कार्यभार सौपा था।

प्रो.मिश्र हिन्दी परिषद के मंत्री मनोनीत

भारतीय हिन्दी परिषद् इलाहाबाद के 42वें अधिवेशन में व्यास विश्वविद्यालय के हिन्दी व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नरेन्द्र मिश्र को साहित्य मंत्री पद पर निर्वाचित किया गया। दिसम्बर माह में जयपुर के राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित 42वें अधिवेशन एवं अंतरराष्ट्रीय सेमीनार में मिश्र का निर्वाचन हुआ। लगभग 1700 आजीवन सदस्यों वाली यह हिन्दी परिषद् देश की सर्वाधिक व्यापक एवं ख्यातिलब्ध हिन्दी विद्वानों एवं आचार्यों का संगठन है। ख्यातिलब्ध साहित्यकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामकुमार वर्मा, डॉ. धीरेन्द्र वर्मा व प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित आदि अनेक साहित्यकार इससे जुड़े रहे हैं। डॉ. धीरेन्द्र वर्मा ने इलाहाबाद में वर्ष 1942 में अखिल भारतीय हिन्दी परिषद् की स्थापना की थी।

आरजेएस में चयन

विधि संकाय के दो छात्रों का इस बार आरजेएस परीक्षा में चयन हुआ। मनोज संगरिया व गजेन्द्र कुमार आरजेएस में सफल रहे।
यह दोनों ही विधि संकाय में एलएलबी और एलएलएम के छात्र रहे हैं।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उत्साह

छात्र सेवा मंडल के राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ के अन्तर्गत राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एस.एम.के परिसर में आयोजित की गई। राजस्थानी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि राजस्थान के वैभवशाली, गौरवशाली, परम्परा, परिवेश, इतिहास और साहित्य के बारे में इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से अवगत कराया जा सकता है और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए तैयार किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

दर्शन दिवस पर सिम्पोजियम का आयोजन

विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से सुकरात के जन्मदिवस पर अंतरराष्ट्रीय दर्शन दिवस सिम्पोजियम का आयोजिन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजस्थान विवि जयपुर के दर्शन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आरएस भटनागर और राजस्थान विवि जयपुर के दर्शन विभाग के प्रो. केएल शर्मा ने दार्शनिक विचारों का प्रतिपादन किया। प्रो. शर्मा ने बहुलवादी प्रजातंत्र व सहिष्णुता विषय पर विचार रखे। जेएनवीयू दर्शन शास्त्र विभाग के सहआचार्य डॉ. राजकुमार छाबड़ा सिम्पोजियम के संयोजक थे। विभागाध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा वर्मा ने आभार व्यक्त किया।

रूपादेवी महिला विद्यालय में प्रदर्शनी

श्री पुष्टिकर श्री पुरोहित सूरजराज रूपादेवी स्मृति महिला महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में नवम्बर में विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन जेएनवीयू के कुलपति प्रो. आरपी सिंह ने किया। इस मौके कुलपति प्रो.सिंह ने कहा कि ज्ञान से ही सही मंजिल को प्राप्त किया जा सकता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिक सोच समाज व राष्ट्र विकास की आधारशिला बनती है। सूरसागर विधायक सूर्यकांता व्यास ने छात्राओं को अनुशासन प्रिय बने रहने की प्रेरणा दी। इसरो के पूर्व निदेशक प्रो. ओपीएन कल्ला ने बताया कि आज के युग में सोचने का मापदण्ड वैज्ञानिक तरीके से होना चाहिए अन्यथा आने वाले समय में मानवीय प्रगति अवरूद्ध होगी। विज्ञान प्रदर्शनी के समन्वयक व संयोजक डॉ. माधव देव बोहरा एवं डॉ. मधुसूदन व्यास के अनुसार विज्ञान प्रदर्शनी में वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भूगोल सहित अन्य विषयों की 65 छात्राओं ने मॉडल व चार्ट तैयार किए। इसके अलावा गृह विज्ञान की स्नातक एवं स्नातकोत्तर 45 छात्राओं द्वारा प्राथमिक उपचार व रंगोली सहित पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई। विभिन्न स्कूलों की 289 छात्राओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। संस्था सचिव ओपी लोहरा ने मेहमानों का स्वागत किया। प्रो. जीआर पुरोहित ने महाविद्यालय का परिचय दिया।

प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स निर्माण प्रतियोगिता

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में दस दिवसीय एनएसएस के विशेष शिविर के दौरान छात्राओं के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कॉलेज छात्रसंघ उपाध्यक्ष शानू राजवी ने बताया कि छात्राओं ने श्रमदान के साथ प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स निर्माण प्रतियोगिता में भी उत्साह से भाग लिया। इस गतिविधि के माध्यम से छात्राओं ने अपनी चिकित्सकीय व सामाजिक जिम्मेदारी और जागरूकता को प्रकट किया। प्रतियोगिता में कुल 20 छात्राओं ने हिस्सा लिया। इसमें प्रथम स्थान पर तुलसी मीणा व गायत्री, द्वितीय स्थान पर निशा कुमारी व कविता पंवार तथा तीसरे स्थान पर कलावती व रविना रही। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धनन्ज्या अमरावत व डॉ. आशा राठी मौजूद थी।

लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

छात्र सेवा मण्डल के अन्तर संकाय प्रतियोगिता 2015-16 के अन्तर्गत नवम्बर में लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कमला नेहरू गर्ल्स कॉलेज में आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता डॉ. कविता नरूका और सहायक आचार्य डॉ. मीनाक्षी बोराणा के संयोजन में आयोजित हुई। राजस्थान के लोकनृत्य हमारी वैभवशाली गौरवशाली परम्परा और संस्कृति को जीवन्त करने का एक माध्यम है।
विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समन्वयक प्रो. कल्पना पुरोहित ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और बताया कि युवा महोत्सव के बारे में जानकारी दी।
इस अवसर पर छात्र सेवा मण्डल सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत, राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित, डॉ. संगीता परिहार, सह-सांस्कृतिक समन्वयक मनीष वडेरा उपस्थित थे।

नकल के मामलों का निस्तारण

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं संभाग के जोधपुर, पाली, जालोर, बाड़मेर एवं जैसलमेर जिलों के सम्बद्ध सभी महाविद्यालयों की वर्ष 2015 की मुख्य, पूरक और सेमेस्टर प्रणाली परीक्षाओं के नकल व परिणाम रोकने के मामलों की सुनवाई की गई। कुलपति महोदय के निर्देश पर गठित समितियों ने 29 व 30 अक्टूबर तथा 2 नवम्बर को नकल प्रकरण की सुनवाई की। परीक्षा नियंत्रक प्रो. जैताराम विश्नोई ने बताया कि परीक्षाओं में कुल 804 विद्यार्थी नकल प्रकरण में पकड़े गए। इनमें कला संकाय के 631, विज्ञान संकाय के 70, वाणिज्य संकाय के 63 तथा विधि संकाय के 40 विद्यार्थी नकल करते पकड़े गए। तीन दिन तक इन मामलों की सुनवाई की गई।

काव्य संग्रह 'ख्वाहिश' का विमोचन

अर्थशास्त्र के व्याख्याता डॉ. जयजब्बर बोहरा के काव्य संग्रह ख्वाहिश का विमाचन शास्त्रीनगर स्थित सिद्धार्थ भवन में किया गया।
विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. नन्दलाल कल्ला, प्रो. कैलाशनाथ व्यास, प्रो. राजेन्द्र जोशी, डॉ. राजेश्वर कल्ला, वल्लभदत्त हर्ष, डॉ. अलका बोहरा व अनुराग सक्सेना ने विमोचन किया। संचालन अजय बोहरा ने किया।

विधि संकाय राष्ट्रीय संगोष्ठी विवरणिका का कुलपति द्वारा विमोचन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 'भारत में पर्यावरणीय मुद्दों का विधिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विधि संकाय-जयनारायण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। राष्ट्रीय संगोष्ठी के जोधपुर में आयोजन पर कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने खुशी जताई तथा संगोष्ठी की विवरणिका (ब्रोशर) का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.पी. सिंह द्वारा किया गया।

विमोचन अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी निदेशक डॉ. के. आर. मेघवाल, विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. महेश माथुर, छात्रसंघ अध्यक्ष आनंद सिंह, सहायक आचार्य डॉ. देवकरण गेनवा, डॉ. भरत कुमार आदि मौजूद थे।

संगोष्ठी निदेशक डॉ. के. आर. मेघवाल ने बताया कि संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का आगाज केन्द्रीय

राज्यमंत्री निहालचंद मेघवाल, जोधपुर सांसद गजेन्द्र सिंह शेखावत, विधि मंत्री अर्जुनलाल गर्ग, राज्यसभा सांसद रामनारायण डूडी, लोकसभा सांसद अर्जुन मेघवाल, विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह करेंगे। इसके साथ ही समापन सत्र में उच्च न्यायलय के न्यायाधीश गोविंद माथुर तथा देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद रहेंगे। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन रेजीडेन्सी रोड़ पर स्थित इंस्ट्यूट ऑफ इंजीनियर्स के केन्द्रीय सभागार में किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रतिभागियों तथा पत्रवाचन में प्रमुख रुप से देश के प्रमुख राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर, लखनऊ, पटियाला, अहमदाबाद के प्रोफेसर भाग लेंगे। इसके साथ ही दिल्ली, इंदौर, अल्मोड़ा तथा देश के विभिन्न हिस्सों से प्रोफेसर, शोधार्थी तथा छात्र भाग लेंगे।

अनेक स्थानों पर कुलगीत की प्रस्तुति

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित भव्य समारोह में प्रथम बार विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। स्थापना दिवस पर कुलगीत की प्रस्तुति संगीत विभाग की छात्राओं ने दी। विभाग की अध्यक्ष डॉ. ज्योत्सना इचलकरनजीकर के अनुसार विभाग की छात्राओं ने विश्वविद्यालय के अनेक आयोजनों में कुलगीत की बेहतरीन प्रस्तुति दी है। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित समारोह, स्वर्ण पदक वितरण समारोह में कुलगीत प्रस्तुत किया गया। छात्रसेवा मण्डल की ओर से आयोजित वार्षिकोत्सव एवं कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी गीत की प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा विशेष योग्यजन प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित रोजगार मेले में विभाग के नेत्रहीन छात्रों ने कुलगीत की प्रस्तुति दी।

अन्तर महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता

आधुनिक नारी को पाश्चात्य संस्कृति से जोड़ना बेमानी होगा। हमें नारी के उत्थान के लिए भरसक प्रयास करने की आवश्यकता है। किसी भी वाद-विवाद प्रतियोगिता में विपक्ष में अपने विचार रखना मुश्किल भरा काम होता है। राष्ट्रीय विधि विवि के पूर्व कुलपति जस्टिस एनएन माथुर ने कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में आयोजित वाद-विवाद में यह विचार व्यक्त किए। 'नारी का आधुनिक स्वतंत्र स्वरूप आज के समाज की महत्ती मांग है' विषय पर अक्टूबर में आयोजित अंतर महाविद्यालय- विश्वविद्यालय विवाद प्रतियोगिता में केएन कॉलेज की निदेशक प्रो. कल्पना पुरोहित ने स्टूडेंट्स का उत्साह बढ़ाया। वाद-विवाद प्रतियोगिता की विजेता लाचू कॉलेज की छात्रा कोमल व श्वेता झा रही। प्रथम रनर अप बीएस कॉलेज की शुचि त्रिवेदी व स्तुति राखेचा तथा द्वितीय रनर अप जीत कॉलेज की कृतिका माथुर व अंकिता तिवारी रही। सर्वोत्तम प्रस्तुति केएन कॉलेज की आशी मुखर्जी की रही। समन्वयक डॉ. हितेंद्र गोयल ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 17 महाविद्यालयों की 34 छात्राओं ने शिरकत की। इस अवसर पर अरविंद भट्ट, आकाशवाणी के पूर्व निदेशक अनिल कुमार राम, गौतमचंद गांधी, डॉ. कैलाश कौशल सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

बायोमेट्रिक मशीन से उपस्थिति व्यवस्था लागू

विश्वविद्यालय में एक अगस्त से शिक्षकों की उपस्थिति बॉयोमेट्रिक मशीन के माध्यम से दर्ज करने की व्यवस्था लागू कर दी गई। विभिन्न संकायों, विभागों व केन्द्रों में भी बायोमेट्रिक मशीन से कर्मचारियों की उपस्थिति कर दी गई। मई माह में राजभवन में हुई कुलपति समन्वय समिति की बैठक में कक्षाओं में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए राज्जपाल एवं कुलाधिपति माननीनय श्री कल्याणसिंह ने प्राध्यापकों की कक्षाओं में उपस्थिति पर बल दिया था।

विधि संकाय में पौधरोपण

पुराना परिसर स्थित विधि संकाय में अक्टूबर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संकाय परिसर में कुलपति प्रो. आर.पी.सिंह ने पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलपति प्रो.सिंह ने विधि छात्रों को वृक्षों का महत्व समझाया और पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया। संकाय के सहायक आचार्य डॉ.के.आर.मेघवाल ने आभार व्यक्त किया।

रक्तदान दिवस कार्यक्रम

विधि संकाय में रक्तदान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संकाय के छात्रों ने उत्साह से भाग लिया। अम्बिकापुर विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. बी.एल.शर्मा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमन्त घोष बतौर अतिथि कार्यक्रम में मौजूद रहे। संकाय के अधिष्ठाता प्रो.महेश माथुर ने अतिथियों का स्वागत किया।

सृष्टि को स्वर्ण पदक

के एन कॉलेज में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा सृष्टि ने '5वीं राष्ट्रीय गदा युद्ध प्रतियोगिता' में स्वर्ण पदक प्राप्त किया एवं बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा मोनिका कुमावत और बीए प्रथम वर्ष की छात्रा प्रिया चौधरी ने इसी प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया। सृष्टि के साथ ही बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा अंजु और बीए प्रथम वर्ष की छात्रा छैल कंवर का 'राज्य स्तरीय राजीव खेल रत्न अभियान' में बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है।

गौरवशाली है राजस्थानी भाषा-साहित्य : प्रो. आर.पी. सिंह

राजस्थानी विभाग की पत्रिका अंजस का लोकार्पण

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग की ओळखाण-पत्रिका 'अंजस' का लोकार्पण समारोह अक्टूबर माह में न्यू केम्पस स्थित भाषा प्रकोष्ठ के सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता कर रहे जेएनवीयू के कुलपति प्रो. आरपी सिंह ने कहा कि राजस्थानी शब्दों से सम्मान झलकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अन्य विभागों को राजस्थानी विभाग से प्रेरणा लेते हुए कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में कार्य करने वाला ही श्रेष्ठ होता है।

समारोह के मुख्य वक्ता राजस्थानी विभाग के पूर्व अध्यक्ष तथा केन्द्रीय साहित्य अकादमी के समन्वयक प्रो. अर्जुनदेव चारण ने कहा कि मरू भाषा के रूप में राजस्थानी का इतिहास 1300 साल पुराना है। जब आजादी के बाद राजस्थान को स्वीकार कर लिया गया तो राजस्थानी के नाम पर इतना विरोध क्यूं हो रहा है।

मुख्य अतिथि प्रसिद्ध शायर शीन काफ निजाम ने सूर्यनगरी को सांस्कृतिक मोहब्बत वाला शहर बताते हुए कहा कि शहर की संस्कृति में भाषा को लेकर कभी मतभेद नहीं रहा। यहाँ सभी भाषाओं के साहित्यकार व कवि मिल बैठकर चर्चा करते है। सांस्कृतिक धरातल पर सब एक है। साहित्य को शहद बताते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थानी के सबसे बड़े शब्द कोष के निर्माण का श्रेय जोधपुर को ही है। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार डा. आईदान सिंह भाटी ने ध्वनियों को ही भाषा की विशेषता बताया। कला संकाय की डीन प्रो. सुधि राजीव ने भी विचार व्यक्त किए। सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ शुरू हुए समारोह में राजस्थानी विभाग के अध्यक्ष एवं 'अंजस' के सम्पादक डा. गजेसिंह राजपुरोहित ने अंजस के बारे में जानकारी दी।

निजाम को विवि गौरव रत्न- समारोह में शाइर शीन काफ निजाम को विश्वविद्यालय गौरव रत्न से नवाजा गया।

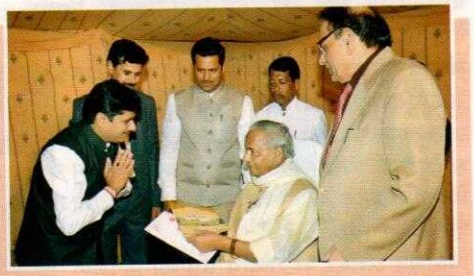

राज्यपाल एवं कुलाधिपति को 'अंजस' भेंट

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह पर प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री कल्याणसिंह को राजस्थानी विभाग द्वारा प्रकाशित विभाग की ओळखाण-पत्रिका 'अंजस' भेंट की गई।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह के सानिध्य में राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने कुलपति आवास पर माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कल्याणसिंह को अंजस भेंट कर विभाग द्वारा विगत 40 वर्षों की साहित्यक, शैक्षणिक, शोध एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर माननीय कुलाधिपति ने प्रदेश की मातृभाषा को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आगे आने तथा सकारात्मक साहित्य सृजन करने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

लेखांकन विभाग में पुस्तकालय का लोकार्पण

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय स्थित लेखांकन विभाग में नवनिर्मित पुस्तकालय का 10 सितम्बर को कुलपति प्रोफेसर आर पी सिंह ने फीता काटकर लोकार्पण किया। कुलपति प्रोफेसर आरपी सिंह ने लेखांकन विभाग को एक आदर्श विभाग बताते हुए विभाग के सभी शिक्षकों को उनके समर्पण भाव के लिये साधुवाद प्रेषित किया तथा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के हितार्थ इस तरह के और भी कई प्रोजेक्ट्स अपने स्तर पर शुरू करने पर जोर दिया। लेखांकन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जी.एस. मेहता ने इस पुस्तकालय की आवश्यकता को अपना मूल ध्येय बताया। अधिष्ठाता प्रोफेसर ललित गुप्ता ने पुस्तकालय की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

एमबीएम कॉलेज की वेबसाइट लांच

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज एवं इंजीनियर्स अकादमी, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'कॅरियर ऑप्शन ऑफ्टर इंजीनियरिंग' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन 18 अप्रैल को किया गया। कॉलेज के सेमीनार हॉल में यह संगोष्ठी कॉलेज के डीन एवं मुख्य अतिथि प्रोफेसर कमलेश पुरोहित एवं डॉ.अखिल रंजन गर्ग की मौजूदगी में हुई। इसमें इंजीनियर्स एकेडमी, जोधपुर के डॉ. विजेन्द्र सिंह व आईएमएस, जोधपुर के डॉ. आर.के. भावा मुख्य वक्ता थे। अतिथि वक्ताओं ने इंजीनियरिंग के बाद कॅरिअर ऑप्शन पर छात्रों का मार्गदर्शन किया। संगोष्ठी में उपस्थित सभी छात्रों एवं श्रोताओं का डॉ. अवधेश शर्मा ने स्वागत किया। संगोष्ठी में एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज की वेबसाइट (www.mbm.ac.in) को लांच किया गया। विश्वविद्यालय छात्रसंघ के कार्यकारी अध्यक्ष सुमेश बालान व इंजीनियर्स अकादमी के पंकज गर्ग ने उपस्थित छात्रों, कर्मचारियों एवं एमबीएम कॉलेज के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

Prof. Kanta Kataria's Book Release Function

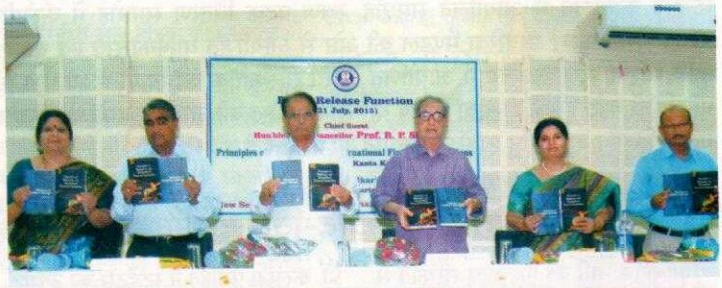

Hon'ble Vice Chancellor Prof. R. P. Singh released two books authored by Prof. Kanta Kataria on 31st July 2015 at the New Seminar Hall, Jai Narain Vyas University, Jodhpur. The book *'Relevance of Ambedkar's Ideology'* is Dr. Kanta Kataria's D.Litt. work which has been published by Rawat Publications, Jaipur. Another book entitled *'Principles of Diplomacy and International Financial Institutions'* has been jointly authored by Prof. L. S. Rathore former Vice Chancellor of J N Vyas University and Prof. K. Kataria. On the occasion of the books release function, Prof. L. S. Rathore and Prof. P. S. Bhati spoke on the academic worth and quality of the books. At the beginning of the function Prof. Poonam Bawa, Head Department of Political Science, delivered the welcome address and Prof. Kanta Kataria gave vote of thanks.

के एन कॉलेज में कला-प्रदर्शनी

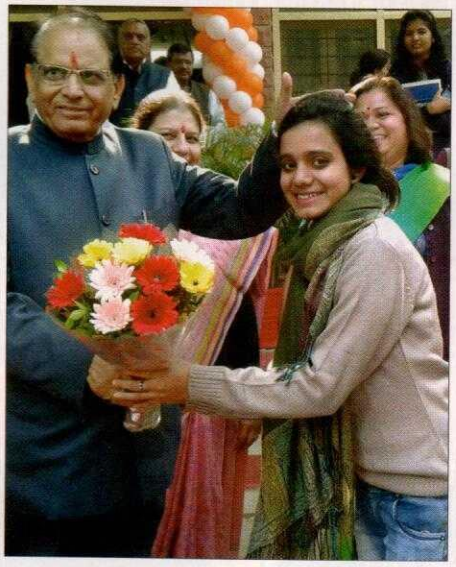

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में दिसम्बर माह में लगाई गई कला प्रदर्शनी 'अस्तित्व' का माननीय कुलपति प्रोफेसर आर पी सिंह ने विधिवत उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में छात्राओं द्वारा सृजित 500 से भी अधिक कलाकृतियों (पेंटिग्स, कोलाज, स्केचिंग, पोट्रेट, पॉट पेंटिंग) का प्रदर्शन किया गया। इन चित्रों का सृजन बी ए की छात्राओं द्वारा किया गया। इस अवसर पर के.एन.कॉलेज निदेशक डॉ कैलाश कौशल, एबीवीपी के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमन्त घोष, सिंडीकेट सदस्य प्रो. चैनाराम चौधरी, सहायक प्रोफेसर डॉ. रेनू शर्मा व अन्य शिक्षकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

डॉ. ऋतु जौहरी, प्रभारी ललित कला व चित्रकला, विभाग ने बताया कि विभाग की छात्रा सौम्या शर्मा (बी. ए. द्वितीय वर्ष) की पेन्टिंग छात्र कला पुरस्कार-2015 के लिये राजस्थान ललित कला अकादमी जयपुर द्वारा चयनित हुई है। जिसमें पुरस्कार राशि के रूप में रू. 5,000/- एवं प्रमाण पत्र देय है।

वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन

राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ अंतर संकाय प्रतियोगिता 2015-16 के अंतर्गत केएन कॉलेज में प्रारंभिक वेशभूषा प्रतियोगिता नवम्बर माह में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रेरणा कंवर प्रथम, कनिष्ठा जोधा द्वितीय एवं शिल्पा बोछावर तृतीय रहीं। निर्णायक डॉ. कीर्ति माहेश्वरी व सुश्री मीता सोलंकी थे। इसी तरह एनएसएस कैंप के छठें दिन छात्राओं ने कॉलेज परिसर में स्वच्छता अभियान को जारी रखते हुए श्रमदान किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धनंजया अमरावत एवं डॉ. आशा राठी के निर्देशन में 'बाल-विवाह: एक कुरीति' पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में छोटू सिंह प्रथम स्थान, रेखा राजवानी द्वितीय और कलावती तृतीय स्थान पर रहे।

वर्कशॉप स्टूडियो विद् कैम्पस

जेएनवीयू के ललित कला विभाग की कला दीर्घा में त्रिदिवसीय पेंटिंग वर्कशॉप 'स्टूडियो विद कैंपस' का आयोजन अक्टूबर माह में किया गया। विभाग की अध्यक्ष डॉ. नम्रता स्वर्णकार के अनुसार वर्कशॉप का उद्घाटन कला संकाय की डीन प्रो. सुधि राजीव ने किया। यह वर्कशॉप केमलिन कम्पनी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। इस अवसर पर ढोला-मारू चित्र प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मण्डल के राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ के अन्तर्गत राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 27 नवम्बर को एम.एम.के. परिसर में आयोजित की गई।

राजस्थान के वैभवशाली, गौरवशाली, परम्परा, परिवेश, इतिहास और साहित्य के बारे में छात्रों को अवगत कराने के साथ ही उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाना भी इस प्रतियोगिता का लक्ष्य था। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

युवा महोत्सव में विश्वविद्यालय के 40 सदस्य दल का शानदार व सरहानीय प्रदर्शन

पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव 2015-16 में जनयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के 40 सदस्य दल का शानदार व सरहानीय प्रदर्शन रहा। युवा महोत्सव का आयोजन सरदार पटेल विश्वविद्यालय आणन्द (गुजरात) द्वारा 08 से 12 जनवरी, 2016 को किया गया जिसमें पश्चिमी क्षेत्र की कुल 35 विश्वविद्यालय के 1100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लिया। सह-सांस्कृतिक समन्वयक एवं दल प्रभारी मनीष वढेरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एकल व सामूहिक गायन, ड्राइंग व पेंटिंग, लोकनृत्य, वाद-विवाद, सामान्य ज्ञान, व पाश्चय गायन(एकल) इत्यादि प्रतियोगिताएं में शानदार प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का गौरव बडाया। सुगम संगीत (गायन) में एम.ए. पूर्वाद्ध संगीत के छात्र आमीर हुसैन को "एक मैं हूँ मुझको दिवाना बना दे कोई.. ....." के लिए तृतीय स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के इतिहास में प्रथम बार पाश्चात्य गायन (एकल) में बी.ए.एल.एल.बी. की छात्रा दिव्यता राठौड़ ने तृतीय स्थान अर्जित कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। लोकनृत्य में रेखा, करिश्मा, अर्चना, खुशबू आदीवाल, खुशबू परिहार, हर्षलता, नेहा, निकिता, तमन्ना, प्रिती ने शानदार कालबेलिया नृत्य कर सब का मन मोह लिया और तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में रमेश कुमार, राहुल व हर्षवर्द्धन ने सराहनीय प्रदर्शन किया।

इस दल ने सह सांस्कृतिक समन्वयक श्री मनीष वढेरा, डॉ. हितेन्द्र गोयल, सुश्री मीता सोलंकी व डॉ. नम्रता स्वर्णकार के नेतृत्व में भाग लिया। जोधपुर आगमन पर छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष, प्रो. एस. पी. दुबे, सचिव डॉ. जालमसिंह रावलोत, के.एन. कॉलेज निदेशक प्रो. कैलाश कौशल व डॉ. जया भंडारी ने फूल मालाओं से टीम का स्वागत किया।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
नया परिसर

आत्मीयता के पल

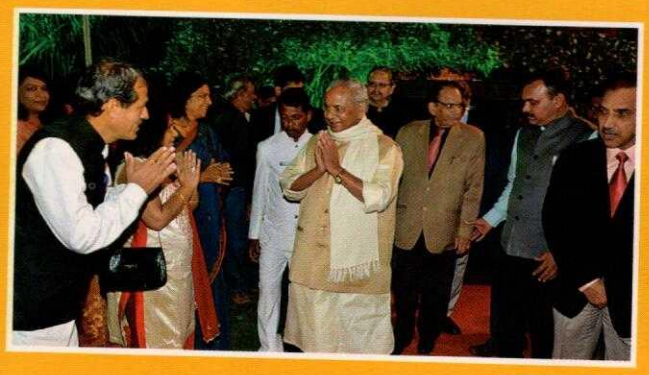

हर्ष एवं उल्लास के क्षण

13वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रात करने वाले विद्यार्थी माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान श्री कल्याण सिंह एवं कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के साथ।

आगामी अंक (फरवरी माह) के आकर्षण

- स्वामी विवेकानन्द जयंती पर विश्वविद्यालय में युवा पखवाड़ा।
- विधि संकाय की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- के एन कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह।

PARIHAR DTP & SUPPLIERS # 94133 27327

E-mail-parisarjnvu@gmail.com

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर का अनियतकालीन मासिक समाचार पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. (डॉ.) प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी, कुलपति • विशेषांक • माह: जून • वर्ष: 2020

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय का 16वां दीक्षांत समारोह
145 में से 96 गोल्ड मेडल छात्राओं को
राज्यपाल और उच्च शिक्षा मंत्री ने की शिरकत

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय का 16वां दीक्षांत समारोह 9 दिसंबर, 2019 को एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज सभागार में आयोजित किया गया। राज्यपाल व कुलाधिपति माननीय कलराज मिश्र ने 145 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए। इनमें से 96 गोल्ड मेडल छात्राओं के खाते में गए। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने छात्रों को सलाह दी कि वे पढ़ाई पर ध्यान लगाना शुरू करें ताकि भविष्य में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि वे अपेक्षा करते हैं कि छात्राएं भविष्य में भी हर क्षेत्र में इसी तरह मेहनत करती रहेंगी। उच्च शिक्षा मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी ने ज्ञान के साथ चरित्र निर्माण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम में बदलाव के साथ मूल्यांकन में भी चरित्र निर्माण के अंक जोड़े जाने चाहिए। इससे पहले कुलपति डॉ. बी.आर. चौधरी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कुलसचिव अयूब खान ने धन्यवाद ज्ञापित किया। दीक्षांत समारोह में एक लाख से अधिक डिग्रियां अनुमोदित की गई। उनमें 34664 स्नातक छात्र, 39295 स्नातक छात्राएं, 17340 स्नातकोत्तर छात्र, 12938 स्नातकोत्तर छात्राएं और 310 पीएच.डी., 3 डी.लिट् की उपाधियां थी।

प्रस्तावना और 11 मूल कर्त्तव्यों की दिलाई शपथ

राज्यपाल ने समारोह में भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़कर सुनाई और 11 मूल कर्त्तव्य भी पढ़े। उपस्थित लोगों ने हाथ खड़े कर शपथ ली। उन्होंने सत्र 2017 व 2018 की कुल 105899 डिग्रियों का अनुमोदन किया, जिनमें 1387 इंजीनियरिंग संकाय, 76016 कला संकाय, 17130 वाणिज्य व प्रबंध अध्ययन संकाय, 1684 विधि संकाय एवं 8027 विज्ञान संकाय की उपाधियां हैं।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने किया केएन कॉलेज छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन

मुख्यमंत्री श्रीमान अशोक गहलोत ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय से संबद्ध कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गाँधीजी के सात सुखों को पढ़कर सुनाया तथा उन्होंने कहा कि पहला सुख निरोगी काया बिल्कुल सत्य है। अगर स्वास्थ्य ही ठीक नहीं है तो अन्य छह सुख का कोई मतलब नहीं है। केएन कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियंका सिंह नरूका ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समक्ष पांच मांगे रखी। प्रियंका ने स्नातकोत्तर और ऑनर्स की कक्षाएं कॉलेज में ही

लगाने, 2 हजार छात्राओं की क्षमता का ऑडिटोरियम बनाने, छात्रावास में वर्तमान 156 छात्राओं की रहवासीय क्षमता को बढ़ाकर 1000 करने, स्पोर्ट्स कोच लगाने और ई-लाईब्रेरी की सुविधा देने की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री गहलोत ने मंच से कहा की सभी मांगे धीरे-धीरे पूरी कर ली जाएगी। छात्रावास में 16 अतिरिक्त कमरे बनाने की मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने घोषणा की। इसके बाद उन्होंने कॉलेज में ई-लाइब्रेरी के लिए मुख्यमंत्री कोष से 5 लाख रूपए देने की घोषणा की। प्रारम्भ में के.एन. कॉलेज की निदेशक प्रो. कैलाश कौशल ने अतिथियों का भाव भिना स्वागत किया।

संक्षिप्त परिचय प्रोफेसर (डॉ.) प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी

कुलपति, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

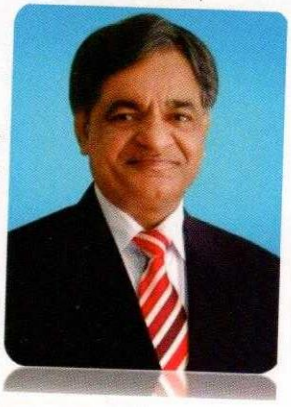

प्रोफेसर डॉ. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी, कुलपति, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान) एवं कुलपति (अतिरिक्त प्रभार), महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर (राजस्थान), पूर्व कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोररखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (यू.पी.), 40 वर्षों तक राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में वनस्पति शास्त्र विभाग में प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष एवं कई पदों को सुशोभित कर चुके हैं। भारत सरकार द्वारा प्रदत्त पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप पर आप अमेरिका की नार्थ कैरोलीना स्टेट यूनिवर्सिटी, रॉल में 1983-84 में उच्च शोध कर चुके हैं एवं आपने विश्व के 15 देशों में आमन्त्रित वक्ता के रूप में विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोध पत्र प्रस्तुत किये हैं। आप विश्व प्रसिद्ध वनस्पति शास्त्री एवं उच्च कोटि के वैज्ञानिक के साथ-साथ अच्छे प्रशासक भी हैं।

आपके 350 शोध पत्र उच्चस्तरीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। आपके द्वारा लिखित एवं संपादित 170 पुस्तकें हैं, जो अपने विषय में विश्व रिकॉर्ड है। आपके सानिध्य में 44 छात्रों को पीएच.डी. प्राप्त हुई है। आप 10 प्रमुख वैज्ञानिक एकेडमी के फेलो चुने गये हैं एवं 12 अन्तरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के संपादक मंडल में हैं। आपने राष्ट्रीय स्तर के 21 बड़े प्रोजेक्ट पूरे किये हैं।

आपको वैज्ञानिक क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए 25 से ज्यादा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। इन्डीयन साइन्स कांग्रेस का डॉ. बी. पी. पाल गोल्ड मेडल आपको भारत के प्रधानमंत्री ने प्रदान किया था। अन्य प्रमुख पुरस्कारों में बीरबल साहनी मैडल, लाइफ टाइम अचीवमेण्ट अवार्ड, आई.पी.एस., रिकोगनीशन अवार्ड, एम.जे. नरसिम्हन अवार्ड, अवार्ड फॉर बुक्स आदि हैं।

इस समय आप मेण्डेलियन ऐसोसिएशन के प्रसीडेण्ट हैं। पूर्व में आप कई प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों के प्रसीडेण्ट रह चुके हैं - भारतीय वनस्पति परिषद, इन्डीयन साइन्स कांग्रेस एसोसिएशन, इन्डीयन फाइटोपेथोलोजी सोसायटी, सोसायटी फॉर मोशन ऑफ प्लॉन्ट साइन्स आदि।

आपके अतुलनीय योगदान को सम्मानित करते हुए इंडियन बोटेनिकल सोसायटी के आपके नाम से "पी.सी. त्रिवेदी मेडल" शुरू किया है।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के गणित विभाग में
नव अध्ययन कक्षों का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी

कर्मस्थली को वंदन कर प्रो. त्रिवेदी ने संभाला जेएनवीयू कुलपति का पदभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के नए कुलपति के रूप में डॉ. प्रवीणचंद्र त्रिवेदी ने कर्मस्थली को वंदन कर 18 जनवरी, 2020 को पदभार संभाला। प्रो. त्रिवेदी ने कार्यवाहक कुलपति प्रो. बी.आर. चौधरी से कार्यभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि विश्वविद्यालय की बिगड़ी आर्थिक व्यवस्था को पटरी पर लाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। साथ ही विश्वविद्यालय में होने वाले सभी प्रकार के कार्य नियम एवं कायदों के अनुरूप ही होंगे। उन्होंने कहा कि छात्र, शिक्षक व कर्मचारी विश्वविद्यालय के तीन स्तंभ हैं। इन तीनों की समस्याओं का निस्तारण प्रमुखता से करेंगे व विश्वविद्यालय में शैक्षणिक माहौल बनाने का प्रयास करेंगे। परीक्षाओं को समय पर आयोजित कर उनके परिणाम को समय पर जारी करना एवं अन्य प्रमुख प्राथमिकताएं रहेगी। मूलतः बांसवाड़ा निवासी प्रो. त्रिवेदी वनस्पति विज्ञान के शिक्षक हैं। वे पिछले 40 वर्षों से अध्यापन का कार्य कर रहे हैं। उनकी कीटों पर जैविक नियंत्रण, प्लांट निमेटोलॉजी और एथेनोबॉटनी में विशेषज्ञता हैं। वे 2003 से 2006 तक राजस्थान विश्वविद्यालय में वनस्पति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष रहे। वे 2011 से 2014 तक दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति और इसी दौरान 2013 से 2014 के दौरान डॉ. आर.एम.एल. अवध विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति का पदभार संभाला। प्रो. त्रिवेदी अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन सहित 15 देशों मेंअंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में इनवाइटेड टॉक दे चुके हैं। उन्होंने 107 पुस्तकें लिखी हैं। उच्च स्तरीय पत्रिकाओं में इनके 350 से अधिक शोध प्रकाशित हो चुके हैं और 21 बड़े रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम किया है। इन्हें वर्ष 2014 में इंडियन साइंस कांग्रेस की ओर से देश के बेस्ट साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। निश्चित रूप से इनकी अकादमिक और प्रशासनिक उपलब्धियों का लाभ इस विश्वविद्यालय को मिलेगा।

विश्व मातृ भाषा दिवस पर काव्य गोष्ठी प्राथमिक शिक्षा में अनिवार्य रूप से लागू हो राजस्थानी भाषा

पूर्व सांसद गजसिंह ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा में राजस्थानी भाषा अनिवार्य रूप से लागू होनी चाहिए। मातृभाषा अनमोल है। यह बात उन्होंने महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र, जेएनवीयू के बाबा रामदेव शोधपीठ व राजस्थानी साहित्य, संस्कृति पीठ के संयुक्त तत्वावधान में 21 फरवरी, 2020 को विश्व मातृ भाषा दिवस पर आयोजित काव्य गोष्ठी में कही। पूर्व सांसद गजसिंह ने कहा कि केन्द्र स्तर के साथ ही राज्य सरकार को भी इस भाषा को प्राथमिक स्तर पर लागू करने के लिए प्रस्ताव भेजना चाहिए। समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने कहा कि भाषा, वेशभूषा, भोजन, भाव व भजन का सम्मान होना चाहिए। जब तक हम इनका सम्मान नहीं करेंगे तब तक हम अपनी संस्कृति व परम्पराओं को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान नहीं बना सकते। विशिष्ट अतिथि राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के पूर्व अध्यक्ष श्याम महर्षि, महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र के विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्रसिंह तंवर ने भी विचार व्यक्त किए। बाबा रामदेव शोध पीठ के निदेशक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

परम्परागत जल संरक्षण पद्धतियाँ: मुद्दे एवं चुनौतियां विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

परम्परागत ज्ञान आज भी प्रासंगिक है- राजेन्द्र सिंह

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की वित्तीय सहायता से इतिहास विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 'परम्परागत जल संरक्षण पद्धतियाँ : मुद्दे एवं चुनौतियाँ' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 01-02 मार्च 2020 को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने कहा कि जल के मूल्य को समझे बिना जीवन की कल्पना निरर्थक है। जल के बिना जीवन का कुछ भी अस्तित्व नहीं है। अतः यह हमारा कर्त्तव्य है कि हम सब जल की महत्ता को समझे ताकि आने वाली पीढ़ियों को भी जल सुलभ हो सके। मुख्य अतिथि जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के प्रो. इनायत अली जैदी ने मध्यकालीन समय में जल-व्यवस्था पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उस समय जल संग्रहण हेतु जिन पद्धतियों का प्रयोग किया जाता था वो आज भी प्रासंगिक है। मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए ख्यातनाम 'वाटर मैन' राजेन्द्र सिंह ने पेयजल की कमी पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश में जल प्रबन्धन की जो प्राचीन परम्परा प्रचलित है उसके आधार पर सूखे कुओं को भी पुनः रिचार्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मौसम और प्रकृति में होने वाले बदलावों को समझकर हम परम्परागत ज्ञान का आज भी उपयोग कर सकते हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. अरविन्द परिहार ने स्वागत भाषण के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबन्धन की प्राचीन विधियों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी संयोजक डॉ. भरत देवड़ा ने संगोष्ठी के विषय की महत्ता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रो. विनिता परिहार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन ललित कुमार पंवार ने किया। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 25 शोध पत्र पढ़े गये।

उपलब्धियों की शृंखला: डॉ. जनक सिंह मीना

भारत के उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने किया पुस्तक का लोकार्पण

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के सभागार में आयोजित भव्य समारोह में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर में राजनीति विज्ञान के सहायक प्रोफेसर एवं न्यू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सोसायटी ऑफ इण्डिया के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. जनक सिंह मीना द्वारा लिखित एवं राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू द्वारा किया गया।

लेखन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया सम्मानित

राजस्थान सरकार का उपक्रम राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर द्वारा स्वर्ण जयन्ती समारोह के अवसर पर हिन्दी लेखन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉ. जनक सिंह मीना को राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मुख्य आतिथ्य, उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी की अध्यक्षता, विद्यालयी शिक्षामंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा व तकनीकी शिक्षामंत्री डॉ. सुभाष गर्ग के विशिष्ट आतिथ्य में बिड़ला सभागार, जयपुर में आयोजित भव्य समारोह मे राज्य स्तरीय लेखक सम्मान प्रदान किया गया।

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के आदिवासी विमर्श सत्र में मुख्यवक्ता के रूप में उद्‌बोधन

'समकालीन विमर्श और बेहतर समाज के सपने : यथार्थ और संभावनाएं' विषय पर हंस एवं पूर्वकथन के संयुक्त तत्वावधान में भगवती कन्या महाविद्यालय श्रीगंगानगर में 11-12 अक्टूबर 2019 को आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्‌घाटन सत्र में डॉ. जनक सिंह मीना विशिष्ट अतिथि एवं आदिवासी विमर्श सत्र में मुख्यवक्ता की भूमिका निर्वहन की।

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में की सत्र की अध्यक्षता

राजकीय मोहिन्द्रा महाविद्यालय पटियाला द्वारा 'भारत में राजनीति व शासन के समकालीन मुद्दे एवं चुनौतियां - भविष्य के उभरते ऐजेण्डा' विषय पर आयोजित दो दिवसीय 17-18 फरवरी, 2020 अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन नेपासी के राष्ट्रीय महासचिव एवं जेएनवीयू में राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. जनक सिंह मीना ने सिटीजन सेन्ट्रिक गवर्नेंस विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की।राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्व हिन्दी परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. जनक सिंह मीना ने "महात्मा गाँधी के दर्शन में अहिंसा की अवधारणा" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के डॉ. खींची अध्यक्ष एवं डॉ. गहलोत सचिव निर्वाचित

विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के चुनावों में नाम वापसी के साथ सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रो. वी.के. शर्मा ने बताया कि संघ के अध्यक्ष पद पर प्रो. डी.एस. खींची, सचिव पद पर डॉ. हेमसिंह गहलोत एवं कोषाध्यक्ष पद पर प्रो. सरोज कौशल निर्वाचित हुए। उल्लेखनीय है कि शिक्षक संघ के ये चुनाव विगत 16 वर्षों पश्चात् हुए हैं। उस समय प्रो. गुलाब सिंह चौहान अध्यक्ष एवं डॉ. डूंगर सिंह खींची सचिव निर्वाचित हुए थे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्रेष्ठ शोध पत्र सम्मान

राजकीय कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली द्वारा संपोषित दो दिवसीय 23-24 दिसम्बर 2019 को 'लैंगिक समानता : मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. जनक सिंह मीना को लैंगिकता, लैंगिक अनुपात एवं लैंगिक दुर्व्यवहार विषय पर शोध पत्र प्रस्तुति के लिए श्रेष्ठ शोध पत्र सम्मान प्रदान किया गया।

रिसर्चश्री राष्ट्रीय सम्मान-2019 से सम्मानित

समाज विज्ञान में शोध के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए नवभारत मेमोरियल फाउण्डेशन जयपुर द्वारा डॉ0 मीना को रिसर्चश्री राष्ट्रीय सम्मान-2019 प्रदान किया गया। यह सम्मान मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति प्रो. नरेश दाधीच, महारानी कॉलेज की पूर्व प्राचार्य एवं गाँधी अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. विद्या जैन ने प्रदान किया।
नेहरू युवा केन्द्र संगठन जिला जोधपुर राजस्थान द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्त्वावधान में पाँच दिवसीय 3-7 फरवरी 2020 राष्ट्रीय एकता शिविर में यूथ होस्टल में भारतीय संविधान और नागरिकों के अधिकार विषय पर तथा जीडीमेमोरियल ग्रुप ऑफ कॉलेज जोधपुर में मानव मूल्य विषय पर विशेष व्याख्यान दिए। विभिन्न संगोष्ठियों में पत्रवाचन, अध्यक्षता व सम्मान प्राप्ति के अतिरिक्त भी डॉ. जनक सिंह मीना ने अकादमिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं।

जेएनवीयू सहायक कर्मचारी संघ के चुनाव में जीत दर्ज कर चौथी बार अध्यक्ष बने गुर्जर

विश्वविद्यालय के सहायक कर्मचारी संघ के चुनाव में किशन सिंह गुर्जर विजयी रहे। वे लगातार चौथी बार अध्यक्ष बने हैं। उन्हें 6 वोट से विजेता घोषित किया गया।
सहायक कर्मचारी संघ के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए 2 प्रत्याशी किशन सिंह और भंवर सिंह मैदान में थे। 7 फरवरी, 2020 को हुए इस चुनाव में किशन सिंह को 124 और भंवर सिंह को 118 मत प्राप्त हुए।

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में रिफाइनरी के लिए नया कोर्स, कौशल प्रशिक्षण के लिए 20 करोड़ रूपए

राज्य सरकार ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के अधीन संचालित देश के सबसे पुराने इंजीनियरिंग कॉलेज में से एक एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में विश्वविद्यालय स्तर की सुविधाएं बढ़ाने के लिए 20 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान किया है। इससे रिफाइनरी से संबंधित पेट्रोकेमिकल विभाग, पाठ्यक्रम व लैब खोली जाएगी, जिससे रिफाइनरी को कौशलयुक्त कार्मिक व तकनीशियन प्रदेश से ही उपलब्ध हो सकें। पूरे प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल्स को लेकर कोई खास पाठ्यक्रम नहीं है जबकि रिफाइनरी का निर्माण कार्य शुरू हुए दो साल बीत गए हैं। एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज ने अपने स्तर पर राज्य सरकार को 100 करोड़ रूपए से अधिक का प्रस्ताव बनाकर स्वयं को पेट्रोलियम विश्वविद्यालय का दर्जा देने का प्रस्ताव भेजा था। कॉलेज में सिविल, मैकेनिकल, माइनिंग, इलेक्ट्रिकल्स, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स व कंम्यूटर साइंस जैसे सभी आधारभूत विभाग पहले से ही होने से केवल दो नए विभाग पेट्रोकेमिकल और पर्यावरण विज्ञान शूरू करना था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने बजट भाषण में एमबीएम को विश्वविद्यालय स्तर की सुविधाएं मुहैया करवाने की बात कही।

गणतंत्र दिवस एक पर्व ही नहीं बल्कि गौरव एवं सम्मान है-प्रो. त्रिवेदी

26 जनवरी, 2020 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत के लिए गणतंत्र दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गौरव और सम्मान है। यह दिवस हर भारतीय का अभिमान है। अनगिनत लोगों की कुर्बानी के बाद भारत माँ को 15 अगस्त, 1947 को आजादी मिली थी, लेकिन उसे स्वतंत्रता का आकार 26 जनवरी, 1950 को मिला क्योंकि इसी दिन हमारा संविधान लागू हुआ था।

आज ही के दिन हमने अपने आदर्शों एवं सपनों के अनुरूप वर्तमान संविधान को अंगीकार किया था। यह हमारे लिए प्रसन्नता एवं गर्व की बात है कि पिछले 71 वर्षों से सवा अरब की जनसंख्या एवं अपार भिन्नताओं तथा परम्पराओं वाले हमारे देश में अनवरत रूप से लोकतांत्रिक प्रणाली कायम है। हमारे संविधान को हमारे नेताओं ने अथक परिश्रम के बाद दो वर्ष ग्यारह माह अट्ठारह दिन में बनाकर तैयार किया था। उनमें बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर की भूमिका अविस्मरणीय है। संविधान के निर्माण में जिन लोगों ने प्रमुख भूमिका निभाई उनमें अधिकतर आजादी की लड़ाई के योद्धा थे और लोकतंत्र के प्रति उनकी गहरी निष्ठा थी। मैं आज इस पवित्र अवसर पर उन सभी महान् स्वतंत्रता सेनानियों को विश्वविद्यालय परिवार की ओर से अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने हमारे सपनों के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि लोकतंत्र बिना अनुशासन एवं मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के नहीं चल सकता । राष्ट्रीय आंदोलन की वैचारिक-मानसिक ऊर्जा के मंदिमं पड़ते ही लोगों की लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति निष्ठा में कमी होने लगी, जिसके परिणाम स्वरूप समाज में घृणित घटनाएँ घट रही हैं। महिलाओं एवं समाज के हाशिए पर रह रहे लोगों की रक्षा करना, उनका सम्मान करना हमारा मूल्य रहा है। यह सही है कि पूँजी एवं तकनीक के विकास ने समाज के बाह्य एवं आन्तरिक रूपों में काफी परिवर्तन कर दिया है। यह दुःखद स्थिति है कि देश के बुद्धिजीवियों ने परिवर्तित परिस्थितियों में नये मूल्यों, आदर्शों के निर्माण का कोई कार्यक्रम नहीं लिया। वे अपने सामाजिक दायित्व को समझ नहीं सकें।

गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व एक नागरिक के नाते और भारत माता की संतान के नाते हम सभी के लिए हर्ष, उल्लास और संकल्प की अभिव्यक्ति का दिन है। निःसंदेह यह पर्व हमें हार्दिक प्रसन्नता देता है लेकिन साथ में हमें अपने दायित्व के प्रति सचेत भी करता है। हमें इस बात का भी संकल्प लेना चाहिए कि हम हर कीमत पर देश की एकता और अखंडता की रक्षा करेंगे और राष्ट्रीय जीवन में बंधुत्व एवं सद्भावना के प्रचार-प्रसार में आगे बढ़कर भागीदारी निभायेंगे। आज उच्च शिक्षा का परिदृश्य बहुत तेजी से बदल रहा है एवं उसे अनेक वैश्विक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है, ऐसे में हम सभी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों का आह्वान करते हुए इसके चहुँमुखी विकास का संकल्प दोहराया।

जेएनवीयू छात्र सेवा मंडल का वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह : 'व्यक्ति को पेंसिल की तरह होना चाहिए': प्रो. त्रिवेदी

विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मंडल का वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह 3 मार्च, 2020 को विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय स्थित बृहस्पति भवन में आयोजित किया गया। अपनी प्रतिभा को मंच पर मुखरित करने वाली विश्वविद्यालय की लगभग 500 प्रतिभाओं को कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने प्रमाण-पत्र, मेडल और पारितोषिक देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि व्यक्ति को पेंसिल की तरह होना चाहिए। पेंसिल अपने ऊपर कष्ट देती हैं, दूसरों को समर्पित करती हैं, अपने अंदर मुख्य तत्व को रखती है और गलतियों को सुधारने का भी प्रयास करती हैं। कार्यक्रम में छात्र सेवा मंडल द्वारा सत्र 2018-19 और सत्र 2019-20 में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। पुणे विश्वविद्यालय में 34वें युवा महोत्सव और ऊका तरसाड़ियां विश्वविद्यालय सूरत में 35वें युवा महोत्सव में भाग लेने वाले 40-40 सदस्यों के दल को भी कुपलति प्रो. त्रिवेदी और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर अशोक पुरोहित ने पारितोषिक देकर हौंसला अफजाई की। मंच पर छात्र सेवा मंडल के चेयरमैन प्रो. ए.वी. सिंह, डॉ. जालमसिंह रावलोत, डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित उपस्थित थे। संचालन छात्र सेवा मंडल के सांस्कृतिक सह समन्वयक डॉ. हितेन्द्र गोयल ने किया।

वॉच योर वर्ड्स, वॉच योर एक्शन, वॉच योर थॉट्स, वॉच योर कैरेक्टर

जेएनवीयू के बॉटेनिकल सोसाइटी के कार्यक्रम में कुलपति ने छात्रों को दी सीख

वनस्पति शास्त्र विभाग में चार दिवसीय शैक्षणिक व सहशैक्षणिक गतिविधियों का विधिवत् रूप से समापन हुआ। बॉटेनिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने विभिन्न गतिविधियों में अव्वल प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में छात्रों को फिजिकल क्वेशेंट, इंटेलीजेंट क्वेशेंट, इमोशनल क्वेशेंट और सप्रीरिच्यूल क्वेशेंट का जीवन में महत्व समझाया। उन्होंने वॉच योर वर्ड्स, वॉच योर एक्शन, वॉच योर थॉट्, वॉच योर कैरेक्टर और वॉच योर हेल्थ को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। इसके अलावा कुलपति ने पूर्व विभागाध्यक्षों के नाम पर एल्युमनी लेक्चर शुरू करने की बात कही। संयोग से इसी दिन कुलपति का जन्मदिन भी था। इस मौके पर विभाग में केक काटकर उनका जन्मदिन भी मनाया गया। बॉटनिकल सोसाइटी के संयोजक प्रो. ज्ञानसिंह शेखावत ने संचालन किया। प्रो. पवन कुमार कसेरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीएएस में नौ शिक्षक बने प्रोफेसर

1 मार्च, 2020 को आयोजित विश्वविद्यालय सिंडिकेट बैठक में केरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत पदोन्नत शिक्षकों के लिफाफे खोले गए। इसमें विश्वविविद्यालय के 10 शिक्षकों को प्रोफेसर पद पर पदोन्नत किया गया है। साथ ही एक असिस्टेंट प्रोफेसर को एसोसिएट प्रोफेसर और एक असिस्टेंट प्रोफेसर को सीनियर स्केल दी गई है। हाल ही में विश्वविद्यालय की ओर से सीएएस के साक्षात्कार आयोजित किए गए थे। पदोन्नत व्यक्तियों में अंग्रेजी के डॉ. सतीश हरित, भूगोल के डॉ. जय सिंह राठौड़, हिंदी के डॉ. नरेंद्र मिश्र, वाणिज्य के डॉ. कृष्णावतार गोयल व डॉ. नवनीता सिंह, राजनीति विज्ञान के डॉ. राम सिंह आडा व डॉ. मीना बरड़िया, रसायन शास्त्र के डॉ. राजेंद्र माथुर और भूगर्भ शास्त्र के डॉ. सुरजा राम जाखड़ को एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर बनाया गया है। हिंदी के डॉ. महिपाल सिंह राठौड़ को असिस्टेंट प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर और इतिहास के भगवान सिंह को सीनियर स्केल दी गई है। उल्लेखनीय है कि कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने कार्यग्रहण करने के कुछ दिन बाद ही यह कार्य कर प्रशंसनीय कदम उठाया, जिससे शिक्षकों में संतोष का भाव पनपा। उन्होंने शेष पदोन्नतियां भी शीघ्र ही करने का आश्वासन दिया है।

जेएनवीयू का राजस्थान कौशल विकास विश्वविद्यालय के साथ करार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर और राजस्थान कौशल विकास विश्वविद्यालय, जयपुर के मध्य कौशल पाठ्यक्रमों के संचालन को लेकर एक करार पर हस्ताक्षर हुए। इंजीनियरिंग कॉलेज के 85 इंटरनेशनल सेमिनार सभागार में कौशल विवि में कौशल पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. अशोक कुमार नागावत ने अपने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के संबंध में जेएनवीयू के विभिन्न विभागाध्यक्ष एवं संकाय अधिष्ठाताओं के समक्ष अपना प्रस्तुतिकरण दिया। इसके बाद जेएनवीयू कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि वे कौशल विकास विश्वविद्यालय को आश्वस्त करना चाहते हैं कि आगामी सत्र 2020-21 से इस तरह के पाठ्यक्रम तैयार करवाकर संचालित कर दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय की कुलसचिव चंचल वर्मा ने इस करार पर हस्ताक्षर किए।

के. एन.कॉलेज में संविधान दिवस पर कार्यक्रमों की धूम: स्काउट गाइड हुए सम्मानित

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के संघटक के एन कॉलेज के सभागार में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कॉलेज निदेशक प्रो. कैलाश कौशल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संविधान की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए उसे जीवन में उतारने का आहवान किया। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा की से.नि. श्रीमती मीनाक्षी हूजा ने संविधान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं की ओर ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के नेतृत्व में खूबसूरत संविधान बनाया गया जो भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल है। हिन्दुस्तान स्काउट गाइड के जिला संगठन कमीश्नर मनीष शेरावत ने रेंजर्स को स्काउट गाइड के प्रशिक्षण के माध्यम से देश सेवा के लिए तत्पर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा नेपासी के न्यूज लेटर का लोकार्पण भी किया गया। के.एन. कॉलेज हिन्दुस्तान स्काउट गाइड प्रभारी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जनक सिंह मीना ने संविधान की रूपरेखा एवं स्काउट की गतिविधियों को बताते हुए संविधान की गरिमा के प्रति प्रतिबद्धता को आवश्यक बताया तथा कहा कि संविधान ही देश की आत्मा होती है। इस अवसर पर अतिथियों ने 26 रेंजर्स को स्काउट एण्ड गाइड के निपुण एवं 87 रेंजर्स को बेसिक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर छात्राओं ने कई गीतों पर खूब नृत्य किया एवं तालियां बजायी। संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा कुलगीत एवं राष्ट्रगान की प्रस्तुति दी गई तथा फाइन आर्ट्स की छात्राओं ने रंगोली बनाकर साज सज्जा की जिम्मेदारी संभाली। एनसीसी एवं स्काउट गाइड की छात्राओं ने परेड की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कामिनी ओझा ने किया और अन्त में केएन कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियंकासिंह नरूका ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक छात्राएं एवं विश्वविद्यालय के कई शिक्षक उपस्थित थे।

के एन कॉलेज की रेंजर टीम को उत्कृष्ट सेवा सम्मान

के एन कॉलेज के हिन्दुस्तान स्काउट एण्ड गाइड्स की टीम को राजस्थान राज्य के संगठन ने उल्लेखनीय कार्यों एवं उत्कृष्ट सेवा के लिए बेस्ट टीम के लिए चयनित किया है। हिन्दुस्तान स्काउट एण्ड गाइड्स के राज्य स्तरीय वार्षिक अधिवेशन का आयोजन 18 दिसम्बर 2019 को जयपुर में किया गया। के एन कॉलेज के ग्रुपलीडर डॉ. जनक सिंह मीना के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों से 50 से अधिक रेंजर्स की टीम कार्य कर रही हैं। इन्होंने ब्लड डोनेशन कैम्प, स्वच्छता अभियान, पौधा रोपण व अन्य जागरूकता कार्यक्रमों में, नुक्कड नाटक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विभिन्न आयोजनों में सेवाएं प्रदान की हैं। इस आल राउण्ड प्रदर्शन के लिए केएन कॉलेज टीम को उत्कृष्ट सेवा सम्मान टीम लीडर डॉ. जनक सिंह मीना को प्रदान किया गया। रेंजर उर्मिला बांता को बेस्ट रेंजर का अवार्ड प्रदान किया गया।

शोध में जूनून आवश्यक - प्रो. पी.सी. त्रिवेदी

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के पीएच.डी. कोर्स वर्क के शोधार्थियों को अभिप्रेरित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि शोध को गंभीरता से लें और कोर्स वर्क में कठिन परिश्रम कर प्रतिबद्धता के साथ सिनोपसिस तैयार करें। प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि आज गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं शोध की आवश्यकता है। पुराने जमाने में लोग ईमानदारी से शोध कार्य करते थे जिनसे पूरी दुनिया में भारत की पहचान थी परन्तु आज शोध में नकल व गिरता स्तर चिंता का विषय है। प्रो. त्रिवेदी ने शोध में सफलता के लिये चार बातों को जरूरी बताया- 'पैर में चक्कर, मुँह में शक्कर, दिल में क्रांति एवं दिमाग में शांति' अर्थात् शोधार्थी कर्मशील हो, निरन्तर कार्य करने वाला हो, मृदुभाषी, इच्छाशक्ति रखने वाला एवं धैर्यवान हो। कुलपति ने कर्म की शाखा को हिलाना होगा, अपना हक का दीपक खुद ही जलाना होगा जैसी पंक्तियों के माध्यम से कहा कि समय का प्रबंधन करते हुए उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये अपने आपको झोंक दो और अपनी पहचान बनाओ।

उन्होंने कहा कि लोगों का जमीर मर गया है, गंभीरता समाप्त होती जा रही है, ऐसे में शिक्षकों एवं शोधार्थियों को अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय को ऊँचाइयों की ओर ले जाना होगा। इस अवसर पर कोर्स सहसमन्वयक डॉ. जनक सिंह मीना द्वारा लिखित पुस्तक राजस्थान : प्रशासनिक एवं राजनीतिक व्यवस्था की प्रति कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी को कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. एस.पी. दुबे ने भेंट की। पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. किशोरी लाल रैगर ने स्वागत उद्‌बोधन किया एवं डॉ. कमल सिंह राठौड़ ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

के. एन.कॉलेज स्काउट रेंजर्स ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के संघटक के एन कॉलेज के हिन्दुस्तान स्काउट गाइड्स के रेंजर्स ने क्षेत्रीय लोक सम्पर्क ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार जोधपुर द्वारा 1-5 दिसम्बर, 2019 को आयोजित कार्यक्रम में ग्रुपलीडर डॉ. जनक सिंह मीना के नेतृत्व में 45 छात्राओं ने भागीदारी की। कार्यक्रम के प्रथम दिन रेंजर्स ने भारत सरकार की योजनाओं से संबंधित मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पुरस्कार जीते तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं भाषण प्रतियोगिता में भी पुरस्कार जीत कर केएन कॉलेज का नाम रोशन किया। पुरस्कार प्राप्त करने वाली छात्राओं में उर्मिला बांता, मंजू विश्नोई, राखी बोराना, सरिता विश्नोई, पायल टाक, प्रतिभा मदानी अग्रणी रही। इस अवसर पर जिला संगठन कमीश्नर मनीष शेरावत भी रेंजर्स के साथ रहे।

प्रो. सरोज कौशल ने अन्तर्राष्ट्रिय गीता जयन्ती में की सत्र की अध्यक्षता

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र में आयोजित अन्तर्राष्ट्रिय गीता जयन्ती में प्रो. सरोज कौशल, विभागाध्यक्ष, संस्कृत ने तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। यह समारोह 3 से 5 दिसम्बर 2019 पर्यन्त कुरूक्षेत्र में अयोजित किया गया। प्रो. कौशल ने गीता में प्रतिपादित स्थितप्रज्ञता, लोकसङ्ग्रह तथा योग को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए गीता के भाष्यकारों के आधार पर मौलिक चिन्तन प्रस्तुत किया।

त्रिदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी

संस्कृत विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मृति भवन न्यास, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में 'ऋग्वेदीय अग्निसूक्त - महर्षि दयानन्द तथा अन्य भाष्यकारों की तुलना' त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी (28 - 30 सितम्बर, 2019) आयोजित की गई। इस गोष्ठी में तीन दिवसों में उद्‌घाटन व समापनके अतिरिक्त पाँच तकनीकी सत्रों में देश के मूर्धन्य विद्वानों ने 'अग्निसूक्त' से सम्बन्धित शोधपत्र प्रस्तुत कर अनेक नूतन रहस्यों का उद्‌घाटन किया। संगोष्ठी में प्रो. वेदपाल, प्रो. विनय वेदालंकार, नैनीताल, सुद्‌युम्न आचार्य (बलिया) प्रो. कमलेश कुमार चौकसी (अहमदाबाद) प्रो.सुरेन्द कुमार (रोहतक), पूर्व लोकायुक्त श्री संज्जनसिंह कोठारी, ने उद्‌बोधन प्रदान किये।

उत्कृष्ट शोधपत्र के लिए प्रो. सरोज कौशल को दिया गया "विक्रम कालिदास पुरस्कार"

अखिल भारतीय कालिदास समारोह, उज्जैन की ओर से संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. सरोज कौशल को "कालिदास का भाषिक सौन्दर्य" विषयक शोधपत्र पर पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार अखिल भारतीय स्तर पर दिया जाता है। प्रो. कौशल को 14 नवम्बर, 2019 को कालिदास अकादमी तथा विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जयिनी के द्वारा प्रमाण-पत्र तथा 5000/रू नकद प्रदान कर सम्मानित किया गया।

लॉकडाउन में उपयोगी साबित हो रहा है

डिजिटल एज्यूकेशनल प्लेटफार्म स्वयं पोर्टल

वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण के चलते देशभर में लागू किए गए लॉकडाउन में मानव संसाधन मंत्रालय का स्वयं पोर्टल विद्यार्थियों के लिए काफी उपयोगी सिद्ध हो रहा है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शैक्षिक संचार संकाय सीईसी के माध्यम से स्वयं प्रभा (SWAYAM Prabha) पोर्टल पर डिजिटल एज्यूकेशनल प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया है। इस प्लेटफार्म के माध्यम से विद्यार्थी घर बैठे ही उपलब्ध कराए गए पाठ्यक्रमों को डाउनलोड करके और यू-ट्यूब के माध्यम से अध्ययन कर सकते हैं। ईएमएमआरसी जोधपुर सहित देशभर के ईएमएमआरसी द्वारा स्नातक पाठ्यक्रमों के आधार पर तैयार किए गए ई-कंटेंट कोर्सवेयर और मैसिव ओपन ऑन लाइन कोर्स सीईसी की वेबसाइट http://cec.nic.in पर निःशुल्क उपलब्ध करवाए गए हैं।

ईएमएमआरसी के निदेशक डॉ सुनील शर्मा ने बताया कि, सीईसी, नई दिल्ली द्वारा संचालित ईएमएमआरसी केन्द्रों द्वारा तैयार किए गए स्नातक स्तर के 87 से अधिक ई-कंटेंट कोर्स तथा स्नातक व स्नातकोत्तर के मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स स्वयं प्लेटफार्म पर निःशुल्क उपलब्ध करवाए गए हैं। उन्होंने बताया कि ईएमएमआरसी जोधपुर की वेबसाइट emmrcjodhpur.edu.in पर मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स के तहत जोधपुर सेंटर द्वारा प्रिंसिपल ऑफ मार्केटिंग, रीटेल बिजनस मैनेजमेंट, कॉर्पोरेट अकाउंटिंग, बिजनैस कम्युनिकेशन, एंटरप्रिनियोशिप, एडवरटाइजिंग, फंडामेंटल ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट के कोर्सवेयर तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड किए जा चुके हैं। यह सभी मूक्स कोर्सवेयर स्वयंपोर्टल के प्लेटफार्म पर उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके अलावा स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल-03 सोशियल एण्ड बिहेवियरल साइंसेज पर ईएमएमआरसी द्वारा तैयार किए गए शैक्षणिक कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है। मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एंथ्रोपॉलोजी के इन वीडियो प्रोग्राम को स्वयंप्रभा चैनल वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है।

- सीईसी की वेबसाइट पर स्नातक स्तर के 87 ई-कंटेंट कोर्सवेयर उपलब्ध है।
- करीब 11 विषय के कोर्स स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल पर उपलब्ध है। जो दूरदर्शन की फ्री डिश, डिश टीवी और रिलायंस जियो मोबाइल एप पर उपलब्ध है।
- उच्च शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम आधारित विज्ञान, ह्यूमेनिटज, मैनेजमेंट, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, कम्प्यूटर साइंस, भारतीय-शास्त्रीय संगीत सहित अनेक विषयों के प्रोग्राम फ्री-टू-एयर चैनल्स पर उपलब्ध करवाए गए हैं।
- स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर पर मूक्स के तहत तैयार किए गए कोर्स भी स्वयं पोर्टल के आर्काइव्जस से डाउनलोड किए जा सकते हैं (http://ugcmoocs.inflibnet.ac.in/ugcmoocs/moocs courses.php)
- करीब 150 से अधिक स्नातक व स्नातकोत्तर के सेमेस्टर कोर्स स्वयं मूक्स पर उपलब्ध करवाए हैं।
- सीईसी-यूजीसी के यू-ट्यूब चैनल पर भी अनेक पाठ्यक्रम आधारित कोर्सवेयर उपलब्ध करवाए गए हैं जो निःशुल्क देख सकते हैं।

ईएमएमआरसी में बोर्ड ऑफ मैनजमेंट की बैठक ईएमएमआरसी की वेबसाइट emmrcjodhpur.edu.in लांच

जेएनवीयू के एज्युकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई। बॉम के चेयरमैन कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सीईसी निदेशक प्रा. जे. बी. नड्डा और सेंटर डायरेक्टर प्रो. सी.आर. चौधरी सहित बोर्ड सदस्य उपस्थित रहे। ईएमएमआरसी के निदेशक प्रो. सी. आर. चौधरी ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से ईएमआरसी के नए स्टूडियो के निर्माण के लिए तीन करोड़ के बजट पर सदस्यों ने सहमति प्रदान की है। इस अवसर पर बॉम की गत बैठक के कार्यवृत्तकी पुष्टि के साथ ही एजेंडे में शामिल बिन्दुओं पर चर्चा की गई। बैठक में ईएमएमआरसी के कार्यों की सराहना करते हुए बॉम के सदस्यों ने कहा कि सेंटर ने स्वयंप्रभा चैनल-03 पर सीनीयर प्रोफेसर्स द्वारा हिन्दी भाषा में शैक्षणिक फिल्मों का निर्माण कर देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंच बनाई है, वो सराहनीय है। बैठक में सभी सदस्यों ने ईएमएमआरसी के कार्यों की सराहना की और कहा कि सेंटर ने मैसिव ओपन ऑनलाइन कोंस मूक्स के कार्यक्रम तय समय में पूरे किए हैं तथा ईएमएआरसी के एज्यूकेशन चैनल-03 पर भी अच्छे कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके जरिए ईएमएमआरसी ने छात्रों को एज्यूकेशन का बेहतरीन प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया है। प्रो.नड्डा ने कहा कि केन्द्र सरकार का मानव संसाधन मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का डिजिटल एज्यूकेशन पर फोकस है। अब वर्चुअल एज्यूकेशन की दृष्टि से सभी सेंटर का महत्वर्पूण रोल होगा। इसी क्रम में जोधपुर ईएमएमआरसी भी देश का महत्वपूर्ण सेंटर है।

बैठक में सीईसी के विशेष आमंत्रित सदस्य श्री करतारसिंह महाजन, शिमला विश्वविद्यालय के प्रो. प्रकाशचन्द चंदेल, आईआईटी रूड़की के प्रोफेसर डॉ. रवि भूषण, विवि की कुलसचिव श्रीमती चंचल वर्मा, वित्त सलाहकार श्री अभिमन्यू मौजूद रहे।

ईएमएमआरसी बॉम की बैठक में कुलपति प्रो. त्रिवेदी, सीईसी के निदेशक प्रो. जेबी नड्डा सहित सभी सदस्यों ने ईएमएमआरसी जोधपुर की वेबसाइट emmrcjodhpur.edu.in लांच की। ईएमएमआरसी के वरिष्ठ प्रड्यूसर विनोदचन्द्र सती एवं ग्राफिक आर्टिस्ट सुभाष व्यास ने बताया कि इसके जरिये स्वयं प्रभा चैनल, स्वयं मूक्स, व्यास चैनल एवं सीईसी व जेएनवीयू का लिंक किया गया है। "कभी भी कहीं भी" शिक्षा की उपलब्धता को सार्थक करता यह पोर्टल विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। ये कोर्स विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रो. यू.आर. नाहर, प्रो. कीर्ति राजिमवाले, प्रो. के.एन. व्यास, प्रो. करूणेश सक्सेना, प्रो. पी.एस. भाटी, प्रो. मीता निहलानी, डॉ. जनकसिंह मीना, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. राजेश बोहरा व सीए अमिता बिस्सा सहित अनेक विषय विशेषज्ञों ने तैयार किए हैं।

डॉ सुनील शर्मा बने ईएमएमआरसी के निदेशक

जयनारायण व्यास विश्व-विद्यालय के अधीन संचालित एज्यूकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर (ईएमएमआरसी) के निदेशक पद पर एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में सिविल विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुनील शर्मा की नियुक्ति की गई है। डॉ. शर्मा ने 9 मई को कार्यभार संभाल लिया। कुलपति प्रोफेसर (डॉ) पी.सी. त्रिवेदी ने उम्मीद जताई है कि, डॉ.शर्मा वर्तमान समय में जरूरत बनी ऑनलाइन एज्यूकेशन को लेकर ईएमएमआरसी को एक नई पहचान दिलाएंगे। डॉ. सुनील शर्मा पिछले 11 वर्षों से एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रभारी और हॉस्टल वॉर्डन हैं। डॉ. शर्मा कॉलेज ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट के प्रभारी व विश्वविद्यालय के चीफ इंजीनियर भी रह चुके हैं। ये वर्तमान में केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न समितियों में नामित हैं। डॉ.शर्मा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की स्टेट टेक्नीकल एजेंसी के चेयरपर्सन होने के साथ ही सरदार सरोवर बांध और राज्य सरकार की डीएलबी की विभिन्न समितियों में सदस्य भी हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने लॉकडाऊन में किया उत्कृष्ट कार्य

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए घोषित लॉकडाऊन के कारण सभी प्रकार की गतिविधियां, बाजार, उद्योग बंद हो जाने के कारण गरीब असहाय परिवारों पर भुखमरी व रोजगार का संकट आ गया है, वहीं कोरोना वायरस के फैलने के कारण भी लोगों में भय भी व्याप्त है। इन कठिन परिस्थितियों में विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवक अपना सेवा धर्म का पालन कर रहे हैं। लॉकडाऊन में स्वंयसेवकों द्वारा अपने मौहल्ले व शहरों में गरीबों को खाना पहुँचाया गया, सूखी राशन सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही वे वन्य जीव-जन्तुओं के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने में अपना योगदान दे रहे हैं। विज्ञान संकाय के एक स्वयंसेवक ने अपने क्षेत्र में बड़ी मात्रा में रक्तदान करवाने में अपनी भूमिका निभाई है। स्वयंसेवक अपने क्षेत्र के प्रशासनिक अधिकारियों से व्हाटस-अप व मेल के माध्यम से सम्पर्क कर प्रशासन की मदद भी कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रोफेसर जैताराम विश्नोई ने सभी स्वयंसेवकों से अपील की है कि वे समाज में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने हेतु लोगों से समझाइश कर उन्हें घरों में रहने के लिए प्रेरित करें। लोगों को सामाजिक दूरी के फायदे के बारे में बताए। अपने गांवों में प्रवासियों को क्वारेंटाइन करवाने में मदद करें, उनके लिए खाना-पानी व बिस्तर की उचित व्यवस्था करवाएं। संदिग्ध संक्रमित व्यक्ति की सूचना तुरन्त चिकित्सा विभाग व प्रशासन को देने हेतु तत्पर कार्यवाही करे। प्रो. विश्नोई ने सभी स्वयंसेवकों को प्रो. के. आर. पटेल व प्रो. प्रवीण गहलोत के सम्पर्क में रहकर उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु भी निर्देशित किया है।

हिन्दी विभाग के पी-एच.डी. पूर्व कोर्स वर्क के दौरान हुए विशिष्ट साहित्यकारों के व्याख्यान

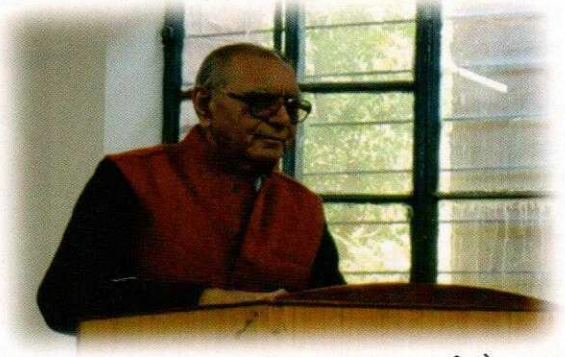

हिन्दी विभाग में जनवरी के अन्तिम सप्ताह व फरवरी के प्रथम व द्वितीय सप्ताह में पीएच.डी. पूर्व कोर्स वर्क की कक्षाएं सम्पन्न हुई। इसमें 68 शोधार्थी पंजीकृत थे। इस दौरान दैनिक व्याख्यानों के अतिरिक्त हिन्दी के ख्यातिनाम मूर्धन्य विद्वानों के व्याख्यानों से भी शोधार्थी लाभान्वित हुए। इस क्रम में हिन्दी के सशक्त हस्ताक्षर तथा अज्ञेय की परम्परा के प्रख्यात कवि व आलोचक व साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त डॉ. नंद किशोर आचार्य का व्याख्यान हुआ। उन्होंने कविता की रचना प्रक्रिया पर चर्चा करते हुए कहा कि कविता अलग से कुछ नहीं कहती, अगर कहने लगती है तो वह अपना धर्म भूल जाती है। कविता केवल संकेत करती है, उसी से हम कवि के मन के भाव को पहचानते हैं। साहित्य के अन्य प्रश्नों पर चर्चा करते हुए कहा कि भाषा प्रत्येक प्रयोजन की पूर्ति करती है, यह उसका सामर्थ्य है। ज्ञान केवल सृजनात्मक नहीं अनुभूत्यात्मक भी होता है। साहित्य से ही हमें आत्म पहचान होती है, जो मनुष्य को बेहतर बनाता है। उपस्थित श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने कहा कि आलोचना को वैचारिक आग्रहों से बचना चाहिए अन्यथा वह वैचारिकता के आगे घुटने टेक देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अन्तरराष्ट्रीय शायर शीन काफ निजाम ने की। विभागाध्यक्ष प्रो. कैलाश कौशल ने स्वागत किया व पाठ्यक्रम सह समन्वयक डॉ. नरेंद्र मिश्र ने संचालन किया।

इसी प्रकार 12 फरवरी को पाठ्यक्रम के समापन अवसर पर प्रख्यात शायर शीन काफ निजाम ने 'हिंदी गज़ल एवं गीत' विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि शब्दों के प्रति संवेदना से ही कविता समझी जा सकती है। यह सहानुभूति से नहीं अपितु स्वानुभूति से जन्मती है। उन्होंने कहा कि गज़ल इंकलाब नहीं करती वह तो गुफ्तगू करती है। गज़ल यह सिखाती है कि कोई शब्द किसी का पर्याय नहीं होता। आलोचना के पास भाषा होती है तो कविता के पास खामोशी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एस. पी. दुबे ने कहा कि उर्दू हमें अलग अदब सिखाती है, इसका लालित्व ही हमें रसास्वाद कराकर ब्रह्मानन्द तक पहुंचाता है। हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रो. कैलाश कौशल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथाकार हरिप्रकाश राठी ने भी अपने विचार रखे। पाठ्यक्रम सह समन्वयक डॉ. नरेन्द्र मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा संचालन शोधार्थी चन्द्रभान विश्नोई व ममता राजपुरोहित ने किया। शोधार्थियों सहित हिन्दी विभाग के सभी शिक्षक इस अवसर पर उपस्थित थे।

राजस्थानी विभाग द्वारा साहित्यिक-सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन

राजस्थानी विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 3 फरवरी से 8 फरवरी, 2020 तक 'भाषा साहित्य तथा लोकसांस्कृतिक सप्ताह' का आयोजन किया गया। 03 से 08 फरवरी, 2020 तक चलने वाले इस सप्ताह के तहत राजस्थानी भाषा, साहित्य व संस्कृति से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजया अमरावत ने बताया कि जिसमें राजस्थानी भाषा में कहावतें-कथा प्रस्तुति प्रतियोगिता, राजस्थानी काव्य पाठ प्रतियोगिता, राजस्थानी भाषण प्रतियोगिता (विषय-प्राथमिक सिक्सा में मायड़ भासा रो महत्व) निबंध लेखन प्रतियोगिता (विषय-जगचावी राजस्थानी संस्कृति) /संस्मरण रेखाचित्र लेखन प्रतियोगिता, मांडणां प्रतियोगिता, लोकगीत गायन प्रतियोगिता तथा राजस्थानी लोकनृत्य आदि प्रतियोगिताएँ रखी गई। विश्वविद्यालय के सभी संकायों के नियमित विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। कार्यक्रम के अन्तिम दिन 8 फरवरी को विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान प्रो. किशोरीलाल रैगर, डॉ. आईदान सिंह भाटी, प्रो. कैलाश कौशल एवं अधिष्ठाता प्रो. एस.पी. दुबे ने अपने विचारों से प्रतिभागियों को लाभान्वित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कोविड-19 के प्रति जागरूकता के लिए क्विज आयोजित की

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा वैश्विक महामारी कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण से बचने के लिए लोगों को जागरूक करने हेतु मई में एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. के.आर. पटेल ने इस संबंध में 'परिसर' को बताया कि इस प्रतियोगिता में लगभग 1600 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन अपने जवाब प्रेषित किए। इनमें से 40प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रोत्साहन प्रमाण-पत्र भेजे गए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रियंका पुरोहित ने कोरोना वाइरस व पर्यावरण जागरूकता से संबंधित प्रश्नोत्तरी तैयार की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी व कार्यक्रम समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई ने इस कार्य को प्रसंशनीय बताया व प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

हाइकु वेधक की भांति प्रभावी: कमलेश भट्ट

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में जनवरी के प्रथम सप्ताह में नई दिल्ली से आये प्रसिद्ध साहित्यकार कमलेश भट्ट कमल ने हिन्दी साहित्य में हाइकु कविता पर प्रभावी व्याख्यान दिया। उन्होंने हिन्दी विभाग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से संवाद करते हुए हाइकु की रचना प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कविता की यह विधा जापानी शैली से निःसृत है जिसमें क्रमशः तीन पंक्तियों में 5-7-5 वर्ण होते हैं। हिन्दी में यह विधा काफी लोकप्रिय होती जा रही है। 17 वर्णों का हाइकु प्रकृति, मनोवृत्ति, समकालीन संदर्भ आदि समेटे हुए कभी धारदार व्यंग्य के रूप में, तो कभी विरोधाभास व अर्थगाम्भीर्य के रूप में अपनी पहचान को प्रकट करता है। हाइकु वेधक की भांति प्रभावी होते हैं, जिसकी क्षमता अत्यन्त गंभीर होती है। विभागाध्यक्ष प्रो. कैलाश कौशल ने अतिथि का स्वागत किया तथा डॉ. नरेन्द्र मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्यार्थी व विभाग के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

वाद विवाद में के. एन. कॉलेज की छात्राएं रही अव्वल

सूरत में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय युवा महोत्सव में वाद विवाद प्रतियोगिता में जेएनवीयू में के एन कॉलेज की छात्राओं प्रियंका सिंह नरूका और अंबिका रत्नू ने 46 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों को पीछे छोडते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र सेवा मंडल के सचिव जालम सिंह रावलोत ने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय की टीमों ने राजस्थानी लोक नृत्य में चौथा, गजल गायन में पांचवा और नाट्य में छठा स्थान प्राप्त किया।

मिस के. एन. 2020 का ताज आरती राजपुरोहित के नाम

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय का सबसे चर्चित, हूटिंग एवं धमालभरा कार्यक्रम जोश एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का सभी छात्राएं वर्षभर इन्तजार करती हैं क्योंकि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए लालायित रहती हैं। इस उमंगों से भरपूर कार्यक्रम में गाने, नृत्य, कैटवाक, प्रश्नोत्तरी एवं अन्य गतिविधियां सम्मिलित होती हैं। महाविद्यालय की छात्रसंघ अध्यक्षा प्रियंका सिंह नरूका ने बताया कि यह कार्यक्रम उत्कर्ष क्लासेज के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें बेहतर प्रदर्शन के आधार पर निर्णायक मण्डल द्वारा बी. ए. द्वितीय वर्ष की आरती राजपुरोहित को मिस केएन 2020 घोषित किया गया तथा प्रथम रनर सिमरन सोनी व द्वितीय रनर लक्षिता गहलोत रही।इसमें निर्णायक के रूप में शीतल

मैडम एवं कामिल खान रहे। कार्यक्रम का संचालन अंकेश भाटी ने किया। इस कार्यक्रम में अतिथिगण, शिक्षक, कर्मचारी एवं हजारों की संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

स्मार्ट विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, चार 'एल' पर रहेगा फोकस- कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी

(डॉ. जनकसिंह मीना/अजय अस्थाना से बातचीत)

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय उच्च शिक्षण संस्थानों में सर्वोत्कृष्ट संस्थान बने। इसके लिए विश्वविद्यालय में पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय को स्मार्ट व क्लीन बनाने के साथ ही कौशल विश्वविद्यालय से हुए एमओयू के तहत ऐसे कोर्सेज संचालित किए जाएंगे, जो यहां के विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुखी साबित हों। विश्वविद्यालय में क्वालिटी रिसर्च पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही चार 'एल' पर फोकस किया जा रहा है। ये कहना है कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रवीण चन्द त्रिवेदी का। 'परिसर' समाचार पत्र के साथ खास साक्षात्कार में कुलपति ने विश्वविद्यालय के विकास को लेकर खुलकर अपने विचार रखे।

कुलपति पद की जिम्मेदारी मिलने पर प्राथमिकताएं

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के बारे में कुछ जानकारी तो पहले से मेरे पास थी क्योंकि मैं राजस्थान से ही हूं। लेकिन पता लगा कि गत कुछ वर्षों से स्थितियां खराब है, विशेषकर वित्तीय स्थिति। दूसरी बड़ी समस्या टीचिंग और नॉन टीचिंग में रिक्त पद होना है। 2016 का पीएचडी आर्डिनेन्स भी सरकार से पास होकर नहीं आया है। इन सब स्थितियों को देखते हुए मैंने यह तय किया कि, पांच साल का विजन डोक्यूमेंट बनाया जाए। मैंने पद संभालते ही अधिष्ठाता और विभागाध्यक्षों की मीटिंग ली और उन्हें कहा कि, गत तीन वर्ष की उपलब्धि के साथ ही भविष्य का प्लान तैयार किया जाए। विश्वविद्यालय और छात्रों के हित में क्या-क्या किया जा सकता है, इस पर सुझाव मांगे हैं।

उच्च शिक्षण और शोध पर जोर

कुलपति का कार्यभार संभाले हुए मुझे कुछ महिने ही हुए हैं। मैंने सभी विभागाध्यक्षों को कहा कि, विश्वविद्यालय शिक्षण और शोध से जाना जाता है। विश्वविद्यालय में उच्च श्रेणी का रिसर्च हो। यही विश्वविद्यालय उच्च शिक्षण के लिए जाना जाता था। दिग्गज प्रोफेसर थे। नामी व्यक्तियों ने काम किया, अच्छे लोग यहां से निकले। लेकिन आज वो स्थिति नहीं है। इसके लिए हम सभी जिम्मेदार हैं। शिक्षक समुदाय का दायित्व बनता है कि, विद्यार्थियों को क्वालिटी रिसर्च कराएं। पब्लिकेशन कराएं, क्योंकि विश्वविद्यालय उसी वजह से जाना जाता है। दूसरा मैंने कहा है कि, हमारे विश्वविद्यालय में बहुत कम रिसर्च प्रोजेक्टस हैं। हर विभाग साल में एक कॉन्फ्रेंस जरूर कराए। इसका फायदा स्टूडेंटस और रिसर्च स्कॉलर को मिलेगा।

4 'एल' पर रहेगा फोकस

मेरा फोकस 4 'एल' पर रहेगा। हर संस्था के अंदर 4 'एल' जरूर होने चाहिए। क्वालिटी लेक्चर, क्वालिटी लेबोरेटरी, क्वालिटी लाइब्रेरी और क्वालिटी लीडरशिप। क्वालिटी लेक्चरर अपॉइंट हों, इसके लिए टीचिंग और नॉन टीचिंग की पोस्ट भरी जाएगी। इस सम्बन्ध में प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। सरकार से आर्डिनेंस पास होते ही विज्ञापन निकाल दिया जायेगा। अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसमें पूर्ण पारदर्शिता रहेगी।

नेक विजिट करवाना प्राथमिकता

नेक विजिट करवाना प्राथमिकता है, क्योंकि विश्वविद्यालय की प्राथमिकता और हर ग्रांट नेक के साथ जुड़ी हुई है। नेक विजिट के लिए कोर्डिनेटर की नियुक्ति कर दी गई है। सभी विभागों से सूचना मांगी गई है। विभागाध्यक्षों को कहा गया है कि, जो भी कमियां हैं, उसे दुरूस्त किया जाये। आई कार्ड का प्रोसेस हो गया। डायरेक्टरी बन रही है। मोमेन्टो, बैज होने चाहिए। जब भी कोई डिग्नटी आए तो यादगार लेकर जाए। इंजीनियरिंग कॉलेज में पेट्रोलियम डिपार्टमेंट के लिए राज्य सरकार से 20 करोड़ का फंड मिला है। इससें विश्वविद्यालय में आशा की किरण जगी है।

विश्वविद्यालय में लगेगा राष्ट्रीय स्तर का बुक फेयर

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षण के लिए हर सुविधा मिलनी चाहिए। नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने पर विश्वविद्यालय में एक राष्ट्रीय स्तर का बुक फेयर लगाया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय स्तर के प्रकाशक आएंगे। शिक्षक और छात्र इसमें से पुस्तकें चुनेंगे, जो लाइब्रेरी में रखी जाएंगी। लाइब्रेरी में ई-जर्नल और ई-बुक्स का प्रचलन है। दिव्यांगजनों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उनके लिए अलग से कम्प्यूटर की व्यवस्था के लिए कहा गया है, ताकि वो ब्रेल सिस्टम से लाइब्रेरी में एक्सेस कर सकें। दिव्यांगों के लिए जहां रैम्प नहीं है, उन्हें बनाने के लिए कहा गया है।

खेल सुविधाओं का होगा विकास

विद्यार्थियों का हर तरह का विकास होना चाहिए। उनके लिए स्पोर्टस महत्वपूर्ण है। उन्हें खेल से जुड़ी अधिक से अधिक सुविधाएं देने का प्रयास है। खेलने वाले विद्यार्थियों को उत्कृष्ट कोच मिलें, वो कहीं भी खेलने जाएं तो विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें।

एनएसएस और एनसीसी को बनाया जाएगा प्रभावी

विश्वविद्यालय में एनएसएस और एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इनका समाज के प्रति दायित्व होता है। विश्वविद्यालय में इन दोनों इकाइयों को और प्रभावी बनाया जाएगा। गांव गोद लिए जाएंगे। समाज के लिए ये दोनों इकाइयां कुछ अच्छा करें, ऐसा प्रयास रहेगा। इसके लिए मैं प्रतिबद्ध हूं।

रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम होंगे संचालित

पाठ्यक्रम को अपग्रेड करना हमारी प्राथमिकता रहेगी। अद्यतन पाठ्यक्रम संचालित हों, ऐसा प्रयास किया जा रहा है। कौशल विश्वविद्यालय से किए गए एमओयू के तहत विश्वविद्यालय में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट सेल को इस तरह का बनाया जाएगा कि वो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित हो।

विश्वविद्यालय में होगा 'नो व्हीकल डे'

पर्यावरण की दृष्टि से भी कदम उठाए जा रहे हैं। महीने में एक दिन विश्वविद्यालय में 'नो व्हीकल डे' किया जाएगा। इससे समाज में संदेश जाएगा। विश्वविद्यालय को समाज से जुड़ना चाहिए। पब्लिक लेक्चर होने चाहिए। पॉपुलर लेक्चर के लिए प्रबुद्ध नागरिकों को आमंत्रित किया जायेगा। जो भी विद्वान जोधपुर आएगा, विश्वविद्यालय में उसका लेक्चर करवाया जाएगा ताकि आम नागरिक लाभान्वित हो।

सुंदर और स्वच्छ बनेगा विश्वविद्यालय

कैम्पस को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए एक ब्यूटीफिकेशन कमेटी बनाई गई है। कैम्पस में हर्बल गार्डन बनाया जाएगा। वहां चिकित्सीय पौधे लगाए जाएंगे। नवगृह वाटिका, नक्षत्र वाटिका जैसे कॉन्सेप्ट पर इस गार्डन को विकसित किया जायेगा। कैम्पस क्लीनिंग बहुत जरूरी है, वो करवाई जाएगी। जिन विभागों में प्रयोग में नहीं आने वाली सामग्री पड़ी हुई है, उसे नीलाम करने की प्रक्रिया जल्दी ही शुरू होगी। सभी विभागाध्यक्षों से ऐसी सामग्री की सूची मांगी गई है। इससे क्लीन कैम्पस साकार होगा।

विश्वविद्यालय के इतिहास पर बनेगी फिल्म

विश्वविद्यालय के इतिहास और उपलब्धियों से यहां के विद्यार्थियों और आमजन को रूबरू करवाने के लिए विश्वविद्यालय पर फिल्म बनाई जाएगी और स्मारिका प्रकाशित की जाएगी। फिल्म में यहां के पूर्व शिक्षकों, छात्रों के इंटरव्यू लिए जाएंगे। ईएमएमआरसी को फिल्म बनाने के लिए कहा गया है। मैं चाहता हूं कि, हर शिक्षक की एक प्रोफाइल बने। वेबसाइट को अपडेट करने का बीड़ा उठाया है। इसका फायदा हमें नेक विजिट में भी मिलेगा। राजभवन में एक पार्क विकसित किया जा रहा है। जिसमें हर विश्वविद्यालय का स्मार्ट मॉडल रखा जाएगा। जेएनवीयू का स्मार्ट माडल तैयार हो रहा है।

विश्वविद्यालय में लगेगी गांधीजी की प्रतिमा, बनेगा संविधान पार्क

राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी का 150वां जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में गांधीजी की प्रतिमा लगाया जाना प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय में संविधान पार्क बनाया जायेगा। जहां संविधान की प्रस्तावना, मूल कर्त्तव्य आदि पत्थर की पट्टिकाओं पर लिखे होंगे। ये स्थाई होंगे ताकि लोग संविधान को जान सकें। नशा मुक्त, प्लास्टिक मुक्त कैम्पस को आगे बढ़ाया जायेगा।विश्वविद्यालय में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था की जाएगी। जोधपुर में अब बरसात भी अधिक होने लगी है, ऐसे में रेन हार्वेस्टिंग के जरिये इकट्ठा किया गया पानी गार्डन आदि में यूज लिया जायेगा। विश्वविद्यालय का परिसर बहुत बड़ा है, ऐसे में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग उपयोगी साबित होगा।

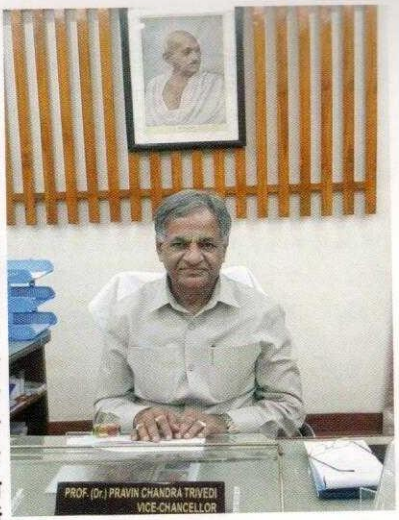

विश्वविद्यालय में होंगी स्मार्ट क्लास

विश्वविद्यालय को स्मार्ट बनाने का काम कर रहे हैं। हर क्लास रूम में जो सुविधाएं होनी चाहिए, वो उपलब्ध करवाई जाएंगी। हर विभाग के अंदर डिजिटिल बोर्ड लगाया जाएगा। ग्लास बोर्ड लगाया जाएगा। स्मार्ट क्लास के लिए जो सुविधाएं चाहिए वो देने का प्रयास किया जा रहा है।

परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए उठाए कदम

परीक्षा प्रणाली में सुधार किया है। सम्बद्ध कॉलेजों के लिए परीक्षा संबंधी कोई नियम ही नहीं बने हुए थे। वो नियम बनाए गए हैं। कॉलेज के निरीक्षण किए गए। उसके बाद ही परीक्षा केन्द्र बनाए गए।

हॉस्टल में सुविधाओं पर जोर

हॉस्टल में सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। एससी/एसटी गर्ल्स हॉस्टल फिर से शुरू किया गया है। ये हॉस्टल पिछले 5 साल से बंद था।

विश्वविद्यालय में बनेगी एल्यूमिनाई एसोसिएशन

विश्वविद्यालय में एल्यूमिनाई एसोसिएशन बनाई जा रही है। एक कमेटी बनाई गई है। इंजीनियरिंग कॉलेज के डीन को उसका चेयरमैन बनाया गया है। ये कमेटी यहां अध्ययन कर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर रहे पूर्व छात्रों से संपर्क करेगी और एसोसिएशन से जोड़ेगी। जल्दी ही एसोसिएशन की मीटिंग होगी।

विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से सहयोग

मैं सभी विभागों में जाऊंगा और हर शिक्षक से जानकारी लूंगा। जिसकी जिसमें रूचि हो, उसे वो काम दिया जाएगा। हर विभाग का जल्दी ही एक ग्रुप फोटो होगा। उसे वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा। ताकि हर कोई विभाग के बारे में पूरी तरह से जान सके। विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकों को शिक्षक दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। इसी तरह सेवानिवृत्त अशैक्षणिक कर्मचारियों को स्थापना दिवस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को 26 जनवरी को सम्मानित किया जायेगा। इसके लिए एक पैरामीटर तय किया जाएगा, एक कमेटी बनाई जाएगी। इस बार 15 अगस्त को अशैक्षणिक कर्मचारियों को सम्मानित किया जायेगा।

पूर्व कुलपति प्रो. एल.एस. राठौड़ व डॉ. नसीम भाटिया अलविदा

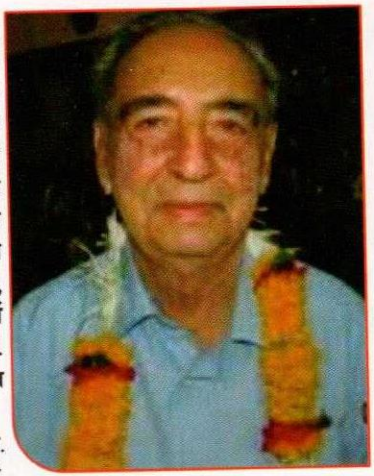

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के दो पूर्व कुलपति प्रो. एल.एस. राठौड़ व डॉ. (श्रीमती) नसीम भाटिया अब हमारे बीच नहीं रहें। डॉ. (श्रीमती) नसीम भाटिया 10 फरवरी, 2003 से 9 फरवरी, 2006 तक इस विश्वविद्यालय की कुलपति रही। पिछले दिनों अप्रेल में गुरूग्राम में उनका आकस्मिक निधन हो गया। उनके कार्यकाल में ही विश्वविद्यालय का 'नेक' टीम द्वारा प्रथम बार निरीक्षण हुआ और विश्वविद्यालय को 'A' ग्रेड का दर्जा प्राप्त हुआ। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से अनुदान प्राप्त करके विश्वविद्यालय में 'महिला अध्ययन केन्द्र', 'नेहरू अध्ययन केन्द्र', 'डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र', 'गाँधी अध्ययन केन्द्र' व 'बौद्ध अध्ययन केन्द्र' की स्थापना की।

हाल ही में 4 जून, 2020 को प्रो. एल.एस. राठौड़ का लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे डॉ. नसीम भाटिया से पूर्व 27 फरवरी, 1999 से 25 नवम्बर, 2002 तक इस विश्वविद्यालय के कुलपति रहें। प्रो. राठौड़ जाने-माने शिक्षाविद् एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर के राजनीति शास्त्र के उद्भट विद्वान रहे हैं। वे अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि भी थे। विश्वविद्यालय को कीर्ति दिलाने में इनका अपूर्व योगदान रहा। इन्होंने बहुत वर्षों से बन्द पड़ी सी.ए.एस. प्रक्रिया के तहत कई शिक्षकों को पदोन्नति प्रदान की। उल्लेखनीय है कि इन्होंने अपने वेतन से राशि देकर 'प्रो. नामवर सिंह व्याख्यानमाला' प्रारम्भ की जिसके तहत स्वयं नामवरजी सहित अनेक ख्यातिनाम विद्वानों के व्याख्यान हुए। शिक्षाविद् व कवि हृदय होने के साथ-साथ वे खेलप्रेमी भी थे। वे विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के बीच समन्वय बैठाकर कार्य करते थे। उनसे सभी वर्गों के लोग प्रसन्न थे। उनके यों अचानक चले जाने से सभी को अपूरणीय क्षति हुई है।

'परिसर' परिवार दोनों पूर्व कुलपतियों के निधन पर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

नियुक्तियाँ

कला संकाय के अधिष्ठाता बने प्रो. एस.पी. दुबे

हिन्दी विभाग के प्रोफेसर कौशलनाथ उपाध्याय की सेवानिवृत्ति के पश्चात् विश्वविद्यालय प्रशासन ने संस्कृत विभाग के प्रोफेसर एस.पी. दुबे को 1 नवम्बर, 2019 से उनकी सेवानिवृत्ति या तीन वर्ष जो भी पहले हो तक कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय का अधिष्ठाता नियुक्त किया है। वे संस्कृत के उद्भट विद्वान हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक 'परिसर' के सम्पादन का कार्य प्रो. एस.पी. दुबे ही संभाल रहे थे।

प्रो. एस.के. ओझा और प्रो. एस.पी. भादु बने सिण्डीकेट सदस्य

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने एक आदेश जारी कर अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एस.के. ओझा को 1 फरवरी, 2020 से तथा प्रबंध अध्ययन संस्थान के अध्यक्ष प्रो. एस.पी. भादु को 1 मई, 2020 से एक वर्ष के लिए सिण्डीकेट सदस्य नियुक्त किया है।

डॉ. सुरेश सांखला चीफ प्रोक्टर नियुक्त

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने संरचना अभियांत्रिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरेश सिंह सांखला को फरवरी में विश्वविद्यालय का चीफ प्रोक्टर नियुक्त किया है।

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्यक्षों की नियुक्ति

विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय के निर्देशानुसार स्थापना शाखा ने विश्वविद्यालय के कई विभागों में अध्यक्षों की नियुक्ति की है। इस क्रम में हिन्दी विभाग के प्रोफेसर डॉ. एस.के. मीना को नवम्बर, 2019 से आगामी तीन वर्षों तक पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया है।कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. नेमीचन्द बरवड़ को 1 जनवरी, 2020 से तीन वर्षों तक अध्यक्ष नियुक्त किया है।प्रो. औतारलाल मीना को 1 मार्च, 2020 से आगामी तीन वर्षों तक दर्शनशास्त्र विभाग का पुनः अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसी प्रकार प्रो. कान्ता कटारिया को राजनीति विज्ञान विभाग तथा प्रो. सीमा त्रिवेदी को प्राणीशास्त्र विभाग का दिनांक 1 अप्रेल, 2020 से आगामी तीन वर्षों तक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।गणित एवं सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष पद पर प्रो. जेताराम विश्नोई की नियुक्ति 1 मई, 2020 से तीन वर्षों तक की गई है। वे राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक व विश्वविद्यालय के परीक्षा नियन्त्रक का कार्य भी संभाल रहे हैं।डॉ. मीनाक्षी बोराणा को 1 जून, 2020 से तीन वर्षों के लिए राजस्थानी विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

प्रो. के.एल. रैगर जनसम्पर्क अधिकारी नियुक्त

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के निर्देशानुसार हिन्दी विभाग के प्रो. किशोरीलाल रैगर को जनसम्पर्क अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

सम्पादकीय...

सम्मानित साथियों! 'परिसर' का यह अंक व्यापक अंतराल के पश्चात् प्रकाशित हो रहा है। विश्वविद्यालय के नव-नियुक्त ऊर्जावान कुलपति महोदय प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने इसके प्रकाशन की जिम्मेदारी हमारी टीम को सौंपी है। अतः सर्वप्रथम 'परिसर' टीम माननीय कुलपति का आभार प्रकट करती है। मित्रों! वैश्विक महामारी कोविड-19 के अप्रत्याशित संक्रमण के कारण पूरी दुनिया संकट के दौर से गुजर रही है। पूरी मानवजाति बेहाल है। ऐसे में हमारे विश्वविद्यालय की भी सभी गतिविधियां 'लॉकडाउन' के चलते प्रभावित हुए बिना नहीं रही। किन्तु ऐसे विकट दौर में भी हमारे विश्वविद्यालय के मुखिया प्रो. त्रिवेदी ने सकारात्मक सोच रखते हुए अपने कुशल निर्देशन से विश्वविद्यालय की अत्यावश्यक गतिविधियों को संचालित करने में कोई कसर नहीं रखी। यद्यपि कोरोना संकट से विश्वविद्यालय की परीक्षाएं व अन्य अकादमिक कलेण्डर गड़बड़ा गये हैं तथापि हमें ऐसे समय में धैर्य रखकर सावधानी बरतते हुए विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों को पंख लगाना है। नई तकनीकी के साथ जुड़कर अकादमिक गतिविधियों को पटरी पर लाना है। इस उद्देश्य से हम 'परिसर' के इस अंक में कुलपति महोदय का साक्षात्कार व विश्वविद्यालय के लिए उनका विज़न प्रकाशित कर रहे हैं ताकि हम उनके सपनों के विश्वविद्यालय के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकें। यह अंक विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों/संस्थानों/विभागों में संचालित मुख्य-मुख्य गतिविधियों से आपको रू-ब-रू करवा रहा है। आशा है कि हम कोरोना संकट से शीघ्र मुक्त होंगे व नवप्रभात की किरणों से प्रकाश ग्रहण कर अपना पथ प्रशस्त करेंगे।

(प्रो. किशोरीलाल रैगर)

-: सम्पादक मण्डल :-

प्रधान संरक्षक
प्रो.(डॉ.) प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी
कुलपति, जेएनवीयू

प्रधान सम्पादक
प्रो. के एल रैगर

सदस्य
प्रोफेसर प्रवीण गहलोत
प्रो. नरेन्द्र मिश्र
प्रो. एस के हरित
डॉ जनक सिंह मीना
डॉ. ओ पी टाक
डॉ प्रवीण चन्द
डॉ गजेसिंह राजपुरोहित
अजय अस्थाना

ले-आउट
मुकेश परिहार

प्रकाशक
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय
जोधपुर

Coronavirus Safety and Precaution

श्री टीकाराम जूली
माननीय श्रम मंत्री, राजस्थान सरकार,
385–ए, सिविल लाइंस, जयपुर।